

|     |  |     |  |
|-----|--|-----|--|
| १७८ | १६ (अक्षरविन्यास) लिखा लेख,  | ५७  | • (अगास्त) अगस्त्यमानं                                   |
| २४० | ४५ (अक्षवली) जुआ,  | ७०  | १५ (अगाध) अथाह   |
| १८८ | ५६ (अक्षायकीलक) पहिया नहीं निकलने के लिये धूरीके किनारे में गंडी हुई कील, कुलावा | १५६ | १२७ (अगुरु) शीशम, सेर-सई, गूगुर, कालागूगुर               |
| ४७  | २४ (अक्षान्ति) असहन  | ६०  | ६२ (अगुरुशिशपा) शीशम                                     |
| १४७ | ९३ (अक्षि) आँखि  | १६५ | २३ (अग्नाथी) अग्निकी स्त्री स्वाहा                       |
| १८३ | ३८ (अक्षिकूटक) हाथी के नेत्रों की गोलाई  | १२  | ५४ (अग्नि) आगि   |
| २५३ | ४५ (अक्षिगत) वैरकेयोग्य  | १३  | ५८ (अग्निकण) आगिकी चिनगारी                               |
| ८३  | ३१ (अक्षीव) समुद्रका निमक, सहिजन,  | १६२ | १४ (अग्निचित) अग्निका संग्रह करनेवाला                    |
| ८३  | २९ (अक्षोट) पर्वती पीलु वृक्ष, अखरोट   | १०४ | १२४ (अग्निज्वाला) धवईवृक्ष                               |
| १९४ | ८१ (अक्षौहिणी) अनीकिनी सेनाविशेष   | ९   | ४० (अग्निभू) कार्तिकेय                                   |
| २५८ | ६५ (अखण्ड) सम्पूर्ण, सब  | ६१  | ६६ (अग्निमन्थ) अरणीकाष्ठ                                 |
| ६०  | २७ (अखात) सरोवर, विना खनाया तालाव  | ८६  | ४३ (अग्निमुखी) भिलावाँ                                   |
| २५८ | ६४ (अखिल) सम्पूर्ण, सब   | १५५ | १२५ (अग्निशिख) कुंकुम                                    |
| २८७ | १६ (अग) पर्वत, वृक्ष,  | १०२ | ११८ (अग्निशिखा) करि-आरी, इन्द्रपुष्पी                    |
|     |  | २६  | १० (अग्न्युत्पात) उल्का, धूमकेतु, आकाशसंबन्धी अग्निविकार |

अमरकोशादर्श ।

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २५६   | ५८ (अग्र) वृक्षकी चोटी,<br>मुख्य, प्रधान                          | ४२    | ५ (अंक्या) गोदीमें लेकर<br>घाजनेवाला मृदंग                                  |
| १३५   | ४३ (अग्रज) ज्येष्ठभाई   | १४२   | ७० (अंग) अवयव, सम्बो-<br>धन, फिर  |
| १६०   | ४ (अग्रजन्मन्) ब्राह्मण   | १५१   | १०७ (अंगद) विजायठ, घ-<br>जुछा, घाजूबन्द                                     |
| १६२   | ७२ (अग्रतःसर) अगुआ  | ७२    | १३ (अंगण) आँगन, अँ-<br>गना  |
| ३४८   | ७ (अग्रतः) आगे  | १७    | ५ (अंगना) स्त्री, सार्व-<br>भौम दिग्गज की स्त्री                            |
| १४१   | ६४ (अग्रमांस) करेज  | ४५    | १६ (अंगविशेष) लचकना   |
| १३५   | ४३ (अग्रिय) ज्येष्ठभाई,<br>प्रधान                                 | १५४   | १२२ (अंगसंस्कार) अंगोंका<br>स्नानादिसंस्कार धो-<br>ना तथा चुकवाआदि<br>लगाना |
| २५६   | ५८ (अग्रीय) प्रधान, ज्येष्ठ<br>भाई                                | ४५    | १६ (अंगहार) लचकना   |
| १३१   | २३ (अग्रेदिधिपु) ब्राह्मणी<br>उढ़री रखनेवाला ब्रा-<br>ह्मण        | २१०   | ३० (अंगार) अंगारा   |
| १९२   | ७२ (अग्रेसर) अगुआ   | २१    | २५ (अंगारक) मंगल  |
| २५६   | ५८ (अग्र्य) ज्येष्ठभाई,<br>प्रधान                                 | २१०   | २९ (अंगारधानिका) अंगेठी   |
| २९    | २३ (अघ) पाप, दुःख, शि-<br>कारादि अट्टारहप्रकार<br>के व्यसन, विपत् | ८७    | ७८ (अंगाखल्ली) एक प्र-<br>कारका कंजा, चुंघुची,<br>अंगिया                    |
| १७२   | ५१ (अघमर्षण) सवपापका<br>नाश करनेवाला मंत्र                        | ६६    | ६० (अंगाखल्ली) भंगरा<br>मृंगराज   |
| २१९   | ६७ (अचन्या) गौ  | २१०   | २९ (अंगारशकटी) अंगेठी   |
| २०    | १७ (अंक) गोदी, चिह्न,<br>फलक                                      | ३२    | ५ (अंगीकार) स्वीकार-<br>हामीकार   |
| ७७    | ४ (अंकुर) अंकुर, अँतुवा   | २६८   | १०८ (अंगीकृत) स्वीकार की<br>दृष्टि पम्तु                                    |
| १८४   | ४१ (अंकुश) आँकुश  |       |   |
| ८३    | २९ (अंफोट) अँकुहर,<br>अग्रोट                                      |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १५१   | १०८ (अंगुलिमुद्रा) मोहर<br>करनेकी अंगूठी जिस<br>में नाम खुदाहो वह<br>अंगूठी | १०३   | ११९ (अजशृंगी) मेढाशृंगी  |
| १४५   | ८२ (अंगुली) अंगुली  | १५    | ६७ (अजस्र) नित्य, ल-<br>गातार  |
| १५१   | १०७ (अंगुलीयक) अंगूठी   | २२१   | ७६ (अजा) बकड़ी   |
| १४३   | ७१ (अंघ्रि) पैर, चरण  | २१२   | ३६ (अजाजी) जीरा  |
| १४५   | ८२ (अंगुष्ठ) अंगुठा   | २३२   | ११ (अजाजीव) गड़रिया  |
| ७९    | १२ (अंधिनामक) जड़   | २९८   | ६१ (अजित) विष्णु, शिव  |
| ९७    | ९२ (अंधिवल्लिका) सिंहपु-<br>च्छी, पिधवन                                     | १७१   | ५० (अजिन) मृगचर्म  |
| १५४   | १२१ (अंचल) आचर कोंछा  | १२०   | २७ (अजिनपत्रा) चम-<br>गुदरि  |
| २२०   | ७० (अचंडी) सीधी गौ  | ११६   | ९ (अजिनयोनि) हरिण  |
| ७४    | १ (अचल) पर्वत   | ७२    | १३ (अजिर) आंगन, वि-<br>षय, रूप, रस, शब्द,<br>स्पर्श, गन्ध, देह, मेढु-<br>का, चौतरा, वायु |
| ६५    | २ (अचला) भूमि   | २५९   | ७२ (अजिह्व) सीधा   |
| ४     | १९ (अच्युत) विष्णु  | १९५   | ८६ (अजिह्वग) तीर, वाण,   |
| ५     | २३ (अच्युताग्रज) बलदेव  | ४४    | ११ (अज्जुका) नाचने-<br>वाली पतुरिया, रंडी  |
| ५७    | १४ (अच्छ) निर्मल, प्रसन्न,<br>रीछ, भालू, स्फटिक                             | २५१   | ११ (अज्ज) महामूढ़, मूर्ख   |
| २२१   | ७६ (अज) ब्रह्मा, विष्णु,<br>महेश्वर, बकड़ा, रघु<br>राजाका पुत्र             | २६६   | ९८ (अजित) पूजित  |
| १०७   | १३९ (अजगंधिका) बवाई   | १७    | ३ (अज्जन) दिग्गज, का-<br>जर  |
| ५१    | ५ (अजगर) अजगर   | १०५   | १३० (अज्जनकेशी) पवारी  |
| ८     | ३६ (अजगव) महादेवका<br>धनुष  | १७    | ५ (अज्जनावती) सुप्रती-<br>कनाम दिग्गज की स्त्री  |
| ९५    | ८६ (अजड़ा) क्यवांच  | १४६   | ८५ (अज्जलि) अँजुरी   |
| २००   | १०९ (अजन्य) उत्पात  | ३४७   | २ (अज्जसा) शीघ्र, जल्द<br>साक्षात्, तत्त्वार्य   |
| १०९   | १४५ (अजमोदा) अजवाइन   |       |  |

अमर कोशादर्श ।

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १०४   | १२७ (अभ्रटा) अवरी  | ५७    | १५ (अतलस्पर्श) अथाह                                 |
| १९४   | ८४ (अटनी) धनुष का<br>किनारा  | २०८   | २० (अतसी) अरसी                                      |
| ७७    | १ (अटवी) वन, जंगल  | ३४३   | २४० (अति) प्रकर्ष, लंघन,<br>अतिशय, पूजन             |
| ६६    | १०३ (अटरूप) रूस  | २७९   | ३३ (अतिक्रम) निडरवीर<br>कीयात्रा, उलटापलट,<br>घेरना |
| १६८   | ३८ (अटा) घूमना   | १०९   | १४६ (अतिचरा) कपिला                                  |
| १६८   | ३८ (अट्या) घूमना   | ११४   | १६७ (अतिद्वत्र) पानीका<br>खर                        |
| ७२    | १२ (अट्ट) अटारी  | ११०   | १५२ (अतिद्वत्रा) सौंफ                               |
| २५५   | ५४ (अणक) अधम, नि-<br>न्दित, खराब   | १६२   | ७३ (अतिजव) शीघ्र चलने<br>वाला                       |
| १८८   | ५६ (अणि) पहिया नहीं<br>निकलने के लिये धुरी<br>के आगे लगनेवाली<br>कील, कुलावा | १६८   | ३६ (अतिथि) पाहुन, अ-<br>भ्यागत                      |
| ८     | ३७ (अणिमन) एक प्र-<br>कारकी सिद्धि जिससे<br>छोटे से छोटा होजाय               | ५७    | १४ (अतिनु) नावके लाय-<br>क जो जल न हो               |
| २५७   | ६२ (अणीयस) बहुत<br>थोड़ा   | ६८    | १६ (अतिपथिन्) अच्छा<br>रास्ता                       |
| २०८   | २० (अणु) ज्यठऊ सावां,<br>चीना, सूक्ष्म, वारीक,<br>छोटा                       | १६९   | ४० (अतिपात) अतिक्र-<br>म, वेकायदा, उलटा<br>पलट      |
| १२३   | ३८ (अण्ड) अण्डा,   | १५    | ६७ (अतिमात्र) बहुत                                  |
| १४४   | ७६ (अण्डकोश) पेलहड़  | ९२    | ७२ (अतिमुक्क) वसन्तीलता                             |
| १२२   | ३४ (अण्डज) मछली,<br>पत्नी, सर्प आदि  | ८२    | २६ (अतिमुक्क) बड़ा तेंदु-<br>आ, तिनिस               |
| ७५    | ४ (अतट) धीहड़, प-<br>र्वत से जल गिरने का<br>स्थान                            | २६०   | ७५ (अतिरिक्त) अधिक                                  |
|       |  | २५०   | ३५ (अतिवक्तृ) बहुत बोल-<br>नेवाला                   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| ३८    | १८ (अतिवाद) कठोरवचन                            | २२    | २७ (अत्रि) मुनिकानाम  |
| ९८    | ६६ (अतिविषा) अतीस                              | ३४४   | २४६ (अथ, अथो) मंगल, सं-<br>शय, आरम्भ, अधिका-<br>र, अनन्तर, अन्वादेश,<br>प्रतिज्ञा, प्रश्न, सम्पूर्ण |
| १५    | ६७ (अतिवेल) अतिशय,<br>बहुत बेर बितारकर         | २५७   | ६३ (अदभ्र) अधिक   |
| १९९   | १०२ (अतिशक्तिता) पराक्रम                       | २७६   | २२ (अदर्शन) लोप, विनाश  |
| १५    | ६७ (अतिशय) बहुत, प्रक-<br>र्ष, बड़ाई           | ३     | ८ (अदिति नन्दन) देवता   |
| २५६   | ५८ (अतिशोभन) बहुत सु-<br>न्दर                  | १४०   | ६१ (अदृश) अन्धा   |
| २७७   | २८ (अतिसर्जन) अधिक<br>दान                      | १८१   | ३० (अदृष्ट) आगि का ल-<br>गना या बहुत जलका<br>घरसना  |
| १४०   | ५९ (अतिसारकिन्) सितर-<br>स रोगवाला             | ५०    | ३७ (अदृष्टि) टेढ़ी नजर ।  |
| ८४    | ३३ (अतिसौरभ) सुगन्धवा-<br>ला आम                | ३४६   | १२ (अद्धा) तत्त्वार्थ, साक्षात्   |
| २६१   | ७९ (अतीन्द्रिय) इन्द्रियों से<br>जो न जाना जाय | ४५    | १७ (अद्भुत) आश्चर्य,<br>अद्भुतरस  |
| ३४७   | २ (अतीव) बहुत, अतिशय                           | २४६   | २० (अद्भर) खानेवाला   |
| ४५    | १५ (अत्तिका) जेठी बहिन                         | ३५१   | २० (अद्य) आज, इससमय   |
| २४६   | ३२ (अत्यन्तकोपन) बड़ा<br>क्रोधी                | ७४    | १ (अद्रि) पर्वत, वृक्ष, सूर्य   |
| १९२   | ७६ (अत्यन्तीन) बहुत च-<br>लने वाला             | ३     | १४ (अद्रयवादिन्) जिन,<br>बौद्ध  |
| २०२   | ११६ (अत्यय) मौन, उल्लंघन,<br>ह्लेश, दोष, दण्ड  | २५५   | ५४ (अधम) खराब,<br>न्यून, निन्दित  |
| १५    | ६७ (अत्यर्थ) बहुत                              | २०४   | ५ (अधमर्ण) करज लेने<br>वाला   |
| २५७   | ६२ (अत्यल्प) बहुत थोड़ा                        | १४७   | ६० (अधर) नीचे का ओंठ,<br>हीन, ओंठ   |
| ३०२   | ७७ (अत्याहित) बड़ा भय,<br>बड़ा साहस            | २४४   | ११ (अधिकर्द्धि) भरापुरा,<br>धनिक  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १८९   | ६३ (अधिकांग) कमरपट्टी,                                      | १५३   | ११७ (अधोशुक) नीचे पहि-                               |
| १८१   | ३१ (अधिकार) प्रबन्ध, अ-<br>ख्तियार, छत्रधारणा-<br>दिव्यापार |       | रने के कपड़े अर्थात्<br>धोती आदि                     |
| १७६   | ६ (अधिकृत) अधिकारी,<br>अख्तियारवाला                         | ४     | २१ (अधोक्षज) विष्णु                                  |
| २५२   | ४२ (अधिक्षिप्त) निन्दित,<br>निन्दा किया गया                 | ११७   | १३ (अधोगन्ता) चूहा                                   |
| ७६    | ७ (अधित्यका) पर्वतके ऊ-<br>परकी भूमि                        | ५१    | १ (अधोभुवन) पाताल                                    |
| २४४   | ११ (अधिप) मालिक   | ९६    | ८८ (अधोमार्गव) लहचि-<br>चड़ा                         |
| २४४   | ११ (अधिभू) मालिक  | २५०   | ३३ (अधोमुख) नीचे मुख<br>वाला                         |
| ७४    | १८ (अधिरोहिणी) सीढ़ी  | १७६   | ६ (अध्यक्ष) अधिकारी, प्र-<br>त्यक्ष, सामने           |
| १५७   | १३५ (अधिवासन) गन्धमा-<br>ला आदि लगाना, प-<br>हिरना          | ४८    | २६ (अध्यवसाय) उत्साह                                 |
| १२६   | ७ (अधिविन्ना) अनेक<br>विवाहवाले पुरुषकी<br>पहिली स्त्री     | १६१   | ९ (अध्यापक) पढ़ानेवाला                               |
| २१०   | २६ (अधिश्यणी) चूल्हा,                                       | ३१    | ३ (अध्याहार) तर्क, विशे-<br>ष विचार                  |
| ३१३   | १२५ (अधिष्ठान) पहिया,<br>ग्राम, प्रभाव, आक्रमण              | १२६   | ७ (अध्युदा) अनेकस्त्रीवा-<br>ले पुरुषकी पहिलीस्त्री, |
| २४५   | १६ (अधीन) आधीन, प-<br>रवश                                   | १६७   | ३४ (अध्येपणा) विनय<br>करना                           |
| २४८   | २८ (अधीर) व्याकुल, घब-<br>रायाहुआ                           | १७८   | १७ (अध्वग) पथिक, मु-<br>साफिर                        |
| १७५   | २ (अधीश्वर) महाराज  | १७८   | १७ (अध्वनीन) पथिक, मु-<br>साफिर                      |
| ३५२   | २३ (अधुना) अब, इसकाल  | ६८    | १६ (अध्वन) रास्ता, मार्ग,<br>सड़क                    |
| २४८   | २८ (अघृष्ट) लज्जायुक्त                                      | १७८   | १७ (अध्वन्य) पथिक, मु-<br>साफिर                      |
|       |   | १६३   | १५ (अध्वर) यज्ञ                                      |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १६४   | १६ (अध्वर्यु) यजुर्वेद का<br>जाननेवाला ऋत्विक्                     | ३२२   | १५७ (अनातप) छाया, साया                        |
| ४०    | २१ (अनक्षर) निन्दावचन  | ४६    | २२ (अनादर) अपमान                              |
| ५     | २५ (अनंग) कामदेव   | १३७   | ५० (अनामय) रोगरहित                            |
| ५७    | १४ (अनच्छ) गन्दा, मैला   | १४५   | ८२ (अनामिका) मध्यमाक<br>निष्ठाके बीचकी अंगुली |
| २१७   | ६० (अनडुह) वैल   | २६५   | ९४ (अनायासकृत) स-<br>हजही किया हुआ            |
| १६    | १ (अनन्त) आकाश, वि,<br>ष्णु, शेष, सीमारहित                         | १४    | ६६ (अनारत) लगातार                             |
| ६५    | २ (अनन्ता) पृथ्वी, यवा-<br>सा, इन्द्रपुष्पी, द्रुव, का-<br>लाशाम्ब | १०८   | १३ (अनार्यतिक्र) चिरा-<br>यता                 |
| ६     | २६ (अनन्यज) कामदेव   | १५२   | ११२ (अनाहत) नयाकपड़ा                          |
| २६१   | ७९ (अनन्यवृत्ति) एकाग्र-<br>चित्त                                  | ३३७   | २१८ (अनिमिष) देवता,<br>मछली                   |
| ३२०   | १४९ (अनय) अट्टारह प्रकार<br>के व्यसन, अशुभ दैव,<br>विपत्           | ६     | २७ (अनिरुद्ध) अनिरुद्ध                        |
| ३९    | १५ (अनर्थक) अर्थरहित   | २     | १० (अनिल) गणदेवता,<br>वायु                    |
| ११    | ५५ (अनल) अग्नि<br>(अनवधानता) भूल, भ्रम                             | १५    | ६६ (अनिश) लगातार,<br>सदा                      |
| १५    | ६७ (अनवस्त) नित्य, ल-<br>गातार                                     | १२३   | ७८ (अनीक) फौज, लड़ाई                          |
| २५६   | ५६ (अनवस्कर) मलरहित,<br>साफ, शुद्ध                                 | १७६   | ६ (अनीकस्थ) रखवार,<br>पहरेदार                 |
| २५६   | ५७ (अनवसार्थ्य) मुख्य, प्र-<br>धान                                 | १६३   | ७८ (अनीकिनी) चमू-<br>विशेष,                   |
| १८७   | ५२ (अनस्) गाड़ा, छकड़ा   | ३४४   | २४७ (अनु) पीछे, वरावरी                        |
| १२७   | ८ (अनागतार्तवा) दशवर्ष<br>की कन्या                                 | २४७   | २३ (अनुक) कामी                                |
|       |  | ४५    | १८ (अनुकंपा) दया                              |
|       |  | २७४   | १७ (अनुकर) नकलकरना                            |
|       |  | १८८   | ५७ (अनुकर्ण) रथके नीचे<br>का काठ              |

| पृष्ठ | श्लोक                                      | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १७०   | ४३ (अनुकल्प) अप्रधान,<br>दूसरीविधि, गौड़   |       | उत्पादन, इत्संज्ञकवर्ण,<br>प्रधान मनुष्य की आ-<br>ज्ञा करनेवाला बालक,<br>प्राप्त विषयके अनुसार<br>वर्तना |
| १६२   | ७६ (अनुकामीन) अपनी<br>इच्छा से चलनेवाला    |       |  |
| २७४   | १७ (अनुकार) नकल, अ-<br>नुहार               | १५५   | १२३ (अनुबोध) गन्धि मि-<br>टाना, अंग से सुगन्ध<br>का छुड़ाना  |
| १६९   | ४० (अनुक्रम) क्रम, काय-<br>दा, तरीका       | २७७   | २७ (अनुभव) साक्षात्कार   |
| ४६    | १८ (अनुक्रोश) दया                          | ३३४   | २०८ (अनुभाव) प्रताप, स-<br>ज्जनों की मति का मि-<br>श्रय, अभिप्रायसूचक<br>चेष्टा                          |
| २६१   | ७८ (अनुग) पीछे                             |       |  |
| २७३   | १३ (अनुग्रह) अंगीकार<br>करना               | २६    | ८ (अनुमति) कलाहीन<br>चन्द्रमावाली पूर्णमासी  |
| १९१   | ७१ (अनुचर) सहाय, पीछे<br>चलनेवाला          | ३७    | १० (अनुयोग) प्रश्न पृच्छना   |
| १३५   | ४३ (अनुज) छोटा भाई                         | १७७   | १० (अनुरोध) भलामनाना   |
| १७३   | ९ (अनुजीविन्) सेवक,<br>नौकर                | ३६    | १६ (अनुलाप) धारर कहना  |
| २४०   | ४३ (अनुतर्पण) मद्य का<br>पीना              | ३६०   | २२ (अनुलेपन) कुंकुम आदि  |
| ४७    | २५ (अनुताप) पछतावा                         | १७७   | १२ (अनुवर्तन) भलामनाना   |
| २५६   | ५७ (अनुत्तम) मुख्य, प्रधान                 | ३५७   | १७ (अनुवाक) वेदांग   |
| ३३०   | १८९ (अनुत्तर) उत्तरसे वि-<br>परीत, श्रेष्ठ | ३१९   | १४७ (अनुशय) बहुत दिन<br>का चर, पछतावा  |
| २६१   | ७८ (अनुपद) पीछे                            | २३४   | १९ (अनुष्ण) सुस्त  |
| २३७   | ३१ (अनुपदीना) मोजा                         | २७४   | १७ (अनुहार) नकल करना   |
| १७    | ४ (अनुपमा) कुमुदनाम<br>दिग्गजकी स्त्री     | २८४   | १३ (अनूक) स्वभाव, वंश  |
| १९१   | ७१ (अनुप्लव) सहायक                         | १६२   | १२ (अनूचान) सांगोपांग,<br>वेद पढ़नेवाला  |
| ३०७   | ६८ (अनुबन्ध) दोषों का                      | २५८   | ६५ (अनूनक) सब  |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ६७    | ११ (अनूप) बहुत जलवा-<br>ला देश  | ५६    | ८ (अन्तरीप) पानी के<br>बीचकी पृथ्वी, टापू               |
| २३    | ३३ (अनुरु) अरुण   | १५७   | ११७ (अन्तरीय) नीचे पहि-<br>रनेके धोतीआदि कपड़े          |
| २५३   | ४६ (अनृजु) शठ, कुटिल-<br>हृदय   | ३४९   | १० (अन्तरे) मध्य  |
| ४०    | २१ (अनृत) असत्य, झूठ,<br>खेती   | ३४७   | ३ (अन्तरेण) मध्य, विना                                  |
| १८२   | ३४ (अनेकप) हाथी   | २६२   | ८६ (अन्तर्गत) भूलाहुआ                                   |
| २८६   | ५ (अनेहमूक) गूंगा, अ-<br>न्धा, बहिरा  | ९३    | ७४ (अन्तर्गत) नीली क-<br>टसरैया                         |
| २४    | १ (अनेहस्) समय  | ७३    | १४ (अन्तर्द्वार) खिड़की                                 |
| ७८    | ५ (अनोकह) वृक्ष   | १९    | १२ (अन्तर्धा) ढाँपना                                    |
| २०२   | ११६ (अन्त) मृत्यु, समाप्ति<br>में हुआ   | १९    | १२ (अन्तर्द्धि) ढाँपना                                  |
| ७२    | ११ (अन्तःपुर) रनिदास  | २४३   | ८ (अन्तर्भनस्) उदाम                                     |
| १३    | ६० (अन्तक) यमराज  | १३०   | ५२ (अन्तर्वत्नी) गर्भवती                                |
| ३२९   | १८६ (अन्तर) अवकाश, अ-<br>वधि, परिधान, वस्त्र,<br>अन्तर्धि, छिपजाना,<br>भेद, तादर्थ्य, छिद्र,<br>छेद, आत्मीय, अपना,<br>विअन्त्य नावाह्य, याह-<br>र, अवसर, मध्य अन्त-<br>रात्मां, सादृश्य | २४३   | ६ (अन्तर्वाणि) शास्त्रज्ञ<br>पण्डित                     |
| ३४९   | १० (अन्तरा) मध्य  | १७६   | ८ (अन्तर्वाशिक) जो ज-<br>नाने की वस्तुका अ-<br>धिकारीहो |
| २७४   | १६ (अन्तराय, विघ्न, ख-<br>लल  | २३२   | १० (अन्तावसायिन्) नाऊ                                   |
| १८    | ६ (अन्तराल) मध्य, बीच   | २५८   | ६७ (अन्तिक) समाप-                                       |
| १६    | १ (अन्नरिक्) अकाश   | २५८   | ६८ (अन्तिकतम) अति<br>निकट                               |
|       |   | २१०   | २९ (अन्तिका) बड़ी ब-<br>हिन, चूल्ही                     |
|       |   | १६२   | १३ (अन्तेवासिन) चांडा-<br>ल, विद्यार्थी                 |
|       |   | २६१   | ८१ (अन्त्य) अन्तमें हुआ                                 |
|       |   | १३१   | ६६ (अंत्र) अँत  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                 |
|-------|--|-------|---------------------------------------|
| १८४   | ४१ (अन्धुक) हाथीबाँधने की जंजीर              | २६७   | १०२ (अपत्रायित) पूजित                 |
| १४०   | ६१ (अन्ध) अन्धा, अँधेरा                      | २६७   | १०२ (अपचित) पूजित                     |
| ८     | ५ (अन्धकारि) शिव                             | १६८   | ३७ (अपचिति) भय, पूजा, प्रयोजन, याचना  |
| ५१    | ३ (अन्धकार) अन्धेरा                          | २५८   | ६८ (अपदान्तर) संयुक्त मिला हुआ        |
| ५१    | ३ (अन्धतमस) बड़ा अन्धेरा                     | १३९   | ५९ (अपटु) रोगी                        |
| २१५   | ४८ (अन्धस्) भात                              | १.१   | २८ (अपत्य) पुत्र कन्या                |
| ६०    | २६ (अन्धु) कुआँ                              | ४७    | २३ (अपत्रपा) दूमरेसे लजाना            |
| २१५   | ४८ (अन्न) भात, खाया गया                      | २४८   | २८ (अपत्रपिण्णु) लज्जा करनेवाला       |
| २६२   | ८२ (अन्य) भिन्न, दूसरा                       | ६९    | १८ (अपथ) रास्तारहित                   |
| ३६०   | २२ (अन्यत्) भिन्न, दूसरा                     | ६९    | १८ (अपथिन) रास्तारहित                 |
| २६२   | ८२ (अन्यतर) भिन्न, दूसरा                     | २५८   | ६८ (अपदान्तर) मिला हुआ                |
| २६१   | ७८ (अन्वक्ष) पीछे                            | १७    | ५ (अपदिश) दिशाओं का मध्य वा कोन       |
| २६१   | ७८ (अन्वक्) पीछे                             | ४९    | ३३ (अपदेश) वहाना, पद, लक्ष्य, निमित्त |
| १५९   | १ (अन्वय) वंश, गोत्र                         | २५१   | ३९ (अपध्वस्त) धिक्कारा हुआ            |
| १५९   | १ (अन्ववाय) वंश                              | ३५    | २ (अपभ्रंश) अशुद्ध शब्द               |
| १६७   | ३३ (अन्वाहार्य) मासिक वा अमावास्याकी श्राद्ध | २०१   | १११ (अपयान) भागना                     |
| २६७   | १०५ (अन्विष्ट) ढँकी वस्तु                    | २७०   | १ (अपरस्पर) निरन्तर चलना              |
| १६७   | ३४ (अन्वेपणा) धर्मयुक्त कार्यकरना            | २९    | १०४ (अपराजिता) विष्णु-क्रान्ता, पटुआ  |
| २६७   | १०५ (अन्वेपित) ढँकी वस्तु                    | १११   | ६८ (अपगद्धपृत्क) जि-                  |
| ३८    | १४ (अपकारणी) फजीहत                           |       |                                       |
| २०१   | १११ (अपक्रम) भागना                           |       |                                       |
| ६१    | ३० (अपगा) नदी                                |       |                                       |
| १४२   | ७० (अपघन) अंग                                |       |                                       |
| २७४   | १६ (अपचय) हरजाना, जबरदस्ती छीनलेना           |       |                                       |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
|       | सका तीर निशाना से<br>चूकजाय                                      | ५४    | २ (अपाम्पति) समुद्र  |
| १८०   | २६ (अपराध) पाण, कसूर   | २४९   | १५ (अपावृत्त) स्वतन्त्र, खुद<br>मुख्तियार                                |
| २५    | ३ (अपराह्ण) दो पहर से<br>ऊपर                                     | २०१   | ११३ (अपासन) मारना, बध  |
| ८     | ३८ (अपर्णा) पार्वती  | ३४५   | २४८ (अपि) निन्दा, समुच्चय,<br>प्रश्न, शंका, सम्भाव-<br>ना, अनुनय, समझाना |
| ८९    | १७ (अपलाप) छिपाना  | २६९   | ११० (अपिगीर्ण) स्तुति<br>किया हुआ  |
| ३२    | ७ (अपवर्ग) मोक्ष   | १९    | १३ (अपिधान) ढांपना   |
| १६७   | ३२ (अपवर्जन) दान   | १९०   | ६५ (अपिनद्ध) रुक्चआ-<br>दि पहिने   |
| ३८    | १३ (अपवाद) निन्दा,<br>आज्ञा                                      | १३६   | ४६ (अपोराण्ड) विकलाङ्ग   |
| १३    | १२ (अपवारण) ढांपना   | २१५   | ४८ (अपूप) पुआ  |
| ३५    | २ (अपशब्द) अशुद्धशब्द  | ५५    | ३ (अप्) जल   |
| २६२   | ८४ (अपष्टु) उलटा   | १४    | ६२ (अप्पति) वरुण   |
| २३३   | १६ (अपसद) नीचमनुष्य  | १३    | ५७ (अर्पापत्त) आगि   |
| १७७   | १३ (अपसर्प) जासूस  | ७८    | ९ (अप्रकाण्ड) टूँठ, डार-<br>हीन  |
| २६२   | ८४ (अपसव्य) दाहिना अंग,<br>उलटा                                  | २५९   | ७२ (अप्रगुण) आकुल, घ-<br>वराया हुआ                                       |
| १८८   | ५५ (अपस्कर) रथके सत्र<br>अंग                                     | २६१   | ७९ (अप्रत्यक्ष) जो न देख<br>पड़े   |
| २४३   | १६ (अपस्नान) मृतक के<br>निमित्त स्नान कियेहुये                   | २५६   | ६० (अप्रधान) गौण   |
| २७४   | १६ (अपहार) हरजाना  | ६६    | ६ (अप्रहत) जोतानही   |
| १४७   | ९४ (अपांग) आंखि का<br>किनारा, नेत्रान्त, ति-<br>लक वृक्ष, अंगहीन | २५६   | ६० (अप्राग्य) गौण  |
| १४    | ६४ (अपान) गुटा, वायु-<br>विशेष                                   | १५५   | १२० (अप्लव) स्नान, नहाना   |
| ९६    | ८८ (अपामार्ग) रहचिचिरा   | २     | ११ (अप्सरस) देवताओंकी<br>छी, स्वर्गकी पतुरिआ                             |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ७८    | ७ (अफल) न फलनेवा-<br>ला वृक्ष                                   |       | कर शत्रुपर चढ़ाई<br>करना                                |
| ४०    | २० (अवद्ध) अर्थहीन  | ३११   | १५५ (अभिख्या) नाम, शोभा                                 |
| २५०   | ३६ (अवद्धमुख) अप्रिय<br>कहनेवाला                                | ३१४   | १२८ (अभिग्रस्त) शत्रुओंसे<br>जीता गया                   |
| ७८    | ६ (अवन्ध्य) फरनेवाला<br>वृक्ष                                   | २७३   | १३ (अभिग्रह) लड़ाई में<br>पुकारना                       |
| १२५   | २ (अवला) स्त्री   | २७४   | १७ (अभिग्रहण) चोरी<br>करना                              |
| २६२   | ८३ (अवाध) वाधारहित<br>जिसको किसी तरह<br>की पीड़ा न हो           | १७७   | ११ (अभिघातिन) शत्रु                                     |
| १९    | १४ (अवज) चन्द्रमा, शंख,<br>कमल, धन्वन्तरि, सं-<br>ख्याविशेष     | २७५   | १९ (अभिचार) हिंसाकर्म,<br>जलाना या मारना                |
| ४     | १७ (अवजयोनि) ब्रह्मा  | १५९   | १ (अभिजन) वंश, कुल<br>जन्मभूमि                          |
| २८    | २० (अव्द) वर्ष, चादल  | ३०३   | ८१ (अभिजात) कुलीन,<br>पण्डित                            |
| ५४    | १ (अव्धि) समुद्र  | २४२   | ४ (अभिज्ञ) चतुर, नि-<br>पुण                             |
| २२८   | १०५ (अव्धिकफ) समुद्रफेन   | २५८   | ६७ (अभितस्) समीप,<br>दोनोंतरफ, शांति, सा-<br>वलय, सामने |
| १७    | ४ (अभ्रमु) ऐरावत दि-<br>ग्गज की स्त्री                          | ३७    | ८ (अभिधान) नाम  |
| ४४    | १४ (अब्रह्मण्य) अवध्य<br>ब्राह्मणादि के दोषों<br>का प्रकाश करना | ४७    | २४ (अभिध्या) परधन लेने<br>की इच्छा                      |
| ११३   | १६४ (अभय) खसखस गों-<br>डरकी जड़                                 | ४५    | १६ (अभिनय) भाववताना                                     |
| ८९    | ५९ (अभया) हड़   | २६०   | ७७ (अभिनव) नया  |
| १६९   | ३८ (अभापण) मौन, चुप   | १७४   | ५८ (अभिनिर्भुक्त) सूर्या-<br>स्त में सोनेवाला           |
| २४७   | २४ (अभिक) कामी  | १६७   | ९५ (अभिनिर्याण) यात्रा                                  |
| १९७   | ९६ (अभिक्रम) निडरहो-  |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १८०   | २४ (अभिनीत) वृद्ध, अर्जुन, शुरु, अति प्रशस्त, सहज शील, न्याय युक्त, वस्तु, मुनासिब | २५२   | ४३ (अभिशास्त) कलंकी, जिसको चोरी या छिनारा लगाहो                   |
| ३१४   | १२८ (अभिपन्न) अपराधी, लड़ाई में हारा, विपत्ति युक्त, महादुःखी                      | १६७   | ३४ (अभिरस्ति) मांगना  |
| २७५   | २० (अभिप्राय) मनोरथ, मतलब  | ३८    | ११. (अभिशाप) झूठ दोष लगाना  |
| २५१   | ४० (अभिभूत) टूटे अहंकार वाला   | २८८   | २४ (अभिपंग) शाप, अनादर  |
| ४६    | २२ (अभिमान) अहंकार, द्रव्यादिकृत अहंकार, ज्ञान, नम्रता, हिंसा                      | १७१   | ५० (अभिपव) मदिरा बनाना, यज्ञोपधी का कूटना                         |
| २७३   | १३ (अभियोग) लड़ाई में पुकारना  | २१२   | ३९ (अभिपुत) काँजी विशेष, खटा माड़                                 |
| ३१५   | १३१ (अभिरूप) सुन्दर  | १६७   | ९५ (अभिपेणन) शत्रु पर चढ़ाई करना                                  |
| २७६   | २४ (अभिलाव) खेत से अन्नका काटना  | २६६   | ११० (अभिष्टुत) स्तुति किया गया                                    |
| ४८    | २८ (अभिलाप) मनोरथ  | २९९   | १०५ (अभिसम्पात) लड़ाई   |
| २४७   | २२ (अभिलापुक) लोभी   | १६१   | ७१ (अभिसर) सहायक  |
| ३८    | १४ (अभिवाद) कठोरवचन  | १२७   | १० (अभिसारिका) पति की इच्छा किये हुई संकेत स्थानको जानवाली स्त्री |
| २४८   | २८ (अभिवादक) वंदना करनेवाला  | २७४   | १७ (अभिहार) चोरी करना, लड़ाई में पुकारना, लड़ाई की तयारी          |
| १७०   | ४४ (अभिवादन) प्रणाम नाम गोत्रादि पूँछकर प्रणाम करना                                | २६८   | १०७ (अभिहित) कहा हुआ  |
| २७१   | ६ (अभिव्याप्ति) सर्वत्र फैला, सबतरफसे भरा  | २४७   | २४ (अभीक) कामी  |
|       |  | ३४७   | १ (अभीक्षण) वारम्बार, लगानार                                      |

| पृष्ठ | श्लोक                      | पृष्ठ | श्लोक                        |
|-------|----------------------------|-------|------------------------------|
| २५५   | ५३ (अभीप्सित) प्यारा       | १३९   | ५८ (अभ्यान्त) रोगी           |
| ९८    | १०० (अभीरु) शतावरि         | १६६   | १०५ (अभ्यामर्ह) लड़ाई, युद्ध |
| ९८    | १०१ (अभीरुपत्री) शतावरि    | २५८   | ६८ (अभ्यास) समीप             |
| २७१   | ६ (अभीपंग) गाली देना       | २०१   | ११० (अभ्यासादन) डाका         |
| ३३७   | २१९ (अभीपु) लगान, किरण     | -     | धोखेसे दबाय लेना             |
| २५५   | ५३ (अभीष्ट) प्यारा         | १६८   | ३६ (अभ्युत्थान) किसी के      |
| २५८   | ६७ (अभ्यग्र) समीप          | -     | आने पर आदर पूर्वक            |
| २१५   | ५० (अभ्यञ्जन) तेल          | -     | उठ खड़े होना                 |
| १८    | ६ (अभ्यन्तर) बीच, मध्य     | १७४   | ५८ (अभ्युदित) सूर्योदय       |
| १३९   | ५८ (अभ्यमित) रोगी          | -     | में सोनेवाला                 |
| १९२   | ७५ (अभ्यमि) युद्ध करने     | ३२    | ५ (अभ्युपगाम) अंगी-          |
|       | त्रीण) करनेके लि           | -     | कार                          |
| १९२   | ७५ (अभ्यमि) ये शत्रुओं     | २७३   | १३ (अभ्युपपत्ति) अनुग्रह,    |
|       | त्रीय) के सम्मुख           | -     | अंगीकार करना                 |
| १९२   | ७५ (अभ्य) जानेवाला         | २१४   | ४७ (अभ्यूप) भूजाहुआ, उ-      |
|       | मित्र्य)                   | -     | मी, वा सुरमुरी               |
| २५८   | ६७ (अभ्यर्ण) समीप          | १६    | १ (अभ्र) आकाश, बादल          |
| २७४   | १७ (अभ्यवर्षण) युक्ति से   | २२७   | १०० (अभ्रक) अवरख             |
|       | हथियार आदि निकालना         | ८३    | ३० (अभ्रपुष्प) घेंत          |
| २०१   | ११० (अभ्यवस्कन्दन) धोखे    | १०    | ४७ (अभ्रमातंग) ऐरावत         |
|       | से दबाय लेना, डाका         | -     | हाथी                         |
| २६६   | १११ (अभ्यवहत) खायागया      | १०    | ४७ (अभ्रमुवह्लभ) ऐरावत       |
| ३७    | १० (अभ्याख्यान) मिथ्या     | १७    | ४ (अभ्रमु) ऐरावतकी स्त्री    |
|       | दोष लगाना                  | ५७    | १३ (अभि) फरुही               |
| २००   | १०५ (अभ्यागम) युद्ध, लड़ाई | १८    | ८ (अभ्रिय) मेघसे उत्पन्न     |
| २४४   | १२ (अभ्यागारिक) कुटुम्ब    | -     | हुआ जलादि                    |
|       | का पालन करनेवाला           | १८०   | २४ (अभ्रेप) नीति, इन्ताफ     |
| २७७   | २६ (अभ्यादान) प्रथमारंभ    | २११   | ३३ (अमत्र) सववर्तन, वर्त्त-  |

| पृष्ठ | श्लोक                    | पृष्ठ | श्लोक                           |
|-------|--------------------------|-------|---------------------------------|
|       | न का साधारण नाम          | २३०   | २ (अम्बुपुत्र) वैश्यास्त्री में |
| २     | ७ (अमर) देवता            |       | ब्राह्मणसे उत्पन्न पुत्र        |
| १०    | ४६ (अमरावती) इन्द्रकी    | ९२    | ७१ (अम्बुपुत्र) जूही, पाठी      |
|       | राजधानी                  |       | पहारमूल, अम्लोना                |
| २     | ८ (अमर्त्य) देवता        | ४५    | १४ (अम्बा) माता                 |
| ४७    | २६ (अमर्ष) क्रोध-        | ८     | ३८ (अम्बिका) पार्वती            |
| २४९   | ३२ (अमर्षण) क्रोधी       | ५५    | ४ (अम्बु) जल, नेत्रवाला         |
| २२७   | १०० (अमल) अचरख           |       | औषधि                            |
| १३५   | ४४ (अमांस) दुबल          | १६    | १६ (अम्बुफण) फुहारा,            |
| ३४५   | २४९ (अमा) साथ, समीप      |       | बौद्धार                         |
| १७५   | ४ (अमात्य) मन्त्री       | ९१    | ६१ (अम्बुज) समुद्रफल            |
| ५४    | ३ (अमानस्य) दुःख, अन-    | १८    | ७ (अम्बुमृत्) वादल              |
|       | मनी                      | ८३    | ३० (अम्बुवेतस) जलवेत            |
| २६    | ८ (अमावस्या) अमावस्या    | ४०    | २० (अम्बुकृत) थूकसहित           |
| २६    | ८ (अमावास्या) अमावस्या   |       | फहना                            |
| १७७   | ११ (अमित्र) शत्रु        | ५५    | ४ (अम्भस) जल                    |
| ३४८   | ८ (अमुत्र) जन्मान्तर     | ६३    | ४१ (अम्भे, रुह) कमल             |
| ११३   | १६४ (अमृणाल) खसखस        | ५५    | ५ (अम्मय) जल, विकार             |
| ११    | ४६ (अमृत) सुधा, यज्ञशेष, | ३३    | ९ (अम्ल) खटाई                   |
|       | यज्ञसेषचाहुई जाउरि,      | १०७   | १४० (अम्ललोणिका) अम-            |
|       | मोक्ष, जल, अयाचित,       |       | लोनिया                          |
|       | विनामागेजोमिले, घृत      | १०८   | १४१ (अम्लवेतस) अमिल-            |
| ८६    | ५८ (अमृता) अँवरा, हड़,   |       | घेंत                            |
|       | गुर्च                    | ९२    | ७३ (अम्लान) कटसरैया,            |
| २     | ८ (अमृतांधस) देवता       |       | पियावासा                        |
| १००   | १०६ (अमोघा) पाढरि, वा-   | ८३    | ४३ (अम्लिका) अमिली              |
|       | युविडंग                  | ३०    | २७ (अय) शुभभाग्य                |
| १६    | १ (अम्बर) आकाश, कपड़ा    | २७    | १३ (अयन) आधावर्ष,               |
| २१०   | ३० (अम्बरीष) खपरी        |       | सटक, रास्ता                     |

| पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|
| २२६   | ९८ (अयस) लोहा  |
| २३८   | ३५ (अयःप्रतिमा) लोहेकी मूर्ति  |
| ३५०   | १८ (अयि) अनुनय, सम-ज्ञाना  |
| २०९   | २५ (अयोग्र) मूसर   |
| १४    | ६५ (अर) शीघ्र  |
| ३५७   | १८ (अरघट्ट) रहट, कुर्आं  |
| १६४   | २१ (अरणि) यज्ञमें मथि-करके जिस लकड़ी से अग्नि निकालते हैं वह लकड़ी                       |
| ७७    | १ (अरण्य) वन   |
| ७७    | १ (अरण्यानी) बड़ावन  |
| १४६   | ८६ (अरलि) कनगरिया को छोड़कर सुट्टीबंधाहाथ  |
| ७३    | १७ (अरर) केवाड़  |
| ८९    | ५७ (अरलु) सरिवन  |
| ६३    | ३९ (अरविन्द) कमल   |
| १७७   | ११ (अराति) शत्रु   |
| २५६   | ७१ (अराल)राल-धूप, टेढ़ा  |
| १७७   | १० (अरि) शत्रु   |
| ५७    | १३ (अरित्र) पतवार  |
| ८७    | ५० (अरिमेद) दुर्गन्ध, खयर  |
| ७१    | ८ (अरिष्ट) रीठी, सौरि-का घर, लहसुन, शुभ, अशुभ, कौआ, माठा नींबू, मदिरा, मरण चिह्न, कंकपची |

| पृष्ठ | श्लोक                                   |
|-------|---|
| २५२   | ४४ (अरिष्टदृष्टधी) मरणा सन्नबुद्धि      |
| २२    | २९ (अरुण) सूर्य, सूर्य का सारथी, लालरंग |
| ९८    | ९९ (अरुणा) अतीस सु-कुमार जगहमेंमारना    |
| २६२   | ८३ (अरुंतुद) मर्मभेदी                   |
| ८६    | ४२ (अरुण्कर) भिलावां, घाव करने वाला     |
| १३८   | ५४ (अरुम्) घाव                          |
| २६६   | १०० (अरोक्) तेजहीन                      |
| २२    | २९ (अर्क)सूर्य, स्फटिक, मदार            |
| ९४    | ८१ (अर्कपर्ण) मदार                      |
| ३     | १५ (अर्कबंधु) बौद्धमत-वाला              |
| ९४    | ८० (अर्काह्व) मदार                      |
| ७३    | १७ (अर्गल) केवाड़ वन्द करने का व्यङ्गना |
| २८९   | २७ (अर्घ) मौल, पूजा में जल देना         |
| १६७   | ३५ (अर्घ्य) अर्घ देने के लिये जल        |
| २३८   | ३६ (अर्चा) पूजा, मूर्ति तसवीर           |
| २६७   | १०२ (अर्चित) पूजा हुआ, आदर किया हुआ     |
| १३    | ५८ (अर्चिस) अग्नि की ज्वाला, किरण       |



| पृष्ठ | श्लोक                                       | पृष्ठ | श्लोक                       |
|-------|---|-------|-----------------------------|
| ९४    | ८० (अर्जक) उजली, चवई                        | १५१   | १०६ (अर्द्धहार) १२ लरका     |
| ३४    | १३ (अर्जुन) उजला रंग,<br>अर्जुन वृक्ष, सवखर | १५४   | ११९ (अर्द्धोरुक) उटंग ल-    |
| २१९   | ६७ (अर्जुनी) गौ                             |       | हँगा                        |
| ५४    | २ (अर्णव) समुद्र                            | ३५८   | १९ (अर्बुद) दश कोटि १०      |
| ५५    | ४ (अर्णस्) जल                               |       | करोड़                       |
| ६३    | ७४ (अर्तगल) काले फूल                        | १२३   | ३९ (अर्भक) धालक             |
|       | वाली झिण्टी पिया-                           | ३६४   | ३४ (अर्म) आंखिका रोग        |
|       | वासा  | २०३   | १ (अर्थ) स्वामी, वैश्य      |
| २७८   | ३२ (अर्तन) घिनाना, वा                       | २२    | २८ (अर्थमन्) सूर्य          |
|       | करुणा                                       | १२८   | १४ (अर्या) वनियाकी स्त्री   |
| २९९   | ६७ (अर्ति) पीड़ा, धनुष की                   | १२८   | १४ (अर्याणी) वनियाकी        |
|       | कोटि  |       | स्त्री                      |
| २२५   | ९० (अर्थ) शब्दार्थ, धन                      | १२८   | १५ (अर्याणी) वनियाकी स्त्री |
|       | वस्तु, प्रयोजन, निवर्तन                     | १८५   | ४४ (अर्वन्) अधम, घोड़ा      |
| १६७   | ३४ (अर्थना) मांगना, भीख                     |       | खराब                        |
| २०४   | ४ (अर्थप्रयोग) व्याज,                       | ३५०   | १६ (अर्वाक्) पीछे, तीर      |
|       | सूद   | १३९   | ५९ (अर्शस्) अर्शरोगयुत      |
| ३६    | ५ (अर्थशास्त्र) नीतिशास्त्र                 | १३८   | ५४ (अर्शस्) ववासीर          |
| १७६   | ९ (अर्थिन) नोकर, सेवक                       | १११   | १५७ (अर्शोमि) सूरन-जमी      |
| २२८   | १०४ (अर्थ्य) शिलाजीत, गे-                   |       | कन्द                        |
|       | रू, बुद्धिमान्, धनवान्                      | १६८   | ३७ (अर्हणा) पूजा            |
| २७१   | ६ (अर्हना) शिक्षा                           | २६७   | १०२ (अर्हित) पूजित          |
| २६६   | ६७ (अर्हित) मांगाहुआ                        | ३४५   | २५१ (अलम्) रोकना, भूष       |
| १६    | २० (अर्द्ध) आधा                             |       | ण, पूर्णता, शक्ति           |
| १००   | १०९ (अर्द्धचन्द्रा) ऋणधारा                  | १४८   | ६६ (अलक) टेढ़ेवाल           |
| ५७    | १४ (अर्द्धनाव) आधीनाव                       | १५    | ७१ (अलका) कुवेरकीपुरी       |
| २५    | ६ (अर्द्धरात्र) आधीरात                      | १५५   | १२६ (अलक) मेहावर, लाह       |
| ३६४   | ३९ (अर्द्धच) आधीनृचा                        | ५१    | ५ (अलगर्द) पनियासांप,       |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १४६   | १०० (अलंकरिणु) अलंकार करने वाला, गहना पहिरने की इच्छा करने वाला | २५७   | ६२ (अल्पिष्ठ) बहुत थोड़ा                                       |
| १४६   | १०० (अलंकर्तृ) अलंकार करने वाला                                 | २५७   | ६२ (अल्पीयस्) बहुत थोड़ा                                       |
| २४६   | १८ (अलंकर्माण) कार्य करने में समर्थ                             | ७४    | १८ (अवकर) करकट, कूड़ा  |
| १४९   | १०१ (अलंकार) गहना   | १७३   | ५७ (अवकीर्णिन्) जिस का ब्रह्मचर्य नष्ट होगा-याहो, (क्षत्रव्रत) |
| १४९   | १०१ (अलंकृत) गहनायुक्त  | २५१   | ३९ (अवकृष्ट) निकाला हुआ  |
| १४६   | १०१ (अलंक्रिया) शृंगार करना                                     | ७८    | ७ (अवकेशिन्) फल नहीं होने वाला                                 |
| ६४    | ८१ (अलर्क) पागल कुत्ता उजला मदार                                | २२०   | ७९ (अवक्रय) मोल, कीमत  |
| २३४   | १९ (अलस) आलसी, सुस्त  | २६८   | १०६ (अवगणित) अपमान किया हुआ                                    |
| २१०   | ३० (अलात) लुकेठी  | २६८   | १०६ (अवगत) जाना हुआ  |
| १११   | १५६ (अलावृ) लौकी  | २६४   | ६३ (अवगीत) निन्दित, बदनाम, निन्दितजनों का अपवाद                |
| ११८   | १५ (अलि) धीछि, भ्रमर  | १९    | ११ (अवग्रह) झूरा, हाथी का मस्तक                                |
| १४७   | ९२ (अलिक) ललाट-माथ  | १९    | ११ (अवग्रह) झूरा, सूखा हाथी का माथा                            |
| २११   | ३१ (अलिज्जर) मेढुका   | २६५   | ६४ (अवचूर्णित) पीसा हुआ  |
| २२१   | २६ (अलिन्) भ्रमर  | ४६    | २३ (अवज्ञा) अनादर  |
| ७२    | १२ (अलिन्द) चौपारि  | २६८   | १०६ (अवज्ञात) अपमान किया हुआ                                   |
| २८४   | १२ (अलीक) अप्रिय, झूठी  | ५१    | २ (अवट) पृथ्वीका गड़हा   |
| २५७   | ६१ (अल्प) थोड़ा   |       |  |
| १३७   | ४८ (अल्पतनु) छोटी देह वाला                                      |       |  |
| १०६   | १३६ (अल्पमारिप) चौराई   |       |  |
| ६१    | २८ (अल्पसरस्) छोटा स  |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक                                    | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १३६   | ४५ (अवटीट) नकचपटा                        | १६६   | २६ (अवभृथ) यज्ञ के अन्त में जो स्नान होता है, यज्ञान्तस्नान |
| १४६   | ८८ (अवट्ट) घांटी                         | १३६   | ४५ (अवभ्रट)नकचपटा   |
| ३३९   | २२६ (अवतंस) करणफूल शिरोभूषण              | २५५   | ५४ (अवम) अधम, खराव  |
| ५१    | ३ (अवतमस) थोड़ा अन्धेरा                  | २६८   | १०६ (अवमत) अपमान किया गया                                   |
| २१६   | ६६ (अवतोका) जिसका गर्भ गिरताहो           | २००   | १०९ (अवमर्द्)तहस नहस करना                                   |
| २३९   | ४० (अवदंश) मद्यपीने में रुचि बढ़ाने वाला | ४६    | २३ (अवमानना)अपमान   |
| ३४    | १३ (अवदान) उजला, पीला, निर्मूल           | २६८   | १०६ (अवमानित) अपमान किया गया                                |
| २७०   | ३ (अवदात) सुकर्म                         | १४२   | ७० (अवयव) अंग   |
| २०६   | ५२ (अवदाराण) कुदारि                      | १८४   | ४० (अवर) हाथी का पिछला भाग                                  |
| ११३   | १६५ (अवदाह) खसखस                         | १३५   | ४३ (अवरज) छोटा भाई  |
| २६३   | ८९ (अवदीर्ण)रसीला, पिचला                 | २७९   | ३८ (अवरोति)निवृत्ति   |
| २५५   | ५४ (अवद्य)अधम, खराव                      | २३०   | १ (अवस्वर्ण) शूद्र  |
| ३०७   | ६६ (अवधि)सीमा, विल, समय                  | २६५   | ९४ (अवेरीण) धिक्कारा हुआ                                    |
| २६५   | ९४ (अवच्यस्त)पीसाहुआ                     | ७२    | १२ (अवरोध) रनिवास   |
| २७१   | ४ (अवन) तृप्तकरना                        | ७२    | ११ (अवरोधन) रनिवास  |
| २५९   | ७० (अवनत) मुँह नीचे किये, आँधा           | ७९    | ११ (अवरोह) चरोह, गुर्च कुमढ़ा वगैरः                         |
| १३६   | ४५ (अवनाट) नकचपटा                        | ३८    | १३ (अवर्ण) निन्दा   |
| २७७   | २७ (अवनाय) गिराना                        | १४४   | ७६ (अवलग्न) कमर   |
| ६५    | ३ (अवनि)पृथ्वी                           | ३४    | १३ (अवलक्ष) उजला  |
| २१२   | ३६ (अवन्तिसौम)कांजी                      | ९७    | ९५ (अवल्गुज) वकुची  |
| ७८    | ६ (अवन्ध्य) फरनेवाला                     | १८०   | २५ (अववाद) आज्ञा  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ३५०   | १६ (अवश्य) निश्चय                                     | २५१   | ३९ (अवासस्) नंगा  |
| २०    | १८ (अवश्याय) पाला, ठंड                                | १३०   | २० (अवि) पर्वत, भेंड़,  |
| ३०८   | १०४ (अवष्टब्ध) आश्रित<br>निकट, रुका, बंधा,<br>जीताहुआ | ९१    | ६७ (अविग्न) करोंदा  |
| १५४   | १२१ (अवसक्तिका) पदुका                                 | २६८   | १०६ (अविन) रखाया  |
| २७६   | २४ (अवसर) प्रसंग मौका                                 | ३२    | ७ (अविद्या) अज्ञान  |
| २८०   | २९ (अवसान) समाप्त,<br>धान्यराशि, अन्त, अ-<br>खीर      | २४७   | २३ (अविनीत) अन्यायी<br>शुभस्वभाव रहित                             |
| २६६   | ९८ (अवसित) जानाहुआ                                    | १४    | ६६ (अविरत) लगातार   |
| १४२   | ६७ (अवस्कर) विष्टा, वीट<br>गुदा, लिंग                 | १४    | ६६ (अविलम्बित) शीघ्र  |
| ३०    | २९ (अवस्था) अवस्थान                                   | ४०    | २१ (अविस्पष्ट) साफ नहीं   |
| ५९    | २१ (अवहार) ग्राह, घरि-<br>यार                         | १२७   | ११ (अवीरा) पति पुत्र र-<br>हित स्त्री, पति, पुत्र,<br>जिस का न हो |
| ४९    | ३४ (अवहित्या) शोक में<br>मुखादि छिपाना                | २७७   | २८ (अवेक्षा) वस्तुओंका<br>देखना                                   |
| ४६    | २३ (अवहेलन) अपमान                                     | ५३    | १ (अवीचि) नरकभेद  |
| ११०   | १५२ (अवाक्पुष्पी) सौंफ                                | २९८   | ६१ (अव्यक्त) विष्णु, शिव<br>अप्रकट                                |
| २४५   | १३ (अवाक्) नीचे मुख<br>वाला गुँगा                     | ३४    | १५ (अव्यक्तराग) थोड़ा<br>लाल                                      |
| २५९   | ७० (अवाग्र) नीचेमुखवाला                               | ६५    | ८६ (अव्यह्ला) क्यवांच   |
| १६    | १ (अवाची) पूर्वादिशा                                  | ८९    | ५६ (अव्यथा) हड़   |
| ४०    | २१ (अवाच्य) कहनेके यो-<br>ग्य नहीं                    | ३६४   | ३४ (अव्यय) नाशरहित  |
| १५१   | १०७ (अवापक) हाथमें प-<br>हिरने का कड़ा                | २५८   | ६८ (अव्यवहित) आड़<br>रहित मिलाहुआ                                 |
| ५६    | ८ (अवार) पार  | २१६   | ५४ (अशनाया) भूख   |
|       |   | २४६   | २० (अशनायित) भूखा   |
|       |   | ११    | ४८ (अशानि) वज्र   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| २६९   | १११ (अशित) खाया  | २१    | २१ (अश्वयुज्ज) अश्विनी                                       |
| १२७   | १० (अशिश्वी) विना पुत्र<br>वाली स्त्री                           | ३५७   | १६ (अश्ववद्धव) घोड़ा<br>घोड़ी                                |
| ३६०   | २३ (अशुभ) दुःख,  | १८५   | ४६ (अश्वा) घोड़ी   |
| २५८   | ६४ (अशेष) सब   | १८९   | ६० (अश्वारोह) सवार   |
| ९०    | ६४ (अशोक) शोकहीन   | २१    | २१ (अश्विनी) दक्षकन्या                                       |
| ९५    | ८५ (रोहिणी) कुटकी  | ११    | ५२ (अश्विनीसुत) अश्विनी-<br>नीकुमार                          |
| २२५   | ९२ (अश्मगर्भ) मरकत<br>मणि  | १८६   | ४८ (अश्वीय) घोड़ों का<br>समूह                                |
| २२८   | १०४ (अश्मज) शिलाजीत<br>गेरू                                      | १२०   | २२ (अपडक्षीण) दो जनों<br>की सलाह                             |
| ७५    | ४ (अश्मन्) पत्थर   | २२६   | ९५ (अष्टापद) बख्खादि की<br>वनीहुई चौपड़, सुवर्ण              |
| २१०   | २६ (अश्मन्त) चूल्हा  | १४३   | ७२ (अष्टीवत्) फीली   |
| १०३   | १२२ (अश्मपुष्प) शिला-<br>जित पथरचटा                              | ३४७   | १ (असकृत्) बारम्बार  |
| १३९   | ५६ (अश्मरी) मूत्ररुच्छू<br>जिस से मूत्र करतेस-<br>मय पीड़ाहो करक | १२७   | १० (असती) छिनारि<br>व्यभिचारिणी                              |
| २२६   | ६८ (अश्मसार) लोहा  | १३१   | २६ (असतीसुत) छिनारि<br>का पुत्र                              |
| १४    | ६६ (अश्रान्त) लगातार<br>थका नहीं                                 | ८६    | ४४ (असन) विजयसार   |
| १९७   | ९३ (अश्रि) तरवारआदि<br>की नोक                                    | २४५   | १७ (असमीद्य कारिस्)<br>विना विचारे कामक-<br>रनेवाला, अविचारी |
| १४७   | ६३ (अश्रु) आंसु  | २५६   | ५६ (असार) निर्बल कम-<br>जोर                                  |
| ३९    | १९ (अश्लील) गँवईओं<br>वचन  | १९६   | ८९ (असि) तलवार   |
| १८५   | ४३ (अश्व) घोड़ा  | १२८   | १८ (असिक्की) जनाने की<br>जवान लोड़ी                          |
| ८६    | ४४ (अश्वकर्णक) सांखू   |       |  |
| ८१    | २१ (अश्वत्थ) पीपल  |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक                     | पृष्ठ | श्लोक                       |
|-------|---------------------------|-------|-----------------------------|
| ३४    | १४ (असित) काला            | २५१   | ३७ (अस्फुट्वाक्) साफ        |
| २३१   | ७ (असिधावक) तलवार         |       | न बोलनेवाला                 |
|       | पर वाढ़धरनेवाला           | ३२३   | १६४ (अस्ते) रक्त, लोहू-कोना |
| १६६   | ९२ (असिधेनुका) छूरी       | १३    | ६० (अस्त्रप) राक्षस         |
|       | शिकिली                    | १४७   | ६३ (अस्त्रु) आंसु           |
| १९६*  | ९२ (असिपुत्री) छूरी       | २४५   | १६ (अस्वच्छन्द) आधीन        |
| १९१   | ७० (असिहेति) तलवार        |       | परवश                        |
|       | बाँधनेवाला                | २     | ८ (अस्वप्न) देवता           |
| २०३   | ११९ (अमु) प्राण           | २५१   | ३७ (अस्वर) क्रूरशब्द        |
| २०३   | ११९ (असुधारण) जीवन        |       | बोलनेवाला                   |
|       | प्राणा                    | १७३   | ५७ (अस्वाध्याय) वेदाध्य-    |
| ३     | १३ (असुर) देत्य           |       | यन रहित                     |
| ४६    | २३ (असूक्ष्ण) अपमान       | २५४   | ५० (अहंयु) अहंकारवाला       |
| ४७    | २४ (असूया) गुणमें दोष     | २३    | ३० (अहःपति) सूर्य           |
|       | लगाना                     | ४६    | २२ (अहंकार) अभिमान          |
| १४०   | ६२ (असृग्धरा) खाल         | २५४   | ५० (अहंकारवत्) अभि-         |
| १४१   | ६४ (असृज्) रक्त, लोहू     |       | मानी                        |
| २५१   | ३७ (असौम्यस्वर) ह्रस्वबो- | २३    | २ (अहन्) दिन, अहंकारी       |
|       | लनेवाला, क्रूरशब्द        | १९९   | १०१ (अहमहाभिका) परस्प-      |
|       | करनेवाला                  |       | राभिमान, जिस लड़ाई          |
| ७५    | २ (अस्त) अस्ताचल प-       |       | में धीरकहे कि हमलड़े        |
|       | टायाहुआ                   |       | तो वह लड़ाई                 |
| ३५०   | १७ (अस्तम्) अदर्शन        | १९८   | १०० (अहंपूर्विका) पहिले     |
| ३५०   | १८ (अस्ति) होना           |       | हम पहिले हम ऐसा             |
| ३४९   | १३ (अस्तु) निन्दापूर्वक   |       | कहना                        |
|       | स्वीकार                   | ३२    | ७ (अहम्मति) अज्ञान          |
| १९४   | ८२ (अस्त्र) हथियार        | २३    | ३० (अहर्षति) सूर्य          |
| १४२   | ६८ (अस्थि) हाड़           | २४    | २ (अहर्मुख) प्रातःकाल       |
| २५२   | ४३ (अस्थिर) चञ्चल         | २२    | २८ (अहस्कर) सूर्य           |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| ३४६   | २५६ (अहह) खेद, आश्चर्य                                       |       | बुलवाना   |
| ७४    | १ (अहार्य) पर्वत   | १६    | २ (आकाश) आकाश   |
| ५२    | ६ (अहि)सर्प, वृत्रासुर                                       | २६२   | ८५ (आकीर्ण) संकुल,<br>भरा हुआ                                       |
| १७७   | ११ (अहित) शत्रु, दुश्मन                                      | २५९   | ७२ (आकुल) आकुल घ-<br>वराया हुआ                                      |
| ५३    | ११ (अहितुण्डक) सांप<br>पकड़नेवाला                            | ३०५   | ९० (आक्रन्द) पुकारना,<br>रोने का शब्द कहना                          |
| १८१   | ३० (अहिभय)अपने सहा-<br>यकसे भय                               |       | रक्षक, कठोर, युद्ध  |
| २८९   | ३० (अहिभुज)मोर, गरुड़  | ७७    | ३ (आक्रीड) राजा जहां<br>कि स्त्रियों के साथ वि-<br>हार करे वह स्थान |
| ९८    | १०१ (अहेरु) शतावरि   |       | १५ (आक्रोश) मैथुन के<br>निमित्त गाली देना                           |
| ३४८   | ६ (अहो) विस्मय   | २७१   | ६ (आक्रोशन)गालीदेना   |
| २७    | १२ (अहोरात्र) दिनरात   | ३८    | १५ (आक्षरणा)गालीदेना  |
| ३४७   | २ (अन्हाय) शीघ्र   | २५२   | ४३ (आक्षारित) कलंकी<br>चोरी, या छिनारा जिस<br>को लगा हो             |
| ३४२   | २३९ (आ) स्मरण, वाक्य-<br>पूरण                                | ८३    | ३१ (आक्षीव) सहिंजन  |
| २६३   | ८७ (आकम्पित) कांपता<br>हुआ                                   | ३८    | १३ (आक्षेप)निन्दा, बुराई  |
| ७६    | ७ (आकर) खानि   | २३५   | २३ (आक्षोदन्) शिकार   |
| ३३८   | २२० (आकर्ष) जुआ, पासा,<br>कपड़े आदि की बनी<br>हुई चौपड़      | १०    | ४५ (आखण्डल) इन्द्र  |
| १४९   | ९९ (आकल्प) अलङ्कार,<br>सोना                                  | ११७   | १३ (आख) मूस, चूहा   |
| २७४   | १५ (आकार) अभिप्राय<br>बोधक चेष्टा, आवृत्ति,<br>इशारा, स्वरूप | ११६   | ७ (आखभुज) विलार   |
| ४९    | ३४ (आकारगुप्ति) शोक से<br>मुखादि छिपाना                      | २३५   | २३ (आखेट) शिकार   |
| ३७    | ८ (आकारणा)पुकारना  | ३७    | ८ (आरया) नाम  |
|       |  | २६८   | १०७ (आरयात) कहाहुआ  |
|       |  | ३६    | ५ (आरयायिका) कहानी  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १६८   | ३६ (आगन्तु) पाहुन, अ-<br>भ्यागत,                                      | २२१   | ७७ (आजक) बकड़ों का<br>समूह                               |
| १८०   | २६ ( आगस् ) अपराध,<br>पाप, कसूर                                       | १८५   | ४४ ( आजानेय ) कुलीन<br>घोड़ा                             |
| ३२    | ५ ( आगू ) स्वीकार   | २००   | १०६ (आजि) संग्राम लड़ाई<br>समभूमि भाग                    |
| १६४   | १८ (आग्नीध्र) ऋत्विक्   | २०३   | १ (आजीव) जीविका  |
| २७    | १४ (आग्रहायणिक) अग-<br>हन   | ५४    | ३ (आजू) हठसे नरका-<br>दिमें भोजना                        |
| २१    | २३ (आग्रहयण) अगहन   | १८०   | २६ (आज्ञा) हुकुम   |
| ३४२   | २३८ (आङ्) थोड़ा, अभि-<br>व्याप्ति, सीमा, क्रिया<br>योगसे उत्पन्न अर्थ | २१६   | ५२ (आज्य) घी   |
| ४५    | १६ (आङ्गिक) शरीरकी चे-<br>ष्टा भौह आदि मटकाना                         | १२०   | २६ (आटि) आड़ी पक्षी-<br>लड़ाई के                         |
| २१    | २४ (आङ्गिरस) बृहस्पति   | २००   | १०८ (आङ्ग्वर) बाजाका श-<br>ब्द बड़े हाथियोंका ग<br>र्जना |
| १६८   | ३८ (आचमन) आचमन  | १२०   | २६ (आडि) आडी   |
| २१५   | ४९ (आचाम) मांड  | २२४   | ८८ (आढक) चारसेर  |
| १६१   | ९ (आचार्य्य) मंत्रों की<br>व्याख्या करने वाला                         | २०५   | १० (आढकिका) चारसेर<br>विया घोनेवाला खेत                  |
| १२८   | १४ (आचार्या) मंत्रों की<br>व्याख्या करने वाली                         | १०५   | १३० (आढकी) अरहर-<br>अर्ही                                |
| १२८   | १४ (आचार्यानी) आचा-<br>र्य्यकी स्त्री                                 | २४४   | १० (आढ्य) धनी अमीर                                       |
| २२४   | ८७ (आचित) दशभार<br>गाड़ीका भार  | २०५   | ७ (आणवीन) अणुज्य<br>ठउर सांवाका खेत                      |
| १९    | १३ (आच्छादन) ढांपना<br>वस्त्ररूंधना                                   | २८३   | १० (आतंक) रोग, सन्ताप<br>शंका                            |
| ४९    | ३४ (अच्छुस्ति) सप्रयो-<br>जनहास अधिकहसना                              | ३११   | ११५ (आतधन) दूधमें जा-<br>वनदेना वेग तृप्तकरना            |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २५३   | ४४ (आततायिन) मारने के योग्य                             | १५९   | १४० (आदर्श) शीशा-दर्पण                                     |
| २५४   | ३४ (आतप) सूर्यका तेज घाम                                | १२०   | २६ (आदि) प्रथम-पहिल  |
| १८२   | ३२ (आतपत्र) छाता, छतुरी                                 | १६९   | ३४ (आदिकवि) वाल्मीकि                                       |
| ५६    | ११ (आतर) उतराई-खेवा                                     | ३०    | २८ (आदिकारण) प्रथम कारण                                    |
| ११९   | २२ (आतायिन) चील्ह                                       | २२    | २८ (आदित्य) देवता-अदितिके पुत्र                            |
| १६८   | ३५ (आतिय्य) अतिथिके लिये जो सिद्ध हो                    | २२    | ८ (आदित्य) देवता, सूर्य                                    |
| १६८   | ३५ (आतिय्य) अतिथिके लिये कर्म                           | २७८   | २९ (आदीनव) क्लेश   |
| २३९   | ५८ (आतुर) रोगी  | ३०३   | ५५ (आदृत) आदर किया हुआ-पूजागया                             |
| ४२    | ५ (आतोद्य) वाजा   | १६९   | ३९ (आदिष्ट) यज्ञाध्यक्ष                                    |
| २५१   | ४० (आत्तर्ग्व) टूटे अहंकार वाला जिसका अहंकार टूट गया हो |       | यज्ञ में सर्व ऋत्विजों का सिखाने वाला                      |
| ६५    | ८६ (आत्मगुप्ता) क्यवांच                                 | २६१   | ८० (आद्य) प्रथम, पहिल                                      |
| ११९   | ३१ (आत्मघोष) कौआ  | २२४   | ८५ (आद्यमापक) पांचघुं-घुन्नी भर मासा                       |
| १३१   | २७ (आत्मज) पुत्र  | २४७   | ११ (आचून) अतिभूखा  |
| ३०    | २६ (आत्मन्) उद्योग, धैर्य बुद्धि, स्वभाव, ईश्वर, देह    | ६१    | २६ (आधार) जल ठहरने की जगह बाँध                             |
| ३३    | १६ (आत्मभू) ब्रह्मा, काम देव                            | ४८    | २८ (आधि) मनकी व्यथा गिरही, चीज, आपात्ति, चेतः पीड़ा, आश्रय |
| २४७   | २१ (आत्मभरि) अपनाहीं पेट भरने वाला, पेट                 | २६२   | ८७ (आधूत) काँपता हुआ                                       |
| १३०   | २१ (आत्रेयी) रजस्वला                                    | १८८   | ५६ (आधोरण) पीलवान् महावत                                   |
| २८१   | ४३ (आथर्वण) अथर्वण मंत्रोंका समूह                       | १४८   | २६ (आध्यान) चिन्तापूर्वक स्मरण                             |

| पृष्ठ | श्लोक                         | पृष्ठ | श्लोक                       |
|-------|-------------------------------|-------|-----------------------------|
| ४३    | ६ (आनक) बड़ा नगरा,<br>तुरही । | ६१    | ३० (आपगा) नदी               |
| ५     | २२ (आनकद्वन्द्वभि) वसुदेव     | ७०    | २ (आपण) बाजार               |
| २५९   | ७० (आनित) मुख नीचे            | २२२   | ७८ (आपणिक) बनिया            |
|       | (किये, आँधा)                  | २५२   | ४२ (आपत्प्राप्त) विपत्तिमें |
| ४२    | ४ (आनद्ध) मुरजादि मृ-         |       | परा                         |
|       | दङ्गादि, बाजार                | १९४   | ८३ (आपत्) विपत्ति           |
| १७६   | ८९ (आनन) मुख, मुह             | २५२   | ४२ (आपन्न) विपत्तिमेंपरा    |
| २६    | २५ (आनन्द) खुशी, हर्ष         | १३०   | २२ (आपन्नसत्त्वा) गर्भिणी   |
| २९    | २५ (आनन्दथु) खुशी, हर्ष       | २०४   | ४ (आपमित्येक) वादेपर        |
| २७१   | ७ (आनन्दन) कुशलान-            |       | मिली वस्तु                  |
|       | न्द पूछना                     | २४०   | ४३ (आपान) मद्यपीनेकी        |
| २९८   | ६३ (आनित) संग्राम, ना-        |       | सभा                         |
|       | चनेकी जगह, देशवि-             | १५८   | १३७ (आपीड) चोटी में प-      |
|       | शेषद्वारका                    |       | हिरनेकी माला                |
| ५८    | १६ (आनाय) जाल                 | २२०   | ७३ (आपीन) आथन, थन           |
| १६५   | २३ (आनाय्य) गार्हपत्या-       | २१०   | २८ (आपूपिक) पुआ आ-          |
|       | ग्नि से लेकर जो द-            |       | दि बनानेवाला                |
|       | क्षिणाग्नि प्रवेश क-          | १७७   | १३ (आप्त) विश्वासी          |
|       | राया जावे                     | ५५    | ५ (आप्य) जलका वि-           |
| १३८   | ५५ (आनाह) मलमूत्रका           |       | कारकूट                      |
|       | (निरोधे, कब्ज, लम्बाई         | २७१   | ७ (आप्रच्छन्न) कुशला-       |
| १६६   | ४० (आनुपूर्वी) क्रम, प-       |       | नन्द                        |
|       | रिपाटी                        | १४५   | ११९ (आप्रपदीन) पैरतक        |
| २१०   | २८ (आन्धसिक) रसोई             |       | लम्बा कपड़ा                 |
|       | घरदार                         | १५५   | १२२ (आप्लव) नहाना;          |
| ३६    | ५ (आन्वीक्षिकी) न्याय         |       | स्नान                       |
| २१४   | ४७ (आपक्व) चवैना, ऊँची        | १७०   | ४६ (आप्लुव्रतिन्) वेदव्रत   |
|       | मुरसुरी                       |       | समाप्तकर गुरुकी आ-          |
|       |                               |       | ज्ञासे स्नान करनेवाला       |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १५५   | १२२ ( आप्लाव ) नहाना स्नान                         | १४१   | ६३ ( आमिप ) मांस, लेना भोग्य वस्तु, भोग          |
| २०६   | १३ ( आवन्ध ) हलमें जोठ बांधने की रस्सी-नाधा        | २४६   | १६ ( आमिपाशिन् ) मांस खानेवाला                   |
| २५९   | ७१ ( आविद्ध ) टेढ़ा फेंका पठाया, गिरा घुमाया       | १९०   | ६५ ( आमुक्क ) भिलमादि पहिने हुये                 |
| २७९   | ३६ ( आविध ) वर्मा                                  | २६    | २४ ( आमोद ) अतिशय सु-गन्ध, हर्ष                  |
| १४९   | १०१ ( आभरण ) गहना                                  | ३३    | ११ ( आमोदिन् ) मुख को सुगन्धित करने वाला पान आदि |
| ३८    | १५ ( आभापण ) प्रियबोलना                            | ३५    | ३ ( आम्राय ) वेद, परम्परा उपदेश                  |
| २     | १० ( आभास्वर ) देवता विशेष                         | ६४    | ३३ ( आम्र ) आम                                   |
| ११७   | ५७ ( आभीर ) अहीर                                   | ८२    | २७ ( आम्रातक ) आंवला                             |
| ७४    | २० ( आभीरपत्नी ) अहीरों का गांव                    | ३८    | १२ ( आम्रेडित ) दो तीन बार कहना                  |
| १२८   | १३ ( आभीरी ) अहीरिनि                               | २५९   | ६६ ( आयत ) लम्बा                                 |
| ५४    | ४ ( आभील ) दुःख                                    | ७१    | ७ ( आयतन ) यज्ञशाला                              |
| १५८   | १३८ ( आभोग ) सब वस्तु की परिपूर्णता सब तरह पूर्णता | १८१   | २९ ( आयति ) उत्तरकाल प्रभाव, लम्बाई              |
| ३४    | १२ ( आमगन्धि ) कच्चे मांसादिकी दुर्गंध             | २४५   | १६ ( आयत ) अधीन, परवश                            |
| ५४    | ३ ( आमनस्य ) दुःख                                  | १५३   | ११४ ( आयाम ) घन्नादि की लम्बाई                   |
| १३७   | ५१ ( आमय ) रोग                                     | १९४   | ८२ ( आयुध ) हथियार                               |
| १३६   | ५८ ( आमयविन् ) रोगी                                | १६०   | ६७ ( आयुधिक ) हथियार से जीविका करने वाला         |
| ३६४   | ३३ ( आमलक ) अंबरा                                  |       |  |
| ८९    | ५७ ( आमलकी ) अंबरा                                 |       |  |
| १६५   | ०५ ( आमिता ) गरम दूधमें दही मिलानेसे जो कुछ बनताहै |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १९०   | ६७ ( आयुधीय ) हथियार<br>से जीविका करनेवाला             |       | करिहांव   |
| २४३   | ६ ( आयुष्मन् ) बड़ी आयु-<br>र्धल वाला                  | ७४    | १८ ( आरोहण ) सीढ़ी  |
| २०३   | १२० ( आयुप् ) आयुर्दाय,<br>उमर                         | ९३    | ७४ ( आर्तगल ) काले फूल<br>वाली झिण्टी, पिया-<br>वासा काला |
| १९९   | १०३ ( आयोधन ) संग्राम                                  | १३०   | २१ ( आर्तव ) स्त्रियोंकारज                                |
| २२६   | ६७ ( आस्कूट ) पीतल                                     | २६७   | १०५ ( आर्द्र ) ओदा, गीला                                  |
| ८१    | २३ ( आरग्वध ) अमिलतास                                  | २१२   | ३७ ( आर्द्रक ) अदरख                                       |
| २१२   | ३६ ( आरनालक ) कांजी                                    | ४५    | १४ ( आर्य्य ) सज्जन, श्रेष्ठ,<br>बड़ा                     |
| २७९   | ३८ ( आरति ) निवृत्ति                                   | ६६    | ९ ( आर्यावर्त ) विन्ध्या-<br>चल और हिमालयके<br>बीचका देश  |
| २७७   | २६ ( आरम्भ ) प्रथम,<br>आरम्भ                           | २१८   | ६२ ( आर्षभ्य ) वधिया कर<br>ने के योग्य बैल                |
| ४०    | २३ ( आख ) शब्द   | १६१   | ८ ( आर्हक ) मोक्षमार्गका<br>दिखाने वाला                   |
| २३८   | ३५ ( आरा ) चमड़ा काटने<br>की छूरी                      | २२८   | १०३ ( आल ) हरिताल   |
| ३४३   | २४१ ( आरात् ) दूर, समीप                                | २०२   | ११५ ( आलम्भ ) मारना                                       |
| ३१३   | १२५ ( आराधन ) साधन, प्रा-<br>प्ति, संतोष करना          | ७०    | ५ ( आलय ) घर  |
| ७७    | २ ( आराम ) घरके पास<br>का बन                           | ६१    | २९ ( आलवाल ) थाल्हा                                       |
| २१०   | २८ ( आरातिक ) रसोईवर-<br>दार                           | २३४   | १९ ( आलस्य ) सुस्ती, सुस्त                                |
| ४०    | २३ ( आराव ) शब्द                                       | १८४   | ४१ ( आलान ) हाथीका खूंट                                   |
| ८२    | २४ ( आखत ) अमिलतास                                     | ३८    | १५ ( आलाप ) प्रियबोलना                                    |
| १३७   | ५० ( आरोग्य ) नीरोगता,<br>तन्दुरुस्त                   | ६८    | १५ ( आलि ) सेतु, सखी,<br>पंक्ति                           |
| १५३   | ११४ ( आरोह ) वस्त्रादि की<br>लम्बाई, श्रेष्ठ स्त्री की | ४२    | ५ ( आलिङ्ग्य ) मृदंगवि-<br>शेष                            |
|       |  | १९५   | ८५ ( आलीढ़ ) दहिनीजांघ                                    |

| पृष्ठ | श्लोक                     | पृष्ठ | श्लोक                   |
|-------|---------------------------|-------|-------------------------|
|       | फैला धनुषधारियों की       | २४८   | १२७ (आशंसित्) कहनेवाला  |
|       | स्थितिविशेष               | २४८   | २७ (आशंसु) कहनेवाला     |
| २११   | ३१ (आलुआलू) करवा-         | २७५   | २० (आशय) अभिप्राय,      |
|       | ई सिंकोड़कर बैठनो         |       | मतलब                    |
|       | करवा                      | १३    | ६० (आशरे) राक्षस        |
| २८२   | ३ (आलोक) प्रकाश, रो-      | १६    | १ (आशा) बड़ीआसरा,       |
|       | शनी, दर्शन                |       | दिशा                    |
| २७८   | ३१ (आलोकन) दर्शन, दे-     | २१७   | ५९ (आशितंगवीन) गौ-      |
|       | खना                       |       | ओंके पहिले खानेका       |
| २११   | ३३ (आवपन) सववर्तन         |       | स्थान                   |
| ५५    | ६ (आवर्त) भँवर            | ३३६   | २२७ (आशिस) हितकी चा-    |
| ७७    | ४ (आवलि) पंक्ति           |       | (हना, सौंपके दाँत)      |
| २०६   | २३ (आवसित) कुनाव भू-      | ५२    | ७ (आशीविप) सांप,        |
|       | साका                      | १४    | ६६ (आशु) शीघ्र, जल्द,   |
| ६१    | २९ (आवाप) थाल्हा          |       | सौंठी                   |
| १५१   | १०७ (आवापक) हाथ के        | १४    | ६३ (आशुग) हवा, वायु,    |
|       | कडा, कंरुण, पहुँची        |       | (तीर, घाण,              |
| ६१    | २९ (आवाल) थाल्हा          | १२    | ५६ (आशुगुक्षणि) आगि,    |
| ५७    | १४ (आविल) गन्दा, मैला     |       | अग्नि                   |
| ३४९   | १२ (आविस) प्रकट, स्पष्टता | १४६   | १८ (आश्रय्य) अद्भुतरस,  |
| ४४    | १२ (आवुरु) पिता, बाप      |       | आश्चर्य्य               |
| ४४    | १२ (आवुत्त) घहनोई         | १६०   | ४ (आश्रम) ब्रह्मचर्यादि |
| १६९   | ४० (आवृत्) क्रम, परिपाटी  |       | ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वा- |
| २६४   | ९० (आवृत्) घिराहुआ        |       | नप्रस्थ, संन्यास        |
| १०७   | १३७ (आवेगी) विधारा        | १७८   | १८ (आश्रय) शत्रु से पी- |
| ७१    | ७ (आवेशन) कारीगर          |       | डितहोके किसी बल-        |
|       | का घर                     |       | वान् के पास छिपना       |
| १६८   | ३६ (आवेशिक) पाहुन,        | १०    | ५५ (आश्रयाश) आगि,       |
|       | अभ्यागत                   | ३०    | ५ (आश्रय) अगीकार,       |

| पृष्ठ | श्लोक                     | पृष्ठ | श्लोक                     |
|-------|---------------------------|-------|---------------------------|
|       | आज्ञाकारी                 | २५५   | ५३ ( आसेचनक ) जिसके       |
| २६८   | १०८ ( आश्रुत ) अगीकार     |       | ( देखनेसे, तृप्ति न हो वह |
|       | किया गया                  |       | वस्तु                     |
| १२६   | ४८ ( आश्व ) घोड़ों का     | ३४३   | २३९ ( आस् ) क्रोध, पीड़ा  |
|       | समूह                      | १९९   | १०४ ( आस्कन्दन ) संग्राम  |
| १८१   | १६ ( आश्वत्थ ) पीपल का    | १८६   | ४८ ( आस्कन्दित ) घोड़ेकी  |
|       | फल                        |       | सरपट चाल                  |
| २८    | १७ ( आश्वयुज ) कुआर       | १८८   | १४२ ( आस्तरण ) हाथी की    |
| २८    | १७ ( आश्विन ) कुआर        |       | ( झूल )                   |
| ११    | ५२ ( आश्विनेय ) अश्वि-    | ३०४   | ८७ ( आस्था ) सभा, उपाय    |
|       | नीकुमार                   | १६३   | १७ ( आस्थान ) सभा         |
| १८६   | ४७ ( आश्वीन ) घोड़ा का    | १६३   | १७ ( आस्थानी ) सभा        |
|       | एक मजिल                   | ३०६   | १६३ ( आस्पद ) स्थान, का-  |
| २८    | १६ ( आपाद ) आपाद, ब्रह्म- |       | र्य, प्रतिष्ठा            |
|       | चारी का दण्ड,             | २३७   | ३४ ( आस्फोटनी ) चर्म      |
| २४४   | ९ ( आसक्त ) चित्तसे मि-   | १९४   | ८० ( आस्फोट ) मदार        |
|       | लता हुआ आसिक              | १९९   | १०४ ( आस्फोता ) विष्णु-   |
| १५६   | १३९ ( आसन ) पीढ़ा, आस-    |       | क्रान्ति                  |
|       | न, शत्रुको बलवान् स-      | १४६   | ८९ ( आस्प ) मुख           |
|       | मझकर किला में बैठ         | २७५   | २१ ( आस्पा ) आसन, बैठना   |
|       | ( रहना, हाथी, कन्धा       | २७८   | २२९ ( आसव ) क्लेश         |
| २७५   | २१ ( आसना ) आसन           | ४०    | ११ ( आहत ) असम्भावित,     |
| २५८   | ६६ ( आसन्न ) समीप         |       | गुणा हुआ                  |
| ३५५   | ९ ( आसन्दी ) आसनी         | २४४   | १० ( आहतलक्षण ) गुणसे     |
| २३४   | ४२ ( आसव ) मद्य, दारू     |       | प्रसिद्ध                  |
| २६७   | १०४ ( आसादित ) पाया       | २००   | १०५ ( आहव ) संग्राम       |
| १९    | ११ ( आसार ) भेघधारा,      | १६४   | २१ ( आहवनीय ) यज्ञकी      |
|       | ( फौजका, फैलाव            |       | ( अग्नि )                 |
| २०८   | १६ ( आसुरी ) राई          | २१७   | ५६ ( आहार ) भोजन, खाना    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ६०    | २६ (आहाव) पौशाला  | २३४   | १६ (इतर) नीचपुरुष, अन्य,  |
| ५२    | ३ (आहेय) सांपकी वि-<br>पहड़ी आदि                                |       | दूसरा, हेतु, प्रकरण   |
| ३४७   | ५ (आहो) विकल्प  | ३४४   | २४४ (इति) प्रकाश, समाप्ति   |
| १९८   | १०० (आहोपुरुषिका) अप-<br>नामों ऐसी सम्भावना<br>कि हमीं पुरुषहैं | १६२   | १४ (इतिह) लोकपरम्परा<br>उपदेश                                       |
| ३७    | ७ (आहय) नाम, संज्ञा   | ३६    | ४ (इतिहास) पुरानीकथा  |
| ३७    | ८ (आह्वा) नाम, संज्ञा   | १२७   | १० (इत्थरी) छिनारि  |
| ३७    | ८ (आह्वान) पुकारना<br>(इ)                                       | ३५२   | २३ (इदानीम्) अब, इस<br>काल  |
|       | (इक्षु) ऊख,   | ७६    | १३ (इध्म) इन्धन   |
| ६८    | ९८ (इक्षुगंधा) गोखरू, का-<br>श, कालाकुम्हड़ा                    | ३१०   | १११ (इन) सूर्य, राजा,<br>स्वामी                                     |
| ६६    | १०४ (इक्षुर) तालमखाना   |       | (इन्वका) मृगशिरा<br>नक्षत्रके शिरमें रहने-<br>वाले पांच छोटेनक्षत्र |
| १११   | १५६ (इत्वाकु) कर्ईलौकी  | ६     | २८ (इंदिरा) लक्ष्मी   |
| २६०   | ७४ (इङ्ग) अभिप्रायबोध-<br>क चेष्टा, चलनेवाला                    | ६३    | ३७ (इन्दीवर) नीलकमल   |
| २७४   | १५ (इङ्गित) अभिप्राय<br>बोधक चेष्टा                             | ६८    | १०० (इन्दीवरी) शतावारि  |
| ८६    | ४६ (इंगुदी) गोंदी, पॉखी   | १९    | १३ (इन्दु) चन्द्रमा   |
| ४७    | २७ (इच्छा) इच्छा, स्वाहिश                                       | ९     | ४२ (इन्द्र) देवों के राज  |
| १२७   | ९ (इच्छावती) धन की<br>इच्छावाली स्त्री                          | ८६    | ४५ (इन्द्रह) अर्जुनवृक्ष  |
| १६१   | १० (इज्याशील) वारंवार<br>यज्ञ करने वाला                         | ९१    | ६७ (इन्द्रयव) इन्द्रयव  |
| २१८   | ६२ (इट्चर) साँड़  | १२६   | ५६ (इन्द्रलुप्तक) चाँड़चूँड़<br>रोगी                                |
| २६३   | ४२ (इडा) गो, भूमि, वानी,<br>बुधकी स्त्री                        | १११   | १५६ (इन्द्रवारुणी) इन्द्रायण  |
|       |   | ९१    | ६८ (इन्द्रसुरस) म्योही, मुंडी                                       |
|       |   | ९१    | ६८ (इन्द्राणिका) म्योही, मुंडी                                      |
|       |   | १०    | ४६ (इन्द्राणी) इन्द्रकी स्त्री                                      |
|       |   | १८    | १० (इन्द्रायुध) इन्द्रधनुष,   |

| पृष्ठ | श्लोक                           | पृष्ठ | श्लोक                       |
|-------|---------------------------------|-------|-----------------------------|
| १३    | १२ ( इन्द्रारि ) दैत्य          | २९२   | ३८ ( इष्टि ) यज्ञ, इच्छा    |
| ४     | २० ( इन्द्रावरज ) विष्णु, वा-   | १९४   | ८३ ( इष्वास ) धनुष          |
|       | मन                              |       | ( ई )                       |
| ३३    | ८ ( इन्द्रिय ) इन्द्रिय, वीर्ये | १४७   | ९३ ( ईक्षण ) आँखि, देखना    |
| ३३    | ८ ( इन्द्रियार्थ ) रूपरसादि     | १३०   | २० ( ईक्षणिका ) शुभाशुभ     |
|       | विषय                            |       | जाननेवाली                   |
| ७६    | १३ ( इन्धन ) इन्धन              | २६९   | ११० ( ईडित ) स्तुति किया    |
| १८२   | ३५ ( इभ ) हाथी                  |       | हुआ                         |
| २२४   | १० ( इभ्य ) धनवान्              | २९९   | ६८ ( ईति ) विदेश, बाल,      |
| १८    | १० ( इम्मद ) मेघकी ज्योति       |       | अण्ड, पिलही, बहिआ,          |
| २३९   | ४० ( इरा ) मदिरा, पृथ्वी,       |       | सूखा, टाँड़ी, मूस, सुआ      |
|       | वानी, जल                        |       | देशी राजा, परदेशी           |
| ३९६   | ५६ ( इरण ) शून्य, ऊसर           |       | राजा इत्यादिका उ-           |
|       | ( इर्वरि ) कंकरी                |       | पद्रव                       |
| २१    | २३ ( इल्वल ) ताराविशेष          | २६३   | ८७ ( ईरित ) फेंका, पठाया    |
| ६५    | ४ ( इला ) गौ, पृथ्वी, वानी,     | १३८   | ५४ ( ईर्म ) घाव             |
|       | बुधकी स्त्री                    | ४७    | २४ ( ईर्ष्या ) अन्यकी बढ़ती |
| ३४८   | ९ ( इव ) सादृश्य, समता          |       | को न सहना                   |
| २८    | १७ ( इप ) कुआर                  | २६६   | १०९ ( ईलित ) स्तुति कि-     |
| २३७   | ३३ ( इपीका ) हाथीकी आं-         |       | याहुआ                       |
|       | खिका गोल, सराई                  | १६६   | ६१ ( ईली ) खोड़ा            |
| १९५   | ८७ ( इपु ) तीर                  | ७     | ३१ ( ईश ) शिव, ईशान         |
| १९६   | ८८ ( इपुधि ) तरकस, तुणीर        |       | कोणका स्वामी                |
| १६६   | १३० ( इष्ट ) यज्ञकर्म, वाँछित,  | ७     | ३१ ( ईशान ) शिव             |
|       | इच्छाभरि                        | २४४   | १० ( ईशितृ ) स्वामी         |
| ११३   | १६५ ( इष्टकापथ ) ससखस           | ७     | ३१ ( ईश्वर ) शिव, स्वामी    |
| ३३    | ११ ( इष्टगन्ध ) सुगन्ध          | ८     | ३७ ( ईश्वरी ) पार्वती       |
| २४४   | ९ ( इष्टायोयुक्त ) अभीष्टव-     | ३४८   | ८ ( ईपत् ) थोड़ा            |
|       | स्तु में लगाहुआ                 | २०७   | १४ ( ईपा ) दरस              |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १८३   | ३८ (ईपिका) हाथीके आँख की गोलाई, चित्र खींचने वालेकी कूची    | १०    | ४६ (उच्चैःश्रवस्) इन्द्रका घोड़ा                           |
| ३४    | १३ (ईपत्पाण्डु) धूसररंग                                     | ३८    | १२ (उच्चैर्घुष्टु) घोपना, जोरसे पढ़ना                      |
| ४८    | २७ (ईहा) इच्छा, चाह   | ३५०   | १७ (उच्चैस्) उँचाई   |
| ११६   | ८ (ईहामृग) भेड़हा, विग                                      | ७६    | १० (उच्छ्रय) पर्वतादिकी उँचाई                              |
|       | (८)   | ७९    | १० (उच्छ्राय) पर्वतादिकी उँचाई                             |
| ३५०   | १८ (उ) क्रोधसे कहना   | २५९   | ७० (उच्छ्रित) उँचा; घटाहुआ, उत्पन्न, दृप्त                 |
| २६८   | १०७ (उक्क) कहाहुआ   | २०२   | ११५ (उज्जासन) मारना  |
| ३५    | १ (उक्कि) कहना  | ४५    | १७ (उज्ज्वल) शृङ्गाररस, उजला                               |
| ३६२   | ३० (उक्थ) सामवेदके मंत्र-विशेष                              | २०३   | २ (उज्ज) शीलाविनना   |
| २१७   | ५९ (उक्षत्र) बैल  | ७०    | ६ (उज्ज) मुनियों की कूटी                                   |
| २११   | ३१ (उखा) बटलोही   | २१    | २१ (उडु) तारा  |
| २१४   | ४५ (उरुय) बटलोही में पकाया अन्नादि                          | ५६    | ११ (उडुप) छोटी नाव   |
| ७     | ३३ (उग्र) शिव, शूद्रास्त्री में क्षत्रिय से उत्पन्न, भयकारी | १२३   | ३८ (उडीन) ऊपरका उड़ना                                      |
| १९    | १०२ (उग्रगन्धा) वच, अजवाइन                                  | २६७   | १०१ (उत्त) ब्रिनाहुआकपड़ा, समुच्चय, विकल्प, पूँछना, वितर्क |
| २५९   | ७० (उच्च) उँचा  | ३४७   | ५ (उताहो) विकल्प   |
| ११२   | १६० (उच्चटा) मोथाविशेष                                      | २४३   | ८ (उत्क) अति चाहने वाला                                    |
| २६२   | ८३ (उच्चण्ड) शीघ्र, उत-हिले                                 | १०६   | १३४ (उत्कट) भतवाला   |
| १४२   | ६७ (उच्चार) गृह, मेला                                       | ४८    | २९ (उत्कंठा) अतिचाहना                                      |
| २६२   | ८३ (उच्चावच) अनेक प्रकारका, हरतरहका                         |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक                      | पृष्ठ | श्लोक                                 |
|-------|----------------------------|-------|---------------------------------------|
| १२४   | ४३ (उत्कर) राशि, ढेर       |       | पाय, बैठेहुयेका उठाना, कुटुम्बकृत्य   |
| २७३   | ११ (उत्कर्ष) प्रकर्ष       |       |                                       |
| ४८    | २९ (उत्कलिका) अति          | ३०३   | ८५ (उत्थित) उत्पन्न, अभिमानी, बढ़ाहुआ |
|       | चाहना, कलोल                |       |                                       |
| २७६   | ३६ (उत्कार) अन्नादिका      | २४६   | २९ (उत्पतितृ) उछलने                   |
|       | निकालना                    |       | वाला,                                 |
| १२०   | २३ (उत्क्रोश) कुररा, कुररी | २४८   | २९ (उत्पतिष्णु) उछलने                 |
| ३३९   | २२६ (उत्तंस) करणफूल, शि-   |       | वाला                                  |
|       | रोभूषण                     | ३०    | ३० (उत्पत्ति) जन्म                    |
| २६८   | १०५ (उत्त) ओदा, गीला       | ६३    | ३७ (उत्पल) कमल, कु-                   |
| १४१   | ६३ (उत्तप्त) सूखामांस      |       | मुद                                   |
| २५६   | ५७ (उत्तम) प्रधान, मुख्य,  | १०१   | ११२ (उत्पलशाखिवा) पी-                 |
|       | अच्छा                      |       | परि, कालाशाम्ब                        |
| २०४   | ५ (उत्तमर्ण) ऋणदेने-       | २००   | १०६ (उत्पात) उत्पात, आ-               |
|       | वाला महाजन                 |       | फत                                    |
| १२५   | ४ (उत्तमा) सबतरह से        | ७२    | ७ (उत्फुल्ल) फूलाहुआ                  |
|       | अच्छी स्त्री               | ७५    | ५ (उत्स) झरनासे पानी                  |
| १४८   | ९५ (उत्तमांग) शिर          |       | गिरनेका स्थान                         |
| ३३०   | १८६ (उत्तर) उत्तर, जवाब,   | १६७   | ३१ (उत्सर्जन) दान                     |
|       | ऊपर, उत्तर दिशा,           | ५०    | ३८ (उत्सव) विवाहादिकी                 |
|       | श्रेष्ठ                    |       | खुशी, ऊपर उठना,                       |
| १५३   | ११७ (उत्तरासंग) अँगौछा,    |       | सीचना, इच्छाकी उ-                     |
|       | दुपट्टा आदि                |       | त्पत्ति, आनन्दका वेग                  |
| १५३   | ११८ (उत्तरीय) अँगौछा, दु-  | १५५   | १२२ (उत्सादन) उबटन                    |
|       | पट्टा आदि                  | ४८    | २९ (उत्साह) उत्साह, हौ-               |
| ५७    | १५ (उत्तान) थाह, उथल       |       | सिला, राजाकी शक्ति                    |
| १३५   | ४१ (उत्तानाशया) दूधपीने    | ४५    | १८ (उत्साहवर्द्धन) वीर                |
|       | वाले, धन्ने                | २४३   | ९ (उत्सुक) अभीष्ट वस्तु               |
| ३१२   | ११७ (उत्थान) पौरुष, उ-     |       | में अतिमत्त लगाये                     |

| पृष्ठ | श्लोक                    | पृष्ठ | श्लोक                     |
|-------|--------------------------|-------|---------------------------|
| २६८   | १०७ (उत्सृष्ट) त्यागाहुआ | २६८   | १०७ (उदित) कहा हुआ        |
| ७६    | १० (उत्सेध) पर्वतादिकी   | ११७   | १२ (उदीची) उत्तर दिशा     |
|       | उँचाई, देह, उँचाई        | ६६    | १८ (उदीच्य) पश्चिमोत्तर   |
| ५५    | १४ (उदक) जल              | "     | (देश, नेत्रवाला           |
| १३०   | २१ (उदक्या) रजस्वला      | ८१    | २२ (उदुम्बर) मूलर, तांबा  |
| २५९   | ७० (उदग्र) ऊँचा          | १०८   | १४४ (उदुम्बरपर्णी) दंतिआ, |
| २८०   | ३९ (उदज) पशुओंको ल-      | "     | जयपाल                     |
|       | लकारना                   | २०९   | २५ (उदूखल) ओखरी, कांडी    |
| ५४    | १ (उदीधि) समुद्र         | २६५   | ६७ (उदृत) वान्त, कय कि-   |
| ३७    | ७ (उदन्त) वृत्तान्त, खबर | "     | येहुये                    |
|       | हाल                      | १५२   | ११२ (उदगमनीय) धोयेक-      |
| २१६   | ५५ (उदन्या) पिआस         | "     | पड़े                      |
| ५४    | १ (उदन्वत्) समुद्र       | १५    | ६७ (उदगाढ़) वारंवार,      |
| ६०    | २६ (उदपान) कुंआं         | १६४   | १९ (उदगातृ) सामवेद        |
| ७५    | २ (उदय) उदयाचल           | "     | (जाननेवाला ऋत्विक्        |
| १४४   | ७७ (उदर) पेट             | २७९   | ३७ (उदगार) वान्तकरना,     |
| १८१   | १२९ (उदर्क) आगे होनेवा-  | "     | डाकना                     |
|       | ला फल                    | ३५८   | १९ (उदगीथ) सामवेद         |
| ७०    | ४ (उदवासित) घर           | २६३   | ८९ (उदगूर्ण) उठायाहुआ,    |
| २१६   | ५३ (उदशिवत्) माठा        | "     | शस्त्रआदि                 |
|       | जिसमें आधा पानीहो        | २७९   | ३७ (उदग्राह) डेकारना      |
| ३६    | ४ (उदात्त) स्वरविशेष     | ३०    | २७ (उदघ) अच्छा            |
| १४    | ६४ (उदान) मुख नाकसे      | २७९   | ३५ (उदघन) काठकाठीहा       |
|       | निकलने वाला वायु         | "     | जिसपर बड़ई लकड़ी          |
| ३३०   | १९१ (उदार) दाता, महान्,  | "     | काटताहै                   |
|       | बड़ा                     | २३६   | २७ (उदघाटन) कुंआं से      |
| १७७   | १० (उदासीन) शत्रु मित्र  | "     | जल निकालने का             |
|       | से अन्य                  | "     | यंत्र, पुर, रहट           |
| ३७    | ९ (उदाहार) चिन्ता, उदा-  |       |                           |

| पृष्ठ | श्लोक                       | पृष्ठ | श्लोक                     |
|-------|-----------------------------|-------|---------------------------|
| २७७   | २६ (उद्घात) प्रारंभ, शुरु,  | १५५   | १२२ (उद्घर्तन) उवटन       |
| १८१   | २६ (उद्धान) वॉधना,          | १८३   | ३६ (उद्धान्त) वान्त व     |
| १८४   | ३४ (उद्दाल) लसोहरा          |       | मदकाहाथी                  |
| २६५   | ९५ (उद्धित) वॉधाहुआ         | २०२   | ११५ (उद्वासन) मारना       |
| २७१   | १११ (उद्द्राव) भागना        | १७४   | ६० (उद्वाह) विवाह         |
| ५०    | ३८ (उद्धर्ष) उत्सव          | ११४   | १६९ (उद्देग) सुपारी का    |
| ५०    | ३८ (उद्धव) उत्सव            |       | फल, ऊवना                  |
| २१०   | २६ (उद्धान) चूल्हा          | ११७   | १३ (उन्दर) मूसा, उवाना    |
| २०४   | ४ (उद्धार) उधार, ऋण,        | ११७   | १३ (उन्दुरु) मूसा         |
|       | कर्ज                        | २५९   | ७० (उन्नत) ऊँचा           |
| २६४   | ९८ (उद्धृत) कुंओं से नि-    |       | (उन्नद्ध) अभिमानी         |
|       | काला जल इत्यादि             | २७३   | १२ (उन्नये) ऊपरको पहुँचा  |
| ३०    | ३० (उद्धव) जन्म             |       | (उन्नयन) ऊपरको पहुँ-      |
| २५५   | ५१ (उद्धिज्ज) वृक्ष, वल्ली, |       | चाना                      |
|       | घास इत्यादि                 | २७३   | १२ (उन्नाय) ऊपर लेजाना    |
| २५५   | ५१ (उद्धिद) वृक्ष, वल्ली    | ९३    | ७७ (उन्मत्त) धतूरा, पागल, |
|       | घास इत्यादि                 |       | सिरी                      |
| ३५५   | ५१ (उद्धिद) वृक्ष, वल्ली,   | २०२   | ११५ (उन्मथ) मारना         |
|       | घास इत्यादि                 | २४७   | २३ (उन्मद) पागल, सिरी     |
| २७३   | १२ (उद्भ्रम) ऊवना,          | २४७   | २३ (उन्मदिष्णु) पागल,     |
| २६३   | ८९ (उद्यत) उठायाहुआ         |       | सिरी,                     |
|       | शस्त्रआदि                   | २४३   | ८ (उन्मनस) प्रीतियुक्त    |
| २७३   | ११ (उद्यम) उद्यम-रोज        |       | अतिचाहने वाला             |
|       | गार, धंधा                   | २०२   | ११५ (उन्माय) मारना, खा-   |
| ७७    | ३ (उद्यान) जहांकिस्त्रियों  |       | भरि, चिड़िया फसाने-       |
|       | के साथ राजा विहार           |       | का साधन                   |
|       | करे, निकलना, प्रयोजन        | ४७    | २६ (उन्माद) पागलपना       |
| ३६४   | ३३ (उद्योग) उत्साह,         | १४०   | ६० (उन्मादवत्) पागल       |
| ५९    | २० (उद्) उद्-जलविलार,       | २५८   | ६८ (उपकण्ठ) समीप          |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| ७२    | १० (उपकारिका) राजघर<br>तम्बू  | १७९   | २१ (उपजाप) भेद लगाना<br>चुगली, फूटकराना              |
| ७२    | १० (उपकार्या) राजघर,<br>तम्बू -   | ३४६   | १० (उपजोप) आनन्द,<br>खुशी                            |
| १०४   | १२५ (उपकुक्षिका) काला-<br>जीरां, गुजराती इला-<br>यची                                | २६१   | १५ (उपज्ञा) प्रथम ज्ञान<br>- पहिले पहिल जानना        |
| ६७    | २६ (उपकुल्या) मड़ीपीपरि   | २७४   | १४ (उपतप्तृ) परसन्ताप                                |
| १६३   | १५ (उपक्रम) जानकर<br>आरंभ करना, उपाय<br>पूर्वक आरंभ, राज-<br>मंत्रीके शीलकी परीक्षा | १३७   | ५१ (उपताप) रोग                                       |
|       | चिकित्सा,   | ७६    | ७ (उपत्यका) पर्वतके स-<br>मीप नीचेकी भूमि            |
| ३८    | १३ (उपक्रोश) निन्दा   | १८१   | २८ (उपदा) भेंट, नजर                                  |
| २६८   | १०९ (उपगत) अंगीकार<br>किया हुआ  | १७९   | २१ (उपधा) मन्त्री आदि<br>की धर्मादिसे परीक्षा        |
| २७८   | ३० (उपगृहन) लिपटना  | १५९   | १३८ (उपधान) तकिआ                                     |
| २०२   | ११९ (उपग्रह) बंधुआ,<br>कैदी   | ४८    | ३० (उपधि) कपट,                                       |
| १८१   | २८ (उपग्राह्य) भेंट, नजर  | ४३    | ७ (उपनाह) बीणामें तार<br>वांधने की जगह               |
| २७५   | १९ (उपघ्न) समीपका आ-<br>श्रय  | २२२   | ८१ (उपनिधि) धरोहर,                                   |
| २६७   | १०२ (उपचरित) सेवाकिया<br>हुआ  | ३०५   | ९२ (उपनिपत्) धर्म, ए-<br>कान्त, वेदान्त              |
| १६५   | २२ (उपचाय्य) यज्ञ की<br>अग्नि   | ६९    | १९ (उपनिष्कर) गांव या<br>शहर से निकलने की<br>रास्ता, |
| २६३   | ८६ (उपचित) बढ़ाहुआ  | ३७    | ९ (उपन्यास) कहने का<br>आरम्भ,                        |
| ९५    | ८७ (उपचित्रा) मूसरी,<br>मूसाकर्णी   | १३३   | ३५ (उपपति) जार, चार                                  |
|       |   | १६६   | २७ (उपभृत) सुधा विशेष,                               |
|       |   | २७५   | २० (उपभोग) उपभोग, व<br>तर्ना, भोगना                  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २३८   | ३६ (उपमा) सादृश्य, मि-<br>साल                           | ७४    | २० (उपशाल्य) गौंके सं-<br>मीपकी जगह                               |
| ३२६   | ७६ (उपमातृ) धात्री, धायी                                | २७८   | ३३ (उपशाय) क्रमसे पहर<br>पहर सोनेवाले                             |
| २३८   | ३६ (उपमान) जिसकी मि-<br>साल दीजाय वह                    | २६८   | १०९ (उपश्रुत) अंगीकार<br>कियाहुआ                                  |
| १७४   | ६० (उपयम) विवाह   | १५३   | ११७ (उपसव्यान) धोती<br>आदि, नीचे पहिरने<br>के वस्त्र              |
| १७४   | ६० (उपयाम) विवाह  | १६६   | २८ (उपसम्पन्न) यज्ञमें<br>माराहुआ पशु, रसि-<br>आउर                |
| २६    | १० (उपरकृ) चन्द्र, सूर्य<br>का ग्रहण दुःखसे पी-<br>ड़ित | २७६   | २५ (उपसर) प्रथमवार<br>गर्भ ग्रहणकरना                              |
| १८२   | ३३ (उपरक्षण) पहरा, गस्त                                 | २००   | १०९ (उपसर्ग) उत्पात   |
| २६    | ९ (उपराग) चन्द्र, सूर्य<br>का ग्रहण                     | २५६   | ६० (उपसर्जन) अप्रधान  |
| २८०   | ३८ (उपराम) निवृत्ति                                     | २२०   | ७० (उपसर्ग्या) गर्भयोग्य<br>काल में बैलके पास<br>जानेवाली गौ, उठी |
| ७५    | ४ (उपल) पत्थर   | २३    | ३२ (उपसूर्यक) परिवेष<br>' सूर्यका मण्डल                           |
| ३६    | ५ (उपलब्धार्था) कहानी                                   | २१२   | ३५ (उपस्कर) मसाला<br>धुगार  |
| ३१    | १ (उपलब्धि) बुद्धि,                                     | १४३   | ७५ (उपस्य) लिंग, भग   |
| २७७   | २७ (उपलम्भ) साक्षात्कार                                 | १६८   | ३८ (उपस्पर्श) आचमन  |
| ३३२   | १९८ (उपला) सिटकी,                                       | १८१   | २८ (उपहार) भेंट, नजर  |
| ७७    | २ (उपवन) घरके पासका<br>वन,                              | ३२८   | १८२ (उपद्वर) एकान्त,<br>समीप                                      |
| ६६    | ९ (उपवर्तन) देश, नगर<br>गाँव,                           | १८०   | २३ (उपाशु) एकान्त   |
| १५६   | १३८ (उपवर्ह) तकिया                                      |       |   |
| १६९   | ४१ (उपवस्त) उपवास                                       |       |   |
| १६९   | ४१ (उपवास) व्रत   |       |   |
| ९९    | ९९ (उपविषा) अतीस  |       |   |
| १७३   | ५३ (उपवीत) चायेंकोधेका<br>जनेऊ                          |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                   |  | पृष्ठ | श्लोक                      |  |
|-------|-------------------------|--|-------|----------------------------|--|
| १७०   | ४४ (उपाकरण) संस्कार     |  | १६५   | ८८ (उपासंग) तरकस,          |  |
|       | पूर्वक वेदका पढ़ना      |  |       | तूणीर                      |  |
| १६६   | २७ (उपाकृत) मंत्रसे सं- |  | १९५   | ९६ (उपासन) सेवा, तीर       |  |
|       | स्कारकर करके मारा       |  |       | चलाने का अभ्यास            |  |
|       | हुआ यज्ञपशु             |  |       | करना                       |  |
| १६६   | ४० (उपात्यय) क्रमका उ-  |  | १६८   | ३७ (उपासना) सेवा           |  |
|       | ल्लघन, अतिक्रम,         |  | २६७   | १०२ (उपासित) सेवाकिया      |  |
|       | वैकायदा                 |  |       | (हुआ)                      |  |
| २७४   | १६ (उपादान) लेना, इ     |  | २६८   | १० (उपाहित) उल्का,         |  |
|       | न्द्रियों को विषय से    |  |       | धूमकेतु, मिलाया            |  |
|       | खींचना,                 |  |       | (हुआ)                      |  |
| ४८    | २८ (उपाधि) कुटुम्ब का   |  | ४     | २० (उपेन्द्र) विष्णु, वामन |  |
|       | (पालन करनेवाला),        |  | १११   | १५७ (उपोदिका) पोयका        |  |
|       | धर्मकी चिन्ता           |  |       | साग                        |  |
| १६९   | १९ (उपाध्याय) पढ़ाने    |  | ३७    | १९ (उपोद्घात) आगे कहे      |  |
|       | वाला                    |  |       | जानेवाले अर्थके उप-        |  |
| १२८   | १४ (उपाध्याया) पढ़ाने   |  |       | कारक अर्थका वर्णन          |  |
|       | वाली                    |  |       | (उदाहरण)                   |  |
| १२८   | १५ (उपाध्यायानी) पढ़ाने |  | २०५   | ८ (उपकृष्ट) वोकर जोता      |  |
|       | वाले पंडितकी स्त्री     |  |       | (हुआखेत)                   |  |
| १२८   | १४ (उपाध्यायी) पढ़ाने   |  | ३५१   | २१ (उभयद्युम्) दोनोंदिन    |  |
|       | वाले पण्डितकी स्त्री    |  | ३५१   | २१ (उभयेद्युम्) दोनोंदिन   |  |
| २३७   | ३१ (उपानह) जूता         |  | ८     | ३७ (उमा), पार्वती, अलती    |  |
| १७८   | २० (उपाय) भेद, दण्ड,    |  | ८     | ३५ (उमापति) शिव            |  |
|       | साम, दाम                |  | १५०   | १०४ (उःसृत्रिका) नाभि      |  |
| १८१   | २८ (उपायन) भेंट, न-     |  |       | (तक लम्बी मोतियों)         |  |
|       | (जर)                    |  |       | की माला                    |  |
| ३८    | १४ (उपालम्भ) उरहना      |  | ५२    | ८ (उग) साँप                |  |
| १८६   | ५० (उपावृत्त) लोटना     |  | २२१   | ७६ (उरण) भेंड़ा            |  |

| पृष्ठ | श्लोक                              | पृष्ठ | श्लोक                                    |
|-------|------------------------------------|-------|--|
| १०९   | १४६ (उरणाल्य) (क्ष) चक्रवैड        | २१०   | ३० ( उल्मुक ) लुकेठी                     |
| २२१   | ७६ (उरध्र) भेंडा                   | १३६   | ५७ (उल्लाघ) निरोग                        |
| ३४६   | २५३ (उरी) विस्तार, अंगीकार         | १५४   | १२० (उल्लोच) चन्दवा चॉदनी                |
| २६८   | १०८ (उरीकृत) अंगीकार कियाहुआ       | ५५    | ६ (उल्लोल) बड़ा हिल-कोरा, लहरि           |
| १९०   | ६४ (उरश्चद) कँवच                   | १३४   | ३८ (उल्व) ओझरी चर्म जिससे गर्भबंधारहताहै |
| १४४   | ७ (उस्) छाती                       | २६१   | ८१ (उल्वण) स्पष्ट, साफ                   |
| १९२   | ६६ (उरसिल) सुन्दर छातीवाला पुत्र   | २१    | २५ (उशनस्) शुक्राचार्य                   |
| १९२   | ७६ (उरस्वत) सुन्दर छातीवाला        | ११३   | १६४ (उशीर) स्वसखस                        |
| ३४६   | २५३ (उरी) विस्तार, अंगीकार करना    | ९८    | ६७ (उपणा) बड़ी पीपरि                     |
| २५७   | ६१ (उस) फौलाहुआ, बड़ा              | १२    | ५५ (उपर्वुघ्र) आगि                       |
| ८८    | ५१ (उरुवूक) रेड़ी                  | २४    | २ (उपस्) प्रातःकाल भोर, सवेरा            |
| ६६    | ५ (उर्वरा) सबअन्नोंसे युक्त पृथ्वी | ३५०   | १८ (उपा) रातिका अन्त                     |
| १२    | ५३ (उर्वशी) अप्सरा                 | ६     | २७ (उपापति) अनिरुद्ध                     |
| १११   | १५५ (उर्वारु) कंकरी                | २६६   | ९९ (उपिन) जराहुआ                         |
| ६५    | ३ (उर्वी) पृथ्वी                   | २२१   | ७५ (उष्ट्र) ऊँट                          |
| ७९    | ९ (उलप) बड़ीबौड़ी                  | २३४   | १६ (उष्ण) (क) धीष्म ऋतु, चतुर, तेज, गरम  |
| ५८    | १८ (उलूपिन) सँत, शिशु-मार          | २२    | २९ (उष्णरश्मि) सूर्य                     |
| ११८   | १५ (उलूक) उल्लू                    | २८    | १९ (उष्णागम) धीष्मऋतु                    |
| २०९   | २५ (उल्लखल) काँड़ी, ओखरी           | २१५   | ५० (उष्णिका) लपसी, गीलाभात               |
| ८४    | ३४ (उल्लखलक) गुग्गुल               | ३३७   | २१९ (उष्णीष) पगड़ी, मुकुट                |
| ३५४   | ८ (उल्का) तेजविशेष, लूक            | २८    | १९ (उष्णोपगम) धीष्म-ऋतु                  |
|       |                                    | २८    | १६ (उष्ण) गरमी                           |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २३    | ३३ (उस्र) किरण, बैल                             | ५५    | ५ (ऊर्मि) लहरि   |
| २१६   | ६६ (उसा) गौ                                     | १५१   | १०७ (ऊर्मिका) अँगूठी                                       |
| २१४   | ४५ (उरुय) बटुलोहीमें प-<br>काया अन्न            | २५६   | ७१ (ऊर्मिमत्) टेढ़ा  |
| २६७   | १०१ (उत्) बीना वस्त्र                           | ६६    | ५ (ऊप) खारीमट्टी, लो-<br>नानि मट्टी                        |
| २२०   | ७३ (ऊधस्) आघन, धन                               | २१२   | ३६ (ऊपण) कालीमिर्च   |
| ३१४   | १२७ (ऊन) हीन, कम                                | ६६    | ६ (ऊपर) ऊतर  |
| ३५०   | १८ (ऊम्) प्रश्न, पूछना                          | ६६    | ६ (ऊपवत्) ऊतर  |
| २०३   | १ (ऊरुय) वैश्य, वनिधां                          | २८    | १८ (ऊप्मक) ग्रीष्मऋतु                                      |
| ३४६   | २५३ (ऊरी) अंगीकार करना                          | २८    | १६ (ऊप्मागम) घाम   |
| २६८   | १०८ (ऊरीकृत) विस्तार                            | ३१    | ३ (ऊह) तर्क, विचार, क-<br>ल्पनाविशेष<br>(ऋ)                |
| १४३   | ७३ (ऊरु) निरोह, जांघ                            | २२५   | ९० (ऋकथ) धन  |
| २०३   | १ (ऊरुज) वैश्य, वनिधां                          | २१    | २१ (ऋक्ष) तरिवन, नक्षत्र,<br>ऋच                            |
| १४५   | ७२ (ऊरुपर्वन्) फीली                             | १००   | ११० (ऋक्षगंधा) विधारा                                      |
| २८    | १८ (ऊर्ज) कार्तिक                               | १००   | ११० (ऋक्षगंधिका) सीता-<br>फल, उजला कुम्हड़ा                |
| १६२   | ७५ (ऊर्जस्वल) अतिशय<br>बलवाला                   | ३६    | ३ (ऋच) ऋग्वेद  |
| १६२   | ७२ (ऊर्जास्विन) अतिशय<br>बलवाला                 | ११५   | ५ (ऋच्छ) भालू  |
| ११७   | १४ (ऊर्णनाम) मकरी                               | २११   | ३२ (ऋजीप) तावा, कराही                                      |
| २६५   | ४६ (ऊर्णा) भेंड़ों के रोम,<br>ऊन, भौंहों का बीच | २५६   | ७२ (ऋजु) सीधा  |
| २२१   | ७६ (ऊर्णायु) भेंड़ा, भेंड़ा<br>के ऊनका कम्बल    | १८    | १० (ऋजुरोहित) इन्द्रध-<br>नुप                              |
| ४२    | ५ (ऊर्ध्वक) मृदंगविशेष                          | २०४   | ३ (ऋण) ऋण, उधार, कर्ज                                      |
| १३६   | ४७ (ऊर्ध्वजानु) ऊँचीजां-<br>घवाला               | ४०    | २२ (ऋत) खेत कटजाने<br>पर जो अन्न पड़ा रहता<br>है, सत्य, सच |
| १३६   | ४७ (ऊर्ध्वजु) ऊँची-जांघ<br>वाला                 |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २७८   | ३२ (ऋतीया) घिनाना,<br>करुणा                                     | २६१   | ७९ (एकतान) एकाग्रचित्त<br>से पढ़नेवाले             |
| २७    | २ (ऋतु) दो महीना<br>वसन्तादि, स्त्री का,<br>मासिकरक्त           | ४२    | ३ (एकताल) बराबर<br>मिलाहुआस्वर                     |
| १३०   | २१ (ऋतुमती) रजस्वला   | ९     | ३९ (एकदन्त) गणेश                                   |
| ३२७   | ३ (ऋत) विना, नही,<br>धनदेकर यजमान से<br>वर्ण कियागया            | ३५२   | २२ (एकदा) एकसमय                                    |
| १६४   | १९ (ऋत्विक्) पढ़ कराने<br>वालापुरुष                             | ११९   | २२ (एकदृष्टि) कउआ                                  |
| २०९   | २३ (ऋद्ध) कुनाव भू-<br>साका                                     | २१९   | ६५ (एकधुर) एकधुरका<br>बढ़नेवाला                    |
| १०१   | ११२ (ऋद्धि) दवाविशेष  | २१९   | ६५ (एकधुरावह) एकभार<br>वाला, एकधुरका ब-<br>हनेवाला |
| २     | ८ (ऋभु) देवता   | २१९   | ६५ (एकधुरीण) एकभार<br>वाला, एकधुर का ब-<br>हनेवाला |
| १०    | ४५ (ऋमुक्षिन्) इन्द्र   | ६८    | १६ (एकपदी) गली,<br>मार्ग                           |
| ११७   | ११ (ऋशय) हरिण विशेष   | १५    | ७० (एकपिंग) कुबेर                                  |
| ४१    | १ (ऋपम) स्वरविशेष,<br>गौकी आवाज, का-<br>कड़ासिंगी, बैल, श्रेष्ठ | १५१   | १०६ (एकयष्टिका) एकलर-<br>कीमाला                    |
| १७०   | ४६ (ऋपि) वेद, वशिष्ठादि<br>मुनि, किरण, सत्य-<br>बोलनेवाला       | २६१   | ८० (एकसर्ग) एकाग्र-<br>चित्त                       |
| ९५    | ८७ (ऋप्यप्रोक्ता) क्यवाँच<br>(ए)                                | २१३   | ६८ (एकहायनी) एकवर्ष<br>की बछिया                    |
| २६२   | ८२ (एक) अकेला, मुग्य,<br>अन्य                                   | ०६१   | ८० (एकाकिन्) अकेला,<br>जिसका कोई सहाय-<br>क न हो   |
| २६२   | ८२ (एकक) अकेला  | २६१   | ७९ (एकाग्र) स्वस्थचित्त,<br>एकाग्रचित्त            |
| १६२   | १४ (एकगुरु) एकहीगुरु  |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| २६१   | ८० (एकाग्र) एकाग्र-<br>चित्त   | २७२   | १० (एधा) विधान  |
| १५    | ६८ (एकान्त) वारंवार,<br>अतिशय  | २६०   | ७६ (एधित) बढाहुआ  |
| २१९   | ६८ (एकाब्दा) एकवर्ष<br>की बछिया  | २९    | २३ (एनस्) पाप   |
| २६१   | ७६ (एकायन) एकाग्र-<br>चित्त  | ८८    | ५१ (एरगड) रेड़ी   |
| २६१   | ८० (एकायनगत) एकाग्र-<br>चित्त  | १०४   | १८५ (एला) इलायची  |
| १५१   | १०६ (एकावली) एकलर<br>की माला   | १०७   | १४० (एलापर्णी) कोलि-<br>न्दण, रासनि                                       |
| ६४    | ८१ (एकप्लील) गूमा  | १०३   | १२१ (एलावालुक) मूसधर,<br>एलुआ   |
| ९५    | ८५ (एकप्लीला) पाठा,<br>पहारमूल   | ३४५   | २४६ (एवम्) इसप्रकार,<br>ऐसा, विकल्प, अंगी-<br>कार, अनुमति, फिर,<br>निश्चय |
| २२१   | ७६ (एडक) भेंड़ा  | २३७   | ३२ (एपाणिका) सोना<br>तौलने का कांटा<br>(र)                                |
| १०६   | १४७ (एडगज) चकवेंड  | २३५   | २४ (ऐकागारिक) चोर   |
| २५१   | ३८ (एडमूक) बहिरा, गूंगा  | ८१    | १८ (एडसुद) पौखी का<br>फल  |
| ७०    | ४ (एडूक) जिसमें मज-<br>बूती के लिये काठ<br>पत्थर आदि धरदिये<br>जाते हैं वह दीवार | १३६   | ४८ (ऐड) बहिरा   |
| ११७   | ११ (एण) हरिण   | ११६   | ९ (ऐण) हरिणका च-<br>मड़ाआदि   |
| ३५    | १७ (एत्) चित्तकवरारंग  | ११६   | ९ (ऐण्य) हरिणका<br>चमड़ाआदि   |
| ३५२   | २३ (एत्हि) अब, इस<br>काल   | १६२   | १४ (ऐतिह्य) परंपरा से<br>आया उपदेश  |
| ७९    | १३ (एध) इन्धन  | २६१   | ७९ (ऐन्द्रियक) प्रत्यक्ष,<br>जो नेत्रसे दिखाईपड़े                         |
| ७९    | १० (एधम्) इन्धन, ल-<br>कड़ी  | १०    | ४७ (ऐरावण) इन्द्रका हाथी  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १०    | ४७ (ऐरावत) इन्द्रका हाथी<br>पूर्वदिशा का दिग्गज,<br>नारगी | २१७   | ६० ( औक्षक ) बैलों का<br>समूह   |
| १८    | ९ ( ऐरावती ) विजुली                                       | ३६६   | ३९ ( औचिती ) यथायो-<br>ग्यता  |
| १५    | ७० ( ऐलविल ) कुबेर  | ३६६   | ३६ ( औचित्य ) यथायो-<br>ग्यता   |
| १०३   | १२१ ( ऐलेय ) मूसघर, ए-<br>लुआवृक्ष                        | २०    | २० ( औत्तानपादि ) ध्रुव   |
| ८     | ३७ ( ऐश्वर्य्य ) सिद्धि,<br>ऐश्वर्य्य                     | २१०   | २८ ( औदनिक ) रसोईदार  |
| ३५१   | २० ( ऐपम ) वर्तमान वर्ष,<br>आसौ, इससाल<br>( ओ )           | २४७   | २१ ( औदरिक ) भूख से<br>पीड़ित, मरभुखा   |
| ३४६   | १२ ( ओम् ) अंगीकार<br>करने में                            | २८०   | ४० ( औपगवक ) उपगुके<br>पुत्रोंका समूह   |
| ३४०   | २३२ ( ओक ) घर, आश्रय                                      | १८०   | २४ ( औपयिक ) न्यायसे<br>युक्त   |
| ३४०   | २३२ ( ओकस् ) घर, आश्रय                                    | १६६   | ४१ ( औपवस्त ) उपवास   |
| ४३    | ९ ( ओघ ) शीघ्रहोने<br>वाला नाच, समूह,<br>जलकावेग          | २२१   | ७७ ( औरभ्रक ) भेड़ों का<br>समूह   |
| ३६    | ४ ( ओकार ) ओंकार  | १३२   | २८ ( औरस ) अपनासे स-<br>वर्ण स्त्री में उत्पन्न पुत्र   |
| ३४०   | २३२ ( ओजस ) बल, प्रकाश                                    | १३२   | २८ ( औरस्य ) अपनासे<br>सवर्णा स्त्री में उत्पन्न<br>पुत्र   |
| ६३    | ७६ ( ओड्रपुष्प ) गुड़हर,<br>ओड़उल                         | १६७   | ३२ ( और्द्धदैहिक ) जिस<br>में उर्द, सहद, मसुरी न<br>खाई जाय उसका वा<br>चान्द्रायणादि व्रत का<br>नाम, मरेहुयेके निमित्त<br>१० दिनके बीच में जो |
| ११५   | ७ ( ओतु ) विलार   |       |   |
| २१५   | ४८ ( ओदन ) भात  |       |   |
| २७२   | ६ ( ओप ) जराना  |       |   |
| १०६   | १३५ ( ओपधी ) दवा, अन्न                                    |       |   |
| १९    | १४ ( ओपधीश ) चन्द्रमा                                     |       |   |
| १४७   | ९० ( ओष् ) ओठ, होठ  |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
|       | दानपिण्डादिक दिया जाय                         | १५६   | १३१ (ककोलक) कचावचीनी  |
| १३    | ५७ (और्व) बहुवानल                             | १४४   | ७९ (कक्ष) कांख, खरुवौडी   |
| १६१   | ७ (औलूक्य) वैशेषिक शास्त्र जाननेवाला          | १८४   | ४२ (कच्या) हाथीपर गद्दी आदि कसनेकी रस्ती, हर्म्यादि के अन्तर्ग्रह, वस्त्र, वरेत |
| ३२९   | १८५ (औशीर) चवैरकी, शय्या, आसन, खस की टट्टी    | ११८   | १७ (कंक) उजली चील्ह   |
| १०६   | १३५ (औपध) दवा, इलाज                           | १९०   | ६४ (कंकटक) कवच  |
| ७८    | ६ (औपधि) अन्न                                 | १५१   | १०८ (कंकण) ककना   |
| ७८    | ६ (औपधी) घी तेलादि सब वस्तु अन्न              | १५९   | १४० (कंकतिका) ककही, कंधी  |
| २२१   | ७७ (औष्ट्रक) ऊँटोंका समूह (क)                 | १४२   | ६९ (कंकाल) शरीर के हाड़ोंका पिंजरा  |
| ३४५   | २४९ (कं) शिर, जल                              | २०८   | २० (कंगु) काँकुनि   |
| २११   | ३२ (कंस) पानी आदि पीनेकावर्तन, कटोरा, आवखोरा, | १४८   | ९५ (कच) बाल   |
| ४     | २१ (कंसाराति) कृष्ण                           | २५५   | ५५ (कच्चर) मैलीवस्तु  |
| २८२   | ५ (क) ब्रह्मा, सूर्य, वायु पानी, शिर          | ३४९   | १४ (कचित्) अभीष्टवस्तु का पूँछना  |
| ३०५   | ९१ (ककुद) प्रधानता, राज-चिह्न, घैल का कन्धा   | ६७    | ११ (कच्छ) नदी आदि के किनारेका देश, तुनि पहिरना, बल्बका किनारा                   |
| १४३   | ७४ (ककुदमती) ब्रियोंकी करिहावे                | ५९    | २१ (कच्छप) कलुआ   |
| १६    | १ (ककुभ) दिशा                                 | ३१५   | १३१ (कच्छपी) कलुई, सरस्वती की वीणा  |
| ४३    | ७ (ककुभ) वीणाकी तौंधी, अर्जुनवृक्ष            | १३९   | ५८ (कच्छुर) खाजुरोगी  |
|       |   | ६६    | ९२ (कच्छुरा) यवासा  |
|       |   | १३८   | ५३ (कच्छू) खालु   |
|       |   | ५२    | ६ (कंचुक) पखतर, कंचुलि  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १७६   | ८ ( कंचुकिन् ) राजा वा राजाकी स्त्रियोंके पास रहनेवाला वृद्ध पुरुष | ९४    | ७९ ( कठिञ्जर ) ववई, पर्णास                           |
| १४३   | ७४ ( कट ) करिहाँव, हाथी का गाल, चटाई, मुर्दा-समय                   | २६०   | ७६ ( कठिन ) कठिन                                     |
| ७५    | ५ ( कटक ) पर्यस्त, हाथ में पहिरने का कड़ा, चक्र, नितम्ब            | १११   | १५४ ( कठिलक ) करैला                                  |
| १०९   | १५० ( कटभी ) मालकांगणी   | २६०   | ७६ ( कठोर ) कठिन                                     |
| ९५    | ८५ ( कटवरा ) कुटकी   | २०६   | २२ ( कडंगर ) भूसा                                    |
| ९५    | ८५ ( कटम्भरा ) चांदवेलि, कुटकी                                     | २१२   | ३५ ( कडम्ब ) शाककीडांडी                              |
| १४८   | ६४ ( कटाक्ष ) आंखिकेकोने से देखना, तिरछी नजर से देखना              | ३४    | १६ ( कडार ) पीलारंग                                  |
| ३५९   | १६ ( कटाह ) कराही, कराह  | २५७   | ६२ ( कण ) बहुत छोटा, अन्न का भाग, कना सूक्ष्म, वारीक |
| १४३   | ७४ ( कटि ) करिहाँव   | ९७    | ६६ ( कणा ) बड़ी पीपरि, कालाजीरा                      |
| १४३   | ७५ ( कटिप्रोथ ) कूल, स्त्रियों के नितम्ब का पार्श्व-भाग            | ३५४   | ८ ( कणिका ) अरणी, परमाणु                             |
| ३६६   | ३८ ( कटी ) करिहाँव, कमर  | १०८   | २१ ( कणिश ) वाली                                     |
| ३३    | ९ ( कटु ) कुटकी, करू, अकार्य, अभिमान, तेज, पैन                     | २५७   | ६२ ( कर्णियस् ) बहुतथोड़ा                            |
| १११   | १५६ ( कटुतुम्बी ) करुईलौकी   | २८५   | १ ( कण्टक ) सुईकीनोक, छोटा शत्रु, रोमांच             |
| ९५    | ८५ ( कटुरोहिणी ) कुटकी   | ९७    | ९३ ( कण्टकारिका ) भटकटैया                            |
| ८५    | ४० ( कटफल ) कायफर  | ६०    | ६१ ( कण्टकिफला ) कटहर                                |
| ८९    | ५६ ( कटंग ) सरिवन  | १४६   | ८८ ( कण्ठ ) गला                                      |
|       |  | १५०   | १०४ ( कण्ठभूपा ) कण्ठा, कंठी                         |
|       |  | ११४   | १ ( कण्ठीरव ) सिंह                                   |
|       |  | १३८   | ५३ ( कण्डू ) खजुआना                                  |
|       |  | १३८   | ५३ ( कण्डूया ) खजुआना                                |
|       |  | ६५    | ८६ ( कण्डूरा ) क्यवांच                               |
|       |  | २१०   | १६ ( कण्डोल ) ज्यलवा, छोट्टा                         |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २३७   | ३२ (करडोलवीणा) किं-<br>गिरी, नीच वीणा             | १३५   | का तिल<br>४३ (कनीयस्) आति ज-<br>जवान, छोटाभाई       |
| ११३   | १६६ (कचृण) रोहिष                                  | ३५५   | ६ (कन्या) दूसरा वि-<br>छोना, मिट्टीकी भीति,<br>कथरी |
| ३६    | ६ (कथा) कथा, कहानी                                | १११   | १५७ (कन्द) सूरन, जर,<br>जर्मीकन्द                   |
| ६६    | १७ (कदध्वन्) कुराह, ख-<br>रावगली                  | ७६    | ६ (कन्दर) गुफा                                      |
| १२४   | ४१ (कदम्बक) समूह, म-<br>रसौ                       | ८३    | २६ (काल) गेंठी, पहाड़ी,<br>पीलू अखरोट               |
| ५५    | ४२ (कदम्ब) कदमवृक्ष                               | ५     | २५ (कन्दर्प) कामदेव                                 |
| २५४   | ४८ (कदर्य) कृपण, कंजूस                            | ११६   | १० (कन्दली) हरिणविशेष                               |
| १०१   | ११३ (कदली) केरा, हरिण-<br>विशेष                   | १५९   | १३९ (कन्दुक) गेंद, गोंद                             |
| ३४७   | ४ (कदाचित्) किसीकाल<br>में, कभी                   | २१०   | ३० (कन्दु) भट्टी, भार                               |
| २४    | ३५ (कदुष्ण) थोड़ागरम                              | १४६   | ८८ (कंधरा) गला, गटई                                 |
| ३४    | १६ (कद्दु) पीलारंग                                | १३१   | २४ (कन्यकाजात) विना<br>व्याही कन्याका पुत्र         |
| २५१   | ३७ (कद्दद) घुरे वचन<br>बोलनेवाला                  | १२६   | ८ (कन्या) कन्या                                     |
| २२६   | ९४ (कनक) धतूरा, सुवर्ण                            | ४८    | ३० (कपट) छल   |
| १७६   | ७ (कनकाभ्यक्ष) सुवर्ण<br>का अधिकारी, स्व-<br>जाधी | ८     | ३६ (कपर्द) शिवकी जटा                                |
| १८२   | ३२ (कनकालुका) झारी,<br>गेडुआ                      | ७     | ३३ (कपर्दिन्) शिव                                   |
| ३     | ७७ (कनकाह्वय) धतूर                                | ७३    | १७ (कपाट) केवांड                                    |
| १३५   | ४३ (कनिष्ठ) छोटाभाई,<br>अतिजवान, बाल, छोटा        | १४२   | ६८ (कपाल) शिरकी खो-<br>पड़ी                         |
| १४५   | ८२ (कनिष्ठा) छगुरिआ                               | ७     | ३३ (कपालभृत) शिव                                    |
| ४७    | ६२ (कनीनिका) आँखि                                 | ११५   | ४ (कपि) वानर  |
|       |   | ९५    | ८७ (कपिकन्धु) क्यवांच                               |
|       |   | ८१    | २१ (कपित्थ) कैथा                                    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| ६४    | १६ ( कपिल ) पीलारंग,<br>मुनिविशेष                             | ६     | २७ (कमला)लक्ष्मी   |
| १७    | ४ ( कपिला ) पुण्डरीक<br>नाम दिग्गजकी स्त्री.<br>सीतम, गगनधूरि | ४     | १७ (कमलासन) ब्रह्मा  |
| ९८    | ६७ (कपिवल्ली) गजपीपरि   | २२८   | १०६ (कमलोत्तर) कुसुम   |
| २४    | १६ (कपिश) वानरके स-<br>मान रंग,                               | २४७   | २३ (कामितृ) कामी   |
| ८२    | २७ ( कपीतन ) आमला,<br>गेंठा, सिरमा                            | ५०    | ३८ (कम्प) कॉपना  |
| ११८   | १५ (कपोत) कबूतर   | २६०   | ७४ (कम्पन) कांपनेवाला  |
| ७३    | १५ (कपोतपालिका) कबू-<br>तरोंके रहनेका स्थान                   | २६०   | ७४ (कम्प) कांपनेवाला   |
| १०१   | १२६ (कपोतांघ्रि) बड़ी अ-<br>रणी औषध                           | १५३   | ११६ (कम्बल) कम्बल, ओ-<br>ढनेकावस्त्र, दुशाला, डु-<br>पट्टा आदि, गलकमरी   |
| १४१   | ९० (कपोल) गाल   | २११   | ३४ (कम्पि) कर्कूलि   |
| १४०   | ६२ (कफ) कफ  | ५९    | २३ (कम्बु) शंख, खगौरा,<br>ककनादि, हाथी, सि-<br>यार, शीवा                 |
| १४०   | ६० (कफिन्) कफवाला   | १४६   | ८८ (कम्बुश्रीवा) तीन रेखा<br>जिस कण्ठमें हो वह, क-<br>ण्ठ, गला           |
| १४४   | ८० (कफोणि)नाथके मध्य<br>की गांठि                              | २४७   | २४ (कम्प) कामी   |
| ५५    | ४ ( कवन्ध ) जल, बिना<br>शिरका हुआ शरीर                        | ३२३   | १६३ ( कर ) राजकर, पोत,<br>बडा अन्धकार, अंधेरा,                           |
| ५९    | २१ ( कमठ ) कछुआ   | ६०    | ६० (करक) अनार, करवा<br>बरसा हुआ पाथर                                     |
| ६०    | २४ (कमठी) कछुई  | १६    | १२ (करका) पत्थल, ओला<br>वड़नखी   |
| १७१   | ४९ (कमण्डलु) कमण्डल,<br>यतियों का लोटा                        | ८७    | ४७ (करज) कंजा  |
| २४७   | २४ (कमन) कामी   | ८७    | ४७ (करंजक) कंजा  |
| ५५    | ३ (कमल) जल, कमल,<br>हरिण                                      | ११६   | २१ (करट) कौआ, हाथीका<br>गाल, कुसुम, निन्द्यजी-<br>व ग्याग्हे दिनका श्वाह |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २३७   | २ (करण) शूद्रा स्त्री में<br>वैश्य से उत्पन्न पुत्र,<br>जिससे क्रिया की जाय,<br>कारण, खेत, देह, इंद्रिय | ९८    | ९७ ( करिपिप्पली ) गज-<br>पीपरि                    |
| ३५८   | १८ ( करण्ड ) प्यटारी  | १८३   | ३५ ( करिशावक ) हाथीका<br>वच्चा                    |
| ६२    | ३३ ( करतोया ) जिसमें सदा<br>जल रहै, नदी विशेष   | ६३    | ७७ ( करीर ) करील का वृक्ष,<br>वांसका अँखुवा, घड़ा |
| ८७    | ५० ( करद् ) सफेद खैर  | २१५   | ५१ ( करीप ) उपरी, कंडी                            |
| २३८   | ३५ ( करपत्र ) आरा   | ४५    | १८ ( करुणा ) दया                                  |
| १९६   | ८१ ( करपालिका ) खाँड़ा  | ११९   | २० ( कर्करेतु ) केडिला पच्ची                      |
| १४५   | ८१ ( करभ ) मणिवन्ध से<br>छगुनियांतकका मध्य<br>भाग, ऊंट का वच्चा   | ११९   | २० ( करेटु ) केडिला पच्ची                         |
| १५१   | १०८ ( करभूपण ) ककना   | २९५   | ५२ ( करेणु ) हथिनी                                |
| ६१    | ६७ ( करमर्दक ) करवँदा   | १४२   | ६९ ( करोटि ) खोपरी                                |
| २१५   | ४८ ( करम्भ ) दही से साना<br>सत्तू   | १८५   | ४६ ( कर्क ) उजलाघोड़ा                             |
| १४५   | ८३ ( कररूह ) नह, नख   | ५९    | २१ ( कर्कटक ) गेंगटा                              |
| ६३    | ७७ ( करवीर ) कनैर   | १११   | १५५ ( कर्कटी ) ककरी                               |
| १४५   | ८२ ( करशाखा ) अंगुली  | ८४    | ३६ ( कर्कन्धु ) घेरकेफल                           |
| १८३   | ३७ ( करशीकर ) हाथीकी<br>सूँड़ से निकला जल   | २११   | ३१ ( कर्करी ) करवा, गेडुआ,                        |
| ६४    | ४३ ( करहाट ) कमलकी<br>जड़   | १०९   | १४६ ( कर्कश ) कर्वाला सा-<br>हसी, कठिन, रूखा      |
| ६८    | ५३ ( करहाटक ) मयनफर   | १११   | १५५ ( कर्कतरु ) कुम्हड़ा                          |
| ३३३   | २०४ ( कराल ) ऊँचे दाँतों<br>वाला ऊँचा, भयानक  | १११   | १५४ ( कचूर ) कचूर                                 |
| १८३   | ३६ ( करिणी ) हथिनी  | १०६   | १३५ ( कञ्जूरक ) कचूर                              |
| १८२   | ३४ ( करिन् ) हाथी   | १४८   | ६४ ( कर्ण ) कान                                   |
|       |   | ११७   | १४ ( कर्णजलौका ) खन-<br>खजूर                      |
|       |   | ५७    | १२ ( कर्णधार ) मल्लाह                             |
|       |   | १५०   | १०३ ( कर्णवेष्टन ) कुण्डल                         |
|       |   | ६१    | ६६ ( कर्णिका ) अरणी, हाथी<br>की सूँड़, कमल का बीच |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| ८९    | ६० (कर्णिकार) कठचम्पा                               | २७०   | ३ (कर्मशूर) उत्तमकर्मी   |
| १८७   | ५२ (कर्णिरथ) जनानीगाड़ी                             | १७५   | ५ (कर्मसचिव) करने-<br>वाला मुसाहिब   |
| २५३   | ४७ (कर्णजप) चुगुल, जा-<br>सूस                       | ११२   | १६० (कर्मार) वास-  |
| २३८   | ३४ (कर्तरी) कतरनी                                   | ३३    | ८ (कर्म्मन्द्रिय) हाथ पैर<br>इत्यादि   |
| ५६    | ९ (कर्दम) बोदा, कीचड़                               | २२४   | ८६ (कर्प) १६ मासा  |
| १५३   | ११५ (कर्पट) फटाफपड़ा                                | २०४   | ६ (कर्पक) किसान  |
| १४२   | ६८ (कर्पर) खोपरीका<br>खपटा                          | ८९    | ५९ (कर्पफूल) बहेड़ा, पांसा,<br>पहिया   |
| २२७   | १०१ (कर्परी) रसांत                                  | ३३८   | २११ (कर्पू) जीविका, क-<br>रसीसी आगि, छोटी<br>नदी, व्यवहार, कलि-<br>ट्टम, बहस |
| ३६५   | ३५ (कर्पास) रुई, वस्त्र                             | ४१    | ३ (कल) मधुरस्वर  |
| १५६   | ३१ (कर्पूर) कपूर                                    | ४१    | २५ (कलकल) हल्ला  |
| १३    | ६१ (कर्पुर) राजस, चित्त,<br>कचरारंग, सुवर्ण         | २७    | १७ (कलंक) कलंक,<br>अपवाद   |
| २३३   | १५ (कर्मकर) दास मँजूर                               | ३२७   | १७८ (कलत्र) स्त्री की क-<br>रिहांव, स्त्री                                   |
| २४६   | १९ (कर्मकार) धिना त-<br>नस्वाहके कार्य करने<br>वाला | २२६   | ६६ (कलधौत) सोना, चांदी   |
| २४६   | १८ (कर्मक्षम) कार्य<br>करने में समर्थ               | १८३   | ३५ (कलभ) हाथीका बच्चा  |
| २४६   | १८ (कर्मक्षम) कार्य<br>करने में समर्थ               | १९५   | ८७ (कलम्ब) शाकफा<br>डड़का, तीर, घाण  |
| २३६   | ३८ (कर्मण्या) मँजूरी,<br>तनस्वाह                    | १११   | १५७ (कलम्बी) केरमुआका<br>साग   |
| १७०   | ४५ (कर्मन्दिन्) संन्यासी                            | २०६   | २४ (कलम) धान   |
| २४६   | १८ (कर्मवृत्त) कर्म समाप्त<br>करनेवाला              | ११८   | १५ (कलख) कवूतर   |
| २४६   | १८ (कर्मशील) सदाकर्म<br>करनेवाला                    | १३४   | ३८ (कलल) गर्भाधान के   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
|       | चाद एकरात्रि में वीर्य<br>और रज मिलकर जो<br>वनताहे                           | १४२   | ७० ( कलेवर ) देह  |
| ११८   | १३ ( कलविक ) गौरैया  | २८४   | १४ ( कल्क ) गृह, पाप, खरी<br>हाथी का दांत, हरी                            |
| २११   | ३१ ( कलश ) घड़ा  | २६    | २२ ( कल्प ) न्याय, इन्साफ<br>विधि, वियोगशास्त्र रो-<br>गरहित, सज्ज*तय्यार |
| ६७    | ६३ ( कलशि ) पिथवनि   |       | सामग्री   |
| १२०   | २३ ( कलहंस ) बतक   | १८४   | ४२ ( कल्पना ) हाथी का<br>सजाना  |
| १६६   | १०४ ( कलह ) समर, झगड़ा   | ११    | ५१ ( कल्पवृक्ष ) कल्पवृक्ष  |
| १६    | १५ ( कला ) सोलहवां भाग,<br>५४० निमिष, शिल्प,<br>कारीगरी                      | २६    | २२ ( कल्पान्त ) प्रलय   |
| २३२   | = ( कलाद ) सोनार   | २९    | २३ ( कल्मष ) पाप  |
| १९    | १४ ( कलानिधि ) चन्द्रमा  | ३५    | १७ ( कल्माप ) चितकचरा   |
| ३१४   | १२८ ( कलाप ) गहना मोर-<br>पंख, तरकस, समूह,<br>काञ्ची, स्त्रीकी कमरका<br>भूषण | २४    | २ ( कल्य ) प्रातःकाल, सु-<br>बह, सजातैयार, निरोग                          |
| २०७   | १६ ( कलाय ) मटर  | ३९    | १८ ( कल्या ) शुभवाक्य   |
| १९९   | १०५ ( कलि ) संग्राम, चौथा<br>युग   | २९    | २५ ( कल्याण ) शुभ, मङ्गल  |
| ८०    | १६ ( कलिका ) कली   | ५५    | ६ ( कल्लोल ) लहरि, हि-<br>लकोरा   |
| ९१    | ६७ ( कलिग ) भुजैटापक्षी,<br>इन्द्रयव, कुरैया                                 | १९०   | ६४ ( कवच ) बखतर   |
| ८९    | ५६ ( कलिद्रुम ) बहेडा  | १०७   | १३६ ( कवरी ) बवई, गुह-<br>वाल, हींगवृक्षकीपत्ती                           |
| ८७    | ४८ ( कलिमारक ) कटीला<br>कंजा   | २१६   | ५४ ( कवल ) कवर, प्राप्त   |
| २६२   | ८५ ( कलिल ) दुःखसेप्राप्त<br>होनेके योग्य                                    | २१    | २५ ( कवि ) शुक्र, पण्डित  |
| २१    | २३ ( कल्प ) पाप, गन्दा   | १८६   | ४६ ( कविका ) लगाम   |
|       |  | ३६४   | ३५ ( कविय ) तोवड़ा  |
|       |  | २४    | ३५ ( कवोष्ण ) थोड़ा गरम   |
|       |  | १६५   | २६ ( कव्य ) पितरोंका अन्न   |
|       |  | २३७   | ३१ ( कशा ) जैरचन्द, चाबुक   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| २५२   | ४४ (कशहि) चावुक वेंत<br>मारनेके योग्य                              | ४१    | २ (काकली) महीनस्वर<br>वारीक आवाज़                      |
| ३१४   | १३० (कशिपु) अन्न वन्न  | १०२   | ११८ (काकाङ्गी) कौआ<br>ठोंठी                            |
| ३५६   | १३ (कशेरु) कसेरु   | ३५४   | ६ (काकिणी) कौड़ी                                       |
| १४२   | ६६ (कशेरुका) रीर   | ३८    | १२ (काकु) शोच, भय<br>आदि से धुनिका वि-<br>कार, स्वरभेद |
| २००   | १०६ (कश्मल) मूर्च्छा घद-<br>हवाशी                                  | १४७   | ६१ (काकुद) तारू  |
| १८६   | ४७ (कश्य) मदिरा, दारू,<br>चावुक मारनेके योग्य,<br>घोड़ा का मध्यभाग | ८५    | ३६ (काकेन्दु) कुचिला                                   |
| २३७   | ३२ (कप) कसौटी  | ६०    | ६० (काकोदुम्बरिका) क-<br>द्वंवरि                       |
| ३३    | ६ (कपाय) काढ़ा, कसैला,<br>विलेपन                                   | ५२    | ७ (काकोदर) सांप  |
| ५४    | ४ (कष्ट) दुःख, गहन, दु-<br>र्गमस्थान                               | ५३    | १० (काकोल) हलाहल<br>विष, धूमिला कौआ                    |
| १५६   | १३० (कस्तूरी) कस्तूरी  | १०५   | १३० (काक्षी) अरहर                                      |
| ६२    | ३६ (कह्लार) कुई, या उ-<br>जला कमल                                  | २२७   | ६६ (काच) काँच, शिक-<br>हर, नेत्ररोग,                   |
| १२०   | २३ (कह्ल) बकुला  | ८८    | ५४ (काचस्थाली) पौढ़रि                                  |
| ११९   | २१ (काक) कौआ   | २६३   | ८६ (काचित) शिकहरमें<br>धराहुआ                          |
| ६६    | ६८ (काकचिञ्ची) घुंघुची   | २२६   | ६५ (काञ्चन) सुवर्ण सोना                                |
| ८५    | ३६ (काकतिन्दुक) कुचिला   | ६१    | ६५ (काञ्चनाह्वय) नागकेसर                               |
| १०२   | ११८ (काकनासिका) कौआ<br>ठोंठी                                       | २१३   | ४१ (काञ्चनी) हल्दी                                     |
| १४८   | ६६ (काकपक्ष) जुलुक   | १५१   | १०८ (काञ्ची) स्त्रियोंकी क-<br>रधनी वगैरः              |
| ८५    | ३६ (काकपीलुक) कुचिला   | २१२   | ३६ (काञ्जिक) काँजी                                     |
| ११०   | १५१ (काकमाची) कौआ<br>हाडी  | २०८   | २२ (काण्ड) नरई, डंडा, तीर,<br>खराव, खंड, अवसर, जल      |
| १०१   | ११३ (काकमुद्गा) वनमूंग   |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १६०   | ६७ ( काण्डपृष्ठ ) हथियार<br>बांधकर जीविका करने<br>वाली                 | २१०   | २८ ( कादम्बिक ) पुआआदि<br>वनानेवाला          |
| १६१   | ६६ ( काण्डवत् ) तीरधारी<br>केवल बाण बांधनेवाली                         | २१०   | २८ ( कान्दविव ) पुआआदि<br>वनानेवाला          |
| १९१   | ६६ ( काण्डीर ) तीरधारी<br>केवल बाण बांधनेवाली                          | २५२   | ४२ ( कान्दिशीक ) डराहुआ                      |
| ६९    | १०४ ( काण्डेक्षु ) तालमखाना  | ६९    | १७ ( कापथ ) कुमार्ग                          |
| २४८   | २६ ( कातर ) अधीर, व्याकुल  | १६१   | ८ ( कापिल ) खराचरास्ता                       |
| ८     | ३७ ( कात्यायनी ) पार्वती,<br>आधीवृद्धीस्त्री, लाल<br>वस्त्र पहिरनेवाली | १२४   | ४४ ( कापोत ) कबूतर का<br>समूह, सज्जी         |
| १२०   | २३ ( कादम्ब ) वत्तक  | २२७   | १०० ( कापोताञ्जन ) सुरमा                     |
| २३६   | ४० ( कादम्बरी ) मदिरा,<br>दारू   | ५     | २५ ( काम ) कामदेव, म-<br>नोरथ, यथेष्ट        |
| १८    | ८ ( कादम्बिनी ) मेघपंक्ति  | ३४९   | १३ ( कामन् ) विना इच्छा<br>कीसलाह            |
| ५१    | ४ ( काद्रवेय ) सांप  | १९२   | ७६ ( कामगाभिन् ) स्वतन्त्र<br>चलनेवाला       |
| ७७    | १ ( कानन ) वन  | २४७   | २४ ( कामन ) कामी                             |
| १३१   | २४ ( कानीन ) कुमारीका पुत्र  | ५     | २३ ( कामपाल ) बलदेव                          |
| २५५   | ५१ ( कान्त ) सुन्दर  | २४७   | २४ ( कामयितृ ) कामी                          |
| ११३   | १६३ ( कान्तारक ) केतारा-<br>जख   | १२५   | ३ ( कामिनी ) उत्तमस्त्री,<br>बौदा            |
| १०५   | १२८ ( कान्तलक ) तुनि   | २४७   | २३ ( कामुक ) कामी                            |
| १२५   | ३ ( कान्ता ) सुन्दरी स्त्री  | १२७   | ६ ( कामुका ) धनादिकी<br>इच्छावाली            |
| ६९    | १८ ( कान्तार ) दुर्गम, चोर<br>कांटा जिसमें हों वह<br>मार्ग, वड़ावन     | १२७   | ६ ( कामुकी ) मैथुन की<br>इच्छाफियेहुई स्त्री |
| २०    | १७ ( कान्ति ) शोभा, झलक,<br>इच्छा                                      | १०९   | १४६ ( काम्पिल्य ) कवीला                      |
|       |  | २३२   | ८ ( काम्बिक ) चुरिहा-<br>री, जिसपर बहारहो    |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १८७   | ५४ (काम्बल) काम्बल का<br>वहार  |       | समूह  |
| १८५   | ४५ (काम्बोज) काम्बोज<br>देशका घोड़ा  | २३१   | ५ (कारु)थवई, चित्रव-<br>नानेवाला                            |
| १०७   | १३८ (काम्बोजी) मूंग  | २४५   | १५ (कारुणिक) दया-<br>वाला, मेहरवान                          |
| २७०   | ३ (काम्यदान) कामना<br>करके दान   | ४५    | १८ (कारुण्य) दया  |
| १४२   | ७१ (काय) देह, प्रजापति<br>तीर्थ, अनामिका कनि-<br>ष्ठाके मूलमें प्रजापति<br>तीर्थ होता है | २४०   | ४३ (कारोत्तर) मदिराका<br>फूल                                |
| ८९    | ५६ (कायस्था) हड़   | २२६   | ९५ (कार्तस्वर) सुवर्ण, सोना                                 |
| ३०    | २८ (कारण) कारण, सबब  | १७८   | १४ (कार्तान्तिक) ज्योतिषी                                   |
| ५४    | ३ (कारणा) पीड़ा  | २८    | १७ (कार्तिक) कातिक  |
| २४३   | ७ (कारणिक) परखने<br>वाला   | २८    | १८ (कार्तिकिक) कातिक  |
| १२२   | ३५ (कारण्डव) धत्तकपक्षी  | ९     | ४० (कार्तिकेय) स्वामि-<br>कार्तिक                           |
| १०१   | १११ (कारवी) सौफ, अज-<br>मोदा, मोरशिखा, का-<br>राजीर, हींग के वृक्षकी<br>पत्ती            | १५२   | १११ (कार्पास) रुई से बना<br>हुआ कपड़ा                       |
| १११   | १५४ (कारवेल्ल) करैला   | १०२   | ११६ (कार्पासी) कपास, रुई                                    |
| ८९    | ५६ (कारम्भा) काकुनि  | २४६   | १८ (कार्म) सदा कार्य<br>करनेवाला                            |
| २०२   | ११९ (कारा) वन्दीखाना,<br>जेल   | २७०   | ४ (कार्मण) उच्चाटन  |
| २८५   | १५ (कारिका) नरकदण्ड,<br>विकरण, श्लोक, कार्य<br>करनेवाली                                  | १९४   | ८३ (कार्मुक) धनुष   |
| २८९   | ४३ (कारीप) कण्डियोंका  | २२४   | ८८ (कार्पापण) रुपया   |
|       |  | २२४   | ८८ (कार्पिक) रुपया  |
|       |  | ८६    | ४४ (कार्य्य) साल, सांखू                                     |
|       |  | २४    | १ (काल) यमराज, तम-<br>य, कालारंग                            |
|       |  | १३७   | ४९ (कालक) जिसके अं-<br>गमें लशुनाकार चिह्न<br>हों, वह पुरुष |

| पृष्ठ | श्लोक                                     | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| ११९   | २२ (कालकण्ठक) काला<br>कौआ                 | ८     | ३७ (काली) पार्वती  |
| ५३    | १० (कालकूट) हलाहल,<br>विष, जहर            | ९८    | १०१ (कालीयक) पीलाच-<br>न्दन                                |
| १४१   | ६६ (कालस्रण्ड) करेजा                      | ९८    | १०१ (कालियक) दारुहल्दी                                     |
| २०२   | ११६ (कालधर्म) मृत्यु, मौत                 | १०६   | १३५ (काल्पक) कचूर  |
| १९४   | ८३ (कालपृष्ठ) कर्णराजा<br>का धनुष         | २२०   | ७० (काल्या) मैथुनके लिये<br>बैलके पास जाने वाली,<br>उठी गौ |
| ९६    | ९० (कालमेषिका) मजीठ                       | १९०   | ६६ (कावचिक) कवच,<br>धारण करने वालों का<br>समूह             |
| ९६    | ९० (कालमेषिका) मजीठ,<br>काला तिधारा       | ६२    | ३५ (कावेरी) नदी विशेष                                      |
| ९७    | ९६ (कालमेषी) बकुची                        | २१    | २५ (काव्य) शुक   |
| २१६   | ५३ (कालशेय) गोरस,<br>माठा                 | ११३   | १६२ (काश) कास, कसेहरी                                      |
| ५३    | २ (कालमूत्र) नरक वि-<br>शेष               | ८४    | ३५ (काशमी) गन्भारी   |
| ८५    | ३८ (कालस्कन्ध) तेंदुआ,<br>तमाल            | ८४    | ३६ (काशमर्थ) ग (स)<br>म्भारी                               |
| ९७    | ९४ (काला) नील, काला-<br>त्रिधारा, कालाजीर | १०९   | १४५ (काशमीर) पुष्करमूल                                     |
| १५६   | १२८ (कालागुरु) कालागुरु                   | १५५   | १२५ (काशमीरजन्मन्) कुं-<br>कुम, फेसर                       |
| १०३   | १२२ (कालानुसार्य) शिला<br>जीत, पीलाचन्दन  | २३    | ३२ (काश्यपि) अरुण  |
| २२६   | ६८ (कालायस्) लोहा                         | ६५    | ० (काश्यपी) पृथ्वी   |
| २८४   | १५ (कालिका) मेघसमूह,<br>देवी              | ७९    | १३ (काष्ठ) काठ, लकड़ी                                      |
| ६१    | ३२ (कालिन्दी) यमुना                       | ५७    | १३ (काष्ठकुदाल) फरुही                                      |
| ५     | २४ (कालिन्दीभेदन) बल-<br>देव              | २३२   | ६ (काष्ठतट्) बड़ई  |
|       |   | ५६    | ११ (काष्ठाम्बुवाहिनी) डोंगी                                |
|       |   | १६    | १ (काष्ठ्या) दिशा, निमिष,<br>घड़ती, स्थिति                 |
|       |   | १०१   | ११३ (काष्ठीला) कैला  |

| पृष्ठ | श्लोक                                 | पृष्ठ | श्लोक                                |
|-------|---------------------------------------|-------|--------------------------------------|
| १३८   | ५२ (काम) छींक                         | ३४७   | ५ (किमु) विकल्प                      |
| ३५८   | १९ (कासमर्द) रोगविशेष, रूस            | ३४७   | ५ (किमुत) अतिशय विकल्प               |
| ११५   | ५ (कासर) भैंसा                        | ०५४   | ४८ (किम्पचान) कृपण, सूम्             |
| ६०    | २८ (कासार) तालान                      | १६    | ७२ (किम्पुरुष) कुवेरके गण विशेष      |
| ३४५   | २५० (किं) पूछना, निन्दा               | ३७    | ७ (किन्दन्ती) अपयज्ञ, वदनामी         |
| २०८   | २१ (किंशारु) अन्न की चाली, सींकर, बाण | २३    | ३३ (किरण) किरण                       |
| ८३    | २९ (किशुक) छिउल                       | २३४   | २० (किरात) म्लेच्छ विशेष, जंगली आदमी |
| ११८   | १७ (किक्कीदिपि) लीलावेराग, नीलकण्ठ    | १०८   | १४३ (किराततिक्क) चिरायता             |
| २३४   | १७ (किकर) दास, टहलू                   | ११५   | ३ (किरि) सुअर                        |
| १५२   | ११० (किंकिणी) घुंघरू                  | १५०   | १०२ (किरीट) मुकुट                    |
| ३४८   | ८ (किचित) थोड़ा                       | ३५    | १७ (किर्मोर) चित्तकवरा रग            |
| ५५    | २२ (किंचुलुक) केंचुआ                  | ३४६   | २५३ (किल) वार्ता, सम्भावना           |
| ६४    | ४३ (किंजल्क) कमल की धूर, फूलकी धूरि   | १३८   | ५३ (किलास) सेहुँआ ?                  |
| ११५   | ४ (किट्टि) सुअर                       | १४०   | ६१ (किलामिन) सेहुँआ वाला             |
| १४१   | ६५ (किट्ट) काटि                       | ०१०   | ०६ (किनिञ्जक) चटाई                   |
| ३५८   | १८ (किण) घेंटा, घावका चिह्न           | २९    | २३ (किल्बिप) अपराध, पाप, रोग         |
| ९६    | ८६ (किणिही) लहाचिचरा                  | १८५   | ४६ (किशोर) यलेंड़ा                   |
| ०४०   | ४२ (किण्य) मदिरामा बीज                | २८२   | ८६ (किप्पु) हाथ, बीना, प्रकाश        |
| ६३    | ७७ (कितव) बतूरा, जुआरी                | ८०    | १४ (किमलय) पत्तन                     |
| २     | ११ (किन्नर) कुवेर के गण विशेष         | १४०   | ६८ (किम्म) ताड़                      |
| १५    | ७० (किन्नेशा) कुवेर                   |       |                                      |
| ३४७   | ५ (किम्) प्रश्न, निन्दा, विकल्प       |       |                                      |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ११२   | १६१ (कीचक) पवन से वा-<br>जनेवाला वाँस         | १४४   | ७७ (कुच) स्तन, चूंची                          |
| ३३६   | २१४ (कीनाश) यमराज,<br>तुच्छ, किसान            | १५७   | १३३ (कुचन्दन) लालचंदन                         |
| ११९   | २२ (कीर) सुआ                                  | २५१   | ३७ (कुचर) दोष कहनेवाला                        |
| ३८    | ११ (कीर्ति) यश, कीरति,                        | १४४   | ७७ (कुचाग्र) कुचका अ-<br>ग्रभाग               |
| १३    | ५७ (कील) अग्निकी ज्वा-<br>ला, कील             | २१    | २५ (कुज) मंगल                                 |
| २२१   | ७३ (कीलक) खूँटा                               | २५९   | ७१ (कुञ्चित) टेढ़ा                            |
| ५५    | ३ (कीलाल) जल, रक्त                            | ७६    | ८ (कुंज) हाथीदोत, घना<br>जङ्गल                |
| २५२   | ४२ (कीलित) बाँधाहुआ                           | १८२   | ३४ (कुंजर) हाथी, श्रेष्ठ                      |
| ११५   | ४ (कीश) वानर                                  | ८१    | २० (कुंजराशन) पीपर                            |
| ९६    | ८९ (कीशपर्णी) लहचि-<br>चिरा                   | २१२   | ३९ (कुंजल) कांजी                              |
| ६५    | ३ (कु) पृथ्वी, पाप, नि-<br>न्दा, थोड़ा        | ७८    | ५ (कुट) घृत्न, घड़ा                           |
| १३७   | ४८ (कुकर) रोगादि से ख-<br>राब हाथवाला         | २०६   | १३ (कुटक) फार                                 |
| १४३   | ७५ (कुकुन्दर) नितम्ब के<br>दाग                | ९१    | ६६ (कुजज) कुरैया                              |
| ३३३   | २०२ (कुकूल) कीलोंसे भरा<br>गड़हा, भूसीकी आगि  | ८३    | ५७ (कुटन्नट) मोथा, सरिवन                      |
| ११८   | १७ (कुकुट) मुर्गा                             | २५९   | ७१ (कुटिल) टेढ़ा                              |
| १२२   | ३६ (कुकुभ) वनमुर्गा                           | ७१    | ६ (कुटी) साधुकी सभा,<br>मन्दिर                |
| १०६   | १३२ (कुकुर) कुरौँधा, कूकुर                    | २४४   | ११ (कुटम्बव्यापृत) कुटम्ब<br>का पालन करनेवाला |
| १४४   | ७७ (कुक्षि) पेट                               | १२६   | ६ (कुटुम्बिनी) पतिपुत्र<br>युत स्त्री         |
| २४७   | २१ (कुक्षिम्भरि) अपना<br>ही पेट भरनेवाला, पेट | १२९   | १९ (कुट्टनी) कुटनी                            |
| १५५   | १२४ (कुंकुम) कुंकुम                           | ७१    | ६ (कुट्टिम) बंधीहुईगच                         |
|       |   | २२१   | ७४ (कुठर) संभा, जिसमें<br>खैलर बांधीजाय       |
|       |   | १६६   | ९२ (कुठार) कुल्हरी, फरसा                      |
|       |   | ९४    | ७६ (कुठेरक) बघई, पर्णास                       |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| २२५   | ८९ (कुड़व) पावभर   | ८१    | २२ (कुदाल) कचनार                                    |
| १८०   | १६ (कुडमल) कली   | २२९   | १०८ (कुनटी) नेपाली मैना-<br>शिल                     |
| ३५७   | १७ (कुडङ्क) वृक्ष, बौड़ी<br>से घिरास्थान                         | ९६    | ९१ (कुनाशक) यवासा                                   |
| ७०    | ४ (कुड्य) भीति   | १६७   | ६३ (कुन्त) बरछी, भाला                               |
| २०२   | ११८ (कुणप) मुर्दा  | १४८   | ९५ (कुन्तल) चार, बाल                                |
| १०५   | १२८ (कुणि) तुनि, रोगसे<br>जिसके हाथ में कुछ<br>विकारहो           | ९२    | ७३ (कुन्द) कुन्दफूल, प-<br>लांकी, विष्णु            |
| २४६   | १७ (कुण्ड) आलसी, सुस्त   | १०३   | १२१ (कुन्दुरु) पलांकी                               |
| १३३   | ३६ (कुण्ड) बटलोही, पति<br>के जीते दूसरे पुरुष से,<br>उपन्न पुत्र | १०४   | १२४ (कुन्दुरुकी) सालवृक्ष                           |
| १५०   | १०३ (कुण्डल) कुण्डल, कान<br>में पहिरनेका आभूषण                   | २५५   | ५४ (कुपूय) निन्दित, ख-<br>राब                       |
| ५२    | ७ (कुण्डलिन) सांप  | २२५   | ९१ (कुप्य) सोने, चांदी से<br>भिन्न द्रव्य तांबा आदि |
| १७१   | ४९ (कुण्डी) कमण्डलु,<br>यतियों का लोटा                           | १३८   | ४८ (कुब्ज) कुबरा                                    |
| १६७   | ३३ (कुतप) दिन का आ-<br>ठवां भाग, मृगके रोम<br>से बना हुआ वस्त्र  | १५    | ६६ (कुवेर) कुवेर, उत्तर<br>दिशाका स्वामी            |
| ४८    | ३१ (कुतुक) कौतुक   | १०५   | १२७ (कुवेरक) तुनिका वृक्ष                           |
| २११   | ३३ (कुतुप) कुप्पी  | ८८    | ५५ (कुवेराक्षी) पांढरि                              |
| २११   | ३३ (कुतू) कुप्पा   | ९     | ४१ (कुमार) स्वामिका-<br>र्तिक राजपुत्र              |
| ४८    | ३१ (कुतूहल) कौतुक  | ८२    | २५ (कुमारक) वारुण                                   |
| ३८    | १३ (कुत्सा) निन्दा   | ६२    | ७३ (कुमारी) धीकुमारि,<br>कन्या                      |
| २५५   | ५४ (कुत्सित) निन्दित,<br>खराब                                    | १७    | ३ (कुमुद) उजलाकमल,<br>नेत्रत्रय दिशाका दि-<br>ग्गज  |
| ११३   | १६६ (कुय) झूल, कुश   | १९    | १३ (कुमुदवान्धव) चन्द्रमा                           |
|       |  | ८५    | ४० (कुमुदिका) कायफर                                 |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ६३    | ३९ (कुमुदिनी) कोकावेली  | ११२   | १५८ (कुरुविन्द) मोथा  |
| ६३    | ३८ (कुमुदती) कोकावेली   | २२४   | ८६ ( कुरुविस्त ) सुवर्ण का पल   |
| ६७    | १० (कुमुदत) बहुतकभुद वाला देश   | १२४   | ४२ (कुल) सजातीय जन्तुका समूह,वंश, गोत्र                                     |
| १६४   | २० (कुम्वा) यज्ञको अन्त्यज, चारुडाल, वगैरः न देखें.इसवास्ते जोटट्टी लगाई जाती है    | ८५    | ३९ (कुलक) काला तेन्दुआ, कुचिला, परवर, कुलश्रेष्ठ, शिल्पियों के कुलका प्रधान |
| ८४    | ३४ (कुम्भ) गुग्गुल, हाथी के शिरकी मांतापिंडी घडा,वेश्यावाज,राशि भेद,कुम्भकरणकापुत्र | १२७   | १० (कुलटा) छिनारि, द्य-भिचारिणी   |
| २३१।  | ६ (कुम्भकार) कुम्हार,   | २२७   | १०२ (कुलतिक) कालासुरमा  |
| २०    | २० (कुम्भसम्भव) अगस्त्य   | १२६   | ७ (कुलपालिका) कुलवती स्त्री   |
| ६३    | ३८ (कुम्भिका) जलकुम्भी  | २३१   | ६ (कुलश्रेष्ठिन्) कारीगरों के कुलका प्रधान                                  |
| ६५    | ४ (कुम्भिनी) पृथ्वी   | १६०   | २ (कुलसम्भव) कुलीन  |
| ८५    | ४० (कुम्भी) कायफर   | १२६   | ७ (कुलस्त्री) कुलवतीस्त्री अच्छे खानदान की औरत                              |
| ५९    | २१ (कुम्भीर) नाक शेष बुलाक  | १२३   | ३८ (कुलाय)घोसला, झोंझ   |
| ११६   | ९ (कुरङ्ग) हरिण   | २३१   | ६ (कुलाल) कुम्हार   |
| ६३    | ७५ (कुरगटक) पीली कटसरैया  | २२७   | १०० (कुलाली)कालासुरमा   |
| १२०   | २३ (कुरर)कुररी,रुणाकुलि   | ११    | ४८ (कुलिश) इन्द्रकावज्र   |
| ६३    | ७८ ( कुरुक ) लालकट, सरैया   | ९७    | ९४ (कुली) भटकटैया   |
| ९३    | ७४ ( कुरुगटक ) पीलीकट, सरैया  | १६०   | ३ ( कुलीन ) सज्जन   |
| ९३    | ७४ ( कुरुक ) लालकट, सरैया   | ५९    | २१ (कुलीर) गेंगटा   |
|       |   | २०८   | १८ (कुलमाप) कुरथी   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| २१२   | ३९ (कुल्मापाभिपुत) कांजी                                 |       | जो वनता है वह आंजन  |
| १४२   | ६८ (कुल्य) हाड़, हडी                                     | ६     | २६ (कुसुमेपु) कामदेव  |
| ६२    | ३४ (कुल्या) बनाई छोटी नदी, नहर                           | २२८   | १०६ (कुसुम्भ) बरेंका फूल, कुसुम, करवा   |
| ८४    | ३६ (कुवल) बेरके फल                                       | २९२   | ४० (कुमूल) पेटमें अन्नरहनेका स्थान  |
| ६३    | ३६ (कुवलय) कमल विशेष                                     | ४८    | ३० (कुसृति) शठता, कपट   |
| २५१   | ३७ (कुवाद) दोष कहने वाला                                 | २१२   | ३८ (कुस्तुम्बुरु) धानियां   |
| २३१   | ६ (कुविन्द) ज्वलाहा, कोरी                                | १७३   | ५६ (कुहना) धनादिके लोभसे मिथ्यावात बनाना अथवा मिथ्या आचार करना अथवा अधर्मका आश्रयण करना         |
| ५८    | १६ (कुव्रेणी) मछली धरने का वरतन                          | ५१    | १ (कुहर) विल  |
| ११३   | १६६ (कुश) कुश, पानी, श्री रामजीका पुत्र                  | २६    | ६ (कुहू) जिसमें चन्द्रमाकी कला न दीखपड़े वह अमावास्या   |
| २९    | २६ (कुशल) निगुण, कल्याण, पूर्णता, कुशल, पुण्य सिखाया हुआ | २४५   | १४ (कूकुद) सरकारपूर्वक अलंकारयुक्त कन्याका दान करनेवाला   |
| २२७   | ९९ (कुशी) लोहेका विकार, फार                              | ७५    | ४ (कूट) पर्वतका शिखर माया, निश्चल, यन्त्र, कपट, झूठी, राशि, अयोधन (हथौड़ा) हलका अगिला भाग (कूट) |
| २३३   | १२ (कुशीलव) कथक  |       | २६ (कृत्यंत्र) फन्दा, पत्नी फैलानेका साधन   |
| ६३    | ४० (कुशेशय) कमल  | ८७    | ४७ (कूटशाल्मलि) काला सेमर   |
| १०४   | १२६ (कूट) कोढ़ी, कूट, श्वेतकूट, छंजन                     |       |   |
| २०४   | ४ (कुसीद) व्याज  |       |   |
| २०४   | ५ (कुसीदक) व्याज पर ऋण देनेवाला, सूद खानेवाला            |       |   |
| ८०    | १७ (कुसुम) फूल   |       |   |
| २२७   | १०३ (कुसुमाञ्जन) पीतल तपाकर उसपर घिसनेसे                 |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| २६०   | ७३ (कूटस्थ) एकरूप बहुत कालतक स्थिर रहनेवाला  | १४६   | ८८ (कृकाटिका) घाँटी   |
| ६०    | २६ (कूप) कुँआं   | ५४    | ४ (कृच्छ्र) क्लेश, दुःख, गोमूत्र, गोबर, दूध, दही, घी, कुशोदक, पञ्चगव्य का भक्षण करके एक रात्रि उपवास करना |
| ५६    | १० (कूपक) सूखी नदी आदिमें पानी निकालनेकेलिये खोदाहुआ गड़हा, चूहा, नाव बांधनेका खूटा, नितम्ब का दो गढ़ा | ३०२   | ७६ (कृत) सत्ययुग, पूर्ण, अलमर्थ   |
| १८८   | ५७ (कूपर) गाड़ीमें जुआ बांधनेकी लकड़ी  | २१३   | ४२ (कृतक) सांभरिनमक   |
| १४७   | ६२ (कूर्च) भौंहोंका बीच  | १६०   | ६८ (कृतपुंस) अच्छातीरंदाज   |
| १०८   | १४२ (कूर्चशीर्ष) जीवक  | ८२    | २४ (कृतमाल) अमिलतास   |
| २१४   | ४४ (कूर्चिका) दूधका विकार, मूरानि  | २४२   | ४ (कृतमुख) चतुर, प्रवीण   |
| ४९    | ३३ (कूर्दन) कूदना, लीला करना   | २४४   | १० (कृतलक्षण) गुणसे प्रसिद्ध  |
| १४४   | ८० (कूर्पर) गांठि, हाथके मध्यकी गांठि  | १२६   | ७ (कृतसापतिका) जिसके बहुत ब्रियांहीं उनमें जो पहिले व्याही गई हो वह स्त्री                                |
| १५४   | ११८ (कूर्पासक) अंगिया, चोली  | १६०   | ६८ (कृतहस्त) अच्छा-तीरंदाज  |
| ५९    | २१ (कूर्म) कलुआ  | १३    | ५९ (कृतान्त) यमराज सिद्धान्त, भाग्य, पापकर्म  |
| ५५    | ७ (कूल) किनारा   | १६०   | ६ (कृतिन्) पण्डित, चतुर, निपुण  |
| १११   | १५५ (कूष्माण्डक) कुम्हड़ा  | २६७   | १९२ (कृत्त) काटाहुआ   |
| ११९   | २० (कृकण) मुआ पच्ची, तीतर विशेष  | १७१   | ५० (कृत्ति) मृगचर्म   |
| ११७   | १३ (कृकलास) गिरगिट   | ७     | ३२ (कृत्तिवासस्) शिव  |
| ११८   | १८ (कृकवाकु) मुर्गा  | ३२२   | १५८ (कृत्या) किया, ताम-   |

| पृष्ठ | श्लोक                                | पृष्ठ | श्लोक                                  |
|-------|--------------------------------------|-------|--|
|       | सी देवता विशेष, धनादिसे भेदके योग्य, | १६०   | ६ (कृष्टि) पण्डित                      |
| ७७    | २ (कृत्रिम) बनाहुआकई एक वस्तु मिलाकर | ४     | १८ (कृष्ण) विष्णु, काला रंग, कालीभिर्च |
| १५६   | १२६ (कृत्रिमधूपक) बनाया हुआ धूप      | ६१    | ६७ (कृष्णपाकफल) कर-वैदा                |
| २५८   | ६४ (कृत्स्न) सब                      | ९७    | ९६ (कृष्णफला) बकुची                    |
| २५४   | ५० (कृपण) चुष्ट, कंजूस               | ९५    | ८६ (कृष्णभेदी) कुटकी                   |
| ४५    | १८ (कृपा) दया                        | ६८    | ९८ (कृष्णला) घुँघुची                   |
| १९६   | ८९ (कृपाण) तलवार                     | ३४    | १६ (कृष्णलोहित) धूमिलरंग               |
| २३७   | ३४ (कृपाणी) कतरनी                    | १२    | ५५ (कृष्णवर्मन्) आगि                   |
| २४५   | १५ (कृपालु) दयालु मेहरवान            | ८     | ५५ (कृष्णवृत्रा) पाहरि                 |
| १२    | ५४ (कृपीटयोनि) आगि                   | ११६   | ११ (कृष्णसार) कालाहरिन                 |
| ११७   | १४ (कृमि) छोटे कीड़े सोन किरवा       | ९७    | ९६ (कृष्णा) बड़ी पीपरि                 |
| १५२   | १११ (कृमिकोशोत्थ) रेशमसे बनेहुये     | २०८   | १९ (कृष्णिका) राई                      |
| १००   | १०६ (कृमिघ्न) वायुत्रिडंग            | २१५   | ५० (कृसर) तिल मिला भात वा खिचड़ी       |
| १५६   | १२७ (कृमिज) अगुरु                    | १३७   | ४९ (क्रेकर) कंजा, कंजी आँखवाला         |
| २५७   | ६१ (कृरा) पतला                       | १२१   | ३२ (क्रेका) मोरकीबोली                  |
| १२    | ५५ (कृशानु) आगि                      | १२१   | ३१ (क्रेकिन्) मोर                      |
| ७     | ३४ (कृशानुरेतस्) शिव                 | ११४   | १७० (केतकी) केतकी                      |
| २३३   | १२ (कृशाशिवन) नट                     | १९८   | ९९ (केतन) ध्वजा, निवास, कार्श्य, नेउता |
| २०६   | १३ (कृपक) फार                        | २८७   | ६० (केतु) ध्वजा, केतुग्रह              |
| २०३   | २ (कृपि) खेती                        | २०६   | ११ (कंदार) खेत                         |
| २०४   | ६ (कृपिक) किसान फार                  | ५७    | १३ (केनिपातक) पतवार                    |
| २०४   | ६ (कृपिवल) किसान                     | १५१   | १०७ (केयूर) बजुछा-विजायठ               |
| २०५   | ८ (कृष्ट) जोता खेत                   |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ३५६   | २० (केरद) व्यवहार की वस्तु                          | ६३    | ३७ (कैव) उजला कमल                                 |
| ४९    | ३२ (केलि) कीड़ा, खेल                                | १५    | ७१ (कैलास) (श)पर्वत विशेष, कुन्नेरका स्थान        |
| ३३३   | २०२ (केवल) एक, सम्पूर्ण, निर्णय किया हुआ            | ५७    | १५ (कैवर्त) मलाह                                  |
| १४८   | ९५ (केश) चार- वाल                                   | ३२    | ६ (कैवल्य) मोच                                    |
| ६६    | ८९ (केशपणी) बहचिबड़ा                                | १४८   | ६६ (कैशिक) वालोंका समूह                           |
| १४८   | ९७ (केशपाणी) शिखा- चोटी                             | १४८   | ९६ (कैश्य) वालोंका समूह                           |
| ११४   | १ (केशरी) सिंह                                      | ११६   | ८ (कोक) भेंड़िआ-भेंड़हा, चकवा                     |
| १४    | १८ (केशव) विष्णु, अच्छे वालोंवाला                   | ६४    | ४२ (कोकनद) जाल कमल                                |
| १४८   | ६७ (केशवेश) बाँधेवाला; पार्टी                       | ३४    | १५ (कोकनदच्छवि) लाल कमलकारंग                      |
| १३६   | ४५ (केशिक) अच्छे वालोंवाला                          | ११६   | २० (कोकिल) कौचल                                   |
| १०४   | १३६ (केशिनी) शंख कौड़ी                              | ६६    | १०४ (कोकिलास) तालमखाना                            |
| १३६   | ४५ (केशिन्) अच्छे वालोंवाला                         | ७९    | १३ (कोटर) खोंड़किल खुड़िला                        |
| ८२    | २५ (केसर) कमलके फूल के भीतरकी जटा, नागकेसर, मोमसिरी | १२९   | १७ (कोटवी) नंगी                                   |
| ११४   | १ (केसरिन्) सिंह                                    | १६४   | ८४ (कोटि) धनुषका अन्तभाग, खड्गादिका कोना, करोरि   |
| ५     | २२ (कैटभजित्) विष्णु                                | १०६   | १३१ (कोटिवर्पा) अस्परक                            |
| ८५    | ४० (कैटर्ग्य) कायफर                                 | २०६   | १२ (कोटश) नुगरी, सरावनि                           |
| ४८    | ३० (कैतव) जुआँ, छल                                  | ३५७   | १८ (कोट्ट) कोट                                    |
| २०६   | ११ (कैदारक) खेतकासमूह                               | १३८   | ५४ (कोठ) कोढ़के चकत्ता                            |
| २०६   | ११ (कैदारिक) खेतकासमूह                              | १९७   | ९३ (कोण) वीणादि-वजानेका अक्ष, दण्डा, तलवारका कोना |
| २०६   | ११ (कैदार्य्य) खेतकासमूह                            |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                    | पृष्ठ | श्लोक                   |
|-------|--------------------------|-------|-------------------------|
| १९४   | ८३ (कोदण्ड) धनुष         | १२३   | ३८ (कोश) अण्डा, सोना,   |
| २०७   | १६ (कोदव) कोदव           |       | चांदी, कमलकी कली,       |
| ४७    | २६ (कोप) क्रोध           |       | तलवारकामियान, धन        |
| १२५   | ४ (कोपना) क्रोधिनीस्त्री |       | समूह, शपथ               |
| २४९   | ३२ (कोपिन्) क्रोधी       | २९२   | ४० (कोष्ठ) पेट के भीतर  |
| २६१   | ७८ (कोमल) कोमल, मु-      |       | काकोठा, डहरी, घरका      |
|       | लायम                     |       | मध्य                    |
| १२३   | ३६ (कोयष्टिक) टिटिहिरी   | २४    | ३५ (कोष्ण) थोड़ा गरम    |
| ८०    | १६ (कोरक) कली, कवा-      | २८५   | १७ (कोकुटिक) दूरसे देख- |
|       | बचीनी                    |       | नेवाला                  |
| १०४   | १२५ (कोरंगी) गुजराती     | १९६   | ८६ (कौक्षेयक) तलवार     |
|       | इलायची                   | २३२   | ९ (कौटतक्ष) प्रधानबढ़ई  |
| २०७   | १६ (कोरदूप) कोदव         | २३३   | १४ (कौटिक) कसाई         |
| ८४    | ३६ (कोल) बैरके फल,       | १३    | ६० (कौणप) राक्षस        |
|       | छोटीनाव, सूअर            | ४८    | ३१ (कौतुक) लीला, खेल    |
| १५६   | १३० (कोलक) कवाबचीनी,     | ४८    | ३१ (कौतूहल) लीला, खेल   |
|       | मिर्च                    | २०५   | ८ (कौद्रीण) कोदव का     |
| १०५   | १३० (कोलदल) कर्कुदनि     |       | खेत                     |
| ४७    | ७ (कोलम्बक) घीणाका       | १६१   | ७० (कौन्तिक) भाला धा-   |
|       | सर्वाङ्ग                 |       | रण करनेवाला             |
| ६८    | ६७ (कोलवल्ली) गजपीपरि    | १०३   | १२० (कौन्ती) गगनधूरि    |
| ९८    | ९७ (कोला) बड़ी पीपरि     | ३१३   | १२१ (कौपीन) अकार्य, लं- |
| ४१    | २५ (कोलाहल) हल्लागुल्ला  |       | गोटा                    |
| ८४    | ३६ (कोलि) बैर            | २०    | १६ (कौमुदी) चांदनी      |
| १६०   | ५ (कोविद) परिडत          | ६     | २९ (कौमोदकी) विष्णुकी   |
| ८१    | २२ (कोविदार) कचनार       |       | गदा                     |
| १५६   | १३१ (कोशफल) कवाबचीनी     | १३१   | २७ (कौलटिनेय) सती       |
| २८३   | ८ (कोशातकी) परवर,        |       | भिखारिनीका पुत्र        |
|       | लहचिचिरा, तोरई           | १३१   | २६ (कौलटेय) सतीअसती     |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
|       | दोनों का पुत्र  | २२१   | ७५ (क्रमेलक) ऊँट   |
| १३१   | २६ (कौलदेर) असती का पुत्र                                   | २२२   | ७८ (क्रयविक्रयक) व-निया  |
| ३११   | ११६ (कौलीन) लोकापवाद, पशु, सर्प, पक्षी, इनका युद्ध, कुलीनता | २२२   | ७९ (क्रयिक) मोल लेने वाला  |
| २३५   | २१ (कौलेयक) कूकुर   | २२२   | ८१ (क्रय) मोल लेने की वस्तु  |
| ८४    | ३४ (कौशिक) गुग्गुलु उल्लूक, सर्प, पकड़नेवाला, विश्वामित्र   | १४१   | ६३ (क्रव्य) मांस   |
| १५२   | १११ (कौशेय) कुशवारी सेवना रेशमी वस्त्र                      | १३    | ६० (क्रव्याद) राक्षस   |
| ६     | २६ (कौस्तुभ) विष्णुकी मणि                                   | १३    | ६० (क्रव्याद्) राक्षस  |
| २३८   | ३५ (क्रकच) आरा  | २२२   | ७९ (क्रायिक) मोल लेने वाला   |
| ६३    | ७७ (क्रकर) मुआ पक्षी, करील, तीतर विशेष                      | ३२१   | १५६ (क्रिया) आरम्भ, निष्कृति, प्रायश्चित्त, शिक्षापूजन, सम्प्रधारण, उपाय, कर्म, चेष्टा, चिकित्सा, धात्वर्थ |
| १६३   | १५ (क्रतु) यज्ञ   | २४६   | १८ (क्रियावत्) कार्यकरने में लगाहुआ  |
| ८     | ३५ (क्रतुध्वामिन्) शिव                                      | ४९    | ३२ (क्रीड़ा) खेल   |
| २     | ६ (क्रतुभुज्) देवता   | ११९   | २३ (क्रुञ्) कराकुल पक्षी   |
| २०२   | ११५ (क्रथन) मारना   | ४७    | २६ (क्रुध) क्रोध, गुस्ता   |
| २००   | १०७ (क्रन्दन) निन्दापूर्वक बोधाओंको पुकारना, रोना, पुकारना  | १२०   | २४ (क्रुर) कणाकुल  |
| ५०    | ३५ (क्रन्दित) रोना  | ५०    | ३५ (क्रुष्ट) रोना  |
| १७०   | ४३ (क्रम) विधि वियोग शास्त्र                                | २५३   | ४७ (क्रूर) दूसरेका अनभल चाहनेवाला, पापी, कठिन, निर्दय  |
| ८५    | ४१ (क्रमुक) लाललोध, सुपारी                                  | २२२   | ८१ (क्रेय) मोल लेने की वस्तु   |
|       |   | ११५   | ३ (क्रोड़) शूअरकोरा, गोद   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| ४७    | २६ ( क्रोध ) क्रोध                                   |       | तरहपकाहुआ   |
| २४९   | ३२ ( क्रोधन ) क्रोधी                                 | ४१    | २४ ( क्वाण ) वीणादि का शब्द   |
| ६९    | १९ ( क्रोशयुग ) दोकोश                                | २७    | ११ ( क्षण ) तीसकला, चुपचाप रहना, उत्सव  |
| ११५   | ६ ( क्रोष्टु ) सियार                                 | २५    | ४ ( क्षणदा ) रात्रि   |
| ९७    | ९३ ( क्रोष्टुविन्ना ) पिठवन                          | २०१   | ११४ ( क्षणन ) मारना   |
| १००   | ११० ( क्रोष्ट्री ) जेठीमधु                           | १८    | ६ ( क्षणप्रभा ) विजुली  |
| ११६   | २३ ( क्रौञ्च ) कराकुल                                | १४१   | ६४ ( क्षतज ) रक्त, खून  |
| ९     | ४१ ( क्रौञ्चदारण ) स्वामि-कार्तिक                    | १७३   | ५७ ( क्षतव्रत ) जिसका ब्रह्मचर्य नष्ट होगयाहो                                   |
| २७२   | १० ( क्लम ) ग्लानि                                   | १८६   | ५६ ( क्षतृ ) क्षत्रियास्त्री में शूद्रत्वे उत्पन्न पुत्र, सारथी ज्योहीदार, बड़ई |
| २७२   | १० ( क्लमथ ) ग्लानि                                  | १५६   | २ ( क्षत्रिय ) क्षत्रिय   |
| २६८   | १४५ ( क्लिन्न ) आंदा, गीला                           | १२८   | १४ ( क्षत्रिया ) क्षत्रियकीस्त्री   |
| १४०   | ६० ( क्लिन्नाक्ष ) चांधरी आंख वाला                   | १२८   | १४ ( क्षत्रियाणी ) क्षत्रिय की स्त्री   |
| २६६   | ९९ ( क्लिशित ) क्लेशयुक्त                            | १२८   | १५ ( क्षत्रियाणी ) क्षत्रियकीस्त्री   |
| ३६    | १९ ( क्लिष्ट ) पूर्वापर विच्छेद वाला वचन, क्लेशयुक्त | २५    | ४ ( क्षपा ) रात्रि  |
| १००   | १०९ ( क्लीतक ) मुरेठी, जेठीमधु                       | १९    | १५ ( क्षपाकर ) चन्द्रमा   |
| ९७    | ६४ ( क्लीतकिक्का ) नील, निर्धल, कमजोर                | ३१८   | १४२ ( क्षम ) योग्य, समर्थ, हित  |
| १३४   | ३९ ( क्लीव ) हिजरा                                   | ६५    | ४ ( क्षमा ) पृथ्वी, सहना  |
| २७८   | २९ ( क्लेश ) क्लेश, तरुलीफ                           | २४६   | ३१ ( क्षमितृ ) सहनेवाला   |
| १४१   | ६५ ( क्लोम ) पेटमें स्थित जलकी जगह                   | २४९   | ३१ ( क्षन्तृ ) सहनेवाला, गमखोर  |
| ४१    | २४ ( क्वाण ) वीणादिकाशब्द, शब्दकरना                  | २४६   | ३१ ( क्षमिन् ) सहनेवाला   |
| ४१    | २४ ( क्वाणन ) वीणादिका शब्द                          | २९    | २२ ( क्षय ) प्रलय, क्षयीरोग, हानि, नीतिजानने                                    |
| २६५   | ९५ ( कथित ) काढ़ा, अच्छी                             |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
|       | वालौका त्रिवर्गस्थान,<br>कमती                                    | ६     | २८ (क्षीराब्धितनया) लक्ष्मी  |
| १३८   | ५२ (क्षव) छींक, राई  | ९८    | १० (क्षीरात्री) दूधिया   |
| १३८   | ५२ (क्षवथु) खांसी  | ८६    | ४५ (क्षीरिका) खिन्नी   |
| २६५   | ९७ (क्षान्त) सहनेवाला<br>वरदाग्नि किया                           | ५४    | २ (क्षीरोद) दूधका समुद्र   |
| ४७    | २४ (क्षान्ति) सहना   | २४७   | २३ (क्षीव) मतवाला  |
| २२७   | ९९ (क्षार) कांच  | १३८   | ५२ (क्षुत) छींक  |
| ८०    | १३ (क्षारक) नईकली  | १३८   | ५२ (क्षुत) छींक  |
| ६५    | ५ (क्षारमृत्तिका) लोना<br>मट्टी                                  | २०८   | १९ (क्षुताभिजनन) राई,  |
| २५२   | ४३ (क्षारित) छिनारा या<br>चोरीका कलंक जिस-<br>को लगाहो वह मनुष्य | २५४   | ४८ (क्षुद्र) कृपण, कजूत,<br>कूर, अधन, थोड़ा,<br>बढ़ती                              |
| ६५    | २ (क्षिति) नाश, वासस्थ<br>न, पृथ्वी                              | १५२   | ११० (क्षुद्रघण्टिका) घुंघुरू   |
| २७३   | ११ (क्षिपा) फेंकना, आज्ञा<br>देना                                | ५९    | २३ (क्षुद्रशंख) छोटाशंख  |
| २६३   | ८७ (क्षिप्त) प्रेरित, भेजाहुआ                                    | ९७    | ९४ (क्षुद्रा) भटकटैया, अं-<br>गहीनाखी, नटी, पतु-<br>रिआ, मधुमाखी,<br>भांटा, वाघिनि |
| २४६   | ३० (क्षिप्र) निकारनेवाला   | २१६   | ५४ (क्षुध) भूख   |
| १४    | ६५ (क्षिप्र) जल्दी, बढ़ती  | २४६   | २० (क्षुधित) भूखा  |
| २७१   | ७ (क्षिया) हानि, नाशहोना   | ७८    | ८ (क्षुप) छोटाजड़वडार<br>वाला वृक्ष  |
| ५५    | ४ (क्षीर) जल, दूध  | २०८   | २० (क्षुमा) अलसी   |
| २१४   | ४४ (क्षीरविकृति) दूध का<br>फटौन                                  | ९९    | १०६ (क्षुर) तालमखाना, चूरा   |
| १००   | ११० (क्षीरविदारी) उजला<br>कुम्हड़ा                               | ८५    | ४० (क्षुरक) तिलकवृक्ष  |
| १००   | ११० (क्षीरशुक्ला) काला कु-<br>म्हड़ा                             | ३५६   | २० (क्षुम्भ) वाण   |
|       |  | २३२   | १० (क्षुरिन्) नाऊ, हज्जाम  |
|       |  | २३३   | १६ (क्षुल्लक) थोड़ा, छोटा,<br>नीच  |
|       |  | २०४   | ६ (क्षेत्र) खेत, स्त्री, शरीर  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                              |
|-------|---|-------|------------------------------------|
| ३०    | २९ (क्षेत्रज्ञ) चैतन्य, पुरुष,<br>चतुर            | ६     | ३० (स्वगेश्वर) गरुड़               |
| २०४   | ६ (क्षेत्राजीव) किसान                             | २११   | ३४ (स्वजाका) रुद्रुलि              |
| २७३   | ११ (क्षेपण) फेंकना, आ-<br>ज्ञादेना                | १३७   | ४९ (स्वञ्ज) लँगड़ा -               |
| ५७    | १३ (क्षेपणी) डांड, नावच-<br>लानेका हरथा *         | ११८   | १६ (स्वञ्जन) खँडरैचा               |
| २६९   | १११ (क्षेपिष्ठ) अतिशय                             | ११८   | १६ (स्वञ्जरीट) खँडरैचा             |
| ३०    | २६ (क्षेम) कशल, धनहरी                             | ३५७   | १७ (स्वट) अन्धकूप                  |
| २०६   | ११ (क्षेत्र) खेतोंका समूह                         | १६९   | १३६ (स्वटा) खटिया, पलंग            |
| ६५    | २ (क्षोणी) पृथ्वी                                 | ११५   | ५ (स्वडू) तलवार, गेंडा             |
| १६८   | ९९ (क्षोद) चून                                    | ११५   | ५ (स्वडिन्) गेंडा                  |
| २६६   | १११ (क्षोदिष्ठ) अतिशय                             | २०    | १६ (स्वगड) टुकड़ा                  |
| ७२    | १२ (क्षौम) अटारी                                  | ७     | ३२ (स्वगडपरशु) शिव                 |
| २२८   | १०७ (क्षौद) शहद, ममाखी                            | २१३   | ४३ (स्वगडविकार) राव,<br>मिश्री     |
| ७२    | १२ (क्षौम) अटारी, रेशमी<br>कपडा                   | २०७   | १६ (स्वगिडक) मटर                   |
| १७२   | ५३ (क्षौर) वारवनवाना<br>(क्षण्त) तेज, पैन, तीख    | ८७    | ५९ (स्वदिर) खयर                    |
| ६५    | ३ (क्षमा) पृथ्वी                                  | १०८   | १४१ (स्वदिरा) लजालू                |
| ७४    | १ (क्षमाभृत) पर्वत, राजा                          | १२१   | २६ (स्वद्योत) जुगून                |
| ५२    | ९ (क्ष्वेड) विप, जहर                              | ११७   | १३ (स्वनक) चूडा                    |
| २००   | १०७ (क्ष्वेडा) बीरों का ग-<br>र्जना, बांसकी शलाका | ७६    | ७ (स्वानि) खानि                    |
| ३६४   | ३४ (क्ष्वेडित) बीरोंका गर्जना<br>(ख)              | २०६   | १२ (स्वानित्र) कुदार, धेलचा        |
| १६    | १ (स्व) आकाश, इन्द्रिय,<br>शून्य                  | ११४   | १६६ (स्वपुर) सुपारी                |
| १२२   | ३३ (स्वग) पक्षी, तीर, सूर्य                       | २४    | ३५ (स्वर) गवहा, अतिगरम             |
|       |   | १३६   | ४६ (स्वराणस्) सुइलार, ना-<br>कवाला |
|       |   | १३६   | ४६ (स्वराणास) सुइलार, ना<br>कवाला  |
|       |   | १०७   | १३६ (स्वरपुष्पा) बवई               |
|       |   | ९६    | ८८ (स्वरमञ्जरी) लहचि-<br>चिरा      |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                            |
|-------|---|-------|----------------------------------|
| ६१    | ६६ (खरा) वन्दाल   |       | से बोया जानेवाला खेत             |
| १०१   | १११ (खराखा) अजमोदा  | ६६    | ६ (खिल) बिन जोता खेत             |
| १३८   | ५३ (खजू) खजुआना   | १०५   | १३० (खुर) ककूदनि, खुर,<br>टाप    |
| ११४   | १७० (खजूर) खजूर, चांदी  | १३६   | ४७ (खुरणस्) खुरसदृश<br>नाकवाला   |
| ११४   | १७० (खजूरी) खजूर  | १३६   | ४७ (खुरणस) खुरसदृश<br>नाकवाला    |
| १३६   | ४६ (खर्व) वामन, बौना  | २५५   | ५४ (खेट) निन्दित, ग्रह           |
| २५३   | ४७ (खल) दुष्ट, खरिहान   | २८६   | ४ (खेटक) ग्राम, ढाल              |
| २४५   | १७ (खलपू) बहारनेवाला  | ६१    | २६ (ख्य) खाई, परिखा              |
| २८१   | ४२ (खलिनी) खलोंका समूह,<br>खरिहानोंका समूह                              | ४६    | ३३ (खिला) लीला, खेल              |
| १८६   | ४९ (खलिन) लगाम  | १३७   | ४९ (खोड) लँगड़ा                  |
| १८६   | ४९ (खलीन) लगाम  | २४४   | ६ (ख्यात) प्रसिद्ध, म-<br>शहूर   |
| ३४६   | २५४ (खलु) निषेध, वाक्या-<br>लंकार, जिज्ञासा, प्रा-<br>र्थना             | २६४   | ९३ (ख्यातगर्हण) निन्दित<br>बदनाम |
| २०७   | १५ (खलेदारु) जो मड़नी<br>माड़ने के समय कि-<br>सी जगह खूंट्टा गाड़ते हैं | २७२   | ६ (ख्याति) प्रसिद्धि<br>(ग)      |
| २८१   | ४२ (खल्या) खरिहानोंका<br>समूह, खलीका समूह                               | १६    | १ (गगन) आकाश                     |
| ६०    | २७ (खात) तालाब  | ६१    | ३१ (गंगा) गंगानदी                |
| २६९   | ११० (खादित) खायाहुआ   | ८     | ३५ (गंगाधर) शिव                  |
| २२४   | ८८ (खारी) तीन द्रोण<br>प्रमाणविशेष                                      | १८२   | ३४ (गज) हाथी                     |
| २०६   | १० (खारीक) खारी भर<br>अन्न से बोया जाने-<br>वाला खेत                    | १८३   | ३६ (गजता) हाथियोंका<br>झुण्ड     |
| २०६   | १० (खारीवाप) खारीभर   | १०४   | १२३ (गजभक्ष्या) सालवृष           |
|       |   | ९     | ३९ (गजानन) गणेश                  |
|       |   | ७१    | ८ (गञ्जा) दारूकाधर               |
|       |   | ५८    | १७ (गडक) मछलीविशेष               |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| ३५८   | १८ (गडु) गलगण्ड रोग                              | १३६   | ४६ (गतनासिक) नकटा   |
| १३६   | ४८ (गडुल) कुबरा                                  | १३७   | ५१ (गद) रोग   |
| १९४   | ८१ (गण) समूह, फौजकी संख्या विशेष, गुल्म, शिवसेवक | ३६३   | ३१ (गद्य) जिसमें श्लोक न हों पदसमूहकी रचना  |
| १७८   | २१४ (गणक) ज्योतिषी                               | १८७   | ५२ (गंत्री) गाड़ी   |
| २५७   | ६४ (गणनीय) गिनने के योग्य                        | २९८   | ६४ (गंध) गंध  |
| २५    | ६ (गणरात्र) रात्रियोंका समूह                     | २२७   | १०२ (गंधक) गंधक   |
| ६४    | ८० (गणरूप) मदार                                  | १०३   | १२३ (गंधकुटी) तालीसपत्र वा मुरेठी   |
| १०५   | १२८ (गणहासक) धनहरी                               | ३११   | ११४ (गंधन) उत्साह देना प्राणियध, अभिप्राय सुझाना                                  |
| ९     | ३९ (गणाधिप) गणेश                                 | १०१   | ११४ (गन्धनाकुली) रासन   |
| ४४    | ११ (गणिका) जूही, पतुरिया, हथिनी                  | ८६    | ५६ (गन्धफूली) काकुनि, चम्पाकी कली   |
| १९१   | ६६ (गणिकारिका) अरणी                              | ७५    | ३ (गन्धमादन) पर्वत विशेष  |
| २५७   | ६४ (गणित) गिनाहुआ                                | १११   | १५४ (गन्धमूली) कचूर   |
| २५७   | ६४ (गण्य) गिननेके योग्य                          | २२८   | १०४ (गन्धरस) गन्धरस   |
| १४७   | ९० (गण्ड) गाल, हाथीका गाल                        | २     | ११ (गन्धर्व) देवजाति, हरिण विशेष, घोड़ा, प्राणी, देवताओंके गानेवाले, गद्येयामात्र |
| ५८    | १७ (गण्डक) गंडा                                  | ८७    | ५० (गन्धर्वहस्तक) रेंड, रेंडी   |
| १०८   | १४१ (गण्डकारी) लजालू                             | १४    | ६३ (गन्धवह) वायु, हवा   |
| ६७    | ६ (गण्डशैल) पर्वत से गिरेहुये भारी पत्थर         | १४६   | ८२ (गन्धवहा) नारु   |
| ११२   | १५९ (गणहाली) उजलीदूध                             | १४    | ६३ (गन्धवाह) वायु, हवा  |
| १११   | १५७ (गणडीर) गंडारिकाशाक                          | १५७   | १३२ (गन्धसार) मलयागिरि चन्दन  |
| ५९    | २२ (गण्डूपद) केंचुआ                              |       |   |
| ६०    | २४ (गण्डूपदी) केंचुई                             |       |   |
| ३५५   | १० (गण्डूपा) फुड़ा                               |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                                     | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २२७   | १०२ (गन्धाश्मन) गन्धक                     | २४७   | २२ (गर्जन) लोभी  |
| २२७   | १०२ (गन्धिका) गन्धक                       | १३४   | ३६ (गर्भ) कोपी, पेटमें स्थि-<br>तप्राणी, बालक              |
| १०४   | १२३ (गन्धिनी) तालीसपत्र<br>वा सुरेठी      | १५८   | १३६ (गर्भक) बालोंमें पहि-<br>रनेकी माला                    |
| २३६   | ४० (गन्धोत्तमा) दारु, मद्य                | ७१    | = (गर्भागार) घरकामध्य                                      |
| १२१   | २८ (गन्धोली) बरेंआ, वि-<br>रनी            | १३४   | ३८ (गर्भाशय) ओझरीजि-<br>ससे गर्भवधारहता है                 |
| २३    | ३३ (गमस्ति) किरण                          | १३०   | २२ (गर्भिणी) गर्भवती स्त्री<br>जिसके लड़का होने<br>वाला हो |
| ५७    | १५ (गर्भीर) गहरा                          | ११३   | १६५ (गर्भुत) वृणधान्यवि-<br>शेष                            |
| १६७   | ६५ (गम) यात्रा, सफर                       | ४६    | २२ (गर्व) अहंकार   |
| १९७   | ६५ (गमन) यात्रा सफर                       | ३८    | ५३ (गर्हण) निन्दा  |
| ८४    | ३५ (गम्भारी) गम्भारी                      | २५५   | ५४ (गर्ह्य) निन्दित, खराब                                  |
| ५७    | १५ (गम्भीर) गहरा                          | २५१   | ३७ (गर्ह्यवादिन्) निन्दक,<br>खराब बोलनेवाला                |
| २६४   | ६२ (गम्य) मिलनेकेयोग्य                    | १४६   | ८८ (गल) कण्ठ, गला  |
| ५२    | ९ (गरल) विष                               | २१८   | ६३ (गलकम्बल) ब्रैलआदि<br>केगलेकीलटकीखाल,<br>सास्ना         |
| २६९   | ११२ (गरिष्ठ) अतिशयगरु                     | २११   | ३१ (गलन्तिका) करवा   |
| ९१    | ६९ (गरी) बन्दाल                           | २६७   | १०४ (गलित) चुआ, गिरा                                       |
| ६     | ३० (गरुड़) गरुड़                          | २८१   | ४३ (गल्या) काशोंका स-<br>मूह, गलोंका समूह                  |
| ४     | १६ (गरुड़ध्वज) विष्णु                     | ११७   | १० (गवय) लीलगाह, चो-<br>गड़ा                               |
| २३    | ३२ (गरुड़ाग्रज) अरुण                      | २०७   | १०० (गवल) भैंसका सींग                                      |
| १२३   | ३७ (गरुत्) पक्ष, पंख                      |       |  |
| ६     | ३० (गरुमत) गरुड़ पक्षी                    |       |  |
| २२१   | ७४ (गर्गरी) बही मथने<br>की महेड़ी         |       |  |
| १८    | ८ (गर्जित) भेघका गर्ज-<br>ना, मतवाला हाथी |       |  |
| ५१    | २ (गर्त) गड़हा                            |       |  |
| २०२   | ७७ (गर्दभ) गदहा                           |       |  |
| ८६    | ४३ (गर्दमाण्ड) गेंठी                      |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ७२    | ९ (गवाक्ष) झरोखा  | १२४   | ४० (गात्र) देह, हाथी के आगेकी जंघाका भाग        |
| १११   | १५६ (गवाक्षी) डोंड़ककरी                                 | १५७   | १३३ (गात्रानुलेपनी) पीसा हुआ सुगन्धद्रव्य, चोवा |
| २१७   | ५९ (गवीन) पुराना खरिका                                  | १६९   | ३९ (गाथेय) विश्वामित्र                          |
| २०९   | २५ (गवेधु) मुनिअन्नविशेष, माघी साँवाँ                   | ४१    | २६ (गान) गीत                                    |
| २०९   | २५ (गवेधुका) मुनिअन्नविशेष, माघी साँवाँ                 | ४१    | १ (गान्धार) स्वरविशेष, धकरेकी आवाज़             |
| १६७   | ३४ (गवेपणा) ढूँढ़ना, धर्मयुक्त कर्म करना                | ८७    | ४६ (गायत्री) खयर, छन्द, मन्त्रविशेष, देवताविशेष |
| २६७   | १०५ (गवेपित) ढूँढ़ा हुआ                                 | २२५   | ९२ (गारुत्मत) मरकतमणि                           |
| २१५   | ५० (गव्य) गौओं का घी आदि                                | १३०   | २२ (गार्भिण्य) गर्भिणी स्त्रियोंका समूह         |
| २१७   | ६० (गव्या) गौओंका झुण्ड                                 | १६४   | २१ (गार्हपत्य) यज्ञकी अग्नि                     |
| ६९    | १९ (गव्युति) दो कोश                                     | ८४    | ३३ (गालत्र) लोथ                                 |
| ७७    | १ (गहन) वन, जंगल, दुःख से प्राप्त होने के योग्य, गम्भीर | ३५    | १ (गिर) वाणी, सरस्वती                           |
| ७६    | ६ (गह्वर) कन्दरा, दम्भ                                  | ७४    | १ (गिरि) पर्वत, लीलना                           |
| ६५    | ४ (गह्वरी) पृथ्वी, निकुञ्ज                              | ६६    | १०४ (गिरिकर्णी) विष्णु-क्रान्ता                 |
| २२६   | ९४ (गाह्वेय) सुवर्ण, सोना, कशेरू, भीष्म                 | ११७   | ३३ (गिरिका) छोटी जाति की मूसरी                  |
| १०२   | ११७ (गाह्वेरुकी) ककही वृक्ष                             | २२७   | १०० (गिरिज) शिलाजीत, अवरख, गेरू                 |
| १५    | ६८ (गाह्व) बहुत   | ६१    | ६६ (गिरिमल्लिका) कुरैआ                          |
| १३०   | २२ (गाणिक्य) पतुरियों का समूह                           | ७     | ३२ (गिरिश) शिव                                  |
| १६४   | ८४ (गाणिव) अर्जुन का धनुष                               | ७     | ३२ (गिरीश) शिव                                  |
| १६४   | ८४ (गाण्डीव) अर्जुन का धनुष                             | २६६   | ११० (गितित) खाय हुआ                             |
|       |   | ४१    | २६० (गीत) गीत                                   |



| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ   | श्लोक   |
|-------|--|---------|---|
| २६६   | ११० ( गीर्ण ) स्तुति किया हुआ  | ११२-१६२ | ( गुन्द्र ) शरपत  |
| २७३   | ११ ( गीर्ण ) लीलना   | ८८      | ५५ ( गुन्द्रा ) काकुनि, नागरमोथा                          |
| २     | ६ ( गीर्वाण ) देवता  | २६३     | ८९ ( गुप्त ) छिपाहुआ, रखाया हुआ                           |
| २१    | २४ ( गीष्पति ) बृहस्पति  | ३०१     | ७४ ( गुप्ति ) भूमिकाविल, रक्षा, चन्दीखाना                 |
| ८४    | ३४ ( गुग्गुलु ) गूगुर  | २७३     | ११ ( गुसण ) उद्यम, भारा आदि उठाना                         |
| १५०   | १०५ ( गुच्छ ) ३२ लरका हार, तृणादिका पूरा, पल्लव                        | २१      | २४ ( गुरु ) बृहस्पति, गर्भधानादि क्रियाकाकरा नेवाला, पिता |
| ८०    | १६ ( गुच्छक ) फूलआदिका गुच्छा  | १३०     | २२ ( गुर्विणी ) गर्भवतीस्त्री                             |
| १५०   | १०५ ( गुच्छार्द्ध ) २४ लरका हार  | १४३     | ७२ ( गुल्फ ) पाँवकी गॉंठि                                 |
| ९८    | ९८ ( गुञ्जा ) धुँधुँची   | ७८      | ९ ( गुल्म ) ढूँठ, पिलही, गुच्छा, धूहा, फौज, सेनामुख       |
| २९३   | ४१ ( गुढ ) मट्टी आदिका बनाया गोला, गुड                                 | ७८      | ९ ( गुल्मिनी ) फैलीहुई बौड़ी                              |
| ८२    | २७ ( गुढपुष्प ) महुआ   | ११४     | १६६ ( गुवाक ) सुपारी                                      |
| ८२    | २८ ( गुढफल ) पीलुआ   | ६       | ४० ( गुह ) स्वामिकार्त्तिक                                |
| ९९    | १०५ ( गुडा ) सेंहुड़ा  | ७६      | ६ ( गुहा ) गुफा, पिथवनि                                   |
| ९४    | ८२ ( गुह्वी ) गुर्च  | ३२१     | १५३ ( गुह्य ) एकान्त, लिंग, भग                            |
| १६५   | ८५ ( गुण ) सत्वादि, सन्धि-विग्रहादि, धनुष का रोदा, रोसईदार, रस्सी, सूत | २       | ११ ( गुह्यक ) देवजाति                                     |
| ५७    | १२ ( गुणवृक्षक ) नावचांधने का खूटा                                     | १५      | ८६ ( गुह्यकेरवर ) कुवेर                                   |
| २६३   | ८८ ( गुणित ) गुणाहुआ   | २६३     | ८६ ( गुढ ) छिपाहुआ  |
| २६३   | ८९ ( गुणित ) धूलिलपेटा हुआ   | १५२     | ७ ( गुढपात् ) सप्य, सांप                                  |
| १४३   | ७३ ( गुद ) गुंदा   | १७७     | १३ ( गुढपुरुष ) जासूस, चार                                |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १४२   | ६८ ( गूथ ) गूह                                 | ६५    | ४ ( गो ) गौ, बैल, स्वर्ग,                     |
| २५५   | ९६ ( गून ) हगाहुआ                              |       | तीर, पशु, वाणी, वज्र,                         |
| १०९   | १४८ ( गृञ्जन ) लहसुन                           |       | दिशा, आंखि, किरण,                             |
| २४७   | २२ ( गृध्नु ) लोभी                             |       | पृथ्वी, जल                                    |
| ११९   | २२ ( गृध्र ) गिद्ध                             | ९९    | ९९ ( गोकण्टक ) गोखुरू                         |
| ३५५   | १० ( गृध्रसी ) वातरोगत्रि-<br>शेष, गंठियाबाई   | ११६   | ११ ( गोकर्ण ) अँगूठे से ले<br>कर अनामिकातक का |
| ११०   | १५१ ( गृष्टि ) विलाईकन्द                       |       | धीता, हरिणविशेष                               |
| ७०    | ४ ( गृह ) घर, स्त्री                           | ६५    | ८४ ( गोकर्णी ) चिनार जि-<br>—सका धनुष बनताहै  |
| ११७   | १३ ( गृहगोधिका ) छपकी,<br>विस्तुइया            | २१७   | ५८ ( गोकुल ) गौओंका<br>समूह                   |
| १७८   | १५ ( गृहपति ) अन्नदाता,<br>मोदी                | ९८    | ९९ ( गोक्षुरक ) गोखुरू                        |
| २४८   | २७ ( गृहयालु ) लेनेवाला                        | ३३    | ८ ( गोचर ) इन्द्रियों का<br>विषय              |
| ३६२   | ३० ( गृहस्थूण ) घरकीथून्ही                     | १०३   | ११९ ( गोजिह्वा ) गोभी                         |
| १६८   | ३६ ( गृहागत ) मेहमान                           | १११   | १५६ ( गोडुंवा ) डोंडककरी                      |
| ७७    | १ ( गृहाराम ) घरके पास<br>यनाहुआ वाग           | ३५८   | १८ ( गोण्ड ) तोंदी, नीच-<br>जातिविशेष         |
| ७२    | १३ ( गृहावग्रहणी ) घरकी<br>डेहरी               | ७४    | १ ( गोत्र ) वंश, नाम, पर्वत,<br>पहाड़         |
| १६०   | ३ ( गृहिन् ) गृहस्थ                            | ९     | ४३ ( गोत्रभिद्र ) इन्द्र                      |
| १२४   | ४४ ( गृह्यक ) आधीन, पाला<br>हुआ पच्ची, मृग आदि | ६५    | ३ ( गोत्रा ) पृथ्वी, गौओं<br>का समूह          |
| १५९   | १३९ ( मेन्दुक ) गेंद, छोटी<br>तकिया            | २०६   | १४ ( गोदारण ) हर                              |
| ७०    | ४ ( गेह ) घर                                   | २१७   | ५७ ( गोडुह ) अहीर                             |
| ७६    | ८ ( गैरिक ) सोना, गेरू                         | १११   | १५६ ( गोडुग्धा ) जेठजककड़ी                    |
| २२८   | १०४ ( गैरेय ) शिलाजीत वा<br>गेरू               | २१७   | ५८ ( गोधन ) गौओं का<br>समूह                   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १६४   | ८४ ( गोधा ) लोहेका द-<br>स्ताना   |       | स्वामी  |
| १०२   | ११९ ( गोधापदी ) हंसपदी  | २१६   | ५३ ( गोरस ) माठा  |
| १४७   | ६२ ( गोधि ) ललाट  | १४१   | ६५ ( गोर्द ) गुदा   |
| ५९    | २२ ( गोधिका ) गोह   | ३५६   | २० ( गोल ) गोला, वर्तुल                                     |
| २०७   | १८ ( गोधूम ) गोहूँ  | १३३   | ३६ ( गोलक ) पतिके मर-<br>जानेपर छिनारा से                   |
| १०६   | १३२ ( गोनर्द ) मोथा   |       | उत्पन्न पुत्र   |
| ५१    | ४ ( गोनस ) छोटा सांप,<br>घुनहा सांप   | २२९   | १०८ ( गोला ) नेपाली भैन-<br>शिल                             |
| १७६   | ७ ( गोप ) गोकामुहनेवा-<br>ला, गोशालाका स्वामी,<br>बहुत गांवाँका अधि-<br>कारी, ठेकेदार, गन्धरस | ८५    | ३९ ( गोलीढ ) कालीपाढरि                                      |
| २१८   | ६२ ( गोपति ) सांड   | ९९    | १०२ ( गोलोमी ) उजली दूब,<br>जटामासी                         |
| २२८   | १०४ ( गोपरस ) गन्धरस  | ८८    | ५५ ( गोवन्दिनी ) काकुनि                                     |
| ७३    | १५ ( गोपानसी ) छज्जा  | ४     | १९ ( गोविन्द ) विष्णु, गोष्ठा-<br>ध्यक्ष, गोपाली, बृहस्पति  |
| २६८   | १०६ ( गोपायित ) रखाया<br>हुआ  | २१५   | ५० ( गोविप ) गोघर   |
| २१७   | ५७ ( गोपाल ) अहीर   | ३६७   | ४० ( गोशाल ) गौवाँ का<br>स्थान                              |
| १०१   | ११२ ( गोपी ) कालाशाम्ब,<br>स्याह समलर   | १५७   | १३२ ( गोशीर्ष ) जिस में क-<br>मल के समान गन्धहो<br>वह चन्दन |
| ७३    | १६ ( गोपुर ) नगर का फा-<br>टक, मोथा, दरवाजा   | ६८    | १४ ( गोष्ट ) गौवाँका स्थान                                  |
| २३४   | १७ ( गोप्यक ) दास, टहलू   | १६३   | १७ ( गोष्ठी ) सभा   |
| २१७   | ५८ ( गोमत् ) गौओं का<br>स्वामी  | ३०६   | ९३ ( गोप्पद ) गौओं का<br>सेवित देश, गौओं के<br>सुरका गड़हा  |
| २१५   | ५० ( गोमय ) गोघर  | २१७   | ५७ ( गोसंख्य ) अहीर   |
| ११५   | ६ ( गोमायु ) सिधार  | १५०   | १०५ ( गोस्तन ) चार लरका<br>हार                              |
| २१७   | ५८ ( गोमिन् ) गौवाँ का  |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                              |
|-------|--|-------|------------------------------------|
| १००   | १०७ (गोस्तनी) दाख                              | २२३   | ३० (ग्रहपति) सूर्य                 |
| ६८    | १४ (गोस्थानक) गौओं का स्थान                    | २४८   | २७ (ग्रहीत) लेनेवाला               |
| ३     | १५ (गौतम) बौद्धमती                             | ७४    | १९ (ग्राम) गांव, वृन्द, समूह       |
| ११६   | ७ (गौधार) गोहका वच्चा                          | २९४   | ४६ (ग्रामणी) नाऊ, गांव का मालिक    |
| ११६   | ७ (गौधेय) गोहका वच्चा                          | २३२   | ९ (ग्रामतक्ष) गांव का बढ़ई         |
| ११६   | ७ (गौधेर) गोहका वच्चा                          | २८१   | ४३ (ग्रामता) गांवों का समूह        |
| ३४    | १३ (गौर) लाल, उजला, पीला रंग                   | २३२   | ६ (ग्रामाधीन) गांव का बढ़ई         |
| १६८   | ३६ (गौरव) किसी के आने पर आदरपूर्वक उठ खड़ेहोना | ७४    | २० (ग्रामान्त) गांवका समाप्त, परोस |
| ८     | ३७ (गौरी) पार्वती, दशवर्ष की कन्या             | ६७    | ९४ (ग्रामीणा) नील                  |
| ६८    | ३४ (गौष्ठीन) जहां पहिले गौवो का स्थानरहाहो     | ३९    | १९ (ग्राम्य) भांडोंके से बचन, सूअर |
| ३०४   | ८८ (ग्रन्थ) शास्त्र, द्रव्य                    | १७४   | ६१ (ग्राम्यधर्म) मैथुन             |
| ११२   | १६२ (ग्रन्थि) गांठि, पोर                       | ७४    | १ (ग्रवन्) पर्वत, पत्थर            |
| २२९   | ११० (ग्रन्थिक) पिपरामूरि                       | २१६   | ५४ (ग्रस) कौर                      |
| २६२   | १८६ (ग्रन्थित) गुहाहुआ,                        | ५९    | २१ (ग्रह) घरिआर, लेना, ग्रहण       |
| १०६   | १३२ (ग्रन्थिपर्ण) कुकरोंधा                     | ८१    | २१ (ग्रहिन्) कैथा                  |
| ८५    | ३७ (ग्रन्थिल) कटइआ, करील                       | १४६   | ८८ (ग्रीवा) गटई                    |
| ४०    | २० (ग्रस्त) कहीं अचर कहीं पद छूटा, खाया गया    | २८    | १८ (ग्रीष्म) ज्येष्ठ आपाढ़         |
| २६    | ९ (ग्रह) ग्रहण, लेना, आग्रह, हठ, सूर्यादि      | १५०   | १०४ (ग्रेयेक) कण्ठा                |
| १३०   | ५५ (ग्रहणीरुज) संग्रहणी                        | २६९   | १११ (ग्रस्त) खायाहुआ               |
|       |  | २४०   | ४५ (ग्रह) वाजीलगाना                |
|       |  | १३९   | ५८ (ग्रान) रोगवशसे स्त्रीण         |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १३९   | ५८ (ग्लास्तु) रोगवशसे<br>क्षीण   | ४९    | ३३ (घर्म) घाम, पसीना  |
| १४    | १४ (ग्लौ) चन्द्रमा<br>(घं)   | २४६   | २० (घस्मर) खवैया  |
| २११   | ३२ (घट) घड़ा, गगरी<br>(घटना) हाथियों का<br>कतार  | २४    | २ (घस) दिन  |
| २००   | १०७ (घटा) हाथियोंका क-<br>तार,   | १४६   | ८८ (घाटा) गलेकी घांटी,<br>घरियारी   |
| २३६   | २७ (घटीयन्त्र) पानीनिकाल-<br>ने का यन्त्र, रहट, पुर  | १९८   | ९७ (घागिट्ठक) राजाओंके<br>जगाने के लिये घण्टा<br>बजानेवाले                      |
| ३५७   | १८ (घट्ट) घाट  | २०२   | ११५ (घात) मारना   |
| ६६    | १९ (घण्टापथ) राजमार्ग,<br>सड़क   | २४८   | २८ (घातुक) प्राणियों का<br>मारनेवाला, हत्यार,<br>पापी, पराया अनभल<br>चाहने वाला |
| ८५    | ३९ (घण्टापाटलि) काली<br>पांढरि   | ११४   | १६७ (घास) घास   |
| १००   | १०७ (घण्टाखा) सन, सनई  | १४२   | ७२ (घुटिका) पांवकी गांठि,<br>घुटना  |
| १८    | ७ (घन) लोहा पीटनेका<br>हथौरा, चादर, घरिआर<br>का बाजा, करताल, म-<br>ध्यमनाच, बाजा, मु-<br>ग्दर, गझिन, कठिनता,<br>मंजीरा | ३५८   | १८ (घुण) घुन  |
| ५५    | ५ (घनरस) पानी  | ११८   | १६ (घुक) उल्लूपक्षी   |
| १५६   | १३१ (घनसार) कपूर   | २४६   | ३२ (घृणित) जिसके नेत्र<br>निद्रासे घूमतेहों वह<br>पुरुष                         |
| ३१०   | १०९ (घनाघन) इन्द्र, प्राणि-<br>योंका नाश करनेवाला,<br>मत्त हाथी, घरसने<br>वाला भेघ                                     | ४५    | १८ (घृणा) दया, घिनान  |
|       |  | २३    | ३३ (घृणि) किरण  |
|       |  | २१६   | ५२ (घृत) घी, पानी, अमृत   |
|       |  | ११५   | ३ (घृष्टि) सूअर   |
|       |  | १८५   | ४३ (घोटक) घोड़ा   |
|       |  | १४६   | ८९ (घोणा) नाक, घोड़ेकी<br>नाक   |
|       |  | ११५   | ३ (घोणिन) सूअर  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ८४    | ३७ (घोण्टा) वैरके फल,<br>सुपारी   | १८    | ६ ( चक्रवाल ) मण्डल,<br>गुँडरा,लोकालोक पर्वत        |
| ४६    | २० (घोर) भयानक  | १२०   | २४ (चक्राङ्ग) हंस                                   |
| ७४    | २० (घोष) अहीरों का गाँव   | ६५    | ८६ (चक्राङ्गी) कुटकी                                |
| १०२   | ११७ (घोषक ) उजरे फूल<br>वाली तोरई   | ५२    | ७ (चक्रिन्) सांप                                    |
| ३८    | १२ (घोषणा)जोरसेपढ़ना  | २२१   | ७७ (चक्रीवत्) गदहा                                  |
| १४६   | ८९ (घ्राण)नाक,सूँघाहुआ  | ५२    | ७ (चक्षुःश्रवस्)सर्प,सांप                           |
| ३३    | ११ (घ्राणतर्पण)बड़ासुगंध  | १४७   | ९३ (चक्षुस्) आंखि                                   |
| २६४   | ६० (घ्रात)सूँघाहुआ<br>( च )   | २२७   | १०२ (चक्षुष्या) कालासुरमा                           |
| ३४३   | २४० (च)श्लोक का पादपू-<br>रण करना, अन्वाचय,<br>समाहार, इतरेतर, स-<br>मुच्चय | २६०   | ७५ (चञ्चल) चञ्चल                                    |
| १२३   | ३५ (चकोरक) चकोर   | १८    | ९ (चञ्चला) विजुली                                   |
| १६३   | ७८ (चक्र) पहिया, फौज,<br>राज्यादि, चाक, अस्त्र,<br>भँवर                     | ८८    | ५१ (चञ्चु) रेंड़,रेंड़ी,चोंच                        |
| १०५   | १२३ (चक्रकारक) नखनाम<br>गंधद्रव्य, वडनखी                                    | ११८   | १९ (चटक) गवरवा                                      |
| ४     | २० (चक्रपाणि) विष्णु  | ११९   | १९ (चटका) गवरैया                                    |
| १०९   | १४७ (चक्रमर्दक) चकवैड   | २२९   | ११० ( चटकाशिरस् ) पिप-<br>रामूरि                    |
| ११२   | १६० (चक्रला) मोथाविशेष  | २०८   | १८ (चणक) चना  |
| १७५   | २ (चक्रवर्तिन्)महाराजा-<br>धिराज  | २४९   | ३२ (चण्ड) बड़ाक्रोधी                                |
| ११०   | १५३ (चक्रवर्तिनी) चक्रवत  | १०५   | १२८ (चण्डा) धनहरी                                   |
| १२०   | २३ (चक्रवाक) चक्रवा च-<br>कई  | ९३    | ७६ (चण्डात) कनइल                                    |
|       |   | १५४   | ११९ ( चण्डातक ) उटंग<br>लहंगा                       |
|       |   | २३१   | ४ ( चण्डाल ) ब्राह्मणी<br>में शूद्रसे उत्पन्न पुत्र |
|       |   | २३७   | ३२ (चण्डालवल्लकी)किं-<br>गिरी                       |
|       |   | ८     | ३८ (चण्डिका) पार्वती                                |
|       |   | ७१    | ६ (चतुःशाल)चौकोरघट,<br>चौक.                         |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                  |
|-------|--|-------|--|
| २३४   | १६ (चतुर) चतुर   | १४    | ६६ (चपल) पारा, जल्दी,                  |
| ८१    | २३ (चतुरंगुल) अमिल-<br>तास                             |       | विना अपराधके वि-<br>चारे मारनेवाला     |
| ३     | १६ (चतुरानन) ब्रह्मा                                   | १८    | ९ (चपला) विजली, बड़ी<br>पीपरी          |
| १७४   | ६१ (चतुर्भद्र) धर्मादि चतु-<br>र्वर्ग से मिला हुआ धर्म | १४६   | ८४ (चपेट) चटकना                        |
| ४     | २० (चतुर्भुज) विष्णु                                   | ११७   | ११ (चमर) हरिणविशेष                     |
| १७४   | ६१ (चतुर्वर्ग) धर्म अर्थ<br>काम मोक्ष                  | ८१    | २२ (चमरिक) कचनार                       |
| ६६    | १८ (चतुष्पथ) चौराहा                                    | ३६५   | ३५ (चमस) यज्ञकावर्तन,<br>एक योगी       |
| २१९   | ६८ (चतुर्हायनी) चार वर्ष<br>वाली गौ                    | ३५५   | १० (चमसी) यज्ञकावर्तन,<br>प्रणीतापात्र |
| ७२    | १३ (चत्वर) आंगन, यज्ञका<br>चौतरा                       | १९३   | ७८ (चमू) फौज, फौज-<br>विशेष, पृतना     |
| ३४७   | ३ (चन) सवनहीं, थोड़ा                                   | ११६   | १० (चमूरु) हरिणविशेष                   |
| १५७   | १३२ (चन्दन) मलयचन्दन                                   | ६०    | ६३ (चम्पक) चम्पा                       |
| १९    | १३ (चन्द्र) चन्द्रमा, कवीला,<br>कपूर, सोना, सुवर्ण     | ७०    | ३ (चय) छहरदीवार,<br>समूह               |
| १२२   | ३२ (चन्द्रक) मोरके पंखोंमें<br>आँखि के समान चिह्न      | १७७   | १३ (चर) चलनेवाला, जा-<br>सूस           |
| ६२    | ३४ (चन्द्रमागा) नदीविशेष                               | २६४   | ३३ (चरक) वैद्यकके आ-<br>चार्य, ग्रन्थ  |
| १९    | १३ (चन्द्रमस्) चन्द्रमा                                | १४३   | ७१ (चरण) पैर, पाँव                     |
| १०४   | १२४ (चन्द्रवाला) इला-<br>यची                           | ११८   | १७ (चरणायुध) मुर्गा                    |
| ७१    | ६ (चन्द्रशाला) अटारी,<br>कोठा                          | २६१   | ८१ (चरम) अन्तिम, पा-<br>छिल            |
| ७     | ३१ (चन्द्रशेखर) शिव                                    | ७५    | २ (चरमदमाभृत्) अस्ता-<br>चल            |
| १९६   | ८९ (चन्द्रहास) तलवार<br>(चन्द्रिका) उजेरिआ             | २६०   | ७४ (चराचर) चलनेवाला                    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २६०   | ७४ (चरिष्णु) चलनेवाला                           | १६७   | ९६ (चलित) चली हुई फौज,   |
| १६५   | २४ (चरु) अग्निमें हवन करने की जाउरि, खीर        | ९८    | ९८ (चविक) चाव  |
| २५५   | १० (चर्चरी) तारीबजाना                           | ६८    | ६८ (चव्य) चाव  |
| ३१    | २ (चर्चा) विचार, चन्दनादिका लेपन                | २४०   | ४३ (चपक) दारूपीनेका वर्तन  |
| १०८   | १४३ (चर्मकपा) विशेष सें-हुड़ा                   | १६४   | २० (चपाल) यज्ञके खम्भके ऊपर कंकण सदृश जो काष्ठहोताहै उसका नाम, घरियारी |
| २३१   | ७ (चर्मकार) चमार                                | १९८   | ९७ (चाक्रिक) राजाओंके जगानेके लिये घण्टा चजानेवाला                     |
| १७१   | ५० (चर्मन्) मृगचर्म, ढाल                        | १०७   | १४० (चाङ्गेरी) अँमलोनियों  |
| २३८   | ३५ (चर्मप्रभेदिका) चमड़ा काटने का हथियार, राँपी | ११९   | १६ (चाटकैर) गवरैयाका चञ्चा   |
| २३७   | ३३ (चर्मप्रसेविका) भाटी, खलाय                   | २३७   | ३२ (चाण्डालिका) किंगिरी  |
| ८६    | ४६ (चर्मिन्) भोजपत्र, ढाल धारण करनेवाला         | ११८   | १८ (चातक) चातक   |
| ११८   | ३८ (चर्या) ध्यानादिक्रिया, मौनमें रहना          | १५९   | • २ (चातुर्वर्ष्य) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र                    |
| २६२   | ११० (चर्वित) खायाचवाया हुआ (चर्षणी) छिनारि      | १९४   | ८३ (चाप) धनुष  |
| २६०   | ७४ (चल) चञ्चल                                   | १८१   | ३१ (चामर) चँवर   |
| ८१    | २० (चलदल) पीपर                                  | २२६   | ९५ (चामीकर) सोना, सुवर्ण   |
| २६०   | ७४ (चलन) कॉपना, कॉपनेवाला                       | ६०    | ६३ (चाम्पेय) चम्पा, नागकेसर  |
| २६०   | ७४ (चनाचल) चञ्चल                                | १७७   | १३ (चार) बौधन, जासूस   |
|       |   | १०९   | १४६ (चास्टी) रुपीला  |
|       |   | २३३   | १४ (चारण) रुधिक  |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २५५   | ५२ (चारु) सुन्दर,                                   | ३५    | १७ (चित्र) चितकावररंग,                            |
| १५५   | १२३ (चार्विक्य) चन्दनादि<br>का अंगमें लेपन          | ८८    | ५१ (चित्रक) चीनवृक्ष,<br>रेंडी, रेंड, माथे में ल- |
| २८१   | ४३ (चार्माण) चमड़ा वा<br>ढालोंका समूह               |       | गायाहुआ तिलक                                      |
| १६१   | ८ (चार्याक) वौद्धमताव-<br>लम्बी                     | २३१   | ७ (चित्रकर) तसवीर<br>खींचनेवाला                   |
| २०९   | २६ (चालनी) चलनी                                     | ११५   | २ (चित्रकाय) सिंह                                 |
| ११८   | १७ (चाप) नीलकंठ                                     | ८२    | २७ (चित्रकृत्) तिनिस,<br>तेंदुआ वृक्ष             |
| १३८   | ५७ (चिकित्सक) वैद्य                                 | १००   | १०६ (चित्रतण्डुला) वायु-<br>भिरग                  |
| १३७   | ५० (चिकित्सा) रोगकीशा-<br>न्तिका उपाय, इलाज<br>करना | ६७    | ६२ (चित्रपर्णी) सिंहपुच्छी                        |
| १४८   | ९५ (चिकुर) वार, विना<br>अपराधविचारे मारने<br>वाला   | १३    | ५७ (चित्रभानु) आग्नि,<br>सूर्य                    |
| २१४   | ४६ (चिकण) चिकना                                     | २१    | २४ (चित्रशिखरिडज) वृ-<br>हस्पति                   |
| ३६५   | ३५ (चिकस) यज्ञपात्र                                 | २२    | २७ (चित्रशिखरिडन्) म-<br>सर्षि                    |
| ८६    | ४३ (चिञ्चा) अमिली                                   | ६५    | ८७ (चित्रा) मूसरि, जेठ-<br>ऊ ककरी                 |
| ३१    | १ (चित्) बुद्धि, थोडा                               | ४८    | २६ (चिन्ता) स्मरण                                 |
| २०२   | ११७ (चिता) चिता                                     | २१४   | ४७ (चिपिटक) चिउरा                                 |
| २०२   | ११७ (चिति) चिता                                     | १४७   | ६० (चिवुक) दाढ़ी                                  |
| ३१    | ३१ (चित्त) मन                                       | २४५   | १७ (चिरक्रिय) कार्य में<br>देर करनेवाला           |
| ४७    | २६ (चित्तविभ्रम) पागल<br>पना                        | ११६   | २२ (चिरञ्जीविन्) कौआ                              |
| ४६    | २२ (चित्तसमुन्नति) सन्मान                           | १२७   | ९ (चिरगटी) थोड़ेही काल<br>की व्याही स्त्री        |
| ३१    | २ (चित्ताभोग) सुखकी<br>इच्छा                        |       |   |
| ००२   | ११७ (चित्या) चिता                                   |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                       | पृष्ठ | श्लोक                       |
|-------|-----------------------------|-------|-----------------------------|
| २६०   | ७७ ( चिरन्तन ) पुराना       | ८४    | ३३ ( चूत ) ऑवका वृक्ष       |
| ३४७   | १ ( चिररात्राय ) बहुतकाल    | १५७   | १३५ ( चूर्ण ) सुगन्धद्रव्य  |
| ८७    | ४७ ( चिरविल्व ) कंजा        |       | का चूर्ण, चून               |
| १२०   | ७९ ( चिरसूता ) बकैनिगौ      | १४८   | ९६ ( चूर्णकुन्तल ) टेढ़ेबाल |
| ३४७   | १ ( चिरस्य ) बहुतकाल        | ३५५   | ९ ( चूर्ण ) चूर्ण बनाना,    |
| ३४७   | १ ( चिराय ) बहुतकाल         |       | चूली                        |
| ५८    | १८ ( चिलिचिम ) झिङ्गा       | १८३   | ३८ ( चूलिका ) हाथी के       |
|       | मछरी                        |       | कानों की जड़                |
| ११९   | २२ ( चिल्ल ) चोंधरी आं-     | २३४   | १७ ( चेटक ) दास, टहलू       |
|       | खिवाला, चील्ह               | ३४९   | १२ ( चेत ) पचान्तर          |
| २०    | १७ ( चिह्न ) चीन्ह          | ९९    | ५९ ( चेतकी ) हर्            |
| ११६   | १० ( चीन ) हरिणविशेष        | ३०    | ३० ( चेतन ) जीव             |
| ३६३   | ३१ ( चीर ) कपड़ा            | ३१    | ३१ ( चेतना ) बुद्धि         |
| १२१   | २८ ( चीरी ) झींगुर          | ३१    | ३१ ( चेतस् ) मन             |
| १२१   | २८ ( चीरुका ) झींगुर        | १५३   | ११५ ( चेल ) बख, कपड़ा,      |
| ३६३   | ३१ ( चीवर ) मुनियोंकावस्त्र |       | अधम                         |
| १०८   | १४१ ( चुक ) चूरु एरुप्रकार  | ७१    | ७ ( चैत्य ) यज्ञ का घर      |
|       | की खटाई, अभिलवेत            | २७    | १५ ( चैत्र ) चैतमास         |
| १०७   | १४० ( चुक्रिका ) अमलोंनियां | १५    | ७१ ( चैत्रथ ) कुवेर का      |
| १४०   | ६० ( चुल्ल ) चोंधरी ओंखि    |       | वगैचा                       |
|       | वाला                        | २७    | १५ ( चैत्रिक ) चैतमास       |
| २१०   | २९ ( चुल्लि ) चूल्हिया      | १५३   | ११५ ( चैल ) कपड़ा           |
| १४४   | ७७ ( चुचुक ) चूँचीकी छे-    | १०६   | १३४ ( चोंच ) तज, खाये       |
|       | पुनी                        | ३६२   | ३० फलका शेष                 |
| १२२   | ३२ ( चूडा ) मोरकीचोटी,      | १०४   | १२६ ( चोरपुष्पी ) शंखाकौड़ी |
|       | चोटी                        | १५३   | ११८ ( चोल ) अंगिआ, चोली     |
| १५०   | १०२ ( चूड़ामणि ) चोटी का    | २३५   | २४ ( चौर ) चोर              |
|       | मणि                         | २३६   | २५ ( चौरिका ) चोरी          |
| ११२   | १६० ( चूड़ाला ) मोक्षाविशेष | २३६   | २५ ( चौर्य ) चोरी           |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २६७   | १०४ (च्युत) चुआ, गिरा<br>( छ )                              | १६०   | ६ (छान्दस्) वैदिक, वेद<br>को जाननेवाला                    |
| २२१   | ७६ (छगलक) वकड़ा   | ३२१   | १५७ (छाया) सूर्य की स्त्री,<br>कान्ति, छाया, छहर,<br>पछाई |
| १०७   | १३७ (छगलान्त्री) विधारा                                     |       |   |
| १८२   | ३२ (छत्र) छाता--छतुरी                                       | २६७   | १०३ (छित) काटाहुआ   |
| ९९    | १०५ (छत्रा) सौंफ, पानीका<br>खर, धनियाँ                      | ५११   | २ (छिद्र) विल   |
| १०२   | ११५ (छत्राकी) रासनि   | २६६   | ६६ (छिद्रित) छेदाहुआ                                      |
| ८०    | १४ (छद) पत्ता, पंख  | २६७   | १०३ (छिन्न) काटाहुआ.                                      |
| ८०    | १४ (छदन) पत्ता  | ६४    | ८२ (छिन्नरुहा) गुर्घ                                      |
| ७३    | १४ (छदि) छावना  | १६६   | ९२ (छुरिका) छूरी  |
| ४८    | ३० (छडान्) कपट, छल  | १२४   | ४४ (छेक) पलुआ पच्ची<br>मृगआदि                             |
| २७५   | २० (छन्द) आशय, वंग,<br>श्लोक, इच्छा, गायत्री<br>आदि वृत्त   | २७१   | ७ (छेदन) काटना<br>( ज )                                   |
| १६५   | २४ (छन्दस्) आशय, वंग,<br>श्लोक, इच्छा, गायत्री<br>आदि वृत्त | ६६    | ७ (जगत्) लोक, जंगम  |
| १८०   | २२ (छन्न) एकान्त, छाया<br>हुआ                               | ६५    | ४ (जगती) लोक, छन्दो-<br>विशेष, पृथ्वी                     |
| २००   | १०८ (छल) छल, धोखादेना                                       | १४    | ६४ (जगत्प्राण) वायु, व-<br>यारि, हवा                      |
| २०    | १७ (छवि) शोभा, कान्ति                                       | १९०   | ६४ (जगर) कवच, वखतर  |
| २२१   | ७६ (छाग) वकड़ा  | २४०   | ४२ (जगल) दारुका का-<br>ढा, मदिरा का कल्क                  |
| २२१   | ७६ (छागी) वकड़ी   | २६९   | १११ (जग्ध) खायाहुआ  |
| १३६   | ४४ (छात) दुर्बल, काटा<br>हुआ                                | २१६   | ५५ (जग्धि) खाना, भोजन<br>करना                             |
| १६२   | १३ (छात्र) विद्यार्थी<br>(छादन) शौपना                       | १४३   | ७४ (जघन) स्त्री की पेठ<br>तोंदी                           |
| २६६   | ६८ (छादित) छायाहुआ  | ९०    | ६१ (जघनेफला) कटूवरि                                       |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| २६१   | ८१ (जघन्य) अन्तिम, प-<br>छिला, अधम, लिंग<br>इन्द्रिय     | १४४   | ७८ (जत्रु) कन्धा और<br>शिरकी सन्धि, हँसिया  |
| १३५   | ४३ (जघन्यज) छोटाभाई,<br>शूद्र                            | ४४    | १२ (जनक) पिता, बाप  |
| २६०   | ७४ (जंगम) चलनेवाला                                       | २३४   | २० (जनंगम) चाण्डाल  |
| २६०   | ७३ (जंगमेतर) स्थावर, वृ-<br>क्षादि                       | २८१   | ४३ (जनना) जनों का<br>समूह   |
| १४३   | ७२ (जंघा) जांघ   | ३०    | ३० (जनन) वंश, सन्तति,<br>जन्म   |
| १९२   | ७३ (जंघाकरिक) हरकारा                                     | १३२   | २६ (जननी) माता  |
| १९२   | ७३ (जंघाल) जल्द चलने<br>वाला, हरकारा                     | ६७    | ९ (जनपद) देश  |
| ७९    | ११ (जटा) वृक्षकी जड़,<br>लिपेटेवार, जटा                  | १३२   | २९ (जनयित्री) माता  |
| १०६   | १३४ (जटामांसी) जटा-<br>मांसी                             | ३७    | ७ (जनश्रुति) अपयश,<br>वदनामी  |
| १०६   | १३४ (जटिला) जटामांसी                                     | ४     | १९ (जनार्दन) विष्णु   |
| ८३    | ३२ (जटी) पकरिया  | ७२    | ९ (जनाश्रय) मण्डप   |
| १३७   | ४६ (जटुल) जिसके अंग<br>में लशुनाकार चिह्न हो<br>वह पुरुष | ३०    | ३० (जनि) जन्म, उत्पत्ति   |
| १४४   | ७७ (जठर) पेट, कठिन,                                      | ११०   | १४३ (जनी) चक्रवर्त, पुत्र<br>की स्त्री  |
| २०    | १६ (जड) ठगड़, मूर्ख                                      | ३०    | ३० (जनुस्) जन्म   |
| ६५    | ८६ (जडा) क्यवांच   | ३०    | ३० (जन्तु) प्राणी, जीव  |
| १५५   | १२५ (जतु) लाह, लाख                                       | ८१    | २२ (जन्तुफल) गूलरि  |
| २१३   | ४० (जतुक) हींग   | ३०    | ३० (जन्मन्) जन्म  |
| १२०   | २७ (जतुका) चमगूदरि                                       | ३०    | ३० (जन्मिन्) प्राणी, जीव  |
| ११०   | १५३ (जतुकृत) चक्रवर्त                                    | १७४   | ६१ (जन्य) वरके मित्र, ह-<br>मजोलीवाले, वराती,<br>मनुष्यों की निन्दित<br>वतकही, संग्राम, लड़ाई |
| ११०   | १५३ (जतूका) चक्रवर्त                                     | ३०    | ३० (जन्यु) जन्मी, प्राणी  |
|       |  | १७१   | ५० (जप) वेदाभ्यास   |

| पृष्ठ | श्लोक                                    |  | पृष्ठ | श्लोक                                       |
|-------|--|--|-------|---|
| ९३    | ७६ (जपापुष्प) गुडहर का फूल               |  | २५४   | ५० (जरायुज) मनुष्य पशु आदि                  |
| १३४   | ३८ (जम्पती) स्त्री-पुरुष                 |  | ५५    | ३ (जल) पानी                                 |
| ५६    | ६ (जंवाल) घोदा, कीचड़                    |  | ८२    | २८ (जलज)पहाड़ी, जल-महुआ, कमल, चन्द्रमा      |
| ८२    | २४ (जम्बीर) जंभीरी नींबू                 |  | ५९    | २० (जलजन्तु) जलकेजीव                        |
| ८१    | ६६ (जम्बु) जामुनि, फरेंदा का फल          |  | १८    | ७ (जलधर) वादर, मेघ                          |
| ११५   | ६ (जम्बुक) सिआर, वरुण                    |  | ५४    | २ (जलनिधि) समुद्र                           |
| ८१    | १९ (जम्बू) जामुनि, फरेंदा का फल          |  | ५५    | ७ (जलनिर्गम) भवैर, जल निकलने की नाली, नरदहा |
| ८२    | २४ (जम्भ) जंभीरी नींबू                   |  | ६३    | ३८ (जलनीली) सेवार                           |
| १०    | ४४ (जम्भेदिन्) इन्द्र                    |  | ३६०   | २३ (जलपुष्प) कई कमल आदि                     |
| ८२    | २४ (जम्भल) जंभीरीनींबू                   |  | ६७    | ११ (जलप्राय) बहुत जल वाला देश               |
| ८२    | २४ (जम्भीर) जंभीरीनींबू                  |  | १८    | ७ (जलमुच्) वादर, मेघ                        |
| ९१    | ६६ (जय) जीति, अरणी                       |  | ५१    | ५ (जलव्याल) जलका सांप                       |
| २७३   | १२ (जयन) जीति                            |  | ६०    | २५ (जलाधार) ताल                             |
| १०    | ४७ (जयन्त) इन्द्र का पुत्र               |  | ६०    | २५ (जलाशय) ताल, गोंडर की जड़                |
| ९०    | ६५ (जयन्ती) जाही                         |  | ५९    | २३ (जलशुक्ति) सूती                          |
| ६०    | ६५ (जया) जाही, अरणी                      |  | ५६    | १० (जलोच्छ्वास) वहानार, पऊ                  |
| १९२   | ७४ (जय्य) जिसको जीत सकें                 |  | ५९    | २२ (जलौकस्) जोंक                            |
| २१२   | ३६ (जरण) जीरा                            |  | ५९    | २२ (जलौका) जोंक                             |
| १३५   | ४२ (जस्त) बूढ़ा                          |  | २५०   | ३६ (जल्पाक) अनुचित बोलनेवाला                |
| २१८   | ६१ (जरद्व) बूढ़ाबैल                      |  |       |   |
| १३५   | ४१ (जरा) बुढ़ापा                         |  |       |   |
| १३४   | ३८ (जरायु) ओझरी जिस से गर्भ बँधा रहता है |  |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                                     | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २६८   | १०७ (जल्पित) कहाहुआ                       | २१८   | ६१ (जातोक्ष) कलोर  |
| १४    | ६५ (जव) वेगवाला, ज-<br>ल्दी, शीघ्र        | १४३   | ७२ (जानु) घुट्टून  |
| १८५   | ४५ (जवन) बड़ेवेगवाला,<br>- जल्दबाज        | २३२   | ११ (जावाल) गड़रिया                                       |
| १५४   | १२० (जवनिका) कनात<br>(जवा) गुड़हर         | १३३   | ३२ (जामातृ) दामाद  |
| १८५   | ४५ (जवाधिक) बड़े वेग-<br>वाला             | ३१८   | १४२ (जामि) बहिन, कुल<br>की स्त्री                        |
| ६१    | ३१ (जद्गुतनया) गंगा                       | ८१    | १९ (जाम्बव) जामुनि, फ-<br>रेंदा का फल                    |
| २७५   | १६ (जागर) क्वेच, जागना                    | २२६   | ६५ (जाम्बूनद) सोना, सुवर्ण                               |
| २७५   | १९ (जागरा) जागना                          | १५५   | १२६ (जायक) पीलाचन्दन                                     |
| २४९   | ३२ (जागरितृ) जागनेवाला                    | १२६   | ६ (जाया) स्त्री  |
| २४९   | ३२ (जागरूक) जागनेवाला                     | २३३   | १२ (जायाजीव) नट, वे-<br>ड़िया                            |
| २७५   | १६ (जागर्या) जागना                        | १३४   | ३८ (जायापति) स्त्री-पुरुष                                |
| ५३    | ११ (जांगुलिक) विषवैद्य                    | १३७   | ५० (जायु) दवाई, इलाज                                     |
| १६२   | ७३ (जाधिक) हलकारा                         | १३३   | ३५ (जार) दूसरापति, छिनार                                 |
| ३१    | ३१ (जात) जाति                             | १३३   | ३६ (जारज) छिनारा से<br>उत्पन्न पुत्र                     |
| १२    | ५४ (जातवेदस्) आगि                         | ५८    | १८ (जाल) जाल, समूह,<br>खिड़की, कुछ फूली                  |
| २२६   | ९५ (जातरूप) सोना, सुवर्ण                  |       | हुईकली, दम्भ   |
| १२६   | १६ (जातापत्या) प्रसूता,<br>सौरिहाई स्त्री | ८०    | १६ (जालक) नईकली  |
| ३१    | ३१ (जाति) जाति, चमेली<br>सामान्य, जन्म    | २३३   | १४ (जालिक) जालसे<br>शिकार करनेवाला,<br>व्याध, मल्लाह     |
| ८१    | १९ (जाती) जातीफल                          | १०२   | ११८ (जाली) चिचिड़ा                                       |
| १५७   | १३३ (जातीफल) जायफर                        | २३३   | १६ (जाल्म) नीच, अवि-<br>चारी, विना विचार<br>काम करनेवाला |
| १५७   | १३३ (जातीकोश) जायफर                       |       |  |
| ३४७   | ४ (जातु) रुदाचित, कभी                     |       |  |
| २३६   | २९ (जातुप) लाहकी वस्तु                    |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक                                   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ९६    | ९० (जिह्वी) मैजीठ                       |       | मूरि  |
| २४६   | २० (जिघत्सु) भूखा                       | ६४    | ८२ (जीवन्तिका) योंदा, गुर्च                           |
| १९३   | ७७ (जित्वर) जीतनेवाला                   | १०८   | १४२ (जीवन्ती) डोड़ी,<br>जीवन्ती                       |
| ३८    | १३ (जिन) बुद्ध                          | १०८   | १४२ (जीवा) डोड़ी, जीवन्ती                             |
| ६     | ४३ (जिष्णु) इन्द्र, जीतने<br>वाला       | २०३   | २० (जीवातु) सजीवन-<br>मूरि, जिलाना                    |
| २५९   | ७१ (जिह्व) टेढ़ा, कुटिल,<br>आलसी        | २३३   | १४ (जीवान्तक) चिड़ी-<br>मार                           |
| ५२    | ८ (जिह्वग) साँप, सर्प                   | २०३   | १ (जीविका) जीविका,<br>रोजगार                          |
| १४७   | ९१ (जिह्वा) जीभ, जवान                   | २०३   | २० (जीवितकाल) उजर,<br>आयु                             |
| १३५   | ४२ (जीन) वृद्धापुरुष                    | ३८    | १३ (जुगुप्सा) निन्दा                                  |
| १८    | ७ (जीमूत) बादर, मेघ,<br>वन्दाल, पर्वत   | १०७   | १३८ (जुह) विधारा                                      |
| २१२   | ३६ (जीरक) जीरा                          | १६६   | २७ (जुहू) जुवाविशेष                                   |
| १३५   | ४२ (जीर्ण) वृद्धापुरुष                  | २८०   | ३६ (जूति) वेग   |
| १५३   | ११५ (जीर्णवस्त्र) पुराना<br>कपडा        | २८०   | ३६ (जूति) ज्वर  |
| २७२   | ९ (जीर्णि) पुरानापना<br>बुढ़ापा         | ५०    | ३५ (जृम्भ) जमुहाई                                     |
| २१    | २४ (जीव) बृहस्पति, प्राणी,              | ५०    | ३५ (जृम्भण) जमुहाई                                    |
| ८६    | ४४ (जीवक) विजयसार,<br>जीवक              | १६२   | ७४ (जेतु) जीतनेवाला,<br>शत्रुके ऊपर चढ़ाई<br>करनेवाला |
| १२२   | ३५ (जीवन्जीव) चकोर                      | २१७   | ५६ (जेमन) भोजन  |
| ५५    | ३ (जीवर्न) पानी, जी-<br>विका, प्राणधारण | १९२   | ७४ (जेय) जीतने के योग्य                               |
| १०८   | १४२ (जीवनी) डोड़ी, जीवन्ती              | १९२   | ७४ (जैत्र) शत्रुके ऊपर<br>चढ़ाई करनेवाला              |
| १०८   | १४२ (जीवनीया) डोड़ी,<br>जीवन्ती         | १६०   | ७ (जैमिनीय) भीमांसा<br>जाननेवाला                      |
| २०३   | २० (जीवनौषध) सजीवन                      |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| ११९   | १४ (जैवातृक) रङ्गी उमर<br>वाला, चन्द्रमा, कुश                           | २०    | १६ (ज्योत्स्ना) चाँदनी,<br>उजेरिआ                        |
| १५६   | १२७ (जोगज) गूगुर  | २५    | ५ (ज्योत्स्नी) उजेरीरात,<br>चिचिङ्गा                     |
| ३४५   | २५० (जोपम्) सुख, चुप-<br>चाप रहना                                       | १७८   | १४ (ज्यौतिपिक) ज्योतिपी                                  |
| १६०   | ५ (ज्ञ) पण्डित  | १३९   | ५६ (ज्वर) ज्वर, बुखार                                    |
| २६६   | ९८ (ज्ञपित) जानाहुआ   | १२-   | ५४ (ज्वलन) आगि   |
| २६६   | ९८ (ज्ञप्त) जानाहुआ   | १३    | ५८ (ज्वाला) आगि की<br>ज्वाला                             |
| ३१    | १ (ज्ञप्ति) बुद्धि  |       | (क)  |
| १७८   | १५ (ज्ञानसिद्धान्त) शास्त्री  | १०४   | १२७ (भ्रामला) भूमिआ-<br>मला अँवरी                        |
| १३३   | ३४ (ज्ञाति) जातिवाला  | ३४७   | २ (भ्रष्टति) जल्दी, शीघ्र                                |
| २४९   | ३० (ज्ञातृ) जाननेवाला   | ७५    | ५ (भ्र) झरना   |
| १३३   | ३५ (ज्ञातेय) जातिवालों<br>का भाव वर्त्तव                                | ४३    | ८ (भ्रर्भर) वाजाविशेष                                    |
| ३२१   | ६ (ज्ञान), मोक्षबुद्धि  | ३५५   | १० (भ्रक्षरी) भ्रालरि, हुडुक                             |
| १७८   | १४ (ज्ञानिन्) ज्योतिपी  | ५८    | १९ (भ्रप) मछली   |
| ६५    | २ (ज्या) पृथ्वी, रोदा   | १०२   | ११७ (भ्रपा) ककहीका वृक्ष,<br>नागवला                      |
| २७२   | ६ (ज्यानि) पुरानापना,<br>बुढ़ापा  | ८८५   | ३९ (भ्राटल) कालीपॉढरि                                    |
| १३५   | ४३ (ज्यायस्) बहुत वर्ष<br>वाला, बूढ़ा, स्तुतिक-<br>रनेके योग्य, श्रेष्ठ | ३६६   | ३८ (भ्राटलि) मोर, वृक्ष                                  |
| २७    | १६ (ज्येष्ठ) अति श्रेष्ठ,<br>ज्येष्ठमहीना                               | ८५    | ४० (भ्रावुक) झाऊ   |
| १२१   | २३ (ज्योतिरिहण) जुगुनू  | ९३    | ७५ (भ्रियटी) पिपावाला                                    |
| १०९   | १५० (ज्योतिष्मती) माल-<br>काँगनी  | १२१   | २६ (भ्रिलिका) झाँगुर                                     |
| ३४०   | २२९ (ज्योतिस्) नक्षत्र, प्र-<br>काश, दृष्टि                             | १२१   | २९ (भ्रीरुका) झाँगुर<br>(ट)                              |
|       |   | २३८   | ३४ (टंक) पत्थरफोड़ने<br>की टॉकी, अहंकार को<br>तोड़नेवाला |



| पृष्ठ | श्लोक                                 | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---------------------------------------|-------|---|
| १२३   | ३६ (टिट्टिभक) टिट्टिहिरी              |       | ना, बहुत समासवाला   |
| ३५४   | ७ (टीका) कठिनशब्दों का अर्थ           |       | वाक्य, वृत्तकी जांघा, मायाआधिक्य, उपताप                   |
| ८९    | ५६ (दुग्दक) सरिवन ( ङ )               | १००   | १०६ (तण्डुला) वायुभिरंग                                   |
| २७३   | १४ (डमर) लूटना                        | १०६   | १३६ (तण्डुलीय) चौराई                                      |
| १३    | ८ (डमरु) डमरुवाजा                     | ४२    | ४ ( तत ) वीणा, वाजा, चौड़ाई, फैलाव                        |
| १८७   | ५२ (डयन) डोला, जनाना रथ, जनानी गाड़ी  | ३४७   | ३ (ततस्) हेतु, कारण                                       |
| ८६    | ६० (डहु) बड़हर                        | १८१   | २६ (तत्काल) वर्तमानकाल                                    |
| ४३    | ८ (डिण्डिम) वाजाविशेष                 | २५६   | १६ ( तत्क्रिय ) विना तन-स्वाह काम करनेवाला, हूड़ करनेवाला |
| २७३   | १४ (डिम्ब) लूटना                      | २४३   | ९ (तत्पर) किसी विषयमें लगे चित्तवाला                      |
| १२३   | ३६ (डिम्भ) बालक, मूर्ख                | ४३    | ९ (तत्त्व) धीरे २ नाचना, समता                             |
| १३५   | ४१ (डिम्भा) आति छोटी कन्या            | ३१८   | ९ (तथा) तैसाही, समता                                      |
| ५१    | ५ (डुग्दुभ) डेंडहा साँप ( ङ )         | ३     | १३ (तथागत) धौद्ध  |
| ४२    | ६ (ढका) डोल, डंका ( त )               | ४०    | २२ (तथ्य) सत्य  |
| २१६   | ५३ (तक) माछा, जिसमें चौथाई पानीमिलाहो | २५२   | २२ (तदा) तब   |
| २८२   | ४(तक्षक)साँपविशेष, बड़ई               | १८१   | २९ (सदात्व) वर्तमानकाल                                    |
| २३२   | ९ (तक्षन्) बड़ई                       | ३५२   | २२ (तदानीम्) तब   |
| ५५    | ७ (तट) तीर, किनारा                    | १३१   | २७ (तनय) पुत्र  |
| ६१    | ३० (तटिनी) नदी                        | १४२   | ७१ (तनु) देह, मिर्ही, पतला, खाल, धिरल                     |
| ६०    | २८ (तडाग) ताल                         | १९०   | ६४ (तनुत्र) केंच, घखतर                                    |
| १८    | ६ (तडित्) विजुली                      | १४२   | ७१ (तनु) देह  |
| १८    | - ७ (तडित्त्वत्) मादर, मेघ            | २६६   | ६६ (तनूकृत) पतल किया, छोला                                |
| ३६४   | ३३ (तण्डरु) खंडरेचा, फे-              |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                    |
|-------|--|-------|--|
| १२    | ५४ (तनूनपात्) आगि  | ५१    | २ (तमिस्र) अन्धेरा                       |
| १२३   | २७ ( तनूरुह ) पंख, पक्ष,<br>रोम, रोंवां                                    | २५    | ५ (तमिस्रा) अन्धेरीरात                   |
| २३६   | २८ (तन्तु) सूत   | २५    | ४ (तमी) रात                              |
| २०७   | १७ (तन्तुभ) सरसौ   | २०५   | ८९ ( तमोनुद् ) चन्द्रमा,<br>आगि, सूर्य्य |
| ११७   | १४ (तन्तुवाय) मकरी, को-<br>री, ज्वलाहा                                     | २४२   | २२७ ( तमौपह ) चन्द्रमा,<br>आगि, सूर्य्य  |
| ३२८   | १८४ (तन्त्र)स्वाधीत, तन्त्र<br>शास्त्र, ज्वलाहा, बल्ल,<br>कुटुम्ब का कार्य | ११५   | २ (तरक्षु) चीता, तेंदुआ                  |
| १५२   | ११२ (तन्त्रक) नवावस्त्र  | ५५    | ५ (तरंग) लहर                             |
| ६४    | ८२ (तन्त्रिका) गुर्च   | ६१    | ३० (तरंगिणी) नदी                         |
| ५०    | ३७ (तन्त्री) निद्रा, आलस्य,<br>भ्रमसे मुरझाना,                             | १८४   | ४२ (तरण) हाथीकी झूल                      |
| २८    | १९ (तप) धीप्मभ्रतु   | १३    | ३० (तरणि) सूर्य्य, धीकु-<br>मारि, नाव    |
| २३    | ३१ ( तपन ) सूर्य्य, नरक-<br>विशेष  | ५६    | ११ (तरपण्य) खेवा, उतराई                  |
| २२६   | ६४ (तपनीय) सोना, सुवर्ण  | १५०   | १०२ (तरल) चञ्चल, हारके<br>बीचकी बड़ीमणि  |
| २७    | १५ (तपस्) माघमास, कृच्छ्र<br>सान्तपनादि घत                                 | २१५   | ५० (तरला) लप्सी, पनिहा<br>भात            |
| २७    | १५ (तपस्य) फागुन मास,  | १४    | ६५ (तरम्) वेग, पराक्रम,<br>घल            |
| १७०   | ४५ (तपस्विन्) तपस्वी   | १४०   | ६३ (तरस) मांस                            |
| १०६   | १३४ (तपस्विनी) जटामासी   | १६२   | ७३ (तरस्विन्) जन्दवाज,<br>वेगयाला, शरवीर |
| २२    | २६ (तमम्) राहु, अन्धेरा,<br>गुणविशेष                                       | ५६    | १० (तरि) नाव                             |
| २५    | ४ (तमस्विनी) रात   | ७७    | ५ (तरु) पृथ                              |
| ९१    | ६८ (तमाल) तमालवृक्ष,<br>तमारवृ   | १३५   | ४२ (तरुण) युवा, जवान                     |
| १५५   | १२४ (तमालपत्र) तिलकवृक्ष   | १२७   | ८ (तरुणी) नवान स्त्री                    |
|       |  | ३१    | ३ (तर्क) तर्क, विचार                     |
|       |  | ९०    | ६५ (तर्कारी) जाही                        |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १४५   | ८१ ( तर्जनी ) अंगुठे के पास की अंगुली                          | ८६    | ४६ ( तापसतरु ) गोंदी, पाँखी का वृक्ष   |
| २१८   | ६१ ( तर्णक ) जल्दीका वि-<br>आया बछड़ा                          | ९१    | ६८ ( तापिच्छ ) तमालवृक्ष   |
| २११   | ३४ ( तर्दू ) कछुलिविशेष,<br>डेवुआ                              | ६३    | ४० ( तामरस ) कमल   |
| २१७   | ५६ ( तर्पण ) तृप्त होना,<br>अघाना, पितरोंको ज-<br>लादि देना    | १०४   | १२७ ( तामलकी ) भूमिआ-<br>मला, अँवरी  |
| १६४   | २१ ( तर्भन् ) यज्ञखम्भ का<br>शिरा, अग्रभाग                     | २५    | ५ ( तामसी ) रात  |
| १९४   | ८४ ( तल ) नीचे, स्वरूप,<br>लोहेका दस्ताना                      | २२६   | ६७ ( ताम्रक ) तांबा  |
| ३१४   | १२६ ( तलिन ) विरल, थोडा  | १७    | ५ ( ताम्रकर्णी ) अञ्जननाम<br>दिग्गजकी स्त्री   |
| ३१५   | १३० ( तल्प ) पलंग, अटारी,<br>स्त्री                            | २३२   | ८ ( ताम्रकुट्टक ) ठठेर   |
| ३०    | २७ ( तल्लज ) अच्छा,  | ६१८   | १८ ( ताम्रचूड़ ) मुर्गा  |
| ४८    | २८ ( तर्प ) इच्छा, प्यास                                       | १०३   | १२० ( ताम्बूलवल्ली ) पान   |
| २६६   | ९९ ( तष्ट ) छोलाहुआ, प-<br>तला किया                            | १०३   | १२० ( ताम्बूली ) पान   |
| २७६   | २४ ( तसर ) कोरीके पाई<br>पसारने का नाम                         | ४२    | २ ( तार ) ऊँचासेवर, अच्छा<br>मोती  |
| २३५   | २४ ( तस्कर ) चोर   | ९     | ४१ ( तारकजित् ) स्वामि-<br>कार्तिक   |
| ४०    | १० ( ताण्डय ) नाच  | २१    | २१ ( तारका ) नक्षत्र, आंखि<br>का तिल, पुतली  |
| १३२   | २८ ( तात ) पिता  | २१    | २१ ( तारा ) नक्षत्र  |
| १७८   | १५ ( तान्त्रिक ) शास्त्रका<br>सिद्धान्त जाननेवाला,<br>शास्त्री | १३५   | ४० ( तारुण्य ) जवानी   |
| १७०   | ४५ ( तापस ) नपस्त्री   | ६     | ३० ( तार्क्ष्य ) गरुड़, घोड़ा  |
|       |  | २२७   | १०२ ( तार्क्ष्यशैल, रसोत   |
|       |  | ४३    | ९ ( ताल ) काल औरक्रिया<br>का मान, ताड़कावृक्ष,<br>हरताल, बीचकी अंगुली<br>और अंगूठा से नाषा<br>धीता |

| पृष्ठ | श्लोक                                     |
|-------|---|
| १५०   | १०३ (तालपत्र)तर्की-कन-<br>फूल             |
| १०३   | १२३ (तालपर्णी) तालीस-<br>पत्र, मुरेठी     |
| १०३   | १२१ (तालमूलिका) मूतरि                     |
| १५९   | १४० ( तालवृन्तक ) वेना,<br>पंखा           |
| ५     | २४ (तालांक) बलदेव                         |
| ११४   | १७० (ताली) आमला, ताड़<br>का वृक्ष         |
| १४७   | ९१ (तालु) तारू                            |
| ३४४   | २४५ ( तावत् ) सब, अवधि,<br>प्रमान, निश्चय |
| ३३    | ९ (तिक्क) तीत, कर्छ                       |
| १११   | १५५ (तिक्कक) परवर                         |
| ८२    | २५ ( तिक्कशाक ) वारुण,<br>घरना            |
| २४    | ३५ (तिग्म) बड़ा गरम                       |
| २०९   | २६ (तितउ) चलनी                            |
| ४७    | २४ (तितिक्षा) सहना                        |
| २४९   | ३१ ( तितिष्ठु)सहनेवाला,<br>गमखोर          |
| १२२   | ३६ (तित्तिरि) तित्तिर                     |
| २४    | १ (तिथि) तिथि                             |
| ८२    | २६ (तिनिश) तिनिस, तें-<br>दुआ             |
| ८६    | ४३ (तिन्तिडी) अमिली                       |
| २१२   | ३५ (तिन्तिडीक) चूक                        |
| ८५    | ३८ (तिन्दुक) तेंदुआ                       |

| पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|
| ८५    | ३८ ( तिन्दुकी ) तेंदुआ,  |
| ५८    | १९ ( तिमि) बड़ीभारी<br>मछली  |
| ५९    | २० (तिर्मिगिल)तिमिको -<br>खाजानेवाली मछली  |
| २६८   | १०५ (तिमिन) बोदा, गीला   |
| ५१    | ३ (तिमिर) अन्धेरा  |
| ३४६   | २५५ ( तिरस् ) अन्तर्द्धान,<br>तिरछा  |
| १५४   | १९० (तिरस्करिणी) कनात  |
| ४६    | २२ (तिरस्क्रिया) अनादर,  |
| ८४    | ३३ (तिरीट)लोध, लपेटना,<br>शिरका भूषण   |
| १९    | १३ (तिरोधान) झांपना  |
| २०१   | १११ (तिरोहित) छिपाहुआ  |
| २५०   | ३४ ( तिर्य्यञ्च ) तिरछाजा-<br>नेवाला   |
| २०८   | १६ (तिल) तिल   |
| ८५    | ४० (तिलक)तिलकवृक्ष,<br>तिल, पेट में स्थित<br>जलक्री जगह, ललाट<br>में चन्दनादिसे किया<br>तिलक, काला नमक |
| १३७   | ४६ ( तिलकालक) तिला<br>देहका  |
| १५७   | १३३ ( तिलपर्णी ) लालच-<br>न्दन, देवीचन्दन  |
| २०८   | १९ ( तिलापिञ्ज ) निष्फल,<br>तिल  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                                      |
|-------|---|-------|--|
| २०८   | १९ ( तिलपेज ) निष्फल<br>तिल   | ९७    | ६५ (तुत्या)गुजरातीइला-<br>यची, नील         |
| ५१    | ५ (तिलित्स) सांपविशेष   | २२७   | १०१ (तुत्याञ्जन) तृतीया                    |
| २०४   | ७ (तिल्य) तिलत्रोनेवा-<br>ला खेत  | १४४   | ७७ (तुन्द) पेट                             |
| ८४    | ३३ (तिल्व) लोध  | २३४   | १९ (तुन्दपरिमृज)आलसी                       |
| २१    | २२ (तिष्य) पुष्यनक्षत्र,<br>कलियुग  | १३६   | ४४ (तुन्दिक)बड़ेपेटवाला,<br>तोंदारा        |
| ८९    | ५७ (तिष्यफला) अँवरा   | १३६   | ४४ (तुन्दित)बड़ेपेटवाला<br>तोंदारा         |
| २४    | ३५ (तीक्ष्ण) वड़ागरम,<br>लाहा, विष, युद्ध, तेज  | १३६   | ४४ (तुन्दित्)बड़ेपेटवाला,<br>तोंदारा       |
| ८३    | ३१ (तीक्ष्णगंधक)सर्हिजन   | १३६   | ४४ (तुन्दिल)बड़ेपेटवाला<br>तोंदारा         |
| ५५    | ७ (तीर) किनारा  | १०५   | १२७ (तुन्न) तुनि                           |
| ३०४   | ८६ (तीर्थ) पौशाला, बौद्ध-<br>रहित शास्त्र, ऋषियों<br>से सेवित जल, पढ़ाने<br>वाला गुरु, काशीआ-<br>दि तीर्थ | २३१   | ६ (तुन्नवाय) दरजी                          |
| १५    | ६८ (तीव्र) अतिशय  | १०५   | १३१ (तुवरिका) अर्हरी                       |
| ५४    | ३ (तीव्रवेदना)अतिपीड़ा  | २००   | १०६ (तुमुल) परस्पर बाधा<br>होनेवाला, युद्ध |
| ३४३   | २४१ (तु)भेद,निश्चय, पाद-<br>पूरण  | १११   | १५६ (तुम्बी) लौकी                          |
| ८२    | २५ (तुंग)नागकेसर, ऊंचा  | १८५   | ४३ (तुंग) घोड़ा                            |
| १०७   | १३९ (तुंगी) बवई   | १८५   | ४३ (तुंग) घोड़ा                            |
| २५६   | ५६ (तुच्छ) खाली   | १८५   | ४३ (तुंगम) घोड़ा                           |
| १४६   | ८९ (तुण्ड) मुख  | १६    | ७२ (तुंगवदन) किन्नर                        |
| १०२   | ११६ (तुण्डकेरी) कुंदुरु,<br>कपास  | २७०   | २ (तुरायण)आसंगवचन                          |
| २२७   | १०१ (तुत्य) रसोंत   | १०    | ४५ (तुरासाह) इन्द्र                        |
|       |   | १५६   | १२६ (तुरुष्क) लोधान                        |
|       |   | २२४   | ८७ (तुला) १०० पल                           |
|       |   | १५२   | १०६ (तुलाकोटि)विछिया                       |
|       |   | २३८   | ३७ (तुल्य) बराबर, सदृश                     |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| २१६   | ५५ (तुल्यपान) साथपीना  | ११२   | १६० (तृणध्वज) बाँस                           |
| ३३    | ६ (तुवर) कषाय रस   | ११४   | १६८ (तृणराज) तारवृक्ष                        |
| ८६    | ५८ (तुप) बहेड़ा, भूसी  | ६१    | ६९ (तृणशून्य) धेला                           |
| २०    | १८ (तुपार) पाला  | ११४   | १६८ (तृण्या) खरका समूह                       |
| २     | १० (तुपित) देवताविशेष  | २०५   | ९ (तृतीयकृत) तीन घाह<br>जोता खेत             |
| २०    | १८ (तुहिन) पाला  | १२४   | ३९ (तृतीयाप्रकृति) हिजरा                     |
| १९६   | ८८ (तूण) तरकस  | २६७   | १०३ (तृप्त) हर्षित, खुशी                     |
| १६६   | ८९ (तूणी) तरकस   | २१७   | ५६ (तृप्ति) अघाना                            |
| १९६   | ८८ (तूणीर) तरकस  | ४८    | २७ (तृप्) पियास, इच्छा                       |
| ८५    | ४१ (तूद्) तूत का वृक्ष   | २४७   | २२ (तृष्णञ्) लोभी                            |
| १४    | ६६ (तूर्ण) जल्दी, शीघ्र  | २९५   | ५१ (तृष्णा) पियास, इच्छा                     |
| ८५    | ४२ (तूल) रुई, सहतूत  | ११२   | १६१ (तेजन) बाँस                              |
| २३७   | ३३ (तूलिका) सलाई   | ११२   | १६२ (तेजनक) शरपत                             |
| ३२४   | १६४ (तूवर) जवानी में भी<br>मोछ दाढ़ी जिसके न<br>निकली हो वह पुरुष,<br>सींग होनेके समय जि-<br>स बैलके सींग न नि-<br>कलीहों वह बैल | ९५    | ८३ (तेजनी) धनुष बनाने<br>की बाँड़ी, चिन्ता   |
| २५१   | ३९ (तूष्णीक) चुप रहने<br>वाला  | १४०   | ६२ (तेजस्) काम, वीर्य,<br>प्रभाव, कान्ति, बल |
| ३४८   | ९ (तूष्णीकम्) चुपरहना  | २६४   | ९१ (तेजित) तेज किया<br>हुआ                   |
| ३४८   | ९ (तूष्णीम्) चुप रहना  | २७८   | २९ (तेम) वोदा करना                           |
| २५१   | ३६ (तूष्णीशील) चुप रहने<br>वाला  | २१४   | ४४ (तेमन) कढ़ी                               |
| ११३   | १६५ (तृण) गाँड़र आदि खर  | २३७   | ३३ (तैसावर्तिनी) धातु<br>गलाने की घरिया      |
| ११४   | १६९ (तृणद्रुम) तार, नारिकेर,<br>सुपारी, हिन्ताल, खजूर,<br>केतकी, नारी  | १२४   | ४४ (तैच्चिर) तित्तिरों का<br>समूह            |
|       |  | १५७   | १३२ (तैलपणिक) चन्दन-<br>विशेष                |
|       |  | १२०   | १२७ (तैलपायिका) गोबर                         |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                |
|-------|--|-------|--------------------------------------|
| २०४   | ७ (तैलीन) तिलबोने का                         |       | या हुआ                               |
|       | खेत  | २६८   | १०६ (त्रात) रखाघाहुआ                 |
| २७    | १५ (तैप) पूसमास                              | ११०   | १५० (त्रायन्ती) चिरायता              |
| १३१   | २८ (तोक) बालक                                |       | का फल                                |
| ११८   | १८ (तोकक) चातक                               | ११०   | १५० (त्रायमाणा) चिरायता              |
| २०७   | १६ (तोक्य) हरायव                             |       | का, फल                               |
| ३६२   | ३० (तोटक) छन्दविशेष                          | २३६   | २६ (त्रायुप) रांगाकी चीज             |
| १८४   | ४१ (तोत्र) कोड़ाकादण्डा,<br>पैना, चाबुक      | ४६    | २१ (त्रास) भय, डर                    |
| २०६   | १२ (तोदन) पैना, चाबुक                        | १४४   | ७६ (त्रिक) रीर के नीचे               |
| १९७   | ६३ (तोमर) गुर्ज, गदा                         |       | तीन हाड़ोंसे बनाहुआ                  |
| ५५    | ५ (तोय) पानी                                 |       | स्थान                                |
| १०१   | १११ (तोयपिप्पली) जल-<br>पीपरि                | ७५    | २ (त्रिकहुत्) त्रिकूटपर्वत           |
| ७३    | १६ (तोरण) बाहिरी दर-<br>वाजा                 | २२९   | १११ (त्रिकटु) सोंठि पीपरि            |
| ४४    | १० (तौर्यत्रिक) नाचगान<br>वाजा इन ३ कानाम    |       | मिर्च इनसब का मि-<br>लान             |
| १६८   | १०७ (त्याक) त्यागा                           | ६०    | २७ (त्रिका) गड़ारी                   |
| १६७   | ३१ (त्याग) दान                               | ७५    | २ (त्रिकूट) त्रिकूट पर्वत            |
| ४७    | २३ (त्रपा) लज्जा                             | ३६७   | ४१ (त्रिखट्ट) तीनखाटोंका<br>समूह     |
| २२८   | १०५ (त्रपु) रांगा                            | ३६७   | ४१ (त्रिखट्टी) तीनखाटों<br>का समूह   |
| ३५    | ३ (त्रयी) ऋक् साम य-<br>जुर्वेद, वेद         | २०५   | ६ (त्रिगुणाकृत) तीनबार<br>जोता खेत   |
| २६०   | ७४ (त्रस) चलने वाला                          | ३६७   | ४१ (त्रितक्ष) तीनघड़इयों<br>का समूह  |
| २७६   | २४ (त्रसर) कोरी का पाई<br>पसारना, सृत लपेटना | ३६७   | ४१ (त्रिनक्षी) तीनघड़इयों<br>का समूह |
| २४८   | २६ (त्रस्तु) डरनेवाला                        | २     | ७ (त्रिदश) देवता                     |
| २६८   | १०६ (त्राण) रसाना, रसा-                      | १     | ६ (त्रिदशालय) म्वर्ग                 |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १     | ६ (त्रिदिव) स्वर्ग   | १०४   | १२५ (त्रुटि) गुजराती इला,                                |
| २     | ७ (त्रिदिवेश) देवता  |       | यची, सूक्ष्म, वारीक-                                     |
| ६१    | ३१ (त्रिपथगा) गंगानदी  |       | अक्षर का रहिजाना,  |
| १००   | १०८ (त्रिपुटा) श्वेत त्रिधारा,<br>गुजराती इलायची   |       | थोड़ा, संशय, कालवि,<br>शेष                               |
| ७     | ३४ (त्रिपुरान्तक) शिव  | १६४   | २२ (त्रेता) दक्षिणाग्नि                                  |
| २२९   | १११ (त्रिफला) अँवरा, हर्,<br>वहेरा   |       | गार्हपत्य आहवनीय<br>इन तीनों का समूह,<br>दूसरा युग       |
| १     | ६ (त्रिविष्टप) स्वर्ग  | १२३   | ३७ (त्रोटि) चोंच   |
| १००   | १०८ (त्रिभण्डी) श्वेतत्रि-<br>धारा   | ७     | ३४ (त्र्यम्बक) शिव                                       |
| २५    | ४ (त्रियामा) रात   | १५    | ६९ (त्र्यम्बकसत्र) कुत्रे                                |
| ७     | ३३ (त्रिलोचन) शिव  | २२९   | १११ (त्र्यूपण) सोंठि पीपरि<br>मिर्च इन तीनों का<br>मिलान |
| १७४   | ६१ (त्रिवर्ग) धर्म अर्थ<br>काम, नीतिज्ञ लोगों के<br>कृपी आदि अष्टवर्ग<br>की हानि वृद्धि समता | २२९   | १०९ (त्वक्क्षीरी) वंशलोचन                                |
| ४     | २० (त्रिविक्रम) विष्णु   | १०६   | १३४ (त्वक्पत्र) तज                                       |
| १००   | १०८ (त्रिवृत्) श्वेतत्रिधारा   | ११२   | १६० (त्वक्सार) वांस                                      |
| १००   | १०८ (त्रिवृता) श्वेतत्रिधारा   | १४०   | ६२ (त्वच्) वरुला, लाल                                    |
| २५    | ३ (त्रिसंध्य) दिनके तीन<br>भाग   | १०६   | १३४ (त्वच) तज  |
| २०५   | ९ (त्रिसीत्य) तीनवाह<br>जोता खेत   | ११२   | १६० (त्वत्रिसार) वांस                                    |
| ६१    | ३१ (त्रिस्रोतस्) गंगानदी   | २७७   | २६ (त्वरा) वेग, जल्द                                     |
| २०५   | ६ (त्रिहल्य) तीनवाह<br>जोता खेत  | १४    | ६५ (त्वरित) जलज्वाज, शीघ्र                               |
| २१६   | ६८ (त्रिहायनी) तीनवर्ष<br>की गौ  | ४०    | २० (त्वस्तितोदित) शीघ्र उ-<br>च्चारण कियाहुआ             |
|       |  | २६६   | ६६ (त्वष्ट) जोलाहुआ, पतला<br>कियाहुआ                     |
|       |  | २३२   | ६ (त्वष्टृ) घड़ई, विष्णु-<br>र्मा, सूर्य                 |



| पृष्ठ | श्लोक                      | पृष्ठ | श्लोक                     |
|-------|----------------------------|-------|---------------------------|
| २४    | ३४ (त्विप्) कान्ति, शोभा   |       | भात                       |
| २३    | ३० (त्विपांपति) सूर्य      | २३    | ३१ (दग्ध) सूर्य के पास    |
| १९६   | ९० (त्सरु) तलवारका कब्जा   |       | रहनेवाला ग्रहविशेष,       |
|       | (द)                        |       | ताड़न, लाठी, खैलरि,       |
| १२१   | २८ (दंश) वनकी माछी, डांस   |       | सजा देना, एकाएकी          |
| १६०   | ६४ (दंशन) कँच, बखतर        |       | सैन्यका पड़ जाना          |
| १९०   | ६५ (दंशित) कँच पहिरे       | १३    | ६० (दग्धधर) यमराज         |
|       | या मन्त्रादि से रक्षित     | ३६    | ५ (दग्दनीति) नीति शास्त्र |
| १२१   | ५८ (दंशी) मसा              | २२१   | ७४ (दग्दविष्कंभ) खंभा,    |
| ११५   | ३ (दंष्ट्रन्) सुअर         |       | जिस में खैलर वर्षी        |
| २३४   | १९ (दक्ष) चतुर             |       | जाती हो                   |
| २६३   | ८ (दक्षिण) दहिना, सीधे     | २१६   | ५३ (दग्दाहत) माठा         |
|       | स्वभाववाला, उदार,          | १०६   | १४७ (दद्घ्न) चकवँड़       |
|       | दिशा                       | १३९   | ५६ (दद्घ्ण) दादरोगवाला    |
| १८९   | ६० (दक्षिणस्थ) सारथी,      | १३९   | ५९ (दद्घुरोगिन) दादरोग    |
|       | सारथी के वंशवाले           |       | वाला                      |
| १६४   | २१ (दक्षिणाग्नि) यज्ञकी    | ८१    | २१ (दधित्य) कैथा          |
|       | अग्नि                      | ८१    | २१ (दधिफल) कैथा           |
| २४३   | ५ (दक्षिणार्ह) दक्षिणापाने | २१५   | ४८ (दधिसक्तु) दही से      |
|       | के योग्य                   |       | सानासन्न                  |
| २४३   | ५ (दक्षिणीय) दक्षिणा       | ३     | १२ (दनुज) असुर, दैत्य     |
|       | पाने के योग्य              | १४७   | ६१ (दन्त) दांत            |
| २३५   | २४ (दक्षिणेर्मन्) जिसमृग   | ८७    | ४९ (दन्तधावन) खयर         |
|       | के दहिने अंगमें व्याध      | १८४   | ४० (दन्तभाग) हाथियों का   |
|       | ने बाणमारा हो              |       | अगिला भाग                 |
| २४३   | ५ (दक्षिण्य) दक्षिणा       | ८१    | २१ (दन्तशठ) कैथा, जै-     |
|       | पाने के योग्य              |       | भीरी नीवू                 |
| २६६   | ६६ (दग्ध) जराहुआ           | १०७   | १४० (दन्तराठ) अँमलो-      |
| २१५   | ४९ (दग्धिका) जराहुआ        |       | नियों                     |

| पृष्ठ | श्लोक                     | पृष्ठ | श्लोक                   |
|-------|---------------------------|-------|-------------------------|
| १८२   | ३४ (दन्तावल) हाथी         |       | मावास्या के दिन का      |
| १०८   | १४४ (दन्तिका) दँतिआ       |       | यज्ञ, पूजन              |
| १८२   | ३४ (दन्तिन्) हाथी         | १७६   | ६ (दर्शक) द्वारपाल,     |
| ५२    | ८ (दन्दशूक) सर्प, साँप    |       | डयोढीदार                |
| २५७   | ६१ (दम्) मिहीं, पतला      | २७८   | ३१ (दर्शन) देखना        |
| २७०   | ३ (दम) दण्ड, इन्द्रियों   | ८०    | १४ (दल) पत्ता           |
|       | का निग्रह                 | ३३४   | २०५ (दव) वन             |
| २७०   | ३ (दमथ) इन्द्रियों का     | २५९   | ६६ (दविष्ठ) अतिदूर,     |
|       | निग्रह                    |       | बहुत दूर                |
| २६५   | ६७ (दमित) इन्द्रियजित     | २५८   | ६९ (दवीयस्) अतिदूर,     |
| १३    | ५७ (दमुनस्) आगि           |       | बहुत दूर                |
| १३४   | ३८ (दम्पती) स्त्री पुरुष  | १४७   | ९१ (दशन) दाँत           |
| ४८    | ३० (दम्भ) कपट             | १४७   | ९० (दशनवासस्) ओठ        |
| ११    | ४८ (दम्भोलि) इन्द्रकावज्र | ३     | १४ (दशवल) बौद्ध         |
| २१८   | ६२ (दम्य) जवान बछड़ा      | १३५   | ४३ (दशमिन्) अति बूढ़ा   |
| ४५    | १८ (दया) करुणारस, रूपा.   |       | पुरुष                   |
| २४५   | १५ (दयालु) दयावान्        | ३०४   | ८७ (दशमीस्थ) क्षीणराग,  |
| २५५   | ५३ (दयित) प्यारा, प्रिय   |       | रसरहित, अति बृद्ध       |
| ४६    | २१ (दर) भय, डर, गड़हा     | १५३   | ११४ (दशा) कपड़ाका छीरा, |
| ३५५   | ९ (दरत्) म्लेच्छजाति      |       | अवस्था।                 |
| २५४   | ४६ (दरिद्र) दरिद्री, गरीब | २७७   | ११ (दस्यु) चोर, शत्रु   |
| ७६    | ६ (दरी) कन्दरा            | ११    | ५२ (दस्र) स्वर्गवैद्य   |
| ६०    | २४ (दर्दुर) मेढ़क         | १२    | ५६ (दहन) आगि            |
| ५     | २५ (दर्पक) कामदेव         | २१    | २१ (दाक्षायिणी) अश्विनी |
| १५९   | १४० (दर्पण) सीसा          |       | आदि तारा                |
| ११३   | १६६ (दर्भ) कुश            | ११९   | २२ (दाक्षाय्य) गिद्ध    |
| २११   | ३४ (दर्वि) कर्तुलि        | ९०    | ६४ (दाडिम) अनार         |
| ५२    | ८ (दर्वीकर) सर्प, साँप,   | ८७    | ४९ (दाडिमपुष्पक) गुलफ-  |
| २६    | ८ (दर्श) अमावास्या, अ     |       | नार                     |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                  |
|-------|--|-------|--|
| २५३   | ६ (दाण्डपाता) क्रिया-<br>विशेष                           | ४६    | २ (दारुण) भयानकरस                      |
| २६७   | १०३ (दात) काटाहुआ  | ९९    | १०२ (दारुहरिद्रा) दारुहलदी             |
| ११९   | २२ (दात्यूह) कालाकौआ                                     | २११   | ३४ (दारुहस्तक) कर्कूलि<br>विशेष        |
| २०६   | १३ (दात्र) हंसिआ   | ११८   | १८ (दावर्वाघाट) कठफोर<br>वा पक्षी      |
| १६७   | ३१ (दान) दान, हाथी का<br>मद, चौथा उपाय                   | १०३   | ११९ (दार्बिका) गोभी                    |
| ३     | १३ (दानव) असुर, दैत्य                                    | ९९    | १०२ (दावर्वा) दारुहलदी                 |
| २     | ९ (दानवारि) देवता  | ३३४   | २०५ (दाव) वनकी आगि                     |
| २४३   | ६ (दानशौण्ड) बहुतदानी                                    | ६२    | ३६ (दाविक) देविका नदी<br>में उत्पन्न   |
| १७०   | ४६ (दान्त) तपस्याका क्लेश<br>सहने वाला, इन्द्रिय-<br>जित | ५७    | १५ (दाश) मल्लाह                        |
| २७०   | ३ (दान्ति) इन्द्रियनिग्रह                                | १०५   | १३१ (दाशपुर) मोथा                      |
| २५१   | ४० (दापित) रुपया देकर<br>साधाहुआ मनुष्य                  | २३४   | १७ (दास) टहलू                          |
| २२१   | ७३ (दाम) ग्यराँव, रस्सी                                  | ६३    | ७४ (दासी) कालेफूलका<br>पियावासा        |
| २२१   | ७३ (दामनी) ज्वरायल,<br>ढोरी                              | ३६१   | २७ (दासीसभ) दासियों<br>की सभा          |
| ४     | १८ (दामोदर) विष्णु                                       | २३४   | १७ (दासेय) टहलू                        |
| २८५   | १७ (दाम्भिक) मायावी,<br>छली                              | २३४   | १७ (दासेर) टहलू                        |
| ३०४   | ८८ (दायाद) पुत्र, भाई<br>आदि                             | २५१   | ३६ (दिग्म्बर) नंगा                     |
| १२६   | ६ (दार) व्याही स्त्री                                    | १६६   | ८८ (दिग्ध) चन्दनादि<br>लिस, जहरीला घाण |
| २८६   | ५ (दारक) बालक, भेदकर                                     | २६७   | १०३ (दित) काटाहुआ                      |
| ५२    | ११ (दारद) विषविशेष                                       | ३     | १२ (दितिमुत) दैत्य                     |
| २६६   | १०० (दारित) फाराहुआ                                      | १३०   | २३ (दिधिपु) उदरी स्त्रीका<br>पति       |
| ७९    | १३ (दारु) देवदारु, काठ                                   | १३०   | २३ (दिधिपु) उदरी स्त्री                |
|       |  | २४    | २ (दिन) दिन                            |

| पृष्ठ | श्लोक                                     | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १२५   | ३ (दिनान्त) सांझ                          | २४    | ३४ (दीप्ति) कान्ति                                |
| १६    | १ (दिव) आकाश, स्वर्ग                      | १०१   | १११ (दीप्य) मोरशिखा                               |
| २४    | २ (दिवस) दिन                              | २५६   | ६९ (दीर्घ) लम्बा                                  |
| ६     | ४३ (दिवस्पति) इन्द्र                      | ६०    | २५ (दीर्घकोशिका) शिनवा                            |
| ३४८   | ६ (दिवा) दिन                              |       | मछली  |
| २२    | २८ (दिवाकर) सूर्य                         | १६०   | ६ (दीर्घदर्शिन्) परिडत                            |
| २३२   | १० (दिवाकीर्ति) चाण्डाल                   | ५२    | ८ (दीर्घपृष्ठ) मॉप, सर्प                          |
| ११८   | १६ (दिवान्ध) उल्लूपची                     | ८९    | ५७ (दीर्घवृन्त) सरिवन                             |
| ११८   | १६ (दिवाभीत) उल्लू                        | २४५   | ३७ (दीर्घसूत्र) देरसेकार्य                        |
| २     | ८ (दिविपद) देवता                          |       | करनेवाला, बहुत सुस्त                              |
| २     | ७ (दिवौकम्) देवता, चा-<br>तकपची           | ६१    | २८ (दीर्घिका) वावली                               |
| २५४   | ५० (दिव्योपपादुक) देवता                   | ५४    | ३ (दुःख) पीड़ा, तकलीफ                             |
| १६    | १ (दिश्) दिशा                             | १०१   | ११४ (दुःप्रधर्षिणी) वनभांटा,<br>वैगन              |
| १७    | २ (दिश्य) दिशामें उ-<br>त्पन्न हुआ        | ३५०   | १४ (दुःपम) निन्द्यवस्तु                           |
| २४    | १ (दिष्ट) समय, भाग्य                      | ६६    | ९१ (दुःस्पर्श) जवासा                              |
| २०२   | ११६ (दिष्टान्त) मौत, मृत्यु               | ९७    | ६४ (दुःस्पर्शा) भटकटैया                           |
| ३४९   | १० (दिष्ट्या) आनन्द, क-<br>ल्याण          | १५२   | ११३ (दुकूल) रेशमी कपड़ा                           |
| ३६१   | १० ( दीक्षित ) सोमवान्<br>यज्ञका यजमान    | २१५   | ५१ (दुग्ध) दूध                                    |
| २१५   | ४८ (दीदिवि) भात                           | ९८    | १०८ (दुग्धिका) दूधिया                             |
| २३    | ३३ (दीधिति) किरण                          | १०६   | १४८ (दुद्दुम) हराप्याज                            |
| २५४   | ४९ (दीन) गरीब, दरिद्र                     | ४३    | ६ (दुन्दुभि) नगारा, तुरही,<br>जुआ                 |
| २८४   | १४ (दीनार) मोहर, अशरफी                    | ६९    | १७ (दुरध्व) खराब रास्ता                           |
| १५९   | १३६ (दीप) चिराग, दीवा                     | ९७    | ६२ (दुरालभा) जवासा                                |
| २८३   | ११ (दीपक) जवाइनि, प्र-<br>काश, मोरकी चोटी | २९    | २३ (दुरित) पाप                                    |
|       |   | ३२५   | १७१ (दुरोदर) जुआरी,<br>वाजी, जुआ<br>( दुर्ग ) कोट |

| पृष्ठ | श्लोक                                   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
|       | तर्पण अंगुलियों के<br>आगे किया जाता है  | ९५    | ८७ (द्रवंती) मूतरि  |
| १७८   | १४ (दैवज्ञ) ज्योतिषी                    | १९९   | १०१ (द्रविण) सामर्थ्य, बल,<br>धन, ज्ञाना, सुवर्ण                                  |
| १३०   | २० (दैवज्ञा) शुभाशुभ<br>जाननेवाली       | २२५   | ६० (द्रव्य) धन, सत्व, जीव,<br>गुणाश्रय पृथ्वीआदि,<br>नक्षत्र, अग्नि               |
| २     | ९ (दैवत) देवतासमूह,<br>देवताओं की वस्तु | ३४७   | २ (द्राक्) जल्दी  |
| ६७    | ९५ (दोला) नील, डोली<br>वा हिंडोला       | १००   | १०७ (द्राक्षा) दाख  |
| १६०   | ५ (दोपज्ञ) पण्डित, वैद्य                | २६९   | ११२ (द्राघिष्ठ) अतिशयलंबा   |
| ३४८   | ६ (दोषा) रात                            | १०६   | १३५ (द्राविडक) कचूर   |
| २५३   | ४६ (-दोषैकदृश) केवल<br>दोष देखनेवाला    | ७८    | ५ (द्र) वृक्ष -   |
| १४४   | ८० (दोस्) बौह, भुजा                     | ८८    | ५३ (द्रुक्लिम) देवदारु  |
| ४७    | २७ (दोहन) इच्छा                         | १९६   | ९१ (द्रुघन) सुग्दर  |
| १३०   | २१ (दोहदवती) गर्भवती,<br>गाभिनि         | ३५५   | ६ (द्रुणी) कलुही  |
| २०    | १७ (द्रुति) शोभा, दीप्ति                | १४    | ६५ (द्रुत) शीघ्र, जल्दी,<br>पिघलाहुआ, रसीला                                       |
| २३    | ३० (द्रुमणि) सूर्य                      | ७८    | ५ (द्रुम) वृक्ष   |
| २२५   | ६० (द्रुम्र) धन                         | १५५   | १२६ (द्रुमामय) लाही, मे-<br>हावर  |
| २४०   | ४५ (द्रुत) जुआ                          | ८९    | ६० (द्रुमोत्पल) कठचम्पा   |
| २४०   | ४४ (द्रुतकारक) जुआ खे-<br>लानेवाला      | २२४   | ८५ (द्रुवय) तौल, नाप  |
| २४०   | ४४ (द्रुतकृत्) जुआ खेल-<br>नेवाला       | ४     | १७ (द्रुहिण) ब्रह्मा  |
| १     | ६ (द्रो) स्वर्ग, आकाश                   | ११८   | १५ (द्रोण) धीलू, द्रोणा-<br>चार्य्य, परिमाणविशेष,<br>३२ सेरको द्रोण क-<br>हते हैं |
| २४    | ३४ (द्रोत) प्रकाश, घाम                  | ११६   | २२ (द्रोणकाक) डोमकौआ  |
| २१५   | ५१ (द्रप्स) पतला दही                    | २२०   | ७२ (द्रोणक्षीरा) दशसेरदूध<br>देनेवाली गी  |
| ४९    | ३२ (द्रव) खेल, भागजाना                  |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २२०   | ७२ (द्रोणदुघा) दशसेरदूध<br>देनेवाली                         |       | ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य  |
| ५६    | ११ (द्रोणी) डोंगी नाव,<br>नील                               | १९    | १५ ( द्विजराज ) चन्द्रमा   |
| २०५   | १० ( द्रौणिक ) दशशेर<br>विया परनेवाला खेत                   | १०३   | १२० ( द्विजा ) गगनधुरि   |
| ३२    | ४ (द्रोहचिन्तन) शत्रुता<br>का विचार                         | १६०   | ४ ( द्विजाति ) ब्राह्मण  |
| १२३   | ३६ (द्वन्द्व) जोड़ा, झगरा                                   | ३१५   | १३३ (द्विजिह्व) सांप, चुगुल                                      |
| १७१   | ४८ (द्वयातिग) दुःख सु-<br>खादिसेरहित, व्यासा-<br>दिमुनि     | १२६   | ५ ( द्वितीया ) दूंसरी  |
| १४६   | ८४ ( द्वादशांगुल ) बीता                                     | १८२   | ३४ ( द्विप ) हाथी  |
| २२    | २८ ( द्वादशात्मन् ) सूर्य                                   | १८१   | २७ ( द्विपाद्य ) दूना दण्ड,<br>दूनी सजा                          |
| ३१    | ३ ( द्वापर ) सन्देह, ती-<br>सरायुग                          | १८२   | ३४ ( द्विरद ) हाथी   |
| ७३    | १६ ( द्वार ) दरवाजा   | १२६   | ३० ( द्विरेफ ) भेंवरा  |
| ७३    | १६ ( द्वार ) दरवाजा   | २१६   | ६८ ( द्विपर्षा ) दोवरस की<br>बछिया                               |
| १७६   | ६ ( द्वारपाल ) दरवाजेकी<br>रक्षा करनेवाला                   | १७७   | १० ( द्विप् ) शत्रु  |
| १७६   | ६ ( द्वास्थ ) दरवाजे पर<br>स्थित रहने वाला,<br>ड्योढ़ीदार   | १७७   | १० ( द्विपत् ) शत्रु   |
| १७६   | ६ ( द्वास्थित ) दरवाजेपर<br>स्थित रहनेवाला, ड्यो-<br>ढ़ीदार | २१६   | ६८ ( द्विहायनी ) दो चरस<br>की बछिया                              |
| २०५   | ९ ( द्विगुणाकृत ) दो वाह<br>जोताखेत                         | ५६    | ८ ( द्वीप ) रेता, टापू   |
| १२२   | ३३ ( द्विज ) पत्नी, दांत,                                   | ६१    | ३० ( द्वीपवती ) नदी  |
|       |   | ११५   | २ ( द्वीपिन् ) बाघ   |
|       |   | १७७   | १० ( द्विपण ) शत्रु  |
|       |   | १५३   | ४५ ( द्विप्य ) वैर करनेके योग्य                                  |
|       |   | १७९   | १८ ( द्वैष ) बलवान् शत्रु से<br>मिलजाना, निबल श-<br>त्रुको मारना |
|       |   | १८७   | ५३ ( द्वैष ) बाघके चमड़ा से<br>मढ़ा हुआ                          |
|       |   | १६६   | ४५ ( द्वैपायन ) व्यासमुनि  |
|       |   | ९     | ३६ ( द्वैयातुर ) गणेश  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २२६   | ९७ (द्वयष्ट) ताँवा<br>(ध)                           | ७४    | १ (धर) पर्वत   |
| ३५७   | १७ (धट) तुलारांशि, तराजू                            | ६५    | २ (धर णि) पृथ्वी   |
| ९३    | ७७ (धत्तूर) धत्तूर                                  | ६५    | २ (धरा) पृथ्वी   |
| २२५   | ९० (धन) धन, दौलत                                    | ६५    | २ (धरित्री) पृथ्वी   |
| १२    | ५४ (धनंजय) आगि                                      | २९    | २४ (धर्म) पुण्य, धर्म-<br>राज, न्याय, स्वभाव,<br>आचार, सोमपीनेवाला                         |
| १५    | ६६ (धनद) कुवेर                                      | ४८    | २८ (धर्मचिन्ता) धर्मका<br>विचार  |
| १०५   | १२८ (धनहरी) धनहरी                                   | १७३   | ५७ (धर्मध्वजिन्) पाखं-<br>डी, धरुरूपियाब्राह्मण  |
| १५    | ६९ (धनाधिप) कुवेर                                   | २१२   | ३६ (धर्मपत्तन) मिर्च   |
| २४४   | १० (धनिन्) धनवान्                                   | ३     | १३ (धर्मराज) बौद्ध, धर्म-<br>राज, युधिष्ठिर  |
| २१    | २२ (धनिष्ठा) धनिष्ठा<br>नक्षत्र                     | ३६    | ६ (धर्मसंहिता) स्मृति,<br>धर्मशास्त्र  |
| १६१   | ६९ (धनुर्धर) धनुषधारी<br>(धनुर्मध्य) धनुष का<br>बीच | १२७   | १० (धर्षिणी) छिनारि  |
| ८४    | ३५ (धनुष्पट) चिरोंजी                                | १३३   | ३५ (धव) पति, खयरवृक्ष,<br>मनुष्य   |
| १९१   | ६९ (धनुष्मन्) धनुषधारी                              | ३४    | १३ (धवला) उजलारंग  |
| १६४   | ८३ (धनुस्) धनुष                                     | २१६   | ६७ (धवला) उजली गौ  |
| २४२   | ३ (धन्य) पुण्यवान्, भा-<br>ग्यवान्, किस्मतवर        | १६५   | २५ (धवित्र) हरिणके चम-<br>ड़े का परखा, घना   |
| ६६    | ६ (धन्वन्) मरुस्थल, ध-<br>नुष                       | १०४   | १२४ (धातकी) धवई, पर्वत<br>से जो पैदाहो   |
| ६६    | ६१ (धन्वयास) जवासा                                  | ७६    | ८ (धातु) मैनशिलादि,<br>कफादि, रस, रक्तादि,<br>पृथिव्यादि, गन्धादि<br>गुण, इन्द्रिय, भू आदि |
| १९१   | ६९ (धन्विन्) धनुष                                   |       |  |
| ११२   | १६२ (धमन) नरकुल                                     |       |  |
| १४१   | ६५ (धमनि) नाड़ी                                     |       |  |
| १०५   | १३० (धमनी) पचारी                                    |       |  |
| १४८   | ९७ (धम्मिल्ल) भैंधेहुयेवाल,<br>जुरा                 |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १०४   | १२४ (धातुपुष्पिका) धवई                               | ३४३   | २३९ (धिक्) धिकार, निन्दा                             |
| ४     | १७ (धातृ) ब्रह्मा                                    | २५१   | ३९ (धिकृन्) धिकारा                                   |
| ६५    | ४ (धात्री) दूध पिलाने वाली, पृथ्वी, अँवरा            |       | हुशा, निन्दित  |
| २१४   | ४७ (धाना) बहुरी, गुड़ध-नियां                         | २१    | २४ (धिपण) बृहस्पति                                   |
| १६१   | ६६ (धानुष्क) धनुषधारी                                | ३१    | १ (धिपणा) बुद्धि                                     |
| २०८   | २१ (धान्य) यव धान आदि सत्र धान्य                     | ३२१   | १५४ (धिष्ण्य) स्थान, घर, नक्षत्र, आगि                |
| २१२   | ३८ (धान्याक) धनियॉ                                   | ३१    | १ (धी) बुद्धि, समझ                                   |
| २१२   | ३६ (धान्याम्ल) काँजी                                 | ३३    | ८ (धीन्द्रिय) ज्ञानेन्द्रिय, मन, कर्ण, नेत्र इत्यादि |
| ३१३   | १२३ (धामन) घर, देह, कान्ति, प्रभाव                   | १६०   | ६ (धीमत्) परिडत, बुद्धिवाला                          |
| १०२   | ११७ (धामार्गव) लहचिचिरा, उजरे फूल वाली तोरई          | १२८   | १२ (धीमती) अति बुद्धिवाली स्त्री                     |
| १६५   | २४ (धारया) आगि जलाने का मन्त्र                       | १५५   | १२५ (धीर) कुंजुम, परिडत                              |
| १८०   | २६ (धारणा) मर्यादा                                   | ५८    | १५ (धीवर) मलाह                                       |
| १८६   | ४९ (धारा) घोड़ों की आस्कन्दित आदि पांच प्रकार की चाल | २७६   | २५ (धीशक्ति) सेवाआदि आठप्रकार की बुद्धि, सम्पदा      |
| १८    | ७ (धाराधर) वादर, मेघ                                 | १७५   | ४ (धीसचिव) मन्त्री, सलाही                            |
| १९    | ११ (धारासम्पात) मेघ से निरंतर जलगिरना                | २६३   | ८७ (धुत) काँपताहुआ                                   |
| १२०   | २५ (धार्तराष्ट्र) काली-चोंच व काले पैरवाले हंस       | ६१    | ३० (धुनी) नदी  |
| ९७    | ९३ (धावनी) पिथयनि                                    | १८८   | ५५ (धुर) गाड़ी आदिकी धुरी, भारा                      |
|       |  | २१६   | ६५ (धुरन्धर) भारकस, बली, गाड़ीका बेल                 |
|       |  | २१९   | ६५ (धुगीण) भारकस, बली, गाड़ीका बेल                   |



| पृष्ठ | श्लोक                                      | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| २१९   | ६५ (धुर्य) भारकस, वली,<br>गाड़ीका बैल      | २२०   | ७२ (धेनुष्या) गिरौंधरीगौ,<br>रिहनकीगई गौ   |
| २६८   | १०७ (धूत) कौपाहुआ, त्या-<br>गाहुआ          | २१८   | ६० (धैनुक) धेनुओं का<br>समूह   |
| २६७   | १०२ (धूपायित) सन्तापित,<br>तपायाहुआ        | ४१    | १ (धैवत) स्वरविशेष,<br>घोड़ेकी आवाज  |
| २६७   | १०२ (धूपित) सन्तापित, त-<br>पायाहुआ        | १८८   | ५८ (धीरुण) सवारी   |
| २६७   | ५८ (धूमकेतु) आगि, धू-<br>ममयी उत्पाती तारा | १५२   | ११३ (धौतकौशेय) धोया<br>रेशमी वस्त्र  |
| १८-   | ७ (धूमयोनि) वादल                           | १८६   | ४८ (धौरितक) घोड़े की<br>पोई चाल  |
| ३४    | १६ (धूमल) धूमिल                            | २१९   | ६५ (धौरिय) वली, भारक-<br>स, धुरिहावैल, गाड़ी<br>लेचलनेवाला बैल   |
| २८१   | ४३ (धूम्या) धुँआँकासमूह                    | ११३   | १६६ (ध्याम) रोहिसखर  |
| ११८   | १७ (धूम्याट) भुजकैलपची,<br>भुजैटा          | २०    | २० (ध्रुव) उत्तानपादराजा<br>का पुत्र, डार पत्ताहीन<br>वृक्ष, सदा रहनेवाला,<br>ताराविशेष, निश्चित,<br>ईश, महादेव, विष्णु,<br>वरगद |
| ३४    | १६ (धूम्र) धूमिल                           | १०२   | ११५ (ध्रुवा) सरिवन, वट-<br>पत्र के समान यज्ञ-<br>पात्र विशेष, एकप्र-<br>कार का ध्रुवा  |
| ७     | ३३ (धूर्जटिन्) शिव                         | १९९   | ६६ (ध्वज) झण्डा  |
| ६३    | ७७ (धूर्त) धतूर, जुआरी,<br>छली, दगावाज     | १६३   | ७८ (ध्वजिनी) फौज   |
| २१६   | ६५ (धूर्वह) गाड़ीका बैल                    | ४०    | २२ (ध्वनि) शब्द  |
| १६८   | ६८ (धूर्ति) धूरि                           | २६५   | ६४ (ध्वनित) वाजताहुआ   |
| ३४    | १३ (धूसर) कुछपीलारंग                       |       |  |
| ३०१   | ७४ (धृति) धारणा, धैर्य                     |       |  |
| २४८   | २५ (धृष्ट) ढीठ                             |       |  |
| २४८   | २५ (धृष्णञ्) ढीठ                           |       |  |
| २२०   | ७१ (धेनु) जल्दीकी व्या<br>नी गौ            |       |  |
| १८३   | ३६ (धेनुका) हथिनी, नई<br>व्याई गौ          |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक                    | पृष्ठ | श्लोक                     |
|-------|--------------------------|-------|---------------------------|
|       | शब्दकरता हुआ             | १२६   | ८ (नग्निका) कुमारी        |
| २६७   | १०४ (ध्वस्त) चुआ, गिरा   |       | कन्या, नंगी स्त्री        |
| ११९   | २१ (घ्वांस) कौवा, घ-     | ८६    | ५६ (नट) सरिवन, नट         |
|       | गुला, पची                | ४४    | १० (नटन) नाचना            |
| ४०    | २२ (ध्वान) शब्द          | १०५   | १२९ (नटी) पनारी           |
| ५०    | ३ (ध्वान्त) बड़ा अन्धेरा | ११२   | १६२ (नड) नरकुल, नरई,      |
|       | (न)                      |       | गड़हा                     |
| ३४६   | ११ (न) निषेध             | ११४   | १६८ (नडसंहति) नरकुल       |
| १०२   | ११५ (नकुलेष्टा) रासनि    |       | या नरई का समूह            |
| १५३   | ११५ (नक्रक) फटाकपड़ा     | ११४   | १६८ (नड्या) नरकुल या      |
| ३४८   | ६ (नक्रम्) रात           |       | नरई का समूह               |
| ८७    | ४७ (नक्रमाल) कंजा        | ६७    | १० (नड्रत्) बहुतनरकुल     |
| ५६    | २१ (नक्र) जलमें रहने-    |       | होनेवाला देश              |
|       | वाला नाक                 | ६७    | १० (नड्रल) बहुत नरकुल     |
| २१    | २१ (नक्षत्र) नक्षत्र     |       | होनेवाला देश              |
| १५१   | १०६ (नक्षत्रमाला) २७ मो- | २५९   | ७१ (नत) टेढ़ा, नम्र       |
|       | तियों की एक लाख          | १३६   | ४५ (नतनासिक) नकच-         |
|       | की माला                  |       | पटा                       |
| १९    | १५ (नक्षत्रेश) चन्द्रमा  | २५१   | १८ (नति) नमस्कार          |
| १०५   | १३० (नख) नह, ककूदनि      | ६१    | २९ (नदी) नदी              |
| १४५   | ८३ (नखर) नह              | ६८    | १३ (नदीमातृक) जिसमें      |
| २८७   | १६ (नग) वृक्ष, पर्वत     |       | नदी के जल से अन्ना-       |
| ७०    | २ (नगर) शहर, ग्राम       |       | दिहो वह देश               |
| ६६    | १ (नगरी) नगर, शहर        | ८६    | ४५ (नदीसर्ज) अर्जुनवृक्ष, |
| १२२   | ३४ (नगौरुस्) पक्षी       |       | बरेत                      |
| २५१   | ३६ (नग्न) नंगा           | २३७   | ३१ (नद्धी) चमड़ेकीरस्ती   |
| २४०   | ४२ (नग्नहू) दारूकाबीज,   | १३२   | २६ (ननाट) पतिकी व-        |
|       | मतवाला, नंगे होकर        |       | हिन, ननद                  |
|       | पुकारना                  | ३४४   | २४७ (ननु) विरोधवचन        |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                      |
|-------|--|-------|--|
|       | के कहने में, पूँछना,<br>निश्चय, आज्ञा, समु-<br>ज्ञाना, सम्बोधन | ४४    | ११ (नर्तक) नाचनेवाला                       |
| ६     | २९ (नन्दक) विष्णु की<br>तलवार                                  | ४३    | ८ (नर्तकी) नाचनेवाली                       |
| १०    | ४६ (नन्दन) इन्द्रकावन  | ४४    | १० (नर्तन) नाचना                           |
| १०५   | १२८ (नन्दिवृक्ष) तुनि का<br>वृक्ष                              | ६१    | ३२ (नर्मदा) नर्मदानदी                      |
| ७२    | १० (नन्द्यावर्त) बँगला-<br>नुमा मकान                           | ४९    | ३२ (नर्मन्) क्रीड़ा, खेल<br>(नल) गौड़र     |
| १३४   | ३९ (नपुंसक) हिजरा  | १५    | ७१ (नलकूवर) कुवेरकापुत्र                   |
| १३२   | २९ (नपत्री) पुत्रकीलड़की                                       | ११३   | १६४ (नलद) गौड़र                            |
| १६    | १ (नभस्) आकाश, सा-<br>वन                                       | ५८    | १८ (नलमीन) चेलहवा<br>मछली                  |
| १२२   | ३५ (नभसंगम) पक्षी, त्रि-<br>ङ्गिया                             | ६३    | ३९ (नलिन) कमल                              |
| २८    | १७ (नभस्य) भाद्रवमास   | ६३    | ३६ (नलिनी) कमलिनी                          |
| १४    | ६४ (नभस्वत्) वायु, हवा   | १०५   | १२८ (नली) पवारी                            |
| ३५०   | १८ (नमस्) नमस्कार  | ६९    | १९ (नल्व) ४०० हाथ अ,<br>र्थात् फरलांग      |
| २३७   | १०२ (नमसित) पूजित  | २६०   | ७७ (नव) नया                                |
| १०६   | १४१ (नमस्कारी) लजालू   | ६४    | ४३ (नवदल) नयापत्ता                         |
| १६८   | ३७ (नमस्या) पूजा, खातिर  | २१६   | ५२ (नवनीत) नेनू, मक्खन                     |
| २६७   | १०२ (नमस्यित) पूजित  | ६२    | ७२ (नवमल्लिका) वर्षाका<br>बेला             |
| १०    | ४४ (नमुचिसूदन) इन्द्र  | २२०   | ७१ (नवमृतिका) जल्दी<br>की व्यानी गौ        |
| २७२   | ६ (नय) नीति  | १५२   | ११२ (नवाम्बर) नयावस्त्र                    |
| १४७   | ६३ (नयन) आंख   | २६०   | ७७ (नयीन) नया                              |
| १२५   | १ (नर) मनुष्य, आदमी  | २१६   | ५२ (नवोद्धृत) जल्दीका<br>निकालाहुआ मक्खन   |
| ५३    | १ (नरक) नरक  | २६०   | ७७ (नव्य) नया                              |
| १५    | ७० (नरवाहन) कुवेर  | २०१   | १११ (नष्ट) छिपाहुआ<br>(नष्टचेष्टता) सूच्छा |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १७३   | ५६ (नष्टाग्नि) जिस त-<br>पस्वीका आगि बुझ<br>गयाहो                             | १३८   | ५४ (नाड़ीत्रण) नसूर, नस<br>पर का घाव                          |
| २१८   | ६३ (नस्तित) नाथा वैल  | २४५   | १६ (नाथवत्) पराधीन  |
| २१८   | ६३ (नस्योत) नाथा वैल  | ४०    | २२ (नाद्) शब्द  |
| ३४९   | ११ (नहि) निषेध, नहीं  | ८३    | ३० (नादेयी) जलवेंत,<br>नारंगी, जाही, भुँइ-<br>जामुनि          |
| ३४९   | ११ (ना) निषेध, नहीं   | ३४४   | २४६ (नाना) अनेक, दो   |
| १     | ६ (नाक) स्वर्ग, आकाश  | २६४   | ६३ (नानारूप) अनेकरूप,<br>हरतरहके                              |
| ६८    | १५ (नाकु) वेमवरि  | २५१   | ३८ (नान्दीकर) आशीर्वाद<br>युक्त स्तुति करनेवाला               |
| १०१   | ११४ (नाकुली) रासनि  | २५१   | ३८ (नान्दीवादिन्) आ-<br>शीर्वादयुक्त स्तुति क-<br>रनेवाला     |
| ५१    | १४ (नाग) साँप, हाथी,<br>सीसा, श्रेष्ठ   | २३२   | १० (नापित) नाई, हजाम  |
| ६०    | ६५ (नागकेसर) नागकेसर  | १८८   | ५६ (नाभि) राजाविशेष,<br>पहिया की नाहनि,<br>नाह, तुन्दी, ठोढ़ी |
| २२९   | १०८ (नागजिह्विका) मैन-<br>सिल   | ३४५   | २५० (नाम) प्रसिद्ध, होन-<br>हार, क्रोध, प्राप्ति,<br>निन्दा   |
| १०२   | ११७ (नागवला) कँकहीवृक्ष   | ३७    | ८ (नामधेय) नाम  |
| २१२   | ३८ (नागर) साँठि, कसेरू,<br>नागरमोथा, पण्डित,<br>नगर में उत्पन्न हुआ<br>मनुष्य | ३७    | ८ (नामन्) नाम   |
| ८५    | ३८ (नागरंग) नारंगी  | २७२   | ६ (नाय) नीति, पकाना,<br>वालक                                  |
| ५१    | १ (नागलोक) पाताल  | २४४   | ११ (नायक) स्वामी, रत्न-<br>मध्य                               |
| १०३   | १२० (नागवल्ली) पान  | ५३    | १ (नास्क) नरक   |
| २२८   | १०५ (नागसम्भव) सेंदुर   |       |   |
| ६     | ३० (नागान्तक) गरुड़   |       |   |
| ४४    | १० (नाथ्य) नाच  |       |   |
| २३२   | ८ (नाडिन्धम) सोनार  |       |   |
| १४१   | ६५ (नाड़ी) नस, छःक्षण-<br>काल, नरई  |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| २११   | ३२ (निपाव) घड़ा, गगरी  | ३६०   | २४ (नियुत) लक्ष, लाख   |
| २४२   | ४ (निपुण) चतुर, विज्ञ  | २८०   | ११६ (नियुद्ध) बाहुयुद्ध                                      |
| ४३    | ७ (निवन्धन) वीणा में<br>तार बांधनेका स्थान   | २३३   | १७ (नियोज्य) दास, टहलू                                       |
| २०१   | ११२ (निवर्हण) मारना  | ३४५   | २५२ (निर्) निश्चय, निषेध                                     |
| २३८   | ३८ (निभ) सदृश, बराबर   | २५८   | ६६ (निरन्तर) सघन, गञ्जिन                                     |
| २४७   | २५ (निभृत) विनययुक्त,<br>सुलायममनुष्य  | ५३    | १ (निरय) नरक   |
| २२२   | ८० (निमय) अदलबदल   | २६२   | ८३ (निरर्गल) बाधा रहित,<br>जिसको किसी तरहकी<br>तकलीफ न हो    |
| ३०१   | ७६ (निमित्त) हेतु, चिह्न   | २६१   | ८१ (निरर्थक) व्यर्थ .  |
| २६    | ११ (निमेष) पलकगिरने<br>का काल  | २४५   | १५ (निखग्रह) स्वाधीन   |
| ५७    | १५ (निम्न) गहिरा   | २७८   | ३१ (निरसन) अलग क-<br>र देना                                  |
| ६१    | ३० (निम्नगा) नदी   | ४०    | २० (निरस्त) फेंका हुआ<br>तीर, जल्दी कहा हुआ,<br>अलग किया हुआ |
| ९०    | ६२ (निम्ब) नींबू   | २४६   | ३० (निराकरिष्णु) निकाल<br>देनेवाला.                          |
| ८२    | २६ (निम्बतरु) बकायिनि  | २५२   | ४० (निराकृत) अलग किया<br>हुआ जो वेदको पढ़ा हो                |
| ३०    | २८ (नियति) भाग्य   | १७३   | ५७ (निराकृति) वेदाध्ययन<br>रहित अलग कस्देना                  |
| १८९   | ५६ (नियन्तृ) सारथी, गा-<br>ड़ी हांकनेवाला  | १३९   | ५७ (निरामय) रोगहीन   |
| ३२    | ५ (नियम) व्रत, शौच,<br>सन्तोष, तपः, स्वा-<br>ध्याय, ईश्वर, प्राणि-<br>धानका नाम, कभी<br>किसी काल विशेषादि<br>में होनेवाला उपवास,<br>स्नान, जपादिकर्म,<br>अंगीकार | २०६   | १३ (निरीश) फारलगाने<br>की जगह, या, फार                       |
| ५७    | १३ (नियामक) नावखे-<br>वनेवाला  | ५३    | २ (निर्ऋति) नरक की<br>अशोभा                                  |
|       |  | ९१    | ६८ (निर्गुण्डी) म्यौड़ी,<br>न्यवारी                          |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| २०१   | ११३ (निर्ग्रन्थन) मारना                                      | ३२    | ६ (निर्वाण) मोक्ष, मुनि, अग्नि                            |
| ४०    | २३ (निर्घोष) शब्द  | २६५   | ९६ (निर्घात) जिस समय वायु न बहती हो वह समय                |
| २     | ७ (निर्जर) देवता   | ३८    | १४ (निर्वाद) निन्दा, जनों की बतकही-                       |
| १७१   | ४७ (निर्जितेन्द्रियग्राम) जि-<br>तेन्द्रिय                   | २०१   | ११३ (निर्वापन) मार डालना दुःख से भी खुशी के साथ           |
| ७५    | ५ (निर्भर) झरना  | २४४   | १२ (निर्वार्य्य) निःशंककार्य करनेवाला                     |
| ३१    | ३ (निर्णय) निश्चय  | २०१   | ११३ (निर्वासन) मारना                                      |
| २५५   | ५६ (निर्णिक्र) धोया, सफा                                     | २६६   | १०० (निर्वृत) सिद्ध, तय्यार                               |
| २३२   | १० (निर्णोजक) धोबी   | २३९   | ३९ (निर्वेश) मोल, भोग तनखाह                               |
| १८०   | २५ (निर्देश) आज्ञा, हुक्म                                    | ५१    | २ (निर्व्यथन) विल   |
| ३४१   | २३५ (निर्वन्ध) हठ, जिद्द                                     | २७४   | १७ (निर्हार) युक्तिसे शस्त्र का निकालना                   |
| १५    | ६७ (निर्भर) अतिशय  | ३३    | १० (निर्हारिन) दूरतकजा-<br>नेवाला सुगन्ध,                 |
| १८३   | ३६ (निर्मद) मदहीनहाथी  | ४०    | २३ (निर्हाद) शब्द   |
| ५२    | ६ (निर्मुक्त) केचुलि को छोड़ेहुये सांप                       | ७१    | ५ (निलय) घर   |
| ५१    | ९ (निर्मोक) केंचुलि  | १२४   | ४० (निवह) समूह, झुण्ड                                     |
| १८३   | ३८ (निर्ग्याण) हाथीकेने-<br>त्रोंका कोर                      | ३०३   | ८४ (निवात) निवास, वायु रहित, हथियार से नहीं कटनेवाला रुवच |
| ३१२   | ११६ (निर्ग्यातन) घैर का बदला लेना, दान देना, धरोहर लौटा देना | १६७   | ३३ (निवाप) पितरोंकेलिये जो दान दिया जावे                  |
| ३४१   | २३५ (निर्व्यूह) दरवाजा, शिरोभूषण, काढ़ाका रस, दीवालकी खूंटी  |       |   |
| १६७   | ३२ (निर्वपण) दान   |       |   |
| २७८   | ३१ (निर्वर्णन) देखना,  |       |   |
| ४५    | १५ (निर्वहण) समाप्त क-<br>रना, नाटककीसन्धि,<br>मारना         |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १५२   | ११३ (निवीत) माला की तरह पहिनाहुआ यज्ञोपवीत, कपड़ा का किनारा | १८९   | ५६ (निपादिन्) महावत पीलवान                              |
| २६३   | ८८ (निवृत्त) परिखादि से घेराहुआ                             | २०१   | ११२ (निपूदन) मारना                                      |
| १८२   | ३३ (निवेश) सेनाका निवास, पड़ाव                              | २८४   | १३ (निष्क) मोहर, छाती का भूषण, १०८ कर्प-सोना            |
| २५    | ४ (निशा) रात  | ४८    | ३० (निष्कृति) कपट, छल                                   |
| २१३   | ४१ (निशाख्या) हलदी  | १३०   | २१ (निष्कला) रजोरहित स्त्री                             |
| ११८   | १६ (निशाटन) उल्लूपची  | २५१   | ३९ (निष्कामित) निकाला हुआ                               |
| ७०    | ५ (निशान्त) घर  | ७७    | ७ (निष्कट) घरके पास बनीहुई फुलवारी                      |
| १९    | १४ (निशापति) चन्द्रमा                                       | १०४   | १२५ (निष्कृष्टि) बड़ीइलायची                             |
| २०१   | ११२ (निशाण) मारना   | ७९    | १३ (निष्कुह) खोढ़किल                                    |
| २१३   | ४१ (निशाहा) हलदी  | २७६   | २५ (निष्क्रम) बुद्धि की शक्ति                           |
| २६४   | ९१ (निशित) तेज, पैर   | ४५    | १५ (निष्ठा) समाप्तकरना, नाटककी सन्धि, सिद्धि, नाश, अन्त |
| २५    | ६ (निशीथ) आधीरात  | २१४   | ४४ (निष्ठा) कढ़ी  |
| २५    | ४ (निशीथिनी) रात  | २८०   | ३८ (निष्ठावन) थुंकना                                    |
| ३१    | ३ (निश्चय) निश्चय   | ३९    | २९ (निष्पुर) रुकश, कठोर                                 |
| ७४    | १८ (निःश्रेणि) काठआदि की सीढ़ी                              | २८०   | ३८ (निष्प्रेव) थुंकना                                   |
| १३६   | ८८ (निपङ्ग) तरकस  | २८०   | ३८ (निष्प्रेवन) थुंकना                                  |
| १९१   | ६६ (निपद्गिन) धनुषधारी                                      | २६३   | ८७ (निष्प्यूत) फेंका, पठाया                             |
| ७०    | २ (निपद्या) बाजार   | २८०   | ३८ (निष्प्यूति) थुंकना                                  |
| ५६    | ९ (निपद्गर) बोदा, कीचड़                                     |       |   |
| ७५    | ३ (निपध) पर्वत विशेष  |       |   |
| ४१    | १ (निपाद) हाथी की आवाज, स्वरविशेष, चाण्डाल                  |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                               | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|-------------------------------------|-------|--|
| २४२   | ४ (निष्णात)जाननेवा-<br>ला, प्रवीण   | १२३   | ३८ (नीढ) झोंझ, घोंसला  |
| २६५   | ९५ (निष्पक्क) अच्छीतरह<br>पकाहुआ    | १२२   | ३५ (नीडोद्व) पची, चि-<br>डिया  |
| २६६   | १०० (निष्पन्न) सिद्धहुआ             | ७३    | १४ (नीघ्न) वोरौनी  |
| २७६   | २४ (निष्पाव) फटकना, प-<br>छोरना     | ८५    | ४२ (नीप) कदम्बवृक्ष  |
| २६६   | १०० (निष्प्रभ) कान्तिरहित           | ५५    | ४ (नीर) पानी, जल   |
| १५२   | ११२ (निष्प्रवाण) नवाकपड़ा           | ३४    | १४ (नील) कालारंग   |
| ५०    | ३८ (निसर्ग) स्वभाव                  | १२१   | ३१ (नीलकण्ठ) मोर, शिग्र  |
| ७४    | १९ (निस्सरण) निकलना                 | ११७   | १४ (नीलांगु) छोटा कि<br>रवा, सोनाके रवा                                  |
| २०१   | ११४ (निस्तहण) मारडा-<br>लना         | ७     | ३४ (नीललोहित) शिग्र  |
| २५९   | ६९ (निस्तल) गोल                     | १२१   | २७ (नीला) माछी   |
| १९६   | ८९ (निस्त्रिश) तलवार                | ५     | २४ (नीलाम्बर) बलदेव  |
| २१५   | ४९ (निस्राव) साड़                   | ६३    | ३७ (नीलाम्बुजन्मन्) नी-<br>लकमल  |
| ४०    | २३ (निस्वन) शब्द                    | ९२    | ७० (नीलिका) न्यवारी  |
| ४०    | २३ (निस्वान) शब्द                   | ९७    | ९५ (नीलिनी) नील  |
| २०१   | ११४ (निहनन) मारना                   | ९७    | ९४ (नीली) नील  |
| ५९    | २२ (निहाका) गोह                     | २७६   | २३ (नीवाक) धनधान्य<br>वटोरना   |
| २०१   | ११२ (निहिंसन) मारना                 | २०९   | २५ (नीवार) तिनीपसाढ़ी<br>आदि खरकी धान्य                                  |
| २३३   | १६ (निहीन) नीच पुरुष                | १५४   | १२१ (नीवी) मूलधन व<br>पूंजी, स्त्री के कमर में<br>वस्त्रकीगोंठि, फुफुंदी |
| ३९    | १७ (निलव) छिपाना, अ-<br>धिवास, शठता | ६७    | ९ (नीवृत्) देश   |
| २३८   | ३८ (नीकाश) सादृश्य,<br>चराचरी       | १५४   | ११८ (नीशार) जड़ावर के<br>कपड़े रजाई अंगरसा<br>इत्यादि                    |
| २३३   | १६ (नीच) नीच, नाटा,<br>छोटा         |       |  |
| ३५०   | १७ (नीचेस्) थोड़ा, नीचे             |       |  |



| पृष्ठ | श्लोक                                       | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २०    | १८ (नीहार) पाला                             | ६०    | २७ (नेमि) गड़ारी, कुँआ<br>की धरन, पहियाका<br>किनारा, पुट्टी |
| ३४४   | २४७ (नु) पूँछना, विकल्प                     | ८२    | २६ (नेमिन्) तिनिशवृक्ष                                      |
| ३८    | ११ (नुति) स्तुति                            | २६२   | ८३ (नेकभेद) अनेकप्रकार<br>का, हरतरहका                       |
| २६३   | ८७ (नुन्न) फेंका, पठाया,<br>प्रेरित         | २२२   | ७८ (नैगम) बनियाँ, नगर<br>का रहनेवाला                        |
| २६०   | ७७ (नूतन) नया                               | २१६   | ६७ (नैचिकी) अच्छी गौ  |
| २६१   | ७८ (नृत्) नया                               | २२६   | १०८ (नैपाली) नैपाली भे-<br>नाशिल                            |
| ८५    | ४१ (नृद) तूतकावृक्ष                         | २२२   | ८० (नैमेय) अदलावदला<br>करना                                 |
| ३४६   | २४६ (नूनम्) तर्क, वस्तुका<br>निश्चय, निश्चय | ८१    | १८ (नैयग्रोध) वरगदवृक्ष<br>का फल                            |
| १५२   | १०९ (नूपुर) विछिया, प-<br>लनियाँ            | १६१   | ८१ (नैयायिक) न्यायशास्त्र<br>जाननेवाला                      |
| १२५   | १ (नृ) मनुष्य                               | १३    | ६१ (नेर्त्तन) राक्षस, नै-<br>र्त्तनविशाका स्वामी            |
| ४४    | १० (नृत्य) नाच                              | १७६   | ७ (नेष्किक) रुपयों का<br>अधिकारी, राजाधी                    |
| १७५   | १ (नृप) राजा                                | १६१   | ७० (नेस्त्रिशिक) तलवार-<br>धारी, तलवारबन्द                  |
| १८२   | ३२ (नृपलक्ष्मन्) राजा<br>का छत्र            | ३४६   | ११ (नो) नहीं, निषेध   |
| ३६१   | २७ (नृपसभ) राजसभा                           | ५६    | १० (नो) नाच   |
| १८२   | ३१ (नृपासन) राजगद्दी                        | ५७    | १३ (नोकादगड) टोंडा,<br>देवुआ                                |
| २५३   | ४७ (नृशंस) क्रूर, दूसरेका<br>अनभल चाहनेवाला | ५६    | १० (नोतार्य) नाचमे पार<br>होने के योग्य पानी                |
| ३६७   | ४० (नृसेन) मनुष्योंकीसेना                   |       |   |
| २४४   | ११ (नेतृ) स्वामी, मालिक                     |       |   |
| १४७   | ९३ (नेत्र) आँख, वृक्षकी<br>जड़, वस्त्र      |       |   |
| १४७   | ९३ (नेत्राम्बु) आँसु                        |       |   |
| २५८   | ६८ (नेदिष्ट) अतिसमीप                        |       |   |
| १४९   | ९९ (नेपथ्य) अलंकारकी<br>शोभा                |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| ३३८   | २२४ (न्यक्ष) सब, अधम,<br>दोनों हाथके फैलाने<br>से बनाहुआ कुण्डल |       | दरवाजा   |
| ८३    | ३२ (न्यग्रोध) वटवृक्ष   | १८४   | ४० (पक्षभाग) पांजर हा-<br>थीका, बगल                                  |
| ९५    | ८७ (न्यग्रोधी) मूसरि  | १२३   | ३७ (पक्षमूल) पखकीजर  |
| २४९   | ७० (न्यक्) छोटा, बौना   | २६    | ७ (पक्षान्त) अमावास्या,<br>पूर्णमासी                                 |
| ११६   | ११ (न्यंकु) हरिणविशेष   | २५    | ५ (पक्षिणी) पूर्व और पर<br>दिन से सयुक्त रात                         |
| २६३   | ८८ (न्यस्त) धरोहरधरा,<br>फेंका                                  | १२२   | ३३ (पक्षिन्) पक्षी, चि डेया  |
| २१७   | ५६ (न्याद) भोजन   | ३१२   | १२० (पक्षमन्) आंखकीवरौ-<br>नी, फूलोंकी धूरि, सूत<br>का बहुत पतला अंश |
| १८०   | २४ (न्याय) न्याय  | २६    | २३ (पंक्) पाप, घोदा,<br>दीचड़  |
| १८०   | २५ (न्याय्य) न्याययुक्त   | ६७    | ११ (पंक्किल) कीचड़युक्तदेश   |
| २२२   | ८१ (न्यास) धरोहर  | ६३    | ४० (पंकेरुह) कमल   |
| १४०   | ६१ (न्युञ्ज) कुचरा, टेढ़ा                                       | १३७   | ४८ (पंगु) पंगुला   |
| ३५७   | १७ (न्युञ्ज) सामवेदका<br>अंकार                                  | ७७    | ४ (पंक्ति) पॉति, दशअ-<br>क्षरकेचरणवाला छन्द                          |
| ३१४   | १२७ (न्यून) कम, निंघ<br>( प )                                   | ९९    | १०२ (पचम्पचा) दारुहल्दी  |
| ७४    | २० (पक्षण) भिछों का<br>ग्राम,                                   | २७२   | ८ (पचा) अन्नकापकाना  |
| २६४   | ९१ (पक्) पका हुआ,<br>जल्दी नाशहोनेवाला                          | १२५   | १ (पञ्चजन) मनुष्य  |
| २७    | १२ (पक्ष) १५ दिन, पंख,<br>तीरका पंख, सहाय                       | २०२   | ११६ (पञ्चता) मृत्यु, मौत   |
| ७३    | १४ (पक्षक) बगल का<br>दरवाजा                                     | २६    | ७ (पञ्चदशी) अमावस,<br>पूर्णमासी                                      |
| २४    | १ (पक्षति) परीवातिथि,<br>पंखकी जड़                              | ११५   | २ (पञ्चनख) सिंह, पांच<br>नखवाले जीव                                  |
| ७३    | १४ (पक्षदार) बगल का   | ४१    | १ (पञ्चम) स्वरविशेष,<br>कोकिलकी बोली                                 |

| पृष्ठ | श्लोक                        | पृष्ठ | श्लोक                   |
|-------|------------------------------|-------|-------------------------|
| ५     | २५ (पञ्चशर) कामदेव           | २६६   | १०६ ( पणायित ) स्तुति   |
| १४५   | ८१ (पञ्चशास्त्र) हाथ         |       | किया हुआ, स्तुत         |
| ८८    | ५१ (पञ्चांगुल) रेंड़, रेंड़ी | २६९   | १०९ (पणित) स्तुति किया  |
| ११४   | १ (पञ्चास्य) सिंह            |       | हुआ, स्तुत              |
| ३६३   | ३१ (पञ्जर) पिंजरा            | २२३   | ८२ (पणितव्य) विक्रनेवा- |
| ३५४   | ७ (पञ्जिका) निःशेष पदों      |       | ली वस्तु                |
|       | की व्याख्या                  | १३४   | ३९ (परड) हिजरा          |
| १५३   | ११६ ( पट ) अच्छावस्त्र       | १६०   | ५ (परिडत) परिडत         |
| १५३   | ११५ (पटञ्चर) पुरानावस्त्र    | २२३   | ८२ (परय) विकनेवाली      |
| ७३    | १४ (पटल) छप्पर, नेत्ररोग,    |       | वस्तु                   |
|       | समूह                         | ७०    | २ (परयवीथिका) जहां      |
| १५९   | १४० (पट्यासक) चुकवा          |       | वाजार न हो लेकिन        |
| २००   | १०८ (पटह) लड़ाईकेवाजा        |       | वस्तु विकतीहो उस        |
|       | का शब्द                      |       | का नाम                  |
| १११   | १५५ ( पटु ) परवर, घड़ाव-     | १२९   | १५० (परया) मालकॉगनी     |
|       | तकहा, चतुर, शीघ्र,           | २२२   | ७८ (परयाजीव) घनियॉ      |
|       | नीरोग                        | १२२   | ३४ (पतग) पत्ती          |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १२७   | ७ (पतिवरा) स्वयंवर में<br>अपने आप पतिकी<br>इच्छा करनेवाली   | १७८   | १७ (पथिक) राही, सुमा-<br>फिर                        |
| १२६   | ६ (पतिव्रता) पतिव्रता   | ६८    | १६ (पथिन्) मार्ग, रास्ता                            |
| १२८   | १० (पतिवती) अहिवाती   | ८६    | ५६ (पथ्या) हर्                                      |
| ६९    | १ (पत्तन) नगर, शहर  | १४३   | ७१ (पद्) पैर, पाँव                                  |
| १९०   | ६६ (पत्ति) पैदल चलने-<br>वाला, हाथी, रथ,<br>घोड़ा, पैदलसिपाही<br>जिसमें हों वह फौज                        | ३०६   | ९३ (पद) उद्यम, रक्षा;<br>स्थान, चिह्न, पैर, वस्तु   |
| १२६   | ५ (पती) ब्याही स्त्री   | १९०   | ६६ (पदग) पैदल                                       |
| ८०    | १४ (पत्र) पत्ता, पंख, सवारी   | ६८    | १६ (पदवी) मार्ग, रास्ता                             |
| २३७   | ३३ (पत्रपशु) रेती, सोना<br>काटने का हथियार  | १६०   | ६६ (पदाजि) पैदल                                     |
| १५०   | १०३ (पत्रपाश्या) बेंदी,<br>टीका   | १९०   | ६६ (पदाति) पैदल                                     |
| १०२   | ३४ (पत्रस्थ) पक्षी  | १९०   | ६७ (पदिक) पैदल                                      |
| १५५   | १२३ (पत्रलेखा) छापविशेष   | १९०   | ६७ (पद्ग) पैदल                                      |
| १५७   | १३३ (पत्रांग) लालचन्दन,<br>देवीचन्दन, रक्तसार   | ६८    | १६ (पद्धति) मार्ग, रास्ता                           |
| १५५   | १२३ (पत्रांगुलि) गाल, स्तन<br>में स्त्रियों के किसी ग-<br>न्धादि से उरेहना                                | १६    | ७२ (पद्म) निधिविशेष,<br>कमल                         |
| ११८   | १६ (पत्रिन्) पक्षी, तीर,<br>वाजपत्नी, धोये रेशमी<br>कपड़े, धुलाहुआ कौ-<br>शेय, कुशवारीसे बना<br>हुआ कपड़ा | १८४   | ३९ (पद्मक) हाथीके मुख<br>पर के विन्दुओंका स-<br>मूह |
| ८९    | ५६ (पत्रोर्ण) सरिवन   | १०९   | १४६ (पद्मचारिणी) कपिला                              |
|       |   | ४     | २० (पद्मनाभ) विष्णु                                 |
|       |   | १०९   | १४५ (पद्मपत्र) पुष्करमूल                            |
|       |   | २२५   | ६२ (पद्मराग) लालमणि                                 |
|       |   | ६     | २७ (पद्मा) कपीला औप-<br>धि, लक्ष्मी, भँगरा          |
|       |   | ६०    | २८ (पद्माकर) कमलयुक्त<br>तालाव                      |
|       |   | १०६   | १४७ (पद्माट) चकवँड़                                 |
|       |   | ६     | २७ (पद्मालया) लक्ष्मी                               |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १८३   | ३५ (पद्मिन्) हाथी                            | १६६   | २८ (परम्पराक) यज्ञपशु<br>का मारना                                     |
| ६३    | ३९ (पद्मिनी) कनकलिनी                         | २४५   | १६ (परवत्) पराधीन   |
| ३६३   | ३१ (पद्य) श्लोक                              | १९६   | ९२ (परशु) फरसा, कुल्हरी   |
| ६८    | १६ (पद्या) मार्ग, रास्ता                     | १९६   | ९२ (परश्वध) फरसा, कु-<br>ल्हरी  |
| ६०    | ६१ (पनस) कटहर                                | ३५१   | २२ (परश्वस्) परसों  |
| २६९   | १०९ (पनायित) स्तुतिक्रिया<br>हुआ             | २५७   | ६३ (परशशत) सौसे अधिक<br>(परस्सहस्र) हजार से<br>ज्यादह                 |
| २६६   | १०९ (पनित) स्तुति क्रिया<br>हुआ              | १९८   | १०२ (पराक्रम) तामर्ध, यत्न  |
| २६७   | १०४ (पन्न) चुआ, गिरा                         | ८०    | १७ (पराग) फूलोंकी धूरि,<br>नहाने का उपकारी गं-<br>धचूर्ण, धूरि, ग्रहण |
| ५२    | ६ (पन्नग) साँप                               | २५०   | ३३ (पराद्मुख) विमुख   |
| ६     | ३० (पन्नगाशन) गरुड़                          | २३४   | १८ (पराचित) दूसरे का<br>पलुआ  |
| ५५    | ३ (पयस्) जल, दूध                             | २५०   | ३३ (पराचीन) विमुख   |
| २१५   | ५१ (पयस्य) घी दहीआदि                         | २०१   | १११ (पराजय) लड़ाई में<br>हारना  |
| ३२३   | १६३ (पयोधर) चूँची, स्तन,<br>बादर             | २०१   | १११ (पराजित) हाराहुआ  |
| १७७   | ११ (पर) दूरि, अपने से<br>भिन्न, उत्तम, शत्रु | २४५   | १६ (पराधीन) पराधीन,<br>परवश   |
| २३४   | १८ (परजात) दूसरेका प-<br>लुआ                 | २४६   | २० (परान्न) पराये अन्न से<br>जीनेवाला                                 |
| २४५   | १६ (परतन्त्र) पराधीन                         | २०१   | १११ (पराभूत) हाराहुआ  |
| २४६   | २० (परपिराडाद) पराया<br>अन्न खानेवाला        | २७०   | २ (परायण) मिलावचन,<br>आसंगवचन   |
| ११९   | २१ (परभूत) कोआ                               | ३५१   | २० (पारि) त्योंरुस  |
| ११९   | २० (परभूत) कोयल                              |       |   |
| ३४९   | १२ (परमम्) अंगीकार<br>(परमा) शोभा            |       |   |
| १६५   | २६ (परमान्न) खीर                             |       |   |
| ३     | १६ (परमेष्ठिन्) ब्रह्मा                      |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                    | पृष्ठ | श्लोक                   |
|-------|--------------------------|-------|-------------------------|
| २५६   | ५८ (परार्थ्य) अतिश्रेष्ठ | १६८   | ३७ (परिचर्या) सेवा      |
| २०१   | ११२ (परासन) मारडालना     | १६५   | २२ (परिचाय्य) यज्ञकी    |
| २०२   | ११७ (परासु) मराहुआ       |       | अग्नि                   |
| २३६   | २५ (परास्कदिन्) चोर      | २३४   | १७ (परिचारक) दास, ट-    |
| १५४   | १२१ (परिकर) परिवार, कु-  |       | हलू                     |
|       | टुम्ब, पलंग, पटुका       | २६५   | ९६ (परिणत) दूसरे रूप    |
|       | जो कपड़ा कमर में         |       | को पाया, पकाहुआ         |
|       | बाँधाजाय                 | १७४   | ६० (परिणय) विवाह        |
| १५४   | १२२ (परिकर्मन्) चन्दना-  | २७४   | १५ (परिणाम) रूपका व-    |
|       | दिसे अंगोंका संस्कार     |       | दलना                    |
| २७४   | १६ (परिक्रम) खेलमें पाँव | २४०   | ४६ (परिणाय) शतरंजकी     |
|       | से चलना                  |       | गोटियोंका चलाना         |
| २७५   | २० (परिक्रिया) परिवारों  | १५३   | ११४ (परिणाह) चौड़ाई     |
|       | का घेरना                 | ३४९   | १३ (परितस्) सबतरफ       |
| २६३   | ८८ (परिक्षिप्त) परिखादि  | २७१   | ५ (परित्राण) रक्षाकरना  |
|       | से घिराहुआ               | २२२   | ८० (परिदान) फेरदेना,    |
| ६१    | २९ (परिखा) खोंखों        |       | अदलावदली                |
| ३४२   | २३६ (परिग्रह) फौजका पी-  | ३९    | १६ (परिदेवन) रोना       |
|       | छा, स्त्री, परिवारवाले,  | १५३   | ११७ (परिधान) नीचेपहिरने |
|       | आदान, मूल, शाप           |       | का वस्त्र, धोती         |
| १९६   | ६१ (परिघ्न) मारडालना,    | २३    | ३२ (परिधि) सूर्य, च-    |
|       | हथियारविशेष, लो-         |       | न्द्रमामें कभी २ पड़ा   |
|       | हथी                      |       | हुआ मण्डल, यज्ञीय       |
| १९६   | ६१ (परिघातन) मारडा-      |       | वृक्षकी शाखा, खेत       |
|       | लना, हथियारविशेष,        |       | का घेरा                 |
|       | लोहथी                    | १८९   | ६२ (परिधिस्थ) फौजकी     |
| २७६   | २३ (परिचय) पहिंचान       |       | रक्षाकरनेवाला           |
| १८६   | ६२ (परिचर) फौजकी रक्षा   | २२२   | ८० (परिपण) मूलधन,       |
|       | करनेवाला                 |       | पूजी                    |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १७७   | ११ (परिपन्थिन्) शत्रु, दु-<br>श्मन   | १७४   | ५९ (परिवेतु) जितका व-<br>डाभाई न व्याहागया<br>हो प्रथम छोटा व्या-<br>हागयाहो तो उसका<br>नाम |
| १६९   | ४० (परिपाटी) अनुक्रम.<br>तरीका, क्रम   | २३    | ३२ (परिवेष) सूर्य, च-<br>न्द्रमार्गें कभी २ पड़ने<br>वाला मण्डल                             |
| १५८   | १३८ (परिपूर्णाता) पूराहोना,<br>सबतरहसे पूर्णहोना   | ८३    | ३० (परिव्याध) जलवैत,<br>कठचम्पा   |
| १०५   | १३१ (परिपेलव) मोथा   | १७०   | ४५ (परिव्राज्) संन्यासी   |
| २६०   | ७५ (परिप्लव) चञ्चल   | १६३   | १७ (परिपद्) सभा   |
| ३४२   | २३८ (परिवर्ह) राजाकेयोग्य<br>वस्तु, परिच्छद वस्त्र   | १४९   | १०१ (परिष्कार) गहना   |
| ४६    | २२ (परिभव) अनादर   | १४९   | १०० (परिष्कृत) अलंकृत,<br>शृङ्गारकियेहुये   |
| ३८    | १४ (परिभाषण) उरहना   | २७८   | ३० (परिष्वंग) लिपटना  |
| २६८   | १०६ (परिभूत) अपमान<br>कियाहुआ  | ६८    | १५ (परिसर) नदी पहाड़<br>आदिका समीप  |
| ३३    | १० (परिमल) घसनेपर<br>निकलनेवाला मनोहर<br>सुगन्ध, मलना  | २७५   | २० (परिसर्प) परिवार-<br>वालोंका घेरना   |
| २७८   | ३० (परिम्भ) लिपटना   | २७५   | २१ (परिसर्पा) सबतरंफ<br>फैलना   |
| २०१   | ११४ (परिवर्जन) मारना   | २३४   | १८ (परिस्कन्द) दूसरेका<br>पलुआ  |
| ४२    | ३ (परिवादिनी) सात<br>तारोंसे बंधीहुईवीणा   | १८४   | ४२ (परिस्तोम) हाथीकी<br>जूल   |
| २६२   | ८५ (परिवापित) मूँड़ाहुआ  | १५८   | १३८ (परिस्पन्द) शिल्पादि<br>की रचना, कारीगरी<br>करना  |
| १७४   | ५६ (परिविति) बड़ाभाई<br>न व्याहागयाहो छोटा<br>भाई व्याह करले तो<br>उसकेबड़ेभाईको परि-<br>विति कहते हैं |       |   |
| २४४   | ११ (परिवृद्) स्वामी, मा-<br>लिक  |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २३९   | ३९ (परिस्त्रुत)दारू, मदिरा  | १२०   | २७ (परोष्णी) गीदड़   |
| २३९   | ४० (परिहृता)दारू, मदिरा   | ८३    | ३२ (पर्कटिन्) पकरिया   |
| २४३   | ७ ( परीक्षक ) परखने-<br>वाला, परीक्षालेनेवाला                     | ९९    | १०२ (पर्जनी) दारुहलदी  |
| ४६    | २२ (परीभाव) अनादर   | ३१९   | १४६ (पर्जन्य) गर्जता हुआ<br>वादर, इन्द्र   |
| २२२   | ८० (परीवर्त) अदलाबदली   | ८०    | १४ (पर्ण) पत्ता, छिउल  |
| ३८    | १३ (परीवाद) निन्दा  | ७१    | ६ (पर्णशाला) मुनियों<br>का झोपड़ा  |
| ३१४   | १२९ (परीवाप) विछौना, अ-<br>सवात्र, सवत्ररफवोया,<br>वोध, जलका आधार | ९४    | ७९ (पर्णास) बबई, पर्णास  |
| ३२५   | १६८ (परीवार) मियान, अ-<br>सवात्र, जंगम                            | १५४   | १२१ (पर्यङ्ग) पटुका  |
| ५६    | १० (परीवाह) नाला, नहर,  | १५९   | १३९ (पर्य्यक) पलंग   |
| १६७   | ३४ (परीष्टि) श्राद्धके वा-<br>ह्यण की भक्ति और<br>सेवाकरना        | १५४   | १२१ (पर्य्यङ्किका) पटुका, क-<br>मरमें वोधनेका कपड़ा                                  |
| २७५   | २१ ( परीसार ) सब तरफ<br>फैलना                                     | १६८   | ३८ (पर्य्यटन) घूमना  |
| ४९    | ३२ (परीहास) खेल, लीला   | ६८    | १५ (पर्य्यन्तभू) नदीपहाड़<br>आदि का समीप   |
| ३५१   | २० (परुत्) परु, परसाल   | १६९   | ४० (पर्य्यय) क्रमका उल्लं-<br>घन, कुछ उलटा पलट                                       |
| ३९    | १९ (परुप) कर्कश, कड़े,<br>कठोर                                    | २७५   | २१ ( पर्य्यवस्था ) विरोध,<br>विगार   |
| ११२   | १६२ (परुस्) गांठ, पोर   | २१७   | ५७ ( पर्य्यास ) इच्छा भर   |
| २०२   | ११७ (परेत) मरा हुआ  | २७१   | ५ (पर्य्यासि) कोई किसी<br>को मारता हो उसस-<br>मय उसका हाथ परु-<br>ड़लेना, रक्षा करना |
| १३    | ५३ (परेतगज्ज) यमराज   |       |  |
| ३५१   | २१ (परेद्यवि) परदिन   | १६९   | ४० (पर्य्याय) क्रम, तरीका,<br>अवसर, मौका   |
| २२०   | ७० (परेण्डुका) बहुत चार<br>की ब्याई गौ                            | २०४   | ३ (पर्य्युदंचन) कृणलेना,<br>कजलेना   |
| २३४   | १८ (परेधित) दूसरेका पलुआ  |       |  |



| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                    |
|-------|--|-------|--|
| १६७   | ३४ ( पर्येषणा ) श्राद्ध में<br>ब्राह्मणभक्ति और सेवा<br>करना   | ८०    | १८ ( पल्लव ) पल्लव, कोमल<br>। पत्ता      |
| ७४    | १ ( पर्वत ) पहाड़  | ६०    | २८ ( पल्वल ) छोटातालाव,<br>डवहा          |
| ११२   | १६२ ( पर्वन् ) गांठि, पोर,<br>शुक्रपक्षकी अटमी, कृ-<br>ष्णकी चतुर्दशी, अमा-<br>वास्या, पूर्णमासी, सं-<br>क्रान्ति, उत्सव | २७६   | २४ ( पव ) अन्नादिपछोरना,<br>फटकना        |
| २६    | ७ ( पर्वसन्धि ) अमावस<br>पूर्णमासी और परीवा<br>की सन्धि  | १४    | ६४ ( पवन ) वायु, हवा, प-<br>छोरना, फटकना |
| १४२   | ६९ ( पशुका ) पशुड़ी  | ५२    | ८ ( पवनाशन ) साँप                        |
| २२४   | ८६ ( पल ) चोसठमास,<br>धुंधुचीभर, मांस, दण्ड<br>का साठिवां हिस्सा   | १४    | ६४ ( पवमान ) वायु, हवा                   |
| २३१   | ६ ( पलगंड ) चूना आदि<br>पोतने वाला   | ११    | ४८ ( पवि ) इन्द्रका वज्र                 |
| ६८    | ९८ ( पलंकपा ) गोखुह  | ११३   | १६६ ( पवित्र ) पवित्र, कुश,<br>पाकसाफ    |
| १४१   | ६३ ( पलल ) मांस  | ५८    | १६ ( पवित्रक ) सनका सूत                  |
| १०९   | १४७ ( पलाण्डु ) प्याज  | ७     | ३१ ( पशुपति ) शिव                        |
| ६०९   | २२ ( पलाल ) पैरा, पुआर   | २८०   | ३९ ( पशुप्रेरण ) पशुओं को<br>ललकारना     |
| ८०    | १४ ( पलाश ) पत्ता, कचूर,<br>छिउल   | २२१   | ७३ ( पशुरज्जु ) गेरौंव, ज्व-<br>डायल     |
| ७८    | ५ ( पलाशिन ) वृक्ष, पैड़   | ३४३   | २४२ ( पश्चात् ) पश्चिम<br>दिशा, अन्तमें  |
| १२८   | १२ ( पलिकी ) बूढ़ी स्त्री  | ४७    | २५ ( पश्चात्ताप ) पछनाना                 |
| १३५   | ४१ ( पलित ) बुढ़ापासे<br>वालों की उजरौटी   | १६    | १ ( पश्चिम ) अन्तिम, अ-<br>खीरी          |
| १५९   | १३९ ( पल्यंक ) पलंग  | ६६    | ८ ( पश्चिमोत्तर ) पश्चिम<br>उत्तर का देश |
|       |  | ७०    | ५ ( पस्त्य ) घर                          |
|       |  | १६८   | ९८ ( पांशु ) धृरि                        |
|       |  | १२७   | ११ ( पांशुला ) छिनागि,                   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
|       | व्यभिचारिणी स्त्री                                    | १५    | ८४ (पाढा) पाठा, पाँढी   |
| १२३   | ३९ (पाक) वञ्जा, अन्नपकाना                             | ६४    | ८० (पाठिन्) चीत, ओप-<br>धिविशेष                                       |
| १०४   | १२६ (पाकल) कूट, औषधि-<br>विशेष                        | ५८    | १८ (पाठीन) पढ़िनामछरी   |
| ९     | ४२ (पाकशासन) इन्द्र                                   | १४५   | ८९ (पाणि) हाथ   |
| १०    | ४७ (पाकशासनि) इन्द्रका<br>पुत्र                       | १२६   | ५ (पाणिगृहीती) विवा-<br>हिता स्त्री                                   |
| २१०   | २७ (पाकस्थान) रसोईका<br>घर                            | २३३   | १३ (पाणिघ) ताली वजा-<br>ने वाला                                       |
| २१३   | ४२ (पाक्य) खारी नोन,<br>सज्जी                         | १७४   | ६० (पाणिपीडन) विवाह   |
| १७१   | ४८ (पाखण्ड) बौद्ध क्षप-<br>णक शास्त्रको मानने<br>वाला | २३३   | १३ (पाणिवाद) ताली व-<br>जाने वाला                                     |
| ६     | २९ (पाञ्जन्य) विष्णुका<br>शंख                         | ३४    | १२ (पाण्डर) कुछ पीला<br>उजलारंग                                       |
| २३६   | २९ (पाञ्चालिका) कठ-<br>पुतरी, गुड़िया गुड्डा          | ३४    | १३ (पाण्डु) कुछ पीला<br>उजलारंग                                       |
| ३४८   | ७ (पाट्) संवोधन                                       | १८७   | ५४ (पाण्डुकम्बलिन्) पीले<br>कम्बलका बहार जिरा<br>पर पड़ाहो बहरथ       |
| २३६   | २५ (पाटञ्चर) चोर, पुराना<br>कपड़ा                     | ३४    | १२ (पाण्डुर) कुछ पीला<br>उजलारंग                                      |
| ३४    | १५ (पाटल) गुलाबीरंग,<br>सांठी आदि कुआरी<br>धान        | ३६४   | ३३ (पातक) ब्रह्महत्यादि<br>पाप  |
| ८१    | २० (पाटला) फूलविशेष,<br>पाँढ़रि                       | ५१    | १ (पाताल) पाताल, बड़-<br>वानल   |
| ८८    | ५४ (पाटलि) लोधविशेष,<br>पाँढ़रि                       | २४८   | २७ (पातुक) गिरनेवाला  |
| २७८   | २९ (पाठ) पढ़ना  | ५६    | ८ (पात्र) दोनों किनारों<br>का बीच, बुवादि, यो-<br>ग्य मनुष्यादि, धरतन |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ३६७   | ४२ (पात्री) वरतन   |       | स्थान  |
| ३६५   | ३५ (पात्रीव) यज्ञका वर-<br>तनविशेष                                 | २४०   | ४३ (पानगोष्ठिका) दारू<br>पीनेकी सभा                        |
| ५५    | ४ (पाथस्) जल, पानी   | २४०   | ४३ (पानपात्र) दारूपीने<br>का वरतन                          |
| ७६    | ७ (पाद) पाँव, पैर, चौथाई.<br>किरण, पर्वत के पास<br>के छोटे २ पहाड़ | २११   | ३२ (पानभाजन) पानी पी-<br>नेका वरतन, कटोरा                  |
| १५२   | ११० (पादकटक) पैर के<br>कड़ा, घुँघुरू                               | ५५    | ४ (पानीय) पानी, जल   |
| १७०   | ४४ (पादग्रहण) प्रणाम   | ७१    | ७ (पानीयशालिका) पौ-<br>शाला                                |
| ७७    | ५ (पादप) वृक्ष   | १७८   | १७ (पान्थ) पथिक, बटोही,<br>मुसाफिर                         |
| २१७   | ५८ (पादबन्धन) गौं, भैंस<br>आदि                                     | २९    | २३ (पाप) पाप, क्रूर, दूसरे<br>का अनभल चाहने<br>वाला        |
| १३९   | ५६ (पादवल्मीक) हाड़ारोग  | ९५    | ८५ (पापचेली) पाठा, पॉढ़रि                                  |
| १३८   | ५२ (पादस्फोट) पैर की<br>व्यवाह                                     | २६    | २३ (पाप्मन्) पाप   |
| १४२   | ७१ (पादाग्र) पैरका अगि-<br>लाभाग                                   | १३८   | ५३ (पामन्) खाजु  |
| १५२   | १०६ (पादांगद) बिछिया, प-<br>लनियां                                 | १३९   | ५८ (पामन) खाजुयुक्त  |
| १६०   | ६६ (पादात) पैदलों का<br>समूह                                       | २३३   | १६ (पामर) नीचप्राणी  |
| १९०   | ६६ (पादातिक) पैदल  | १३८   | ५३ (पामा) खाजु   |
| २३७   | ३० (पाडुका) खराऊं, जूता  | १५६   | १२६ (पायस) देवदारु, धूप,<br>खीर                            |
| २३७   | ३१ (पादू) जूता   | १४३   | ७३ (पायु) गुदा   |
| २३१   | ७ (पादूकृत) चमार   | २२४   | ८५ (पाच्य) तौल, नाप  |
| १६८   | ३५ (पाद्य) पैर धोनेके लि-<br>ये जल                                 | ५६    | ८ (पार) उत्सपार  |
| २३९   | ४१ (पान) दारूपीने का   | २२७   | ९९ (पारद) पारा   |
|       |  | ३३५   | २०९ (पारशव) शूद्रा स्त्री में<br>ब्राह्मणसे उत्पन्न पुत्र, |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
|       | हथियारविशेष  |       |   |
| १६१   | ७० (पारश्वधिक) फरसा<br>हथियार धारण करने-<br>वाला       | ८२    | २६ ( पारियातक ) घकैना<br>विशेष                        |
| १८५   | ४५ (पारसीक) पारसीघोड़ा                                 | ७५    | ३ ( पारियात्रक ) पर्वत;<br>विशेष                      |
| १३१   | २४ (पारस्त्रैण्येय) परारीस्त्री<br>का पुत्र            | ८     | ३६ (पारिपद) शिवगण                                     |
| २७०   | २ (पारायण) सम्पूर्णता<br>का वचन                        | १५१   | १०७ ( पारिहार्य्य ) हाथ में<br>पहिरनेके कड़ा          |
| ११८   | १५ (पारावत) कवूतर                                      | ३५५   | १० ( पारी ) हाथी के पाँव<br>की रस्ती                  |
| २७०   | २ (पारावतांग्रि) मालकां-<br>गनी                        | ३८    | १४ (पारुण्य) कठोरवचन                                  |
| ५४    | १ (पारावार) समुद्र, नदी<br>का इधर उधरका कि-<br>नारा    | १७५   | १ (पार्थिव) राजा                                      |
| १७०   | ४५ (पाराशरिन्) संन्यासी                                | ८     | ३८ (पार्वती) पार्वती                                  |
| १७०   | ४५ (पारिकाशिन्) तपस्वी                                 | ९     | ४० ( पार्वतीनन्दन ) स्वा-<br>मिकार्त्तिक              |
| ११    | ५१ (पारिजातक) देववृक्ष-<br>विशेष, षकायिनि              | १४४   | ७६ (पार्श्व) पाँजर, षगल,<br>पँशुरियोंका समूह          |
| १५०   | १०३ ( पारितथ्य ) चोटी में<br>लगाने की सोने की<br>पट्टी | २१८   | ६३ (पार्श्वग) ढगगुरी घ-<br>सीटामें जोताहुआ            |
| १६६   | ४० ( पाराशर्य्य ) व्यास-<br>मुनि                       | १८४   | ४० ( पार्श्वभाग ) षगल,<br>पाँजर                       |
| २६०   | ७५ (पारिप्लव) चंचल                                     | १४३   | ७२ (पार्ष्णि) पँड़ी                                   |
| ८३    | २६ (पारिभद्र) षकायिनि                                  | १७७   | १० ( पार्ष्णिग्राह ) अपने<br>राज के पीछे रहने<br>वाला |
| ८८    | ५३ (पारिभद्रक) देवदारु                                 | ११४   | १६७ (पालघ्न) पानीकाखर                                 |
| १०४   | १२६ (पारिभाष्य) कूट औ-<br>पध                           | १०३   | १२१ (पालङ्की) पलाकी                                   |
|       |  | ३४    | १४ (पालाश) हरारंग                                     |
|       |  | १९७   | ६३ (पालि) कोण, पांति,<br>चिह्न                        |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                      |
|-------|--|-------|--|
| १००   | १०८ (पालिन्दी) काला नि-<br>स्रोत, त्रिधारा                               | ६०    | ६२ (पिचुमई) नींब                           |
| ३५३   | ५ (पाल्लवा) पल्लव की<br>मार होनेवाला खेल                                 | ८५    | ४० (पिचुल) झाऊकावृक्ष,<br>रई               |
| १२    | ५५ (पावक) आगि  | २२८   | १०५ (पिचट) रांगा                           |
| १४६   | ५८ (पाश) केशसमूह   | ३२२   | ३२ (पिच्छ) मोरपंख, गुच्छा                  |
| २४०   | ४५ (पाशक) पाँशा  | ८७    | ४७ (पिच्छा) सेमरकागोंद                     |
| ३४    | ६२ (पाशिन) वरुण  | २१४   | ४६ (पिच्छिल) जलयुक्त<br>व्यंजन कढ़ीआदि     |
| ६४    | ८१ (पाशुपत) गूमा   | ८६    | ४६ (पिच्छिला) सेमर, सी-<br>सम              |
| २०३   | २ (पाशुपाल्य) पशुओं<br>का पालना  | २०२   | ११५ (पिञ्ज) मारडालना                       |
| २८१   | ४३ (पाश्या) पाशोंका स-<br>मूह  | २२७   | १०३ (पिञ्जर) पिंजड़ा, हरि-<br>ताल,         |
| २६१   | ८१ (पाश्चात्य) पीछे हुआ<br>(पापरड) सवतरहका<br>रूप धारणकरनेवाला<br>पाखरडी | १६८   | ९९ (पिञ्जल) घवड़ाया,<br>आकुल               |
| ७५    | ४ (पापाण) पत्थर  | १४२   | ६७ (पिञ्जूप) कानकीमैल                      |
| २३८   | ३४ (पापाणदारण) टाँकी   | २१०   | २६ (पिट) छँटावा, डेलवा                     |
| ११९   | २० (पिक) कोयलपच्ची   | १३८   | ५३ (पिटक) फोरिआ,<br>फोड़ा, र्यटारी         |
| ३४    | १६ (पिह) पीलारंग   | २११   | ३१ (पिठर) वटुआ, मोथा,<br>मथानी             |
| २३    | ३० (पिहल) सूर्य के चा-<br>रोंओर रहनेवालाग्रह-<br>विशेष, पीलारंग          | २२६   | ६८ (पिरड) लोहा, गन्धरस                     |
| १७    | ४ (पिहला) वामननाम<br>दिग्गजकी स्त्री                                     | १५६   | १२६ (पिरडक) लोहवान                         |
| १४४   | ७७ (पिचरड) पेट, पशुका<br>अंग   | १८८   | ५६ (पिरिडका) नाहनि प-<br>हियाकेवीचकी लकड़ी |
| १३६   | ४४ (पिचरिडल) तोंदवाला  | ८८    | ५२ (पिरिडीतक) मयनफ-<br>ल, लोहवान           |
|       |  | २८३   | ९ (पिरयाक) तिल की<br>खरी                   |

| पृष्ठ | श्लोक                        | पृष्ठ | श्लोक                   |
|-------|------------------------------|-------|-------------------------|
| १३७   | ३४ (पितरौ) मातापिता          | १३७   | ४९ (पिष्टुस्) देहकातिल, |
| ३     | १६ (पितामह) ब्रह्मा, आज्ञा   |       | जिसके अंग में लह-       |
| १३२   | २८ (पितृ) बाप, पिता,         |       | सुनाकार चिह्न हो वह     |
|       | पितामाता                     |       | पुरुष                   |
| १६७   | ३३ (पितृदान) पितरों के       | ८४    | ३५ (पियाल) चिरौंजी      |
|       | लिये दिया जावे               | १४०   | ६० (पिह्व) चौंधरी ऑ-    |
| १३    | ५६ (पितृपति) यमराज           |       | खिवाला, चुन्ध           |
| १३३   | ३३ (पितृपितृ) पितामह,        | ३४    | १६ (पिशङ्ग) पीलारंग     |
|       | आज्ञा                        | २     | ११ (पिशाच) देवजाति      |
| २५    | ३ (पितृप्रसू) सन्ध्या        |       | वाले                    |
| २०२   | ११८ (पितृवन) इमशान           | १४०   | ६३ (पिशित) मौस          |
| १३२   | ३१ (पितृव्य) पिताका भाई      | १५५   | १२५ (पिशुन) केसर, कुं-  |
| १४०   | ६२ (पित्त) पित्त             |       | कुम, दुर्जन, चुगुल      |
| १७२   | ५४ (पित्र्य) पितरोंका तीर्थ, | १०६   | १३३ (पिशुना) अस्परक     |
|       | अंगुष्ठा तर्जनी के बीच       | २१५   | ४८ (पिष्टक) पूआ         |
|       | में पित्र्यतीर्थ होता है     | २११   | ३२ (पिष्टपचन) तावा      |
| १२२   | ३४ (पित्सत्) पच्ची           | १५९   | १४० (पिष्टात) बुकवा     |
| १६    | १३ (पिधान) झांपना            | १५९   | १३६ (पीठ) पीढ़ा, पिढ़ई  |
| १६०   | ६५ (पिनद्ध) कवचआदि           | २००   | १०६ (पीडन) धरना, मलना   |
|       | पहिरेहुये                    | ५४    | ३ (पीडा) दुःख, तकलीफ    |
| ७     | ३६ (पिनाक) शिवका ध-          | ३४    | १४ (पीत) पीलारंग        |
|       | नुष, शूल                     | २२७   | १०३ (पीतक) हरताल        |
| ८     | ३२ (पिनाकिन्) शिव            | ८८    | ५३ (पीतदारु) देवदारु    |
| २१६   | ५५ (पिपासा) प्यास            | ८९    | ६० (पीतद्रु) दारुहलदी,  |
| ३५४   | ८ (पिपीलिका) चींटी           |       | सरलवृक्ष                |
| ८१    | २० (पिप्पल) पीपरवृक्ष        | ८२    | २७ (पीतन) अम्बार, के-   |
| ९८    | ६७ (पिप्पली) पीपरि           |       | सर, हरताल               |
| २२६   | ११० (पिप्पलीमूल) पिप-        | ८६    | ४३ (पीतसारक) विजय-      |
|       | रामूरि                       |       | सार                     |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २१३   | ४१ (पीता) हलदी  | ३६७   | ४२ (पुटी) डव्वा   |
| ४     | १९ (पीताम्बर) विष्णु  | १७    | ३ (पुण्डरीक) आग्नेय<br>दिशाकादिगज, वाघ,<br>आगि, उजलाकमल |
| १८५   | ४३ (पीति) घोड़ा   | ४     | १९ (पुण्डरीकाक्ष) विष्णु                                |
| २५७   | ६१ (पीन) मोटा   | १०५   | १२७ (पुण्डर्य) स्थलकमल,<br>गुलाव                        |
| १३७   | ५१ (पीनस) नाकरोगवि-<br>शेष  | ११३   | १६३ (पुण्ड्र) पौंड्रा, ऊख                               |
| २२०   | ७१ (पीनोन्नी) मोटेथन-<br>वाली   | ९२    | ७२ (पुण्ड्रक) वसन्तीलता                                 |
| ११    | ४९ (पीरूप) अमृत, पेयूस  | २९    | २४ (पुण्य) सुकृत, सुन्दर,<br>पावन                       |
| ८२    | २८ (पीलु) पीलुआवृक्ष,<br>हाथी, बाण, फूल                                 | १६६   | ४१ (पुण्यक) व्रताविशेष                                  |
| ६५    | ८५ (पीलुपर्णी) धनुष व-<br>नाने के योग्य बौड़ी-<br>विशेष, चिनार, कुँदुरू | १३    | ६१ (पुण्यजन) राजस                                       |
| २५७   | ६१ (पीवन्) मोटा   | १५    | ७० (पुण्यजनेश्वर) कुबेर                                 |
| २५७   | ६१ (पीवर) मोटा  | ६६    | ६ (पुण्यभूमि) आर्या-<br>वर्तदेश                         |
| २२०   | ७१ (पीवरस्तनी) मोटेथन<br>वाली गौ  | २४२   | ३ (पुण्यवत्) भाग्यवान्                                  |
| १२७   | १० (पुँश्रली) छिनारि  | १२१   | २८ (पुत्तिका) पॉखी, छोटी<br>माछी                        |
| २३४   | २० (पुकस) चाण्डाल   | १३१   | २७ (पुत्र) पुत्र  |
| ३५७   | १७ (पुङ्क) तीरकाफोंक  | २३६   | २६ (पुत्रिका) कठपुनरी,<br>गुड़िया, गुड्डा               |
| ३५६   | २० (पुङ्गल) वेह   | १३४   | ३७ (पुत्रौ) कन्या-पुत्र<br>(पुद्गल) सुन्दराकार          |
| २५६   | ५६ (पुङ्गव) श्रेष्ठ   | ११७   | १३ (पुन्ध्वज) मूल, चूहा                                 |
| १८६   | ५० (पुच्छ) पूँछ, दुम  | ३४७   | १ (पुनःपुनर्) धारम्भार                                  |
| १२४   | ४३ (पुञ्ज) अन्नादिका ढेर,<br>समूह                                       | ३४५   | २५२ (पुनर्) फिर, भेद,<br>निश्चय                         |
| ५५    | ७ (पुटभेद) भवँ  | १०६   | १४९ (पुनर्नवा) गदहपुञ्जा                                |
| ६९    | १ (पुटभेदन) नगर, शहर,<br>पुरी   |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|
| १४५   | ८३ (पुनर्भव) नहखून, नख   |
| १३०   | २३ (पुनर्भू) उदरी  |
| ८२    | २५ (पुत्राग) नागकेसर   |
| १२५   | १ (पुंस्) पुरुष  |
| ६६    | १ (पुर) पुर, गाँव  |
| ७०    | १ (पुर) गुग्गुल, पुर, गाँव                                     |
| १९२   | ७२ (पुरःसर) अगुआ   |
| ३४८   | ७ (पुरतस्) आगे   |
| ७३    | १६ (पुरदार) नगरकाफा-<br>टक                                     |
| ९     | ४२ (पुन्दर) इन्द्र   |
| १२६   | ६ (पुन्ध्री) स्त्री जिसके<br>पति पुत्र दोनों विद्य-<br>मान हैं |
| ३४८   | ७ (पुरस्) आगे  |
| ३०३   | ८३ (पुरस्कृत) पूजित, श-<br>त्रुओं से पीड़ित, आगे<br>कियाहुआ    |
| ३४४   | २४५ (पुरस्तात्) पूर्वदिशा,<br>वीताहुआ, पहिले, आगे              |
| ३४६   | २५७ (पुरा) प्रबन्ध, बहुत<br>काल, वीताहुआ, स-<br>मीप, होनेवाला  |
| ३६    | ५ (पुराण) पुराण भागव-<br>तादि, जिसमें ५ बातें हैं              |
| २६०   | ७७ (पुरातन) पुराना   |
| ३६    | ४ (पुरावृत्त) इतिहास, पू-<br>र्वकी कथा                         |
| ६९    | १ (पुरी) नगरी  |

| पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|
| १४१   | ६६ (पुरीतत्) आँत   |
| १४२   | ६८ (पुरीप) गूह, मैला   |
| २५७   | ६३ (पुरु) बहुत   |
| ३०    | २९ (पुरुष) आत्मा, पुरुष,<br>नागकेसर  |
| ४     | २१ (पुरुपोत्तम) विष्णु   |
| २५७   | ६३ (पुरुहू) बहुत   |
| ९     | ४२ (पुरुहूत) इन्द्र  |
| १९२   | ७२ (पुरोग) अगुआ  |
| १९२   | ७२ (पुरोगम) अगुआ   |
| १६२   | ७२ (पुरोगामिन्) अगुआ   |
| ३५९   | ५१ (पुरोडास) जाडरि-<br>विशेष   |
| १७५   | ५ (पुरोधस्) पुरोहित  |
| २५३   | ४६ (पुरोभागिन्) केवल<br>दोप देखनेवाला  |
| १७६   | ५ (पुरोहित) पुरोहित  |
| २८२   | ५ (पुलाक) तुच्छधान्य,<br>संक्षेप, भातका सीथ-   |
| ५६    | ९ (पुलिन) जलसे छूटा<br>हुआ भाग, रेत  |
| २३४   | २० (पुलिन्द) म्लेच्छ-<br>जाति, जंगली आदमी  |
| १०    | ४४ (पुलोमजा) इन्द्रकी स्त्री   |
| २६५   | ९७ (पुपित) पोढ़ा, मोटा   |
| १६    | १ (पुष्कर) आकाश, जल,<br>कमल, पुष्करमूल, हा-<br>थीकी सूँड़, वाजाका<br>मुख, तीर्थविशेष |



| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १२०   | २३ (पुष्कराह) सारस   | २१    | २२ (पुष्य) नक्षत्रविशेष  |
| ६०    | २७ (पुष्करिणी) चौकोना<br>तालाव                                       | २३६   | २८ (पुस्त) मट्टी, काष्ठ,<br>वस्त्र, चमड़ाआदि से<br>लिखना वा पोतना,<br>लिखना आदि कर्म्म |
| २५६   | ५८ (पुष्कल) श्रेष्ठ, बहुत<br>सुन्दर                                  | ११४   | १६६ (पूग) सुपारी, समूह   |
| २६५   | ९७ (पुष्ट) पोढ़ा, मोटा, ज-<br>लाहुआ                                  | १६८   | ३७ (पूजा) पूजा, खातिर<br>करना  |
| ८०    | १७ (पुष्प) फूल, स्त्रियोंका<br>रज                                    | २६६   | ९८ (पूजित) पूजाकिया<br>हुआ   |
| १६    | ७१ (पुष्पक) कुधेरका वि-<br>मान, अंजन                                 | २४२   | ५ (पूज्य) पूजा करनेके<br>योग्य, इवशुर  |
| २२७   | १०३ (पुष्पकेतु) पीतलगरम<br>करके उसपर घिसकर<br>जो घनायाजाय वह<br>अंजन | १७१   | ४८ (पूत) पवित्र, राशि<br>कियाहुआ अन्न  |
| १७    | ४ (पुष्पदन्त) वायव्य दि-<br>शाका दिग्गजविशेष                         | ८६    | ५९ (पूतना) हर  |
| ६     | २६ (पुष्पधन्वन्) कामदेव  | ८७    | ४८ (पूतिक) कँटीलाकंजा  |
| ८१    | २१ (पुष्पफल) कैथा  | ८७    | ४८ (पूतिकरज) कंजा  |
| १८७   | ५१ (पुष्परथ) सामान्यरथ,<br>मामूली गाड़ी                              | ८८    | ५४ (पूतिक्राण्ड) देवदारु,<br>सरला  |
| ८०    | १७ (पुष्परस) फूलकारस   | ३३    | १२ (पूतिगन्धि) दुर्गन्ध  |
| १२१   | ३० (पुष्पलिह) भँवरा  | ९७    | ९६ (पूतिफली) घकुची   |
| २६    | १० (पुष्पवत्) सूर्य्य, च-<br>न्द्रमा                                 | २१५   | ४८ (पूप) पूआ   |
| १३०   | २० (पुष्पवती) रजस्वला<br>स्त्री                                      | ३५६   | २० (पूर) जलकीधारा  |
| २८    | १८ (पुष्पसमय) वसन्त<br>ऋतु   | ८६    | ४६ (पूरणी) सेमर  |
|       |  | २६६   | ६८ (पूरित) पूरा, सब  |
|       |  | १२५   | १ (पूरुप) पुरुप  |
|       |  | २५८   | ६५ (पूरुण) पूरा, सब  |
|       |  | १८२   | ३२ (पूरुणकुम्भ) पानी से<br>भरा पूर्णकलश, घड़ा  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २६    | ७ (पूर्णिमा) पूर्णमासी  | ५८    | १७ (पृथुरोमन्) मछली  |
| १६६   | ३० (पूर्त) तालावआदि<br>का खुदाना                                  | २५७   | ६० (पृथुल) फेलाहुआ   |
| १६    | १ (पूर्व) पहिला, पूर्व<br>दिशा, पुरनियों                          | ६५    | ३ (पृथ्वी) भूमि, जमीन,<br>कालाजीरा, हींगवृक्ष<br>की पत्ती                                  |
| १३५   | ४३ (पूर्वज) जेठाभाई   | १०४   | १२५ (पृथ्वीका) इलायची  |
| ३     | १२ (पूर्वदेव) दैत्य   | ५२    | ६ (पृदाकु) सांप  |
| ७५    | २ (पूर्वपर्वत) उदयाचल<br>पर्वत                                    | १३७   | ४८ (पृशिन) छोटे अंग<br>वाला  |
| ३५१   | २१ (पूर्वेद्युः) पूर्वका गत<br>दिन                                | ६७    | ९२ (पृशिनपर्णी) सिंह-<br>पुच्छी, पिथवन   |
| २२    | २६ (पूपन्) सूर्य  | ५५    | ६ (पृपत्) जलकणा, फु-<br>हारा   |
| २७२   | ९ (पृक्लि) छूना   | ५५    | ६ (पृपत्) जलकणा, ह-<br>रिण   |
| ३७    | १० (पृच्छा) पूछना   | १६५   | ८६ (पृपत्क) वाण, तीर   |
| १९३   | ७८ (पृतना) फौज  | १४    | ६४ (पृपदश्व) वायु, हवा   |
| ३४७   | ३ (पृथक्) बिना  | १६५   | २६ (पृपदाज्य) दहीमिला<br>घी  |
| ६७    | ६२ (पृथक्पर्णी) सिंहपुच्छी  | १४४   | ७८ (पृप्ट) पीठि, अगुआ  |
| ३१    | ३१ (पृथगात्मता) प्रकृति<br>पुरुषका भेदजानना,<br>अन्य विवेक, ज्ञान | १८५   | ४६ (पृप्ट्य) लटुआघोड़ा,<br>पीठियोंका समूह  |
| २३३   | १६ (पृथरजन) नीच, मूर्ख  | ११८   | १६ (पेचक) उलूकपर्ची,<br>हाथीकी पूछकी जरके<br>समीपका भाग जिस-<br>से उसकी गुदा झप<br>जाती है |
| २६५   | ९३ (पृथग्विध) नानाप्रकार,<br>हरतरह                                | २३७   | ३० (पेटक) प्यटारी, गुरु,<br>चुन्द  |
| ६५    | ३ (पृथिवी) पृथ्वी, जमीन   |       |  |
| २१२   | ३७ (पृथ) कालाजीरा,<br>हींग वृक्षकी पत्ती, फे-<br>लाहुआ            |       |  |
| १२३   | ३९ (पृथुक) वच्चा, चूरा, चि-<br>उरा                                |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                                    |
|-------|---|-------|--|
| २३७   | ३० (पेटा) प्यटारी                                   |       | ला भाग                                   |
| ३६७   | ४२ (पेटी) प्यटारी                                   | ११५   | ३ (पोत्रिन्) सूअर                        |
| २५८   | ६६ (पेलव) विरर                                      | १०५   | १२७ (पौण्डर्य्य) गुलाब                   |
| २३४   | १६ (पेशल) चतुर, सुन्दर                              | १३२   | २९ (पौत्री) नातिनि, पोती                 |
| १२३   | ३८ (पेशी) अगडा                                      | ११३   | १६६ (पौर) रोहिसखर                        |
| २१४   | ४५ (पैअर) वट्टुआमें पका<br>अन्न                     | १७८   | १८ (पौरश्रेणी) राज्यके<br>अन्न           |
| १३१   | २५ (पैतृष्वसेय) फूफूका<br>लड़का                     | २६१   | ८० (पौरस्त्य) पहिला पुरु-<br>पका भाव     |
| १३१   | २५ (पैतृष्वसीय) फूफूका<br>लड़का                     | १४६   | ८७ (पौरुप) ऊपर हाथ<br>उठाना, पुरुपका काम |
| १७२   | ५४ (पैत्र) पितरोंका तीर्थ,<br>अँगुष्ठ, तर्जनीका बीच | २१०   | २७ (पौरोगव) रसोई का<br>मालिक             |
| १३६   | ४६ (पोगण्ड) कमती बड़-<br>ती अंगवाला                 | १७२   | ५१ (पौर्णमास) पौर्णमासी<br>के दिनका यज्ञ |
| ११२   | १६२ (पोटगल) नरकुल,<br>काश                           | २६    | ७ (पौर्णमासी) पूर्णमासी<br>तिथि          |
| १२९   | १५ (पोटा) पुरुपके चिह्न<br>वाली स्त्री              | १५    | ७० (पौलस्त्य) कुबेर                      |
| १२३   | ३६ (पोत) बच्चा, नाव,<br>दारू पीनेका चरतन            | २१४   | ४७ (पौलि) परमल, मुर-<br>मुरा             |
| ५७    | १२ (पोतवणिज्) नावका<br>रोजगार करने वाला             | २७    | १५ (पौप) पूसमास                          |
| ५७    | १२ (पोतवाह) नावखेवने<br>वाला                        | २२७   | १०३ (पौप्पक) अञ्जनवि-<br>शेष             |
| ५८    | १९ (पोताधान) छोटे अंडा,<br>मछलियों का समूह          | ३४८   | ७ (प्याद्) सम्बोधन                       |
| ३२७   | १८० (पोत्र) हल और सू-<br>अरके मुखका अग्नि-          | ३०    | २७ (प्रकारण्ड) अच्छा, वृक्ष<br>का जांघा  |
|       |   | २१७   | ५७ (प्रकाम) इच्छाभर                      |
|       |   | ३२३   | ६२ (प्रकार) भेद, साहज्य,<br>तरह          |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २४    | ३४ (प्रकाश) प्रकाश, उजे-<br>रा, अतिप्रसिद्ध, जाहिर  | २६३   | ४४ (प्रगाढ़) अतिशय, दुःख  |
| १८२   | ३१ (प्रकीर्णक) चँवर   | २५९   | ७२ (प्रगुण) सीधा  |
| ८७    | ४८ (प्रकीर्य्य) कंजा  | ३५१   | १९ (प्रगे) प्रातःकाल  |
| ३०    | २६ (प्रकृति) सत्त्वादि गु-<br>णों की साम्यावस्था,<br>स्वभाव, असामी, यो-<br>नि, लिङ्ग, स्वामी, राजा,<br>अमात्य, मन्त्री, सुहृद्,<br>मित्र, कोश, खजाना,<br>राष्ट्र, देशकी भूमि, दु-<br>र्गमस्थान, बल, फौज | २०२   | ११९ (प्रग्रह) बँधुआ, तराजू<br>का सूत जिसको पकड़<br>कर तौलते हैं, पगहा |
| १४५   | ८० (प्रकोष्ठ) हाथीकी वि-<br>चली गाँठिके नीचेका<br>भाग   | ३४२   | २३६ (प्रग्राह) पगहा, तराजू<br>का सूत                                  |
| २७७   | २६ (प्रक्रम) पहिले पहिल<br>आरम्भकरना  | ३६५   | ३५ (प्रग्रीव) झरोखा   |
| १८१   | ३१ (प्रक्रिया) अधिकार, का-<br>नून चलाना   | ७२    | १२ (प्रघण) चौपारि   |
| ४१    | २५ (प्रक्कण) वीणाका शब्द  | ७२    | १२ (प्रघाण) चौपारि  |
| ४१    | २५ (प्रक्काण) वीणाका शब्द   | १९७   | ९६ (प्रचक्र) चलीहुई फौज   |
| १९५   | ८७ (प्रक्षेडन) नाराच, लो-<br>हेका तीर   | २५०   | ३२ (प्रचलायित) नींदसे<br>घूमताहुआ नेत्रवाला                           |
| १४४   | ८० (प्रग्रह) हाथीकी वि-<br>चली गाँठिके ऊपरका<br>भाग   | २५७   | ६३ (प्रचुर) धहुत  |
| १३६   | ४७ (प्रगतजानुक) ल्यचरा,<br>जिसके पैर खराबहों  | १४    | ६२ (प्रचेतस्) वरुण  |
| २४८   | २५ (प्रगल्भ) बुद्धिमान, ठीठ   | ९७    | ९४ (प्रचोदनी) भटकटैया   |
|       |   | १५३   | ११६ (प्रच्छदपट) ओहार  |
|       |   | ७३    | १४ (प्रच्छन्न) खिड़की   |
|       |   | १३८   | ५५ (प्रच्छदिका) वान्त, उ-<br>छार                                      |
|       |   | २७६   | २५ (प्रजन) पहिलेपहिल<br>गर्भ  |
|       |   | १९२   | ७३ (प्रजविन्) जल्दबाज,<br>वेगवाला                                     |
|       |   | २९०   | ३२ (प्रजा) सन्तान, असामी  |
|       |   | १२९   | १६ (प्रजाता) प्रसूता, सौ-<br>रिहाई                                    |
|       |   | ४     | १७ (प्रजापति) ब्रह्मा   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                   |
|-------|--|-------|---|
| १३२   | ३० (प्रजावती) भाईकी स्त्री                     | १७९   | २० (प्रताप) खजाना और                    |
| ३१    | १ (प्रज्ञा) बुद्धि, बुद्धिमती स्त्री           |       | दण्डसे उत्पन्न तेज, प्रभाव              |
| ३१३   | १२२ (प्रज्ञान) बुद्धि, चिह्न                   | ६४    | ८१ (प्रतापस) उजलामदार                   |
| १३६   | ४७ (प्रज्ञु) ल्यचरा, जिसके पैर खराबहों         | २४४   | २४४ (प्रति) प्रतिनिधि, वीप्सा, लक्षणादि |
| १२३   | ३८ (प्रडीन) उड़ना                              | १४९   | ६६ (प्रतिकर्मन्) अलंकारकी शोभा          |
| २७६   | २५ (प्रणय) नम्रता, विश्वास, मांगना, प्रेम      | २६२   | ८४ (प्रतिकूल) उलटा, विपरीत              |
| ३६    | ४ (प्रणव) ओंकार                                | २३८   | ३६ (प्रतिकृति) मूर्ति, प्रतिमा, तसवीर   |
| ३८    | १० (प्रणाद) प्रीतिसे उत्पन्न शब्द              | २५५   | ५४ (प्रतिकृष्ट) अधम, निन्दित            |
| ६२    | ३५ (प्रणाली) नरिआ, पनारी                       | २५२   | ४२ (प्रतिक्षिप्त) निन्दा किया हुआ       |
| १७७   | १३ (प्रणिधि) जासूस, चार, प्रार्थना, रवाना होना | २७७   | २८ (प्रतिख्याति) बहुत, प्रसिद्ध,        |
| २६३   | ८६ (प्रणिहित) प्राप्त, मिला                    | १९३   | ७९ (प्रतिग्रह) फौजके पीछे दूसरी फौज     |
| १६४   | २२ (प्रणीत) खीर, रसिआडरि, संस्कारयुक्त आगि     | १५९   | १४० (प्रतिग्रह) पीकदान                  |
| २६९   | १०९ (प्रणुत) स्तुति किया हुआ                   | ४७    | २६ (प्रतिघा) क्रोध                      |
| २४७   | २५ (प्रण्येय) वश्य, वशमें पड़ा हुआ             | २०१   | ११४ (प्रतिघातन) मारना                   |
| २६०   | ७७ (प्रतन) पुराना                              | २३८   | ३६ (प्रतिच्छाया) मूर्ति, प्रतिमा, तसवीर |
| १४६   | ८४ (प्रतल) चटकना, तरुपर मिलेहुये दोनों हाथ     | २७७   | २८ (प्रतिजागर) होशियारी के साथ देखना    |
| ७८    | ६ (प्रतानिनी) बहुत फैली हुई                    | २६८   | १०८ (प्रतिज्ञात) अंगीकार किया हुआ       |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ३२    | ५ (प्रतिज्ञान) स्वीकार                                       | २३८   | ३६ (प्रतियातना) मूर्ति, प्र-<br>तिमा, तसवीर                          |
| २२२   | ८१ (प्रतिदान) किसी की<br>दीहुई वस्तु धरोहरको<br>फेरदेना      | २३६   | २५ (प्रतिरोधिन्) चोर   |
| ४१    | २६ (प्रतिध्वान) शब्द होने<br>के बाद दूसरी आवाज               | ३७    | १० (प्रतिवाक्य) उत्तर, ज-<br>वाब                                     |
| २३८   | ३६ (प्रतिनिधि) मूर्ति, प्रति-<br>मा, तसवीर                   | ६८    | ९९ (प्रतिविपा) अतीस  |
| २४    | २ (प्रतिपत्) परीवा, बुद्धि                                   | २७६   | ३४ (प्रतिशासन) बुलाकर<br>कही भेजना                                   |
| २६८   | १०८ (प्रतिपन्न) जानाहुआ                                      | १३७   | ५१ (प्रतिश्याय) पीनसरोग  |
| १६७   | ३१ (प्रतिपादन) दान   | ३२०   | १५२ (प्रतिश्रय) सभा, आ-<br>श्रय, अभ्युपगम                            |
| २५२   | ४१ (प्रतिवद्ध) निराश कि-<br>या हुआ                           | ३२    | ५ (प्रतिश्रव) स्वीकार  |
| २७७   | २७ (प्रतिवन्ध) कार्य का<br>रुकना                             | ४१    | २६ (प्रतिश्रुत) अंगीकार<br>कियाहुआ, गूंजना                           |
| २३८   | ३६ (प्रतिविम्ब) मूर्ति, प्र-<br>तिमा                         | २७७   | २७ (प्रतिष्टम्भ) कार्य का<br>रुकना                                   |
| ४६    | २० (प्रतिभय) भयानक   | ३२६   | १७३ (प्रतिसर) सेनाकापछि-<br>ला भाग, रक्षाकासूत्र,<br>घावका अच्छाहोना |
| २४८   | २५ (प्रतिभान्वित) बुद्धि-<br>मान्, ढीठ                       | १५४   | १२० (प्रतिसीरा) कनात   |
| २४०   | ४४ (प्रतिभृ) जिम्मेदार                                       | २५२   | ४१ (प्रतिहत) निराश कि-<br>या हुआ                                     |
| २३८   | ३६ (प्रतिमा) मूर्ति, तसवीर                                   | २३२   | ११ (प्रतिहारक) इन्द्रजाली  |
| १८४   | ३९ (प्रतिमान) हाथीके दां-<br>तोंका मध्यभाग, मूर्ति,<br>तसवीर | ९३    | ७६ (प्रतिहास) कनइल   |
| १६०   | ६५ (प्रतिमुक्त) कवचादि<br>पहिरैहुये                          | १४२   | ७० (प्रतीक) अंक, विगड़ा<br>हुआ                                       |
| ३०९   | १०६ (प्रतियत्) पानेकी इ-<br>च्छा, अनुकूल                     | २०१   | ११० (प्रतीकार) वैरमिटाना   |
|       |  | २३८   | ३८ (प्रतीकाश) सदृश, व-<br>रावर                                       |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २४२   | ५ (प्रतीच्य) पूजा करने के योग्य               | १७७   | ११ (प्रत्यर्थिन्) शत्रु, दुश्मन   |
| १६    | १ (प्रतीची) पश्चिमदिशा                        | २६९   | ११० (प्रत्यवसित) खाया हुआ   |
| २४४   | ६ (प्रतीत) प्रसिद्ध, हर्षित, मशहूर            | २५२   | ४० (प्रत्याख्यात) त्यागा, जवाब दिया हुआ   |
| १२५   | २ (प्रतीपदर्शिनी) स्त्री                      | २७८   | ३१ (प्रत्याख्यान) त्यागना, जवाब देना  |
| ५५    | ७ (प्रतीर) तीर, किनारा                        | २५१   | ४० (प्रत्यादिष्ट) त्यागा, जवाब दिया हुआ   |
| ७३    | १६ (प्रतीहार) दरवाजा, द्वारपालक, ड्योढ़ीदार   | २७८   | ३१ (प्रत्यादेश) त्यागना, जवाब देना  |
| ३२५   | ५६६ (प्रतीहारी) द्वारपालिका, जनानेकी लौंडी    | १९५   | ८५ (प्रत्यालीढ़) वाई जॉ-घ फैलाकर दहिनी त-मेटकर बैठना, धनुष लेकर खड़ेहोनेका आसनविशेष |
| ७०    | ३ (प्रतोली) गांव भीतर की राह, कोलिया          | १६३   | ७९ (प्रत्यासार) कायदेसे खड़ीहुई फौजका पिछला भाग                                     |
| २६०   | ७७ (प्रत्न) पुराना                            | २७४   | १६ (प्रत्याहार) लेलेना, इन्द्रियोंका खींचना   |
| ३५२   | २३ (प्रत्यक्) पश्चिमदिशा, देशकाल              | २७७   | २६ (प्रत्युत्क्रम) युद्धकी तयारी करना   |
| ६६    | ८९ (प्रत्यक्पूर्णी) लहचिचिरा                  | २४    | २ (प्रत्युपस्) प्रातःकाल  |
| ६५    | ८८ (प्रत्यक्श्रेणी) मूसरि, वज्रदन्ती          | २४    | २ (प्रत्यूप) प्रातःकाल  |
| २६१   | ७९ (प्रत्यक्ष) इन्द्रियोंसे ग्रहणके योग्य     | २७५   | १९ (प्रत्यूह) विघ्न, खलल  |
| २६०   | ७७ (प्रत्यग्र) नया                            | २६१   | ८० (प्रथम) पहिला, प्रधान  |
| ६६    | ८ (प्रत्यन्त) म्लेच्छोंकादेश                  | १६२   | १३ (प्रथमकल्पिक) छोटे   |
| ७६    | ७ (प्रत्यन्तपर्वत) पर्वतके समीपका छोटापर्वत   |       |   |
| ३१९   | १४७ (प्रत्यय) अधीन, कसम, ज्ञान, विश्वास, हेतु |       |   |
| १७७   | १३ (प्रत्ययित) विडवासी                        |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
|       | नये विद्यार्थी   |       | आजाका चाप  |
| २७२   | ९ (प्रथा) प्रसिद्धता   | १०२   | १४७ (प्रपुत्राड) चकवड  |
| २४४   | ९ (प्रथित) प्रसिद्ध, म-<br>शहर   | १०५   | १२७ (प्रपौण्डरीक) स्थल-<br>कमल, गुलाब                        |
| ३२३   | १६४ (प्रदर) वाण, भंग, प-<br>राजय, लहर, स्त्रियों<br>कीयोनिा रोगविशेष         | ७८    | ७ (प्रफुल्ल) फूलाहुआ   |
| १५९   | १३९ (प्रदीप) दीप, चिराग  | ३६    | ६ (प्रबन्धकल्पना) कथा<br>(प्रवाल) मूंगा, अंकुर               |
| ५३    | १० (प्रदीपन) विषविशेष  | १५५   | १२३ (प्रबोधन) सुगन्ध को<br>प्रकट करना                        |
| १८१   | २७ (प्रदेशन) भेंट, नजर   | १४    | ६४ (प्रभञ्जन) वायु, हवा,                                     |
| १४५   | ८१ (प्रदेशिनी) अँगुठाके<br>पासकी अँगुली                                      | ३३५   | २०९ (प्रभव) प्रथम ज्ञानका<br>स्थान, जन्मका हेतु              |
| २५    | ६ (प्रदोष) सन्ध्या, सांझ   | ३४    | ३४ (प्रभा) कान्ति, तेज-<br>विशेष                             |
| ५     | २५ (प्रद्युम्न) कामदेव   | २२    | २८ (प्रभाकर) सूर्य   |
| २०१   | १११ (प्रद्राव) भागना   | २५    | ३ (प्रभात) प्रातःकाल   |
| १९९   | १०३ (प्रधन) लड़ाई  | १७९   | २० (प्रभाव) खजाना<br>और दण्ड से उत्पन्न<br>तेज, राजाकी शक्ति |
| ३०    | २९ (प्रधान) मुख्य मंत्री,<br>प्रकृति, परमात्मा, म-<br>हामात्रप्रकृति, बुद्धि | १८३   | ३६ (प्रभिन्न) मतवाला<br>हाथी, जिसके मद<br>बहताहो             |
| १८८   | ५६ (प्रधि) पहियाका कि-<br>नारा, पुट्टी                                       | २४४   | ११ (प्रभु) स्वामी, मालिक                                     |
| २८९   | २८ (प्रपञ्च) विपरीत,<br>चौड़ाई   | २५७   | ६३ (प्रभूत) बहुत   |
| १४२   | ७१ (प्रपद) पैरका अगिला<br>भाग  | १५७   | १३६ (प्रभ्रष्टक) चौटीमें गुही<br>हुई फूलकी पंक्ति            |
| ७१    | ७ (प्रपा) पौशाला   | ८     | ३६ (प्रमथ) शिवके गण  |
| ७५    | ४ (प्रपात) पर्वत से जल<br>गिरनेका स्थान                                      | २०२   | ११५ (प्रमथन) मारना   |
| १३३   | ३३ (प्रपितामह) परपाजा,   | ७     | ३२ (प्रमथाधिप) शिव   |



| पृष्ठ | श्लोक                      | पृष्ठ | श्लोक                      |
|-------|----------------------------|-------|----------------------------|
| २९    | २४ (प्रमद) हर्ष, आनन्द     | २९    | २२ (प्रलय) सबका नाश,       |
| ७७    | ३ (प्रमदवन) रानियों के     |       | मूर्च्छा, मरण              |
|       | क्रीड़ा करने का वाग        | ३९    | १२ (प्रलाप) अनर्थकवचन      |
| १२५   | ३ (प्रमदा) बहुतकाम-        | २९६   | ५६ (प्रवण) क्रमसे नीची     |
|       | वाली स्त्री                |       | भूमि, प्रह्न, नम्र, चौराहा |
| २४३   | ६ (प्रमनस्) हर्षयुक्त, खुश | १३५   | ४२ (प्रवयस्) बूढ़ा पुरुष   |
| २७२   | १० (प्रमा) यथार्थज्ञान     | २५६   | ५७ (प्रवर्ह) मुख्य, प्रधान |
| २९६   | ५३ (प्रमाण) हेतु, मर्यादा, | ३६    | ६ (प्रवल्हिका) जितके       |
|       | शास्त्र, प्रमाण, प्रमाण    |       | सुनने से और अर्थ           |
|       | करनेवाला, ज्ञात            |       | मालूमहो और विचार           |
| ४८    | ३० (प्रमाद) असावधानी,      |       | करनेपर और वह क-            |
|       | गफलत                       |       | हानी                       |
| २०१   | ११२ (प्रमापण) मारना        | २७५   | १८ (प्रवह) बाहरकीयात्रा,   |
| २७२   | १० (प्रमिति) यथार्थ ज्ञान, |       | वायु, हवा                  |
| १६६   | २८ (प्रमीत) यज्ञमें मारा   | १८७   | ५२ (प्रवहण) चौड़ी लंबी     |
|       | हुआ पशु, मुर्दा, मरा       |       | जनानी गाड़ी                |
|       | हुआ                        | १५३   | ११७ (प्रवार) अँगौछा        |
| ५०    | ३७ (प्रमीला) आलस्य         | २७०   | ४ (प्रवारण) किसी का-       |
| २५६   | ५७ (प्रमुख) मुख्य, प्रधान  |       | मनाके अर्थ दानदेना         |
| २६७   | १०३ (प्रमुदित) हर्षित      | ४३    | ७ (प्रवाल) वीणाका          |
| २९    | २४ (प्रमोद) हर्ष, आनन्द    |       | डोंडा, मूंगा, अंकुर,       |
| १७१   | ४९ (प्रयत्) पवित्र         |       | नया पल्लव                  |
| २१४   | ४५ (प्रयस्त) बड़ी यत्न से  | २७५   | १८ (प्रवाह) बहना, जल-      |
|       | पकायाहुआ अन्नादि           |       | धारा                       |
| २७६   | २३ (प्रयाम) धनधान्यका      | २०१   | ११२ (प्रवासन) मारना        |
|       | संचय                       | १३८   | ५५ (प्रवाहिका) संग्रहणी    |
| २७७   | २६ (प्रयोग) युद्धके वास्ते |       | रोग                        |
|       | तय्यारी करना               |       | (प्रविख्याति) अतिप्र-      |
| ५     | २३ (प्रलम्बत्र) चलदेव      |       | सिद्धता                    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १९९   | १०३ ( प्रविदारण ) लड़ाई,<br>युद्ध                                     | २००   | १०८ ( प्रसभ ) हठ   |
| २७५   | २० ( प्रविश्लेष ) बड़ा वि-<br>योग                                     | २७६   | २३ ( प्रसर ) घाव का फैलना  |
| २४२   | ४ ( प्रवीण ) निपुण, पंडित,<br>चतुर                                    | १९७   | ९६ ( प्रसरण ) फौजका फै-<br>लाव .                                       |
| ३७    | ७ ( प्रवृत्ति ) वृत्तान्त, हाल,<br>जलका वहना                          | २७२   | १० ( प्रसव ) प्राणीकी उ-<br>त्पत्ती का समय, जन्म,<br>फल, फूल, उत्पत्ति |
| २६०   | ७६ ( प्रवृद्ध ) बड़ा हुआ,<br>फैला हुआ                                 | ८०    | १५ ( प्रसववन्धन ) डेंपी,<br>कली के ऊपर कोमल<br>पत्तोंका लपेट           |
| २५६   | ५७ ( प्रवेक ) उत्तम, प्रधान   | २६२   | ८४ ( प्रसव्य ) उलटा, वि-<br>परीत                                       |
| १४८   | ९८ ( प्रवेणी ) तैलादि न ल-<br>गानेसे लटरेहुये बाल,<br>हाथी की झूल     | ३४९   | १० ( प्रसह्य ) हठसे  |
| १४४   | ८० ( प्रवेष्ट ) बॉह, भुजा   | २०    | १६ ( प्रसाद ) अनुग्रह, प्र-<br>सन्नता, काव्यके गुण                     |
| २६१   | ८१ ( प्रव्यक्त ) साफ  | १४९   | ९९ ( प्रसाधन ) अलंकारकी<br>शोभा  |
| ३७.   | १० ( प्रश्र ) पूँछना  | १५६   | १४० ( प्रसाधनी ) कंधी  |
| २७६   | २५ ( प्रश्रय ) प्रेम  | १४९   | १०० ( प्रसाधित ) अलंकृत,<br>भूपित                                      |
| २४८   | २५ ( प्रश्रित ) नम्र मनुष्य,<br>सीधा                                  | ११०   | १५२ ( प्रसारिणी ) अमरवौ-<br>रिया, चाँदवेल                              |
| १९२   | ७२ ( प्रष्ट ) अगुआ  | २४९   | ३१ ( प्रसारिन् ) पसरने<br>वाला   |
| २१८   | ६३ ( प्रष्टवाह ) बैलकाढ़ने<br>का घसीटा, ठथैंगुरी<br>का घसीटनेवाला बैल | २४४   | ९ ( प्रसित ) किसी काम<br>में दिलसे लगे हुये                            |
| २२०   | ७० ( प्रष्टौही ) गाभिन क-<br>लोरि, ओसर                                | १३४   | ३७ ( प्रसिति ) बन्धन   |
| ५७    | १४ ( प्रसन्न ) निर्मल   | ३०८   | १०४ ( प्रसिद्ध ) प्रसिद्ध, जा-<br>हिर, भूपित                           |
| २०    | १६ ( प्रसन्नता ) स्वच्छता   |       |  |
| २३६   | ४० ( प्रसन्ना ) दारू  |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १३४   | ३७ (प्रसूजनयितारौ)माता<br>पिता                  | १९४   | ८२ (प्रहरण) हथियार  |
| १३२   | २६ (प्रसू) घोड़ी, माता                          | १४६   | ८४ (प्रहस्त) चटकना  |
| १२९   | १६ (प्रसूता) सौरिहाई                            | ६०    | २६ (प्रहि) कुँआँ  |
| २७२   | १० (प्रसूति) जन्म                               | ३६    | ६ (प्रहेलिका) कहानी<br>वह जिसके सुनने में<br>अर्थ और हो और वि-<br>चारने से और |
| १२९   | १६ (प्रसूतिका) प्रसूता,<br>सौरिहाई              | २६७   | १०३ (प्रहन्न) हर्षित, प्रसन्न   |
| ५४    | ३ (प्रसूतिज) दुःख                               | २५९   | ७० (प्रौशु) ऊँचा, लम्बा   |
| ८०    | १७ (प्रसून) फूल                                 | ७०    | ३ (प्राकार) बाँस आदिसे<br>घिराहुआ मकानादि                                     |
| २६३   | ८८ (प्रसृत) फैलाहुआ,<br>पसरना                   | २३३   | १६ (प्राकृत) नीच  |
| १४३   | ७२ (प्रसृता) जॉघ                                | १६३   | १८ (प्राग्वंश) यज्ञस्थान में<br>हविके घर से पूर्वदिशा<br>का घर                |
| १४६   | ८५ (प्रसृति) पसर                                | २५६   | ५८ (प्राग्रहर) मुख्य, प्रधान  |
| २१०   | २६ (प्रसेव) थैली, बोरा                          | २५६   | ५८ (प्राग्र्य) मुख्य, प्रधान  |
| ४३    | ७ (प्रसेवक) वीणाकी<br>मढ़ी हुई तुम्बी           | २७२   | १० (प्राघार) घी आदिका<br>टपकना  |
| ७५    | ४ (प्रस्तर) पत्थर, बाँधना                       | १६८   | ३६ (प्राघुणक) अभ्यागत   |
| २७६   | २४ (प्रस्ताव) प्रसंग, अव-<br>सर                 | १६८   | ३६ (प्राघुणिक) अभ्या-<br>गत   |
| ७५    | ५ (प्रस्थ) पर्वतके ऊपर<br>ऊँचा चट्टान, सेर, पसर | ३५०   | १६ (प्राच्) पूर्वकाल, पूर्व<br>दिशा, पूर्वदेश                                 |
| ६४    | ७६ (प्रस्थपुष्प) मरुआ,<br>दवना                  | ३५४   | ८ (प्राचिका) बन की<br>माछी, पच्चीविशेष  |
| १९७   | ९५ (प्रस्थान) यात्रा                            | १६    | १ (प्राची) पूर्वदिशा  |
| २०९   | २६ (प्रस्फोटन) सूष                              | ६५    | ८५ (प्राचीना) पाठा, पाँढ़रि   |
| ७५    | ५ (प्रस्रवण) पहाड़में जल<br>निकलनेका स्थान      | १७२   | ५३ (प्राचीनावीत) दाहिने   |
| १४२   | ६७ (प्रस्ताव) मृत                               |       |   |
| २५    | ६ (प्रहर) पहर                                   |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
|       | काँधे पर रक्खा हुआ<br>यज्ञोपवीत                               | ३४६   | २५५ ( प्राडुस् ) नाम, प्रका-<br>श होनेवाला   |
| ७०    | ३ ( प्राचीर ) घेरा, मका-<br>नादिके चारोंओर घाँस<br>आदि का घेर | १४५   | ८३ ( प्रादेश ) अँगुठा से<br>अँगुठा के पासकी अँ-<br>गुरी तकका बीता                  |
| १६९   | ३६ ( प्राचेतस ) वाल्मीकि-<br>मुनि                             | १६७   | ३२ ( प्रादेशन ) दान  |
| ६६    | ८ ( प्राच्य ) पूर्व दक्षिणका<br>देश                           | ३४७   | ४ ( प्राच्यम् ) अनुकूलता   |
| २०६   | १२ ( प्राजन ) कोड़ा, चाबुक                                    | ६६    | १८ ( प्रान्तर ) जहाँ दूरतक<br>जल छाया मनुष्य न<br>हों वह रास्ता                    |
| १८९   | ५६ ( प्राजितृ ) गाड़ीवान्,<br>रथवान्                          | २६३   | ८६ ( प्राप्त ) स्थापित, रक्खा,<br>मिला   |
| १६०   | ५ ( प्राज्ञ ) पण्डित  | २०२   | ११७ ( प्राप्तपञ्चत्व ) मराहुआ  |
| १२८   | १२ ( प्राज्ञा ) बुद्धिमती स्त्री                              | ३१५   | १३१ ( प्राप्त रूप ) पण्डित,<br>सुन्दर  |
| १२८   | १२ ( प्राज्ञी ) बुद्धिमती स्त्री                              | २९९   | ६८ ( प्राप्ति ) उदय, लाभ   |
| २५७   | ६३ ( प्राज्य ) बहुत   | २६४   | ९२ ( प्राप्य ) मिलने के<br>योग्य   |
| १७६   | ५ ( प्राद्विवाक ) न्याय कर-<br>नेवाला, मुकद्दमा देखने<br>वाला | १८१   | २७ ( प्रभृत ) भेंट, नजर  |
| १४    | ६४ ( प्राण ) वायुविशेष,<br>बल, जीव, गन्धरस,<br>बोर            | १७३   | ५६ ( प्राय ) संन्यासपूर्वक<br>भोजन का त्याग कर-<br>ना, बहुताई, मरण के<br>अर्थ जाना |
| ३०    | ३० ( प्राणिन् ) शरीरधारी                                      | ३२०   | १५३ ( प्रायस् ) बहुताई, मृ-<br>त्यु, पाथर, मरणके नि-<br>मित्त अन्न छोड़ना          |
| ३५१   | १९ ( प्रातर ) प्रातःकाल                                       | २६६   | ९७ ( प्रार्थित ) याचनाकिया<br>हुआ  |
| २३२   | ११ ( प्रातिहारिक ) माया-<br>वी, इन्द्रजाली                    | १५८   | १३७ ( प्रालम्ब ) गलेसे सीधी  |
| १६२   | १३ ( प्राथमकल्पिक ) पहिले<br>पहिल वेदारम्भ करने<br>वाला       |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
|       | लटकी हुई माला                                    | २७१   | ४ (प्रीणन) अघाना                                    |
| १५०   | १०४ (प्रालम्बिका) नाभि                           | २६७   | १०३ (प्रीत) हर्षित, प्रसन्न                         |
|       | तक लम्बीसोनेकीमाला                               | २९    | २४ (प्रीति) हर्ष, प्रेम                             |
| २०    | १८ (प्रालेय) पाला                                | २६६   | ६६ (प्रुष्ट) जरा हुआ                                |
| १५३   | ११७ (प्रावार) ऊपर ओढ़ने का वस्त्र                | ३१    | १ (प्रेक्षा) बुद्धि, नाचदेखना                       |
| १५२   | ११३ (प्रावृत्त) वस्त्र का किनारा                 | १८७   | ५३ (प्रेङ्खा) डोली, हिंडोला                         |
| २८    | १९ (प्रावृप्) वर्षा                              | २६३   | ८७ (प्रेङ्खित) कौपताहुआ                             |
| ९५    | ८५ (प्रावृपायणी) क्यवाँच                         | ५३    | २ (प्रेत) नरकके प्राणी, परेत, मराहुआ                |
| १९७   | ९३ (प्रास) साँग                                  | ३४८   | ८ (प्रेत्य) जन्मान्तर                               |
| १८८   | ५७ (प्रासंग) गाड़ीकालुआं                         | ४७    | २७ (प्रेमन्) प्रेम, स्नेह                           |
| २१८   | ६४ (प्रासंग्य) लडुआ बैल                          | २६९   | १११ (प्रेष्ठ) अतिशय प्यारा                          |
| ३०    | ४७ (प्रासाद) देवमन्दिर, राजाका घर                | ३३७   | २१६ (प्रेप) पठाना, मलना                             |
| १९१   | ७० (प्रासिक) साँग हथियार धारण करनेवाला           | २३४   | १७ (प्रेप्य) दास, टहलू                              |
| २५    | ३ (प्राह्न) दिन का पूर्वभाग                      | १६६   | २८ (प्रोक्षण) यज्ञमें पशु को मारना                  |
| १३३   | ३५ (प्रिय) पति, दुलहा, प्यारा                    | १६६   | २८ (प्रोक्षित) माराहुआ यज्ञ का पशु                  |
| ८५    | ४२ (प्रियक) कदमवृक्ष, विजयसार, काकुनि, हरिणविशेष | १८६   | ४९ (प्रोथ) घोड़ाकी नाक                              |
| ८८    | ५५ (प्रियंगु) काकुनि                             | २१    | २२ (प्रोष्ठपदा) पूर्वभाद्रपद उत्तरभाद्रपद           |
| ४७    | २७ (प्रियता) स्नेह                               | ५८    | १८ (प्रौष्टी) शहरीमछली                              |
| २५०   | ३६ (प्रियंवद) मीठे वचन बोलनेवाला                 | २१    | २२ (प्रौष्ठपद) भाद्रमास                             |
| ८४    | ३५ (प्रियाल) चिरोंजी                             | २६०   | ७६ (प्रौढ) बड़ाहुआ                                  |
|       |  | ८३    | ३२ (प्रक्ष) पकरिया, गेंठी                           |
|       |  | ५६    | ११ (प्रव) छोटीनाव, मेढुकी, मोथा, घत्तखपर्ची, चारडाल |

| पृष्ठ | श्लोक                                      | पृष्ठ | श्लोक                                  |
|-------|--|-------|--|
| ११५   | ४ (प्लवंग) वानर, मेंढक,<br>सारथी           |       | वृक्ष                                  |
| ११५   | ४ (प्लवंग) वानर                            | ८६    | ४५ (फलाध्यक्ष) खिन्नी                  |
| ३१७   | १३७ (प्लवंगम) वानर, मेढक,                  | ७८    | ७ (फलिन्) फलवाला वृक्ष                 |
| ८१    | १८ (प्लाक्ष) पकरिया का<br>फल               | ७८    | ७ ( फलिन ) फलवाला<br>वृक्ष             |
| १४१   | ६६ (प्लीहन्) पिलही                         | ८८    | ५५ ( फलिनी ) काकुनि, इ-<br>न्द्रपुष्पी |
| ८७    | ४९ (प्लीहशत्रु) गुलानार                    | ८८    | ५५ (फली) काकुनि                        |
| १८६   | ४८ (मुत) घोड़ों की कावा<br>चाल             | ७८    | ६ (फलेग्रहि) फरनेवाला<br>वृक्ष         |
| २६६   | ९९ (मुष्ट) जराहुआ                          | ८८    | ५४ (फलेरुहा) पौढरि                     |
| २७२   | ९ (म्लोप) जलाना<br>( फ )                   | ९०    | ६१ (फला) कडूवरि, असार<br>वस्तु, कमजोर  |
| २६६   | ११० (फसात) खायाहुआ                         | २१३   | ४३ (फाणित) राव, खांड                   |
| ६६    | ८६ (फञ्जिका) भँगिरा                        | २६५   | ६४ (फाण्ट) सहजही कि-<br>या हुआ         |
| ५२    | ९ (फटा) सोंपका फन                          | १५२   | १११ (फाल) फार, कपाससे<br>बुनाहुआ कपड़ा |
| ५२    | ९ (फणा) सोंपका फन                          | २७    | १५ (फाल्गुन) फागुनमास                  |
| ६४    | ७६ (फणिञ्जक) मरुआ,<br>दवना                 | २७    | १५ (फाल्गुनिक) फागुन<br>मास            |
| ५२    | ७ (फणिन्) सोंप                             | ७८    | ८ (फुल्ल) फूला हुआ                     |
| १६६   | ९० (फल) ढाल, फार, फल,<br>लाभ               | २२८   | १०५ (फेन) समुद्रफेन, फेना              |
| १६६   | ९० (फलक) ढाल                               | ८३    | ३१ (फेनिल) रीठी, बैरका<br>फल           |
| १६१   | ७१ (फलकपाणि) ढाल<br>वाला                   | ११५   | ६ (फेरव) सियार-                        |
| २२९   | १११ (फलत्रिक) त्रिफला,<br>हर्द बहेरा अँवरा | ११५   | ६ (फेरु) सियार                         |
| ९३    | ७८ (फलपूर) विजौरा नींबू                    | २१७   | ५६ (फेला) खाने से बचा<br>अन्न, जूठा    |
| ७८    | ७ (फलप्रत्) फलवाला                         |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                     |
|-------|--|-------|---|
|       | ( व )  |       |   |
| ६४    | ८१ ( वक ) वकुला, गूमा  | १३३   | ३५ ( वन्धुता ) वन्धुओं का समूह            |
| ६०    | ६४ ( वकुल ) मोमसिरी  | २५६   | ६९ ( वन्धुर ) ऊंचा नीचा                   |
| ३४४   | २४३ ( वत ) खेद, दया, संतोष, विस्मय, किसीको चिताकर अपने सम्मुख करना | १३१   | २६ ( वन्धुल ) कुलटां स्त्री का पुत्र      |
| ८४    | ३४ ( वदर ) बैरके फल  | ९२    | ७३ ( वन्धूक ) दुपहरिया                    |
| १४२   | ११६ ( वदरा ) कपास, बाराहीकन्द                                      | ८६    | ४४ ( वन्धूकपुष्प ) विजयसार                |
| ८४    | ३७ ( वदरी ) बैरवृक्ष   | २५६   | ६६ ( वन्धूर ) ऊंचा नीचा                   |
| १६८   | ६७ ( वन्दिन् ) स्तुतिपाठ करने वाले, भाट                            | ७८    | ७ ( वन्ध्य ) बाँझवृत्त                    |
| २०२   | ११५ ( वध्र ) मारना   | २१६   | ६९ ( वन्ध्या ) बाँझ गौ                    |
| २५२   | ४२ ( वद्ध ) बाँधाहुआ   | १२२   | ३२ ( वर्ह ) मोरपंख, पत्ता                 |
| १३६   | ४८ ( वधिर ) बहिरा  | १०६   | १३२ ( वर्हपुष्प ) कुकुरौंघा               |
| १२५   | २ ( वधू ) अपनी स्त्री, पतोहू, स्त्री                               | १२१   | ३१ ( वर्हिण ) मोर                         |
| २५३   | ४५ ( वध्य ) शिरकाटने के योग्य ( वन्धक ) गिरौं धरना                 | १२१   | ३१ ( वर्हिन् ) मोर                        |
| १२७   | १० ( वन्धकी ) छिनारि   | १०६   | १३२ ( वर्हिपुष्प ) कुकुरौंघा              |
| १८१   | २६ ( वन्धन ) बाँधना  | २     | ९ ( वर्हिर्मुख ) देवता                    |
| २०३   | ११६ ( वन्धनालय ) वन्दीखाना, जेल                                    | १२    | ५५ ( वर्हिस् ) आगि                        |
| १८४   | ४१ ( वन्धस्तंभ ) हाथी बाँधनेका खंटा                                | ५     | २४ ( वल ) बलदेव, फौज, पराक्रम, मोटाई, कौआ |
| १३३   | ३४ ( वन्धु ) अपनीजातिवाले  | २९०   | ३१ ( वलज ) खेत, नगरका दरवाजा              |
| ६२    | ७३ ( वन्धुजीवक ) दुपहरिया  | २९०   | ३१ ( वलजा ) सुन्दरी स्त्री                |
|       |  | ५     | २३ ( वलदेव ) बलदेव                        |
|       |  | ५     | २३ ( वलभद्र ) बलदेव                       |
|       |  | ११०   | १५० ( वलभद्रिका ) चिरायता का फल           |
|       |  | २६४   | ६० ( वलयित ) घेराहुआ                      |

| पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|
| १३६   | ४४ (बलवत्) बलगर  |
| १००   | १०७ (बला) बरिआरा   |
| ११०   | २६ (बलाका) बकुली   |
| २००   | १०८ (बलात्कार) हठ, जिद्द   |
| १०    | ४४ (बलाराति) इन्द्र  |
| १८    | ६ (बलाहक) बादर   |
| १८१   | २७ (बलि)महायज्ञविशेष,<br>पोत, भेंट, सूखीखाल,<br>प्रह्लादका पौत्र |
| ४     | २१ (बलिध्वंसिन्) विष्णु  |
| १३६   | ४५ (बलिन) बुढ़ापे से जि-<br>सकी खाल सिकुर<br>गई हो वह पुरुष      |
| ११९   | २१ (बलिपुष्ट) कौआ  |
| १३६   | ४५ (बलिभ) बुढ़ापेसेजिस<br>की खाल सिकुरगई<br>हो वह पुरुष          |
| ११९   | २१ (बलिभुज्) कौआ   |
| १३७   | ४९ (बलिर) कंजी आंखों-<br>वाला                                    |
| ५१    | १ (बलिसद्मन्) पाताल  |
| २१७   | ५६ (बलीवर्द) बेल   |
| २१०   | २७ (बल्लव) रसोईवरदार,<br>अहीर                                    |
| ११३   | १६३ (बल्वज) बगई  |
| २२०   | ७१ (बल्कयणी) बहुत दि-<br>नकी व्यानी, बकेनि                       |
| ७३    | १६ (बहिर्दार) दरवाजे के<br>बाहरका भाग                            |

| पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|
| ३५०   | १७ (बहिस्) बाहर                                   |
| २५७   | ६३ (बहु) बहुत                                     |
| २४५   | १७ (बहुकर) बहारनेवाला                             |
| २५०   | ३६ (बहुगर्हवाच्) बहुत<br>निन्दितवात कहने-<br>वाला |
| ८३    | ३२ (बहुपाद्) बरगद                                 |
| २४३   | ६ (बहुप्रद) बहुत देने-<br>वाला, अतिदानी           |
| १५२   | ११३ (बहुमूल्य) बड़े मोल-<br>वाला बस्त्रादि        |
| १५६   | १२९ (बहुरूप) राल, धूप                             |
| २५७   | ६३ (बहुल) बहुत, आगि,<br>अंधेरापाख                 |
| १०४   | १२५ (बहुला) इलायची,<br>गौ, कृत्तिकानक्षत्र        |
| २०६   | २३ (बहुलीकृत) वसाकर रा-<br>शि कियाहुआ अन्नादि     |
| ८४    | ३४ (बहुवारक) लसोहरा                               |
| २६४   | ६३ (बहुविध) अनेकप्र-<br>कारका                     |
| ९८    | १०० (बहुसुता) शतावरि                              |
| २२०   | ७० (बहुसूति) बहुतवार<br>बियाई गौ                  |
| ६७    | ६६ (बाकुची) बकुची                                 |
| १५    | ६८ (बाढ) अतिशय, स्वी-<br>कार, मजबूत               |
| १९५   | ८६ (बाण) तीर, बाणासुर<br>दैत्य                    |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १५२   | १११ (वादर) कपाससे व-<br>नाया कपड़ा                      | ६२    | ३३ (वाहुदा) नदीविशेष   |
| ५४    | ३ (वाधा) दुःख, विरह                                     | १४४   | ७९ (वाहुमूल) काँख  |
| १३१   | २६ (वान्धकिनेय) कुलटा<br>का पुत्र                       | २००   | १०६ (वाहुयुद्ध) वॉहॉसे ल-<br>ड़ाई  |
| १३३   | ३४ (वान्धव) जातिवाले                                    | २८    | १८ (वाहुल) कार्तिक   |
| ८१    | १९ (वाहंत) भटकटैयाका<br>फल                              | ६     | ४१ (वाहुलेय) स्वामिका-<br>र्तिक<br>(वाहिक) वाहिकदेश                                |
| १०३   | १२२ (वाल) बालक, नेत्र-<br>वाला, वार, मूर्ख, व-<br>छेड़ा | १८५   | ४५ (वाहीक) काबुलीघो-<br>ड़ा, कुंकुम  |
| ८७    | ४९ (वालतनय) खयर   | १८५   | ४५ (वाहिक) काबुली<br>घोड़ा, हींग, कुंकुम   |
| ११४   | १६३ (वालतृण) नयाखर,                                     | ८४    | २ (विन्दु) हाथीके माथे<br>में बीचका भाग जो<br>खाली होता है उसको<br>विन्दु कहते हैं |
| १८६   | ५० (वालधि) वारयुक्त पूँछ                                | १९    | १५ (विम्ब) गोलमण्डल,<br>कुंदरुकाफल   |
| ११७   | १३ (वालमूपिका) छोटी<br>मुसरी                            | १०७   | १३६ (विम्बिका) कुंदरु  |
| १८६   | ५० (वालहस्त) वारयुक्त<br>पूँछ                           | ८३    | ३२ (विल्व) बेल   |
| ४५    | १४ (वाला) कुमारीकन्या                                   | ३०    | २८ (वीज) कारण, काम, शुक्र  |
| २५४   | ४८ (वालिश) मूर्ख, लड़का                                 | ६४    | ४३ (वीजकोश) कमलके<br>बिधा  |
| २२१   | ७७ (वालेय) गदहा   | ९३    | ७८ (वीजपूर) विजौरानीवृ   |
| ९६    | ६० (वालेयशाक) भँगरा                                     | २०५   | ८ (वीजाकृत) बोंकर जो-<br>तागया खेत   |
| १३५   | ४० (वाल्य) लड़कपना                                      | १६०   | २ (वीज्य) कुल में उत्पन्न  |
| ३१४   | १३० (वाष्प) वाफ, आँसु                                   | ४६    | १९ (वीभत्स) रसविशेष,<br>क्रूर  |
| २१३   | ४० (वाष्पिका) हींगकेवृक्ष<br>की पत्ती                   |       |  |
| १४४   | ८० (वाहु) वॉह, भुजा                                     |       |  |
| १७५   | १ (वाहुज) क्षत्रिय, स-<br>हस्रवाहुको                    |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ६४    | ८१ (वुक) गूमा  |       | जगानेवाले  |
| १४१   | ६४ (वुका) करेजा  | ८१    | २० (वोधिद्रुम) पीपरवृक्ष   |
| ३     | १३ (वुद्ध) जाना, माना,<br>बौद्ध                                | २२८   | १०४ (वोल) गन्धरस, घोर  |
| ३१    | १ (वुद्धि) बुद्धि, समझ   | २२    | २८ (ब्रध्न) सूर्य  |
| ३५८   | १९ (बुदबुद) बुद्धा   | १६०   | ३ (ब्रह्मचारिन्) ब्रह्मचा-<br>री, ब्रह्मचर्य आश्रममें<br>रहनेवाला                    |
| १६०   | ५ (बुध) पण्डित, बूढ़ा,<br>बुध, चौथाग्रह                        | ८५    | ४१ (ब्रह्मय्य) पीपरसदृश<br>वृक्षविशेष, तूत   |
| २६८   | १०८ (बुधित) जाना, माना   | १७३   | ५५ (ब्रह्मत्व) ब्रह्ममें मिल<br>जाना   |
| ७६    | १२ (बुध्न) जर  | १०६   | १४५ (ब्रह्मदर्मी) अजवाइन   |
| २१६   | ५४ (बुभुक्षा) भूख  | ८५    | ४१ (ब्रह्मदारु) पीपर सदृश<br>वृक्ष, तूत  |
| २४६   | २० (बुभुक्षित) भूखा  | ३     | १६ (ब्रह्मन्) ब्रह्मा, वेद,<br>यथार्थ वस्तु, तप, ब्रा-<br>ह्मण                       |
| २०६   | २२ (बुस) भूसा  | ५३    | १० (ब्रह्मपुत्र) विपनिशेष,<br>अधिक्षय  |
| ३६४   | ३४ (बुस्त) भूजामॉस, क-<br>टहरका झोथरा, नव<br>अक्षरके चरणकालन्द | ३०८   | १०३ (ब्रह्मवन्धु) निन्दित<br>ब्राह्मण  |
| ६७    | ९३ (बृहती) भटकटैया,<br>वनभोंटा                                 | १७३   | ५५ (ब्रह्मभूय) ब्रह्म में मिल<br>जाना  |
| २००   | १०७ (बृंहित) हाथीका ग-<br>र्जना                                | १६३   | १६ (ब्रह्मयज्ञ) वेदका पाठ<br>करना  |
| २५७   | ६० (बृहत्) गड़ा, फैलाहुआ                                       | १६९   | ४२ (ब्रह्मवर्चस) सदाचार<br>पालन और वेदाभ्या-<br>स करने से जो तेज<br>वढ़ताहै उसका नाम |
| १५३   | ११७ (बृहतिका) ऊपरओ-<br>ढ़नेका वस्त्र, अँगौछा                   |       |  |
| १३६   | ४४ (बृहत्कुक्षि) बड़ेपेटवा-<br>ला, ताँदारा                     |       |  |
| १२    | ५५ (बृहद्भानु) आगि   |       |  |
| २१    | २४ (बृहस्पति) बृहस्पति   |       |  |
| १६८   | ९७ (बोधकर) स्तुतिकरके<br>प्रात कालमें राजाको                   |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १६१   | ७ ( ब्रह्मवादिन् ) वेदान्त जानने वाला   | २६९   | ११० ( भक्षित ) खाया हुआ  |
| १७०   | ४२ ( ब्रह्मविन्दु ) वेद पढ़ते समय मुखसे निकला हुआ धूक का धूँद                                   | २१०   | २८ ( भक्ष्यकार ) पुत्रा आदि बनानेवाला                                  |
| १७३   | ५५ ( ब्रह्मसायुज्य ) ब्रह्म में मिल जाना  | १४३   | ७६ ( भग ) योनि, शोभा, इच्छा, माहात्म्य, पराक्रम, यत्न, सूर्य्य, कीर्ति |
| ६     | २६ ( ब्रह्मसू ) कामदेव  | १३६   | ५६ ( भगन्दर ) गुदाके पास का फोड़ा                                      |
| १७३   | ५३ ( ब्रह्मसूत्र ) बाँपें काँधे जनेऊ का नाम   | ३     | १३ ( भगवत् ) जैनमती  |
| १८०   | ४२ ( ब्रह्माञ्जलि ) वेदपाठके समयकी हुई अञ्जली   | १३२   | २९ ( भगिनी ) वहिन  |
| १७०   | ४३ ( ब्रह्मासन ) ध्यान, योग का आसन  | ५५    | ५ ( भङ्ग ) लहरी  |
| २६    | २१ ( ब्राह्मकल्प ) देवताओं के दो हजार युग, ब्राह्मतीर्थ, अंगुष्ठके मूल में ब्राह्मतीर्थ होता है | २०८   | २० ( भङ्गा ) भँग, पटुआ-विशेष जिसके सन से टाट वा भँगरा बनताहै           |
| १६०   | ४ ( ब्राह्मण ) ब्राह्मण   | ३५४   | ८ ( भङ्गि ) टेढ़ाई   |
| ६६    | ८९ ( ब्राह्मणयष्टिका ) भँगरा  | १८०   | २४ ( भजमान ) फैसला, न्यायसे जो वस्तु ली जावे                           |
| ६६    | ८९ ( ब्राह्मणी ) भँगरा  | १८९   | ६१ ( भट ) पोधा, लड़नेवाला  |
| २८०   | ४१ ( ब्राह्मण्य ) ब्राह्मणों का समूह  | २१४   | ४५ ( भट्टि ) शूल में छेद कर भुनाहुआ मांस                               |
| ८     | ३६ ( ब्राह्मी ) लोकमाताविशेष, वाणी, सोमवल्ली ( भ )  | ४४    | १३ ( भट्टारक ) राजा  |
| २१    | २१ ( भ ) नक्षत्रगण  | ४४-   | १३ ( भट्टिनी ) दूसरी रानी  |
| २१५   | ४८ ( भक्त ) भात   | १०१   | ११४ ( भग्नाकी ) बँगन, बन्-भौंटा  |
| २४६   | २० ( भक्तक ) खवैया  | ९०    | ६३ ( भग्निडल ) सिरसा का वृक्ष  |
|       |   | ६६    | ६१ ( भग्नी ) मजीठ  |

| पृष्ठ | श्लोक                     | पृष्ठ | श्लोक                    |
|-------|---------------------------|-------|--------------------------|
| ९६    | ६१ (भण्डीरी) मजीठ         | १५३   | ३५ (भर्तृ) पति, दुलहा,   |
| २९    | २५ (भद्र) कल्याण, वैल     |       | धारण करनेवाला, पो-       |
| १७२   | ५३ (भद्रकरण) वार वन-      |       | पण करनेवाला              |
|       | वाना                      | ४४    | १२ (भर्तृदासक) राजपुत्र  |
| १८२   | ३२ (भद्रकुम्भ) पूर्णकलश   | ४४    | १३ (भर्तृदासिका) राजक-   |
| ८८    | ५३ (भद्रदारु) देवदारु     |       | न्या                     |
| ८४    | ३६ (भद्रपर्णी) गम्भारी    | ३८    | १४ (भर्त्सन) फजीहत       |
| ११०   | १५३ (भद्रवला) चोंदवेल     | २२६   | ९४ (भर्मन्) सोना, सु-    |
| ११२   | १६० (भद्रमुस्तक) नागर-    |       | वर्ण, मँजूरी, दरमहा      |
|       | मोथा                      | ११५   | ५ (भल्ल) भालू, रीछ       |
| ९१    | ६७ (भद्रयव) इन्द्रयव, कु- | ८५    | ४२ (भल्लातकी) भिलौवाँ    |
|       | रैआ का फल                 | ११५   | ४ (भल्लुक) भालू, रीछ     |
| १५७   | १३२ (भद्रश्री) मलयचन्दन   | ११५   | ५ (भल्लुक) भालू          |
| १८२   | ३१ (भद्रासन) राजगद्दी     | ८     | ३५ (भव) शिव, जन्म,       |
| ४६    | २१ (भय) डर, भय            |       | चेम, संसार               |
| ४६    | २० (भयंकर) भयानकरस,       | ७०    | ५ (भरन) घर               |
|       | डराने वाला                | ८     | ३८ (भवानी) पार्वती       |
| १५२   | ४२ (भयद्रुत) डरा हुआ      | २९    | २६ (भविक) कल्याण         |
| ४५    | १७ (भयानक) जिसके दे-      | २४९   | २६ (भवितृ) होनेवाला      |
|       | खने आदि से डर हो,         | २४९   | २६ (भविष्णु) होनेवाला    |
|       | भयानक रस                  | २९    | २६ (भव्य) कल्याण, कुशल   |
| १५    | ६७ (भर) बहुत              | २३५   | २२ (भपक) कुत्ता, कूकुर   |
| २३६   | ३९ (भरण) मँजूरी, दरमहा    | २३७   | ३३ (भस्त्रा) भाठी, खलौपत |
| २३९   | ३९ (भरण्य) मँजूरी, दर-    | १०३   | १२० (भस्मगंधिनी) गगन-    |
|       | महा                       |       | धुरि                     |
| २४६   | १६ (भरण्यभुज) मँजूर       | ६०    | ६३ (भस्मगर्भा) शीसम      |
| २३३   | १५ (भरत) नट               | ३००   | ६६ (भस्मन्) भस्म, ऐ-     |
| ११८   | १६ (भरद्वाज) भरदूलपच्ची   |       | डय्ये, रास               |
| ७     | ३४ (भर्ग) शिव             | २४    | ३४ (भा) कान्ति, शोभा     |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २२५   | ८९ (भाग) तौलनेका बाँट                                   | २१    | २५ (भार्गव) शुक्राचार्य   |
| ३०    | २८ (भागधेय) पोत, कर,<br>भाग्य                           | ११२   | १५८ (भार्गवी) दूब   |
| १३३   | ३२ (भागिनेय) भैने, भोजा                                 | ९६    | ८९ (भार्गी) भंगरा   |
| ६१    | ३१ (भागीरथी) गंगा                                       | १२६   | ६ (भार्या) व्याही स्त्री  |
| ३०    | २८ (भाग्य) भाग्य, शुभा-<br>शुभकर्म                      | १३४   | ३८ (भार्यापती) स्त्री पुरुष   |
| २११   | ३३ (भाजन) वर्तन   | ४४    | १२ (भाव) परिद्वत, मनका<br>विकार, सत्ता, स्वभाव,<br>अभिप्राय, चेष्टा, आ-<br>त्मा, जन्म |
| २११   | ३३ (भारड) वर्तन, घोड़ेका<br>आभूषण, वनियों का<br>मूलधन   | ४६    | २१ (भावबोधक) मनकी<br>ब्रात जनानेवाला  |
| २८    | १७ (भाद्र) भादोंमास                                     | १५७   | १३५ (भावित) सुगन्धित व-<br>स्तुसे भिगोईहुई वस्तु,<br>छथोंकीहुई वस्तु, पाया<br>हुआ     |
| २८    | १७ (भाद्रपद) भादोंमास                                   | २९    | २६ (भावुक) कल्याण   |
| २१    | २२ (भाद्रपदा) पूर्व और उ<br>त्तरभाद्रपद नक्षत्र         | ३५    | १ (भापा) बानी   |
| २३    | ३१ (भानु) सूर्य, किरण                                   | ३५    | १ (भापित) वचन, कहा<br>हुआ   |
| १२५   | ४ (भामिनी) क्रोधिनीस्त्री                               | ३६३   | ३१ (भाष्य) सूत्रोंका अर्थ   |
| २२४   | ८७ (भार) २० तुलाभर                                      | २४    | ३४ (भास्) शांभा, कान्ति   |
| ६६    | ७ (भारतवर्ष) हिमालय<br>और विन्ध्यपर्वत के<br>मध्यका देश | २२    | २८ (भास्कर) सूर्य   |
| ३५    | १ (भारती) बानी, सर-<br>स्वती                            | २२    | २९ (भास्वत्) सूर्य  |
| १०२   | ११६ (भारद्वाजी) वनकपास                                  | २७२   | ६ (भिक्षा) भीखमाँगना,<br>सेवा, भीख, मंजूरी  |
| २३७   | ३० (भारयष्टि) वहिंगी                                    | १७०   | ४५ (भिक्षु) संन्यासी  |
| २३३   | १५ (भारवाह) घोड़ा लेच-<br>लने वाला                      | १३१   | २६ (भिक्षुकी) भिखिया-<br>रिनि   |
| २३३   | १५ (भारिक) घोड़ालेचल-<br>ने वाला                        | २०    | १६ (भित्त) खण्ड, हिस्ता   |

| पृष्ठ | श्लोक                                      | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ७०    | ४ (भित्ति)भीति,दीघाल                       | ५२    | ६ (भुजंगम) सांप  |
| २७१   | ५ (भिदा) फूटना                             | १०२   | ११५ (भुजंगाक्षी) रातनि   |
| ११    | ४८ (भिदुर) इन्द्रका वज्र                   | १४४   | ७ (भुजशिरस्) कन्धा   |
| १९६   | ६१ ( भिन्दिपाल ) डेल-<br>वॉसी              | १४४   | ७७ (भुजान्तर) कोरा,गोद   |
| २६२   | ८२ (भिन्न) अलग,दूसरा,<br>चीगाहुआ           | २३४   | १७ (भुजिप्य) दास, टहलू   |
| १३९   | ५७ (भिपज्ञ) वैद्य                          | ५५    | ३ (भुवन) जल, लोक   |
| २१५   | ४९ ( भिस्सटा ) जराहुआ<br>भात               | ६५    | २ ( भू ) पृथ्वी  |
| २१५   | ४८ (भिस्सा) भात                            | २     | ११ ( भूत ) देवयोनिवि-<br>शेष, प्रास, पाया, प्रा-<br>णी, वीता कालादि,<br>उचित, पृथिव्यादि पं-<br>चभूत, सत्य |
| ४६    | २१ (भी) भय, डर                             | ६५    | ४ ( भूतधात्री ) पृथ्वी   |
| ४६    | २१ (भीति) भय, डर                           | २२९   | १११ (भूतकेश) जटामाती   |
| ८     | ३५ (भीम) भयानक,शिव                         | ९२    | ७१ (भूतवेशी) सफेदफूल<br>की नेवारी  |
| १२५   | ३ (भीरु)डरनेवाली स्त्री,<br>डरनेवाला       | ३०६   | १०५ (भूतात्मन्) ब्रह्मा,देह  |
| २४८   | २६ (भीरुक) डरनेवाला                        | ८९    | ५८ (भूतावास) बहेड़ा  |
| ९८    | १०१ (भीरुपत्री) शतावरि                     | ८     | ३७ (भूति) ऐश्वर्य,सिद्धि,<br>भस्म,राख  |
| २४८   | २६ (भीलुक) डरनेवाला                        | २८३   | ८ ( भूतिक ) चिरायता,<br>गन्धतृण, कुकुरमुत्ता   |
| ४६    | २० (भीपण) भयानक                            | ७     | ३२ (भूतेश) शिव   |
| ४६    | २० (भीष्म) भयानक                           | ११५   | ३ (भूदार) सूअर   |
| ६१    | ३१ (भीष्मसू) गंगानदी                       | १६०   | ४ (भूदेव) ब्राह्मण   |
| २६९   | १११ (भुक्त) खायाहुआ                        | १०८   | १४३ (भूनिम्ब) चिरायता  |
| १४०   | ६१ ( भुग्न ) टेढ़ा, पीड़ा-<br>युक, दूटाहुआ | १७५   | १ (भूप) राजा   |
| १४४   | ८० (भुज)भुजा,बौह,हाथ                       | ९१    | ७० (भूपदी) बेला  |
| ५२    | ६ (भुजग) साँप                              | २९७   | ६० (भूमृत्) पहाड़,राजा   |
| ५२    | ६ (भुजंग) साँप                             |       |  |
| १२१   | ३१ (भुजंगभुज्) मोर                         |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ६५    | २ (भूमि) पृथ्वी, जमीन                        | २३९   | ३८ (भृति) भँजूरी   |
| ८५    | ३८ (भूमिजम्बुका) नारंगी,<br>भुङ्गजामुनि      | २३३   | १५ (भृतिभुञ्ज) भँजूर   |
| २०३   | १ (भूमिस्पृश) वैश्य,<br>वनिषां               | २३४   | १७ (भृत्य) दास, टहलू   |
| २५७   | ६३ (भूयस्) फिर, बहुत,<br>अधिक                | २३९   | ३८ (भृत्या) भँजूरी   |
| २५७   | ६३ (भूयिष्ठ) बहुत, प्रचुर                    | १५    | ६६ (भृश) बहुत  |
| २५७   | ६३ (भूरि) बहुत, सोना,<br>विष्णु, हर, ब्रह्मा | ५९    | २४ (भेक) मेढक  |
| १०८   | १४३ (भूरिफेना) सेहुड़ावि-<br>शेष             | ६०    | २४ (भेकी) मेढुकी   |
| ११५   | ६ (भूरिमाय) सियार                            | १७९   | २१ (भेद) फरक डालना   |
| ६१    | ६६ (भूरुगडी) घुड़ियां                        | २६६   | १०० (भेदित) फाराहुआ  |
| ८६    | ४६ (भूर्ज) भोजपत्र                           | २३५   | २२ (भेरी) नगारा,<br>(भेपक) कूकुर, कुत्ता                     |
| १४९   | १०१ (भूपण) गहना, शृंगार<br>करना              | १३७   | ५० (भेपज) दवाई, इलाज   |
| १४६   | १०० (भूपित) शृंगारकिये                       | १७१   | ५० (भैक्ष) भिचातमूढ,<br>भिक्षाका ढेर                         |
| २४९   | २९ (भूष्ण) होनेवाला                          | ४६    | १६ (भैख) देखनेसे डरा-<br>नेवाला, भयानक रस                    |
| ११४   | १६७ (भूस्तृण) खरविशेष                        | १३७   | ५० (भैपज) दवाई, इलाज   |
| ७५    | ४ (भृगु) पर्वत से जल-<br>गिरने का स्थान      | २८८   | २३ (भोग) सुख, स्त्रीआदि<br>का पालन, साँप का<br>फणा, शरीर     |
| १०६   | १३४ (भृंग) भुजकैल, भु-<br>जैटा, तज, भँवरा    | ३००   | ६६ (भोगवती) साँपों की<br>नदी और नगरी                         |
| ११०   | १५१ (भृंगराज) भँगरा                          | ५२    | ८ (भोगिन्) साँप  |
| १८२   | ३२ (भृंगार) पानी पीनेकी<br>झारी              | १२६   | ५ (भोगिनी) राजाकी<br>अन्य स्त्रियां जिन का<br>अभिषेक न हुआहो |
| १२१   | २९ (भृंगारी) झींगुर                          | २१६   | ५५ (भोजन) भोजन   |
| २३३   | १५ (भृतक) भँजूर                              | ३४८   | ७ (भोस्) सम्बोधन   |
|       |  | २१    | २५ (भौम) मंगल  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १७६   | ७ (भौरिक) सोनेका अधिकारी                             |       | रण किया पुरुष नाचनेवाला                      |
| १८०   | २३ (भ्रंश) भ्रष्ट होना, गिरना                        | ५०    | ३७ (भ्रुकुटि) टेढ़ी भौंह                     |
| ४४    | ११ (भ्रकुंस) स्त्री का वेष धारण किये पुरुष नाचनेवाला | १४७   | ९२ (भ्रू) भौंह                               |
| ५०    | ३७ (भ्रुकुटि) टेढ़ी भौंह                             | ४४    | ११ (भ्रुकुंस) स्त्रीवेषधारी पुरुष नाचनेवाला  |
| ३२    | ४ (भ्रम) अथार्थ ज्ञान, जलका भँवर, भ्रान्ति           | ५०    | ३७ (भ्रुकुटि) टेढ़ी भौंह                     |
| १२१   | ३० (भ्रमर) भँवरा                                     | १३४*  | ३६ (भ्रूण) स्त्री का गर्भ, बालक              |
| १४८   | ९६ (भ्रमरक) माथेपर झुके हुये बाल                     | १८०   | २३ (भ्रेष) अन्याय, बेइन्साफी                 |
| २७२   | ६ (भ्रमि) भ्रान्ति                                   |       | ( म )  |
| २६७   | १०४ (भ्रष्ट) चुआ, गिरा                               | २१५   | ५० (भ्रक्षण) तेल                             |
| १४९   | १०१ (भ्राजिष्णु) अलंकारादिसे अति शोभित               | ५९    | २० (भ्रकर) मगर, घड़ियार                      |
| १३४   | ३६ (भ्रातरौ) भाई बहिन (भ्रातृ) भाई                   | ६     | २६ (भ्रकरध्वज) कामदेव                        |
| १३३   | ३६ (भ्रातृज) भतीजा                                   | ८०    | १७ (भ्रकरन्द) फूलों का रस                    |
| १३२   | ३० (भ्रातृजाया) भौजाई                                | १४६   | १४० (भ्रकुर) सीमा, ऐना                       |
| १३३   | ३६ (भ्रातृभगिनी) भाई बहिन                            | २०७   | १७ (भ्रकुण्डक) बनमूंग, मोठ                   |
| ३१९   | १४५ (भ्रातृव्य) भतीजा, शत्रु                         | १०८   | १४४ (भ्रकूलक) वज्रदन्ती                      |
| १३३   | ३६ (भ्रात्रीय) भतीजा                                 | १२१   | २७ (भ्रक्षिका) ममाखी की माछी                 |
| ३२    | ४ (भ्रान्ति) अथार्थज्ञान, शुबहा                      | १६३   | १५ (भ्रल) यज्ञ                               |
| २१०   | ३० (भ्राष्ट्र) खपरी                                  | १९८   | ९७ (भ्रमघ) वंशपरम्परा बखाननेवाला, यशकहनेवाला |
| ४४    | ११ (भ्रुकुंस) स्त्रीकावेष धा-                        | ९     | ४२ (भ्रघवत्) इन्द्र                          |
|       |  | ३४७   | २ (भ्रद्गु) शीघ्र                            |
|       |  | २९    | २५ (भ्रमंगल) कल्याण                          |
|       |  | २०७   | १७ (भ्रमंगल्यक) मसुरी                        |



| पृष्ठ | श्लोक                        | पृष्ठ | श्लोक                       |
|-------|------------------------------|-------|-----------------------------|
| १५६   | १२८ (मंगल्या) कालागुगुर      | १७५   | २ (मण्डलेश्वर) ४००००        |
| ३०    | २७ (मचर्चिका) अच्छा          |       | कोशका राजा                  |
| ७९    | १२ (मज्जन्) सार, हीरु, हड्डी | २३२   | १० (मण्डहारक) कलवार         |
|       | के भीतरकामांस, गूदा          | १४९   | १०० (मण्डित) अलंकारयुक्त,   |
| १५९   | १३६ (मञ्ज) खटिया, पलंग       |       | शृंगार कियेहुये             |
| ८०    | १३ (मञ्जरी) मञ्जरी, घोर      | ५९    | २४ (मण्डूक) मेढक            |
| ९६    | ९० (मञ्जिष्ठा) भँजीठ         | ८९    | ५६ (मण्डूकपर्ण) सरिवन       |
| १५२   | १०९ (मञ्जीर) पँजनियं         | ९६    | ९१ (मण्डूकपर्णी) भँजीठ      |
| २५५   | ५२ (मञ्जु) सुन्दर            | २२६   | ६८ (मण्डूर) लोहेका मुर्चा   |
| २५५   | ५२ (मञ्जुल) सुन्दर           | १८२   | ३४ (मतंगज) हाथी             |
| २३७   | ३० (मञ्जूपा) प्यटारी, मँदूरु | ३०    | २७ (मताह्लिका) अच्छा        |
| ७१    | ८ (मठ) विद्यार्थीआदि के      | ३१    | १ (मति) बुद्धि              |
|       | रहनेका स्थान                 | १८३   | ३६ (मत्त) मत्तवालाहाथी,     |
| ४३    | ८ (मद्दु) बड़ा डमरू          |       | हर्षित, मत्तवाला            |
| २२५   | ९३ (मणि) पद्मरागादि          | १२५   | ४ (मत्तकाशिनी) उत्तमस्त्री  |
|       | मोतीआदि                      | ३२५   | १७२ (मत्तर) परसन्ताप, पर-   |
| २११   | ३१ (मणिक) मेढुका             |       | सन्तापी, कृपण, कंजूस        |
| १४५   | ८१ (मणिवन्ध) हाथमें प-       | ५८    | १७ (मत्स्य) मछली            |
|       | हुँची बाँधने की जगह          | २१३   | ४३ (मत्स्यगर्दी) राव, खाँड़ |
| २१५   | ४९ (मण्ड) माड़, पसावन,       | ९५    | ८६ (मत्स्यपित्ता) कुटकी     |
|       | रेंडी                        | ५८    | १७ (मत्स्यवेधन) मछली        |
| १४९   | १०२ (मण्डन) गहना, शृंगार     |       | पकड़नेकी कटिया              |
|       | करनेवाला                     | १०७   | १३७ (मन्स्याक्षी) ब्राह्मी  |
| ७२    | ९ (मण्डप) मड़वा              | ५८    | १७ (मत्स्याधानी) मछली       |
| १८    | ६ (मण्डल) परिवेष, वि-        |       | रखनेका वरतन                 |
|       | म्ब, घेरा, गुँडरा            | २१६   | ५३ (मथित) माठा              |
| १३८   | ५४ (मण्डलक) कोढ़के च-        | २२१   | ७३ (मथिन्) मथानी का         |
|       | कता                          |       | डगडा                        |
| १९६   | ८९ (मण्डलाग्र) तलवार         | १८३   | ३७ (मद) हाथीका मद,          |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
|       | काम, हर्ष, अभिमान,<br>बीज, दारू                                    | १००   | १०९ (मधुयष्टिका) जेठीमधु                      |
| १८३   | ३५ (मदकल) मदान्धहाथी   | ३३    | ९ (मधुर) मीठारस, स्वादु,<br>प्रिय             |
| ५     | २५ (मदन) कामदेव, म-<br>यनफर, धतूर                                  | १०८   | १४२ (मधुरक) जीवक                              |
| २३९   | ४१ (मदस्थान) दारूपीने<br>का स्थान                                  | ९५    | ८३ (मधुरसा) धनुषवनाने<br>की बौड़ी, चिनार, दाख |
| २३९   | ४० (मदिरा) दारू  | ११०   | १५२ (मधुरा) सौंफ                              |
| ७१    | ८ (मदिरागृह) दारूकाघर  | ६६    | १०५ (मधुरिका) वनसौंफ                          |
| १८३   | ३५ (मदोत्कट) मदान्ध-<br>हाथी                                       | ४     | २० (मधुरिपु) विष्णु                           |
| ६०    | २५ (मदगु) जलमुर्गी   | १२१   | ३० (मधुलिह) भँवरा                             |
| ५८    | १६ (मदगुर) मँगुरीमछली  | २३९   | ४१ (मधुवार) दारूपीने का<br>समय                |
| २३९   | ४० (मद्य) दारू   | १२१   | ३० (मधुव्रत) भँवरा                            |
| २७    | १५ (मधु) सहत, ममाखी,<br>महुआ, दारू, फूलोंका<br>रस, चैतमास, जीवन्ती | ८३    | ३१ (मधुशिगु) लालफूल<br>का सहिजन               |
| १००   | १०९ (मधुक) जेठीमधु   | ६५    | ८४ (मधुश्रेणी) धनुषवना-<br>नेकी बौड़ी, चिनार  |
| १२१   | ३० (मधुकर) भँवरा   | ८२    | २८ (मधुप्रील) महुआ                            |
| २३९   | ४१ (मधुकम) दारूपीनेका<br>समय                                       | १०८   | १४२ (मधुस्रवा) दोडीऔपधि                       |
| ८२    | २७ (मधुद्रुम) महुआ का<br>वृक्ष                                     | ८२    | २७ (मधुक) महुआ                                |
| १२१   | ३० (मधुप) भँवरा  | २२८   | १०७ (मधुच्छिष्ट) मोम                          |
| ८४    | ३५ (मधुपर्णिका) नील, खँ-<br>भारी                                   | ८२    | २८ (मधूलक) पहाड़ीमहुआ                         |
| ९५    | ८३ (मधुपर्णी) गुर्च  | ९५    | ८५ (मधूलिका) धनुषवनाने<br>की बौड़ी, चिनार     |
| १२१   | २७ (मधुमक्षिका) ममाखी<br>की माछी                                   | १४४   | ७३ (मध्य) कमर, वीचोधी-<br>च, उचित             |
|       |  | ६६    | ८ (मध्यदेश) मध्यदेश                           |
|       |  | ४१    | १ (मध्यम) स्वरविशेष,<br>कमर, कणांकुल की आः    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
|       | वाज, मध्यदेश  | २२९   | १०८ (मनोद्वा) मैनशिल                                     |
| १२७   | ९ (मध्यमा) प्रथमहीरजो-<br>धर्म जिसको हुआ हो,<br>रजस्वला, वीचकी अँगुली | १२०   | २६ (मन्तु) अपराध   |
| २५    | ३ (मध्याह्न) दुपहर  | ३२४   | १६६ (मंत्र) मंत्र, एकान्ती,<br>वेदका भेद                 |
| २३९   | ४१ (मध्वासव) महुआ की<br>दारू  | १७९   | १६ (मन्त्रज) राजाकी श-<br>क्ति, वात                      |
| २२६   | १०८ (मनःशिला) मैनशिल  | १७५   | ४ (मंत्रिन्) मंत्री, सलाही                               |
| ३१    | ३१ (मनस्) मन, दिल   | २२१   | ७४ (मन्य) मथानी, खैलर                                    |
| ६     | २६ (मनसिज) कामदेव   | २२१   | ७४ (मन्यदण्डक) मथानी<br>का डंडा                          |
| ३१    | २ (मनस्कार) मनकासुख   | २२१   | ७४ (मन्यनी) महेंडी                                       |
| ३४८   | ८ (मनाक्) थोड़ा   | १९२   | ७२ (मन्यर) धीरे २ चलने<br>वाला                           |
| २६८   | १०८ (मनित) जाना, माना   | २२१   | ७४ (मन्यान) मथानी  |
| ३१    | १ (मनीषा) बुद्धि  | २३४   | १९ (मन्द) सुस्त, आलसी,<br>मूढ़, थोड़ा, अतीक्षण,<br>अभागी |
| १६०   | ५ (मनीषिन्) पण्डित  | १९२   | ७२ (मन्दगामिन्) धीरे २<br>चलनेवाला                       |
| ३६६   | ३८ (मनु) स्वायम्भुवादि<br>राजा  | ११    | ५० (मन्दाकिनी) स्वर्गगंगा                                |
| १२५   | १ (मनुज) मनुष्य   | ४७    | २३ (मन्दाक्ष) लज्जा, शर्म                                |
| १२५   | १ (मनुष्य) मनुष्य   | ११    | ५१ (मन्दार) मदार, कल्प-<br>वृक्ष, वकायनि                 |
| १५    | ६६ (मनुष्यधर्मन्) कुबेर   | ७०    | ५ (मन्दिर) घर, नगर                                       |
| २२९   | १०८ (मनोगुप्ता) मैनशिल  | ७१    | ७ (मन्दुरा) घोड़शाल                                      |
| २४५   | १३ (मनोजव) पिता के<br>सदृश  | २५    | ३५ (मन्दोष्ण) थोड़ा गरम,<br>गुनगुन                       |
| २५५   | ५२ (मनोज्ञ) सुन्दर  | ४१    | २ (मन्द्र) गम्भीरशब्द                                    |
| ४८    | २७ (मनोरथ) इच्छा, स्वा-<br>हिश  | ५     | २५ (मन्मथ) कामदेव, कैथा                                  |
| २५५   | ५२ (मनोरम) सुन्दर   |       |  |
| २५२   | ४१ (मनोहत) निराश, उ-<br>दास   |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १४१   | ६५ (मन्या) गलेऽपीपिच्छली<br>नस                       | ११५   | ४ (मर्कट) वानर                                    |
| ४७    | २५ (मन्यु) शोच, दीनना,<br>यज्ञ, क्रोध                | ११७   | १४ (मर्कटक) मकरी                                  |
| २९    | २२ (मन्वन्तर) ७१ चौयुगी<br>काल                       | ८७    | ४८ (मर्कटी) कंजाविशेष,<br>क्यवांच                 |
| ५२१   | ७५ (मय) ऊंट  | १२५   | १ (मर्त्य) मनुष्य                                 |
| १६    | ७२ (मयु) किन्नर                                      | २७६   | २२ (मर्हन) अङ्गफार्मीजना                          |
| २०७   | १७ (मयुष्टक) मोथी, वनमृग                             | ४३    | ८ (मर्हल) वाजाविशेष                               |
| २३    | ३३ (मयूख) किरण, शोभा,<br>ज्वाला, दीप्ति, अज-<br>मोटा | ३६२   | ३० (मर्मन्) अगोकीसन्धि                            |
| १०१   | १११ (मयूर) मोरशिखा, मोर,<br>अजमोटा                   | ४०    | २३ (मर्मर) पत्तों का खर-<br>खराना                 |
| ९६    | ८८ (मयूरक) तूतिया, लह-<br>विचिरा                     | २६२   | ८३ (मर्मस्पृग्) मर्मभेदी,<br>सुकुमारजगहमेंमारना   |
| २०५   | ६२ (मरकत) हरेरंगकीमणि                                | १८०   | २६ (मर्यादा) मर्याद                               |
| २०२   | ११६ (मरण) मरना                                       | १४३   | ६५ (मल) कानआदि का<br>मल, रूट, पाप, विष्टा,<br>कीट |
| ५१२   | ३६ (मरीच) मिर्च                                      | २५५   | ५५ (मलदुपित) मैलीवस्तु                            |
| २२    | २७ (मरीचि) सुनिविशेष,<br>किरण                        | ६०    | ६१ (मलपू) कटुगारि                                 |
| २४    | ३५ (मरीचिका) मृगतृष्णा                               | १५७   | १३२ (मलयज) चन्दन                                  |
| ६६    | ६ (मरु) निर्जलदेश, पर्वत,<br>साङ्गवार                | २५५   | ५५ (मलिन) मैलीवस्तु                               |
| १४    | ६३ (मरुत) वायु, हवा, देवता                           | १३०   | २० (मलिनी) रजस्त्रलास्त्री                        |
| ६     | ४२ (मरुत्वत्) इन्द्र                                 | २३६   | २५ (मलिम्नुच) चोर                                 |
| १०६   | १३३ (मरुमाला) अस्परक                                 | २५५   | ५५ (मलीमस) मैलीवस्तु                              |
| ८८    | ५२ (मरुवक) मयनफर,<br>मरुजा, दवना                     | ३५९   | २१ (मल्ल) पहलवान                                  |
|       |  | ३६५   | ३७ (मल्लक) वेलाका फूल                             |
|       |  | १२०   | २४ (मल्लिक) मैले चोंच पर<br>वाले हंस              |
|       |  | ९१    | ६९ (मल्लिका) वेला                                 |
|       |  | ३५५   | १० (मसी) स्वाही                                   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ७     | ३१ (महेश्वर) शिव   | ३६३   | ३१ (माणिक्य) रत्नविशेष   |
| २१८   | ६१ (महोक्ष) बड़वैल   | २१३   | ४२ (माणिमन्थ)सैन्धवलोम   |
| ६३    | ३६ (महोत्पल) कमल   | २३४   | २० (मातंग)चाण्डाल,हाथी   |
| २४२   | ३ (महोत्साह)बड़ाउद्योगी  | १३४   | ३७ ( मातरपितरौ ) माता  |
| २४२   | ३ (महोद्यम) बड़ाउद्योगी  |       | पिता   |
| ९८    | १०० (महोपध) लहसुन, अ-<br>तीस, साँठि  | १४    | ६२ (मातरिश्वन)गायु, हँवा                                       |
| ६     | २८ (मा) रौकना, लक्ष्मी   | १०    | ४६ (मातलि) इन्द्रका सा-<br>रथी                                 |
| १४०   | ६३ (मांस) मास  | १३४   | ३७ ( मातापितरौ ) माता  |
| १३६   | ४४ (मांसल) बली, मोटा   |       | पिता   |
| २३३   | १४ ( मांसिक ) चिकवा,<br>कसाई   | १३३   | ३३ ( मातामह ) माता का<br>पिता, नाना                            |
| २२८   | १०७ (माक्षिक) सहत  | ९३    | ७८ (मातुल) धतूर, माता<br>का भाई, मामा                          |
| १६८   | ६७ (मागध) वंशपरम्परा<br>बखाननेवाले, यज्ञ कह-<br>नेवाले, क्षत्रियाणी स्त्री<br>में वैश्य से उत्पन्न पुत्र | ६३    | ७८ (मातुलपुत्रक) धतूरका<br>फल, जिस से टाट वा<br>भंगराबने वह सन |
| ९२    | ७१ (मागधी) जूही, बड़ी<br>पीपरि   | १३२   | ३० (मातुलानी) मामाकी<br>स्त्री, मामी                           |
| २७    | १५ (माघ) माघ महीना   | ५२    | ६ (मातुलाहि) चीत सॉप   |
| ९२    | ७३ (माघ्य) कुन्द   | १३२   | ३० (मातुली)मामाकी स्त्री,<br>मामी                              |
| २३    | ३१ (मात्र)सूर्यके चारोओर<br>रहनेवाला ग्रहविशेष   | ६३    | ७८ ( मातुलुङ्गक ) विजौरा<br>नीवू                               |
| ३५४   | ८ (मादि) डेपुनी, पत्ताकी<br>नस   | ४५    | १४ ( मातृ ) लोकमाता,<br>माता, गौ                               |
| १३५   | ४२ (माणवक) २० लरका<br>हार, घालक  | ३२७   | १७७ (मात्र) सत्र, सम्पूर्ण,<br>निश्चय                          |
| २८०   | ४१ (माणव्य) लड़कों का<br>समूह  | २५७   | ६२ (मात्रा) सूक्ष्म, वारीक,                                    |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                       |
|-------|--|-------|---|
|       | सर्व सामग्री, कालवि-<br>शेष                        | ३     | १२ (मारजित्) शिव,बौद्ध                      |
| २७३   | १२ (माद) खुशी, हर्ष                                | २०१   | ११४ (मारण) मारना                            |
| २७३   | १२ (माधव) विष्णु, वैशाख                            | ४५    | १४ (मारिप) श्रेष्ठ, आर्य                    |
| २३६   | ४१ ( माधवक ) महुआकी<br>दारू                        | १४    | ६३ (मारुत) वायु,हवा                         |
| ९२    | ७२ (माधवीलता) वसन्ती                               | ११०   | १५१ (मार्कव) भंगरा                          |
| २३६   | ४१ ( माध्वीक ) महुआकी<br>दारू                      | २७    | १४ (मार्ग)अगहन, रास्ता,<br>सडक              |
| ४६    | २२ (मान)चित्तकी बढ़ती,<br>अभिमान, गरूर,तौल,<br>नाप | १६५   | ८७ ( मार्गण ) घाण, तीर,<br>भिखमङ्गल, ढूढ़ना |
| १२५   | १ (मानव) मनुष्य                                    | २७    | १४ ( मार्गशीर्ष ) अगहन                      |
| ३१    | ३१ (मानस) मन                                       | २६७   | १०५ (मार्गित) ढूढ़ाहुआ                      |
| ११९   | २४ (मानसौकस्) हंस                                  | ८४    | ३३ (मार्जन) लोध                             |
| १२५   | ३ (मानिनी) प्रणयकुपि-<br>ता,मानकरनेवाली स्त्री     | १५५   | १२२ (मार्जना) झारना, पों-<br>छना            |
| १२५   | १ (मातृप) मनुष्य                                   | ११६   | ७ (मार्ज्जार) बिलार                         |
| २८१   | ४२ ( मातृप्यक ) मनुष्यों<br>का समूह                | २१४   | ४४ (मार्जिता) सिलरानि,<br>चटनी              |
| २३२   | ११ (माया) इन्द्रजाल                                | २२    | २६ (मार्तण्ड) सूर्य                         |
| २३२   | ११ (मायाकार) इन्द्रजाल<br>करनेवाला                 | २३३   | ११ ( मार्दङ्गिक ) मृदंग व-<br>जानेवाला      |
| ३     | १५ (मायादेवीसुत) बौद्ध                             | १५५   | १२२ (मार्ष्टि) झारना,पोंछना                 |
| १४०   | ६२ (मायु) पित्त                                    | ६०    | ६२ (मालक) नींबू                             |
| १२४   | ४४ (मायूर) मुरैलोंका झुण्ड                         | ६२    | ७२ (मालती) चेंवेली                          |
| ५     | २५ (मार) कामदेव                                    | १५८   | १३६ (माला) शिरमें पहिरने<br>की माला         |
| २२५   | ६२ ( मारुत ) हरीमणि,<br>जवाहिर                     | २३१   | ५ (मालाकार) माली                            |
|       |  | ११४   | १६७ (मालानुणक) पानी<br>का रर                |
|       |  | २३१   | ५ (मालिक) माली                              |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                                    |
|-------|---|-------|--|
| १२०   | २५ (मालिकाख्या)हंस, जि<br>नके चरणादि मैलेहों              | ३७    | १० (मिथ्याभियोग) सत्य<br>को झूठकरना      |
| ५२    | ६ (मालुधान) काला साँप                                     | ३७    | १० (मिथ्याभिशंसन) मि-<br>थ्या दोषलगाना   |
| ८३    | ३२ (मालूर) बेल  | ३२    | ४ (मिथ्यामति) भ्रम                       |
| १५८   | १३६ (माल्य)शिरपरकीमाला                                    | ९९    | १०५ (मिश्रेया) साँफ                      |
| ७५    | ३ (माल्यवत्) पर्वतविशेष                                   | ६६    | १०५ (मिसि) साँफ, वनसाँफ                  |
| २२४   | ८५ (मापक) घुघुची भर                                       | १०६   | १३४ (मिंसी) जटामासी                      |
| १०७   | १३८ (मापपर्णी) मूंग                                       | २०    | १६ (मिहिका) पाला                         |
| २०४   | ७ (मापीण)उर्दहोनेवाला<br>खेत                              | २२    | २६ (मिहिर) सूर्य                         |
| २०४   | ७ (माण्य) उर्द होनेवाला<br>खेत                            | २६५   | ६६ (मीढ) मूताहुआ                         |
| २७    | १२ (मास) महीना  | ५८    | १७ (मीन) मछली                            |
| २१५   | ४९ (मासर) माड़  | ५     | २५ (मीनकेतन) कामदेव                      |
| १६७   | ३३ (मासिक) अमावास्या<br>का श्राद्ध, महीने में<br>होनेवाला | १६०   | ७ (मीमांसक) मीमांसा<br>शास्त्र जाननेवाला |
| २३३   | १४ (मांसिक) कसाई  | १५०   | १०२ (मुकुट) जो माथे पर र-<br>क्खा जाय    |
| ३४६   | ११ (मास्म) रोकना  | १०३   | १२१ (मुकुन्द) पलाकी                      |
| २३०   | ३ (माहिष्य) वैश्यवर्णस्त्री<br>में क्षत्रियसे उत्पन्न     | १५६   | १४० (मुकुर) सीसा, ऐना                    |
| २१९   | ६६ (माहेयी) गौ  | ८०    | १६ (मुकुल) कली                           |
| २५४   | ४८ (मितम्पच) कृपण, कंजूम                                  | ५२    | ६ (मुक्कञ्चुक) केंचुलि<br>छोड़ेहुये साँप |
| २३    | ३० (मित्र) सूर्य, मित्र, अ-<br>पने डांडे से भिन्न राजा    | २२५   | ६३ (मुक्का) मोती                         |
| ३४६   | २५५ (मिथम्) परस्पर, एकांत                                 | १५०   | १०५ (मुक्कावली) मोतियोंका<br>हार         |
| १२३   | ३९ (मियुन) जोड़ा  | ५९    | २३ (मुक्कास्फोट) सीपी, सूती              |
| ३५०   | १५ (मिथ्या) झूठकहने में                                   | ३२    | ६ (मुक्ति) मोक्ष                         |
| ३२    | ४ (मिथ्यादृष्टि)नास्तिकता                                 | १४६   | ८९ (मुल) निकलनेका द्वार,<br>मुँह         |

| पृष्ठ | श्लोक                             | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|-----------------------------------|-------|---|
| २५०   | ३६ (मुखर) अप्रिय बोलने वाला       |       | के योग्य  |
| ३३    | ११ (मुखवासन) पान                  | १०६   | १३२ (मुस्तक) मोथा   |
| १७०   | ४३ (मुख्य) पहिली विधि, प्रधान,    | ११२   | १५९ (मुस्ता) मोथा   |
| १३७   | ४८ (मुण्ड) मुड़आ, मूड़            | ३६    | १६ (मुहुर्भापा) वारंवार कहना                              |
| १७२   | ५३ (मुण्डन) वार बनवाना            | ३४७   | १ (मुहुस्) फिर, वारंवार                                   |
| १३७   | ४८ (मुण्डित) मुड़आ                | २७    | ११ (मुहुर्त्) वारहक्षण                                    |
| २३२   | १० (मुण्डन्) नाऊ                  | २४५   | १३ (मूक) गूंगा  |
| २९    | २४ (मुद) कर्प, खुशी               | २५४   | ४८ (मूढ) मूर्ख  |
| १८    | ७ (मुदिर) मेघ, वादर               | २६५   | ९५ (मूत) बांधाहुआ   |
| १०१   | ११३ (मुद्रपणी) वनमूंग             | १४२   | ६७ (मूत्र) मूत  |
| १९६   | ६१ (मुद्र) सुगदर                  | १३६   | ५६ (मूत्रकृच्छ्र) करकरोग मूत्र करतेसमयजितसे पीड़ा होती है |
| ३४७   | ४ (मुधा) व्यर्थ                   | २६५   | ९६ (मूत्रित) मूताहुआ                                      |
| ३     | १४ (मुनि) मुनि, बौद्ध             | २५४   | ४८ (मूर्ख) मूर्ख  |
| ३     | १४ (मुनीन्द्र) बौद्ध (मुरज) मृदंग | २००   | १०९ (मूर्च्छा) मूर्च्छा, बद्ध-वासी                        |
| १०४   | १२३ (मुरा) तालीसपत्र, मुरेठी      | १४०   | ६१ (मूर्च्छलि) मुरझाया, गाढ़                              |
| २६३   | ८८ (मुपित) चुरायाहुआ              | १४०   | ६१ (मूर्च्छित) मोहित, मुर-झायाहुआ                         |
| १४४   | ७६ (मुष्क) अण्डकोप, पेल्हर        | १४०   | ६१ (मूर्त्) मुर्झाया, कठोर, दृढ़, गाढ़                    |
| ८५    | ३९ (मुष्कक) कालीपाँढ़रि           | १४२   | ७१ (मूर्ति) शरीर, कठिनता                                  |
| १४६   | ८६ (मुष्टि) मूठी                  | २६०   | ७६ (मूर्तिमत्) कठिन, दृढ़                                 |
| २७३   | १४ (मुष्टिवन्ध) मूठीबांधना        | १४८   | ९५ (मूर्द्धन्) शिर  |
| २०९   | २५ (मुसल) मूसर                    | १७५   | १ (मूर्द्धाभिपिक्त) चत्रिय, राजा                          |
| ५     | २४ (मुसलिन्) बलराम                |       |   |
| १०३   | ११९ (मुसली) मूसरि, छपकी, चुहिया   |       |   |
| २५३   | ४५ (मुसल्य) मूसरसे मारने          | ६५    | ८३ (मूर्वा) धनुषवनातेकी                                   |



| पृष्ठ | श्लोक                                  | पृष्ठ | श्लोक                                  |
|-------|--|-------|--|
|       | घौंड़ी, चिनार                          | १५२   | १११ (मृगरोमज) हरिण के रोओं से घनाहुआ   |
| ७६    | १२ (मूल) जड़, जर, पहिला, नक्षत्रविशेष  | २३५   | २३ (मृगव्य) शिकार                      |
| १११   | १५७ (मूलक) मूरी                        | २१    | २३ (मृगशिरस्) मृगशिरा नक्षत्र          |
| २७०   | ४ (मूलकर्मन्) उच्चाटन                  | २१    | २३ (मृगशीर्ष) मृगशिरा नक्षत्र          |
| २२२   | ८० (मूलधन) मूर, पृंजी                  | १९    | १४ (मृगांक) चन्द्रमा                   |
| २२२   | ७९ (मूल्य) मोल, कीमत                   | ११५   | २ (मृगादन) चीता, तेंदुआ                |
| २३७   | ३३ (मूपा) धातु गलानेकी घरिया           | ११४   | १ (मृगाशन) सिंह                        |
| ११७   | १३ (मृपिक) मूस, चूहा                   | २६७   | १०५ (मृगित) ढूँढाहुआ                   |
| ६६    | ८८ (मृपिकपर्णी) मूसरि                  | ११४   | १ (मृगेन्द्र) सिंह                     |
| २६३   | ८८ (मृपित्त) चुरायाहुआ                 | १५५   | १२२ (मृजा) झारना, पोंछना               |
| ११७   | ११ (मृग) ढूँढना, हरिन, मृगशिरा नक्षत्र | ७     | ३२ (मृड) शिव                           |
| २७८   | ३० (मृगणा) ढूँढना                      | ८     | ३८ (मृडानी) पार्वती                    |
| २४    | ३५ (मृगतृष्णा) दुपहरी जलजलाना          | ६४    | ४२ (मृणाल) भर्साड़, कमल की जर          |
| २३५   | २१ (मृगदंशक) कूकुर                     | २०२   | ११७ (मृत) मराहुआ                       |
| ११४   | १ (मृगदृष्टि) सिंह                     | २४६   | १९ (मृतस्नान) मरे के निमित्त नहाया हुआ |
| ११५   | २ (मृगद्विष्) सिंह                     | २०३   | ३ (मृत) मांगने से मिला                 |
| ११५   | ६ (मृगधूर्तक) तियार                    | १०५   | १३१ (मृत्तालक) अरहर, अहीं              |
| १५६   | १३० (मृगनाभि) कस्तूरी                  | ६६    | ५ (मृत्तिका) मट्टी                     |
| २३४   | २१ (मृगवधाजीव) व्याधा, शिकारी          | २०२   | ११६ (मृत्यु) मरना                      |
| २३६   | २६ (मृगवन्धनी) जाल                     | ७     | ३५ (मृत्युञ्जय) शिव                    |
| १५६   | १३० (मृगमद) कस्तूरी                    | ६६    | ५ (मृत्सा) अच्छी मट्टी                 |
| २३५   | २३ (मृगया) शिकार                       | ६६    | ५ (मृत्सना) अच्छी मट्टी, अरहर, अहीं    |
| २३४   | २१ (मृगय) व्याधा, शिकारी               | ६६    | ४ (मृट) मट्टी                          |
| ११४   | १ (मृगरिपु) सिंह                       |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| ४२    | ५ (मृदंग) मृदंग   | २३६   | ४० (मेदक) दारुका काढ़ी                                 |
| २६१   | ७८ (मृदु) कोमल, अतीक्ष्ण                                | १४१   | ६४ (मेदस्) चर्वा                                       |
| ८६    | ४६ (मृदुत्वच्) भोजपत्र                                  | ६५    | ३ (मेदिनी) पृथ्वी, ज़मीन                               |
| २६१   | ७८ (मृदुल) कोमल   | २४६   | ३० (मेदुर) सघन, चीकन                                   |
| १००   | १०७ (मृदीका) दाख  | ३१    | १ (मेधा) धारण करने वाली बुद्धि                         |
| १६६   | १०४ (मृध) लडाई, युद्ध                                   | २०७   | १५ (मेधि) मेढ़ी- जितमें वैल वांधकर सड़नी साड़ी जाती है |
| ३५०   | १५ (मृपा) मिथ्या, झूठ                                   | २५५   | १५ (मेघ्य) पवित्र, साफ़                                |
| ४०    | २१ (मृपार्थक) असभावित                                   | ११    | ५० (मेरु) सुमेरुपर्वत                                  |
| २५५   | ५६ (मृष्ट) शुद्ध किया हुआ                               | २७८   | २९ (मेलक) संग, मिलाप                                   |
| ६१    | ३२ (मेकलकन्यका) नर्मदा                                  | २२    | २७ (मेप) राशिविशेष, भेंडा                              |
| १५१   | १०८ (मेखला) परतला, स्त्रियों के कमरका भूषण कर-धनी वगैरह | २२८   | १०७ (मेपकम्बल) भेंड़ेके ऊन का कम्बल                    |
| १८    | ६ (मेघ) मेघ, वादर                                       | १३८   | ५६ (मेह) प्रमेहरोग                                     |
| १८    | १० (मेघज्योतिस्) वादर की ज्योति                         | १४३   | ७६ (मेहन) लिंग   |
| १०१   | ३१ (मेघनादानुलासिन्) मोर                                | २०    | २० (मैत्रावरुणि) अगस्त्य, वाल्मीकि                     |
| ११२   | १५९ (मेघनामन्) मोथा                                     | २६६   | ३९ (मैत्री) मितार्ड                                    |
| १८    | ८ (मेघनिर्घोष) वादर का गर्जना                           | २६६   | ३९ (मैत्र्य) मितार्ड                                   |
| ५५    | ५ (मेघपुष्प) जल, पानी                                   | १७४   | ६० (मैथुन) संगति, रति, स्त्री पुरुषका व्यवहार          |
| १८    | ८ (मेघमाला) वादरकी पांति                                | २३६   | ४२ (मैरेय) गुड़ वा सीरा की दारु                        |
| १०    | ४५ (मेघवाहन) इन्द्र                                     | ३२    | ७ (मोक्ष) मोक्ष, काली पाँढरि                           |
| ३४    | १५ (मेचक) कालारंग, मोर पंखमें आँसके सदृश चिह्न          | २६१   | ८१ (मोघ) व्यर्थ  |
| २२१   | ७६ (मेढ) भेंड़ा   | ८८    | ५४ (मोघा) पाँढरि, नाप-                                 |
| १४३   | ७६ (मेढ) भेंड़ा, लिंग                                   |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक | भिरंग.                   | पृष्ठ | श्लोक | ( य )                     |
|-------|-------|--------------------------|-------|-------|---------------------------|
| ८३    | ३१    | ( मोचक ) सहिंजन          | १४१   | ६६    | ( यकृत ) पेटमें जो दहिनी  |
| ८७    | ४६    | ( मोचा ) सेमर, केला      |       |       | ओर घटिया होती है          |
| ३६४   | ३३    | ( मोदक ) लड्डू           | २     | ११    | ( यक्ष ) देवयोनि, कुवेर   |
| ०२६   | ११०   | ( मोरट ) ऊखकी जर         | १५७   | १३४   | ( यक्षकर्म ) कपूर, अ-     |
| ९५    | ८३    | ( मोरटा ) धनुष बनाने     |       |       | गुरु, कस्तूरी, केसर       |
|       |       | की बाँड़ी, चिनार         |       |       | चन्दन इन सबको मि-         |
| २३५   | २४    | ( मोपक ) चोर             |       |       | लाकर बनाया गया लेप        |
| २००   | १०९   | ( मोह ) मूर्च्छा         | १५६   | १२८   | ( यक्षधूप ) राल, धूप      |
| ११६   | २२    | ( मौकुलि ) कौआ           | १५    | ७०    | ( यक्षराज ) कुवेर         |
| २२५   | ९३    | ( मौक्त्रिक ) मोती       | १३७   | ५१    | ( यक्ष्मन् ) क्षयरोग      |
| २०५   | ८     | ( मौद्गीन ) मूँगका खेत   | १६१   | १०    | ( यजमान ) यजमान           |
| ३     |       | ( मौन ) चुपचाप           | ३६    | ३     | ( यजुस् ) यजुर्वेद        |
| २३३   | १३    | ( मौरजिक ) मुरज, मृदं-   | १६३   | १५    | ( यज्ञ ) यज्ञ             |
|       |       | ग बजानेवाला              |       |       | ( यज्ञसूत्र ) जनेऊ        |
| ३३०   | १६२   | ( मौलि ) शिर, चोटी       | ८१    | २२    | ( यज्ञाङ्ग ) गूलर         |
|       |       | मुकट, बंधेवाल            | १६६   | २९    | ( यज्ञिय ) यज्ञकी वस्तु   |
| १९५   | ८५    | ( मौर्वी ) धनुषकी डोरी   | १६१   | १०    | ( यज्वन् ) विधिसे यज्ञ    |
|       |       | रोदा                     |       |       | करनेवाला                  |
| ३५३   | ५     | ( मौष्टा ) मूठियों की    | ३४७   | ३     | ( यत् ) जिससे, जो         |
|       |       | मारवाला खेल              | ३४७   | ३     | ( यतस् ) जिससे            |
| १७८   | १४    | ( मौहूर्त ) ज्योतिषी     | १७१   | ४७    | ( यति ) जितेन्द्रिय       |
| १७८   | १४    | ( मौहूर्तिक ) ज्योतिषी   | १७१   | ४७    | ( यतिन् ) जितेन्द्रिय     |
| ४०    | २१    | ( म्लिष्ट ) सफानहीं      | ३४८   | ९     | ( यथा ) जैसा, जिततरह      |
| २३४   | २०    | ( म्लेच्छ ) नीचजाति      | ३५४   | ४८    | ( यथाजात ) मूर्ख          |
|       |       | विशेष                    | ३५०   | १५    | ( यथायथम् ) यथार्थ, सत्य  |
| ६६    | ८     | ( म्लेच्छदेश ) म्लेच्छों | ३५०   | १४    | ( यथायथम् ) यथायोग्य      |
|       |       | का देश                   | ३५०   | १५    | ( यथार्थम् ) सत्य         |
| २२६   | ६७    | ( म्लेच्छमुख ) ताँवा     | १७७   | १३    | ( यथार्हवर्ण ) जासूस, चार |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २५०   | १४ ( यथास्वम् ) अपने हि-<br>स्ताके अनुसार                       |       | मुरेठी  |
| २१७   | ५७ ( यथेप्सित ) इच्छा के<br>अनुसार . बाँछित                     | १६१   | १० ( यष्टृ ) यजमान  |
| ३४६   | १२ ( यदि ) पक्षान्तर  | १६३   | १५ ( याग ) यज्ञ   |
| २७०   | २ ( यदृक्षा ) अपनी इच्छा  | २५४   | ४९ ( याचक ) माँगनेवाला                                      |
| १८६   | ५९ ( यन्तृ ) सारथी, महावत                                       | २५४   | ४६ ( याचनक ) माँगने<br>वाला                                 |
| १३    | ५९ ( यम ) यमराज, संयम   | १६७   | ३४ ( याचना ) माँगना   |
| १३    | ५९ ( यमराज ) यमराज  | २०३   | ३ ( याचित ) माँगाहुआ  |
| ६१    | ६२ ( यमुना ) यमुनानदी   | २०४   | ४ ( याचितक ) माँगने से<br>मिली वस्तु                        |
| १३    | ५६ ( यमुनाभ्रातृ ) यमराज  | १६७   | ३४ ( याज्ञा ) माँगना, भीख<br>माँगना                         |
| १८५   | ४५ ( ययु ) जिसका एक कान<br>कालाहो और अंग रापे-<br>ट हो वह घोड़ा | १६४   | १६ ( याजक ) यज्ञ कराने<br>वाला                              |
| २०७   | १५ ( यव ) यव  | ५४    | ३ ( यातना ) पीड़ा, दण्ड<br>सजा                              |
| २०४   | ७ ( यवक्य ) यवों का खेत   | ३१८   | १४५ ( यातयाम ) पुराना, खा-<br>कर फेंकागया                   |
| २२९   | १०८ ( यवक्षार ) यवाखार  | १४    | ६१ ( यातु ) राक्षस  |
| ११२   | १६१ ( यवफल ) बॉल  | १३    | ६१ ( यातुधान ) राक्षस                                       |
| ११४   | १६७ ( यवस ) घास   | १३२   | ३० ( यातृ ) देवरानी, जे-<br>ठानी                            |
| २१५   | ५० ( यवागू ) लप्ती  | १९७   | ९५ ( यात्रा ) कहींको च-<br>लना, निकालना, देव-<br>ताका उत्सव |
| २२९   | १०८ ( यवाग्रज ) यवाखार  | ५४    | २ ( यादःपति ) समुद्र  |
| १०६   | १४५ ( यवानिका ) जंवाइन  | ५६    | २० ( यादस् ) जलजीव  |
| ६६    | ६१ ( यवास ) यवासा   | १४    | ६२ ( यादसांपति ) वरुण                                       |
| १३५   | ४३ ( यवीयस् ) छोटाभाई   | १७२   | १८ ( यान ) शत्रुके ऊपर                                      |
| २०४   | ७ ( यव्य ) यवोंका खेत   |       |   |
| ४२    | ६ ( यशःपटह ) ढोल, डंका  |       |   |
| ३८    | ११ ( यशस् ) यश, कीर्ति  |       |   |
| ३६६   | ३८ ( यष्टि ) लाठी, छड़ी   |       |   |
| १००   | १०६ ( यष्टिमधुका ) जेठीमधु                                      |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
|       | चढ़ाईकरना, सवारी,<br>वाहन                              | २१८   | ६३ (युगपार्श्वग) वैलनि-<br>कालनेका काठमें नधा<br>वैल               |
| १८८   | ५५ (यानमुख) धुरा, धुरी                                 | १२३   | ३९ (युगल) दो   |
| २५५   | ५४ (याप्य) अधम   | १२३   | ३६ (युग्म) दो  |
| १८३   | ५३ (याम्ययान) पालकी                                    | १८८   | ५८ (युग्य)वाहन, सवारी<br>जुआलेजानेवाला बे-<br>ल, हरका वैल          |
| २५    | ६ (याम) पहर, संयम                                      | १९९   | १०३ (युद्ध) लड़ाई, संग्राम   |
| २५    | ४ (यामिनी) रात   | २००   | १०६ (युध्) लड़ाई, संग्राम  |
| २२७   | १०० (यामुन) सुरमा                                      | १२७   | ८ (युवति) जवान स्त्री  |
| १६१   | १० (यायजूक) चारम्बार<br>यज्ञ करनेवाला                  | १३५   | ४२ (युवन्) जवानपुरुष   |
| १५५   | १२६ (याव) लाह, लाख                                     | ४४    | १२ (युवराज) राजकुमार   |
| २०८   | १८ (यावक) कुरथी  | १८४   | ४२ (यूथ) पत्नियोंकासमूह  |
| ३४४   | २४५ (यावत्) सम्पूर्णता,<br>अवधि, प्रमाण, निश्चय        | १८३   | ३५ (यूथनाथ) हाथियों के<br>समूहमें बड़ा हाथी                        |
| १५६   | १२९ (यावन) लोहवान                                      | १८३   | ३५ (यूथप) हाथियोंके स-<br>मूहमें बड़ाहाथी                          |
| १६१   | ७० (याष्टीक) लट्टुवाज                                  | ९२    | ७१ (यूथिका) जूही   |
| ६६    | ६१ (यास) यवासा   | ८५    | ४१ (यूप) तूतकावृक्ष, पी-<br>परके समान वृक्ष वि-<br>शेष, यज्ञकाखम्भ |
| १८०   | २४ (युक्त) न्घायसे जो<br>वस्तुलीजावे                   | १६४   | २० (यूपकटक) यज्ञका<br>खम्भ   |
| १०७   | १४० (युक्तरसा) कोलिन्दण                                | १६४   | २१ (युपाग्र) यज्ञकेखम्भा<br>का शिरा, अग्रभाग                       |
| १२३   | ३९ (युग) गाड़ीआदिका<br>जुआ, सत्ययुग, द्वापर<br>आदि युग | ३६५   | ३५ (युप) जूस   |
| २०६   | १४ (युगकीलक) सडला                                      | २०६   | १३ (योक्त) जोतने की<br>रस्मी नाया                                  |
| १८८   | ५७ (युगन्धर) ढ्यगुरी वा<br>घसीटामें जोता वैल,<br>वकौरा |       |  |
| ८१    | २२ (युगपत्रक) कचनार                                    |       |  |
| ३५२   | २२ (युगपद) एकसमयमें                                    |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                       |
|-------|--|-------|---|
| २८७   | २२ (योग) हृदियारव-<br>धना, उपाय, ध्यान,<br>संगति, युक्ति | ५९    | २२ (रक्ता) जोंक                             |
| २२८   | १०५ (योगेष्ट) सीसाधातु                                   | १०७   | १३६ (रक्तफला) कुन्दुरु                      |
| १०१   | ११२ (योग्य) ऋद्धिसिद्धि                                  | ६२    | ३६ (रक्तसन्ध्यक) लाल<br>कमल                 |
| ३६२   | ३० (योजन) चारकोश   | ६४    | ४१ (रक्तसरोरुह) लाल क-<br>मल                |
| ९६    | ९१ (योजनवल्ली) मँजीठ                                     | १०९   | १४६ (रक्तांग) कवीला                         |
| २०६   | १३ (योत्र) जोतने की<br>रस्ती, नाधा                       | ६४    | ४२ (रक्तोत्पल) लालकमल                       |
| १८९   | ६१ (योद्ध) लड़नेवाला                                     | ३६२   | २७ (रक्तसभ) राक्षसों की<br>सभा              |
| १८९   | ६१ (योध) लड़नेवाला                                       | २     | ११ (रक्षम्) राक्षस                          |
| २००   | १०७ (योधसंराव) धीरोंका<br>हल्ला                          | २६८   | १०६ (रक्षित) रखाया हुआ                      |
| १४३   | ७६ (योनि) भग   | १७६   | ६ (रक्षिवर्ग) रक्षक, पह-<br>रेदार, रखवार    |
| १२५   | २ (योपा) स्त्री  | २७२   | ८ (रक्षण) रक्षण, रखाना                      |
| १२५   | २ (योपित) स्त्री   | ११६   | ११ (रंकु) हरिण विशेष                        |
| १८१   | २८ (यौतक) दायज, दहेज                                     | २२८   | १०६ (रङ्ग) रङ्गाधातु                        |
| २२४   | ८५ (यौतव) तौल, नाप                                       | २३१   | ७ (रङ्गाजीव) तसवीर<br>आदि स्त्रीचनेवाला     |
| १२०   | २२ (यौवत) जवानी स्त्रियों<br>का समूह                     | १५८   | १३८ (रचना) बनाना                            |
| १३५   | ४० (यौवन) जवानी<br>(र)                                   | २३२   | १० (रजक) धोबी                               |
| १४    | ६५ (रंहस) वेग  | २२६   | ९६ (रजत) चाँदी, सोना<br>रूपा, उज्ज्वल       |
| ३४    | १५ (रक्त) लालरंग, रक्त<br>लोह, कुंकुम, रङ्गाहुआ          | २५    | ४ (रजनी) रात, चक्रवत्                       |
| ६२    | ७३ (रक्तक) दुपहरियाफूल                                   | २५    | ६ (रजनीमुख) सन्ध्या-<br>काल                 |
| १५७   | १३३ (रक्तचन्दन) लालच-<br>न्दन, देवीचन्दन, रक्त-<br>सार   | ३०    | २८ (रजस्) रजोगुण, धू-<br>रि, स्त्रियोंका रज |
|       |  | १३०   | २० (रजस्वला) रजस्वला                        |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २३६   | २७ (रज्जु) रस्सी  | ८२    | २६ (स्थद्र) तिनिस वृक्ष                         |
| १५७   | १३३ (रञ्जन) लालचन्दन  | १२०   | २३ (स्थांग) पहिया, चक-<br>वा, चकई, तांगा        |
| ९७    | ९५ (रञ्जनी) नीलरंग  | १६२   | ७६ (स्थिक) रथकामालिक                            |
| १६६   | १०४ (रण) शब्द, लड़ाई  | १८६   | ६० (स्थिन्) रथपर चढ़कर<br>लड़नेवाला             |
| २००   | १०६ (रणसंकुल) परस्पर<br>भिरकर लड़ना   | १९२   | ७६ (स्थिन) रथकामालिक                            |
| ६६    | ८८ (रणडा) मूसरि   | १८६   | ४६ (स्थ्य) रथका लेचलने<br>वाला घोड़ा            |
| १७४   | ६० (स्त) मैथुन  | ७०    | ३ (स्थ्या) गोंवकेभीतरकी<br>रास्ता, रथों का समूह |
| ६     | २६ (रतिपति) कामदेव  | १४७   | ९१ (रद) दाँत                                    |
| २२५   | ६३ (रत्न) पद्मरागादि,<br>मोती इत्यादि अपनी<br>जाति में श्रेष्ठ  | १४७   | ६१ (रदन) दाँत                                   |
| ६५    | ४ (रत्नगर्भा) पृथ्वी  | १४७   | ९० (रदनच्छद) ओठ                                 |
| ११    | ५० (रत्नसानु) सुमेरु  | ५१    | २ (रन्ध्र) छेद, बिल                             |
| ५४    | २ (रत्नाकर) समुद्र  | ३५६   | २१ (रभस) हर्ष, खुशी                             |
| १४६   | ८६ (रत्नि) मुट्टी   | १२५   | ४ (रमणी) सुन्दरी स्त्री<br>जिसमें चित्तबहुत रमै |
| ८३    | ३० (रथ) वैत, लड़ाई में<br>चढ़नेका रथ  | ६     | २८ (रमा) लक्ष्मी                                |
| १८८   | ५५ (रथकल्या) रथोंका स-<br>मूह   | १०१   | ११३ (रम्भा) केला                                |
| २३१   | ४ (रथकार) चढ़ई, शुद्रा<br>में वैश्य से उत्पन्न ल-<br>ड़की करणी है उसमें<br>वनिनि में क्षत्रिय से<br>उत्पन्न पुत्र माहिष्यसे<br>पैदा हुआ | १४    | ६५ (रय) वेग                                     |
| १८८   | ५७ (रथगुप्ति) रथकी झोंप<br>लोहसे बनाहुआ रथ<br>का चहार   | १५३   | ११६ (रत्नक) कम्बल                               |
|       |   | ४०    | २२ (रव) शब्द                                    |
|       |   | २५१   | ३८ (रवण) शब्द करने-<br>वाला                     |
|       |   | २३    | २१ (रवि) सूर्य                                  |
|       |   | २३    | ३३ (रश्मि) किरण, पगहा                           |
|       |   | ३२    | ७ (रस) रस, शृंगारादि<br>रस, पारा, विष, धीर्थ    |

| पृष्ठ | श्लोक                                       | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
|       | गुण, प्रीति, द्रव, ट-<br>घिलना              | १४    | १३ (राजन्) चन्द्रमा, रा-<br>जा, क्षत्रिय              |
| २२७   | १०२ (रसगर्भ) रसोत्त                         | १७५   | १ (राजन्य) क्षत्रिय                                   |
| १४७   | ९१ (रसज्ञा) जीभ                             | १७५   | ४ (राजन्यक) क्षत्रियों<br>का समूह                     |
| १४७   | ६१ (रसना) जीभ, स्त्रियों<br>की करधनी        | ६८    | १४ (राजन्वत्) अच्छेराजा<br>वाला देश                   |
| २१०   | २७ (रसवती) रसोई का<br>घर                    | ११०   | १५३ (राजवला) अमरवौ-<br>रिया                           |
| ६५    | २ (रसा) पृथ्वी, साल<br>वृक्ष, पौढ़रि        | १६०   | २ (राजर्वाजिन्) राजवंश                                |
| २२७   | १०१ (रसाञ्जन) रसोत्त                        | १५    | ६९ (राजराज) कुबेर                                     |
| ५१    | १ (रसातल) पाताल                             | १६०   | २ (राजवंश्य) राजवंश                                   |
| ८४    | ३३ (रसाल) आँव, उख                           | ६८    | १५ (राजवत्) राजावाला<br>देश                           |
| ०१४   | ४४ (रसाला) सिखरनि                           | ८१    | २३ (राजवृक्ष) अमिलतास                                 |
| १८    | ८ (रसित) मेघकागरजना                         | ७२    | १० (राजसदन) राजाका<br>घर                              |
| १०९   | १४८ (रसौनक) लहसुन                           | ३५५   | ९ (राजसभा) राजा की<br>सभा                             |
| १८०   | २२ (रहस्) एकान्त                            | ३६३   | ३१ (राजसूय) राजा तोम<br>औपधी जिसमें पीवे<br>वह यज्ञ   |
| १८०   | २३ (रहस्य) एकान्त में<br>हुआ                | १२०   | २५ (राजहंम) लालेपैर चों-<br>च और उजली देह<br>वाला हंस |
| २६    | ८ (राका) पूर्णचन्द्रवाली<br>पूर्णमासी       | ८४    | ३५ (राजादन) चिरोजी<br>वृक्ष, खिन्नी                   |
| १३    | ६० (राक्षस) राक्षस                          | १५६   | १२७ (राजार्ह) अगुरु                                   |
| १०५   | १२८ (राक्षसी) धनहरी                         | ७७    | ४ (राजि) रेखा, पौति                                   |
| १५५   | १२६ (राक्षा) लाख, लाह                       |       |   |
| १५२   | १११ (राङ्गव) हरिणके रोम<br>से घना हुआ कपड़ा |       |   |
| १७५   | १ (राज) राजा                                |       |   |
| १७५   | ३ (राजक) राजाओं का<br>समूह                  |       |   |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २०८   | १९ (राजिका) राई   | १०१   | ११४ (रास्ना) रासनि, को-<br>लिन्दण  |
| ५१    | ५ (राजिल) डेंड़हासॉप  | २०    | २६ (राहु) राहु   |
| ५८    | १९ (राजीव) कमल, मछ-<br>ली विशेष                                   | २५६   | ५६ (रिक्क) शून्य, खाली   |
| १७८   | १८ (राज्याङ्ग) राजा, मन्त्री<br>मित्र, राजाना, राज्य,<br>कोट, फौज | २२५   | ६० (रिक्थ) धन  |
| २५    | ५ (रात्रि) रात  | ५०    | ३६ (रिङ्गण) लडकों की<br>बकैयों चाल   |
| १३    | ६१ (रात्रिचर) राक्षस  | १७७   | १० (रिपु) शत्रु  |
| १३    | ६१ (रात्रिचर) राक्षस  | २६१   | ३५ (रिष्ट) क्षेम, अशुभ<br>शुभ  |
| ३२    | ४ (राद्धान्त) मुख्यसि-<br>द्धान्त                                 | १६६   | ८९ (रिष्टि) तलवार  |
| २७    | १६ (राध) वैशाख महीना  | ४६    | २३ (रीढा) अनादर, अप-<br>मान  |
| २१    | २२ (राधा) विशाखा नक्षत्र  | १६४   | ६२ (रीण) रसिआता, वह-<br>ता हुआ   |
| ५     | २३ (राम) बलदेव, हरिण<br>निशेष, चौगड़ा, नीला<br>सुन्दर, उजला,      | २२६   | ६७ (रीति) पीतारि, लोका-<br>चार, टपकना, वहना                                    |
| २१३   | ४० (रामठ) हींग  | २२७   | १०३ (रीतिपुष्प) पीतल गर-<br>माकर उसपर घिसके<br>जो बनाया जाता है<br>अञ्जन विशेष |
| १२५   | ४ (रामा) सुन्दरीस्त्री जि-<br>समें चित्त बहुतरमे                  | १३७   | ५० (रुकप्रतिक्रिया) रोग<br>की दवाई करना  |
| १७१   | ४९ (राम्भ) ब्रह्मचारी का<br>बॉसका दण्डा                           | २२६   | ९५ (रुम्भ) सोना  |
| १५६   | १२८ (राल) राल, धूप  | २३२   | ८ (रुम्भकारक) सोनार  |
| १०४   | ४३ (राशि) अन्न आदिका<br>ढेर, समूह, सेपादि                         | ३३८   | २२४ (रुन्) रूखा, नारसाई  |
| ३२८   | १८३ (राष्ट्र) देश, उपद्रव   | २६४   | ६१ (रुण) टेढ़ा, टूटा हुआ   |
| ९७    | ९४ (राष्ट्रिका) भट रुटैया   | २४    | ३४ (रुच्) कान्ति   |
| ४४    | १४ (राष्ट्रिय) राजाकाशाला   | ८८    | ५१ (रुचक) रेंडी, विजोग   |
| २०२   | ७७ (रामभ) गदहा  |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                                 |
|-------|---|-------|---------------------------------------|
|       | नीवू, सज्जी, सोंचर<br>लोन                       | १००   | १०८ ( रेचनी ) ड्वेत त्रि-<br>धारा     |
| २४    | ३४ (रुचि) शोभा, क्रोधकी<br>इच्छा, इच्छा, किरण   | १९८   | ९८ (रेणु) धूरि                        |
| २५५   | ५२ (रुचिर) सुन्दर                               | २०७   | १६ (रेणुक) मटर, क्यराव                |
| २५५   | ५२ (रुच्य) सुन्दर                               | १०३   | १२० (रेणुका) गगनधूरि                  |
| १३७   | ५१ (रुज्) रोग, शोभा                             | १४०   | ६२ (रेतत्) बीज, काम                   |
| १३७   | ५१ (रुजा) रोग                                   | २५५   | ५४ (रेफ) अधम, रकार                    |
| ४१    | २५ (रुत) पक्षियों का शब्द                       | ५     | २३ (रेवतीस्मण) बलदेव                  |
| ५०    | ३५ (रुदित) रोना                                 | ६१    | ३२ (रेवा) नर्मदानदी                   |
| २६४   | ६० (रुद्ध) घेराहुआ                              | २२५   | ९० (रै) धन, सोना,                     |
| २     | १० (रुद्र) गणदेवता, शिव                         | ५१    | २ (रोक) छेड़                          |
| ८     | ३८ (रुद्राणी) पार्वती                           | १३७   | ५१ (रोग) रोग                          |
| १४१   | ६४ (रुधिर) रक्त, लोहू                           | १३६   | ५७ (रोगहारिन) वैद्य                   |
| ६६    | २० (रुमा) खारी समुद्र                           | ८७    | ४७ (रोचन) कालासेमर                    |
| ११६   | ११ (रुरु) हरिण विशेष                            | १०६   | १४६ (रोचनी) त्रिधारा, कबीला           |
| ३६    | १८ (रुशती) अशुभ वचन                             | १४९   | १०१ (रोचिण्णु) भूषणादि से<br>शोभायमान |
| ४७    | २६ (रूप) क्रोध                                  | २४    | ३४ (रोचिस्) शोभा, चमक                 |
| ११२   | १५८ (रूहा) दूब                                  | १४७   | ९३ (रोदन) रोना, ओंसू                  |
| ३२    | ७ (रूप) रूप, सूरत                               | ६६    | ९२ (रोदनी) यवासा                      |
| १२९   | १९ (रूपार्जीवा) पतुरिया                         | ६६    | २० (रोदस्) भूमिआकाश                   |
| २२५   | ६१ (रूप्य) तौवामिठी हुई<br>चौदी, चौदी, अच्छारूप | ६९    | २० (रोदसी) भूमिआकाश                   |
| १७६   | ७ (रूप्याध्यक्ष) रुपये के<br>सजाने का मालिक     | ५५    | ७ (रोधस्) किनारा                      |
| २६३   | ८९ (रुपित) धूरिलगाहुआ<br>रंगा                   | १२५   | ८७ (रोप) बाण, तीर                     |
| १८६   | ४८ (रेचित) घोड़ों की दुल-<br>की चाल             | १४९   | ९९ (रोमन्) रोंवों                     |
|       |   | ३५८   | १६ (रोमन्थ) पशुओं की<br>पागुरि        |
|       |   | ५०    | ३५ (रोमर्हण) रोंवों खडे<br>होना       |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ५०    | ३५ (रोमाञ्च) रोंवों खड़े होना                                   | २२    | २७ ( लग्न ) राशियों का उदय  |
| ४७    | २६ ( रोप ) क्रोध  | २४०   | ४४ ( लग्नक ) जामिन  |
| २१६   | ६७ ( रोहिणी ) गौ, नक्षत्र                                       | १४    | ६५ ( लघु ) शीघ्र, अस्परक, धाँछित, थोड़ा   |
| ३४    | १५ ( रोहित ) रोहूमछली, सीधा होने पर इन्द्रधनुष, लालरंग, लालहरिण | ११३   | १६५ ( लघुलय ) गॉड़रकी जड़   |
| ८७    | ४९ ( रोहितक ) गुलनार, माणिक                                     | ३५४   | ७ ( लंका ) रावणकीपुरी   |
| १२    | ५६ ( रोहिताश्व ) आगि  | १०६   | १३३ ( लंकोपिका ) अस्परक   |
| ८७    | ४९ ( रोहिन् ) गुलनार  | ४७    | २३ ( लज्जा ) लाज  |
| ४६    | २० ( रौद्र ) रौद्ररस, देखनेसे अति डरानेवाला                     | २४८   | २८ ( लज्जाशील ) लाज करनेवाला  |
| २१३   | ४२ ( रौमक ) सौंभर निमक  | २६४   | ९१ ( लज्जित ) लाजयुक्त  |
| ५३    | १ ( रौख ) नरकविशेष  | ३५५   | १० ( लट्टा ) गौरैया   |
| ५     | २४ ( रौहिण्य ) बलदेव, बुध                                       | ७८    | ९ ( लता ) बौड़ी, वृक्षकी जरमे ऊपर तक फैलने वाली बौड़ी, काकुनि, वासन्ती, अस्परक, मालकांगणी |
| ११३   | १६६ ( रौहिप ) हरिणविशेष, सुगन्धतृण ( ल )                        |       |   |
| ८९    | ६० ( लकुच ) बड़हल   |       |   |
| १९५   | ८६ ( लक्ष ) निशाना  | १०६   | १४८ ( लतार्क ) हराप्याज   |
| २०    | १७ ( लक्षण ) चिह्न, कलंक  | १४६   | ८६ ( लपन ) मुख  |
| २४५   | १४ ( लक्ष्मण ) लक्ष्मीवाला                                      | ३५    | १ ( लपित ) वचन, कहा हुआ   |
| १२०   | २६ ( लक्ष्मणा ) सारसकीस्त्री                                    |       |   |
| २०    | १७ ( लक्ष्मन् ) चिह्न, प्रधान                                   | २६७   | १०४ ( लब्ध ) पाया   |
| ६     | २७ ( लक्ष्मी ) लक्ष्मी, ऋद्धि सिद्धि, सम्पत्ति                  | १६०   | ६ ( लब्धवर्ण ) परिडत  |
| २४५   | १४ ( लक्ष्मीवत् ) लक्ष्मीवान्                                   | १६२   | १२ ( लब्धानुज्ञ ) आज्ञापाये   |
| ४६    | ३३ ( लक्ष्य ) छल, निशाना  | १८०   | २४ ( लभ्य ) न्यायसे युक्त   |
| ३५८   | १८ ( लगुड ) लाठी  | १५०   | १०४ ( लम्बन ) जो नाभितक लम्बी कंठी  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ९     | ३९ (लम्बोदर) गणेश  | १९५   | ८५ (लस्तक) धनुष का                                     |
| ४३    | ६ (लय) ताल स्वर मि-<br>लाना                              |       | मध्यभाग  |
| १२५   | ४ (ललना) दुलारी स्त्री                                   | १५५   | १२५ (लाक्षा) लाह, लाख                                  |
| १५०   | १०४ (ललन्तिका) जो नाभि<br>तक लटकतीहो लम्बी<br>कण्ठी      | ८५    | ४१ (लाक्षाप्रसादन) लाल<br>लोथ                          |
| १४७   | ९२ (ललाट) माथ  | २०६   | १३ (लाङ्गल) हर   |
| १५०   | १०३ (ललाटिका) वेंदी,<br>टीका                             | २०७   | १४ (लाङ्गलदण्ड) हरश                                    |
| ३१८   | १४३ (ललाम) पूँछ, चिह्न,<br>घोड़ा, भूषण, प्रधानता,<br>वजा | २०७   | १४ (लाङ्गलपद्धति) खेत<br>का कूँड़                      |
| १५८   | १३६ (ललामक) जो शिखा<br>में लिलारतक लपेटी<br>मालाहो       | १०२   | ११८ (लाङ्गलिकी) करि-<br>आरी                            |
| ४८    | ३१ (ललित) स्त्रियों के हाव                               | १०१   | १११ (लाङ्गली) नारियल,<br>जलपीपर                        |
| २५७   | ६२ (लव) अन्न काटना,<br>कालविशेष, मिर्ही, सूदम            | १८६   | ५० (लांगूल) पूँछ                                       |
| १५५   | १२६ (लवङ्ग) लवङ्ग  | २१४   | ४७ (लाज) धान के लावा                                   |
| ३३    | ६ (लवण) समुद्र का<br>लोन                                 | २०    | १७ (लाञ्छन) चिह्न, कलंक                                |
| ६९    | २० (लवणाकर) निमकका<br>रस, खारी समुद्र                    | २२२   | ८० (लाभ) व्याज, नफा                                    |
| ५४    | २ (लवणोद) खारासमुद्र                                     | ११३   | १६५ (लामञ्जक) गाँड़र<br>की जर                          |
| २७६   | २४ (लवन) खेत से अन्न<br>का काटना                         | ४८    | २८ (लालसा) षड़ीचाहना,<br>प्रार्थना                     |
| २०६   | १३ (लवित्र) हँसिया                                       | १४१   | ६७ (लाला) लार  |
| १०६   | १४८ (लशुन) लहशुन   | २८५   | १७ (लालाटिक) मुँहदेखा,<br>मालिक का काम न<br>करसकनेवाला |
|       |  | १२२   | ३६ (लाव) लवा पच्ची                                     |
|       |  | ४३    | ८ (लासिका) नाचनेवाली                                   |
|       |  | ४४    | १० (लास्य) नाचना                                       |
|       |  | ८९    | ६० (लिकुच) षड़हल                                       |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ३५५   | १० ( लिखा ) लीख  | ६     | ४३ ( लेख्यभ ) इन्द्र                         |
| १७८   | १६ ( लिखित ) लिखाहुआ   | ७७    | ४ ( लेखा ) पाँति, रेखा                       |
| २८८   | २५ ( लिङ्ग ) चिह्न, लिङ्ग,<br>शिश्न                            | २१७   | ५६ ( लेप ) आहार, खाना                        |
| १७३   | ५७ ( लिङ्गवृत्ति ) बहुरूपि-<br>या ब्राह्मण                     | २३१   | ६ ( लेपक ) थवई, राज                          |
| १७८   | १६ ( लिपि ) लिखना, लि-<br>खाहुआ                                | २५७   | ६२ ( लेश ) अंश, सूक्ष्म,<br>वारीक            |
| १७८   | १५ ( लिपिंकर ) लेखक  | २०६   | १२ ( लेष्टु ) ढीला                           |
| २६४   | ९० ( लिप्त ) लिपाहुआ   | २१७   | ५६ ( लेह ) आहार, खाना                        |
| १९६   | ८८ ( लिप्तक ) विपका चु-<br>झाया वाण, तीर                       | ६६    | ७ ( लोक ) भुवन, जन,<br>भारतवर्ष              |
| ४८    | २७ ( लिप्ता ) मनोरथ  | ३     | १३ ( लोकजित् ) बौद्ध                         |
| १७८   | १६ ( लिपि ) लिखना, लि-<br>खाहुआ                                | ६     | २८ ( लोकमातृ ) लक्ष्मी                       |
| २६९   | ११० ( लीढ ) खायागया  | ३६३   | ३२ ( लोकायत ) नास्तिकों<br>का शास्त्र        |
| ४३    | ३२ ( लीला ) खेल, श्रृंगार<br>आदि से दूसरे की अ-<br>नुहारि करना | ७५    | २ ( लोकालोक ) पर्वतवि-<br>शेष                |
| १८६   | ५० ( लुठित ) लोटना   | ३     | १६ ( लोकेश ) ब्रह्मा                         |
| २४७   | २२ ( लुब्ध ) लोभी  | १४७   | ६३ ( लोचन ) आँखि                             |
| २३५   | २१ ( लुब्धक ) व्याधा, बहे-<br>लिया, बाघ                        | १०१   | १११ ( लोचमस्तक ) मोरशि-<br>खा, अजमोदा        |
| ११५   | ५ ( लुलाय ) भैंसा  | २३६   | २५ ( लोपत्र ) चोरीकामाल                      |
| ११७   | १४ ( लूता ) मकरी   | ८४    | ३३ ( लोध्र ) लोध                             |
| २६७   | १०३ ( लून ) काटाहुआ  | २०    | २० ( लोपामुद्रा ) अगस्त्य<br>की स्त्री       |
| १८६   | ५० ( लूम ) पूँछ  | १४९   | ९९ ( लोमन् ) रोंवाँ                          |
| २     | ८ ( लेख ) देवता  | १०६   | १३४ ( लोमशा ) जटामांसी                       |
| १७८   | १५ ( लेखक ) लिखनेवाला  | ५०    | ३५ ( लोमहर्षण ) रोंवाँख-<br>ड़ेहीना, रोमाञ्च |
|       |  | २६०   | ७४ ( लोल ) चंचल, तृष्णा-                     |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
|       | युक्त   |       | नदान, वाँस   |
| २४७   | २२ (लोलुप) अतिलोभी  | २२९   | १०९ (वंशरोचना) वंशलोचन                             |
| २४७   | २२ (लोलुभ) अतिलोभी  | ६०    | ६४ (वकुल) मोमशिरी                                  |
| २०६   | १२ (लोष्ट) ढीला   | १५६   | २७ (वंशिक) गूगुर                                   |
| २०६   | १२ (लोष्टभेदन) मुँगरी, स-<br>रावन   | २६६   | १११ (वंहिष्ठ) बहुतसे बहुत                          |
| २२६   | ९८ (लोह) लोहा, चांदी,<br>सोना, लोह इत्यादि,<br>अगुरु                            | ३२२   | १५९ (वक्त्रव्य) निन्दित, अ-<br>धीन, कहने के योग्य- |
| २३१   | ७ (लोहकारक) लोहार   | २५०   | ३५ (वक्र) बहुत अच्छा<br>बोलनेवाला                  |
| ११८   | १७ (लोहपृष्ठ) उजली<br>चील्ह   | २५९   | ७१ (वक्र) टेढ़ा                                    |
| २५१   | ३७ (लोहल) साफ न बो-<br>लनेवाला, जो साफ<br>न बोलताहो                             | १४६   | ८९ (वक्र) मुख.                                     |
| १६७   | ९४ (लोहाभिसार) शस्त्र-<br>धारी राजाओं की नी-<br>राजनविधि, हथियार<br>पूजनेका दिन | १४४   | ७८ (वक्षस्) छाती                                   |
| ३४    | १५ (लोहित) लालरंग,<br>लोह   | १४३   | ७३ (वदक्षणा) टेहुनी                                |
| १५५   | २५ (लोहितचन्दन) केसर,<br>कुंकुम   | २२८   | १०६ (वङ्ग) राँगा                                   |
| २१    | २५ (लोहितांग) मंगल,<br>(लोहिताश्व) आगि  | ३५    | १ (वचन) बोलना                                      |
| १६१   | ८ (लोकायतिक) बौद्ध<br>मतको माननेवाला<br>(२)                                     | २४७   | २४ (वचनेस्थित) आज्ञा-<br>कारी                      |
| ११२   | १६० (वंश) वंश, गोत्र, खा-   | ३५    | १ (वचस्) बोलना                                     |
|       |   | ६६    | १०२ (वचा) वच                                       |
|       |   | ११    | ४८ (वज्र) हीरा, वज्र, सें-<br>हुँडा                |
|       |   | १८    | १० (वज्रनिर्घोष) विजुली<br>का गर्जना               |
|       |   | ६३    | ७६ (वज्रपुष्प) तिलकाफूल                            |
|       |   | ६     | ४३ (वज्रिन्) इन्द्र                                |
|       |   | २५४   | ४७ (वशक) छली, ठग,<br>दगाबाज                        |
|       |   | ११५   | ६ (वञ्जुक) सियार                                   |
|       |   | २५२   | ४१ (वशित) बर्हकाया, ठ-                             |

| पृष्ठ | श्लोक                                 | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---------------------------------------|-------|---|
|       | गागया                                 |       | अच्छा बोलनेवाला                                       |
| ८२    | २७ (वञ्जुल) तिनिस, अ-<br>शोक          | २५०   | ३५ (वदावद) बहुतबोलने<br>वाला                          |
| ८३    | ३२ (वट) वरगदवृक्ष                     | ५५    | ३ (वन) जल, वन, जङ्गल                                  |
| ३५७   | १७ (वटक) वरा                          | ६५    | ८५ (वनतिक्रिका) पाँढ़रि,<br>पाठा                      |
| २३६   | २७ (वटी) रस्ती                        | ११९   | २० (वनप्रिय) कोयल                                     |
| १८६   | ४६ (वड़वा) घोड़ी                      | १२१   | २८ (वनमक्षिका) डाँस,<br>मच्छर                         |
| १३    | ५७ (वड़वानल) वड़वानल                  | ४     | २१ (वनमालिन) विष्णु                                   |
| ५८    | १६ (वडिश) वंशी, कटिआ                  | २०७   | १७ (वनमुद्ग) मोथी, मोठ                                |
| २५७   | ६१ (वडू) फैलाहुआ, वड़ा                | ९८    | ९९ (वनशृंगाट) गोखुरू                                  |
| २२२   | ७८ (वणिज्) वनियौ                      | ७७    | ४ (वनसमूह) वन का स-<br>मूह                            |
| २२२   | ७८ (वणिज) वनियौ                       | ७८    | ६ (वनस्पति) विना फूल<br>के फलनेवाला वृक्ष             |
| २२२   | ७९ (वणिज्या) वनियौपन,<br>वनेई         | १८५   | ४५ (वनायुज) वनायु देश<br>का घोड़ा                     |
| २२५   | ८६ (वराटक) तौलनेकेवाँट                | १२५   | २ (वनिता) स्त्री, बड़ी<br>प्यारी स्त्री               |
| २१९   | ६९ (वनोका) जिस गौका<br>गर्भ गिरजाताहो | २५४   | ४६ (वनीयक) माँगनेवाला                                 |
| १४४   | ७८ (वत्स) गौकाबछड़ा,<br>वर्ष, छाती    | ९२    | ७० (वनोद्धवा) वनबेली,<br>पवारी                        |
| ९१    | ६६ (वत्सक) कुरैआ                      | ११५   | ४ (वनौकस) वन्दर                                       |
| २१८   | ६२ (वत्सतर) जवानबछड़ा                 | ६४    | ८२ (वन्दा) वाँदा                                      |
| ५३    | ११ (वत्सनाभ) विषविशेष                 | २४८   | २८ (वन्दारु) वन्दना करने<br>वाला, स्तुति करने<br>वाला |
| २७    | १३ (वत्सर) वर्ष, साल                  |       |   |
| २४५   | १४ (वत्सल) प्यारकरने<br>वाला, स्नेही  |       |   |
| ६४    | ८२ (वत्सादनी) गुर्च                   |       |   |
| २५०   | ३५ (वद) बहुतबोलनेवाला                 |       |   |
| १४६   | ८६ (वदन) मुख                          |       |   |
| २४३   | ६ (वदान्य) दानी, बहुत                 |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                         | पृष्ठ | श्लोक                    |
|-------|-------------------------------|-------|--------------------------|
| ७७    | ४ (वन्या) वनका समूह           |       | मड़ाकी रस्सी, वरेत       |
| १७२   | ५३ (वपन) वार वनवाना           | २४३   | ७ (वरद) वर देनेवाला -    |
| १५१   | २ (वपा) छेद, चर्वा            | १२५   | ४ (वरवर्णिनी) बहुत उ-    |
| १४२   | ७० (वपुस्) देह, शरीर          |       | त्तम स्त्री, हरदी        |
| ७०    | ३ (वप्र) छहरदीवाल,            | १०६   | १३४ (वरांग) योनि         |
|       | शहरपनाह, सीमा                 | १०६   | १३४ (वरांगक) तज, दाल-    |
| ३२५   | १७० (वभ्रु) बड़ा, न्योरा, वि- |       | चीनी                     |
|       | ष्णु, पीला                    | ६४    | ४३ (वराटक) कमलगट्टा,     |
| १३८   | ५५ (वमथु) वान्त, उछार,        |       | रस्सी, कौड़ी             |
|       | हाथी के शूङ के पानी           | १२५   | ४ (वरारोहा) बहुत उत्त-   |
|       | का निकरना                     |       | मा स्त्री                |
| १३८   | ५५ (वमि) वान्त, उछार          | १५३   | ११६ (वराशि) मोटा कपड़ा   |
| ३४०   | २२९ (वयस्) पच्ची, अवस्था      | ११५   | ३ (वराह) सूअर            |
| १३५   | ४२ (वयस्य) जवान               | २६७   | १०२ (वरिवसित) सेवित      |
| ८६    | ५८ (वयस्था) हर्र, अँवरा-      | १६८   | ३७ (वरिवस्या) सेवा       |
|       | ब्राह्मी, काकोली              | २६७   | १०२ (वरिवस्यित) सेवित    |
| १७७   | १२ (वयस्य) समान अव-           | २२६   | ९७ (वरिष्ठ) अति श्रेष्ठ, |
|       | स्था वाला                     |       | बहुत लम्बा चौड़ा,        |
| १२८   | १२ (वयस्या) सखी               |       | तांवा                    |
| १५५   | १२५ (वर) केसर, कुंकुम, वर-    | ९८    | १०० (वरी) शतावरि         |
|       | दान, श्रेष्ठ, दामाद           | ३४१   | २३४ (वरीयस्) श्रेष्ठ, अ- |
| १२०   | २६ (वस्टा) चौरैया, हंसकी      |       | तिशय, महान्              |
|       | स्त्री                        | १४    | ६२ (वरुण) वरुण, पुलह,    |
| ७०    | ३ (वराण) बॉस कांटा आ-         |       | वारुण                    |
|       | दिसे घिरा, वारुण              | २३६   | ३६ (वरुणात्मजा) दारु,    |
| ३५८   | १८ (वराड) मुखरोग, मुस्र       |       | मदिरा                    |
|       | की पीड़ा                      | १८८   | ५७ (वरुथ) लोहसेवना हु-   |
| १८४   | ४२ (वरत्रा) हाथी के कमर       |       | आ रथका ओहार              |
|       | में बांधनेकी रस्मी, च-        | १९३   | ७८ (वस्थिनी) फौज, सेना   |



| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| २५६   | ५७ (वरेण्य) श्रेष्ठ  | २३२   | ९ (वर्द्धकि) बढई   |
| २३५   | २३ (वर्कर) जवान पशु, व-<br>करा                               | २४८   | २८ ( वर्द्धन ) बढनेवाला,<br>काटना                                  |
| १२४   | ४१ (वर्ग) एक जातिवाले<br>प्राणी व अप्राणियोंका<br>झुण्ड      | ८८    | ५१ (वर्द्धमान) रेंड, रेंडी   |
| ३४०   | २३० (वर्चस्) तेज, गूह, चीट                                   | २११   | ३२ (वर्द्धमानक) मट्टी का<br>सेरवा, परई                             |
| १४२   | ६८ (वर्चस्क) गूह, विष्टा                                     | २४८   | २८ (वर्द्धि) बढनेवाला<br>(वर्द्धिष्णु) बढनेवाला                    |
| १५९   | १ (वर्ण) ब्राह्मणादि, अ-<br>क्षर, उजलादिरंग, हा-<br>थीकी झूल | २३७   | ३२ (वर्द्धी) वरेत, चमड़ेकी<br>रस्ती                                |
| १५७   | १३४ (वर्णक) चन्दन, घिसी<br>हुई लेपन वस्तु                    | १६०   | ६४ (वर्मन्) कवच, बखतर  |
| २६९   | ११० (वर्णित) स्तुति किया<br>हुआ                              | १९०   | ६५ (वर्मित) कवच आदि<br>पहिरे हुये                                  |
| १७०   | ४६ (वर्णिन्) ब्रह्मचारी                                      | २५६   | ५७ (वर्ष्य) श्रेष्ठ  |
| १२३   | ३६ (वर्तक) बटेर, घोड़ेका<br>खुर, बतख                         | १२६   | ७ (वर्ष्या) स्वयंवर में<br>अपने आप पतिकी इ-<br>च्छा करनेवाली कन्या |
| २०३   | १ (वर्तन) वर्तनेवाला,<br>जीविका, रोजगार                      | १२१   | २७ (वर्वाणा) कालीमस्वी   |
| १५७   | १३४ (वर्ति) पिसीहुई लेपन<br>वस्तु                            | ९६    | ९० (वर्वर) भँगरा   |
| १२३   | ३६ (वर्तिका) बटेर  | १०७   | १३६ (वर्वरा) बवई   |
| २४९   | २९ (वर्तिष्णु) वर्तनेवाला,<br>वैपरनेवाला                     | १९    | ११ (वर्ष) वर्षा, भारतवर्ष,<br>वरस                                  |
| २५९   | ६६ (वर्तुल) गोल  | १७६   | ९ (वर्षवर) हिजरा   |
| ६८    | १६ (वर्मन्) मार्ग, रास्ता,<br>आंखोंकी पलकें, बरौनी           | २८    | १६ (वर्षा) बरसात   |
| ९६    | ८० (वर्द्धक) भँगरा   | ५९    | २४ (वर्षाभू) मेढ़क   |
|       |  | ६०    | २४ (वर्षाभ्वी) मेंढुकी   |
|       |  | १३५   | ४३ (वर्षायस्) अतिबूढ़ा   |
|       |  | १६    | १२ (वर्षोपल) वर्षाके साथ<br>गिरनेवाले पत्थर                        |

| पृष्ठ | श्लोक                           | पृष्ठ | श्लोक                     |
|-------|---------------------------------|-------|---------------------------|
| १४२   | ७० (वर्ष्मन्) देह, प्रमाण       | १६६   | २९ (वपद्रुकृत) आगिमें होस |
| १०३   | १२२ (वर्हिष्ठ) नेत्रवाला        |       | कियाहुआ, अग्निहुत         |
| ३४    | १३ (वलक्ष) उजलारंग              | २९९   | ६६ (वसति) रात, घर         |
| ७३    | १५ (वलभी) छज्जा                 | १५३   | ११५ (वसन) कपड़ा           |
| १५१-  | १०७ (वलय) हाथकेकड़ा             | २८    | १८ (वसन्त) वसन्त ऋतु      |
| ७३    | १४ (वलीक) छज्जा, वरौनी          | १४१   | ६४ (वसा) चर्बी            |
| ११५   | ३ (वलीमुख) बन्दर                | २१३   | ४१ (वसिर) समुद्रमें होने  |
| ७९    | १२ (वल्क) बकला                  |       | वाला निमक                 |
| ७९    | १२ (वल्कल) बकला                 | २     | १० (वसु) देवगण, धन,       |
| १८६   | ४८ (वल्गित) घोड़ों की           |       | आगि, किरण, रत्न           |
|       | गति, उछाल                       | ६४    | ८० (वसुक) मदार, साँभ-     |
| ६८    | १५ (वल्मीक) वेमडरि <sup>१</sup> |       | रि निमक                   |
| ४२    | ३ (वल्लकी) वीणा                 | ५     | २२ (वसुदेव) कृष्णके पिता  |
| २५५   | ५३ (वल्लभ) प्यारा, मुख्य        | ६५    | ३ (वसुधा) पृथ्वी, जमीन    |
|       | मालिक, कुलीन घोड़ा              | ६५    | ३ (वसुन्धरा) पृथ्वी, ज-   |
| ८०    | १३ (वल्लरि) मञ्जरी, बौर         |       | मीन                       |
| ७८    | ६ (वल्ली) बौड़ी                 | ६५    | ३ (वसुमती) पृथ्वी, ज-     |
| १४१   | ६३ (वल्लूर) सूखा मांस           |       | मीन                       |
| २७२   | ८ (वश) इच्छा, सन्तान,           | २२१   | ७६ (वस्त) बकरा            |
|       | बाँस                            | १४३   | ७३ (वस्ति) जहाँ मूत्र     |
| २७०   | ४ (वशक्रिया) वशीकरण             |       | रहताहै वह स्थान           |
| १८३   | ३६ (वशा) हथिनी, बाँझ            | १५३   | ११५ (वस्त्र) कपड़ा        |
|       | गौ, स्त्री                      | १५४   | १२० (वस्त्रवेशमन्) कपड़ा  |
| २५६   | ५६ (वशिक) खाली                  |       | का घर, कनात               |
| ९८    | ९७ (वशिर) गजपीपरि स-            | २२२   | ७६ (वस्न) मूल्य, कीमत     |
|       | मुद्रका निमक                    | १४१   | ६६ (वस्नसा) नस            |
| २४७   | २५ (वश्य) वशमेंपड़ाहुआ          | २१८   | ६३ (वह) बेलका काँधा       |
| ३४८   | = (वपद्) देवताओं के             | १२    | ५४ (वह्नि) आगि            |
|       | अर्थ त्याग                      | २२८   | १०६ (वह्निशिख) कुसुम्भ    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ९४    | ८० (वह्निसंज्ञक) चीत औ-<br>पध                                   | २५०   | ३५ (वाचोयुक्तिपटु) युक्ति<br>युक्तवचन बोलनेवाला,<br>नैयायिक |
| ३४५   | २४८ (वा) उपमा, विकल्प,<br>निश्चय                                | १९५   | ८७ (वाज) वाणमें लगा-<br>हुआ पंख                             |
| २५०   | ३५ (वाक्पति) बहुत अ-<br>च्छा बोलनेवाला                          | ३६३   | ३१ (वाजपेय) यज्ञविशेष,<br>वाजपैथी मंदिरा जि-<br>समें पीजावे |
| ३५    | २ (वाक्य) तिङन्त और<br>सुवन्तों का समूह, वा<br>कारकयुक्त क्रिया | ६६    | १०३ (वाजिदन्नक) रूत   |
| २५०   | ३५ (वागीश) बहुत अच्छा<br>बोलनेवाला                              | १२२   | ३४ (वाजिन्) घोड़ा, वाण,<br>पक्षी                            |
| २३६   | २६ (वागुरा) जाल   | ७१    | ७ (वाजिशाला) घोड़-<br>शाल                                   |
| २३३   | १४ (वागुरिक) बहेलिया,<br>जाल से जीवोंको पक-<br>डनेवाला          | ४८    | २७ (वाञ्छा) मनोरथ   |
| २५०   | ३५ (वाग्मिन्) युक्तियुक्त<br>बोलनेवाला, नैयायिक                 | ३६७   | ४२ (वाटी) रास्ता, मार्ग                                     |
| ३७    | ९ (वाङ्मुख) आरम्भ   | १००   | १०७ (वाट्यालका) वरिआरा                                      |
| ३५    | १ (वाच्) सरस्वती,<br>वाणी बोलना                                 | १३    | ५७ (वाडव) चड़वानल<br>घोड़ियोंका समूह, ब्रा-<br>ह्मण         |
| १७०   | १४५ (वाचंयम) मुनि   | २८०   | ४१ (वाट्य) ब्राह्मणों का<br>समूह                            |
| ३५    | २ (वाचक) शास्त्रीय शब्द   | ९३    | ७४ (वाण) नीलाङ्घ्रिपट्टी                                    |
| २१    | २४ (वाचस्पति) बृहस्पति  | १६०   | ३ (वानप्रस्थ) ब्रह्मचारी                                    |
| २५०   | ३६ (वाचाट) बहूत निन्दित<br>वचन बोलनेवाला                        | २३६   | २८ (वाणि) धीनना   |
| २५०   | ३६ (वाचाल) बहूत नि-<br>न्दित वचन बोलनेवाला                      | २२२   | ७१ (वाणिज्य) धनियोंका<br>कर्म, धनियर्ह                      |
| ३९    | १७ (वाचिक) सन्देश क-<br>हना                                     | ३१०   | १११ (वाणिनी) नट्टिनि, ना-<br>चनगार्दी, दृनी                 |
|       |   | ३५    | १ (वार्णा) नरम्यनी  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                                      |
|-------|---|-------|--|
| १४    | ६४ (वात) हवा, वायु  | १७    | ३ (वामन) दक्षिणदिशा                        |
| १०९   | १४९ (वातक) पटुआ, सन   |       | का दिग्गज, चवना                            |
| १३९   | ५९ (वातकिन्) वाईरोग<br>वाला                                   | ६८    | १५ (वामलूर) वेमडारि                        |
| ८३    | २९ (वातपोथ) छिडलवृक्ष   | १२५   | ३ (वामलोचना) सुन्दर<br>आँखवाली स्त्री      |
| ११६   | ८ (वातप्रमी) हरिणविशेष  | १२५   | २ (वामा) स्त्री                            |
| ११६   | = (वातमृग) हरिणविशेष  | १८५   | ४६ (वामी) घोड़ी                            |
| १३९   | ५९ (वातरोगिन्) वाईरोग<br>वाला                                 | २३६   | २८ (वायदण्ड) कपड़ावी-<br>ननेका दण्डा, राछि |
| ७२    | ९ (वातायन) झरोखा  | ११६   | २१ (वायस) कौवा                             |
| ११६   | ९ (वातायु) हरिणविशेष  | ११८   | १८ (वायसाराति) उल्लूपक्षी                  |
| ३३१   | १९५ (वातूल) बौंड़र, बँ-<br>डल, वायुकासहनेवाला                 | ११०   | १५१ (वायसी) कौआहाँड़ी                      |
| २१७   | ६० (वात्सक) बछड़ों का<br>समूह<br>(वादित्र) वाजाका स-<br>राजाम | १०८   | १४४ (वायसोली) ककोली                        |
| ४२    | ५ (वाद्य) वाद्यभेद  | १४    | ६२ (वायु) वायु, हवा                        |
| ८०    | १५ (वान) सूखाफल   | १२    | ५६ (वायुसख) आगि                            |
| ८२    | २८ (वानप्रस्थ) महुआ   | ५५    | ३ (वार) जल, पानी                           |
| ११५   | ४ (वानर) बन्दर  | १२४   | ३९ (वार) समूह, अवतर,<br>सूर्यादिका दिन     |
| ७८    | ६ (वानस्पत्य) फूलकर<br>फलनेवाला वृक्ष                         | १२२   | ३४ (वारण) हाथी                             |
| ८३    | ३० (वानीर) घेंत   | १०१   | ११३ (वारणवुसा) केला                        |
| १०५   | १३१ (वानेय) मोथा  | १२९   | १९ (वारमुख्या) मुख्य प-<br>तुरिआ           |
| ६१    | २८ (वापी) वावली   | १८९   | ६३ (वास्वाण) बखतर                          |
| ३१८   | १४४ (वाम) सुन्दर, टेढ़ा,<br>महादेव                            | १२६   | १९ (वारस्त्री) पतुरिया                     |
| ७     | ३३ (वामदेव) शिव   | ११०   | ५१ (वाराही) विलाईकन्द                      |
|       |   | ५५    | ३ (वारि) जल                                |
|       |   | १८    | ७ (वारिद) वादर, मेघ                        |
|       |   | ६३    | ३८ (वारिपर्णी) जलकुम्भी                    |
|       |   | ७५    | ५ (वारिप्रवाह) भर्ना                       |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १८    | ६ (वारिवाह)वादर, मेघ                          |       | कपड़ा   |
| १८५   | ४३ (वारी) हाथीके बाँधने का स्थान              | १६९   | ३९ (वाल्मीक) वाल्मीकि मुनि  |
| २९५   | ५१ (वारुणी)दारू, पश्चिम दिशा                  | २५०   | ३५ (वावदूक) बहुरे वोलने वाला  |
| १३९   | ५७ (वार्त) लघुरोगसे छूटा हुआ, असार वस्तु      | १९    | १०३ (वाशिका) रूस  |
| ३७    | ७ (वार्ता) वृत्तान्त, हाल, जीवनोपाय, रोजगार   | ४१    | २५ (वाशित) पक्षियोंका शब्द  |
| १०१   | ११४ (वार्ताकी) बैंगन वृक्ष, भौंटा             | ७२    | ६ (वास) सभामंदिर, रहनेकास्थान, मभा, वस्त्र                          |
| २३३   | १५ (वार्तावह) संदेश ले जानेवाला               | ९९    | १०३ (वासक) रूस  |
| १३५   | ४० (वार्द्धक) बुढ़ापा, बुढ़वों का समूह        | ७१    | ८ (वासगृह) घरका बीच   |
| २३२   | ९ (वार्द्धकि) बढई                             | ९२    | ७२ (वासन्ती) वसन्ती   |
| २०४   | ५ (वार्द्धपि) व्याज से जीविका करनेवाला        | १५७   | १३५ (वासयोग) सुगन्ध द्रव्यका चूर्ण                                  |
| २०४   | ५ (वार्द्धपिक) व्याजसे जीविका करनेवाला        | २४    | २ (वासर) दिन  |
| २८१   | ४३ (वार्म्मण) कवचका समूह                      | ६     | ४३ (वासव) इन्द्र  |
| ११०   | १५० (वार्षिक) चिरायताका फल                    | १५३   | ११५ (वासस्) वस्त्र  |
| १५०   | १०३ (वालपाश्या) बोटोंमें लगानेकी सोनेकी पट्टी | ९९    | १०३ (वासक) रूस  |
| १०९   | १२१ (वालुक) पलुआ                              | १५७   | १३५ (वासित) छयोंकी हुई वस्तु, सुगन्धयुक्त किया हुआ, पक्षियोंका शब्द |
| १५२   | १११ (वालुक) अलसी आदि के चकल से बना हुआ        | १८५   | ४६ (वासी) घोड़ी   |
|       |   | ३०१   | ७५ (वासिता) स्त्री, हथिनी   |
|       |   | ५१    | ४ (वासुकि) राजों का राजा  |
|       |   | ४     | २० (वासुदेव) विष्णु   |
|       |   | ४५    | १४ (वासु) कन्या   |
|       |   | ७४    | १३ (वास्तु) घरकी भूमि   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ११२   | १५८ (वास्तुक) वधुआ का शाक                            |       | बदलना, अंजाम   |
| १०    | ४४ (वास्तोप्यति) इन्द्र                              | २४३   | ३० (विकासिन्) फूलने-वाला                                       |
| १८७   | ५४ (वास्त्र) वस्त्रसे ढका हुआ जिसपर कपड़े का बहार हो | १२२   | ३४ (विकिर) पक्षी   |
| १८५   | ४४ (वाह) घोड़ा, १६ द्रोण का १ वाह                    | ९४    | ८० (विकीरण) मदार   |
| ११५   | ५ (वाहद्विपत्) भैंसा                                 | २४३   | ७ (विकुर्वाण) हर्षित, खुश                                      |
| १८८   | ५८ (वाहन) सवारी                                      | ४६    | १६ (विकृत) बीभत्सरस, रोगी                                      |
| ५१    | ५ (वाहस) अजगर सोंप                                   | २७४   | १५ (विकृति) विरुद्धकरना  |
| १८४   | ३६ (वाहित्य) हाथी के ललाटका नीचे का भाग              | १६६   | १०२ (विक्रम) अतिपराक्रम, अन्यको दवाना                          |
| १९३   | ७८ (वाहिनी) सेना, फौज, फौजविशेष, नदी                 | २२३   | ८३ (विक्रय) बेंचना   |
| १८९   | ६२ (वाहिनीपति) फौजका मालिक                           | २२२   | ७९ (विक्रयिक) बेचनेवाला  |
| १४४   | ८० (वाहु) घाँह, भुजा, हाथ                            | १९३   | ७७ (विक्रान्त) बहादुर, शूर                                     |
| १५५   | १२५ (वाहीक) कुंकुम                                   | २७४   | १५ (विक्रिया) विकार, विरुद्धकरना                               |
| १२२   | ३४ (वि) पक्षी  | २२२   | ७९ (विकेत्) बेंचनेवाला   |
| २२३   | ८३ (विंशति) बीस                                      | २२३   | ८२ (विक्रेय) बेंचनेके योग्य                                    |
| ८४    | ३७ (विकंकत) कँटाव                                    | २५२   | ४४ (विक्लव) विकल, शोक से जिसका अंग भङ्ग होगया हो               |
| ७८    | ७ (विकच) फूला हुआ                                    | २७९   | ३७ (विक्षाव) छींक  |
| २२    | २९ (विकर्तन) सूर्य                                   | २६६   | १०० (विगत) तेजहीन  |
| १३६   | ४६ (विकलाह) अंगहीन                                   | १३०   | २१ (विगतार्तवा) रजोरहित स्त्री                                 |
| ९६    | ९० (विकसा) मँजीठ                                     | १३६   | ४६ (विग्र) नकटा  |
| ७८    | ८ (विकासित) फूला हुआ                                 | १४२   | ७० (विग्रह) देह, विगार, लड़ाई, दूसरे राज्यको लूटलेना फूंक देना |
| २४९   | ३० (विकस्वर) फूलनेवाला                               |       |  |
| २७४   | १५ (विकार) प्रकृति का                                |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
|       | विस्तार  |       |  |
| १६६   | ३० (विघस) देवपित्रादि<br>के भोजन से बची हुई<br>वस्तु | ८०    | १४ (विटप) वृक्षकीशाखा,<br>खरकागुच्छा, वृक्ष                |
| २७५   | १९ (विघ्न) कार्पेनाशक<br>उपद्रवविशेष, खलल            | ७७    | ५ (विटपिन्) वृक्ष  |
| ९     | ३९ (विघ्नराज) गणेश                                   | ८७    | ५० (विदखदिर) दुर्गन्धि-<br>युक्त खयर, रीवां                |
| १६०   | ६ (विचक्षण) पण्डित                                   | २३५   | २३ (विद्वार) गोंवकासूअर                                    |
| २७८   | ३० (विचयन) ढूँढना                                    | २१३   | ४२ (विड) खारीनोन   |
| १३८   | ५३ (विचर्चिका) खाजु                                  | १००   | १०६ (विडंग) वायुभिरंग                                      |
| ३१    | २ (विचारणा) विचार                                    | ११६   | ७ (विडाल) विलार  |
| २६६   | ९९ (विचारित) विचारा<br>हुआ                           | ९     | ४२ (विडौजस्) इन्द्र  |
| ३१    | ३ (विचिकित्सा) सन्देह                                | ३५४   | ९ (वितण्डा) बकवाह,<br>मिथ्यावाद                            |
| ७२    | ११ (विच्छन्दक) राजाओं<br>का घर विशेष                 | ४०    | २१ (वितथ) असत्य, झूठी                                      |
| ३६१   | २६ (विच्छ्वाय) पक्षियोंकी<br>छाया                    | १६७   | ३१ (वितरण) दान   |
| १८०   | २२ (विजन) एकान्त                                     | ७३    | १६ (वितर्हि) घेदी, चौतरा                                   |
| २०१   | ११० (विजय) जीति, फतेह                                | १४५   | ८४ (वितस्ति) वित्त   |
| २१४   | ४६ (विजिल) रसा वा क-<br>रायलवाला व्यञ्जन             | १५४   | १२० (वितान) यज्ञ, विस्तार,<br>तुच्छ, चँदवा, शून्य,<br>मन्द |
| २४२   | ४ (विज्ञ) प्रवीण, चतुर                               | १०९   | १४९ (वितुन्न) विसंगपरिआ                                    |
| २४४   | ६ (विज्ञात) प्रसिद्ध                                 | १०४   | २६ (वितुन्नक) भूमीअँवरा,<br>तृप्तिया, धनियों               |
| ३२    | ६ (विज्ञान) लोकरके कार्य<br>और शास्त्र का जानना      | २२५   | ६० (वित्त) प्रसिद्ध, वि-<br>चारा हुआ, धन                   |
| ३५७   | १७ (विट) धूर्त                                       | २७१   | ५ (विदर) फूटना   |
| ७३    | १५ (विटंक) कचूतरआदि<br>के रहने का स्थान              | ३६३   | ३२ (विदल) घोंसका टप-<br>लवा                                |
|       |  | २७१   | ५ (विदार) फूटना  |
|       |  | १०२   | ११५ (विदाग्निन्धा) सरिवन                                   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १००   | ११० (विदारी) कालाकुम्हड़ा                                  |       | विधिके देखनेवाला                                  |
| २६८   | १०८ (विदित) जानाहुआ,<br>स्वीकार कियाहुआ                    | ५     | २२ (विद्यु) विष्णु, चन्द्रमा,<br>कपूर, राजस       |
| १७    | ५ (विदिश) दिशाओं<br>का मध्य                                | २६८   | १०७ (विधुत) त्यागा हुआ                            |
| २४९   | ३० (विदुर) जनैआ, ज्ञानी                                    | २२    | २६ (विधुन्तुद) राहु                               |
| ८३    | ३० (विदुल) जलधेत, धेत                                      | २७५   | २० (विधुर) अत्यन्त वि-<br>योग, अलग होजाना         |
| २६३   | ८७ (विद्ध) छेदाहुआ, प-<br>ठायाहुआ                          | २७०   | ४ (विधुवन) काँपना                                 |
| ६५    | ८४ (विद्धकर्णी) पाँड़रि                                    | २७०   | ४ (विधूनन) काँपना                                 |
| २     | ११ (विद्याधर) देवयोनि                                      | २४७   | २४ (विधेय) आज्ञाकारी                              |
| १८    | ९ (विद्युत्) विजुली  | २४७   | २४ (विनयग्राहिन्) आ-<br>ज्ञाकारी                  |
| १३६   | ५६ (विद्रधि) ड्यरथिआरोग                                    | ३४७   | ३ (विना) निपेध                                    |
| २०९   | १११ (विद्रव) भागना   | ३     | १४ (विनायक) जैनमती,<br>गणेश, गरुड़                |
| २६६   | १०० (विद्रुत) पिचलाहुआ<br>धीआदि                            | २७६   | २२ (विनाश) नाश, लोप                               |
| २२५   | ९३ (विद्रुम) मूँगा   | २६४   | ६१ (विनाशोन्मुख) पका<br>हुआ, मरने के योग्य        |
| १०५   | १२६ (विद्रुमलता) पत्रौरी                                   | १८५   | ४४ (विनीत) सीखाहुआ<br>घोड़ा, नम्र, मुलायम<br>आदमी |
| ४४    | १२ (विद्रुस्) पण्डित, आ-<br>त्मज्ञानी                      | २४९   | ३० (विन्दु) जानने वाला,<br>ज्ञाता, बूँद           |
| ४७    | २५ (विद्रेप) घेर   | १८४   | ३९ (विन्दुजालक) हाथी<br>के शरीरके लालबुन्दा       |
| १२७   | ११ (विधवा) रौंड़   | ७५    | ३ (विन्ध्य) पर्वतविशेष                            |
| २३६   | ३८ (विधा) विधान, प्र-<br>कार, मँजूरी.                      | २६६   | ९९ (विन्न) विचाराहुआ,<br>पायाहुआ                  |
| ४     | १७ (विधातृ) ब्रह्मा  | १७७   | ११ (विपक्ष) शत्रु                                 |
| ४     | १७ (विधि) ब्रह्मा, भाग्य,<br>विधान, नियोगशास्त्र<br>के नाम |       |   |
| १६३   | १८ (विधिदर्शिन्) यज्ञफी                                    |       |   |



| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| ४२    | ३ (विपश्ची) वीणा  | २५८   | ६८ (विप्रकृष्टक) दूरि  |
| २२३   | ८२ (विपण) वैचना   | ४७    | २५ (विप्रतीसार) पछताना   |
| ७०    | २ (विपणि) जहां बाजार<br>न हो लेकिन वस्तु वि-<br>कतीहो उसका नाम,<br>दूकानोंकी लैन,बाजार<br>के भीतरकी गली | २७७   | २८ (विप्रयोग) प्रीति छो-<br>ड़ना   |
| १६४   | ८२ (विपत्ति) विपत्ति, मु-<br>सीबत   | २५२   | ४१ (विप्रलब्ध) बहँकाया,<br>ठगाहुआ, ठगागया                                    |
| ६९    | १७ (विपथ) खराबरास्ता  | ५०    | ३६ (विप्रलम्भ) किसी व-<br>स्तुकी आशादेकरफिर<br>उसे भंगकरना, प्रीति<br>छोड़ना |
| १९४   | ८२ (विपद्) विपत्ति. मु-<br>सीबत   | ३९    | १६ (विप्रलाप) विरुद्धकहना  |
| २७९   | ३३ (विपर्यय) उलटा पु-<br>लटा  | १३०   | २० (विप्रशिका) शुभाशुभ<br>जानने वाली   |
| २७६   | ३३ (विपर्यास) उलटा पु-<br>लटा   | ५५    | ६ (विश्रुप्) वूद   |
| १६०   | ५ (विपश्चित्) परिडत   | २७३   | १४ (विश्रव) लूटना  |
| ६२    | ३३ (विपाद्) विपाशानदी   | १३८   | ५५ (विबन्ध) कधुजरोग  |
| १३८   | ५२ (विपादिका) व्यवार्ई  | २     | ७ (विबुध) देवता  |
| ६२    | ३३ (विपाशा) विपाशानदी   | २२५   | ९० (विभव) धन   |
| ७७    | १ (विपिन) वन  | २२    | २८ (विभाकर) सूर्य  |
| २५७   | ६१ ( विपुल ) फैलाहुआ,<br>बड़ा लम्बा चौड़ा   | २५    | ४ (विभावरी) रात  |
| ६५    | ४ (विपुला) पृथ्वी   | १३    | ५७ (विभावसु) आगि,सूर्य   |
| १५६   | २ (विप्र) ब्राह्मण  | ८६    | ५८ (विभीतक) बहेड़ा   |
| २७४   | १५ ( विप्रकार ) अपकार,<br>अनभल  | ८     | ३७ (विभूति) ऐश्वर्य  |
| २५२   | ४१ ( विप्रकृत ) निकाला<br>हुआ   | १४६   | १०१ (विभूषण) गहना  |
|       |   | ४८    | ३१ (विभ्रम) स्त्रियोंकी क्रि-<br>याविशेष, अलंकार,<br>भ्रांति, शोभा           |
|       |   | १४९   | १०१ (विभ्राज) शोभित, च<br>मकता हुआ   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २४३   | ८ ( विमनम् ) उदात्त,<br>रंजीदः                                | ५१    | १ ( विल ) विल, छेद  |
| २७३   | १३ ( विमर्दन ) मीजना  | २४८   | २६ ( विलक्ष ) चकरायाहुआ   |
| २५५   | ५५ ( विमल ) सफा   | २७०   | २ ( विलक्षण ) विनाकारण<br>की स्थिति   |
| १०८   | १४३ ( विमला ) भेहुडाविशेष                                     | ४३    | ९ ( विलम्बित ) धीरेधीरे<br>होनेवाला   |
| १३१   | २५ ( विमातृज ) सौतेला<br>भाई                                  | २७७   | २८ ( विलम्भ ) अतिदान  |
| ११    | ४९ ( विमान ) विमान  | ३६    | १६ ( विलाप ) रोना   |
| १६    | ११ ( वियत् ) आकाश   | ४८    | ३१ ( विलास ) स्त्रियोंकेहाव   |
| ११    | ५० ( वियद्गंगा ) आकाश-<br>गङ्गा                               | २६६   | १०० ( विलीन ) पिघलाघी<br>आदि  |
| २७५   | १८ ( वियम ) संयम  | १५७   | १३४ ( विलेपन ) विसाहुआ<br>सुगन्ध द्रव्य, चन्द-<br>नादि लगाना                |
| २४८   | २५ ( वियात ) निर्लज्ज, हीठ                                    | २१५   | ५० ( विलेपी ) लपती, गी-<br>लाभात  |
| २७५   | १८ ( वियाम ) संयम   | ५०    | ८ ( विलेशय ) सॉप  |
| १७१   | ४८ ( विरजस्तमम् ) रजो-<br>गुण तमोगुणसे रहित                   | ३०६   | ६६ ( विवध ) सवत्तरफसे<br>खींचकर इकट्ठाकिया<br>ध्यानादि, रास्ता              |
| २७३   | ३८ ( विरति ) विलुत्ति   | ५१    | १ ( विवर ) विल, छेद,  |
| २५८   | ६६ ( विरल ) विरल  | २३३   | १६ ( विवर्ण ) नीच   |
| १७५   | १ ( विराज् ) क्षत्रिय   | २५२   | ४४ ( विवश ) मरणासन्न,<br>मरने के लगभग दुष्ट-<br>बुद्धि होनेवाला, सठि-<br>आन |
| ४०    | २३ ( विराव ) शब्द   | २२    | २९ ( विवस्वत् ) सूर्य, दे-<br>वता   |
| ४     | १७ ( विरिधि ) ब्रह्मा   | ३७    | ९ ( विवाद ) व्यवहरियों  |
| ७     | ३३ ( विरूपाक्ष ) शिव  |       |   |
| २३    | ३० ( विरोधन ) सूर्य, च-<br>न्द्रमा, आगि, प्रह्लाद<br>का पुत्र |       |   |
| ४७    | २५ ( विरोध ) वैर  |       |   |
| २७५   | २१ ( विरोधन ) विगार   |       |   |
| ३९    | १३ ( विरोधोक्ति ) विरुद्ध<br>कहना                             |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
|       | की घतकही  | ८१    | २३ (विशालत्वच्) छत-<br>वनि                            |
| १७४   | ६० (विवाह) व्याह, शादी                                    | १११   | १५६ (विशाला) इन्दारुणि                                |
| १८०   | २२ (विविक्त) एकांत, पवित्र                                | १६५   | ८६ (विशिख) वाण, तीर                                   |
| २६४   | ९३ (विविध) अनेक प्र-<br>कारका                             | ७०    | ३ (विशिखा) गाँवके भी-<br>तरकी रास्ता                  |
| १६९   | ४१ (विवेक) प्रकृति पुरुष<br>के भेदको जानना,<br>अन्य विचार | १५५   | १२३ (विशेषक) माथेमें क-<br>स्तूरीआदि से तिलक<br>लगाना |
| ४८    | ३१ (विव्वोक) स्त्रियोंकेहाव                               | १६७   | ३१ (विश्राणन) दान                                     |
| २०३   | १ (विश्) वैश्य, मनुष्य,<br>विष्टा                         | २७७   | २८ (विश्राव) अतिप्रसि-<br>द्धता                       |
| २५६   | ६० (विशंकट) बड़ालम्बा<br>चौड़ा, फैलाहुआ                   | २४४   | ९ (विश्रुत) प्रसिद्ध                                  |
| ३४    | १२ (विशद) उजला  | २     | १० (विश्व) गणदेवता,<br>सब, सोंठि                      |
| २०२   | ११५ (विशर) मारना  | २३५   | २२ (विश्वकटु) शिकारी<br>कुत्ता                        |
| ६४    | ८२ (विशल्या) इन्द्रपुष्पी,<br>गुर्च, दँतिया               | ३०९   | १०८ (विश्वकर्म्मन्) सूर्य,<br>देवोंका थवई             |
| २०१   | ११४ (विशसन) मारना   | २७    | ६ (विश्वकेतु) कामदेव                                  |
| ९     | ४१ (विशाख) स्वामिका-<br>र्तिक                             | २१२   | ३८ (विश्वभेषज) सोंठि                                  |
| २१    | २२ (विशाखा) विशाखा<br>नक्षत्र                             | ५     | २२ (विश्वम्भर) विष्णु                                 |
| २७८   | ३२ (विशाय) सोनेवाला                                       | ६५    | २ (विश्वम्भरा) पृथ्वी                                 |
| २०१   | ११२ (विशारण) मारना  | ४     | ७ (विश्वसृज्) ब्रह्मा                                 |
| ३०६   | ९५ (विशारद) पण्डित,<br>ढीठ                                | १२७   | ११ (विश्वस्ता) राँड़, वि-<br>धवा                      |
| २५७   | ६० (विशाल) बड़ालम्बा<br>चौड़ा, फैलाहुआ                    | ९८    | ९९ (विश्वा) अतीस                                      |
| १५३   | ११४ (विशालता) चौड़ाई                                      | १६६   | ३६ (विश्वामित्र) विश्वा-<br>मित्र                     |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १८०   | २३ ( विश्वास ) विश्वास,<br>परतीति, यकीन                                    | ४     | १८ (विष्टरश्रवस) विष्णु                            |
| ५२    | ९ (विप) जहर, माहुर   | ५४    | ३ (विष्टि) हठसे नरकसें<br>फेंकना                   |
| ५२    | ७ ( विपधर ) साँप   | १५२   | ६८ (विष्ठा) गूह, मैला                              |
| ८१    | २३ (विपमच्छद) छतवनि  | ४     | १८ (विष्णु) विष्णु                                 |
| ६७    | ६ (विपय) रूपरसादि, दे-<br>श, प्रयोजन, मतलब,<br>जिसका जो कुछ जा-<br>नाहै वह | ९९    | १०४ (विष्णुक्रान्ता) विष्णु-<br>क्रान्ता औषधिविशेष |
| ३३    | ८ (विपयिन्) इन्द्रिय   | १६    | १॥ (विष्णुपद) आकाश                                 |
| ५३    | ११ (विपवैद्य) विपभारने<br>वाला   | ६१    | ३१ (विष्णुपदी) गंगानदी                             |
| ६८    | ६६ (विषा) अतीस   | ६     | ३० (विष्णुरथ) गरुड़                                |
| १९६   | ८८ (विषाक) जहरीलावा-<br>ण, तीर   | २५३   | ४५ (विष्य) विपसे मारने<br>के योग्य                 |
| २६६   | ५५ (विषाण) पशुओं का<br>सींग, हाथीका दाँत                                   | ३४६   | १३ (विष्वच्) सबतरफ                                 |
| १०३   | ११९ (विषाणी) मेढ़ासिंगी  | ४     | १६ (विष्वक्सेन) विष्णु                             |
| २७    | १४ (विपुव्) रात दिन बरा-<br>बर होनेवाला काल                                | ११०   | १५१ (विष्वक्सेनप्रिया) वि-<br>लाईकन्द              |
| २७    | १४ (विपुवत्) रातदिन ब-<br>राबर होनेवाला काल                                | ८९    | ५६ (विष्वक्सेना) काकुनि                            |
| ७३    | १७ (विष्कम्भ) केयाड़वन्द<br>करनेका काठ, घन्ना                              | २५०   | ३४ (विष्वद्वृच्) सब तरफ<br>जानेवाला                |
| १२२   | ३४ (विष्किर) पच्ची   | ६४    | ४२ (विस) भसीड़                                     |
| ६६    | ७ (विष्टय) लोक   | १२०   | २६ (विसकण्डिका) एकप्र-<br>कार की वकुली             |
| ३२५   | १६९ (विष्टर) वृच्च, पच्चीस<br>कुशों की सूठी, पीढ़ा<br>आदि काण्ड आसन        | ६३    | ४१ (विसप्रमून) कमल                                 |
|       |  | ५०    | ३६ (विसंवाद) आशाभं-<br>गकरना, अयोग्य वचन           |
|       |  | १२४   | ४० (विसर) समूह                                     |
|       |  | १६७   | ३१ (विसर्जन) दान                                   |
|       |  | २७६   | २३ (विसर्पण) फेंकना                                |
|       |  | ५८    | १७ (विसार) मछली                                    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| २४९   | ३१ (विसारिन्) फैलनेवाला                                       | २३७   | ३० (विहंगिका) घहिंगी   |
| ६३    | ३६ (विसिनी) कमलिनी  | ५०    | ३५ (विहसित) मध्यम<br>हँसना                                       |
| २६२   | ८६ (विसृत) फैलाहुआ  | २५२   | ४३ (विहस्त) व्याकुल, शो<br>क से जो कुछ न कर<br>सकताहो            |
| २४९   | ३१ (विसृत्वर) फैलनेवाला                                       | १६    | १॥ (विहायस्) आकाश,<br>पत्नी                                      |
| २४६   | ३१ (विसृमर) फैलनेवाला   | १६७   | ३१ (विहायित) दान   |
| २२४   | ८६ (विस्त) ८० घुंघुचीभर,<br>मोहर                              | २७४   | १६ (विहार) खेलमें पाँवसे<br>चलना                                 |
| २७६   | २२ (विस्तर) शब्दका वि-<br>स्तार                               | २५२   | ४४ (विह्वल) शोकादि से<br>अंगभंग निसका हो-<br>गयाहो, व्याकुल      |
| ८०    | १४ (विस्तार) वृत्तों की<br>शाखा, फैलाव                        | ३२६   | २१४ (वीफारा) एकान्त,<br>प्रकाश                                   |
| २६२   | ८६ (विस्तृत) फैलाहुआ  | ५५    | ५ (वीचि) लहरि  |
| १३५   | ४१ (विस्रसा) बुढ़ापा  | ४१    | ३ (वीणा) वीणा  |
| २००   | १०८ (विस्फार) धनुष का<br>शब्द                                 | २३३   | १३ (वीणावाद) वीणाव-<br>जानेवाला                                  |
| १३८   | ५३ (विस्फोट) फोड़ा  | १८५   | ४३ (वीत) निर्वल हाथी,<br>घोड़ा                                   |
| ४६    | १६ (विस्मय) अद्भुतरस,<br>आश्चर्य                              | २३६   | २६ (वीतंस) मृगा और<br>पक्षियों के धँभाने की<br>सामग्री जाल वगैरह |
| २४८   | २६ (विस्मयान्वित) चक-<br>रायाहुआ                              | १८५   | ४३ (वीति) घोड़ा  |
| २६३   | ८६ (विस्मृत) भूलाहुआ  | ११२   | ५४ (वीतिहोत्र) आगि   |
| ३३    | १२ (विस्र) कच्चेमाँसादि<br>का गंध                             | ७७    | ४ (वीथी) पाँति, मार्ग  |
| १८०   | २३ (विस्रम्भ) विश्वास,<br>रतिकाल में स्त्री पुरुष<br>का भगड़ा | २५५   | ५५ (वीघ्र) सफा   |
| १२२   | ३३ (विहग) पत्नी   |       |  |
| १२२   | ३३ (विहंग) पक्षी  |       |  |
| १२२   | ३३ (विहंगम) पत्नी   |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ६०    | २७ (वीनाह) कुँआआदि<br>की जगति                                  | ११६   | ८ (वृक) भेड़हा, विग  |
| ४५    | १८ (वीर) वीररत्न, शूरवीर,<br>बहादुर                            | १५६   | १२९ (वृकधूप) कईएक वस्तु<br>मिलाकर बनायाहुआ<br>धूप, देवदारु धूप, चूहा |
| ११३   | १६४ (वीरण) गोंडर   | २६७   | १०३ (वृकण) कटाहुआ  |
| ११३   | १६४ (वीरतर) गोंडर  | ७७    | ५ (वृक्ष) विरवा, पेड़  |
| ८६    | ४५ (वीरतरु) अर्जुनवृक्ष  | २३८   | ३४ (वृक्षभेदिन्) वृक्षका<br>काटनेवाला हथियार,<br>बॉका                |
| १२९   | १६ (वीरपत्नी) वीरकी स्त्री                                     | ६४    | ८२ (वृक्षरुहा) बॉदा  |
| १९९   | १०३ (वीरपान) युद्धसे पहि-<br>ले या पीछे नशाखाना                | ७७    | २ (वृक्षवाटिका) मन्त्री<br>और पतुरियों के रहने<br>का चागीचा          |
| १९९   | १०३ (वीरपाण) युद्धसे प-<br>हिले नशाखाना                        | २३८   | ३४ (वृक्षादन) वृक्षका का-<br>टनेवाला हथियार<br>बॉका                  |
| १२९   | १६ (वीरभार्या) वीरकीस्त्री                                     | ९४    | ६२ (वृक्षादनी) बॉदा  |
| १२६   | १६ (वीरमातृ) वीरकीमाता   | २१२   | ३५ (वृक्षाम्ल) अमिली, चूक  |
| ८६    | ४२ (वीरवृक्ष) भिलॉबॉ   | २९    | २३ (वृजिन) पाप, टेढ़ा,<br>केश  |
| १९८   | १०० (वीराशंसन) अति भ-<br>यानक रणभूमि                           | २६४   | ६२ (वृत्त) वरणकियाहुआ  |
| १२९   | १६ (वीरसू) वीरकी माता  | २७२   | ८ (वृत्ति) वरदान   |
| १७३   | ५८ (वीरहन्) जिस तपस्वी<br>का अग्निबुझगया हो                    | २५६   | ६९ (वृत्त) गोल, श्लोक,<br>चरित्र, भूतकाल, पो-<br>ढ़ा, वरण कियागया    |
| ७८    | ९ (वीरधू) बहुत फैली<br>हुई बॉड़ी                               | ३७    | ७ (वृत्तान्त) हाल, खबर,<br>प्रकरण, प्रकार, स-<br>म्पूर्णता           |
| ४८    | २६ (वीर्य्य) बड़ाभारी उ-<br>त्साह, काम, बल, प्र-<br>भाव        | २०३   | १ (वृत्ति) किस्तानीआदि   |
| ३०६   | ६६ (वीवध) सबतरफसे<br>खींचकर डकट्टाकिया<br>हुआ ध्यानादि, रास्ता |       |  |
| ६४    | ८१ (वृक) गूमा  |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
|       | जीविका, जीविका,<br>सूत्रका अर्थ, विवरण,<br>रोजगार                           |       | न्दर, श्रेष्ठ   |
| ३२३   | १६३ (वृत्र)अन्धकार, शत्रु,<br>दानव वृत्रासुर                                | २६६   | ११२ (वृन्दिष्ठ) अतिशय<br>वृन्दारक                                   |
| ९     | ४३ (वृत्रहन्) इन्द्र  | ११७   | १५ (वृश्रिक) घीछि, ऊन<br>आदिका खाने वाला<br>कीड़ा                   |
| ३४४   | २४६ (वृथा) निरर्थक, अ-<br>विधि, व्यर्थ                                      | २२    | २७ (वृष) धर्म,रूस, बैल,<br>काँकड़ासिंगी, अण्ड-<br>कोश, मूस, श्रेष्ठ |
| १०३   | १२२ (वृद्ध) शिलाजीत, वु-<br>ड्डा, परिडत                                     | १४४   | ७६ (वृषण) अण्डकोश   |
| १३५   | ४० (वृद्धत्व) घृहापा  | ११६   | ७ (वृषदंशक) विलार   |
| १०७   | १३७ (वृद्धदारक) विधारा  | ८     | ३५ (वृषध्वज) शिव  |
| ९     | ४२ (वृद्धश्रवस्) इन्द्र   | ९     | ४३ (वृषन्) इन्द्र   |
| १३५   | ४० (वृद्धसंघ) वृद्धोंका स-<br>मूह   | २१७   | ५६ (वृषभ) बैल   |
| १२८   | १२ (वृद्धा) वृद्धी  | २३०   | १ (वृषल) शूद्र  |
| २७२   | ९ (वृद्धि) घटती, कृपिय-<br>णिज आदि आठवर्ग<br>की घटती                        | १२७   | ६ (वृषस्यन्ती)मैथुनकराने<br>की इच्छा कियेहुए स्त्री                 |
| २०४   | ४ (वृद्धिजीविका) व्याज  | ९५    | ८७ (वृषा) मूसरि   |
| २१८   | ६१ (वृद्धोक्ष) घृहानैल  | ३२१   | १५५ (वृषारूपायी) लक्ष्मी,<br>पार्वती                                |
| २०४   | ५ (वृद्धयाजीव) व्याजसे<br>जीनेवाला  | ३१४   | १२६ (वृषाकपि) शिव, विष्णु   |
| ८०    | १५ (वृन्त) अति छोटीक-<br>ली और अति छोटे<br>फलोंके गुच्छेके ऊपर<br>की पँखुरी | १७१   | ४९ (वृषी) ऋषियों का<br>आसन  |
| ९४    | ८२ (वृन्दा) घाँदा   | १९    | ११ (वृष्टि) वर्षा   |
| २     | ९ (वृन्दारक) देवता, सु-   | २२१   | ७६ (वृष्णि) भेंड़ा  |
|       |   | २८७   | २० (वेग) प्रवाह, जल्द   |
|       |   | १६२   | ७३ (वेगिन्) जन्दयाज   |
|       |   | १४८   | ६८ (वेणि) स्त्रियोंके घालों<br>की तीन लटोंसे बनाई                   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ३१    | ३१ (व्यक्ति) पृथक् प्रकाशित होना                          | २५२   | ४३ (व्याकुल) शोकादि से जो कुछ न करसक़ाहो                |
| ३३०   | १८९ (व्यग्र) आकुल, दुविधामें पड़ा हुआ                     | ७८    | ७ (व्याकोश) फूलाहुआ                                     |
| १५६   | १४० (व्यजन) घेना, पंखा                                    | ११५   | २ (व्याघ्र) बाघ, श्रेष्ठ                                |
| ४५    | १६ (व्यञ्जक) भावघताना                                     | १०५   | १२९ (व्याघ्रनख) नखनामक गंधद्रव्य, चड़ी नखी              |
| ३११   | ११५ (व्यञ्जन) चिह्न, मोछदाढ़ी, जेमन, भोजन, अंग            | ८५    | ३७ (व्याघ्रपाद्) कँटाय                                  |
| ८८    | ५१ (व्यङ्म्वक) रेंड़, रेड़ी                               | ८७    | ५० (व्याघ्रपुच्छ) रेंड़, रेड़ी                          |
| २७६   | ३३ (व्यत्यय) उलटा पुलटा                                   | ११८   | १६ (व्याघ्राट) भदूल चिड़िया                             |
| २७६   | ३३ (व्यत्यास) उलटा पुलटा                                  | ९७    | ९३ (व्याघ्री) भटकटैया                                   |
| ५४    | ३ (व्यथा) पीड़ा   | ४८    | ३० (व्याज) कपट, बहाना                                   |
| २७२   | ८ (व्यध) छेदना  | २९३   | ४२ (व्याङ्) सर्प, व्याघ्र इत्यादि मांस के खाने वाले जीव |
| ६८    | १७ (व्यच्य) खराघरास्ता                                    | १०५   | १२६ (व्याडायुध) नखनाम गंधद्रव्य, चड़ी नखी               |
| २७५   | १७ (व्यय) खर्च  | २३४   | २० (व्याध) व्याधा, घहेलिया                              |
| २८४   | १२ (व्यलीक) अप्रियकार्य, पीड़ा                            | १०४   | १२६ (व्याधि) कूट औपध, रोग                               |
| १९    | १२ (व्यवधा) ढाँपना  | ८२    | २४ (व्याधिघात) अमलतास                                   |
| ३७    | ६ (व्यवहार) विवाद   | १३९   | ५८ (व्याधित) रोगी                                       |
| १७४   | ६० (व्यवाय) मैथुन   | १४    | ६४ (व्यान) वायुविशेष                                    |
| ३१२   | १२० (व्यसन) विपत्ति, नाश, पतन, काम और क्रोध लोभसे हुआ दोष | ३२    | ४ (व्यापाद) परद्रोह की चिन्ता                           |
| २५२   | ४३ (व्यसनार्त) व्यसनसे पीड़ित, मुसीबतजदः                  | १०४   | १२६ (व्याप्य) कूट औपध                                   |
| २५६   | ७२ (व्यस्त) आकुल  | १४६   | ८७ (व्याम) हाथ फैलाने                                   |





| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
|       | क्षेत्र, धानका खेत<br>(श)  | २५०   | ३६ (शकुन्तु) प्रियवचन<br>बोलनेवाला                    |
| १८७   | ५२ (शकट) गाड़ी   | ६     | ४३ (शक्र) इन्द्र, कुरैया                              |
| २०    | १६ (शकल) खण्ड, हिस्सा  | १८    | १० (शक्रधनुष्) इन्द्रका<br>धनुष्                      |
| ५८    | १७ (शकुलिन्) मछली  | ८८    | ५३ (शक्रपादप) देवदारु                                 |
| १२२   | ३३ (शकुन) पक्षी, चिड़िया   | १०६   | १३६ (शक्रपुष्पी) इन्द्रपुष्पी                         |
| १२२   | ३३ (शकुनि) पक्षी, चि-<br>ड़िया                                     | २५०   | ३६ (शक्ल) मीठावचन<br>बोलनेवाला                        |
| १२२   | ३३ (शकुन्त) पक्षी, चिड़ि-<br>या, भासपक्षीविशेष                     | ७     | ३१ (शंकर) शिव   |
| १२२   | ३३ (शकुन्ति) पक्षी, चि-<br>ड़िया                                   | ५९    | २० (शंकु) ठूँठ, छूरीआदि<br>का फल, मछलीविशेष           |
| ५८    | १९ (शकुल) सौरी मछली  | १६    | ७२ (शङ्ख) निधिविशेष,<br>शंख, ककूदनि, ल-<br>लाटका हाड़ |
| ११२   | १५९ (शकुलाक्षक) उजली<br>दूब  | ५९    | २३ (शङ्खनख) छोटाशंख                                   |
| ९५    | ८६ (शकुलादनी) कुटकी,<br>जलपीपरि                                    | १०४   | १२६ (शङ्खिनी) शंखकौड़ी                                |
| ५८    | १७ (शकुलार्भक) मछली<br>का बच्चा                                    | १०    | ४६ (शची) इन्द्राणी                                    |
| १४२   | ६७ (शकृत्) गूह, मैला   | १०    | ४४ (शचीपति) इन्द्र                                    |
| २१८   | ६२ (शकृत्करि) बछड़ा  | १११   | १५४ (शटी) कचूर  |
| १९९   | १०२ (शक्ति) प्रभाव, उत्साह,<br>उत्तम सलाह, पराक्रम,<br>बर्छी, सांग | २५३   | ४६ (शठ) दुर्जन, दुष्ट                                 |
| ६     | ४१ (शक्तिधर) स्वामिका-<br>र्तिक                                    | १०६   | १४९ (शणपर्णी) पटशन                                    |
| १६७   | ६९ (शक्तिहेतिक) शक्ति-<br>हथियार धारण करने<br>वाला                 | १००   | १०७ (शणपुष्पिका) सनई,<br>सन                           |
|       |  | ५८    | १६ (शणसूत्र) सुतरी                                    |
|       |  | २१८   | ६२ (शण्ड) साँड़                                       |
|       |  | २२३   | ८४ (शत) सौ  |
|       |  | ११    | ४८ (शतकोटि) वज्र                                      |
|       |  | ६२    | ६३ (शतह) शतद्रुनदी                                    |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ६३    | ४० (शतपत्र) कमल  | ३२    | ७ (शब्द) ध्वनि, आवाज, अर्थकावाचक                           |
| ११८   | १७ (शतपत्रक) भुजकैल पच्ची, भुजैटा                      | १४८   | ६४ (शब्दग्रह) कान  |
| ११७   | १४ (शतपर्दी) खनखजूर                                    | २५१   | ३८ (शब्दन) शब्दकरने वाला                                   |
| ११२   | १६१ (शतपर्बन्) घाँस                                    | २७०   | ३ (शम) शान्ति  |
| ६६    | १०२ (शतपर्बिका) वच, दूध                                | २७०   | ३ (शमथ) शान्ति   |
| ११०   | १५२ (शतपुष्पा) सौँफ                                    | १३    | ५६ (शमन) यज्ञपशुका मारना, यमराज                            |
| ६३    | ७६ (शतप्रास) कनइल                                      | ६१    | ३२ (शमस्वमृ) यमुनानदी                                      |
| ९     | ४३ (शतमन्यु) इन्द्र                                    | १४२   | ६७ (शमल) गूह   |
| ३६४   | ३४ (शतमान) तौलविशेष                                    | २६६   | ६७ (शमित) शान्त, मि-टाहुआ                                  |
| ९८    | १०० (शतमूली) शतावरि                                    | ८८    | ५२ (शमी) शमीवृक्ष, श-यानि, छीमी                            |
| ११२   | १५९ (शतवीर्या) उजलीदूव                                 | २०६   | २४ (शमीधान्य) छीमी-वाला धान्य जिस में छीमी लगतीहो वह धान्य |
| १०८   | १४१ (शतवेधिन) अमलवैत                                   | ८८    | ५२ (शमीर) छोटीशमी  |
| १८    | ९ (शतहृदा) विजुली                                      | १२    | ६ (शम्पा) विजुली   |
| १८७   | ५१ (शतांग) लड़ाईमें च-ढ़नेवाला रथ                      | ८१    | २३ (शम्पाक) अमलतास   |
| ९८    | १०१ (शतावरी) शतावरि                                    | ११    | ४८ (शम्ब) इन्द्रकावज्र                                     |
| १७७   | ९ (शत्रु) अपनी राज्य के डाँड़ेपरका राजा, शत्रु, दुश्मन | ५५    | ४ (शम्बर) पानी, हरिण-विशेष                                 |
| २२    | २६ (शनैश्वर) शनैश्वर                                   | ६     | २६ (शम्बरारि) कामदेव                                       |
| ३५०   | १७ (शनैस्) धीरेधीरे                                    | ८७    | ८७ (शम्बरी) मूसाकर्णी                                      |
| ३७    | ९ (शपथ) कसम, सौगन्ध                                    | ३६४   | ३४ (शम्बल) सौँवलारंग, गाली, खच्चर                          |
| ३७    | ६ (शपन) कसम, सौगन्ध                                    |       |  |
| १८६   | ४९ (शफ) खुर, टाप                                       |       |  |
| ५८    | १८ (शफरी) सहरीमछली                                     |       |  |
| ३५    | १७ (शवल) चितकवलारंग                                    |       |  |
| २१६   | ६७ (शवली) चितकव-ली गौ                                  |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक                                | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--------------------------------------|-------|---|
| २०५   | ६ (शम्वाकृत) दोवार<br>जोताहुआ        | २११   | का मारनेवाला, हत्यार  |
| ५६    | २३ (शम्बूक) घोंघा                    | ६२    | ३२ (शराव) सेरवा, परई.   |
| १२६   | १६ (शम्भली) कुटनी स्त्री             | १९४   | ३४ (शरावती) नदीविशेष  |
| ७     | ३१ (शम्भु) शिव, ब्रह्मा              | १४२   | ८३ (शरासन) धनुष   |
| २०६   | १४ (शम्या) सइला                      | १४२   | ७० (शरीर) देह   |
| १४५   | ८१ (शय) हाथ                          | ३०    | ३० (शरीरिन्) प्राणी   |
| ५०    | ३६ (शयन) सोना, नौंद,<br>चिछौना       | २१३   | ४३ (शर्करा) मिश्री, पकी<br>खौड़, सिटकी, चालू<br>वालीभूमि, परथर. |
| १५६   | १३८ (शयनीय) चिछौना                   | ६७    | १२ (शर्करावत्) चालूवाली<br>भूमि                                 |
| २५०   | ३३ (शयालु) सोनेवाला                  | ६७    | १२ (शर्करिल) चालूवाली<br>भूमि                                   |
| २५०   | ३३ (शयित) सोनेवाला                   | २९    | २५ (शर्मान्) हर्ष, आनन्द  |
| ५१    | ५ (शयु) अजगरसौंप                     | ७     | ३१ (शर्व) शिव   |
| १५९   | १३८ (शय्या) चिछौना                   | २५    | ३ (शर्वरी) रात  |
| ११२   | १६० (शर) शरपत, बाण,<br>तीर           | ८     | ३८ (शर्वाणी) प्रार्वती  |
| ९     | ४० (शरजन्मन्) स्वामि-<br>कार्तिक     | ११६   | ८ (शल) साहीकाकोटा   |
| २६५   | ५२ (शरण) घर, रक्षा करने<br>वाला      | १२१   | २९ (शलम) पतह, फल<br>निगा  |
| २८    | १९ (शरद्) कार, कार्तिक,<br>वर्ष, साल | ११६   | ८ (शलल) साहीका<br>कोटा  |
| ११७   | ३० (शरभ) हरिणविशेष                   | ११६   | ८ (शलली) साहीका<br>कोटा   |
| १९५   | ८६ (शरव्य) निशाना                    | ८०    | १५ (शलादु) कच्चा, ओ-<br>वाफल                                    |
| १९५   | ८६ (शराभ्यास) नाणविद्या<br>सीखना     | २८४   | १३ (शलक) खपड, टुकड़ा,<br>चकला                                   |
| १२०   | २६ (शरारि) आडीपक्षी,<br>चकजाति       | ८८    | ५३ (शल्य) मयनफर,  |
| २४८   | २८ (शरारु) महत प्राणियों             |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                  |
|-------|--|-------|--|
|       | साही पशुविशेष, छूरी                              |       | विकाकरै                                |
|       | आदिका फर, कील                                    | १९६   | ९२ (शस्त्री) छूरी                      |
| २०२   | ११८ (शव) लहास, मुर्दा                            | ८०    | १५ (शस्य) वृक्षादिकों के फल            |
| २३४   | २० (शवर) म्लेच्छजाति विशेषे, जगलीआदमी            | २०८   | २१ (शस्यमञ्जरी) बाली                   |
| ७४    | २० (शवरालय) म्लेच्छ जातिवाले भिल्लोंका स्थान     | २०८   | २१ (शस्यशूक) लींकुर, टूँड़             |
| ११७   | ११२ (शश) शशा, चौगड़ा                             | ८६    | ४४ (शस्यसम्बर) साँवू                   |
| १९    | १५ (शशधर) चन्द्रमा                               | १०६   | १३६ (शाक) साग, तर्कारी                 |
| २२८   | १०७ (शशलोमन्) चौगड़े के रोवाँ, इसीकाबना कम्बल    | २१८   | ६४ (शाकट) गाड़ी लेचनेवाला बैलआदि       |
| ११८   | १५ (शशादन) वाजपक्षी                              | २०५   | ८ (शाकशाकट) शाक, तर्कारीका खेत         |
| २२८   | १०७ (शशोर्ण) चौगड़े के रोवाँ, इसीकाबना कम्बल     | २०५   | ८ (शाकशाकिन) शाक, तर्कारीका खेत        |
| ३४३   | २४२ (शशवत्) लगातार, धारंवार, साथ                 | २३३   | १४ (शाकुनिक) चिड़ीमार                  |
| ११४   | १६७ (शष्प) नयाखर                                 | १९१   | ६२ (शाक्रीक) शक्ति हथियार धारणकरनेवाला |
| ३०    | २६ (शस्त) कुशल, स्तुति कियागया                   | ३     | १४ (शाक्यमुनि) जैनमती                  |
| १९४   | ८२ (शस्त्र) हथियार, लोहा                         | ३     | १५ (शाक्यसिंह) जैनमती                  |
| २२६   | ९८ (शस्त्रक) लोहा                                | ७९    | ११ (शाखा) डार, शाखा                    |
| २३१   | ७ (शस्त्रमार्ज) तलवार पर बाढ़ रखनेवाला, शिकिलीगर | ७०    | २ (शाखानगर) नगरके समीप छोटागाँव        |
| १६०   | ६७ (शस्त्राजीव) जो केवल हथियार बाँधकर जी-        | ११५   | ४ (शाखामृग) बन्दर                      |
|       |  | ७७    | ५ (शाखिन्) पेड़, वृक्ष                 |
|       |  | २३२   | ८ (शाखिक) चुरिहार                      |
|       |  | ३६४   | ३३ (शाद्रक) पहिरनेकी सारी              |
|       |  | ३६६   | ३८ (शाटी) पहिरने की सारी               |

| पृष्ठ | श्लोक                                    | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| ४८    | ३० (शाठ्य) शठकास्व-<br>भाव, कपट, दगाघाजी | १०१   | पाँसासारी  |
| २३७   | ३२ (शाण) कसौटी, शान,<br>वाढ़ि            | ६७    | ११२ (शाखा) कालाशाम्ब                                 |
| ३५५   | ९ (शाणी) सनकावल्ल,<br>शान, वाढ़ि         | ४     | ११ (शार्कर) बालू या सि-<br>टकीवाली भूमि              |
| ८३    | ३२ (शाण्डिल्य) बेल                       | ११५   | १९ (शार्ङ्गिन्) विष्णु                               |
| १२६   | २५ (शात) हर्ष, खुशी, तेज,<br>पैन किया    | ३२६   | २ (शार्ङ्गल) बाघ, श्रेष्ठ                            |
| २२६   | ९४ (शातकुम्भ) सोना,<br>सुवर्ण            | १८७   | १८७ (शार्ङ्ग) बड़ा अँधेरा,<br>प्राणियों का मारनेवाला |
| १७७   | ११ (शात्रव) शत्रु, दुश्मन                | ५६    | १६ (शाल) सौरी मछली,<br>वृक्ष                         |
| ५६    | ९ (शाद) बोदा, कीचड़,<br>नयाखर            | ७१    | ६ (शाला) सभा, कच-<br>हरी, बड़ी भारी शाखा             |
| ६७    | ११ (शादहरित) नये खर<br>से हरा प्रदेश     | २८४   | १२ (शालावृक) घन्दर,<br>सियार, कुत्ता                 |
| ६७    | ११ (शादल) नये खरसे<br>हरा प्रदेश         | २०९   | २४ (शालि) सबधान                                      |
| २६६   | ९७ (शान्त) मिटा, स्व-<br>भावको जीतनेवाला | २४८   | २६ (शीलीन) सलज्ज                                     |
| २७०   | ३ (शान्ति) स्वभाव को<br>जीतना            | ६३    | ३८ (शालूक) कमलकीजर                                   |
| २३२   | ११ (शाम्बरी) इन्द्रजाल                   | ६०    | २४ (शालूर) मेड़क                                     |
| ३२४   | १६५ (शार) वायु, हवा, चित-<br>कवरा रंग    | ९९    | १०५ (शालेय) सौंफ, धान<br>का खेत                      |
| ८१    | २३ (शारद) छतवनि, नया,<br>झरभुत           | ८७    | ४६ (शाल्मलि) सेमर                                    |
| १०१   | १११ (शारदी) जलपीपरि                      | ८७    | ४७ (शाल्मलीवष्ट) सेमर<br>का गोंद                     |
| २४०   | ४६ (शारिफल) चौपड़,                       | १२३   | ३९ (शावक) घञ्चा                                      |
|       |  | ८४    | ३३ (शावर) लोध  |
|       |  | २५९   | ७२ (शाश्वत) नित्य, हमे-<br>शह रहने वाला              |
|       |  | २८०   | ४० (शाष्कुलिक) पुरियों<br>का समूह                    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                                   |
|-------|---|-------|---|
| १८०   | २५ (शासन) हुकुम, आज्ञा                        |       | शब्द                                    |
| ३     | १४ (शास्त्र) जैनमती                           | १९५   | ८५ (शिञ्जिनी) धनुष की रस्सी, रोदा       |
| ३२७   | १७९ (शास्त्र) आज्ञाविशेष, ग्रन्थ              | २०७   | १५ (शितशरक) यव, जव                      |
| २४३   | ६ (शास्त्रविद) शास्त्र का जाननेवाला           | ३०३   | ८२ (शिति) काला, उजला, मेचक, श्याम       |
| ९०    | ६२ (शिशपा) सीसमवृक्ष                          | ७     | ३३ (शितिकण्ठ) शिव                       |
| २३७   | ३० (शिक्य) शिकहर                              | ८५    | ३८ (शितिशरक) तेंदुआ                     |
| २६३   | ८६ (शिक्यित) शिकहरमें धरी हुई चीज             | २९१   | ३४ (शिपिविष्ट) चदुला, दुष्टचर्म, महादेव |
| ३६    | ४ (शिक्षा) वेदांग-शास्त्र                     | ७९    | ११ (शिफा) वरौंहा पेड़ की जड़            |
| २४२   | ४ (शिक्षित) चतुर, निपुण                       | ६४    | ४३ (शिफाकन्द) कमल की जड़                |
| १२२   | ३२ (शिखण्ड) मोरके पंख                         | २०९   | २०३ (शिम्व) छीमी                        |
| १४८   | ९६ (शिखण्डक) जुलुफ                            | १८२   | ३३ (शिविर) सेनाका निवास, पड़ाव          |
| ७४    | ४ (शिखर) पहाड़ का श्रृंग, वृक्षकी चोटी, टहिनी | १४८   | ९५ (शिरस्) शिर, वृक्ष की चोटी           |
| ७४    | १ (शिखरिन्) वृक्ष, पर्वत                      | १९०   | ६४ (शिरस्त्र) टोप                       |
| १३    | ५८ (शिखा) आगिकीज्वाला, चोटी, किरण             | १४८   | ६८ (शिरस्य) सफावाल                      |
| १२    | ५६ (शिखावत्) आगि                              | १४१   | ६५ (शिरा) नाड़ी                         |
| १२१   | ३१ (शिखावल) मोर                               | ७९    | १२ (शिरोऽग्र) टेरा, टहिनी               |
| २२७   | १०१ (शिखिग्रीव) तूतिया                        | ७१    | ९ (शिरोमूहः) अंटारी, कोठा               |
| १२१   | ३१ (शिखिन्) मोर, आगि                          | ६०    | ६३ (शिरीष) सिरसा वृक्ष                  |
| ६     | ४१ (शिखिवाहन) स्वामि-कार्तिक                  | १४६   | ८८ (शिरोधि) गला, गटई                    |
| ८३    | ३१ (शिग्रु) सँहिंजन, साग                      | १५०   | १०२ (शिरोरत्न) चोटी में बांधने की मणि   |
| २२९   | ११० (शिग्रुज) सँहिंजन के बीज                  |       |   |
| ४१    | २४ (शिञ्जित) भूषण का                          |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| १४८   | ९५ ( शिरोरुह ) चार, बाल   | १३५   | ४० ( शिशुत्व ) लड़कपनी                            |
| २०३   | २ ( शिल ) सीला, खेन<br>कादनेपर जो अन्न प-<br>डा रह जाताहै       | ५९    | २० ( शिशुमार ) शिरस<br>नामका जलजन्तु              |
| ७५    | ४ ( शिला ) चौकटि, पत्थर   | १४३   | ७६ ( शिश्र ) लिंग                                 |
| २२८   | १०४ ( शिलाजतु ) शिला-<br>जीत, गेरू                              | २५३   | ४६ ( शिशिवदान ) पुराणा<br>त्मा                    |
| ६०    | २४ ( शिली ) छोटी केंचुई   | १८०   | २६ ( शिष्टि ) आज्ञा, हुकुम                        |
| २८६   | १८ ( शिलीमुख ) भौरा,<br>वाण, तीर                                | १६२   | १३ ( शिष्य ) शिष्य, वि-<br>द्यार्थी               |
| ७४    | १ ( शिलोच्चय ) पर्वत  | १९    | ११ ( शीकर ) जलके कणा<br>फुहारा                    |
| २३८   | ३५ ( शिल्प ) कारीगरी  | १४    | ६५ ( शीघ्र ) जल्दी                                |
| २३१   | ५ ( शिल्पिन् ) चढ़ई,<br>कोरी, नाऊ, धोबी, च-<br>मार, कारीगर, थवई | २०    | १९ ( शीत ) ठण्ड, बेंत,<br>लसोहर                   |
| ७१    | ७ ( शिल्पिशाला ) कारी-<br>गरीका स्थान, कार-<br>खाना             | २३४   | १९ ( शीतक ) सुस्त, आलसी                           |
| ७     | ३१ ( शिव ) महादेव, शुभ  | ९१    | ७० ( शीतमीरु ) बेला                               |
| २२०   | ७३ ( शिवक ) खूंटा   | २०    | १६ ( शीतल ) ठण्ड, पटशन                            |
| ९४    | ८१ ( शिवमल्ली ) गूमा  | ९९    | १०५ ( शीतशिव ) शिला-<br>जीत, बनसोफ, सैन्धव<br>नमक |
| ८     | ३८ ( शिवा ) पार्वती, शमी-<br>शयनि, हर, भूमिअं-<br>वरी, सियारी   | ३६४   | ३४ ( शीथ ) दारू, मद्य                             |
| १८७   | ५३ ( शिविका ) पालकी   | १४८   | ६५ ( शीर्ष ) शिर                                  |
| २०    | १९ ( शिशिर ) शिशिर<br>ऋतु, ठण्ड                                 | १८९   | ६३ ( शीर्षक ) टोप                                 |
| १२३   | ३६ ( शिशु ) बच्चा   | २५३   | ४५ ( शीर्षच्छेद्य ) शिर का-<br>टनेके योग्य        |
| ५८    | १८ ( शिशुक ) सुइसि, लूछ   | १४८   | ६८ ( शीर्षण्य ) साफवाल,<br>टोप                    |
|       |   | ४७    | २६ ( शील ) यश, स्वभाव,<br>अच्छा चालचलन            |



| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १०६   | १३२ (शुक)कुकुरौंधा, सुआ  | २५४   | ५० (शुभान्वित) शुभयुक्त                              |
| ८९    | ५७ (शुकनास) सरिवन  | ३४    | १२ (शुभ्र) उजला, अति-<br>चमक वाला, उदीप्त            |
| ३०३   | ८२ (शुक) खट्टा, निष्ठुर  | १७    | ५ (शुभ्रदन्ती) पुष्पदन्त<br>नामक दिग्गजकी स्त्री     |
| ५६    | २३ (शुक्ति) सीपी, ककू-<br>दनि  | १९    | १४ (शुभ्रांशु) चन्द्रमा                              |
| १३    | ५७ (शुक) आगि, काम,<br>ज्येष्ठमास, शुक्राचार्य  | १८१   | २७ (शुल्क) मासूल, स्त्री<br>को देने का धन            |
| ३     | १२ (शुक्रशिष्य) असुर,<br>दैत्य   | २२६   | ९७ (शुल्व) तांवा, रस्ती                              |
| ३४    | १२ (शुक्ल) उजलारंग, उ-<br>जियाला, १५ दिन   | १६८   | ३७ (शुश्रूपा) सेवा                                   |
| ४७    | २५ (शुच्) शोक, शोच,<br>अफसोस   | ५१    | २ (शुपि) विल, छेद                                    |
| १३    | ५७ (शुचि) आगि, आपाढ़<br>मास, मन्त्री, शुद्धचित्त,<br>पवित्र, स्नान आदि<br>करना, उजलारंग, शृं-<br>गाररस | ५१    | १ (शुपिर) वॉसुड़ी, विल,<br>छेद, विलयुक्त             |
| २१२   | ३८ (शुयठी) सोंठि   | १०५   | १२६ (शुपिरा) पवारी                                   |
| २३१   | ४१ (शुयडापान) दारू पीने<br>का स्थान  | १४१   | ६३ (शुष्कमांस) सूखामांस                              |
| ६२    | ३३ (शुतुद्रि) सतलज नदी   | १९८   | १०१ (शुष्म) सामर्थ्य                                 |
| ७२    | १२ (शुद्धान्त) रनिवास,<br>राजधानी  | १२    | ५५ (शुष्मन्) आगि                                     |
| २३५   | २२ (शुनक) कुत्ता   | २०९   | २६ (शूक) सींकर, टूट                                  |
| २३५   | २२ (शुनी) कुतिया   | ११७   | १५ (शूकक्रीट) ऊनआदि<br>का खानेवाला कीड़ा,<br>दाड़ा   |
| २५४   | ५० (शुभंयु) शुभयुक्त   | २०९   | २४ (शूकधान्य) यवादि<br>धान्य, जिसमें सींकर<br>होताहो |
| २९    | २५ (शुभ) कल्याण, ख-<br>र्मावा बकड़ा  | ११५   | ३ (शूकर) सूअर, गांव<br>का सूअर                       |
|       |  | ९५    | ८७ (शूकशिम्बि) क्यवाँच                               |
|       |  | २३०   | १ (शूद्र) शूद्र                                      |
|       |  | १३८   | १३ (शूद्रा) गृहजातिवा;                               |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
|       | ली स्त्री  |       |  |
| १२८   | १३ ( शूद्री ) शूद्रकी स्त्री                               | २१९   | ६६ ( श्रृंगिणी ) गौ                          |
| २५६   | ५६ ( शून्य ) खाली  | ६०    | २५ ( श्रृंगी ) सींगी मछली                    |
| १६१   | ७ ( शून्यवार्दन् ) नास्तिक                                 |       | अतीस, काकड़ासिंगी                            |
| १६३   | ७७ ( शूर ) बहादुर  | २२६   | ६६ ( श्रृंगीकनक ) सोने                       |
| १११   | १५७ ( शूरण ) जिर्मीकन्द,<br>सूरन                           |       | रूपे का गहना                                 |
| २०६   | २६ ( शूर्प ) सूप   | २६५   | ९५ ( शृत ) पकेहुये दूध घी                    |
| ३३२   | १९६ ( शूल ) शूलरोग, त्रि-<br>शूल                           |       | का नाम                                       |
| २१४   | ४५ ( शूलाकृत ) लोहे की<br>सराई में छेदकर भु-<br>नाहुआ मांस | १५८   | १३७ ( शेखर ) चोटीमें पहिर-<br>ने की माला     |
| ७     | ३१ ( शूलिन् ) शिव  | १४३   | ७६ ( शेफस् ) लिंग                            |
| २१४   | ४५ ( शूल्य ) लोहेकी स-<br>राईपर भुनाहुआ मांस               | ९२    | ७० ( शेफालिका ) न्यवारी<br>का फूल            |
| ११५   | ६ ( श्रृगाल ) सियार  | ३१    | १ ( शेमुषी ) बुद्धि                          |
| १५१   | १०६ ( श्रृखल ) पुरुष की कर-<br>धनी                         | ८४    | ३४ ( शेलु ) लत्तोहरा                         |
| १८४   | ४१ ( श्रृखला ) हाथी की<br>जंजीर                            | १६    | ७२ ( शेवधि ) गाड़ाहुआ<br>खजाना               |
| ३२१   | ७५ ( श्रृखलक ) लकड़ी में<br>पैर से बांधिहुये छोटे<br>चबू   | ६३    | ३८ ( शेवाल ) सेवार                           |
| ७५    | ४ ( श्रृंग ) पहाड़ का शि-<br>खर, जीवक, प्रभुता             | ५१    | ४ ( शेप ) शेपनाग, अनन्त<br>वाकी, कहे से अन्य |
| २१२   | ३७ ( श्रृंगवेर ) अदरख                                      | १६२   | १३ ( शैल ) नयाविद्यार्थी                     |
| ६९    | १८ ( श्रृंगाटक ) चौराहा                                    | ९६    | ८८ ( शैखरिक ) लहचिचरा                        |
| ४५    | १७ ( श्रृंगार ) रस विशेष                                   | ७४    | १ ( शैल ) पर्वत                              |
|       |  | २३३   | १२ ( शैलालिन ) नट                            |
|       |  | ८२    | २२ ( शैलूप ) बेल, नट                         |
|       |  | १०३   | १२३ ( शैलेय ) शिलाजीत                        |
|       |  | ६३    | ३८ ( शेवल ) सेवार                            |
|       |  | ६१    | ३० ( शैवलिनी ) नदी                           |
|       |  | १३५   | ४० ( शैशव ) लड़कपन                           |
|       |  | ४७    | २५ ( शोक ) शोच                               |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १२    | ५५ (शोचिष्केश) आगि                             |       | नेवाला  |
| २४    | ३४ (शोचिस) तेज, झलक                            |       | (श्च्योत) टपकना   |
| ३४    | १५ (शोण) शोणभद्रनद,<br>लाल कमल की छवि-<br>वाला | २०२   | ११८ (श्मशान) मशान   |
| ८९    | ५७ (शोणक) सरिवन                                | १४६   | ६६ (श्मश्रु) मोछ, दाड़ी   |
| २२५   | ६२ (शोणरत्न) पद्मराग<br>मणि                    | ३४    | १४ (श्याम) हरा, काला  |
| १४१   | ६४ (शोणित) रक्त खून                            | ३४    | १४ (श्यामल) काला  |
| १३८   | ५२ (शोथ) मूजनि                                 | ८८    | ५५ (श्यामा) काकुनि,<br>कालीत्रिधारा, काला   |
| १०९   | १४९ (शोथघ्नी) गदहपुत्रा                        |       | शाम्ब, रात, शतावरी  |
| ७४    | १८ (शोधनी) बड़नी, झाड़ू                        | ११३   | १६५ (श्यामाक) भदईसॉ-<br>वॉ, तृणधान्य  |
| २१४   | ४६ (शोधित) साफ, वी-<br>ना, धोया, शोधा          | १३२   | ३२ (श्याल) स्त्रीकाभाई<br>साला  |
| १३८   | ५२ (शोफ) सूजन                                  | ३४    | १६ (श्याव) वन्दरकासा<br>रंग   |
| २५५   | ५२ (शोभन) सुन्दर                               | ३४    | १२ (श्येत) उज्जलारंग  |
| २०    | १७ (शोभा) शोभा                                 | ११६   | १८ (श्येन) वाजपत्नी   |
| १३७   | ५१ (शोष) क्षयरोग                               | ३५३   | ६ (श्येनम्पाता) शिकार<br>विशेष  |
| १२४   | ४४ (शोक) सुओंकासमूह                            | ३०८   | १०२ (श्रद्धा) आठर, वाज्छा   |
| ५३    | १० (शौक्लिकेय) विष वि-<br>शेष                  | १३०   | ३१ (श्रद्धालु) श्रद्धावान्<br>गर्भरहनेपर जो उत्तम<br>वस्तुकी इच्छा करती<br>है वह स्त्री |
| २४७   | २३ (शौण्ड) मतवाला                              | २७३   | १२ (श्रयण) सेवा, त्विदमत  |
| २३२   | १० (शौण्डिक) कलवार                             | १४८   | ९४ (श्रवण) कान  |
| ९८    | ९७ (शौण्डी) बड़ीपीपरि                          | १४८   | ९४ (श्रवस्) कान   |
| ३     | १५ (शौद्धोदनि) जैनमती                          | २१    | २२ (श्रविष्ठा) वनिष्ठानचत्र   |
| ४     | २१ (शौरि) विष्णु                               | २०५   | ५० (श्राणा) लप्सी, गी-  |
| १९९   | १०१ (शौर्य) बल                                 |       |   |
| २३२   | ८ (शौलिक) ठठेर                                 |       |   |
| २४६   | १६ (शौक्ल) मांसखा-                             |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
|       | लाभात्  |       |  |
| १६७   | ३३ (श्राद्ध) शास्त्रते पि-<br>तरों के निमित्त जो<br>कर्मकियाजाय | ३०१   | ७६ (श्रुत)शास्त्र,सुनाहुआ  |
| १३    | ६० (श्राद्धदेव) यमराज   | ३५    | ३ (श्रुति) वेद, कान,<br>सुनना<br>(श्रेणि)एकजातिवाले<br>कारीगरोंका समूह |
| २७३   | १२ (श्राय)सेवा, खिदमत   | ७७    | ४ (श्रेणी) पाँति   |
| २८    | १६ (श्रावण) श्रावणमास   | ३२    | ६ (श्रेयस्) पुण्य,मोक्ष,<br>बहुत सुन्दर                                |
| २८    | १६ (श्रावणिक) श्रावण<br>मास                                     | ८६    | ५९ (श्रेयसी) हर, पाढ़ा,<br>पाढ़रि, गजपीपरि                             |
| ६     | २७ (श्री) लक्ष्मी, सम्पति                                       | २५६   | ५८ (श्रेष्ठ) बहुत सुन्दर,<br>प्रधान पुरुष                              |
| ७     | ३३ (श्रीकण्ठ) शिव   | १३७   | ४८ (श्रोण) पँगुला  |
| ३     | १४ (श्रीघन) जैनमती  | १४३   | ७४ (श्रोणि) स्त्रियों की<br>कमर  |
| १५    | ७० (श्रीद) कुवेर  | १४३   | ७४ (श्रोणिफलक) स्त्रियों<br>की कमर                                     |
| ४     | २१ (श्रीपति) विष्णु   | १४८   | ९४ (श्रोत्र) कान   |
| ९१    | ६६ (श्रीपर्ण) कमल, अ-<br>रणी नाम औषध वि-<br>शेष                 | १६०   | ६ (श्रोत्रिय) सम्पूर्ण वेद<br>पढ़नेवाला                                |
| ८५    | ४० (श्रीपर्णिका) कायफर  | ३४८   | ८ (श्रोपट) देवताओंकी<br>हव्य देनेका उपयोगी<br>स्वाहा                   |
| ८४    | ३६ (श्रीपर्णी)गम्भारीवृक्ष                                      | २५७   | ६१ (श्लक्ष्ण)पतला,मिहीं  |
| ८३    | ३२ (श्रीफल) बेल   | ४०    | २१ (श्लिष्ट) मिलाहुआ   |
| ६७    | ६५ (श्रीफली) नील  | १३६   | ५६ (श्लीपद) हाड़ारोग,<br>पीलपावा                                       |
| ८५    | ४० (श्रीमत्) तिलकवृक्ष,<br>लक्ष्मीवान्                          | ५२३   | २१ (श्लेष) मिलाप, जो-<br>डना   |
| २४५   | १४ (श्रील) लक्ष्मीवान्  | ४७    |  |
| ५     | २२ (श्रीवत्सलाञ्जन) विष्णु                                      |       |  |
| १५६   | १३० (श्रीवास) देवदारुधूप  |       |  |
| १५६   | १३० (श्रीवेष्ट) देवदारुधूप                                      |       |  |
| १५५   | १२६ (श्रीसंज्ञ) लवंग  |       |  |
| ६१    | ६९ (श्रीसंज्ञ) लवंग   |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक                                 | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---------------------------------------|-------|---|
| १४०   | ६० (श्लेष्मण) कफवाला                  |       | मयनफर   |
| १४०   | ६२ (श्लेष्मन्) कफ                     | ११६   | ८ (श्वाविध्) साही   |
| १४०   | ६० (श्लेष्मल) कफवाला                  | १३८   | ५४ (शिवत्र) उजला कोढ़,<br>छंजन                                  |
| ८४    | ३४ (श्लेष्मातक) लसोहरा                |       |   |
| २८२   | २ (श्लोक) यश, श्लोक<br>पद्य           | ३४    | १२ (श्वेत) उजला रंग,<br>चाँदी, रूपा, द्वीप वि-<br>शेष           |
| २६    | २५ (श्वःश्रेयस) कल्याण<br>मंगल        | १२०   | २४ (श्वेतगहन्) हंस  |
| ९८    | ६८ (श्वद्रंष्ट्रा) गोखुरू             | २२९   | ११० (श्वेतमरिच) सार्हिजन<br>के बीज                              |
| २३५   | २२ (श्वन्) कुत्ता                     |       |   |
| ३६७   | ४० (श्वनिश) कुत्तों से<br>युक्त रात   | ३४    | १५ (श्वेतरक्त) गुलावीरंग  |
| २३४   | २० (श्वपच) चाण्डाल                    | ९२    | ७१ (श्वेतसुरसा) उजले<br>फूलकी न्यवारी<br>(९)                    |
| ५१    | २ (श्वभ्र) भूमिकाविल,<br>पाताल गड़हा  | १६०   | ४ (पट्कर्मन्) यज्ञकरना<br>कराना आदि छःकर्म<br>करनेवाला ब्राह्मण |
| १३८   | ५२ (श्वयथु) सूजनि                     | १२१   | ३० (पट्पद) भँवरा  |
| २०३   | २ (श्ववृत्ति) सेवा, नौकरी             | ३     | १४ (पडभिज्ञ) जैनमती   |
| १३२   | ३१ (श्वशुर) पति और<br>स्त्री का चाप   | ९     | ४० (पडानन) स्वामिका-<br>र्तिक                                   |
| १३४   | ३७ (श्वशुरौ) शासु<br>और शसुर          | ८७    | ४८ (पडग्रन्थ) कंजा विशेष  |
| ३१९   | १४५ (श्वशुर्य्य) देवर, साला           | ६६    | १०२ (पडग्रन्था) घच  |
| १३२   | ३१ (श्वश्रू) पति और स्त्री<br>की माता | १११   | १५४ (पडग्रन्थिका) कचूर  |
| १३४   | ३७ (श्वश्रूश्वशुरौ) शासु<br>और शसुर   | ४१    | १ (पड्ज) स्वर विशेष,<br>मोरकी आवाज                              |
| ३५१   | २२ (श्वस्) आगामि-<br>प्रातःकाल        | १३४   | ३९ (पण्ड) कमलों का<br>समूह, सोंड़, नपुंसक                       |
| १४    | ६२ (श्वसन) वायु, हवा                  | १३४   | ३९ (पण्ड) नपुंसक हि-  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
|       | जडा, खोजा   | २७८   | ३० (संवीक्षण) डूढ़ना  |
| २०४   | ७ (पण्डित्य) साँठी का खेत   | २६४   | ९० (संवीत) नदी आदि से घिराहुआ                                       |
| ९     | ४१ (पाणमातुर) स्वामि-कार्तिक (म)                                  | ४९    | ३४ (संवेग) खुशी आदि से कार्य में जल्दी                              |
| २००   | १०६ (संयत्) युद्ध लड़ाई   | २७९   | ६ (संवेद) दुःखपरने पर हुआ ज्ञान                                     |
| २५३   | ४२ (संयत्) बाँधाहुआ   | ५०    | ३६ (संवेश) सोना, अनुभव  |
| २७५   | १८ (संयम) संयम, इन्द्रिय निग्रह                                   | १५३   | ११८ (संन्यास) अंगीछा या डुपट्टा                                     |
| २७५   | १८ (संयम) संयम  | १९८   | ९८ (संशयक) प्रतिज्ञा करके संयम से नहीं लौटने वाला                   |
| १६९   | १०५ (संयुग) युद्ध लड़ाई   | ३१    | ३ (संशय) संदेह  |
| २६४   | ९२ (संयोजित) मिलाया हुआ   | २४३   | ५ (संशयापन्न मानस) संदेह युक्त, शकी, जिस पदार्थ के देखने से संशय हो |
| ४०    | २३ (संशय) शब्द, आवाज़   | ३२    | ५ (संश्रव) अंगीकार  |
| ३६    | १६ (संलाप) परस्पर घतकही   | २६८   | १०६ (संश्रुत) अंगीकार किया  |
| २८    | २० (संवत्सर) साल, वर्ष  | २७८   | ३० (संश्लेष) आलिंगन, लपटाना   |
| ३५०   | १६ (संवत्) साल, वर्ष  | २५८   | ६८ (संसक्त) संयुक्त, मिला हुआ                                       |
| २७०   | ४ (संवनन) बशकरना  | १६३   | १७ (संसद्) सभा  |
| २९    | २२ (संवर्त) प्रलय   | ६९    | १६ (संसरण) राजमार्ग, सड़क, प्राणियोंकी उत्पत्ति, अवकाश सहित         |
| ६४    | ४३ (संवर्तिका) कमल के नये पत्ता                                   |       |   |
| ७४    | १६ (संवसथ) गाँव   |       |   |
| २७६   | २२ (संवाहन) पैरदावना  |       |   |
| ३१    | १ (संवित्त) बुद्धि, अंगी-कार, ज्ञान बतलाना कार्य कराना, शुद्ध नाम |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                               |
|-------|---|-------|-------------------------------------|
|       | सेनाका चलना   |       | वाला                                |
| ५०    | ३७ ( संसिद्धि ) स्वभाव  | १४६   | ८५ (संहतल) दुहस्ताचट-<br>कना        |
| १५७   | १३५ (संस्कार) मन्त्रादि से<br>किया यज्ञोपवीतादि<br>अथवा चन्दन माला-<br>दिधारण         | १२४   | ४१ (संहति) समूह                     |
| ३०२   | ८० (संस्कृत) शास्त्र में कहे<br>हुये लक्षणसे युक्त                                    | १४२   | ७० (संहनन) देह                      |
| ३२३   | १६१ (संस्तर) कुशकी मुट्टी,<br>प्रस्तर, कुशकी शय्या,<br>यज्ञ, अथवा बनाया<br>हुआ पदार्थ | ५३    | २ (संहार) नरकविशेष                  |
| २७६   | २३ (संस्तव) परिचय, मु-<br>लाकात   | ३७    | ८ (संहृति) बहुत लोगों<br>का पुकारना |
| २७६   | ३४ (संस्ताव) यज्ञ में ब्रा-<br>ह्मणों की स्तुति का<br>स्थान                           | २५८   | ६५ (सकल) सब, बिल्कुल                |
| ३२०   | १५१ (सस्त्याय) समूह, अ-<br>च्छा स्थान, अंगों का<br>सन्निवेश                           | ३४३   | २४१ (सकृत्) साथ, एकवार              |
| १८०   | २६ (संस्था) मर्यादा, आ-<br>धार, स्थिति, मरण   | ११६   | २१ (सकृत्प्रज) कौआ                  |
| ३१३   | १२४ (संस्थान) चौराहा, अं-<br>गोंका स्थितसन्निवेश                                      | ८८    | ५२ (सकृफला) शमी, श-<br>यनि वृक्ष    |
| २०२   | ११७ (संस्थित) मराहुआ  | १४३   | ७३ (सक्थि) निरोह                    |
| १११   | १५४ (संस्पर्शा) चकवत  | १७७   | १२ (सखि) मित्र                      |
| ११९   | १०५ (संस्फोट) युद्ध, लड़ाई<br>दुहस्ता चटकना   | १२८   | १२ (सखी) सखी, सहेली                 |
| १४६   | ८५ (संहत) मिलापी,मेल;   | १७७   | १२ (सख्य) मित्रता, मिताई            |
|       |   | १३३   | ३४ (सगर्भ्य) सगा भाई                |
|       |   | १३३   | ३४ (सगोत्र) गोतिआ,<br>एक गोत्रवाले  |
|       |   | २१६   | ५५ (सग्धि) साथ भोजन<br>करना         |
|       |   | २६२   | ८५ (सङ्कट) संकठ, चुस्त<br>सकिस्त    |
|       |   | ७४    | १८ (सङ्कर) कूड़ा, करकट              |
|       |   | ५     | २४ (सङ्कर्षण) घलदेव                 |
|       |   | २६४   | ६३ (सङ्कलित) जोड़ेहुये              |
|       |   | ३१    | २ (सङ्कल्प) मानसकर्म                |
|       |   | २५३   | ४२ (सङ्कमुक) चञ्चल                  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| २३८   | ३८ (सङ्काश) सट्टश, वरा-<br>वर  | २६८   | १०९ (संगीर्ण) अंगीकार<br>किया हुआ.                                    |
| २३०   | १ (सङ्कीर्ण) अम्बष्ठकरण<br>से चाण्डाल पर्यन्त<br>वर्ण संकर, अशुद्ध,<br>व्याप्त, भराहुआ | २६४   | ९३ (संगूढ) जोड़ेहुये  |
| ३६    | १६ (संकुल) असम्भवअ-<br>थवा पूर्वापर विरुद्ध<br>वात, व्याप्त, भराहुआ                    | ३६    | ६ (संग्रह) इकट्ठा करना  |
| १५५   | १२५ (सङ्कोच) केसर  | २००   | १०५ (संग्राम) युद्ध, लड़ाई  |
| १०    | ४५ (संक्रदन) इन्द्र  | १९६   | ९० (संग्राह) ढाल पकड़ने<br>की कड़ी, मूठी बांधना                       |
| २७७   | २५ (संक्रम) कोट में प्रवेश<br>करना, या उसकी गली  | १२४   | ४२ (संच) जन्तुओंका स-<br>मूह  |
| २७५   | २९ (संक्षेपता) संक्षेप   | १२४   | ४० (संघात) समूह झुण्ड   |
| १६६   | १०४ (संख्य) युद्ध, लड़ाई   | ३३४   | २०५ (सचिव) मंत्री, सहाय   |
| ३१    | २ (संख्या) विचार, गि-<br>नती   | ६७    | ११ (सजमवाल) कीचड़<br>युक्त  |
| २५७   | ६४ (संख्यात) गिनाहुँआ  | १६०   | ६५ (सज्ज) मंत्रादि रक्षि-<br>त युद्धको तयार                           |
| १६०   | ५ (संख्यावत्) परिर्दत्त  | १२१   | ३३ (सज्जन) फौजरखाने<br>के लिये पहरा, गस्त,<br>साधु, अच्छा मनुष्य      |
| २२३   | ८३ (संख्येय) गिननेके योग्य   | १२४   | ४२ (सज्जना) सवारी के<br>लिये हाथीको तय्यार<br>करना                    |
| २७८   | २९ (संग) मेल, साथ  | १२४   | ४० (संचय) समूह, इकट्ठा<br>करना  |
| ३९    | १८ (संगत) योग्य, वचन   | १२९   | १७ (संचारिका) दूती  |
| १३६   | ४८ (संगतजानुक) जिस-<br>की मिली हुई फीली हो<br>वह पुरुष                                 | ७१    | ६ (संजवन) चौक   |
| २७८   | २९ (संगम) मेल, मुसीबत<br>संयोग   | २०१   | ११३ (संज्ञपन) मारना   |
| ३२४   | १६६ (संगर) अंगीकार, युद्ध<br>ज्ञान, आपत्ति   | २९०   | ३३ (संज्ञा) बुद्धि, नामहाथ<br>आदिसे वस्तु बताना<br>इशारा करना गायत्री |



| पृष्ठ | श्लोक                    | पृष्ठ | श्लोक                          |
|-------|--------------------------|-------|--------------------------------|
|       | सूर्य की स्त्री          |       |                                |
| १३६   | ४७ (संजु) जिसकी मिली     | ३२७   | १८० (सत्र) वस्त्र, यज्ञ, स-    |
|       | हुई फीलीहो बहुपुरुष      |       | दादान, वन                      |
| १३    | ५८ (संज्वर) सन्ताप       | ३४७   | ४ (सत्रा) साथ                  |
| १४८   | ६७ (सटा) जटा             | १७८   | १५ (सत्रिन) सदा अन्न           |
| १२३   | ३८ (संडीन) अच्छीतरह      |       | दान करनेवाला गृह-              |
|       | उड़ना                    |       | स्थ, मोदी                      |
| १६०   | ५ (सत्) पण्डित, सत्य,    | १६९   | ४० (सत्यवतीसुत) व्यास-         |
|       | साधु, विद्यमान, अच्छा,   |       | मुनि                           |
|       | पूजित                    | ३०    | २६ (सत्त्व) सत्त्वगुण, द्रव्य, |
| १४    | ६६ (सतत) नित्य, लगातार   | १४    | ६६ (सत्वर) शीघ्र               |
| १२६   | ६ (सती) पतिव्रता         | ७०    | ५ (सदन) घर                     |
| २०७   | १६ (सतीनक) मटर           | १६३   | १७ (सदस्) सभा                  |
| १६२   | १४ (सतीर्थ्य) एकगुरु के  | १६३   | १८ (सदस्य) यज्ञमें न्यूना-     |
|       | पास पढ़नेवाले            |       | धिक न होने पावे इस             |
| २५६   | ५८ (सत्तम) अतिसुन्दर     |       | वातको देखनेवाला                |
| ६८    | १७ (सत्पथ) अच्छा रा-     | ३५२   | २२ (सदा) सदा, हमेशा            |
|       | स्ता                     | १४    | ६२ (सदागति) वायु, हवा          |
| ४०    | २२ (सत्य) सच, शपथ,       | २५२   | ७२ (सदातन) नित्य, स-           |
|       | कसम                      |       | नातन                           |
| २२३   | ८२ (सत्यंकार) बयाना, साई | ६२    | ३३ (सदानीरा) नदीविशे-          |
| १७०   | ४६ (सत्यवचस्) ऋषि, स-    |       | प, जिसमें सदा जलरहे            |
|       | त्य बोलनेवाला            | २३८   | ३७ (सदृक्ष) सदृश, बराबर        |
| २२३   | ८२ (सत्याकृति) बयाना,    | २३८   | ३७ (सदृश्) बराबर               |
|       | साई                      | २३८   | ३७ (सदृश) बराबर                |
| २०३   | ३ (सत्यानृत) वाणिज्य,    | २५८   | ६७ (सदेश) समीप                 |
|       | वनियई                    | ७०    | ४ (सद्गन्) घर                  |
| २२३   | ८२ (सत्यापन) बयाना       | ३४८   | ९ (सद्यस्) तत्काल, उ-          |
|       | साई                      |       | सीसमय                          |

| पृष्ठ | श्लोक                                    | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| २५०   | ३४ (सध्यूच्) साथ चलने<br>वा पूजाकरनेवाला | १७८   | १६ (सन्देशहर) दूत, हर-<br>कारा                                 |
| ११    | ५२ (सनत्कुमार) सनत्कु-<br>मार            | ३१    | ३ (सन्देह) संशय, शक  |
| ३५०   | १७ (सना) नित्य                           | १२३   | ४० (सन्दोह) समूह, झुण्ड  |
| २५९   | ७२ (सनातन) नित्य                         | २०१   | १११ (सन्द्राव) भागना   |
| १३३   | ३३ (सनाभि) जातिवाले                      | ३०८   | १०२ (सन्धा) प्रतिज्ञा, म-<br>र्यादा                            |
| १६७   | ३४ (सनि) विनय, विनती<br>करना             | २४०   | ४२ (सन्धान) दारूका व-<br>नाना                                  |
| ४०    | २० (सनिष्ठीव) थूकस-<br>हित कहना          | १७९   | १८ (सन्धि) मेल, मिलाप,<br>सुवर्णादि देकर शत्रुसे<br>मिलाप करना |
| २५८   | ६६ (सनीड़) समीप                          | २१९   | ६९ (सन्धिनी) गर्भिणी, व-<br>र्द्धतीहुई गौ                      |
| १४    | ६६ (सन्तत) नित्य                         | २५    | ३ (सन्ध्या) साँझ   |
| १५९   | १ (सन्तति) गोत्र, वंश                    | ८४    | ३५ (सन्नकट्टु) चिरौंजी   |
| २६७   | १०२ (सन्तप्त) सन्तापयुक्त,<br>दुःखी      | १९०   | ६५ (सन्नद्ध) मंत्रादि से<br>रक्षित युद्धको तय्यार              |
| ५१    | ४ (सन्तमस) सब ओर<br>अँधेरा               | ३२०   | १५० (सन्नय) सेना के पीछे<br>रहनेवाली सेना, समूह                |
| ११    | ५१ (सन्तान) कल्पवृक्ष,<br>गोत्र, वंश     | २७६   | २३ (सन्निकर्षण) परोस,<br>समीप                                  |
| १३    | ५८ (सन्ताप) आगिकाताप                     | २५८   | ६६ (सन्निकृष्ट) समीप   |
| २६७   | १०२ (सन्तापित) सन्तापयुक्त               | २७६   | २३ (सन्निधि) परोस, समीप  |
| २०१   | १११ (सन्द्रव) भागना                      | ७४    | १६ (सन्निवेश) प्रवेश क-<br>रना, घुसना                          |
| २२१   | ७३ (सन्दान) रस्सी, गेरौं व               | १७७   | १० (सपत्न) शत्रु, दुश्मन                                       |
| २६५   | ६५ (सन्दानित) बाँधा हुआ                  | ३४७   | २ (सपदि) शीघ्र, तत्काल   |
| २६२   | ८६ (सन्दिता) बाँधा हुआ,<br>गँठिआया       | १६८   | ३७ (सपर्या) पूजा, सेवा   |
| ३९    | १७ (सन्देशवाच्) सन्देशा<br>कहना          |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १३३   | ३३ (सपिण्ड) जातिनाले                                  |       | वाला   |
| २१६   | ५५ (सपीनि) साथपीना                                    | १६०   | ३ (सभ्य) सज्जन, सभा में बैठनेवाले                  |
| १५१   | १०८ (सप्तकी) स्त्रियोंकी क मरके आभूषण करधनी वगैरह     | २३८   | ३७ (सम) तुल्य, बराबर, सब, बिल्कुल                  |
| १६३   | १५ (सप्ततन्तु) यज्ञ                                   | २५८   | ६५ (समग्र) सब                                      |
| ८१    | २३ (सप्तपर्ण) छतवनि.                                  | ६६    | ६० (समंगा) मेंजीठ, लजालू                           |
| २२    | २७ (सप्तर्षि) मरीचि आदि सातऋषि                        | १२४   | ४३ (समज) पशुओं का समूह                             |
| ९२    | ७२ (सप्तला) वर्षाकीवेली, सेहुड़ाविशेष                 | ३८    | ११ (समज्ञा) कीर्ति, यश                             |
| १३    | ५७ (सप्तार्चिस्) आगि                                  | १६३   | १७ (समज्या) सभा                                    |
| २२    | २९ (सप्ताश्र) सूर्य                                   | १८०   | २४ (समज्ञस) न्याय, इन्साफ,                         |
| १८५   | ४४ (सप्ति) घोड़ा                                      | २६०   | ७५ (समधिक) अधिक, ज्यादाह, बढ़ा हुआ                 |
| १६२   | १३ (सप्तह्यचारिन्) एक साथ वेद और व्रतका आचरण करनेवाले | ३४९   | १३ (समन्ततस्) सबओर                                 |
| १२८   | १२ (सभर्तृका) अहिवाती स्त्री                          | ९९    | १०६ (समन्तदुग्धा) सेंहुँड़ा                        |
| ७१    | ६ (सभा) समाज, कचहरी, दरवार, सभा में बैठने वाला        | ३     | १३ (समन्तभद्र) जैनमती                              |
| २७१   | ७ (सभाजन) कुशलादि पूछना                               | ३४७   | ४ (समम्) साथ                                       |
| १६३   | १८ (सभासद) सभा में बैठने वाले                         | २४    | १ (समय) समय, कसम, आचार, काल, सिद्धान्त, अच्छी भाषा |
| १६३   | १८ (सभास्तर) सभामें बैठनेवाले                         | ३४५   | २५१ (समया) समीप, मध्य                              |
| २४०   | ४४ (सभिक) जुआखेलाने                                   | १९६   | १०२ (समर) युद्ध, लड़ाई                             |
|       |   | ३०४   | ८६ (समर्थ) सामर्थ्यवाला, सम्बन्ध, हिन              |
|       |   | १८०   | २५ (समर्थन) उचित अनुचित विचारना, नीक               |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
|       | जवून परखना  |       |   |
| २४३   | ७ ( समर्द्धक ) वरदान देने वाला                          | १६२   | १२ ( समावृत्त ) अनूचान गुरु से गृहस्थाश्रमादि में प्राप्त होने की आज्ञापाथेका नाम |
| २५८   | ६६ ( समर्घ्याद ) समीप                                   | २६४   | ६२ ( समासाद्य ) मिलने के योग्य  |
| १३    | ५६ ( समवर्तिन् ) यमराज                                  | ३७    | ७ ( समासार्था ) पूराकरना  |
| १२४   | ४१ ( समवाय ) समूह                                       | २७४   | १६ ( समाहार ) बटोरना  |
| १११   | १५७ ( समण्डिला ) गोंडरका साग                            | २६८   | १०३ ( समाहित ) अंगीकार किया हुआ   |
| २७५   | २१ ( समसन ) संक्षेप                                     | ३६    | ६ ( समाहृति ) संग्रह, बटोर  |
| २५८   | ६४ ( समस्त ) सब   | २४१   | ४६ ( समाह्वय ) प्राणियोंकी बाजीवाला जुआ   |
| ३७    | ७ ( समस्या ) पूराकरना                                   | २००   | १०३ ( समित् ) युद्ध, लड़ाई  |
| २८    | २० ( समा ) वर्ष   | १६३   | १७ ( समिति ) युद्ध, लड़ाई, सभा, संग   |
| २२०   | ७२ ( समांसमीना ) प्रति वर्ष चियानेवाली गौ               | ७९    | १३ ( समिध् ) इन्धन  |
| ३३    | ११ ( समाकर्पिन् ) बड़ीदूर तक जानेवाला सुगन्ध            | १६९   | १०४ ( समीक ) युद्ध, लड़ाई   |
| १९६   | १०५ ( समाघात ) युद्ध, लड़ाई                             | २५८   | ६६ ( समीप ) समीप, पास   |
| १२४   | ४३ ( समाज ) पशुओं से अन्य जीवोंका समूह                  | १४    | ६३ ( समीर ) वायु, हवा   |
| ३२    | ५ ( समाधि ) समर्थन, मौन, चुपरहना, अंगीकार, नियम         | १४    | ६३ ( समीरण ) वायु, हवा, मरुआ, दबना  |
| १४    | ६४ ( समान ) शरीरस्थ वायुविशेष, तुल्य, वरावर, पण्डित, एक | २७४   | १६ ( समुच्चय ) बटोरना   |
| १३३   | ३४ ( समानोदर्य्य ) सगा भाई                              | ३२०   | १५१ ( समुच्छ्रय ) विरोध, उंचाई, बढ़ती   |
| २७७   | २७ ( समालम्भ ) चन्दनादि लगाना                           | २६८   | १०७ ( समुज्झित ) रंगागा हुआ   |
|       |   | १९८   | ६६ ( समुत्पिन्न ) अति आ-  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| २६४   | कुल, घनराया हुआ<br>६१ (समुद्रक) कुंआँआदि<br>से निकाला हुआ जल | २४४   | ११ (समृद्धि) विधान, व-<br>द्विती, भरापुरा                 |
| १२४   | ४१ (समुद्रय) समूह, झुण्ड                                     | १९४   | ८२ (सम्पत्ति) सम्पत्ति                                    |
| १२४   | ४१ (समुदाय) समूह, झुण्ड,<br>युद्ध, लड़ाई                     | १९४   | ८१ (सम्पद्) सम्पदा, दौ-<br>लत                             |
| ३५७   | १७ (समुद्र) सम्पुट, डब्बा                                    | ३२०   | १५१ (सम्पराय) लड़ाई, उ-<br>त्तरकाल, आपदा                  |
| १५६   | १४० (समुद्रक) सम्पुट, ड-<br>ब्बा, जल पाथको ऊ-<br>पर पहुँचाना | १५९   | १४० (सम्पुटक) डब्बा                                       |
| २९६   | ५५ (समुद्रिण) डाकाहुआ<br>अन्न                                | ३५२   | २३ (सम्प्रति) अभी, इसी<br>काल                             |
| २४७   | २३ (समुद्धत) उजड़, अ-<br>न्यायी                              | २७१   | ७ (सम्प्रदाय) परम्परासे<br>चलीआती हुई रीति                |
| ५४    | १ (समुद्र) समुद्र  | १८०   | २५ (सम्प्रधारणा) उचित<br>अनुचित विचारना,                  |
| ९६    | ६२ (समुद्रान्ता) जवासा,<br>कपास, रुई, अस्परक                 | १९९   | नीक जवून परखना  |
| २७८   | २९ (समुन्दन) गीला वा<br>ओदा करना                             | ७८    | १०५ (सम्प्रहार) युद्ध, लड़ाई                              |
| २६८   | १०५ (समुन्न) गीला वा ओ-<br>दा कियाहुआ                        | २६५   | ७ (सम्फुल्ल) फूलाहुआ                                      |
| ३०८   | १०३ (समुन्नद्ध) मूर्ख, अहं-<br>कारी                          | ६२    | ८५ (संवाध) संकट, भ-<br>राहुआ                              |
| ३४९   | १० (समुपजोपम्) आनन्द   | ६२    | ३५ (सम्भेद) समुद्र और<br>नदियोंका संगम.                   |
| ११६   | १० (समूरु) हरिणविशेष   | ४९    | ३४ (सम्भ्रम) खुशीआदि<br>से कार्यमें आति ज-<br>ल्दी, जल्दी |
| १२३   | ४० (समूह) झुण्ड, थोक   | २६    | २४ (सम्मद) खुशी   |
| १६५   | २२ (समूह्य) यज्ञाग्नि  | ७४    | १८ (सम्मार्जनी) बढ़नी,<br>भाड़                            |
| २४४   | ११ (समृद्ध) अति बढ़ती<br>वाला                                | २७१   | ६ (सम्भूर्जन) सबओर  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
|       | व्यासहोना  |       |  |
| ४०    | २२ (सम्यच्) सत्य   | २८७   | २२ (सर्ग)स्वभाव, त्याग,<br>निश्चय, अध्याय, सृष्टि            |
| १७५   | ३ (सम्राज्ञ) राजसूयय-<br>ज्ञ करनेवाला, अपनी<br>आज्ञा से राजाओं का<br>शासन करने वाला,<br>सम्पूर्ण मण्डल का<br>मालिक | ८६    | ४४ (सर्ज) सौख्य  |
|       |  | ८६    | ४४ (सर्जक) विजयसार   |
| २७०   | ४ (संवदन) वशीकरण   | १५६   | १२८ (सर्जरस) यक्षधूप, राल                                    |
| १४०   | ४३ (सरक) दारूपीना  | ३२६   | १०६ (सर्जिकाक्षर) सज्जी                                      |
| १२१   | २७ (सरघा) ममाखीकी<br>माछी  | ५२    | ६ (सर्प) साँप  |
|       |  | ५१    | ४ (सर्पराज) वासुकी<br>नाम साँप                               |
| ११७   | ७३ (सरट) गिरगिट  | २१६   | ५२ (सर्पिस्) घी, घृत   |
| ११०   | १५२ (सरणा) चोंदवेल   | २५८   | ६४ (सर्व) सब   |
| ६८    | १६ (सरणि) सड़क, रास्ता   | ६५    | ३ (सर्व्वसहा) पृथ्वी, ज-<br>मीन                              |
| २३५   | २२ (सरमा) कुतिया   | ३     | १३ (सर्वज्ञ) शिव, जैनमती                                     |
| ८६    | ६० (सरल) सरलवृक्ष,<br>देवदारु, सीधामनुष्य  | ३४६   | १३ (सर्वतस्) सबतरफ   |
| १५६   | १३० (सरलद्रव) देवदारुधूप   | ७२    | १० (सर्वतोभद्र) दुमहला<br>या पंचमहला घर,<br>नींववृक्ष        |
| १००   | १०८ (सरला) श्वेत त्रिधारा  | ८४    | ५५ (सर्वतोभद्रा) गम्भारी<br>वृक्ष                            |
| ६०    | २८ (सरस्) छोटातालाब  | ५५    | ४ (सर्वतोमुख) जल, पानी                                       |
| ६०    | २८ (सरसी) छोटातालाब  | ३५२   | २२ (सर्वदा) सदा, हमेशा                                       |
| ६३    | ४० (सरसीरुह) कमल   | २१६   | ६६ (सर्वधुरावह) सबवो-<br>झा ले जानेवाला, सब<br>भार थोभनेवाला |
| ५४    | १ (सरस्वत्) समुद्र, नद   |       |  |
| ३५    | १ (सरस्वती) सरस्वती,<br>सरस्वतीनदी   | २१९   | ६६ (सर्वधुरीण) सबवोझा<br>लेजानेवाला, सबभार<br>थोभनेवाला      |
| ६१    | २८ (सरित्) नदी   |       |  |
| ५४    | १ (सरित्पति) समुद्र  |       |  |
| ५२    | ७ (सरीसृप) साँप  | ८     | ३८ (सर्वमंगला) पार्वती                                       |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                                   |
|-------|---|-------|---|
| १५६   | १२८ (सर्वरस) यक्षधूप, राल                                     | १७७   | १२ (सवयस्) समान अवस्थावाला, हमजो-लीवाला |
| १६७   | ९३ (सर्वला) गुर्ज, गड़ासी                                     | २३    | ३१ (सवितृ) सूर्य                        |
| १७१   | ४८ (सर्वलिङ्गिन्) बौद्ध ज-पणकशास्त्रको मानने वाला, पाखंडी     | २५८   | ६७ (सविध) समीप                          |
| १६२   | ११ (सर्ववेदस्) सर्वस्व दक्षिणावाले विद्व-जित् नाम यज्ञकाकर्ता | २५८   | ६७ (सवेश) समीप                          |
| -     | -   | २६२   | ८४ (सव्य) बाँयाँअग                      |
| १६७   | ९४ (सर्वसन्नहन) फौजकी तयारी                                   | १९९   | ६० (सव्येष्टृ) सारथी                    |
| १००   | १०८ (सर्वानुभूति) श्वेतात्रि-धारा                             | ८०    | १५ (सस्य) वृक्षादिकाफल                  |
| २४७   | २२ (सर्वान्नभोजिन्) सब का अन्नखानेवाले परमहंस इत्यादि         | २०८   | २१ (सस्यमञ्जरी) वाली                    |
| २४७   | २२ (सर्वान्नीन) सबका अन्नखानेवाले परम-हंस इत्यादि             | ८६    | ४४ (सस्यसंवर) साखू                      |
| १९७   | १६४ (सर्वाभिसार) सबफौ-जकी तयारी                               | २०८   | २१ (सस्यशूक) सीकुर                      |
| ३     | १५ (सर्वार्थसिद्ध) जैनमती                                     | ३४७   | ४ (सह) साथ                              |
| १९७   | ९४ (सर्वौघ) सब फौज की तयारी                                   | ८४    | ३३ (सहकार) आँचकावृत्त                   |
| २०७   | १७ (सर्पप) सरसौ   | ६३    | ७५ (सहचरी) सोनहरी झिण्टी                |
| ५५    | ३ (सलिल) जल   | १३३   | ३४ (सहज) सगाभाई                         |
| १०४   | १२४ (सल्लकी) सालवृक्ष   | १२६   | ५ (सहधर्मिणी) व्याहीस्त्री              |
| १६३   | १५ (सव) यज्ञ  | २४६   | ३१ (सहन) सहनेवाला                       |
| १७१   | ५० (सवन) यज्ञोपधिको कूटना                                     | २१६   | ५५ (सहभोजन) एकसंग भोजनकरना              |
|       |   | २७    | १४ (सहस्) अगहनमास, बल                   |
|       |   | ३४८   | ७ (सहसा) अकस्मात् वा हठसे               |
|       |   | २७    | १५ (सहस्य) पूसमास                       |
|       |   | २२३   | ८४ (सहस्र) हजार                         |
|       |   | ५८    | १८ (सहस्रदंष्ट्र) पढ़िना मछरी           |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| ६३    | ४० (सहस्रपत्र) कमल                                     |       | दृश   |
| ११२   | १५८ (सहस्रवीर्या) दूव                                  | ५४    | १ (सागर) समुद्र   |
| २१३   | ४० (सहस्रवेधि) हींग                                    | ६५    | ४ (सागराम्बरा) पृथ्वी   |
| १०८   | १४१ (सहस्रवेधिन्) अम-<br>लवैत                          | ३४८   | ६ (सात्रि) तिरछा  |
| २३    | ३१ (सहस्रांशु) सूर्य                                   | १०८   | १४३ (सातला) सेंहुँड़ावि-<br>शेष   |
| १०    | ४५ (सहस्राक्ष) इन्द्र                                  | २८०   | ३९ (साति) दान, अन्त   |
| १८९   | ६२ (सहस्रिन्) हज़ार सि-<br>पाहीका अप्सर                | १४०   | ५६ (सातिसार) बहुतदस्त<br>जिसकोआतेहों, अती-<br>सारकी बीमारीवाला  |
| ९२    | ७३ (सहा) घीकुवारि, व-<br>नमूंग, मोठ                    | ४५    | १६ (सात्त्विक) अन्तःक-<br>रणका भाव  |
| १६१   | ७१ (सहाय) सहायक,<br>मददगार                             | १८९   | ६० (सादिन्) घोड़ेकास-<br>वार, सारथी   |
| २८०   | ४१ (सहायता) सहायकों<br>का समूह                         | ३१२   | ११९ (साधन) पाराआदि<br>का मारना, मरेहुये<br>का दाहादिसंस्कार,<br>गमन, द्रव्य, धनादि<br>दिलवाना, किसी का-<br>र्यकी सिद्धि, सामग्री,<br>पाछेचलना |
| २४९   | ३१ (सहिष्णु) सहनेवाला                                  | २३८   | ३७ (साधारण) सामान्य,<br>बराबर, सहश, नामूली  |
| १६१   | ८ (सांख्य) सांख्यशास्त्र<br>जाननेवाला                  | २५१   | ४० (साधित) धनादिदेकर<br>साधाहुआ, डँडवाया  |
| ५७    | १२ (सांयात्रिक) नाव,<br>वा जहाजका रोज-<br>गार करनेवाले | २६९   | ११२ (साधिष्ट) अधिक से<br>अधिक   |
| १९३   | ७७ (सांयुगीन) वहादुर                                   | ३४१   | २३४ (साधीयस्) अतिशय<br>साधु, अतिशय वाढ़   |
| १७७   | १४ (सांवत्सर) ज्योतिषी<br>परिडत                        |       |   |
| २४२   | ५ (सांशयिक) जिस पं-<br>दार्थके देखने से स-<br>न्देहहो  |       |   |
| ३४७   | ४ (साकम्) साथ  |       |   |
| ३४३   | २४२ (साक्षात्) प्रत्यक्ष, स-                           |       |   |



| पृष्ठ | श्लोक                                       | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
| १६०   | ३ (साधु) सुन्दर, सज्जन                      |       | जिंघी, अव, इत्सी काल   |
| २     | ११ (साध्य) गणदेवता                          | ३५१   | १९ (साय) साँझ  |
| ४६    | २१ (साध्यस) भय                              | २८२   | २ (सायक) वाण, तीर, तलवार   |
| १२६   | ६ (साध्वी) पतिव्रता                         | २५    | ३ (सायम्) साँझ   |
| ७५    | ५ (सानु) पर्वत का किनारा                    | ७९    | १२ (सार) गूदा, हीर, बल सीसम आदिका सार, न्याययुक्त श्रेष्ठ                  |
|       | (सान्त्पन) व्रत विशेष                       |       |  |
| ३३    | १८ (सान्त्व) अतिमीठा वचन, समझाना, सलूक करना | ११८   | १७ (सारंग) चातक, पपीहा, हरिण, चितकवला रंग                                  |
| १९१   | २९ (सान्दष्टिक) तुरन्त का फल                | १८६   | ५६ (सारथि) रथवान्  |
| २५८   | ६६ (सान्द्र) सघन, गञ्जिन                    | २३५   | २१ (सारमेय) गाड़ी हाँकनेवाला, कुत्ता                                       |
| १६६   | २९ (सान्नाप्य) साकल्य                       | ६२    | ३६ (सारव) सरयू में पैदा हुआ  |
| १७७   | १२ (साक्षपदीन) मित्रता                      | ६३    | ४० (सारस) सारस, कमल  |
| ३६    | ३ (सामन्) सामवेद, समझाना, सलूक करना         | १५१   | १०६ (सारसन) छिरियों की करधनी, वस्त्र पहिन कर जिससे कमर बाँधते हैं कमरपट्टी |
| १६४   | १८ (सामाजिक) सभामें बैठनेवाले               | ३५४   | ८ (सारिका) पक्षी विशेष मैना  |
| ३१    | ३१ (सामान्य) जाति, साधारण, मामूली           | १२४   | ४१ (सार्थ) जन्तुओं का समूह   |
| ३४५   | २४८ (सामि) आधा निन्दित                      | २२२   | ७८ (सार्थगाह) वनियों   |
| १६५   | २४ (सामिधेनी) अग्निजलाने का मन्त्र          | २६७   | १०५ (सार्द्र) वोदा, गीला   |
| १५४   | १ (समुद्र) समुद्र                           | ३४७   | ४ (सार्द्ध) साथ  |
| १६६   | १०४ (साम्परापिक) युद्ध लड़ाई                | १७    | ४ (सार्धभौम) चक्रवर्ती   |
| ३४६   | ११ (साम्प्रतम्) युक्त, वा                   |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक                     | पृष्ठ | श्लोक                     |
|-------|---------------------------|-------|---------------------------|
|       | उत्तर दिशाका दिग्गज       | ६७    | १२ ( सिकतावत ) बालू       |
| ७०    | ३ ( साल ) साँख, बाँस      |       | वाला प्रदेश               |
|       | काँटाआदिका घेरवृक्ष       | १४२   | ६७ (सिंघाण) नासिकाका      |
| १०२   | ११५ ( सालपर्णी ) सरिवन    |       | मल, नकचपरी                |
| २१८   | ६३ (सास्ना) बैल आदिके     | ६१    | १२ (सिकतिल) बालूवाली      |
|       | गले में लटका हुआ          |       | जगह देश                   |
|       | चास                       | २२६   | १०७ (सिकथक) मोम           |
| १७९   | २१ ( साहस ) दण्ड देना,    | ३४    | १३ ( सित ) उजला रंग,      |
|       | सजा देना                  |       | बाँधा हुआ, समाप्त,        |
| १८६   | ६२ ( साहस ) हजार सि-      |       | खतम                       |
|       | पाही का अफसर              | ११०   | १५२ (सितच्छत्रा) सौफ      |
| ११४   | १ ( सिंह ) सिंह, शेर      | २१३   | ४३ (सिता) शकर, मिश्री     |
| २००   | १०७ ( सिंहनाद ) वीरों का  | १५६   | १३१ (सिताध्र) कपूर        |
|       | गर्जना                    | ६४    | ४१ (सिताभोज) उजला         |
| ६७    | ९३ (सिंहपुच्छी) पिथवन     |       | कमल                       |
|       | औषधि                      | २     | ११ (सिद्ध) देवजाति वि-    |
| २४४   | १२ ( सिंहसंहनन ) सुन्दर   |       | दोष, सिद्ध हुआ            |
|       | रूप और अंगों से युक्त     | ३२    | ४ (सिद्धान्त) यथार्थ का   |
| २२६   | ६८ (सिंहाण) लोहेका मुर्चा |       | निश्चय                    |
| १८२   | ३१ ( सिंहासन ) सोने से    | २०७   | १८ (सिद्धार्थ) उजले सरसों |
|       | बना हुआ राजाके बै-        | १०१   | ११२ (सिद्धि) ऋद्धि सिद्धि |
|       | ठनेका स्थान               |       | वृद्धि औषधि               |
| ६६१   | १०३ (सिंहास्य) रूस        | १३८   | ५३ (सिध्म) सेहुँआं        |
| ६६    | १०३ ( सिंही ) रूस, वन-    | १४०   | ६१ (सिध्मल) सेहुँआं रोग   |
|       | भांटा                     |       | वाला                      |
| ६७    | १२ ( सिकता ) बालूवाले     | ३५५   | १० (सिध्मला) सूखामांस     |
|       | देश, बालू                 | २१    | २२ (सिध्म) पुष्यनक्षत्र   |
| ५६    | ६ ( सिकतामय ) बालू        | ३५४   | ८ (सिध्रका) सीधवृक्ष      |
|       | वाली भूमि                 | २६    | ९ (सिनीवाली) चन्द्रमां    |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक                                    |
|-------|---|-------|--|
|       | के देखपरनेवाली अ-<br>मावस                                 | २२०   | ७० (सुकरां) सीधी गौ                      |
| ९१    | ६८ (सिन्दुक) म्योड़ी                                      | २४३   | ८ (सुकल) दाता, भोगी,<br>देने, खानेवाला   |
| ९१    | ६८ (सिन्दुवार) म्योड़ी                                    | २६१   | ७८ (सुकुमार) कोमल, नरम                   |
| २२८   | १०५ (सिन्दूर) सेंदुर                                      | २६    | २४ (सुकृत) धर्म पुण्य                    |
| ५३    | २ (सिन्धु) समुद्र, प्रेत<br>नदी, सिन्धु देश, अ-<br>टक नदी | २४२   | ३ (सुकृतिन) पुण्यवान,<br>भाग्यवान्       |
| २१३   | ४२ (सिन्धुज) सैन्धवलोन                                    | २९    | २५ (सुख) सुख                             |
| ६२    | ३५ (सिन्धुसंगम) नदी और<br>समुद्र का मिलना                 | २१२   | ३७ (सुखी) काराजीर                        |
| १५६   | १२९ (सिंह) लोहवान   | २२६   | १०६ (सुखवर्चक) सज्जी                     |
| २०७   | १४ (सीता) खेत का कूड़                                     | २२०   | ७१ (सुखसन्दोहा) दुहने में<br>सीधी गौ     |
| २०५   | ८ (सीत्य) जोताखेत   | ३     | १३ (सुगत) जैनमती                         |
| २३९   | ४२ (सीधु) गुड़ वा सीरा<br>का दारू                         | १०१   | ११४ (सुगन्धा) रासनि                      |
| ७४    | २० (सीमन्) डांड हृद्                                      | ३३    | ११ (सुगन्धि) अच्छा सुगंध,<br>एलुआ वृक्ष  |
| ३५८   | १६ (सीमन्त) सर्वारेहुये<br>वाल                            | १२६   | ६ (सुचरित्रा) पतिव्रता                   |
| १२५   | २ (सीमन्तिनी) स्त्री                                      | १५३   | ११६ (सुचलक) अच्छा वस्त्र,<br>उमदाकपड़ा   |
| ७४    | २० (सीमा) डांड, हृद्                                      | १३१   | २७ (सुत) पुत्र, लड़का, राजा              |
| २०६   | १४ (सीर) हर, हल   | ९६    | ८८ (सुतश्रेणी) मूसरि                     |
| ५     | २४ (सीरपाणि) चलदेव  | १३२   | २६ (सुतात्मजा) लड़के की<br>लड़की, नातिनि |
| २७१   | ५ (सीवन) कपड़ों, का<br>सीना                               | ६     | ४३ (सुत्रामन) इन्द्र                     |
| २२८   | १०५ (सीसक) सीसाधातु                                       | १७१   | ५० (सुत्पा) यज्ञोपधी का<br>कूटना         |
| ६६    | १०५ (सीहुण्ड) सेहुँड़ा                                    | १६२   | १० (सुत्वन्) अभिषेक स्नान<br>करनेवाला    |
| ३४७   | २ (सु) पूजा आतिशय   | ६     | २६ (सुदर्शन) विष्णु का चक्र              |
| १०९   | १४७ (सुकन्दक) प्याज                                       |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक                                       |
|-------|--|-------|---|
| १८१   | २८ (सुदाय) दहेज व भाई<br>बन्धुको देने की वस्तु           | २०८   | १८ (सुमन) गोहूँ                             |
| २५६   | ६९ (सुदूर) बहुत दूर                                      | २     | ७ (सुमनस्) देवता, फूल,<br>वर्षाकी चँवेली    |
| ११    | ४९ (सुधर्मन्) देवसभा                                     | ८०    | १७ (सुमनोरजस्) फूलकी<br>धूरि                |
| ११    | ४९ (सुधा) अमृत, सेहूँड़ा,<br>पोतनेवाला चूना, वि-<br>जुली | ११    | ५० (सुमेरु) सुमेरुपर्वत                     |
| १९    | १४ (सुधांशु) चन्द्रमा                                    | २     | ७ (सुर) देवता                               |
| १६०   | ५ (सुधी) पण्डित  | ३५४   | ८ (सुरंगा) सुनुग, संधि                      |
| ६     | ४२ (सुनासीर) इन्द्र                                      | ३     | १६ (सुरज्येष्ठ) ब्रह्मा                     |
| १०६   | १४९ (सुनिपण्क) विसख-<br>परिया                            | ११    | ५० (सुरदीर्घिका) आकाश-<br>गङ्गा             |
| २५५   | ५२ (सुन्दर) सुन्दर                                       | ३     | १२ (सुरद्विप्) : देवताओं<br>के शत्रु, दैत्य |
| १२५   | ४ (सुन्दरी) सुन्दर अङ्ग<br>वाली स्त्री                   | ६१    | ३१ (सुरनिम्रगा) गङ्गा                       |
| ६८    | १७ (सुपथिन) अच्छा-<br>रास्ता                             | ९     | ४४ (सुरपति) इन्द्र                          |
| ६     | ३० (सुपर्ण) गरुड़  | २८    | १८ (सुरभि) वसन्तऋतु,<br>सुगन्ध, गौ          |
| २     | ७ (सुपर्व्वत) देवता                                      | १०३   | १२३ (सुरभी) सालई                            |
| ८६    | ४३ (सुपार्श्वक) गेंठी                                    | ११    | ४६ (सुरर्षि) नारदादि                        |
| १७    | ४ (सुप्रतीक) ईशानको-<br>णका दिग्गज                       | १     | ६ (सुरलोक-) स्वर्ग                          |
| १६०   | ६८ (सुप्रयोगविशिख) )<br>अच्छा तीरन्दाज                   | १६    | १ (सुखर्त्मन्) आकाश                         |
| ३६    | १७ (सुप्रलाप) अच्छा क-<br>हना                            | १०१   | ११४ (सुरसा) रासन                            |
| १३१   | २४ (सुभगामुत) सुहागिल<br>का पुत्र                        | २३९   | ६९ (सुरा) दारू, मदिरा                       |
| १०४   | १२४ (सुभिक्षा) धवई, धाय                                  | २१    | २४ (सुराचार्य्य) बृहस्पति                   |
|       |  | २४०   | ४३ (सुरामण्ड) दारूकाफूल                     |
|       |  | ११    | ५० (सुरालय) सुमेरुपर्वत                     |
|       |  | १०५   | १३१ (सुराष्ट्रज) अहीं, अ-<br>रहर            |
|       |  | ३६    | १७ (सुवचन) अच्छा कहना                       |

| पृष्ठ | श्लोक                      | पृष्ठ | श्लोक                       |
|-------|----------------------------|-------|-----------------------------|
| २२४   | ८६ (सुवर्ण) ८० धुंधुची     |       | पूरीआदि                     |
|       | भर, या मोहरभर              | १७७   | १२ (सुहृद्) मित्र           |
|       | सोना, सोना                 | २४०   | ३ (सुहृदय) शुद्धमन          |
| ८२    | २४ (सुवर्णक) अमिलतास       |       | वाला, सीधामनुष्य            |
| ६७    | ६५ (सुवह्नि) बकुची         | २५७   | ६१ (सूक्ष्म) पतला, मिहीं,   |
| ६२    | ७० (सुवहा) न्यवारी, रा-    |       | लिङ्गशरीर, अध्यात्म         |
|       | सनि, हसपदी, साल            |       | छल                          |
|       | वृक्ष, कोलिन्दण            | २५३   | ४७ (सूचक) चुगुल             |
| ८४    | ३७ (सुवावृक्ष) कंटाय       | ३५४   | ८ (सूचि) सूजी, सुई          |
| १२७   | ९ (सुवासिनी) कुछ           | १८९   | ५९ (सूत) सारथी, गाड़ी       |
|       | गुवावस्था को प्राप्त,      |       | हांकनेवाला, पारा, ब्रा      |
|       | व्याहीहोकर पिता के         |       | ह्यणीस्त्री में क्षत्रिय से |
|       | घरमें रहनेवाली स्त्री      |       | उत्पन्न पुत्र, बढ़ई, पौ-    |
| २२०   | ७१ (सुव्रता) दुहने में सी- |       | राणिक, परिडत                |
|       | धी गौ                      | ७१    | ८ (सूतिकागृह) लड़का         |
| २५५   | ३२ (सुपम) सुन्दर           |       | होनेवाला घर                 |
| २०    | १७ (सुपमा) शोभा            | १३४   | ३६ (सूतिमास) जन्ममास        |
| १११   | १५५ (सुपत्री) करैला, का-   | २३४   | १६ (सूत्यान) चतुर           |
|       | लाजीरा                     | २३६   | २८ (सूत्र) सूत, डोरा        |
| ४२    | ४ (सुपिर) वाँसुरी          | ३७६   | २४ (सूत्रवेष्टन) कोरी का    |
| १०५   | १२८ (सुपिरा) पवारी         |       | पाई पसारना, सूतल-           |
| २०    | १९ (सुपीम) ठण्ड            |       | पेटना                       |
| ६१    | ६७ (सुपेण) करौंदा          | २१०   | २८ (सूद्) रसोई घरदार        |
| १००   | १०८ (सुपेणिका) कालात्रि-   |       | व्यञ्जन, सालन               |
|       | धारा                       | ३११   | ११२ (सूना) घेघरोग, मार-     |
| ३४७   | २ (सुष्टु) अतिशय, प्र-     |       | नेका स्थान, हिंसा           |
|       | शंसा, बढ़ाई करना           | १३१   | २७ (सूनु) पुत्र, लड़का      |
| २१४   | ४५ (सुसंस्कृत) दूसरीवस्तु  | ३९    | १६ (सूनृत) प्रिय और सत्य    |
|       | मिलाकर पकायाहुआ            |       | वचन                         |

| पृष्ठ | श्लोक                                    | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| २१०   | २७ (सूपकार) रसोई वर-<br>दार              |       | रुण वृक्ष  |
| २२    | २८ (सूर) सूर्य                           | १९३   | ७८ (सेना) फौज, चमू   |
| १११   | १५७ (सूरण) जर्मीकन्द                     | १८२   | ३३ (सेनांग) हाथी, घोड़ा<br>रथ, पैदल, सिपाही                |
| २४५   | १५ (सूरत) दयालु                          | ९     | ४० (सेनानी) स्वामिका-<br>र्तिक, फौजका अफसर                 |
| २३    | ३२ (सूरसूत) अरुण, सूर्यका<br>सारथी       | १९४   | ८१ (सेनामुख) फौज वि-<br>शेष तीनपत्ति                       |
| १६०   | ६ (सूरि) पण्डित                          | १८६   | ६१ (सेनारक्ष) फौज की<br>खबरदारी करनेवाला,<br>गस्त करनेवाला |
| २३८   | ३५ (सूर्मी) लोहे की प्रतिमा              |       |  |
| २२    | २८ (सूर्य) सूर्य                         | १७६   | ९ (सेवक) सेवक, नौकर  |
| ६१    | ३२ (सूर्यतनया) यमुना                     | २७१   | ५ (सेवन) कपड़ा आदि<br>सीना                                 |
| २६    | ८ (सूर्येन्दुसंगम) दर्श<br>नाम अमावास्या | २०३   | २ (सेवा) सेवा, नौकरी                                       |
| १४७   | ९१ (सूकन्) ओठों का<br>किनारा             | ११३   | १६४ (सेव्य) गौड़रकी जर<br>खसखस                             |
| १९६   | ८१ (सृग) डेलवांसी, गो-<br>फना            | २२    | २६ (सैहिकेय) राहु  |
| १८४   | ४१ (सृणि) अंकुश                          | ५६    | ९ (सैकत) बालूवाली<br>भूमि                                  |
| १४१   | ६७ (सृणिका) लार, थूक                     | ६२    | ३३ (सैतवाहिनी) सहस्र<br>वाहु की नदी                        |
| ६८    | १६ (सृति) रास्ता, मार्ग                  | १८९   | ६१ (सैनिक) फौजके लोग,<br>पहरा देनेवाला, गस्त<br>घूमने वाला |
| ३६६   | ३८ (सृपाटी) तौल विशेष                    | १८५   | ४४ (सैन्धव) सैन्धव न-<br>मक, घोड़ा                         |
| ११७   | १२ (सृमर) हरिण विशेष                     | १८९   | ६९ (सैन्य) फौजके लोग,<br>फौज                               |
| २९२   | ३८ (सृष्ट) निश्चित, बहुत<br>सुक्र        |       |  |
| ५७    | १३ (सैकपात्र) सींचनेका<br>वर्तन          |       |  |
| ५७    | १३ (सैचन) सींचने का<br>वर्तन             |       |  |
| ६८    | १५ (सेतु) बाँध, पुल, वा-                 |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|--|-------|---|
| १६३   | ७९ (सैन्यपृष्ठ) फौज का पिछला भाग             | ६२    | ३६ (सौगन्धिक) उजला कमल, रोहित नाम खर, गन्धक                                   |
| २१८   | ६४ (सैरिक) हरवाह                             | २३१   | ६ (सौत्रिक) दज्जी   |
| १२६   | १८ (सैरित्री) लौंडी                          | १८    | ६ (सौदामिनी) विजुली   |
| ११५   | ५ (सैरिभ) भैंसा                              | ७२    | १० (सौध) राजघर  |
| ६३    | ७५ (सैरियक) कटसरैया                          | १३१   | २४ (सौभागिनेय) सोहा-गिल का पुत्र  |
| ९३    | ७५ (सैरियक) कटसरैया                          | —     | —   |
| २६५   | ६७ (सोद) क्षमायुक्त, वर वास्त कियेहुये       | २२    | २६ (सौम्य) बुध, सुन्दर, चन्द्रमाहै देवता जिस का वह वस्तु                      |
| १३३   | ३४ (सोदर्य्य) सगाभाई                         | २१७   | ६० (सौरभेय) वैल   |
| २६    | १० (सोपल्लव) ग्रहणपरना                       | २१९   | ६६ (सौरभेयी) गौ   |
| ७४    | १८ (सोपान) सीढ़ी                             | ५३    | १० (सौराष्ट्रिक) विपविशेष   |
| ८३    | ८३ (सोभाञ्जन) सहिजन                          | २२    | २६ (सौरि) शनैश्वर   |
| १६    | १४ (सोम) चन्द्रमा                            | २१४   | ४३ (सौवर्चल) सौचर न-मक, सज्जी   |
| १६२   | ११ (सोमपा) सोमरस पी-ने वाला                  | १७६   | ८ (सौविद) राजा व राजा की स्त्रियों के पास वेंत लिये हुये रहने वाले वृद्धपुरुष |
| १६२   | ११ (सोमपीतिन्) सोमर-स पीनेवाला               | १७६   | ८ (सौविदल्ल) राजा व राजाकी स्त्रियोंके पास वेंतलियेहुये रहनेवाले वृद्धपुरुष   |
| ६७    | ६५ (सोमराजी) बकुची                           | ८४    | ३७ (सौवीर) वैरी के फल, कांजी, सुर्मा  |
| ८७    | ५० (सोमवल्क) उजला या दूधिया खैर (कटफल) कैफरा | २१७   | ५६ (सौहित्य) तर्पण, तृप्त करना  |
| १०७   | १३७ (सोमवल्लरी) ब्राह्मी या छयोंटा           |       |   |
| ९७    | ९५ (सोमवल्लिका) बकुची                        |       |   |
| ६७    | ८३ (सोमवल्ली) गुर्च                          |       |   |
| ६१    | २२ (सोमोद्भवा) नर्मदा नदी                    |       |   |
| १६१   | ७ (सौगत) नास्तिक                             |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| ७९    | १० (स्कन्द) स्वामिकार्तिक                         | ३०    | ११ (स्तव) स्तुति                              |
| ७९    | १० (स्कन्ध) वृक्षका जांघा,<br>कांथा, समूह, राजा   | ३०    | १६ (स्तवक) गुच्छा                             |
| ७९    | ११ (स्कन्धशाखा) ब्रह्मी<br>भारी डार               | २६८   | १०५ (स्तिमित) ओदा<br>गीला                     |
| २६७   | १०४ (स्कन्ध) चुआहुआ                               | २६९   | ११० (स्तुत) स्तुति किया<br>हुआ                |
| ५०    | ३६ (स्खलन) ऐंड़ककर<br>गिरना, लड़कों की<br>वैयाचाल | ३८    | ११ (स्तुति) स्तुति                            |
| २२०   | १०८ (स्खलित) छल धोखा                              | १६८   | ६७ (स्तुतिपाठक) वन्दी-<br>जन भाट              |
| १४४   | ७७ (स्तन) कुच, चूंची                              | ३५८   | १९ (स्तूप) बरा                                |
| १३५   | ४१ (स्तनन्धयी) दूध पीने<br>वाले बच्चे             | २३५   | २४ (स्तेन) चोर                                |
| १३५   | ४१ (स्तनपा) दूध पीनेवाले<br>बच्चे                 | २३६   | २५ (स्तेय) चोरी                               |
| ३८    | ६६ (स्तनयितु) मेघ, वादर                           | २७८   | २६ (स्तेम) गीला करना                          |
| १८    | ८८ (स्तनित) वादर का<br>गर्जना                     | २३६   | २५ (स्तेन्य) चोरी                             |
| ११५   | ३३ (स्तब्धरोमन्) सूअर                             | २५७   | ६१ (स्तोक) थोड़ा                              |
| ७८    | १९ (स्तम्ब) ठूठवृक्ष, खर<br>आदिका गुच्छा पूरा     | ११८   | १७ (स्तोकक) चातक; प-<br>पीहा                  |
| २०८   | २३ (स्तम्बकरि) साधारण<br>धान्य, मामूली नाज        | ३८    | ११ (स्तोत्र) स्तुति, तारीफ                    |
| २७९   | ३५ (स्तम्बघन) खन्त ग-<br>देल, बेलचा               | १२३   | ४० (स्तोम) समूह, स्तुति<br>यज्ञ               |
| ३७९   | ३५ (स्तम्बघ्न) खन्ता, गदे-<br>ल्ला; बेलचा         | १२५   | २ (स्त्री) स्त्री, औरत                        |
| १८२   | ३५ (स्तम्बेय) हाथी                                | १३०   | २० (स्त्रीधर्मिणी) रजस्वला                    |
| ३१६   | ३४ (स्तम्भ) खम्भा, धून्ही,                        | १२३   | ३८ (स्त्रीपुंस) स्त्री पुरुष का<br>जोड़ा      |
|       |   | १६४   | २० (स्थण्डिल) यज्ञ आदि<br>का शीतरा            |
|       |   | १७१   | ४७ (स्थण्डिलशायिन्) पृ-<br>थ्वी में सोवनेवाला |



| पृष्ठ | श्लोक  | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|-------|--|
| १६२   | ११ (स्थपति) बृहस्पति,<br>(संचनोम यज्ञकाकर्ता,<br>(कारिगर थवई                             | १९५   | ८४ (स्थापनी) पाठा, पाँ-<br>द्वारि                      |
| १६६   | ६ (स्थल) थल, जगह, प्र-<br>देश  | १९९   | १०१ (स्थामन्) सामर्थ्य                                 |
| १६६   | ६ (स्थली) थल, जगह,<br>प्रदेश   | १७६   | ७ (स्थायुक) एकगाँव<br>काठकेदार, अधिकारी                |
| १३५   | ४२ (स्थविर) बूढ़ा पुरुष  | २६३   | ३२ (स्थाल) थारा  |
| २६९   | १११ (स्थविण्ड) अतिशय<br>मोटा   | २११   | ३१ (स्थाली) बटुई, प-<br>तीली                           |
| १८३   | ३५ (स्थाणु) शिव, ढूँठ,<br>खम्भा, पर्वत   | २६०   | ७३ (स्थावर) वृत्तादिक                                  |
| १७१   | ४८ (स्थाण्डिल) व्रतादि<br>हेतु से पृथ्वी में सोने<br>वाला                                | १३५   | ४० (स्थाविर) बुढ़ापा                                   |
| १६१   | ८ (स्थाद्रादिक) मोक्ष<br>मार्ग का दिखानेवाला   | १५५   | १२३ (स्थासक) चन्द्रनादि<br>का अंगमें लेपना             |
| १११   | ११७ (स्थान) अवकाश,<br>स्थिति, नीति जानने<br>वालों का त्रिवर्गविशेष                       | २५६   | ७३ (स्थास्तु) अतिस्थिर                                 |
| ६९    | १ (स्थानीय) दूसरे कोट<br>आदि से घिरा हुआ<br>बड़ा स्थान अर्थात्<br>राजधानी                | १८०   | २६ (स्थिति) मर्यादा,<br>आसन                            |
| ३४६   | ११ (स्थाने) युक्त, उचित  | २५९   | ७३ (स्थिरतर) अतिस्थिर                                  |
| १७६   | ५८ (स्थापत्य) राजा व<br>राजाकी स्त्रियाँकेपास<br>बैत, लिये हुये रहने<br>वाले बृद्ध पुरुष | ६५    | २ (स्थिरा) पृथ्वी, स-<br>रिवन                          |
|       |  | ८७    | ४६ (स्थिरायु) सेमर                                     |
|       |  | २३८   | ३५ (स्थूणा) लोहेकी प्र-<br>तिमा, घरका खम्भा,<br>धुन्दी |
|       |  | २५७   | ६१ (स्थूल) जड़, मोटा                                   |
|       |  | २४३   | ६ (स्थूललक्ष्य) अति-<br>दानी                           |
|       |  | १५३   | ११६ (स्थूलशाटक) मोटा<br>वख                             |
|       |  | ३१६   | ११८ (स्थूलोच्चय) कम, हा-<br>थियोंकी मन्द्याल           |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|-------|---|
| २५९   | ७३ (स्येयस्) अतिस्थिर   | २७४   | १४ (स्पष्ट) परसन्ताप                                |
| १०६   | १३२ (स्थौण्य) कुकरोधा   | ५२    | ६ (स्फटा) फणा                                       |
| १८५   | ४६ (स्थौग्नि) लदुआघोड़ा   | २७२   | ६ (स्फाति) वदती                                     |
| २७२   | ९ (स्नव) बहना, टपकना  | १४३   | ७५ (स्फिच्) कूल, स्त्रियों<br>की कमरका पिछला<br>भाग |
| १७१   | ४६ (स्नातक) वेदव्रत धा-<br>रण कियेहुये गुरूकी<br>आज्ञासे स्नान करने<br>वाला | २५७   | ६३ (स्फिर) बहुत                                     |
| १५५   | १२३ (स्नान) नहाना, स्नान  | ७८    | ७ (स्फुट) साफ, फूला<br>हुआ                          |
| १४१   | ६६ (स्नायु) नस  | २७१   | ५ (स्फुटन) फूटना                                    |
| १७७   | १२ (स्निग्ध) समान अ-<br>वस्थावाला, चिकना,<br>प्यारा, स्नेही                 | २७२-  | १० (स्फुरण) फरकना                                   |
| ७५    | ५ (स्न) पर्वतकाकिनारा   | २७२   | १० (स्फुरणा) फरकना                                  |
| २६४   | ६२ (स्तुत) बहताहुआ  | १३    | ५८ (स्फुलिङ्ग) अग्निके<br>कणा, चिनगारी              |
| १२७   | ६ (स्तुपा) पतोहू  | ८५    | ३८ (स्फूर्जक) तेंदुआ                                |
| ९९    | १०५ (स्तुह) सेहुँड़ा  | १८    | १० (स्फूर्जथु) वज्र या<br>विजलीका शब्द              |
| ९९    | १०५ (स्तुही) सेहुँड़ा   | २६६   | ११२ (स्फेष्ट) अधिक से<br>अधिक                       |
| ४७    | २७ (स्नेह) प्रेम, प्रीति  | ३४८   | ५ (स्म) पादपूरण में,<br>धीताहुआ काल                 |
| ३२    | ७ (स्पर्श) छूना, वायु<br>का गुण, परसन्ताप                                   | ५     | २५ (स्मर) कामदेव                                    |
| १४    | ६२ (स्पर्शन) दान, वायु,<br>हवा  | ७     | ३४ (स्मरहर) शिव                                     |
| १७७   | १३ (स्पर्श) जासूम, युद्ध  | ४६    | ३४ (स्मित) थोड़ा हँसना,<br>मुसुकुराना               |
| २६१   | ८१ (स्पष्ट) साफ   | ४८    | २९ (स्मृति) चिन्ता, धर्म<br>शास्त्र,                |
| १०६   | १३३ (स्पृका) अस्परक   | १४    | ६५ (स्यद) वेग                                       |
| ९७    | ६३ (स्पृशी) भटकटया  | ८२    | २६ (स्यन्दन) तिनिसवृष,                              |
| २७२   | ९ (स्पृष्टि) छूना   |       |   |
| ४८    | २७ (स्पृटा) मनोरथ   |       |   |

| पृष्ठ | श्लोक                                     | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
|       | लड़ाई में चढ़नेका रथ                      | २२७   | १०० (स्रोतोञ्जन) सुम्मा                                  |
| १८६   | ६० (स्यन्दनारोह) रथपर सवारहोकेलड़नेवाला   | १३३   | ३४ (स्व) अपने बन्धुवर्ग जाति,आत्मा,आत्मीय,धन.            |
| १६१   | ६७ (स्यन्दिनी) लार                        | २४५   | १५ (स्वच्छन्द) स्वतन्त्र                                 |
| १५४   | ६२ (स्यन्न) बहता हुआ                      | १३३   | ३४ (स्वजन) अपने बन्धुवर्ग                                |
| २१०   | २६ (स्यूत) थैली, बीना हुआ कपड़ा           | २४५   | १५ (स्वतन्त्र) अपने आधीन                                 |
| २७१   | ५ (स्यूति) कपड़े आदि सीवना                | ३४८   | ८ (स्वधा) पितरोंके लिये त्याग                            |
| २९३   | ५७ (स्योनाक) सरिवन                        | १९६   | ९२ (स्वधिति) कुल्हरी, फरसा                               |
| २८२   | २८ (संसिन्) पीलुआ वृक्ष                   | ४०    | २२ (स्वन) शब्द   |
| १५८   | १३६ (स्रज्) माला                          | २६५   | ६४ (स्वनित) बजता हुआ                                     |
| २७२   | ६ (स्रव) बहना, झर्ना                      | ५०    | ३६ (स्वप्न) सोना   |
| २१६   | ६६ (स्रवद्गर्भा) जिस गौ का गर्भ गिरजाताहो | २५०   | ३३ (स्वप्नज्) सोनेवाला                                   |
| ६१    | ३० (स्रवन्ती) नदी                         | ५०    | ३८ (स्वभाव) स्वभाव                                       |
| ९५    | ८३ (स्रवा) चिनार बौड़ी                    | ४     | १८ (स्वभू) विष्णु  |
| ४१    | १७ (स्रष्टृ) ब्रह्मा                      | १२६   | ७ (स्वयंवरा) अपने आपस्वयम्बरमें पतिको वरण करनेवाली कन्या |
| २६७   | १०४ (स्रस्त) चुआ, टपका हुआ                | ३५०   | १६ (स्वयम्) अपनासे                                       |
| ३४७   | २ (स्राक्) जल्दी                          | ३     | १६ (स्वयम्भू) ब्रह्मा                                    |
| २६४   | २९२ (स्रुत) बहता हुआ                      | १     | ६ (स्वर) स्वर्गलोक, परलोक                                |
| १६६   | २७ (स्रुव) यज्ञका पात्र विशेष             | ३६    | ४ (स्वर) उदात्तादिस्वर, निपादादिस्वर                     |
| ९५    | ८३ (स्रुवा) चिनार बौड़ी                   | ११    | ४८ (स्वरु) इन्द्रका वज्र                                 |
| ८४    | ३७ (स्रुवावृक्ष) कँटाय                    |       |  |
| ५६    | ११ (स्रोतस्) इन्द्रिय, नदी का वेग         |       |  |
| ६१    | ३० (स्रोतस्वती) नदी                       |       |  |

| पृष्ठ | श्लोक   | पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|---|-------|--|
|       | यज्ञ, वाण, घृपका ख-<br>ण्ड                        | १००   | १०७. (स्वादी) दाख  |
| ५०    | ३८ (स्वरूप) स्वभाव, वृध<br>पण्डित, सुन्दर, अपना   | १७१.  | ५० (स्वाध्याय) वेदाभ्यास,<br>वेदका पढ़ना                       |
| १०१   | ६ (स्वर्ग) स्वर्गलोक                              | ४०    | २३. (स्वान्) शब्द  |
| २२६   | ९४ (स्वर्ण) सोना, सुवर्ण                          | ३१    | ३१ (स्वान्त) मनु   |
| २३३   | ८ (स्वर्णकार) सोनार                               | ५०    | ३६ (स्वाप) सोना  |
| १०७   | १३७ (स्वर्णक्षीरी) मकोइ                           | २२५   | ९० (स्वापतेय) धन   |
| ११    | ५० (स्वर्णदी) आकाश<br>गंगा                        | २४४   | ११. (स्वामिन्) मालिक,<br>राज्याह्न                             |
| २२    | २६ (स्वर्मानु) राहु                               | १०    | ४४ (स्वाराज्) इन्द्र   |
| ११    | ५३ (स्वर्वेश्या) उर्वशी,<br>आदि अप्सरा            | १६५   | २३ (स्वाहा) अग्निदेवता<br>की, स्त्री, देवताओं के<br>लिये-त्याग |
| ११    | ५२ (स्वर्वेद्य) अश्विनीकु-<br>मार                 | २४३   | २४१. (स्वित्) प्रश्न, वितर्क                                   |
| १३२   | २९ (स्वसृ) वहिन                                   | ४९    | ३३. (स्वेत्) पत्नीना या<br>धाम                                 |
| ३४३   | २१० (स्वस्ति) कल्याण, पु-<br>ण्य, मङ्गल, आशीर्वाद | २४४   | ५१ (स्वेदज) किरवा, ढाँस<br>मसा; खटमलआदि                        |
| ७२    | १० (स्वस्तिक) राजघर<br>जिसमें चार दरवाजे हों      | २१०   | ३० (स्वेदनी) भट्टी, भार  |
| १३२   | ३२ (स्वस्तीय) वहिन का<br>लड़का, भांजा             | ३३०   | १९१ (स्वैर) स्वेच्छाचारी,<br>सुस्त                             |
| ३६६   | ३८ (स्वाति) स्वाती नक्षत्र                        | २२७   | ११ (स्वैरिणी) छिनारिखी   |
| २६६   | ११० (स्वादित) खायागया                             | २७०   | ३ (स्वैरिता) अपनी इच्छा  |
| ३०६   | ९४ (स्वाद्) प्रिय, मधुर                           | २४५   | १५ (स्वैरिन्) स्वतन्त्र<br>(ह)                                 |
| ८४    | ३७ (स्वादकण्ठक) कँटाय,<br>गोखुरु                  | ३४८   | ५ (ह) पादपूरण  |
| १०२   | १४४ (स्वादुरसा) काकोली                            | २३    | ३१ (हंस) सूर्य, उजले<br>पंखवाला हंसपक्षी                       |
|       |   | १५२   | ११० (हंसक) पेरकाकड़ा   |

| पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|
| १६    | ८६ (हंजिका) भँगिरा  |
| ४५    | १५ (हञ्जे) नीच लौड़ी के पुकारने में   |
| ३५८   | १८ (हट्ट) हाट, बाजार  |
| १०५   | १३० (हट्टविलासिनी) कन्दनि   |
| २००   | १०८ (हठ) हठ   |
| ४५    | १५ (हरडे) नीच लौड़ी के पुकारने में  |
| २५२   | ४१ (हत) निराश किया हुआ  |
| १०५   | १३० (हनु) ककूदनि, कनपटा   |
| ३४४   | २४३ (हन्त) हर्ष, दया, वाक्यारम्भ, विपाद   |
| २६५   | ९६ (हन्न) हगाहुआ, विष्ठा  |
| १८५   | ४४ (हय) घोड़ा   |
| १८७   | ५२ (हयन) जनाना रथ   |
| १०७   | १३८ (हयपुच्छी) मूँग   |
| ६३    | ७६ (हयमारक) कंदैल   |
| ७     | ३४ (हर) शिव   |
| १८१   | २८ (हरण) दायज, दहेज   |
| ११४   | १ (हरि) सिंह, यमराज, वायु, इन्द्र, चन्द्रमा, सूर्य, विष्णु, किरण, घोड़ा, शुआप्रक्षी, सर्प, घुन्दर, मेढ़क, कपिलरंग |
| १११   | ११ (हरिचन्दन) देववृक्ष,   |

| पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|
|       | कपिलवर्ण के चन्दन  |
| ३४    | १३ (हरिण) कुछ पीलारंग, हरिण, मृग   |
| २६५   | ५० (हरिणी) हरिण की स्त्री, मृगी, सोने की प्रतिमा, हररंगवाली, चस्तु, छन्द विशेष |
| १६    | १ (हरित) विशा, हरारंग  |
| ३४    | १४ (हरित) हरारंग   |
| २११   | ३४ (हरितक) ताग   |
| ३६३   | ३२ (हरिताल) हरतार  |
| २२८   | १०३ (हरितालक) हरतार  |
| २२    | २६ (हरिदम्ब) सूर्य   |
| २१३   | ४१ (हरिद्रा) हरदी  |
| ३४    | १४ (हरिद्राम) पीलारंग  |
| ९८    | १०१ (हरिद्रु) दारुहलदी   |
| २२५   | ९२ (हरिन्मणि) मरकत मणि   |
| ६     | २७ (हरिप्रिया) लक्ष्मी   |
| २०८   | १८ (हरिमन्थक) चना  |
| १०३   | १२१ (हरिवालुक) एलुआ वृक्ष  |
| १०    | ४४ (हरिहय) इन्द्र  |
| ८९    | ५९ (हरितकी) हर, हरका फल  |
| १०३   | १२० (होणु) गगनधूरि, मटर  |
| ७२    | ९ (हर्म्य) धनिकोंका मकान   |

| पृष्ठ | श्लोक                    | पृष्ठ | श्लोक                    |
|-------|--------------------------|-------|--------------------------|
| ११४   | १ (हर्यक्ष) सिंह         |       | हाथ, नक्षत्र विशेष,      |
| २१    | २४ (हर्ष) खुशी, प्रीति   |       | हाथी की शूँड़            |
| २४३   | ७ (हर्षमाण) खुश, प्रसन्न | २७१   | ५ (हस्तवारण) किसी को     |
| २०६   | १३ (हल) हर               |       | कोई मारता हो तो उस       |
| ४५    | १५ (हला) अपनी सखी        |       | का हाथ पकड़ लेना,        |
|       | के पुकारने में           |       | मारनेको निश्चय किये      |
| ५     | २३ (हलायुध) बलदेव        |       | हुये का रोकना            |
| ५३    | १० (हलाहल) जहर, विष      | १८२   | ३४ (हस्तिन्) हाथी.       |
| ५     | २४ (हलिन्) बलदेव         | ७३    | १७ (हस्तिनस्र) दरवाजे    |
| ८५    | ४२ (हलिप्रिय) कदम्बवृक्ष |       | के आगे बनाई हुई च-       |
| २३६   | ३६ (हलिप्रिया) दारू, म-  |       | ढ़ा उतार भूमि            |
|       | दिरा                     | १८८   | ५९ (हस्तिपक) हथिवाल      |
| २०५   | ८ (हल्य) जोताहुआ खेन     |       | महावत                    |
| २८०   | ४१ (हल्या) हरींकासमूह    | १८८   | ५९ (हस्त्यारोह) हथवाल,   |
| ६२    | ३६ (हल्लक) लालकमल        |       | महावत                    |
| २७२   | ८ (हव) पुकारना, आज्ञा,   | ३४६   | ३५५ (हा) विपाद, शोक,     |
|       | यज्ञ                     |       | पीड़ा.                   |
| १६६   | २९ (हविस्) होमकरनेकी     | २२६   | ९४ (हाटक) सोना, सुवर्ण   |
|       | वस्तु, गौकाधी            | २८    | २० (हायन) घरस, साल       |
| १६५   | २५ (हव्य) देवताओं का     |       | ज्वाला, सौंठी आदि        |
|       | अन्न                     |       | धान                      |
| १२    | ५६ (हव्यवाहन) अग्नि      | १५०   | १०५ (हार) मोतियों की     |
| ४६    | १८ (हस) हँसी, हँसना,     |       | माला                     |
|       | हास्यरस                  | १२२   | ३५ (हारीत) हारिलपच्ची    |
| २१०   | ३० (हसनी) नीआई, बो-      | ४७    | २७ (हार्द) प्रेम, प्रीति |
|       | रसी, अंगेठी              | २३९   | ३९ (हाला) दारू, मदिरा    |
| २१०   | २६ (हसन्ती) नीआई, बो     | २१८   | ६४ (हालिक) हरवाह         |
|       | रसी, अंगेठी              | ४६    | ३२ (हाव) रतिकी इच्छा     |
| १४६   | ८६ (हस्त) धँधेहुये वाल.  |       | से स्त्रियोंकी क्रिया और |

| पृष्ठ | श्लोक                    | पृष्ठ | श्लोक                      |
|-------|--------------------------|-------|----------------------------|
|       | चेष्टा विशेष             | २०    | १८ (हिम) पाला, ठण्ड        |
| ४६    | १६ (हास) हँसी, हास्यरस   | ७५    | ३ (हिमवत्) हिमालय          |
| १८३   | ३६ (हास्तिक) हाथियोंका   |       | पर्वत                      |
| -     | समूह                     | १५७   | १३१ (हिमवालुका) कपूर       |
| ४६    | १९ (हास्य) रस विशेष,     | २०    | १८ (हिमसंहाति) पालाका      |
|       | हँसी, हँसना              |       | समूह                       |
| १२    | ५३ (हाहा) गन्धर्व विशेष  | १६    | १३ (हिमांशु) चन्द्रमा      |
| ३४६   | २५६ (हि) हेतु, कारण, नि- | २०    | १८ (हिमानी) पाला का        |
|       | श्चय, पादपूरण            |       | समूह                       |
| ३३९   | २२८ (हिंसा) चोरी आदि     | १०७   | १३८ (हिमावती) भकोइ         |
| -     | कर्म, प्राणियों का       | २२५   | ९१ (हिरण्य) सोना और        |
| -     | नाश                      |       | चांदी, सोना, सुवर्ण,       |
| २७५   | १९ (हिंसाकर्मन्) किसी    |       | धन                         |
|       | के मरनेका पुरश्चरण       | ३     | १६ (हिरण्यगर्भ) ब्रह्मा    |
| २४८   | २८ (हिंस्र) प्राणियों का | ६२    | ३४ (हिरण्यबाहु) शोण-       |
|       | नाश करनेवाला ह-          |       | भद्रनद                     |
|       | त्यार                    | १२    | ५६ (हिरण्यरेतस्) आगि       |
| ३५४   | ८ (हिक्का) हिचकी         | ३४७   | ३ (हिरूक्) वर्जना, स-      |
| २१३   | ४० (हिंगु) हींग          |       | मीप                        |
| ९०१   | ६२ (हिगुनिर्यास) नीषका   | १११   | १५७ (हिलमोचिका) हिल-       |
|       | वृक्ष                    |       | साका साग                   |
| ३५६   | २० (हिंगुल) ईंगुर, शिंग- | ३४८   | ६ (ही) विस्मय              |
|       | रिफ                      | २६८   | १०७ (हीन) त्यागा, छोड़ा    |
| १०१   | ११४ (हिगुली) वनभांटा,    |       | हुआ, न्यून, कम             |
| -     | भांटा                    | १६५   | २३ (हुतभुक्प्रिया) अग्नि   |
| ६०    | ६१ (हिज्जल) समुद्रफल     |       | की स्त्री स्वाहा           |
| २२८   | १०५ (हियडीर) समुद्रफेन   | १२    | ५६ (हुतभुज्) आगि           |
| ११४   | १६६ (हिन्ताल) छोटा ता-   | ३४५   | २५१ (हुम्) वितर्क, प्रश्न, |
|       | ड़ विशेष                 |       | तर्क                       |

| पृष्ठ | श्लोक   |
|-------|---|
| ३७    | ८ (हृति) पुकारना  |
| १२    | ५३ (हूहू) गन्धर्वविशेष  |
| २७८   | ३२ (हृणीया) करुणा<br>वा धिनाना                                |
| ३१    | ३१ (हृद्) मन  |
| ३१    | ३१ (हृदय) मन  |
| ३६    | १८ (हृदयंगम) युक्रयुक्र,<br>बहुत मुनासिब, मन-<br>मानी वस्तु   |
| २४२   | ३ (हृदयालु) शुद्धमन<br>वाला, सीधा मनुष्य                      |
| २५५   | ५३ (हृद्य) प्यारा   |
| ३३    | ८ (हृपीक) इन्द्रिय  |
| ४     | १८ (हृपीकेश) विष्णु   |
| २६७   | १०३ (हृष्ट) आनन्द, खुश  |
| २४३   | ७ (हृष्टमानस) प्रसन्न<br>चित्त, खुश                           |
| ३४८   | ७ (हे) सम्बोधन  |
| १३    | ५८ (हेति) अग्नि की ज्वा-<br>ला, सूर्य की किरण,<br>हथियारविशेष |
| ३०    | २८ (हेतु) कारण  |
| ७५    | ३ (हेमकूट) पर्वत विशेष  |
| ८३    | २२ (हेमदुग्धक) गूलर   |
| ९२६   | ६४ (हेमन्) सोना, सुवर्ण                                       |
| २८    | १६ (हेमन्त) अगहन, पूस   |
| ९०    | ६२ (हेमपुष्पक) चम्पा-<br>लृच                                  |
| ९२    | ७१ (हेमपुष्पिका) पीले   |

| पृष्ठ | श्लोक  |
|-------|--|
|       | रैगकीजूही  |
| ११    | ५७ (हेमाद्रि) सुमेरुपर्वत                                      |
| ६     | ३९ (हेम्व) गणेश  |
| ४६    | ३२ (हेला) अपगणना<br>'पूर्वक' दीनतादिखाने<br>का नाम             |
| १८६   | ४७ (हेपा) घोंड़ोंका हिन-<br>हिनाना                             |
| ३२८   | ७ (हे) सम्बोधन   |
| १८    | ३७ (हेमवती) पार्वती, हर,<br>उजली वच, मकोय                      |
| २१३   | ५२ (हैयद्ग्वीन) एकरात<br>हीके जमायेहुये 'दही'<br>से उत्पन्न घी |
| १६४   | १६ (हीतृ) ऋग्वेद जानने<br>वाला                                 |
| ३५५   | १० (होरा) एक मेपादि<br>राशिकां आधाभाग,<br>या लग्न              |
| ३५१   | २२ (ह्यस्) पूर्ववीताहुआ<br>दिन                                 |
| ६०    | २५ (हृद्) गहिरैजलवाला<br>कुण्ड                                 |
| ६१    | ३० (हृदिनी) नदी  |
| २६९   | ११२ (हृसिष्ठ) अतिछोटा  |
| १३६   | ४६ (हृस्व) छोटा, वामन<br>वचना                                  |
| १०२   | ११७ (हृस्वगवेधुका) कँकही<br>चूच                                |



| पृष्ठ | श्लोक                                  | पृष्ठ | श्लोक                             |
|-------|--|-------|-----------------------------------|
| १०८   | १४२ (ह्रस्वांग) जीवक                   | २६४   | ६१ (ह्रीत) लज्जित                 |
| ११    | ४८ (ह्रादिनी) इन्द्रका<br>वज्र, विजुली | १०३   | १२२ (ह्रीधेर) नेत्रवाला           |
| ४७    | २३ (ह्री) लज्जा                        | १८६   | ५७ (ह्रेपा) घोड़ोंकाहिन<br>हिनाना |
| २६४   | ६१ (ह्रीण) लज्जित, शर्मिन्दः           | १०४   | १२४ (ह्रादिनी) सालवृक्ष           |

इत्यमरकोशमूलशब्दानुक्रमणिका ।

## अथ वैद्यककोशप्रारम्भः ॥

श्लोक ॥ लम्बोदरं नमस्कृत्य गुरुधन्वन्तरि तथा ॥

अकारादिक्रमेणैव कोशोयं भण्यते मया ॥ १ ॥

(अ)

(अन्धक) तुंबुल  
(अभया) हड़  
(अमृता) हड़, अंबरा, गिलोय  
(अब्धिकफ) समुद्र का फेना  
(अव्यथा) हड़, महामुंडी, स्थल  
कमल, मेवड़ी  
(अक्ष) बहेड़ा, कालानिमक, कर्प,  
पद्माक्ष, रुद्राक्ष, शकट, इ-  
न्द्रिय, पांशा  
(अक्षीव) पांगानोन, महिजन, महा  
निंब  
(अधरा) मेद

(अनल) चीता  
(अजमोदा) अजमोद  
(अजमोदिका) अजवाइन  
(अजाजी) सफेदजीरा  
(अमोघा) वायुविडंग, पाढरि  
(अश्वत्थफल) दूसरी हाजवेर  
(अष्टवर्ग) जीवक, ऋषभक, मेदा,  
महामेदा, काकोली, क्षीर  
काकोली, ऋद्धि, वृद्धि  
(अशोका) कुटकी  
(अनार्यतिक्र) चिरायता  
(अर्द्धतिक्र) चिरायता जो नैपाल  
में होता है

(अम्बुष्ठा) मोड़या, जूही, अमलो-  
नियाँ, पाढ़र, मोचिका

(अम्बा) मोड़या

(अम्बालिका) मोड़या

(अम्बिका) मोड़या

(अजशृंगिका) काकड़ा सींगी,  
मेढ़ासींगी

(अजशृंगी) काकड़ासींगी, मेढ़ासींगी

(अंगारवल्ली) भंगरैया, भारंगी, मूंज

(अतिछत्रा) सोवा

(अश्मघ्न) पापाण भेद

(अरुणा) मंजीठ, अतीस

(अलक) लाख

(अवल्गुज) वकुची

(अतिविषा) अतीस

(अरिष्ट) लहसुन, नींबू, मद्य

(अग्निक्) भेलावां, करिआरी

(अग्निमुखी) भेलावां, करिआरी

(अरुष्क) भेलावां, करिआरी

(अरुष्कर) भेलावां, करिआरी

(अन्ध) कालानोन

(अहिफेनक) अफीम

(अगुरु) अगर, सीसव

(अनार्यक) अगर

(अम्बु) सुगन्धघाला, पानी

(अमृणाल) खस, लामज्जक, खस  
के समान पीलेरंगका  
एक तृण

(अंगनाप्रिया) पियंगु, ककुनी

(अवदातक) खसके समान पीले

रंगका एक तृण

(असृक्) सुगन्धित शाक विशेष

(अग्निसंस्पर्शा) उत्तर देशमें पद्मा-  
वती नामसे प्रसि-  
द्ध द्रव्य

(अञ्जनकेशी) उत्तर देशमें नलिका  
नामसे प्रसिद्ध द्रव्य

(अमृतवल्लरी) गिलोय, गुर्च

(अलिवल्लभा) पाढ़रि

(अग्निमन्थ) अरणी

(अरलु) सोनापाढ़ा

(अंशुमती) सरिवन

(अंधिपर्णी) पिठवन

(अल्पिका) वनमूंग

(अदण्डक) सफेद, अरंड

(अलर्क) सफेदमदार

(अर्क) मदार

(अर्कपर्ण) लालमदार

(अग्निशिखा) करिआरी

(अनन्ता) करिआरी, नीलीदूष, ज-  
वासा

(अश्वमारक) सफेद कनैर

(अटरूपक) रूसा

(अपराजिता) विष्णुकान्ता, शालि-  
पर्णी

(अजरा) केवांच

(अव्यण्डा) केवांच

(अतिरुहा) रोहिणी

(अभ्रपुष्प) येंत

(अम्बुज) समुद्रफल

(अङ्कोट) ढेरा, अंकोल  
 (अङ्कोल) ढेरा, अंकोल  
 (अतिवला) ककहिया  
 (अर्द्धकण्टिका) महासतावर  
 (अश्वगन्धा) असगन्ध  
 (अम्बुष्ठका) पाढ़रि  
 (अम्बुष्ठकी) पाढ़रि  
 (अर्द्धचन्द्रा) कालानिशोथ  
 (अतितपस्विनी) महामुण्डा  
 (अपामार्ग ) लटजीरा, लहचिचरा  
 (अधःशल्य) लटजीरा, लहचिचरा  
 (अस्थिशृंखला) हरसिंगार  
 (अस्थिसंहारक) हरसिंगार  
 (अस्थिसंहारी) हरसिंगार  
 (अंगारक) भंगरा  
 (अमरवल्लरी) अमरवेल  
 (अर्कपुष्पी) अर्कपुष्पी  
 (अलम्बुपा) खेतकी लज्जावंती  
 (अरविन्द) कमल  
 (अम्भोरुह) कमल  
 (अतिचरा) स्थल कमल  
 (अतिमञ्जुला) सेवती गुलाब  
 (अतिकेशर) कूजा  
 (अलिकुलसंकुला) कूजा  
 (अतिमुक्क) मोतिया  
 (अशोक) अशोक  
 (अम्लाटन) वाणपुष्प गौड़ देश  
 प्रसिद्ध  
 (अम्लात) वाणपुष्प  
 (अम्लातक) वाणपुष्प

(अगस्त्य) अगस्ति  
 (अपेतराक्षसी) तुलसी  
 (अजगन्धिका) ववई  
 (अर्जक) सफेद ववई  
 (अश्वत्थ) पीपर  
 (अश्वत्थभेद) बेलिया पीपर  
 (अश्वकर्षिका) शाल, साखू  
 (अजककर्ण) शालभेद, एकतरह,  
 का साखू  
 (अर्जुननामाख्य) अर्जुन वृक्ष,  
 कौह  
 (असन) विजयसार  
 (अरिमेदक) दुर्गन्धितखयर  
 (अरिष्टक) रीठा  
 (अर्थसाधन) रीठा  
 (अर्थसाधक) पतौजिया  
 (अद्धार वृक्ष) गोंदी इंगुदी  
 (अपत्र) करील  
 (अग्निदीपन) वरना  
 (अम्बुशिरीपिका) जल शिरस  
 (अतिसौग्म) आम  
 (अतिवृहत्फल) कटहल  
 (अम्बुसारा) केला  
 (अंशुमतीफला) केला  
 (अशितशारक) तेंदुआ  
 (अल्पास्थि) फालसा  
 (अमृतफल) नासपाती  
 (अक्षोट) अखरोट  
 (अम्ला) इमली  
 (अम्लिका) इमली

(अम्ली) इमली  
 (अम्लवेतस) अमलवेत  
 (अम्लवृक्ष) विपाश्चिन्त  
 (अद्रिजतु) शिलाजीत  
 (अग्मज) शिलाजीन  
 (अन्न) अन्नक  
 (अञ्जन) सफेद तथा काला सुरमा  
 (अश्मगर्भ) पत्रा  
 (अतसी) अलसी  
 (अतियव) जौ जिसमें नोक नहीं  
 होती है  
 (अमृतवह्वरी) पोय  
 (अल्पमारिष) चोराई  
 (अम्ललोणिका) अमलोनियों  
 (अश्मन्तक) अमलोनियों, कच-  
 नार  
 (अम्लपत्रक) अमलोनियों  
 (अरिमर्द) कसौदी  
 (अगस्तिकुमुम) अगस्त्यकेफूल  
 (अलाव) लौकी  
 (अमृताफल) परवल  
 (अर्शोघ्न) जर्मीकन्द  
 (अण्डज) मछली, पक्षी  
 (अज) वकरा  
 (अजा) वकरी  
 (अवि) भेंडा  
 (अनदुह) बैल  
 (अर्धन्) घोड़ा  
 (अन्धस्) भात  
 (अन्न) भात

(अद्वारकर्कटी) वाटी, लीटी  
 (अलीकमत्स्य) पानकासहिंड़ा  
 (अम्लिकाफलपानक) इमलीकापना  
 (अप्) पानी  
 (अमृत) पानी  
 (अम्भस्) पानी  
 (अर्णस्) पानी  
 (असिपत्र) ईख  
 (अग्निशिख) केशर, कुसुम्भ, कुसुम  
 (अग्नि) चीता, भिलावाँ  
 (अस्वित) अमलतास  
 (आ)  
 (आर्द्रक) अदरक  
 (आर्द्रिका) अदरक  
 (आरग्वध) अमलतास  
 (आप्रगन्धा) कपूरहल्दी  
 (आसुर) विडनोन  
 (आफूक) अफीम  
 (आमण्ड) सफेद अरण्ड  
 (आस्फोट) लालमदार  
 (आटरूप) अरुसा  
 (आटरूपक) अरुसा  
 (आस्फोता) विष्णुकान्ता  
 (आत्मगुप्ता) केवाच  
 (आखुकर्णी) बड़ीदत्यून, या, वघर-  
 षडा, मूसाकर्णी  
 (आखुपर्णी) बड़ीदत्यून या वघरंडा  
 मूसाकर्णी  
 (आकाशवह्वी) अमरवेल  
 (आनन्दा) वरसातीवेल

(आर्त्तगल) नीलीकटसरैया  
 (आभापपदमोदिनी) वबूल  
 (आपीन) तुनि  
 (आम्र) आम  
 (आम्रावर्त्त) अमावट, अमरस  
 (आम्रवीज) आमकी विजली  
 (आम्रातक) अम्वार, अमरा  
 (आम्रात) राजाम्र  
 (आयस्) लोहा  
 (आर) पीतल  
 (आरकूट) पीतल  
 (आल) हरताल  
 (आढकी) सोरठी मट्टी, अरहर  
 (आसुरी) राई  
 (आचारी) हुरहुर  
 (आरुक) आलू  
 (आलुक) आलू  
 (आलुकी) अरुई  
 (आमिष) मांस  
 (आर्द्रिकवट) अदवरा, मूंगकीडुवकी  
 (आज्य) घी  
 (आस्फीता) विष्णुक्रान्ता, सारिवा  
 (इ) (इष्ट कापथक) खसके समान पीले  
 रंग का एकतृण  
 (इक्षुगन्धिका) गोखरू  
 (इक्षुस) कास  
 (इक्षुवालिका) कास  
 (इक्षुगन्धा) कास, विदारीकन्द,  
 तालमखाना, गोखरू

(इन्द्रवारुणी) इन्द्रायन  
 (इन्द्रदारु) देवदारु  
 (इन्द्रयव) इन्द्र जौ  
 (इन्द्राक्ष) ऋषभक  
 (इन्द्र) कुरैया  
 (इञ्जल) समुद्र फल  
 (इन्दीवरी) सतावर  
 (इक्षुरक) तालमखाना  
 (इक्षुवालिका) तालमखाना  
 (इन्दीवर) नीलकमल  
 (इंद्रदु) अर्जुनकावृत्त, देवदारु, कुरैया  
 (इरिमेद) दुर्गन्धित खयर  
 (इंगुद) गोंदी  
 (इंगुल) सिंगरफ  
 (इंद्रनील) नीलम  
 (इच्चाकु) कडवी लौकी  
 (इल्लस) हिलसा मछली  
 (इक्षु) इरव

( उ )

(उपकृत्या) पीपल, पीपरि  
 (उग्रगन्धा) अजवाइन, वच, कु-  
 लिंजन  
 (उपकृष्टी) कलौजी  
 (उपकुष्ठिका) कालाजीरा  
 (उपकालिका) कालाजीरा  
 (उद्गारशोधन) कालाजीरा  
 (उग्रा) वच  
 (उत्पल) कूट  
 (उपविषा) अतीस  
 (उग्रगंध) लहसन

|  |  |
|--|--|
| (उदधिसम्भव) पांगानोन                             | (ऊर्ध्वपुष्प) गुड़हल                     |
| (उलूखल) गूगुर                                    | (ऊपण) सोंठ, मिर्च, पीपलामूल              |
| (उपकुंचिका) छोटी इलायची                          | (ऊपणा) पीपरि, चव्य                       |
| (उत्कट) तज                                       | ( ऋ )                                    |
| (उदीच्य) सुगन्धवाला                              | (ऋपभ) ऋपभक, बैल                          |
| (उशीर) खस  | (ऋप्य) नीलेरंग का हिरन                   |
| (उरुवृक) लालअरण्ड                                | (ऋप्यप्रोक्ता) केवांच, ककहिया,           |
| (उत्तानपत्रक) लालअरण्ड                           | महासतावर                                 |
| (उन्मत्त) धतूरा                                  | ( ए )                                    |
| (उद्रेका) बकाइन                                  | (एलापर्णी) रासना                         |
| (उदकीर्य) डहरकंजा                                | (एडगज) पवांड                             |
| (उच्चटा) स्वेत घोंघची                            | (एला) बड़ी इलायची                        |
| (उरुच्च) गन्धपटेर                                | (एलवालुक) एलुवा                          |
| (उदुंबरपर्णी) छोटी दत्यून, ज-<br>माल गोटेका पेंड | (एलालू) एलालू                            |
| (उपचित्रा) बड़ी दत्यून, बघरण्डा                  | (एरका) मोथीनाम तृण विशेष                 |
| (उदुम्बर) गूलर, तांचा                            | (एकप्टीला) पादूर                         |
| (उद्रेग) छोटी सुगारी                             | (एरडफला) छोटीदत्यून, जमाल<br>गोटेका पेंड |
| (उदाल) लसोड़ा, वनकोदव                            | (एकप्टील) बड़ी मौलसिरी                   |
| (उमा) अलसी                                       | (एर्वारु) ककड़ी                          |
| (उपोदिका) पोय                                    | (एण) काला हरिण                           |
| (उरण) भेंड़ा                                     | (एडक) भेंड़ा, दुंवा भेंड़ा               |
| (उरभ्र) भेंड़ा                                   | (एरद्वी) अरंगी मछली                      |
| (उक्षन्) बैल                                     | ( ए )                                    |
| (उदशिवत्) मट्टा जिस में आधा<br>जल मिलाहो         | (ऐन्द्री) इन्द्रायण, बड़ीदंती            |
| (उदक) पानी                                       | (ऐलेय) एलुआ                              |
| ( ऊ )  | ( ओ )                                    |
| (ऊवी) उंवी                                       | (ओदन) भात                                |
| (ऊर्णायु) भेंड़ा                                 | (ओल) जर्मीकन्द                           |
|  | (ओप्टोपमफला) कुंदुरू                     |

( औ )

( औदुम्बर ) तांवा  
( औद्भिद ) कचनोन, पानी जो  
जमीनको खोदकर ग-  
हरे स्थानसे बड़ी धारा  
के साथ निकलता है

( क )

( क ) पानी  
( कर्पफल ) बहेड़ा  
( कलिद्रुम ) बहेड़ा  
( कलियुगालय ) बहेड़ा  
( कटुभद्र ) सोंठि, अदरक  
( कणा ) पीपल, पीपरि, सपेदजीरा  
( कटुत्रिक ) त्रिकटु  
( कपिवल्ली ) गजपीपल  
( कर्कश ) कबीला, कसौंदी  
( कर्णिकार ) अमलतास, धनबहेरा,  
कर्णिकार

( कटुका ) कुटकी  
( कटुकी ) कुटकी  
( कटुतिक्र ) चिरायता  
( कटुरोहिणी ) कुटकी  
( कटुम्भरा ) कुटकी, सोनापाठा  
( कलिंग ) इन्द्रजौ  
( कंगुनी ) मालकांगनी  
( ककुन्दनी ) मालकांगनी  
( कटभी ) मालकांगनी, कटभी  
( करहाट ) मैनफल, भसींड  
( कर्कटाख्या ) काकड़ासींगी  
( कर्कटशृङ्गी ) काकड़ासींगी

( कटुपर्णी ) चोक  
( कटुफल ) कायफल  
( कर्पूरा ) कपूर, हल्दी  
( कटङ्कटेरी ) दारुहल्दी  
( कतक ) विडनोन  
( कर्पूर ) कपूर  
( कस्तूरिका ) कस्तूरी  
( कस्तूरी ) कस्तूरी  
( कपितैल ) शिलारस  
( कपि ) शिलारस  
( कर्चूर ) कचूर  
( कल्पक ) कचूर  
( कपिला ) रेणुकानाम सुगन्धित  
वस्तुविशेष, कच्चीपीतल  
( कंकोल ) शीतचीनी  
( कपित्थपत्र ) एलुवा  
( कपोतचरणा ) नलिकानामसे उत्तर  
देशमें प्रसिद्ध सुग-  
न्धित वस्तुविशेष

( कट्वंग ) सोनापाठा  
( कटम्भर ) सोनापाठा  
( कलशी ) पिठवन्  
( करटकरी ) भटकटैया  
( कंटालिका ) भटकटैया  
( कंटकिनी ) भटकटैया  
( कलिहारी ) करिहारी  
( करवीर ) कनैर  
( कनक ) धतूरा  
( कवच ) पित्तपापड़ा  
( करज ) कजा

|  |  |
|--|--|
| (करञ्ज) कञ्जा                                  | (कपिचूत) गजदण्ड सहोरा                          |
| (करञ्जी) डहरकञ्जा                              | (कपीतन) गजदण्ड सहोरा, सि-<br>रसा, अम्वार, अमरा |
| (करभंजिका) डहरकञ्जा                            | (कमण्डल) गजदण्ड सहोरा                          |
| (कपिकच्छु) केवांच                              | (ककुभ) अर्जुनकाचक्ष                            |
| (करादुरा) केवांच                               | (कण्टकी) खयर                                   |
| (कमा) रोहिणी                                   | (कदर) पपड़िया खयर                              |
| (कंकतिका) ककहिआ                                | (कञ्जक) तुनि                                   |
| (कर्मार) वांस                                  | (कठेरक) तुनि                                   |
| (कतृण) रोहिस                                   | (करीर) करील                                    |
| (कञ्जुरा) यवासा                                | (कटुम्भर) कटभी                                 |
| (कपाया) जवासा                                  | (कण्टकिफल) कटहल, बालमखीरा                      |
| (कदंबपुष्पिका) महामुण्डी                       | (कदली) केला                                    |
| (कपिपिप्पली) लाललटजीरा                         | (कदलीकुमुम) केलेकाफूल                          |
| (कन्या) घिउकुवार, चांझखक्सा                    | (कपिस्य) कैथा                                  |
| (कठिल्लक) लाल गदहपुरना                         | (कपिप्रिय) कैथा                                |
| (कटुम्भरा) गन्धप्रसारणी                        | (कर्कन्धू) वेर                                 |
| (कलघण्टिका) कालीसांव                           | (करमर्द) करौंदा                                |
| (कवरी) हिंगुपत्री                              | (करमर्दिका) छोटा करौंदा                        |
| (कपोतवंका) ब्राह्मी                            | (करक) अनार                                     |
| (कर्कटी) सोनैया, ककड़ी                         | (कतक) निर्मली                                  |
| (कमल) कमल                                      | (कर्पराल) अखरोट                                |
| (कर्णिका) कमलके भीतरका झु-<br>मका, सेवती गुलाब | (कर्मरंग) कमरख                                 |
| (कदम्ब) कदम                                    | (कनक) सोना                                     |
| (कण्टकाद्या) कूजा, सेमर                        | (कलधौत) सोना                                   |
| (कङ्कलि) अशोक                                  | (कंसक) कांसा                                   |
| (कटसारिका) कटसरैया                             | (काठिनी) खड़िया                                |
| (कठिल्लक) कालीवचई, करैला,<br>लाल गदहपुरेना     | (कंकुष्ठ) मुर्दासिंग                           |
| (कन्दराल) गजदण्ड सहोरा                         | (कलाय) मटर, केराव,                             |
|  | (कटुकस्नेह) सरसों                              |



|  |   |
|--|---|
| (कदम्बक) सरसों   | (कालस्थाली) पाढ़रि                      |
| (कंगु) काकुन   | (काष्ठपाटला) घण्टापाढ़रि                |
| (कदमक) शालि, धान   | (काकपर्णी) वनमूंग                       |
| (कलम) शालि, धान  | (काकमुद्गा) वनमूंग                      |
| (कचट) जलचौराई  | (कांबोजी) वनउर्दी                       |
| (कलम्बी) कलगी  | (कार्मुक) बकाइन                         |
| (कलायशाक) मटरकाशाक   | (काञ्चनार) कचनार                        |
| (कर्कारु) बहुतछोटा पेठा, कुम्हड़ा                            | (काञ्चनक) कचनार                         |
| (कटुतुम्बी) कड़वीलौकी  | (कार्लिंग) कुरैया                       |
| (कर्कशच्छद) परवल   | (काकचिञ्ची) लालधुंधची                   |
| (कर्कोटकी) खेखसा   | (काकानान्ता) लालधुंधची                  |
| (कन्द) जर्मीकन्द   | (काकादनी) लालधुंधची                     |
| (कन्दल) जर्मीकन्द  | (काकपीलु) लालधुंधची                     |
| (कदलीकन्द) केराकन्द  | (काकवल्लरी) लालधुंधची, स्वर्ण-<br>वल्ली |
| (कलविङ्क) गौरैया   | (काकायुः) स्वर्णवल्ली                   |
| (कलध्वनि) पिंडुकी  | (कार्पास) कपास                          |
| (कपोत) पिंडकी, कवूतर   | (काश) कास                               |
| (कलापी) मोर  | (काशेशु) कास                            |
| (कलख) कवूतर  | (कालमेपिका) कालानिसोथ                   |
| (कच्छप) कछुआ   | (कालदोला) नील                           |
| (कमठ) कछुआ   | (कलकेशी) नील                            |
| (कविका) कवईमछली  | (काकेशु) तालमखाना                       |
| (कर्पूरनालिका) कर्पूरनालि, एक<br>प्रकार से घनाई<br>हुई मिठाई | (कागडेक्षु) तालमखाना                    |
| (कान्ता) प्रियंगु  | (काकमाची) मकोय                          |
| (काकपुच्छा) भटोरा  | (काकाढा) मकोय                           |
| (काश्मरी) गंभारी   | (काकनासा) कौवाटोडी                      |
| (काश्मीरी) गंभारी  | (काकांगी) कौवाटोडी                      |
| (काश्मर्य) गंभारी  | (काकतुण्डफला) कौवाटोडी                  |
|  | (काकजंघा) मसी                           |

|   |  |
|---|--|
| (काकतिक्ता) मसी                                       | (काञ्चनक) शालि   |
| (काका) मसी  | (कासेर) चौराई  |
| (कामुक) मोतिया  | (कालक) नारी, केरमुआँ   |
| (काकोदुम्बरिका) कठिया गूलर,<br>कटुंभर                 | (कालशाक) नारी, केरमुआँ   |
| (काश्य) साल, साखू                                     | (कासमर्द) कसौंदी   |
| (कालस्कन्ध) दुर्गन्धित खयर, त-<br>माल, तेंदू          | (कासारि) कसौंदी  |
| (कान्तलक) तुनि  | (कासमर्ददल) कसौंदीकेपत्ते  |
| (कामाङ्ग) आम  | (कारवेह्ल) करैला   |
| (कामाह्व) राजाम्र                                     | (कारवेह्ली) करैली  |
| (कालिंग) तरबूज  | (कासभञ्जन) परवल  |
| (कालिन्द) तरबूज                                       | (कालकण्ठक) गौरैग   |
| (कालस्कन्ध) तेंदुआ                                    | (कालज) मुर्गा  |
| (कालतिन्दुक) कुचले का वृक्ष                           | (कासर) भैंसा   |
| (कालपीलुक) कुचले का वृक्ष                             | (कादम्बरी) मद्य, शराव  |
| (काकेन्दु) कुचले का वृक्ष                             | (कान्तारेषु) केताराईख  |
| (काककर्कटी) रज्जूर, पिंडखजूर,<br>छोहारा               | (कालानुसार्य) कालीयक, तगर,<br>शिलाजीत  |
| (काञ्चन) सोना   | (काश्मीर) केसर, पुष्करमूल, ग-<br>म्भारी  |
| (कार्तस्वर) सोना                                      | (काक) काकमाची, काकोली, घुं-<br>घची, काकजंघा, काक-<br>नासा, काकोदुम्बरिका,<br>फाकाद्य |
| (कालायस) लोहा   | (कारवी) कालाजीरा, सौंफ, अ-<br>जमोद   |
| (कांस्य) कांसा  | (कालमेपी) मजीठ, बफुची, का-<br>लानिसोत  |
| (कापोताञ्जन) सुरमा                                    | (कि)   |
| (कान्तपापाण) चुम्बकपत्थर                              | (किंकिराट) बचूल  |
| (काशीश) हीराकशीस                                      | (किंकिरात) बचूल, किंकिरात, गौ-   |
| (काङ्क्षी) सोरठीमट्टी                                 |  |
| (कालकुष्ठ) मुर्दासिंग                                 |  |
| (कालकूट) एक प्रकारका विप, पी-<br>पलकेसमान वृक्षकागोंद |  |

इदेशमें प्रसिद्ध है

- ( किंजल्क ) कमलकीकेशर  
 ( किंगुक ) पलाश  
 ( किट्टी ) क्वीटी, तपायेहुये लोहे का  
 मैल  
 ( किण्णिही ) लटजीरा  
 ( कितव ) भटेउर, नेपालमें प्रसिद्ध  
 है, धतूरा  
 ( किलाटक ) खिझरी, फटेहुये दूध  
 को पकाकर जो ध-  
 नाते हैं  
 ( की )  
 ( कीटमाता ) हंसपदी  
 ( कीलाल ) पानी  
 ( कु )  
 ( कुरुविन्द ) मोथा  
 ( कुकुर ) कुकुरोंधा  
 ( कुटन्नट ) केवटीमोथा, या जल  
 मोथा, सोनापाठा  
 ( कुरडली ) गिलोय, कचनार  
 ( कुवेराक्षी ) पाढरि  
 ( कुली ) बड़ी भटकटैया  
 ( कुदाल ) कचनार  
 ( कुकुटज ) कुरैया  
 ( कुश ) कुश  
 ( कुष्ठगन्धिनी ) असगन्ध  
 ( कुनाशक ) यवासा  
 ( कुमारी ) घिउकुवार  
 ( कुकुन्दर ) कुकुरोंधा  
 ( कुजेशय ) कमल

- ( कुवलय ) कोकावेली  
 ( कुमुद ) कोकावेली  
 ( कुमुदती ) जड़, दरडी तथा पत्ते  
 सहित कोकावेली  
 ( कुमुदिनी ) जड़, दरडी तथा पत्ते  
 सहित कोकावेली  
 ( कुम्भिका ) पुरइन  
 ( कुब्जक ) कूजा  
 ( कुरगटक ) घाणपुष्प, गौड़देशप्र-  
 सिद्ध पीली कटसरैया  
 ( कुवक ) लाल कटसरैया  
 ( कुन्द ) कुन्द  
 ( कुलपुत्रक ) दवना  
 ( कुत्रक ) कालीबचई  
 ( कुन्दुरुकी ) सलई  
 ( कुपील ) कुचिलेकावृक्ष, परवल  
 ( कुलक ) कुचिलेकावृक्ष, परवल  
 ( कुवल ) बेर  
 ( कुहा ) बेर  
 ( कुमुदवीज ) कोकावेलीकाफल  
 ( कुनटी ) भैनसिल, धनियां  
 ( कुलत्थ ) कुलथी  
 ( कुलात्थिका ) कुलथी  
 ( कुधान्य ) क्षुद्रधान्य, काकुनआदि  
 ( कुसुम्भवीज ) बरें, कुसुमकेवीज  
 ( कुकुट ) शिरियारी, मुर्गा  
 ( कुष्ठहा ) परवल  
 ( कुंग ) हरिण जिसका रंग कुछ  
 लालहो  
 ( कुलिङ्ग ) गौरैया

(कुण्डलिनी) जलेवी  
 (कुल्माप) घुघुरी  
 (कृ)  
 (कूटज) कुरैया  
 (कूटशाल्मलि) कालासेमर  
 (कूर्चशीर्षक) नारियल  
 (कूपमाण्ड) कुम्हड़ा, पेठा  
 (कूपमांडी) बहुतछोटा पेठा  
 (कूलक) परवल  
 (कूर्म) कछुआ  
 (कूर) भात  
 (कूष्माण्डवटी) कुम्हड़ौरी  
 (कृ)  
 (कृकवाकृ) सुर्गा  
 (कृमिघ्न) वायुविडंग, हल्दी  
 (कृमिघ्ना) हल्दी  
 (कृमिज) अगर  
 (कृमिजग्ध) अगर  
 (कृमिकृत्) कालीराई  
 (कृष्णसर्प) कालीराई  
 (कृन्माल) अमिलतास  
 (कृन्वेधना) तरौई  
 (कृमिवृक्ष) कोशम्भ, कोशाघ्न  
 (कृष्ण) मिर्च, पापड़ी या चकवत  
 (कृष्णकाय) भेंसा  
 (कृष्णभेदा) कुटकी  
 (कृष्णफला) बकुची, सुवरासेम  
 (कृष्णबीज) तरबूज  
 (कृष्णला) सफेद घुघुची  
 (कृष्णपाकफल) करोंदा

(कृष्णवृन्ता) गँभारी, पाढ़र, वनउदी  
 (कृष्णा) सेवतीगुलाब, पीपरि,  
 कालाजीरा, नील  
 (कृशारा) खिचरी  
 (कृशोदरी) गोरीसांव  
 (कृष्णवर्ण) रीठा  
 (कृष्णसारा) सीसम, सिरसई  
 (के)  
 (केकी) मोर  
 (केतक) केवड़ा  
 (केमुक) केमुआँ  
 (केशपर्णी) लाल लटजीरा, लह-  
 चिचरा  
 (केशरज्जन) भँगरा  
 (केशराज) भँगरा  
 (केशहंत्री) शमी  
 (केशा) बकायन  
 (कै)  
 (कैरव) कोकावेली  
 (कैरविका) जड़, डण्डी और पत्ते  
 सहित कोकावेली  
 (कैरविणीफल) कोकावेली का फल  
 (कैवर्त्तिमुस्तक) केवटीमोथा, या  
 जलमोथा  
 (कैपिका) कालानिसोध  
 (कै)  
 (कोलक) शीतलचीनी  
 (कोशफल) शीतलचीनी  
 (कोटिवर्पा) सुगन्धि  
 (कोविदार) कचनार

(कोटि) कुरैया  
 (कोला) काला निसोथ  
 (कोकिलाक्ष) तालमखाना  
 (कोकनद) लाल कमल  
 (कोशाम्र) कोशम्भ  
 (कोल) घेर  
 (कोली) घेर  
 (कोमलवल्कला) हरफारेवड़ी  
 (कोद्रव) कोदव  
 (कोद्रूप) कोदव  
 (कोलशिम्भि) सुवरासेम  
 (कोशातकी) दोनों तराई

(कौ)

(कौन्ती) रेणुका नाम एक सुगन्धित वस्तु

(क्र)

(क्रकर) करील  
 (क्रकचच्छद) केवड़ा  
 (क्रमुक) सुपारी का वृक्ष, सहतूत, ब्रह्मदारु, पठानी लोध

(क्रव्य) मांस

(कू)

(कूरकर्मा) अर्कपुष्पा

(क्रो)

(क्रोडकसेरुक) नागरमोथा  
 (क्रोष्ट्री) विदारीकन्द  
 (क्रोष्टुविन्ना) पिठवन

(क्री)

(क्रीतक) नील

(क)

(कथिता) कढ़ी

(क्ष)

(क्षत्रवृक्ष) मृचुकुन्द  
 (क्षयतरु) बेलिया पीपर  
 (क्षव) काली राई  
 (क्षवकृत्) नकछिकनी  
 (क्षार) सोहागा, जवाखार, सज्जी  
 (क्षारपत्र) बथुई  
 (क्षारवृक्ष) पलाशके समान पहाड़ी-वृक्ष, मोक्ष  
 (क्षारश्रेष्ठ) पलाश, पलाश के समान पहाड़ीवृक्ष घंटापाटला

(क्षीर) दूध

(क्षीरशाक) खरिसा, विना पकाये फटाहुआ दूध

(क्षीस्वल्ली) विदारीकंद

(क्षीरशुक्ला) विदारीकंद

(क्षीरा) दूधी

(क्षीरिका) खिन्नी, खीर

(क्षीरिणी) दूधी, क्षीरकाकोली, सफेद अनन्तमूल

(क्षीरी) बरगद, बेलिया पीपर

(क्षु)

(क्षुद्रभण्टाकी) बड़ी भटकटैया

(क्षुद्रा) बड़ी भटकटैया

(क्षुरक) गोखरू, तालमखाना, तिलक, एक प्रकार का रांगा, धंग

- (क्षुरपत्र) डाभ  
 (क्षुर) तालमखाना  
 (क्षुद्रवर्षाभू) लालगद्दहपूरना  
 (क्षुद्राम्र) कोशम्भ, कोशाम्र  
 (क्षुद्रपणस) बड़हल  
 (क्षुमा) अलसी  
 (क्षुज्जनिका) राई  
 (क्षुधाभिजनक) काली राई  
 (क्षुद्रधान्य) काकुन इत्यादि  
 (क्षे )  
 (क्षेत्रद्वतिका) सफेद भटकटैया  
 (क्षेड) जहर  
 (क्षौ )  
 (क्षौद्र) सहत  
 (क्ष )  
 (खग) पर्ची, चिड़िया  
 (खटिका) खड़िया  
 (खण्डक) खेसारी, अकसा  
 (खदरिका) लज्जावंती  
 (खदिर) खयर, कस्था  
 (खरत्वक्) खेतकी लज्जावंती  
 (खर्परी) खपरिया, तूतियाभेद  
 (खरपणिनी) गावजवां  
 (खरपुष्पा) बवई  
 (खर्वूज) खरबूजा  
 (खरमंजरी) लटजीरा, लहचिचड़ा  
 (खरस्कन्ध) चिरोँजी  
 (खरस्पर्शा) पीली सोनैया  
 (ग )  
 (गन्धकटी) मरौरफली
- (गन्धमूलिका) गन्धपलाशी नाम  
 सुगन्धित वस्तु कश्मीरमें प्रसिद्ध है  
 (गन्धारिका) गन्धपलाशी नाम  
 सुगन्धितवस्तु कश्मीरमें प्रसिद्ध है  
 (गन्धारी) जवासा, गन्धपलाशी  
 (गन्धवधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीरमें प्रसिद्ध है  
 (गन्धपलाशी) एकप्रकारकी सुगन्धितवस्तु कश्मीरमें प्रसिद्ध है  
 (गन्धप्रियंगु) प्रियंगुविशेष  
 (गणहासक) भटेउर नैपालमें प्रसिद्ध है  
 (गन्धकोकिला) सुगन्धित वस्तुविशेष  
 (गन्धमालती) सुगन्धितवस्तुविशेष  
 (गम्भारी) गंभारी  
 (गणिकारिका) अरणी  
 (गर्भदा) सफेद भटकटैया  
 (गन्धर्वहस्तक) सफेद अरण्ड  
 (गणरूप) सफेद मदार  
 (गर्भनुत्) करिहारी  
 (गणडारि) कचनार  
 (गणडदूर्वा) गांडर  
 (गणडाली) गांडर, सरहटी  
 (गन्धान्ना) असगन्ध

- (गवाक्षी) इन्द्रायन  
 (गवादनी) इन्द्रायन  
 (गरागरी) सोनैया  
 (गरनाशिनी) पीली सोनैया  
 (गन्धाढ्या) सेवती गुलाब  
 (गणिका) जूही  
 (गन्धफली) चम्पाकीकली, प्रियं-  
 गु, मालकांगनी  
 (गन्धपुष्प) अशोक  
 (गन्धोत्कट) दवना  
 (गजाशन) पीपर  
 (गर्दभाण्ड) गजदण्ड, सहोरा  
 (गजपादप) बेलिया पीपर  
 (गजभक्ष्या) सलई  
 (गर्भपातन) रीठा  
 (गर्भकर) पतौजिया  
 (गन्धक) गन्धक  
 (गन्धपापाण) गन्धक  
 (गन्धिक) गन्धक  
 (गगन) अभ्रक  
 (गंधरस) धोल  
 (गरल) विष, जहर  
 (गवेधु) गरहडुआ, मुनिअन्नविशेष,  
 माधी सावां  
 (गवेधुका) गरहडुआ, मुनिअन्न-  
 विशेष, माधी सावां  
 (गजकर्णा) हस्तिकर्णा  
 (गवय) बड़े शरीरवाला हिरन  
 (गलस्तनी) बकरी  
 (गंधर्व) घोड़ा
- (गरग्री) गिरई  
 (गर्गर) गर्गरा मछली  
 (गरडीर) मंजीठ, गांडूर  
 (गा)  
 (गांगेरुकी) गुलसकरी  
 (गान्धारी) जवासा  
 (गायत्री) खयर  
 (गालोज्य) कमलगट्टा  
 (गाङ्गेय) सोना  
 (गारुत्मत) पन्ना  
 (गिरिकर्णी) विष्णुकान्ता  
 (गिरिज) शिलाजीत, गेरू, सुन-  
 हरी गेरू  
 (गिरिमल्लिका) कुरैया  
 (गिरिसानुजा) त्रायमान  
 (गुच्छक) भटोरा  
 (गुडपुष्प) महुआ, बनमहुआ  
 (गुडफल) पीलू  
 (गुडमूल) ईख, गन्ना  
 (गुडा) सेहुंडा  
 (गुडूची) गुर्च, गिलोय  
 (गुन्द्र) गन्धपटेर, सरपत  
 (गुन्द्रफला) प्रियंगु, काकुन  
 (गुन्द्रमूला) मोथी एकतरहका तृण  
 (गुन्द्रा) नागरमोथा, प्रियंगु, मोथी  
 (गुवाक) सुपारी का पेड़  
 (गुहा) सरिवन, पिठवन  
 (गुह्यबीज) भूस्तृण  
 (गै)  
 (गैरिक) गेरू, सुनहरी गेरू

(चिर्भिट) ककड़ी, कचरी  
 (चीनाका) सावां  
 (चीरितच्छदा) पालक  
 (जु)  
 (चुक्रा) इमली  
 (चुक्रिका) इमली, चाङ्गेरा, अमलो-  
 नियां, चूक  
 (चुक्र) अमलवेत, विपाम्बिल,  
 (चुम्बक) चुंबक पत्थर, चूक  
 (चेतकी) हड़  
 (चेतिका) चमेली  
 (ब)  
 (छच्छिका) छाछ, बहुत जलयुत  
 मक्खन निकाला हुआ  
 मट्टा  
 (छत्रा) धनिया, भूस्तृण  
 (छत्रिका) सौंफ, सोवा  
 (छर्दन) भैरफल  
 (छाग) बकरा  
 (छागल) बकरा  
 (छांगी) बकरी  
 (छिकनी) नक छिकनी  
 (छिकिका) नक छिकनी  
 (छिन्न पुष्पक) तिलक  
 (छिन्नरुहा) गिलोय, गुर्च  
 (छिन्ना) गिलोय, गुर्च  
 (छिन्नोद्भवा) गिलोय, गुर्च  
 (छिलिहिरट) पाताल गरुडी  
 (छुरिका) पालक  
 (छेलक) बकरा

(छेलिका) बकरी  
 (ज)  
 (जतुका) पापड़ी, चकवत  
 (जननी) पापड़ी, चकवत  
 (जनी) पापड़ी, चकवत  
 (जतुकृष्ण) पापड़ी, चकवत  
 (जतुकृत्) पापड़ी, चकवत  
 (जय) अरणी  
 (जया) अरणी  
 (जयन्ती) अरणी  
 (जलवेत) जलवेत  
 (जंबुकप्रिय) भूस्तृण  
 (जलकामुका) अर्कपुष्पी  
 (जलकारिका) लज्जावन्ती  
 (जटा) भुईं आंवला  
 (जलपिप्पली) जलपीपरि  
 (जम्बुक) केवड़ा  
 (जपा) गुड़हल  
 (जन्तुफल) गूलर  
 (जघनेफला) कठियागूलर, कठूंभर  
 (जटी) पाकर  
 (जलद) कुचिलेकावृक्ष  
 (जलजम्बुका) छोटीजामुन  
 (जलफल) सिंघाड़ा  
 (जम्बीर) जम्भीरीनींबू  
 (जम्भ) जम्भीरीनींबू  
 (जम्भल) जम्भीरीनींबू  
 (जम्भीर) जम्भीरीनींबू  
 (जलतण्डुलीय) जलचौराई  
 (जल) पानी



|  |  |
|--|--|
| (जाङ्गली) नारियल   | (भिङ्गी) जिङ्गनी   |
| (जातरूप) सुवर्ण  | (भिङ्गिनी) जिङ्गनी   |
| (जाति) चमेली   | ( ट )  |
| (जाती) चमेली   | (टङ्कारि) टंकारी   |
| (जाम्बूनद) सुवर्ण, सोना  | (टङ्क) राजाघ्न   |
| (जालि) जारी, पिसेहुये कच्चेआममें<br>राई नोन और भुनी हींग<br>मिलाके घोलकर बनाते हैं | (टङ्कण) सोहागा   |
| (जालिनी) तरोई  | (टिण्टिणिका) जलशिरस  |
| (जिङ्गिनी) जिङ्गनी   | (टुण्टुक) सोनापाठा   |
| (जीमूत) सोनैया   | ( ट )  |
| (जीव) वकायन  | (डिण्टिश) टिडा   |
| (जीवन) पानी  | (डुहु) घड़हल   |
| (जीवनगण) अष्टवर्ग, जीवन्ती,<br>मुलेठी, वनमूंग, व-<br>नउर्द                         | (डोडिका) करेरुआ  |
| (जीवनीयगण) अष्टवर्ग, जीवन्ती,<br>मुलेठी, वनमूंग,<br>वनउर्द                         | (डोडिका) करेरुआ  |
| (जीवनी) जीवन्ती, डोंड़ीनामका<br>शाक  | ( त )  |
| (जीवन्ती) गिलोय, डोंड़ीनाम<br>शाक, बांदा   | (तंत्रिका) गिलोय   |
| (जीवनीया) जीवन्ती, डोंड़ीनाम<br>शाक  | (तर्कारी) अरणी   |
| (जीवा) जीवन्ती, डोंड़ीनाम शाक<br>( ऋ )   | (तरुण) सफेदअरण्ड   |
| (ऋप) मछली  | (तपोधना) मुण्डी  |
| (ऋपा) गुलसकरी  | (तरुणी) सेवतीगुलाब   |
| (ऋर्करिका) धुआंसकी रोटी  | (तपोधन) दवना   |
|  | (तपनीय) सोना   |
|  | (तन्तुम) सरसों   |
|  | (तण्डुलीबीज) चौराई   |
|  | (तण्डुलीय) चौराई   |
|  | (तण्डुलेरक) चौराई  |
|  | (तक्रमांस) अ वनी   |
|  | (तलित) तलाहुआ मांस   |
|  | (तक्रपिण्ड) दही वा मट्टेमे दूधको<br>फाड़कर कपड़े से बां-<br>ध के उसके जलको |

|   |  |
|---|--|
| गोखरू, बेल, खंभारी,<br>अरणी, पाढ़रि, सोना<br>पाठा | (दुःस्पर्श) जवासा, किवांच, भट-<br>कटैया                            |
| (दशाङ्गुल) खरवूजा                                 | (दुरभिग्रह) जवासा  |
| (दाडिम) अनार                                      | (दुरालभा) जवासा  |
| (दाडिमपुष्पक) लाल कंजा                            | (दुरालम्भा) जवासा  |
| (दान्त) दवना                                      | (दुर्गहा) लटजीरा   |
| (दार्षिका) गावजवां                                | (दुग्धिका) दूधी  |
| (दासपुर) जल मोथा या केवटी<br>मोथा                 | (दुवर्ला) जलशिरस   |
| (दासी) मसी, नीली कटसरैया                          | (दुरारोहा) खजूर, पिण्डखजूर, लुहारा                                 |
| (दालि) दाल  | (दुम्बक) दुंवा भेंड़ा  |
| (दाली) दाल  | (दुग्धकूपिका) एक प्रकार की मि-<br>ठाई जो इसी नाम<br>से प्रसिद्ध है |
| (दिविद) भात                                       | (दुग्ध) दूध  |
| (दिव्या) ब्रह्ममांडूकी                            | (दूरजरत्न) वैदूर्य   |
| (दिव्यौपधि) मैनासिल                               | (दूर्वा) दूव   |
| (दीप्यक) अजवाइन, अजमोद                            | (दूपक) शालि  |
| (दीर्घ कील) डेरा वा अंकोल -                       | (देवजग्ध) रोहिंस   |
| (दीर्घच्छद) ईख गन्ना                              | (देवता) धतूरा  |
| (दीर्घदण्ड) सफेद रेंड                             | (देवताण्डी) सोनैया   |
| (दीर्घपत्र) डाम                                   | (देवदाली) सोनैया   |
| (दीर्घपत्रक) कुचिले का वृक्ष                      | (देवदुन्दुभी) तुलसी  |
| (दीर्घपत्रा) सरिवन, चेवुना                        | (देवनिर्मिता) निलोय गुर्व  |
| (दीर्घपत्रिका) सफेद गदह पुरैना                    | (देवी) सुगन्धितशाक विशेष, चि-<br>नार, मरोरफली, वांझ<br>खेकसा       |
| (दीर्घमूल) जवासा शालिपर्णी                        | (दैत्या) मरोरफली   |
| (दीर्घवृत्त) सोना पाठा                            | (दृढपृष्ठक) कछुआ   |
| (दीर्घशूक) शालि                                   | (दृढफल) नारियल   |
| (दीर्घाही) सरिवन                                  | (दृढरक्षा) फिटकरी  |
| (दुम्प्रधर्षिणी) बड़ी भटकटैया                     |  |
| (दुःस्पर्शा) भटकटैया, केवांच                      |  |

( हृदारङ्गा ) फिटकरी  
 ( द्रवन्ती ) बड़ी दत्तून वा बघरगडा  
 ( द्राविड ) कचूर  
 ( द्राक्षा ) दाख, मुनक्का  
 ( द्रोणपुष्पी ) गूमा  
 ( द्रोणा ) गूमा  
 ( द्रोणपुष्पीदल ) गूमाका पत्ता  
 ( द्वारदारु ) भुईसहा  
 ( द्विजप्रिया ) सोमलता  
 ( द्विजा ) रेणुका मिर्च के समान  
 सुगन्धित वस्तु

( घ )

( धत्तूर ) धतूर  
 ( धनहर ) भटेउर  
 ( धनुर्वृक्ष ) धामिन  
 ( धनुष्पद ) चिरौंजी  
 ( धन्वङ्ग ) धामिन  
 ( धन्वयास ) जवासा  
 ( धमन ) नरकुल  
 ( धमनी ) उत्तर देशमें होनेवाला  
 नलिका नाम से प्रसिद्ध  
 सुगन्धित द्रव्य

( धर्मपत्तन ) मिर्च  
 ( धव ) धवई  
 ( धवल ) अर्जुन वृक्ष, पिंडुकी  
 ( धातुकाशीश ) हीरा कशीस  
 ( धातुद्रावक ) सोहागा  
 ( धात्रीपत्र ) तालीस  
 ( धाना ) बहुरी, भुनीजौ  
 ( धान्य ) धनियां, शालि आदि अन्न

( धान्याकपानक ) धनियां का पना  
 ( धामार्गव ) लाललंहचिचरा, दोनों  
 तरोंई  
 ( धारा ) गुर्च, चीर काकोली  
 ( धावनि ) पिठवन  
 ( धावनी ) भटकटैया  
 ( धीरा ) गिलोय  
 ( धूमगन्धिक ) रोहिस  
 ( धूर्त्त ) धतूर  
 ( धूस्तूर ) धतूर  
 ( धेनुदुग्ध ) ककड़ी  
 ( ध्याम ) रोहिस  
 ( ध्रुव ) वरगद  
 ( ध्वांक्षमाची ) मकोय

( न )

( नकुलेष्टा ) नाई, रास्नाभेद  
 ( नट ) मैनफल, सोनापाठा, अशोक  
 ( नन्दिनी ) चनसुर  
 ( नत् ) अगर  
 ( नख ) नखना  
 ( नखी ) छोटानखना  
 ( नलद ) खस, लामज्जकनाम ख-  
 सके पीलेरंगका एक टण  
 ( नन्दिनी ) रेणुकानाम सुगन्धित  
 वस्तु विशेष  
 ( नलिका ) उत्तरदेशमें प्रसिद्ध सु-  
 गन्धवालाके समान सु-  
 गन्धितवस्तु  
 ( नदी ) नलिकानाम सुगन्धित व-  
 स्तु विशेष

|  |   |
|--|---|
| (नली) नलिकानामसे उत्तरदेशमें<br>प्रसिद्ध सुगन्धित वस्तु<br>विशेष | (नागपुष्पी) नागदमन  |
| (नक्रमाल) कक्षा  | (नागपत्रा) नागदमन   |
| (नम्रक) वेत  | (नास्किर) नारियल  |
| (नल) नरकुल   | (नागरङ्ग) नारंगी  |
| (नदीकान्ता) मसी  | (नारङ्ग) नारंगी   |
| (नमस्कारी) लज्जावन्ती  | (नाग) सीसा, अभ्रक जो अग्निमें<br>छोड़ने से सर्प के समान<br>फुंकार शब्द करताहे, सर्प,<br>हाथी, भेंड़ा, सीसा, नाग-<br>केसर, नागवल्ली, नागदंती |
| (नक्रदमनी) बांझखेकसा   | (नागगर्भ) सिन्दूर   |
| (नलिन) कमल   | (नागजिहिका) मैनासिल   |
| (नवमालिका) वसन्तीनेवारी  | (नाडिक) नारी, केरमुआँ   |
| (नदीसर्ज) अर्जुनकावृक्ष  | (नाडीक) पटुआ का शाक   |
| (नन्दिवृक्ष) तुनि, बेलियापीपर                                    | (नाडीशाक) पटुआ का शाक   |
| (नन्दक) तुनि   | (नारङ्गवर्णक) गाजर  |
| (नन्दितरु) धवई   | (नादेय) नदी का जल<br>(नि)   |
| (नन्दी) फरेंदा   | (निशाचर) भटेउर  |
| (नवनीत) मक्खन<br>(ना)  | (निर्मथ्या) नलिकानाम से उत्तर<br>देशमें प्रसिद्ध सुगन्धि-<br>त वस्तु विशेष  |
| (नागरमुस्तक) नागरमोथा  | (निदिग्धिका) भटकटैया  |
| (नादेयी) अरणी, छोटी जामुन,<br>जलवेत                              | (निम्ब) नींबू   |
| (नागिनी) पान, नाग पुष्पी   | (निम्बक) बकाइन  |
| (नागवहारी) पान   | (निम्बतरु) जलनींबू  |
| (नादेय) जलवेत  | (निर्गुण्डी) नीलेफूलका सम्भालू  |
| (नागवला) गुलसकरी   | (निकुञ्चक) जलवेत  |
| (नारायणी) सतावर  | (नितुल) समुद्रफल  |
| (नागपुष्पी) नागपुष्पी  | (निकोचक) डेरा, अंकोल  |
| (नाडीकपालक) सरहटी  |   |
| (नागारि) बांझखेकसा   |   |
| (नागदमनी) नागदमन   |   |

- (निशोत्रा) निसोथसफेद  
 (निकुम्भ) छोटी दत्तून, जमाल-  
 गोटेकापेंड  
 (निम्बुक) नींबू  
 (निम्बू) नींबू  
 (निम्बूक) नींबू  
 (निम्बाव) भटवांस  
 (निम्बूफलपानक) नींबूकापना  
 (नी)  
 (नीलपुष्प) भटोरा  
 (नीलदूर्वा) नीलीदूब  
 (नीली) नील  
 (नीलिनी) नील  
 (नीलिका) नील  
 (नीलपुष्पा) नील  
 (नीलीवृक्षाकृति) सरफोंका  
 (नीप) कदम  
 (नीला) कूजा  
 (नील) नीलम  
 (नीलपुष्पी) अलसी  
 (नीमार) तिन्त्री  
 (नीलाण्डक) नीलेरंगकाहिरन  
 (नीलकण्ठ) मोर  
 (नीर) पानी  
 (नेत्रोपमफल) वादाम  
 (नेमि) तिनिश  
 (नेपाली) घसन्तीनेमारी, मेनसिल  
 (नेर्भर) झरनेकापानी  
 (न्यग्रोध) वरगद  
 (न्यग्रोधी) वरगद  
 (न्यंकु) वारहसिंहा  
 (पलाशी) एक प्रकार की सुग-  
 न्धित वस्तु कश्मीर  
 देशमें प्रसिद्ध है  
 (पत्राढ्य) तालीस  
 (परिपेलव) केवटीमोथा, जलमोथा  
 (पर्पटी) पापड़ी, चकवत  
 (पत्रोर्ण) सोनापाठा  
 (पञ्चमूलवृहत्) बेल, खंभारी, पाढरि,  
 अरणी और सोना  
 पाठा यह पांचो  
 (पलंकपा) गोखरू, गुगुल, लार  
 (पञ्चमूललघु) सरिवन्, पिठवन्,  
 भटकटैया, बड़ीभट-  
 कटैया तथा गोखरू  
 ग्रह पांचो  
 (पयस्विनी) जीवन्ती, डोंडी नाम  
 शाक, विदारीकंद  
 (पञ्चांगुल) सफेद अरण्ड  
 (पर्पट) पित्तपापड़ा, पापड़  
 (पर्पटक) पित्तपापड़ा  
 (परिव्याध) जलनेत, अमलतास  
 (पयस्या) अर्कपुष्पी  
 (पर्णिका) मूसा करणी  
 (पद्म) कमल  
 (पङ्केरुह) कमल  
 (पद्मिनी) जड़, नाल और पत्ते स-  
 हित कमल  
 (पद्मचारिणी) स्थल कमल  
 (पद्मा) स्थल कमल, भारंगी

|  |  |
|--|--|
| (परिव्याध) कर्णिकार  | (पलल) मांस, तिलकुट गुड़                        |
| (पर्णाश) चवई   | आदिसे युक्त कुटा हुआ                           |
| (पलाश) गजदंड सहोरा, पलाश,<br>पत्ता, गन्धपलाशी                      | तिल  |
| (पर्कटी) पाकर  | (पक्षी) चिड़िया                                |
| (पर्करी) पाकर  | (पतत्री) चिड़िया                               |
| (पर्ण) पलाश  | (परमान्न) खीर                                  |
| (पनस) कटहल   | (पयस्) पानी, दूध                               |
| (पणस) कटहल   | (पा)   |
| (पद्मकर्कटी) कमल गट्टा   | (पाण्डुपुत्री) रेणुका नाम मिर्च के             |
| (पद्मबीज) कमल गट्टा  | समानसुगन्धितवस्तु                              |
| (पद्माक्ष) कमल गट्टा   | विशेष  |
| (पद्मबीजाभ) मखाना  | (पाटलि) पाढरि                                  |
| (परापर) फालसा  | (पाटला) पाढरि                                  |
| (परुप) फालसा   | (पाण्डु) वनउर्द, हरफा रेवड़ी, पिं-<br>डुकी     |
| (परूपक) फालसा  | (पांशु) पित्तपापड़ा                            |
| (पयःप्रसादि) निर्मली   | (पारिभद्र) नींव, जलनींव, पारि-<br>जात, देवदारु |
| (पञ्चाम्ल) अमलवेत, चूकशाक, बड़ा<br>जंभीरी निंबू, विजौरा<br>ये पांच | (पारिजातक) जलनींव                              |
| (पद्मराग) माणिक्य  | (पाण्डुरदुम) कुरैया                            |
| (पवना) पुनेरा  | (पाठा) पाढर                                    |
| (पलक्या) पालक  | (पायचेलिका) पाढर                               |
| (पटुशाक) पटुआ का शाक   | (पाठिका) पाढर                                  |
| (पत्राम्ला) चूक  | (पालिन्दी) कालानिसोथ                           |
| (पर्णक) शिरियारी   | (पारावत पदी) मसी, मालकांगनी                    |
| (पटोलपत्र) परवलके पत्ते  | (पातालगरुड) पातालगरुडी                         |
| (पटोल) परवल  | (पाशुपत) बड़ी मौलसिरी                          |
| (पर्यङ्कपट्टिका) सुवरासेन  | (पादपोत्पल) कर्णिकार                           |
| (पल) मांस  | (पारीप) गजदंड सहोरा                            |
|  | (पानीयामलक) पानि आँवला                         |

|                                  |                                    |
|----------------------------------|------------------------------------|
| ( पानीयफल ) मखाना                | जाता है                            |
| ( पारद ) पारा                    | ( पिप्पल ) पीपर                    |
| ( पांशुकाशीश ) हीराकशीस          | ( पिय्याक ) तिलकी खली              |
| ( पार्वती ) अलसी                 | ( पिशित ) मांस                     |
| ( पाण्डुक ) शालि, परवल           | ( पिष्टिका ) पिष्टी                |
| ( पाण्डुफल ) परवल                | ( पिसली ) अमलोनियां                |
| ( पांशुल ) लवा                   | ( पीतरोहिणी ) गम्भारी              |
| ( पातर्णादी ) मुर्गा             | ( पीवरी ) सरियन्, सतावर            |
| ( पारावत ) कवूतर                 | ( पीतपुष्पा ) सहदेई, खेखसा         |
| ( पाठिन ) पढ़िन मछली             | ( पीलुपर्णी ) चिनार, कुन्दुरू      |
| ( पायस ) खीर                     | ( पीतक ) किंकिरात, गौड़देशमें      |
| ( पानीय ) पानी                   | प्रसिद्ध                           |
| ( पाथस् ) पानी                   | ( पीतभद्रक ) किंकिरात              |
| ( पाक्य ) विडनोन, कालानोन, ज-    | ( पीतशालक ) विजयसार                |
| वाखार                            | ( पीतसार ) विजयसार                 |
| ( पिकवल्लभ ) आम                  | ( पीतफेन ) रीठा                    |
| ( पिङ्गला ) कच्ची पीतल           | ( पीतफलक ) सहोरा                   |
| ( पिङ्गा ) वंशपत्री              | ( पीतन ) अम्बार, अमरा              |
| ( पिञ्चट ) बंग, लालरांगा         | ( पीलु ) पीलू                      |
| ( पिचुमन्द ) नींबू               | ( पीतस्वक ) गोमेद                  |
| ( पिचुमर्द ) नींबू               | ( पीतपुष्प ) कुम्हड़ा, तरोई        |
| ( पिच्छा ) सेमरका गोंद           | ( पीनस्कन्ध ) भेंसा                |
| ( पिच्छिल ) लसोड़ा               | ( पीतदारु ) हल्दी, देवदारु, सरल    |
| ( पिच्छिला ) सीसव, सिरसई, सेमर   | ( पुण्डरीक ) सफेदकमल, शालि         |
| ( पिण्ड ) लोहा, धोल              | ( पुत्रजननी ) लक्ष्मणा, जिसमें बा- |
| ( पिण्डपुष्प ) अशोक              | लकोंके समान छोटें २                |
| ( पिण्डार ) पिंडार               | लालचिह्न होते हैं                  |
| ( पित्तल ) पीतल                  | ( पुत्रजीव ) पतोजिया               |
| ( पिनाक ) अभ्रक जो अग्नि में छो- | ( पुण्ड्रक ) मोतिया                |
| ड़ने से पर्त २ अलग हो            | ( पुनर्नवा ) सफेद गदहपुरेना        |

|                                      |                                     |
|--------------------------------------|-------------------------------------|
| (पुष्पकाशीश) हीराकशीश                | (पेयूप) पेउस, जल्दकी व्यानी,        |
| (पुष्कर) कमल                         | गौका गाढ़ादूध                       |
| (पुष्पफल) कैथा, कुम्हड़ा             | (पोटगल) नरकुल, कास                  |
| (पुष्परसोद्भव) सहत                   | (पोतकी) पोय                         |
| (पुष्पराग) पुखराज                    | (पोलिका) लुचुई, मैदेकी वारीक,       |
| (पुष्पांडक) शालि                     | पूड़ी                               |
| (पुस्तशिर्मा) दूसरीसेम               | (पौ)                                |
| (पुस्तकशिम्बिका) दूसरीसेम            | (पौण्डर्य) पुण्डेरी                 |
| (पूग) सहतूत                          | (पौण्डरीयक) पुण्डेरी                |
| (पूगी) सुपारीकावृक्ष                 | (पौर) रोहिस                         |
| (पूगीफल) छोटीसुपारी                  | (पौण्डरीक) लवा, पोंडा               |
| (पूतिक) कांटेदार कंजा                | (प्रकीर्य) कांटेदार कंजा            |
| (पूतिकरञ्ज) कांटेदार कंजा            | (प्रतापनी) गन्धप्रसारिणी            |
| (पूरिका) पूड़ी                       | (प्रतापस) सफेद मदार                 |
| (पूर्णपारद) शिंगरफ                   | (प्रतिविष्णुक) मुचुकुन्द            |
| (पूरणी) सेमर                         | (प्रतीक) परवल                       |
| (पृथकपर्णी) पिथवन                    | (प्रत्यक्पर्णी) बड़ी दत्यून वा बघ-  |
| (पृथु) हिंगुपत्री                    | रंडा, लाल लहचि-                     |
| (पृथुका) हिंगुपत्री                  | चिरा                                |
| (पृथुक) चिउरा                        | (प्रत्यक्श्रेणी) बड़ी दत्यून वा बघ- |
| (पृथुपलाशिका) गन्धपलाशी, सु-         | रंडा                                |
| गन्धितवस्तु क-                       | (प्रदीपन) एक प्रकारका विष जो,       |
| श्मीरमें होती है                     | रक्तवर्ण और अग्नि के,               |
| (पृथुरोमा) मछली                      | समानप्रभायुक्त होता है)             |
| (पृथुशिम्ब) सोनापाठा                 | (प्रपानक) पना                       |
| (पृथुशृङ्ग) दुम्बाभेड़ा              | (प्रपौण्डरीक) पुंडेरी               |
| (पृथ्वीका) हिंगुपत्री, कालाजीरा,     | (प्रवाल) मूंगा                      |
| बड़ी इलायची                          | (प्रमोदक) सांठी जो गर्भमें ही       |
| (पृथ्विपर्णी) पिठवन                  | परु जाय                             |
| (प्रपन) चन्द्रचिन्दुयुक्त चितला हिरन | (प्रमोदिनी) जिंगनी                  |



(प्ररोही) बेलिया पीपर  
 (प्रसारिणी) गन्धप्रसारिणी  
 (प्रसाधिका) तिल्ली  
 (प्रस्थपुष्प) मरुआ  
 (प्रहाखल्ली) रोहिणी  
 (प्रचीना) पाढ़र  
 (प्राचीनामलक) पानि आंवला  
 (प्राण) बोल  
 (प्रावृपायिणी) केवाच  
 (प्रियक) कदम, विजयसार, माल-  
 कांगनी  
 (प्रियाल) चिरोंजी  
 (प्रियङ्गरी) सफेद भटकटैया  
 (प्रियंगु) प्रियंगु, काकुन, मालकांगनी  
 (प्रोष्टी) सहरी, शफरी  
 (प्लक्ष) पाकड़  
 (प्लव) केवटी मोथा वा जलमोथा  
 (प्लवग) मेढ़क  
 (प्रीहशत्रु) सरफोंका  
 (फ)  
 (फंजी) भंगरेया  
 (फणिक) मरुआ  
 (फणी) मरुआ  
 (फल्गु) कठियागूलर, कट्टंभर  
 (फलत्रिक) त्रिफला हड़, वहेरा,  
 आंवला  
 (फलपूरक) विजोरा  
 (फला) शमी  
 (फलाध्यक्ष) सिन्धी  
 (फलिनी) प्रियंगु

(फलेपुष्पा) गूमा  
 (फलेन्द्रा) फरेंदा  
 (फलोरुहा) पाढ़रि  
 (फाणित) राव  
 (फेनिका) वताशफेनी  
 (फेनिल) रीठा, वेर  
 (व)  
 (वधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित  
 वस्तु कश्मीर में प्रसिद्ध है,  
 सुगन्धित शाक विशेष  
 (वला) वरियारा, गन्धप्रसारणी  
 (वहुसुता) सतावर  
 (वलदा) असगंध  
 (वलभद्रा) त्रायमान  
 (वहुपत्रा) भुई आंवला  
 (वहुफला) भुई आंवला  
 (वहुवीर्या) भुई आंवला  
 (वन्ध्याककोटकी) वांझसक्सा  
 (वलामोटा) नागदमन  
 (वन्धुजीवक) दुपहरिया  
 (वन्धूक) दुपहरिया  
 (वहुमञ्जरी) तुलसी  
 (वहुपाद) वरगद  
 (वहुस्रवा) सलई  
 (वन्धूकपुष्प) विजयसार  
 (वहुशल्य) सयर  
 (वहुवल्कल) भोजपत्र, चिरोंजी  
 (वहुवार) लसोड़ा  
 (वहुवारक) लसोड़ा  
 (वलि) गन्धक

|                                  |                                     |
|----------------------------------|-------------------------------------|
| (पुष्पकाशीश) हीराकशीश            | (पेयूप) पेउस, जल्दकी व्यानी,        |
| (पुष्कर) कमल                     | गौका गाढ़ादूध                       |
| (पुष्पफल) कैथा, कुम्हड़ा         | (पोटगल) नरकुल, कास                  |
| (पुष्परसोद्भव) सहत               | (पोतकी) पोय                         |
| (पुष्पराग) पुखराज                | (पोलिका) लुचुई, मैदेकी वारीक        |
| (पुष्पांडक) शालि                 | पूड़ी                               |
| (पुस्तशिम्वी) दूसरीसेम           | (पौ)                                |
| (पुस्तकशिम्विका) दूसरीसेम        | (पौरडर्य) पुण्डेरी                  |
| (पूग) सहतूत                      | (पौरडरीयक) पुण्डेरी                 |
| (पूगी) सुपारीकावृक्ष             | (पौर) रोहिस                         |
| (पूगीफल) छोटीसुपारी              | (पौरडरीक) लवा, पौंडा                |
| (पूतिक) कांटेदार कंजा            | (प्रकीर्य) कांटेदार कंजा            |
| (पूतिकरञ्ज) कांटेदार कंजा        | (प्रतापनी) गन्धप्रसारिणी            |
| (पूरिका) पूड़ी                   | (प्रतापस) सफेद मदार                 |
| (पूर्णपारद) शिंगरफ               | (प्रतिविष्णुक) मुचुकुन्द            |
| (पूरणी) सेमर                     | (प्रतीक) परवल                       |
| (पृथक्पर्णी) पिथवन               | (प्रत्यक्पर्णी) बड़ी दत्यून वा वघ-  |
| (पृथु) हिंगुपत्री                | रंडा, लाल लहचि-                     |
| (पृथुका) हिंगुपत्री              | चिरा                                |
| (पृथुक) चिउरा                    | (प्रत्यक्श्रेणी) बड़ी दत्यून वा वघ- |
| (पृथुपलाशिका) गन्धपलाशी, सु-     | रंडा                                |
| गन्धितवस्तु क-                   | (प्रदीपन) एक प्रकारका विष जो,       |
| श्मीरमें होती है                 | रक्तवर्ण और अग्नि के,               |
| (पृथुरोमा) मछली                  | समानप्रभायुक होता है)               |
| (पृथुशिम्व) सोनापाठा             | (प्रपानक) पना                       |
| (पृथुशृङ्ग) दुम्बाभेंडा          | (प्रपौरडरीक) पुंडेरी                |
| (पृथ्वाका) हिंगुपत्री, कालाजीरा, | (प्रवाल) मूंगा                      |
| बड़ी इलायची                      | (प्रमोदक) सांठी जो गर्भमें ही       |
| (पृथ्विपर्णी) पिठवन              | पक जाय                              |
| (पृपन) चन्द्रचिन्दुक चितला हिरन  | (प्रमोदिनी) जिगनी                   |

(प्ररोही) बेलिया पीपर  
 (प्रसारिणी) गन्धप्रसारिणी  
 (प्रसाधिका) तिन्त्री  
 (प्रस्थपुष्प) मरुआ  
 (प्रहारवल्ली) रोहिणी  
 (प्रचीना) पादर  
 (प्राचीनामलक) पानि आंवला  
 (प्राण) बोल  
 (प्रावृपायिणी) केवराच  
 (प्रियक) कदम, विजयसार, माल-  
 कांगनी  
 (प्रियाल) चिरौंजी  
 (प्रियङ्गुरी) सफेद भटकटैया  
 (प्रियंगु) प्रियंगु, काकुन, मालकांगनी  
 (प्रोष्ठी) सहरी, शफरी  
 (प्लक्ष) पाकड़  
 (प्लव) केवटी मोथा वा जलमोथा  
 (प्लवग) मेढक  
 (प्लीहशत्रु) सरफोंका  
 (फ)  
 (फंजी) भंगरैया  
 (फणिक) मरुआ  
 (फणी) मरुआ  
 (फल्गु) कठियागूलर, कटूभर  
 (फलत्रिक) त्रिफला हड़, वहेरा,  
 आंवला  
 (फलपूरक) विजोरा  
 (फला) शमी  
 (फलाच्यक्ष) खिन्नी  
 (फलिनी) प्रियंगु

(फलेपुष्पा) गूमा  
 (फलेन्द्रा) फरेंदा  
 (फलेरुहा) पादरि  
 (फाणित) राव  
 (फेनिका) वताशफेनी  
 (फेनिल) रीठा, बेर  
 (व)  
 (वधू) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित  
 वस्तु कश्मीर में प्रसिद्ध है,  
 सुगन्धित शाक विशेष  
 (वला) वरियारा, गन्धप्रसारणी  
 (वहुमुता) सतावर  
 (वलदा) असगंध  
 (वलभद्रा) त्रायमान  
 (वहुपत्रा) भुईं आंवला  
 (वहुफला) भुईं आंवला  
 (वहुवीर्या) भुईं आंवला  
 (वन्ध्याकर्कोटकी) वांझखकूसा  
 (वलामोटा) नागदमन  
 (वन्धुजीवक) दुपहरिया  
 (वन्धूक) दुपहरिया  
 (वहुमञ्जरी) तुलसी  
 (वहुपाद) वरगद  
 (वहुस्रवा) सलई  
 (वन्धूकपुष्प) विजयसार  
 (वहुशल्य) खयर  
 (वहुवल्कल) भोजपत्र, चिरौंजी  
 (वहुवार) लसोड़ा  
 (वहुवास्क) लसोड़ा  
 (वलि) गन्धक

|   |  |
|---|--|
| (वलिस्स) गन्धक                                  | (ब्रह्मरीति) कञ्चीपीतल                           |
| (वर्ही) मोर                                     | (ब्रह्मवृक्ष) पलाश                               |
| (वकर) बकरा                                      | (ब्रह्मसुवर्चला) एकतरह का दुरदुर                 |
| (वलीवर्द) वैल                                   | (ब्राह्मी) ब्राह्मी                              |
| (वलभद्रिका) उर्वकी रोटी                         | (ब्राह्मणी) सुगन्धित शाक विशेष,<br>भारंगी        |
| (वलवल्लभा) मद्य, शराब                           | (भ)  |
| (वाणा) कटसरैया                                  | (भद्रमुस्त) नागरमोथा                             |
| (वालजीवन) दूध                                   | (भस्मगन्धा) रेणुका नाम सुग-<br>न्धित वस्तु विशेष |
| (वालपत्र) खयर, कत्था, जवासा                     | (भद्रपर्णी) गंभारी, गन्धप्रसारणी                 |
| (वालीक) बगेरा                                   | (भक्षटक) गोखुरू                                  |
| (वालुका) धालू                                   | (भद्रमुञ्ज) सर्पत                                |
| (वालेय) केवटी मोथा वा जल-<br>मोथा               | (भद्रा) गन्ध प्रसारणी                            |
| (वीजक) विजयसार                                  | (भद्रतरणि) कूजा                                  |
| (वीजगर्भ) परवल                                  | (भण्डी) सिरसा                                    |
| (वीजपूरक) विजौरा                                | (भण्डल) सिरसा                                    |
| (वेढमिका) वेढई                                  | (भण्डीर) सिरसा, चौराई                            |
| (वोभिद्दु) पीपर                                 | (भस्मगर्भा) कपिलवर्णका तीसर्वे,<br>तिरसई         |
| (वोल) इसी नाम से प्रसिद्ध औ-<br>पधि             | (भयकरटका) घेर                                    |
| (वृहती) बड़ी भटकटैया, भटक-<br>टैया              | (भण्टकी) वैंगन                                   |
| (वृहत्पुष्प) कूजा                               | (भद्र) वैल                                       |
| (वृहत्फल) कुम्हड़ा                              | (भक्कुर) भाकुर मडली                              |
| (वृहत्लोणी) बड़ी लोनियां                        | (भक्क) भात                                       |
| (व्रध्र) सीसा                                   | (भारिटका) वैंगन                                  |
| (ब्रह्मजट) दवना                                 | (भार्गवी) नीली दूब                               |
| (ब्रह्मदारु) सहतूत                              | (भिक्षु) मुंडी, तालमखाना                         |
| (ब्रह्मपुत्र) कपिलवर्ण एक प्रकार<br>का मिष, जहर | (भिन्दी) कटसरैया                                 |
|   | (भिपद्माता) अरुसा, रुसा                          |

(भिस्ता) भात  
 (भिस्ताण्ड) भसींड़  
 (भीरु) सतावर  
 (भुजङ्ग भुक्) मोर  
 (भूकदम्बिका) महामुंडी  
 (भूतजटा) जटामासी  
 (भूतवास) वहेड़ा  
 (भूदरीभवा) मूसाकर्णी  
 (भूतावास) सहोरा  
 (भूतवृक्षक) लसोड़ा  
 (भूतिक) रोहिस  
 (भूतीरु) भूतृण, कतृण,  
 चिरायता—  
 (भूनिम्ब) चिरायता  
 (भूपदी) वेला  
 (भूमिखर्जूरिका) खजूर, पिंड खजूर,  
 छोहारा  
 (भूमिच्छत्र) स्वेदजशाक जो पृथ्वी  
 गोवर काष्ठ और वृक्षा-  
 दिकोंपर उत्पन्न होताहै  
 (भूमिरस) ईख गन्ना  
 (भूमिवह्ली) भुईं खेवसा  
 (भूमीसह) भुईंसहा  
 (भूम्यामलकी) भुईं अँवरा  
 (भूरिफेना) सेंहुड़  
 (भूर्जचर्मी) भोजपत्र  
 (भूर्जपत्र) भोजपत्र  
 (भूस्तृण) भूतृण  
 (भृगुभवा) भारंगी  
 (भृङ्ग) तज, भंगरा, दालचीनी, भँर्रा

(भृङ्गरज) भंगरा  
 (भृङ्गराज) भंगरा  
 (भृङ्गार) भंगरा  
 (भृङ्गवान्त) सहत  
 (भ्रमरोत्सव) मोतिया  
 (भेक) भेढक  
 ( म )  
 (महौपध) लहसन, सोंठि, विप  
 (महौपधि) सोंठि, ब्रह्ममाण्डूकी  
 (मरिच) मिर्च  
 (मयूर) अजमोद, तूतिया, लट-  
 जीरा  
 (मधुरा) सेवा  
 (मन्या) मेथी  
 (मत्स्यगन्धा) दूसरीहाऊवेर, मछेछी,  
 जलपीपरि,  
 (मंगल्या) वच, गोरोचन  
 (मधुरशृंग) जीवक  
 (मणिच्छिद्रा) मेदा  
 (महामेदा) महामेदा  
 (मधुक) मुलहठी  
 (मधूलिका) मुलहठी जो पानी में  
 पैदा होती है, चिनार  
 (मत्स्यपित्ता) चिरायता  
 (मत्स्यशकला) चिरायता  
 (मर्दन) मैनफल  
 (मस्त्रक) मैनफल  
 (मयूर पिदला) मैनफल  
 (मञ्जिष्ठा) मंजीठ  
 (मञ्जूषा) मंजीठ

|  |   |
|--|---|
| (मण्डूकपर्णी) मंजीठ, ब्रह्ममाण्डूकी                                | (मर्कटी) डहरकंजा, केवांच, लट-<br>जीरा     |
| (मलयज) सफेद चन्दन  | (महावला) सहदेई                            |
| (मस्तदारु) देवदारु   | (मस्कर) चांस                              |
| (मधुप) तगर   | (मत्स्याक्षी) गांडर, मछेछी                |
| (महिपाक्ष) गूगुर   | (महाशतावरी) सतावर बड़ी                    |
| (महिलाह्वया) प्रियंगु  | (महोदरी) महासतावर                         |
| (मरुमाला) सुगन्धितशाक विशेष  | (मसूरविदला) काला निसोथ                    |
| (मधुपर्णी) गिलोय, गंभारी, नील,<br>सुदर्शन                          | (मकूलक) छोटी दत्तून, जमाल-<br>गोटेका पेंड |
| (मंडली) गिलोय  | (महाफला) बड़ी इन्द्रायन                   |
| (मधुरसा) गंभारी, चिनार, दाख  | (महाश्रावणिका) महासुण्डी                  |
| (महाकुमुमिका) गंभारी   | (मयूरक) लटजीरा, तूतिया                    |
| (मधुदूती) पाढरि  | (मर्कट) लटजीरा                            |
| (मण्डूकपर्ण) सोनापाठा  | (मधुश्रेणी) चिनार                         |
| (महती) बड़ी भटकटैया  | (महामूल) पातलगरुडी                        |
| (महोष्ठी) बड़ी भटकटैया   | (मत्स्यादनी) मछेछी, जलपीपरि               |
| (मधुस्रवा) जीवन्ती डोंडी नाम<br>शाक                                | (महायोगेश्वरी) नागदमन                     |
| (मंगल्या) जीवन्ती डोंडी नाम<br>शाक, शमी, मसूर                      | (मयूरशिखा) मोरशिखा                        |
| (महासहा) वनउर्दी   | (मधुच्छदा) मोरशिखा                        |
| (मधुरगण) अष्टवर्ग, मुलहठी, जी-<br>वन्ती, वनमूंग और<br>वनउर्द यह सब | (महात्पल) कमल                             |
| (मन्दार) मदार सफेद, जलनींब   | (मकरन्द) कमलकारस                          |
| (महामोही) धतूरा  | (महाकुमारी) सेवतीगुलाव                    |
| (मदन) धतूरा, मैनफल, मोम  | (मधुगन्ध) मौलसिरी                         |
| (महानिम्ब) वकाइन   | (महासहा) कूजा                             |
| (मधुशिशु) लाल सहिजन  | (मल्लिका) बेला                            |
| (मल्लिकापुष्प) कुरैया  | (मदयन्ती) बेला                            |
|  | (मण्डक) मोतिया                            |
|  | (महासह) वाणपुष्प, गोंडदेश प्र-<br>सिद्ध   |

|                                      |   |
|--------------------------------------|---|
| (मरु) मरुआ                           | (मनोगुप्ता) मैनसिल                          |
| (मरुत्) मरुआ                         | (मनोह्वा) मैनसिल                            |
| (मरुत्वक) मरुआ, मरसा, मैनफल          | (मन-शिला) मैनसिल                            |
| (मलय्) कठियागूलर, कटुंभर             | (मणि) रत्न                                  |
| (मरिचपत्रक) शालभेद एक तरह का साखू    | (जणिवर) हीरा                                |
| (महेरुणा) सलई                        | (मस्कत) पन्ना                               |
| (मरुभूरुह) करील                      | (मंजुमणि) पुखराज                            |
| (मधुरेणु) कटभी                       | (मधुली) छोटागेहूं जो मध्यदेशमें होताहै      |
| (मधुदूत) आम                          | (महागोधूम) बडागेहूं जो पश्चिम देशमें होताहै |
| (मर्कटाग्र) अम्वार, अमरा             | (महामाप) बोंडा, लोचिआ                       |
| (महोन्नत) ताड़                       | (मकुष्ठ) मोठ, मोथी                          |
| (मर्कटतिन्दुक) कुचलेकावृक्ष          | (मकुष्ठक) मोठ, मोथी                         |
| (महाजम्बू) फरेंदा                    | (मंगल्यक) मसूर, मसुड़ी                      |
| (महाफला) फरेंदा, कड़वीलौकी, धियातरोई | (मसूर) मसूर, मसुड़ी                         |
| (मधुपुष्प) महुआ, वनमहुआ              | (मसूरिका) मसूर, मसुड़ी                      |
| (मधुष्टील) महुआ, वनमहुआ              | (महाशालि) शालि                              |
| (मधुस्रव) महुआ, वनमहुआ               | (महिपमस्तक) शालि                            |
| (मधूक) महुआ, वनमहुआ                  | (महापण्डिक) सांठी                           |
| (मधूलक) जलमें होनेवाला महुआ          | (मन्त्री) हुरहुर                            |
| (मधुर) मधुकरुड़ी, विजौराभेद          | (महाफोशातकी) धियातरोई                       |
| (मधुकरुटी) मधुकरुड़ी, विजौरा भेद     | (महाजाली) खेखसा                             |
| (महारजत) सोना                        | (मरुसम्भव) मूली                             |
| (मगडूर) कीटी, तपायेहुये लोहेका मल    | (महापत्र) मानकेचू                           |
| (मधुधातु) सोनामखी                    | (मत्स्य) मछली                               |
| (मधुमाक्षिक) सोनामखी                 | (मयूर) मोर                                  |
| (महासस) पारा                         | (मण्डूकी) मेढ़क                             |
|                                      | (महिप) भैंसा                                |
|                                      | (महाशफर) पपता मछली                          |

|                               |   |
|-------------------------------|---|
| (मंगुरी) मंगुरी मछली          | (मालती) चमेली                               |
| (मण्डा) मंडा लोई              | (माधवी) मोतिया                              |
| (मठ) माठ बालूसाही             | (माध्य) कुन्द                               |
| (मस्तु) दही का तोड़           | (माध्याह्निक) दुपहरिया                      |
| (मथित) मलाई रहित जलयुक्तमट्टा | (मारुत्तक) मरुआ                             |
| (मद्य) शराब                   | (मांगल्य) रीठा                              |
| (मदिग) शराब                   | (माकन्द) आम                                 |
| (मक्षिकावान्त) सहत            | (माखान्न) मखाना                             |
| (मधु) पुष्परस, मद्य           | (मातुलुंग) विजौरा                           |
| (मदनक) सहत                    | (माक्षिकधातु) सोनामथली                      |
| (मधूच्छिष्ट) सहत              | (माणिक्य) माणिक्य                           |
| (मधूपित) सहत                  | (मालवा) पोय                                 |
| (मधुशेष) सहत                  | (मारिप) मरसा                                |
| (मध्वाधार) सहत                | (मार्ष) मरसा                                |
| (मयन) सहत                     | (मानक) मानकेचू                              |
| (मधुतृण) ईख, गन्ना            | (मांस) मांस                                 |
| (मत्स्यरडी) खाड़              | (माहेयी) गौ                                 |
| (मधूलिक) मरोरफली, मुलेहठी     | (मांसशृंगाटक) एकप्रकारसे घना-<br>यागया मांस |
| (मालूर) बेल                   | (माक्षिक) सहत                               |
| (मार्जारगंधिका) वनमूंग        | (माध्वीक) सहत                               |
| (मापपर्णी) वनउर्दी            | (मिरा) मद्य, शराब                           |
| (मातुल) धतूरा                 | (मिश्रक) एक प्रकारका रांगा वंग              |
| (मातुलपुत्रक) धतूरे का फल     | (मीन) मछली                                  |
| (मांसरोहिणी) रोहिणी           | (मु)  |
| (मालातृणक) भूस्तृण            | (मुस्त) मोथा                                |
| (मार्कत्र) भंगरा              | (मुस्तक) मोथा                               |
| (मांगल्यकुमुमा) शङ्खपुष्पी    | (मुरा) मरोरफली                              |
| (मारुडुकी) ब्रह्ममाण्डुकी     | (मुष्कक) घण्टा पाढरि                        |
| (मार्कण्डिका) भुईंखेकसा       | (मुद्गपर्णी) वनमूंग                         |
| (मार्केण्डी) भुईंखेकसा        |   |



(मुष्टि) बकाइन  
 (मुञ्ज) मूँज  
 (मुञ्जातक) मूँज  
 (मुशली) मुसली  
 (मुगडी) मुगडी, हिरन जिसके सींग न हों  
 (मुगडतिका) मुण्डी  
 (मुक्कवन्धना) वरसाती बेल  
 (मुचुकुन्द) मुचुकुन्द  
 (मुनिद्रुम) अगस्त्य  
 (मुनिपुष्प) अगस्त्य  
 (मुनिपुत्र) दवना  
 (मुखप्रिय) नारंगी  
 (मुष्टिप्रमाण) सेव  
 (मुक्का) मोती  
 (मुक्काफल) मोती  
 (मुकुण्डक) मोठ, मोथी  
 (मुकुन्दक) सांठी  
 (मुनिनिर्मित) टिंडा  
 (मुद्गमोदक) मूँग के लेंडू  
 (मूर्वा) चिनार, मरोरफली, कुंदुरू  
 (मूलकपोतिका) मूली  
 (मृक्षण) मक्खन  
 (मृगाक्षी) बड़ी इन्द्रायन  
 (मृगादनी) बड़ी इन्द्रायन  
 (मृगैर्वारु) बड़ी इन्द्रायन  
 (मृणाल) कमल की डंडी  
 (मृणालमूल) भसींड़  
 (मृतालक) सोरठी मट्टी  
 (मृत्ना) सोरठी मट्टी

(मृदुच्छदा) खजूर, पिंड खजूर, छो-  
 हारा  
 (मृदुच्छद) कुकुरोध  
 (मृदुपुष्प) तिरसा  
 (मृदुरचना) भुईं खेकसा  
 (मृदुला) सुलेमानी पिंड खजूर  
 (मृद्वीका) मुनका  
 (मे)  
 (मेघनाद) चौराई, मोर  
 (मेघराव) मोर  
 (मेढ) भेंड़ा  
 (मेद्) भेंड़ा  
 (मेप) भेंड़ा  
 (मेदः पुच्छ) दुंवा भेंड़ा  
 (मेदो गला) खेत की लज्जावन्ती  
 (मेपवल्ली) मेढा सींगी  
 (मेपशृंगी) मेढा सींगी  
 (भैरय) शराव  
 (मो)  
 (मोक्षक) घण्टापाठरि, पलाश के  
 समान पहाड़ी वृक्ष  
 (मोचक) सहिंजन  
 (मोस्टा) चिनार  
 (मोहिनी) बटपत्री  
 (मोचा) सेमर, केला  
 (मोचनिर्यास) सेमर का गोंद  
 (मोचरस) सेमर का गोंद  
 (मोचास्राव) सेमर का गोंद  
 (मोक्ष) पलाश के समान पहाड़ी वृक्ष  
 (मोचिका) मोचिका मछली

(मोस्ट) फटे हुये दूध का पानी

(मौक्किंक) मोती

(म्लेच्छ) सिंगरफ

(म्लेच्छमुख) तांवा

(य)

(यवफल) कुरैया, चांस

(यज्ञभूषण) कुश

(यवास) जवासा

(यत्नाङ्ग) गूलर

(यज्ञिय) खयर, पलाश

(यष्टीपुष्प) पतौजिया

(यसद्) जस्ता

(यव) जौ, जिसकी नोक सफेद होती है

(यवशाक) वथुई

(यवानीशाक) अजवाइनका शाक

(यमवाहन) भैंसा

(यामुन) सुरमा

(यास) जवासा

(युगपत्रक) कचनार

(यूथिका) जूही

(योगीश्वरी) बाँझखेवसा

(योगेष्ट) सीसा

(र)

(रञ्जना) पापड़ी, चकवत

(रसायनी) गिलोय

(रक्तपुष्प) लालमदार

(रम्यक) बकाइन

(रक्किका) लालघोंघची

(रथशत) घेत

(रक्तफला) स्वर्णवल्ली, कुंदुरू

(रसा) पादर, सलई, रास्ना

(रञ्जनी) नील

(रक्तपुष्पा) लालगदहपूरना, सिन्दूरिया, सेमर

(रक्तपारी) लज्जावन्ती

(रविप्रीता) हुरहुर

(रक्त) दुपहरिया

(रक्तबीजा) सिंदूरिया

(रक्तफल) वरगद

(रक्तसार) खयर, कर्था, लालचन्दन, पतंग

(रक्तबीज) रीठा

(रक्तपुष्पक) पलाश

(रथदु) तिनिश

(रसाल) आज

(रंजत) रूपा, चांदी

(रविप्रिय) तांवा

(रक्त्रेणु) सिंदूर

(रसधातु) मांस, द्रवपदार्थ, ईख का रस, पारा, मधुरादिक छः, धालरोग, विष, जल

(रसेन्द्र) मांस, द्रवपदार्थ, ईखका रस, पारा, मधुरादिक छः, धालरोग, विष, जल

(रस) मांस, द्रवपदार्थ, ईखकारस, पारा, मधुरादिक छः, धालरोग, विष, जल

(रक्तदा) फिटकरी

(रक्तधातु) गेरू, सुनहरी गेरू  
 (रसक) तृतियाभेद, खपरिया  
 (रङ्गदायक) मुर्दासिग  
 (रत्न) रत्न  
 (रक्तशालि) शालि, धान  
 (रक्तवर्द्धन) कचूतर  
 (रजस्वल) भैंसा  
 (रसाला) सिखरन

(र)

(राजपुत्री) रेणुका नाम मिर्च के  
 समान सुगन्धित वस्तु  
 विशेष

(राष्ट्रिका) बड़ी भट्फटैया  
 (राजवला) गन्धप्रसारणी  
 (रामदूतिका) नागपुष्पी  
 (राजीर) कमल  
 (राजपुत्रिका) चमेली  
 (राजपुत्रक) राजाम्र  
 (राजाम्र) राजाम्र  
 (राजजम्बू) फरेंदा  
 (राजादन) चिरौजी, खिन्नी  
 (राजन्या) खिन्नी  
 (राजरीति) कच्ची पीतल  
 (राजावर्त्त) रेण्टी  
 (राजमाष) बोंडा, लोत्रिया  
 (राजशिमि) भटवास  
 (राजिका) राई  
 (राजी) राई  
 (राजक्रोशातकी) तरोई  
 (राजिमतकला) तरोई

(राजीफल) परवल  
 (राजेय) परवल  
 (राजकसेरुक) कसेरू  
 (रीति) पीतल  
 (रुचक) विजौरानीवू, कालानिमक  
 (रुबू) लालरेड़  
 (रुबूक) सफेद तथा लालरेड़  
 (रुहा) नीलीदूब, मांस रोहिणी  
 (रूप्य) चांदी  
 (रेचनी) निसोथ सफेद, वटपत्री  
 (रेणुका) मिर्च के समान एरुतरह  
 की सुगन्धित वस्तु  
 (रेतजा) बालू  
 (रोगाह्वय) कूट  
 (रोचन) कधीला, कालासेमर गो-  
 रोचन  
 (रोचना) गोररोचन, हल्दी  
 (रोचनी) चूरु  
 (रोऊ) हरिन  
 (रोटिका) रोटी  
 (रोदिनी) जवासा  
 (रोमक) सांभरनोन  
 (रोमणफल) टिडा  
 (रोमशुक) कुरुकुरा  
 (रोहिणी) हड, कुटकी  
 (रोहित) रोहू मछली जिसके सब  
 अंग लाल हों और पूंछ  
 काली हो  
 (रोहितक) लालकजा  
 (रोहिप) रोहित

|   |   |
|---|---|
| (रोही) लालकंजा  | (लाक्षा) सेवती गुलाब                        |
| (रोहीतक) लालकंजा  | (लांगली) करियारी, केवांच, जल-पीपरि          |
| ( ल )   |   |
| ( लता ) प्रियंगु, सुगन्धित शाक विशेष, गोरी सांव,                                | ( लाजा ) खील, धानके लावा                    |
| ( लव ) खसके समान पीले रंगका एक तृण  | ( लामज्जक ) खसके समान एक प्रकार का पीला तृण |
| ( लघु ) खसके समान पीले रंगका एक तृण, सुगन्धित शाक विशेष                         | ( लिक्चु ) बडहल                             |
| ( लङ्घोपिका ) सुगन्धितशाक विशेष   | ( लुलाय ) भैंसा                             |
| ( लक्ष्मणा ) सफेद भटकटैया   | ( लेखनी ) ग्वड़िया                          |
| ( लगुड ) लालरुनैर   | ( लेखपत्र ) ताड़                            |
| ( लक्ष्मणा ) इसी नामसे प्रसिद्ध है इसमें बालकों के समान छोटे-लाल चिह्न होते हैं | ( लोचमस्तक ) अजमोद                          |
| ( लघुदन्ती ) दस्त्यून, जामालगोटे का पेड़  | ( लोणा ) छोटी लोनियां                       |
| ( लज्जालु ) लज्जावन्ती  | ( लोणिका ) लोनियां, चूकका शाक               |
| ( लघुपुष्पा ) सुवर्णकेतकी एक तरह का केवडा                                       | ( लोणी ) छोटी लोनियां                       |
| ( लक्ष्मी ) शमी   | ( लोभ्र ) लोध                               |
| ( लकुच ) बडहल   | ( लोभ्रपुष्पक ) शालि                        |
| ( लवली ) हरफारेवड़ी   | ( लोमकर्ण ) खरगोश                           |
| ( लघुमूलक ) मूली, मुरई  | ( लोमशपर्णी ) वन उर्दी                      |
| ( लजाशूक ) भसीड़  | ( लोमशा ) वच                                |
| ( लम्बकर्ण ) खरगोश  | ( लोह ) अगर, लोहा                           |
| ( लप्सिका ) लक्ष्मी   | ( लोहकर्पक ) चुंबक पत्थर                    |
| ( लक्ष्मी ) ऋद्धि, वृद्धि, शमी  | ( लोहित ) माणिस्य                           |
|   | ( लोहितपुष्पक ) अनार                        |
|   | ( लोहसिहानिका ) नीटी, तपायेहुये लोहे का मल  |
|   | ( व )                                       |
|   | ( वयस्था ) हड़, गिलोय                       |
|   | ( वरा ) त्रिफला अथवा हड़, बहेड़ा, आमला      |
|   | ( वशिर ) गजपीपल, पांगानोन                   |

|  |   |
|--|---|
| (वचा) वच   | (वकुल) मौलसिरी  |
| (वह्निज्वाला) धवई  | (वक्र) बड़ी मौलसिरी   |
| (वर्हिबर्ह) कुकुरौंधा  | (वसु) बड़ी मौलसिरी  |
| (वत्सादनी) गिलोय   | (वर्णपुष्प) वाणपुष्प  |
| (वनश्रृंगाट) गोखरू   | (वह्निसेन) अगस्त्य  |
| (वर्धमान) सफेद अरण्ड   | (वर्वरी) वचई  |
| (वसुक) राफेद मदार, खारीनोन   | (वटपत्र) सफेद वचई   |
| (वज्री) सेहुंडा  | (वट) वरगद   |
| (वज्रटुम) सेहुंडा  | (वनस्पति) वरगद, बेलिया पीपर   |
| (वह्निचक्रा) करिहारी   | (वल्लकी) सलई  |
| (वरतिक्र) पित्तपापड़ा  | (ववूल) ववूल   |
| (वत्सक) कुरैया   | (वरण) वरना  |
| (वञ्जुल) वैत, अशोक, तिनिश  | (वरुण) वरना   |
| (वस्तगन्धाकृति) लक्ष्मणा इस में<br>वालकोंके समा-<br>न छोटे २ लाल<br>चिह्न होते हैं | (वरदारु) भुईसहा   |
| (वंश) वांस   | (वदरी) वेर  |
| (वर्हि) कुश  | (वदर) वेर, सेव  |
| (वदरा) विदारीकन्द, चाराहीकन्द.<br>हुरहुर, कालानोन                                  | (वद्म) लाल रांगा  |
| (वरी) सतावर  | (वप्र) सीसा   |
| (वरदा) असगंध, हुरहुर, गेंठी  | (वज्र) अम्रक जो अग्नि में डालने<br>से वज्रकी तरह बनारह वि-<br>गड़े नहीं, हीरा |
| (वरतिक्रिका) पाढर  | (वराह) सुर्दासिंग   |
| (वशिर) लाल लटजीरा, गजपीपल<br>समुद्र का नोन   | (वत्सनाभ) मीठा तेलिया, एकप्र-<br>कार का विष                                   |
| (वज्रांगी) दरसिंगार  | (वल्लक) भटवांस  |
| (वन्दा) वांदा  | (वनमुद्ग) मोठ, मोथी   |
| (वटपत्री) वटपत्री  | (वर्तुल) मटर, केराव   |
| (वंशपत्री) वंशपत्री  | (वस्टा) वरें, कुसुम्भ के बीज  |
|  | (वरट्टिका) वरें, कुसुम्भ के बीज   |
|  | (वर्त्तिक) वटेर   |

(वर्त्तिका) एक प्रकार का घटेर

(वर्त्तिका) घटेर

(वर्त्ति) वगेरा

(वस्त) वकरा

(वर्मि) वांघ मछली

(वटका) बडा घरा

(वटिका) वरी

(वन) पानी

(वस्टीवान्त) सहत

(वारिद्) मोथा

(वार्ताकी) बडी भटकटैया

(वातारि) सफेद अरण्ड, लाल-  
अरण्ड

(वासक) अरुसा

(वासिका) अरुसा

(वाजी) घोडा

(वासा) अरुसा

(वाजिदन्ता) अरुसा

(वायसी) डहरकंजा, मकोय

(वानीर) वेत

(वाट्यालिका) वरियारा

(वाट्या) वरियारा

(वाट्यालक) वरियारा

(वाण) सरपत, मूंज

(वाराहीकन्द) गेठी

(वाराहवदना) वाराहीकन्द, या,  
गेठी

(वाजिनामा) असगन्ध

(वाराहकर्णी) असगन्ध

(वाराहांगी) छोटी दत्यून, जमाल

गोटे का पेंड

(वारुणी) इन्द्रायन

(वाहिका) मछेछी, केशर, हींग

(वारिपर्णी) पुरइन्

(वासन्ती) मोतिया

(वातहर) पलाश

(वारणा) केला

(वानप्रस्थ) महुआ, वनमहुआ

(वातवैरी) वादाम

(वाताद) वादाम

(वाचस्पतिवल्गु) पुखराज

(वास्तुक) बथुई

(वास्तुक) बथुई

(वाप्पक) मरसा

(वास्तुकाकारा) पालक

(वात्तक) वैगन

(वाराही) वाराहीकन्द

(वार्त्तिक) वगेरा

(वाह) घोडा

(वार) पानी

(वारि) सुगन्धवाला

(वारुणी) मद्य, शराव

(वि)

(विप्पक्सेना) प्रियंगु

(विदुमलता) नलिका नाम उत्तर

देश में प्रसिद्ध सुग-

न्धि वस्तु विशेष

(विशल्या) गिलोय, छोटी दन्ती,

करिहारी

(त्रिल्व) वेल

(विदारिगन्धा) सरिवन्  
 (विकीर्णकं) लाल मदार  
 (विमला) सेहुंडभेद  
 (विडुला) सेहुंडभेद  
 (विशल्या) करिहारी  
 (विपमुष्टिक) वकाइन्  
 (विष्णुक्रान्ता) विष्णु कान्ता  
 (विकसा) रोहिणी  
 (विडुल) वेत  
 (विदारी) विदारीकन्द, गेंठी  
 (विशाला) बड़ी इन्द्रायन  
 (विपाणी) मेढासींगी  
 (विक्षीरिणी) दूधी  
 (विपकरटकिनी) वांझ खेक्सा  
 (विपघ्नी) पीली सोनैया  
 (विपापहा) नागदमन  
 (विसप्रसून) कमल  
 (विस) कमल की डंडी  
 (विमुक्त) मोतिया  
 (विनीत) दवंना  
 (विद् स्वदिर) दुर्गन्धित खयर  
 (विशालत्वक्) छितवन  
 (विपमच्छद) छितवन  
 (विल्व) वेल  
 (विल्वकर्कटी) वेलका कच्चा फल  
 (विल्वपेशिका) वेलका कच्चा फल  
 (विपतिन्दुक) कुचले का वृष  
 (विपमा) वेर  
 (विकङ्कत) कँटाई  
 (वितुन्नक) तूतिया, धनियां

(विद्रुम) मूंगा  
 (विप) जहर  
 (विपघ्न) चौराई  
 (विम्बी) कुंदुरु  
 (विम्बिका) कुंदुरु  
 (विपमुष्टि) करेरुआ  
 (विस्र) मूली  
 (विसार) मछली  
 (विलेशय) खरगोश  
 (वि) पक्षी  
 (विकिर) पक्षी  
 (विष्किर) पक्षी  
 (विहग) पक्षी  
 (विहङ्ग) पक्षी  
 (विहङ्गम) पक्षी  
 (विश्वा) सोंठ, अतीस  
 (वी)  
 (वीरवती) रोहिणी  
 (वीरतरु) वरवेल, अर्जुन, वीरण,  
 सरपत  
 (वीर) अर्जुनकावृक्ष, वीरण  
 (वीरवृक्ष) अर्जुनकावृक्ष  
 (वीरसेन) आलू  
 (वेणी) सोनैया  
 (वेणु) वांस  
 (वेणुपत्री) वंशपत्री  
 (वेतस) वेत  
 (वेधमुख्य) कचूर  
 (वेधमुख्या) कस्तूरी  
 (वेल्ल) धायचिडंग

|   |                               |
|---|-------------------------------|
| (वेल्लज) मिर्च  | (शक्रपुष्पी) करिहारी          |
| (वेल्लन्तर) वरवेल, वीरतरु   | (शतकुम्भ) सफेद कनैर           |
| (वेशनवटिका) पकौड़ी  | (शक्रशाखी) कुरैया             |
| (वैजयन्तिका) अरणी   | (शतपर्वा) चांस, कलगी, दूव, वच |
| (वैदल) मूंगआदि शिबीधान्य  | (शतफली) चांस                  |
| (वैदूर्य) वैदूर्य   | (शर) सरपत                     |
| (वैश्रवणावास) वरगद  | (शरी) मोधीतृण विशेष           |
| (वैसारिण) मछली  | (शतपर्विका) नीलीदूव           |
| (वृक्षक) कुरैया   | (शप्प) नीलीदूव                |
| (वृक्षभक्ष्या) चांदा  | (शतवल्ली) नीलीदूव             |
| (वृक्षरुहा) चांदा   | (शतवीर्या) सफेददूव, सतावर     |
| (वृक्षादनी) चांदा   | (शकुलाक्षक) गांडर             |
| (वृक्षाम्ल) विपांघिल  | (शतावरी) सतावर                |
| (वृत्तकोश) सोनेया   | (शतपदी) सतावर                 |
| (वृत्तपुष्प) कदम  | (शतमूली) महासतावर             |
| (वृत्तफल) लाल लटजीरा, लह-<br>चिचरा  | (शम्बरी) बड़ी दत्यून, बघरगडा  |
| (वृत्ता) रोहिणी   | (शरपुङ्ख) शरफाका              |
| (वृन्ताक) वैंगन   | (शाणपुष्पी) सनपुष्पी          |
| (वृष) अरुस्ता, रूसा, बैल  | (शाणपुष्पसमाकृति) सनपुष्पी    |
| (वृषकेतु) लाल गदहपुरेना   | (शङ्खपुष्पी) शङ्खपुष्पी       |
| (वृषभ) बैल  | (शङ्खाद्वा) शङ्खपुष्पी        |
| (वृषा) बड़ी दत्यून, बघरगडा  | (शमीपत्रा) लज्जावन्ती         |
| (वृष्णि) भेंड़ा   | (शकुलादनी) जलपीपरि, कुटकी     |
| (व्याघ्रपुच्छ) लाल अरगड   | (शतपत्र) कमल                  |
| (व्याघ्री) भटकटैया  | (शतपत्री) सेनतीगुलाव          |
| (श)   | (शस्यशम्बर) गाल, सासू         |
| (शटी) कचूर, गन्धपलाशी, एकप्र-<br>कार की सुगन्धित वस्तु<br>कश्मीर देशमें प्रसिद्ध है | (शल्लकी) सलई                  |
|   | (शत्रुफला) शमी                |
|   | (शमी) शमी                     |
|   | (शमीर) छोटी शमी               |



(शतवेधि) अमलवेत  
 (शस्त्रक) लोहा  
 (शर्करा) वालू, चीनी  
 (शमीज) शिम्बीधान्य, मूंगआदिक  
 (शणपुष्पिका) अरहर  
 (शकुनाहृत) शालि  
 (शतपुष्पा) सांठी  
 (शफरी) अमलोनीयों  
 (शतवेधिनी) चूक  
 (शङ्खधरा) दुरदुर  
 (शकुली) मछली  
 (शश) खरगोश  
 (शल्यक) साही  
 (शकुनि) पच्ची  
 (शङ्कुली) सौरीमछली, सोहारी  
 (शर्करादक) शर्वत  
 (श)  
 (शालपर्णिका) मरोरफली  
 (शालपर्णी) सरिवन्  
 (शाकश्रेष्ठा) जीवन्ती, डोंडी नाम  
 शाक  
 (शातला) सेहुंडभेद  
 (शारिवा) कालीसाव  
 (शारदी) जलपीपरि, सारिवा  
 (शालूक) कमलकीजड़, भसीड़  
 (शारदा) स्थलकमल  
 (शाल) शाल, साखू, शालभेद  
 (शाल्मलि) सेमर  
 (शाल्मलीवेष्टक) सेमरकागोंद  
 (शाखोट) सहोरा

(शारद) छितवन  
 (शाण्डिल्य) वेल  
 (शातकुम्भ) सोना  
 (शाकराट्) बथुई  
 (शाल्मलीपुष्पशाक) सेमरके फूल  
 का शाक  
 (शालमर्कटक) मूली, मुरई  
 (शालेय) मूली, मुरई  
 (शि)  
 (शिवप्रिय) धतूरा  
 (शिशु) सहिजन  
 (शिवि) मोथी नाम तृण विशेष  
 (शिलाटिका) लाल गदहपूरना  
 (शिवा) भुई आंवला, शमी  
 (शिवमल्ली) वड़ी मौलसिरी  
 (शिरीष) सिरसा  
 (शिशपा) सीसव, सिरसई  
 (शिरीपिका) जल शिरस  
 (शिल्विग्रीव) तूतिया  
 (शिलाजतु) शिलाजीत  
 (शिवाह्वय) पारा  
 (शिववीर्य) पारा  
 (शिला) मेनसिल, शिलाजीत, गेरू  
 (शिवीज) शिवीधान्य मूंग आदिक  
 (शिवीभव) शिवीधान्य मूंग आ-  
 दिक  
 (शितिवर) सिरिआरी  
 (शितियार) सिरिआरी  
 (शिवी) सिरिआरी  
 (शिशुपुष्प) सहिजन का फूल

|  |   |
|--|---|
| ( शिम्बि ) सेम   | ( शूकशिम्बी ) केवांच  |
| ( शिम्बी ) सेम   | ( शून्यमध्य ) नरकुल   |
| ( शिलीन्ध्रक ) स्वेदजशाक जो पृ-<br>थ्वी गोवर काष्ठ और<br>वृक्षादिकों पर उत्पन्न<br>होता है | ( शूलघ्नी ) तुलसी   |
| ( शिखरिडक ) मुर्गा   | ( शूली ) खरगोश  |
| ( शिखण्डी ) मोर  | ( शूल्य ) लोह शलाकामें लपेट कर<br>भूना गया मांस                                     |
| ( शिखावल ) मोर   | ( श्रे )  |
| ( शिखी ) मोर   | ( शेफाली ) नीले फूल का संभालू   |
| ( शीघ्रा ) छोटी दत्यून, जमाल गोटे<br>का वृक्ष  | ( शेलु ) लसोड़ा   |
| ( शीत ) लसोड़ा   | ( शैलधातुज ) शिलाजीत  |
| ( शीतफल ) पीलू   | ( शैलनिर्यास ) शिलाजीत  |
| ( शीतभीरु ) वेला   | ( शैलूप ) वेला  |
| ( शीत शिव ) सेंधानमक, सौंफ   | ( शैवल ) सेवार  |
| ( शीर्ण ) कुकुरौंधा  | ( शैवाल ) सेवार   |
| ( शुक्रच्छद ) कुकुरौंधा  | ( शोणपुष्पक ) कचनार   |
| ( शुक्रतरु ) सिरसा   | ( शोणरत्न ) माणिक्य   |
| ( शुकतुण्डक ) पीलेरंगका सिंगरफ   | ( शोथघ्नी ) सफेद तथा लाल गदह<br>पुरैना  |
| ( शुकनास ) सोना पाठा   | ( शोभाञ्जन ) सहिजन  |
| ( शुकप्रिय ) सिरसा   | ( शोषण ) सोना पाठा  |
| ( शुकपुष्प ) कुकुरौंधा   | ( शौक्रिक ) मोती  |
| ( शुकवर्ह ) कुकुरौंधा  | ( शौण्डी ) पीपरी  |
| ( शुक्लफल ) लालमदार  | ( शृङ्गवेर ) सोंठ, अदरक   |
| ( शुक्लोपाङ्ग ) मोर  | ( शृङ्गवेरामूलक ) गन्धपटेर  |
| ( शुभ्रा ) फिटकरी  | ( शृङ्गाटक ) सिंघाड़ा   |
| ( शुल्ब ) तांबा  | ( शृङ्गिक ) सींगिया विष, जिस विष<br>को गौके सींग में बांधने<br>से दूध लाल होजाता है |
| ( शुपिरा ) पंवारी उत्तर देश में ना-<br>लिका नामसे प्रसिद्ध                                 | ( शृङ्गी ) काकड़ा सींगी, अतीत,<br>सींगी मछली  |

|   |  |
|---|--|
| (श्यामक) रोहिस  | (श्वेतार्क) सफेद मदार  |
| (श्यामा) प्रियंगु, काला निसोथ,<br>काली सांव, गोरी सांव,<br>सीसव, सारिवा | (५)  |
| (श्येनघण्टा) छोटी दत्यून, जमा-<br>लगोटे का वृक्ष                        | (पद्ग्रन्था) गंधपलाशी, एक सुगं-<br>धित वस्तु जो कश्मीर<br>में प्रतिष्ठ है, वच, डहर |
| (श्योनाक) सोनापाठा  | (पटपदा) वरसाती वेल   |
| (श्रवणशीर्षक) मुंडी   | (पष्ठिक) साठी  |
| (श्रवणाहा) मुंडी  | (६)  |
| (श्राद्धशाक) केरमुआँ, नारी  | (समुद्रान्ता) सुगन्धित वस्तु विशेष,<br>कपास, जवासा                                 |
| (श्रावणी) मुंडी   | (सहा) वनमूंग, ककही, सेवती, गु-<br>लाव  |
| (श्रीपदी) वरसाती वेल  | (सदापुष्प) सफेद तथा काला म-<br>दार, कुन्द  |
| (श्रीपर्णी) गंभारी, अरणी, कायफल   | (समन्तद्गुधा) सेहुंडा  |
| (श्रीफल) वेल  | (सप्तला) सेहुंडभेद, वसंती नेवारी   |
| (श्रीफली) नील   | (सहदेवी) सहदेई   |
| (श्रीमान्) तिलक   | (सहस्रवीर्या) नीलीदूब, महासता-<br>वर   |
| (श्रीवारक) सिरिघारी   | (सर्वानुभूति) निसोथ सफेद   |
| (श्रेयसी) हड़, रास्ना, गजपीपल   | (सरला) निसोथ सफेद  |
| (श्लेष्मान्तक) लसोड़ा   | (सराणी) गन्धप्रसारणी   |
| (श्वदंष्ट्रा) गोखरू   | (सर्पाक्षी) सरहटी  |
| (शवावित्) साही  | (समंगा) लज्जावन्ती, तुई मुई,<br>मंजीठ  |
| (श्वेनपुष्प) सफेद मदार, कटसरैया   | (सरस्वती) ब्राह्मी   |
| (श्वेतपुष्पा) बड़ी इन्द्रायन, नाग-<br>पुष्पी                            | (सहस्राहि) मोरशिसा   |
| (श्वेतमरिच) सहिजन के बीज  | (सहस्रपत्र) कमल  |
| (श्वेतमूला) सफेद गदहपुरैना  | (सरसीरूह) कमल  |
| (श्वेतराजि) चिचिंडा   | (संवर्तिका) कमल के नवीन पत्ते  |
| (श्वेतशाम्बिक) भटवांस   |  |
| (श्वेतसार) पपड़िया खैर  |  |
| (श्वेता) फिटकरी   |  |

|                               |                                 |
|-------------------------------|---------------------------------|
| (सहाचर) कटसरैया               | (सहस्रवेधी) अमलवेत, कस्तूरी,    |
| (सहचर) कटसरैया                | हींग                            |
| (समीरण) मरुआ                  | (सारघ्य) सहत                    |
| (सर्ज) शाल, साखू              | (सारणी) गन्धप्रसारणी            |
| (सर्जक) शालभेद एक तरह का      | (सारस) कमल                      |
| साखू विजयसार                  | (सारा) एक प्रकार का सेहुंड      |
| (सपीतक) बबूल                  | (सि)                            |
| (समिद्धर) पलाश                | (सिंहपुच्छी) पिठवन्             |
| (सप्तपर्ण) छितवन              | (सिंही) बड़ी भटकटैया, वासा      |
| (सहकार) आम                    | (सिंहतुण्ड) सेहुंडा             |
| (सदाफल) नारियल                | (सिंहिका) अरुसा                 |
| (सन्नक्रु) चिरौंजी            | (सिंहास्य) अरुसा                |
| (सहस्रनुत्) अमलवेत            | (सिंहपर्ण) अरुसा                |
| (सक्रुक) एक प्रकार का विप जिस | (सिन्दुवार) सँभालू              |
| की गांठ सनूके समान            | (सिन्दुक) सफेदपुष्पका सँभालू    |
| चूर्ण से पूर्ण                | (सिन्दुवारक) सफेदपुष्पका सँभालू |
| (सकलप्रिय) चना                | (सिंहकेशरक) मौलसिरी             |
| (सतीनक) मटर, केराव            | (सिन्दूरी) सिन्दूरिया           |
| (सर्पप) सरसों                 | (सिवितिकाफल) सेव                |
| (सखीज) सरखीज                  | (सितप्रभ) रूपा, चांदी           |
| (सप्ति) घोड़ा                 | (सिंहान) कीटी, तपायेहुये लोहे   |
| (सपादमत्स्य) टेंगरा मछली      | का मल                           |
| (सहद्रक) सेहुंडक सहवासु       | (सिन्दूर) सिन्दूर               |
| (सम्पाव) पिणाक, गोझिया        | (सिकता) बालू                    |
| (सक्रु) सत्तू                 | (सिद्धार्थ) सफेदसरसों           |
| (सलिल) पानी                   | (सिलन्ध) सिलन्धामछली            |
| (सन्तानिका) मलाई              | (सिक्थक) मोम                    |
| (सर) दहीकी मलाई, साढ़ी        | (सिता) चीनी                     |
| (सरज) मक्खन                   | (सितोपला) मिथ्री                |
| (सर्पिम्) घी                  | (सीधु) मद्य, शराव               |

|  |                                  |
|--|----------------------------------|
| (सीस) सीसा   | (सुवर्चुल) तरवूज                 |
| (सीसज) सिन्दूर   | (सुधावास) बालमखीरा               |
| (सु)   | (सुशीतल) बालमखीरा                |
| (सुरभि) मरोरफली, गौ  | (सुरभिपत्रा) फरेंदा              |
| (सुव्रता) गन्धपलाशी नाम सुगन्धित वस्तु कश्मीरदेश में प्रसिद्ध है | (सुगन्धमूला) हरफारेवड़ी          |
| (सुगन्ध) भटोरा, भूस्तृण  | (सुपेण) करोंदा                   |
| (सुनाल) खतकेसमान पीलेरंग का एक तृण                               | (सुवर्ण) सोना                    |
| (सुगन्धि) एलुवा  | (सुरमृत्तिका) सोरठीमट्टी         |
| (सुधा) सेहूँडा   | (सुराष्ट्रजा) सोरठीमट्टी         |
| (सुवहा) नीलेफूलका सँभालू, सलई, रास्ना, नाकुली                    | (सुमनस्) गेहूँ                   |
| (सुमेखल) मूँज  | (सुगन्धक) शालि                   |
| (सुपोणिका) कालानिसोथ   | (सुनिपष्क) सिरियारी              |
| (सुगन्धा) कालीतांव   | (सुदीर्घ) चिचिंडा                |
| (सुलोमसा) मसी  | (सुमुष्टिका) करेरुआ              |
| (सुवर्चला) हुरहुर  | (सुदर्शन) मछली                   |
| (सुदर्शना) सुदर्शन   | (सुरा) मद्य, शराव                |
| (सुमना) चमेली, पीलीचमेली   | (सु)                             |
| (सुगन्धिनी) सुवर्णकेतकी  | (सूर्यपर्णी) वनमूंग, वनउर्दी     |
| (सुकोमला) सिन्दूरिया   | (सूच्यग्र) कुश                   |
| (सुरसा) तुलसी  | (सूर्यभक्ता) हुरहुर              |
| (सुलभा) तुलसी  | (सूर्यावर्ता) हुरहुर             |
| (सुपार्श्वक) गजदण्ड सहोरा  | (सूक्ष्मपत्र) कुरुरांधा          |
| (सुरभी) सलई, मरोरफली, एलुआ                                       | (सूचिकापुष्प) केवड़ा             |
| (सुनिर्यासा) जिंगनी  | (सूक्ष्मपत्रा) छोटी जामुन        |
| (सुतेजन) धामिनवृक्ष  | (सूर्य पर्याय) तांबा             |
| (सुकौशक) कोशम्भ, कोशात्र   | (सूत) पारा                       |
|  | (सूर्य्य) शिंवी धान्य, मूंग आदिक |
|  | (सूचिपत्र) शिरियारी              |
|  | (सूराण) जर्मीकन्द                |
|  | (सूप) पकीहुई और लवण अदरक         |

## हींग से युक्त दाल

- (सेतु) चरना  
 (सेधा) साही  
 (सेव) सेव  
 (सेवन मोदक) सेवका लड्डू  
 (सेविका) सेवई  
 (सेवीका मोदक) सेवका लड्डू  
 (सेव्य) खस, लामज्जक, खस के  
 समान पीले रंग का एक  
 तृण  
 (सेहुगड) सेहुँडा  
 (सेन्धव) घोड़ा  
 (सैरेय) कटसैरैया  
 (सैरेयक) कटसैरैया  
 (सोमक्षीरी) सोमलता  
 (सोमवल्क) कांटेदार कंजा, सफेद  
 कथा, कायफल  
 (सोमवल्कल) पपड़िया खयर  
 (सोमवल्ली) सोमलता, गिलोय,  
 ब्राह्मी, सुदर्शन, चकुची  
 (सोमा) गिलोय  
 (सौगन्धिक) रोहिस, गंधक, कहार,  
 कचूण  
 (सौभाग्य) सोहागा  
 (सौभाजनफल) सहिजनका फल  
 (सौम्या) सरिवन  
 (सौरभेय) बैल  
 (सौरभेयी) गौ  
 (सौराष्ट्री) सोरठी मट्टी  
 (सौराष्ट्रिक) सुराष्ट्र देशमें होनेवाला

## विष

- (सौवीर) बेर, सफेद सुरमा, संधान  
 भेद  
 (स्कन्धज) चरगद  
 (स्कन्धफला) खजूर, पिंड खजूर,  
 छोहारा  
 (स्तन्य) दूध  
 (स्तुभ) चकरा  
 (स्तुभा) चकरी  
 (स्थाली वृक्ष) वेलियापीपर  
 (स्थि)  
 (स्थिरा) सरिवन  
 (स्थिरायु) सेमर  
 (स्थिर) धवई  
 (स्थूल) सहतूत  
 (स्थूलदर्भ) मूंज  
 (स्थौण्येयक) कुकुरौंघा  
 (स्तुक्) सेहुँडा  
 (स्तुही) सेहुँडा  
 (स्तुवा) चिनार  
 (स्पृक्का) एकतरहका सुगन्धितशाक  
 (स्फटिका) फिटकरी  
 (स्फटी) फिटकरी  
 (स्फुटस्वन) पिंडुकी  
 (स्फूर्जक) तेंदुआ  
 (स्फोटा) गोरीसाँव  
 (स्फोता) गोरीसाँव  
 (स्यन्दन) तिनिश  
 (स्यमन्तक) कचनार  
 (संसी) पीलू

|                                   |                                 |
|-----------------------------------|---------------------------------|
| (सुवावृक्ष) कँटारि                | रक्तवर्ण सिंगरफ                 |
| (स्रोतोऽञ्जन) कालासुरमा           | (हरिताल) हरताल                  |
| (स्वरच्छद) सहोरा, भुईसहा          | (हरिन्मणि) पन्ना                |
| (स्वर्ण) सोना                     | (हरिमन्थक) चना                  |
| (स्वर्णजातिका) पीली चमेली         | (होणुक) मटर, केराव              |
| (स्वर्णमाक्षिक) सोनामक्खी         | (हस्तिघोषा) घियातरोई            |
| (स्वर्णवल्ली) इसी नाम से प्रसिद्ध | (हस्तिपर्ण) घियातरोई            |
| ओषधि                              | (हरीण) हरिन, जोताम्रवर्ण होताहै |
| (स्वल्पकेसरी) कचनार               | (हरित) हारिल                    |
| (स्वास्तिक) सिरियारी              | (हय) घोड़ा                      |
| (स्वादुकण्टक) गोखरू, कँटारी, शमी  | (हरि) मेढक                      |
| (स्वादुकन्दा) गेंठी, विलाईकन्द    | (हरीसा) आस, एकप्रकार से घना-    |
| (स्वादुपर्णी) दूधी                | या गया मांस                     |
| (स्वादुपुष्प) कटभी                | (हविष्) घी                      |
| (स्वादुफला) मुनक्का, दाख          | (हाटक) सोना                     |
| (स्वादुमस्तका) खजूर, पिंडखजूर,    | (हायन) शालि                     |
| छोहारा                            | (हारहूरा) मुनक्का               |
| (स्वादी) खजूर, पिंडखजूर, छोहारा   | (हारिद्र) विष, जिसके वृचकी जड़  |
| (६)                               | हल्दी के समान होती है           |
| (होणुका) रेणुका नाम सुगन्धित      | (हारीत) हारिल                   |
| वस्तु विशेष                       | (हाला) शराव                     |
| (हरियालुक) एलुवा                  | (हालाहल) विष जिसका फल मु-       |
| (हयपुच्छिका) वनउर्दी              | नक्का के समान और                |
| (हलिनी) करिहारी                   | पत्ते ताड़के समान               |
| (हस्तिवारुणी) डहरकंजा             | होते हैं                        |
| (हयाह्वया) असगन्धा                | (हिज्जल) समुद्रफल               |
| (हंसपदी) हंसपदी                   | (हिगुनिर्यास) नींब              |
| (हंसपादी) हंसपदी                  | (हिगुपत्री) हींगपत्री           |
| (हलिप्रिय) कदम                    | (हिगुल) सिंगरफ                  |
| (हंसपाद) गुड़हरके फूलके समान      | (हिगुली) बड़ी भटकटैया           |

|                              |                                |
|------------------------------|--------------------------------|
| (हिंशुशिवाटिका) वंशपत्री     | प्रसिद्ध है                    |
| (हिंशय) सोना                 | (हेमदुग्धक) गूलर               |
| (हिलमोचिका) दुरदुर           | (हेमपुष्प) चम्पा, अशोक         |
| (हीरक) हीरा                  | (हेमपुष्पिका) पीलीजुही         |
| (हीरा) गंभारी                | (हेमवती) हड़, खुरासानी वच, चो- |
| (हुड) भेंड़ा                 | क, पीले दूध का सेहुंडा         |
| (हेतु) महाशतावर              | (हैयद्गवीन) मक्खन              |
| (हेम) सोना                   | (होलक) होरा                    |
| (हेमगौर) किकिरात गौड़देश में | (दृद्यगन्धा) चमेली             |

### अथ मानपरिभाषा ॥

नमानेनविनायुक्त्रिद्रव्याणांजायतेकचित् । अतःप्रयोगकार्यार्थं मानमत्रो  
च्यतेमया १ चरकस्यमतंवैद्यैराद्यैर्यस्मान्मतंततः । विहायसर्वमानानि माग  
धंमानमुच्यते २ त्रसरेणुर्वुधैः प्रोक्तास्त्रिंशतापरमाणुभिः । त्रसरेणुस्तुपर्यायैर्ना  
त्रावंशीनिगद्यते ३ जालान्तरगतैः सूर्यकरैर्वशीविलोक्यते । पडवंशीभिर्मरी  
चिः स्यात्ताभिःपद्भिश्चराजिका ४ तिसृभीराजिकाभिश्च सर्पपःप्रोच्यतेबुधैः ।  
यवौऽष्टसर्पपैःप्रोक्तो गुञ्जास्यात्तचतुष्टयम् ५ पद्भिस्तुरक्तिकाभिःस्यान्मापको  
हेमधानकौ । मापैश्चतुर्भिःशाणःस्याद्धरणःसनिगद्यते ६ टङ्कःसएवकथितस्त  
ददयंकोलउच्यते । क्षुद्रकोवटकश्चैवद्रक्ष्णःसनिगद्यते ७ कोलद्वयन्तुर्कपः  
स्यात्सप्रोक्तःपाणिमानिका । अक्षःपिचुःपाणितलं किञ्चित्पाणिश्चतिन्दुक  
म् ८ विडालपदकश्चैवतया पोडशिकामता । करमध्योहंसपदं सुवर्णकवलत्र  
हः ९ उदुम्बरश्चपर्यायैः कर्पमेवनिगद्यते । स्यात्कर्पाभ्यामर्द्धपलं शुक्त्रिष्टमि  
कातया १० शुक्तिभ्याश्चपलंज्ञेयं मुष्टिराम्रश्चतुर्थिका । प्रकुञ्चःपोडशीविल्वपल  
मेवात्रकीर्त्यते ११ पलाभ्यांप्रसृतिर्ज्ञेया प्रसृतश्चनिगद्यते । प्रसृतिभ्यामञ्जलिः  
स्यात्कुड्वोर्द्धशरावकः १२ अष्टमानश्चसज्ञेयः कुडवाभ्याश्चमानिका । शरा  
वोऽष्टपलन्तदञ्ज्ञेयमत्रविचक्षणैः १३ शरावाभ्यांभवेत्यस्थंशतुःप्रस्थैस्तथाद  
कः । भाजनंकांस्यपात्रश्च चतुःपष्टिपलश्चसः १४ चतुर्भिरादकैर्द्रोणःकलशान



त्वणोऽर्मणः । उन्मानश्चघटोराशिर्द्रोणपर्यायसंज्ञितः १५ द्रोणाभ्यांशूर्पकु  
 भौच चतुःपष्टिरावकः । शूर्पाभ्याञ्चभवेद्द्रोणी वाहोगोणीचसास्मृता १६  
 द्रोणीचतुष्टयंखारीकथितासूक्ष्मबुद्धिभिः । चतुस्सहस्रपलिकापष्वत्यधिकाच  
 सा १७ पलानांदिसहस्रञ्चभारएकःप्रकीर्तितः । तुलापलशतज्ञेयं सर्वत्रैवैपनि  
 श्रयः १८ मापटङ्गाक्षविल्वानि कुडवःप्रस्थमाढकम् । राशिर्गोणीखारिकेति-  
 यथोत्तरचतुर्गुणम् १९ मागधपरिभाषायां पट्टकिकोमापश्चतुर्विंशतिरक्विकट्ट  
 ङ्कःपष्वतिरक्विकःकर्पः, अयञ्चरकसम्मतः । सुश्रुतमते--पञ्चरक्विकोमापोर्विंश  
 तिरक्विकट्टङ्कोऽशीतिरक्विकःकर्पः । अयमेवकलिङ्गपरिभाषायामपि । यतस्त  
 त्राष्टरक्विकोमापोद्वात्रिंशदक्विकट्टङ्कःसार्द्धद्वयमितःकर्पः ॥

### भाषार्थ ॥

तौलके बिना द्रव्योंकी युक्ति कहीं ठीक नहीं होती इस कारण व्यवहार के लिये यहां मान  
 (तौल) का वर्णन करताहूं १ चरक मुनिका मत प्राचीन वैद्योंने मानाहै इसलिये सब मानोंको  
 छोड़कर मागध मान कहताहूं २ तौल परमाणु को एक प्रसरेणु अथवा वंशी कहाहै ३ भूरोक्षे  
 में से आई हुई सूर्यकी किरणोंसे जो सूक्ष्मपदार्थ दिखाई देतेहैं उनको प्रसरेणु या वंशी कहते  
 हैं छः वंशीकी एक मरीचि और छः मरीचिकी राई ४ तीन राईकी सरसों आठ सरसोंका जव  
 चार जव की एक रत्ती ५ छः रत्तीका मासा, मासा को हेम और धानकमी कहतेहैं चार मासे  
 का शाण इसको धरण ६ और टंकमी कहतेहैं दो शाणका फोल इसको जुद्रक घटक द्रंशरामी  
 कहतेहैं ७ दो फोलका कर्प इसको पाणिमानिका अक्ष पित्तु पाणितल किंचित् पाणि तिद्रुक =  
 विडालपदक पोडशिका कर मध्य हंसपद सुवर्ण कवल ग्रह ६ उदुंबर कहतेहैं दो कर्पका अर्द्ध  
 पल इसको शुक्ति तथा अष्टमिका कहतेहैं १० दो शुक्तिका एक पल इसको मुष्टि आम्र चतुर्थि  
 का प्रकुंच पोडरी और विल्व कहतेहैं ११ दो पलकी प्रसृति इसको प्रसृतमी कहतेहैं दो प्र-  
 सृति की अंजली इसको कुडव अर्द्ध शराव १२ और अष्टमान दो कुडव की एक मानिका इसको  
 शराव और अष्टपल विद्वान् लोग कहतेहैं १३ दो शराव का प्रस्थ चार प्रस्थ का आढक इस  
 को भाजन कांस्यपात्र और चतुःपष्टिपल कहतेहैं १४ चार आढक का एक द्रोण इसको कलश  
 नलवण अर्मण उन्मान घट और राशि कहतेहैं १५ दो द्रोण का शूर्प इसको कुम्भ भी कहतेहैं  
 यह चौंसठ शराव का होताहै दो शूर्प की द्रोणी इसको वाह और गोणी कहतेहैं १६ चार द्रोणी  
 की एक खारी यह चार हजार छुथानथे पलकी होतीहै १७ दो हजार पलका एक भार होताहै  
 सौ पलकी एक तुला जाननी चाहिये १८ मासा टंक अक्ष विल्व कुडव प्रस्थ आढक राशि गोणी  
 खारी यह सब क्रमसे उत्तरोत्तर चौगुनेहैं जैसे मासा से चौगुना टंक इत्यादि १९ मागध परि-  
 भाषा में छः रत्ती का मासा चौबीस रत्ती का टक छुथानथे रत्ती का कर्प यह चरक का मत  
 है । सुश्रुत के मत में--पांच रत्ती का मासा बीस रत्ती का टंक अस्ती रत्ती का कर्प और इसी  
 तरह कलिङ्ग परिभाषामें भी आठ रत्ती का मासा बत्तीस रत्ती का टंक ढाई टंकका कर्प होताहै ॥

गुञ्जादिमानमारभ्य यावत्स्यात्कुडवस्थितिः । द्वात्रिंशुष्कद्रव्याणां ताव

न्मानंसमंमतम् २० प्रस्थादिमानमारभ्य द्विगुणंतद्वद्वयोः । मानंतथातुला  
यास्तु द्विगुणंनक्वचित्स्मृतम् २१ भ्रद्रवृक्षवेणुलोहादेर्भाग्यं चतुरंगुलम् । वि  
स्तीर्णश्चतथोच्चश्च तंमानंकुडवंवदेत् २२ ॥ इति मागधमानम् ॥

रसो आदि लेकर बुडव पर्यन्त द्रव तथा आर्द्र और शुष्क द्रव्यों का मान तुल्य (वरावर) होता है २० प्रस्थ आदि लेकर सम्पूर्ण द्रव तथा आर्द्र पदार्थों का मान दूना ग्रहण करना चाहिये और तुला का मान दूना कभी नहीं होता २१ मृत्तिका वृक्ष वांस और लोहा आदि के वर्तन जो चार अंगुल खं चार अंगुल चंड़े और चारही अंगुल गहरे होते हैं उनमें जितना पदार्थ आता है उसको बुडव कहते हैं । २२ इति मागधमानम् ॥

### अथ कार्लिंगमानम् ॥

यतोमन्दाग्नियोद्गस्वा हीनसत्वानराःकलौ । अतस्तुमात्रातद्योग्या प्रो-  
च्यतेमुज्ञसम्मता २३ यवोद्वादशभिर्गौर सर्पिःप्रोच्यतेवुधैः । यवद्वयेनगुंजा  
स्यात्त्रिगुंजोवह्लउच्यते २४ मापोगुंजाभिरष्टाभिः सप्तभिर्वाभवेत्कचित् । च-  
तुर्भिर्मापकैःशाणः सनिष्कष्टृक्एवच २५ गद्याणोमापकैःपद्भिः कर्पःस्या  
दशमापिकः । चतुःकर्पैःपलंप्रोक्तं दशशाणमितंवुधैः २६ चतुःपलैश्चकुडवः  
प्रस्थाद्याःपूर्ववन्मताः । स्थितिर्नास्त्येवमात्रायाः कालमग्निवयोवलम् २७  
प्रकृतिदोषदेशौच दृष्टामात्राम्प्रकल्पयेत् । नाल्पंहन्त्यौपधंव्याधि यथाग्भो  
ज्जल्पंमहानलम् २८ अतिमात्रंचदोषाय क्षेत्रसस्येवहृदकम् ॥

### इति मानपरिभाषा ॥

फलिपुगमें मनुष्य मन्दाग्नि इत्य ( ब्रद्रके छोटे ) सत्वहीन ( कमजोर ) होते हैं इसवास्ते उनके योग्य मात्रा कहताहै २३ चारह सफेद सरसोंका जब दो जबकी एक रसी वोनरसी का बह्ल २४ घाठ या सात रसी का मासा चारमासे का शाण इसको निष्क और टक कहते हैं २५ छ मासे का गद्याण दशमासे का कर्प चार कर्प का या दशशाण का पल २६ चार पल वा छु एव और प्रस्थादिक पूर्व के समान होते हैं मात्रा का कोई नियम नहीं है बाल ( समय ) अग्नि बल अयस्था ( उमर ) २७ प्रकृति दोष और देश इनको विचार कर मात्रा की कल्पना करनी चाहिये जैसे थोडा जल बहुतसी अग्नि को नहीं बुझा सक्ताहै वैसे थोड़ी औषधि ( दवा ) बड़े रोग को नहीं नाश करसक्ती है २८ और जैसे बहुत जल घेत में अन्न को हानि करता है वैसे बहुत औषधि भी दार्थों को कटती है इससे योग्यही मात्रा देना चाहिये ॥

इति मान परिभाषा ॥

## अथ शब्दसंग्रह ॥

श्लोक ॥ देवदेवं नमस्कृत्य गणराजं विनायकम् ॥  
सर्वेषां मुखवोधाय क्रियते शब्दसंग्रहः ॥ १ ॥

- |  |  |
|--|--|
| (अंशिन्) बटाऊ, बॉटनेवाला, हिस्सेदार                                      | (अखण्डित) समग्र, पूरा  |
| (अंशुजाल) किरणों का समूह   | (अगणित) वेशुमार, असंख्यात, अनगिनती   |
| (अंशुधर) सूर्य, चन्द्रमा, दीपक, अग्नि, प्रतापी, देवता, ब्रह्मा           | (अगद) नीरोग, रोगसे छूटा हुआ  |
| (अंशुमत्) सूर्यवंशी असमंजस राजाका पुत्र, सूर्य, चंद्रमा                  | (अगस्ति) एक ऋषिका नाम, जिसने समुद्रका पान किया था, अगस्ति वृक्ष, अगस्ति तारा |
| (अंशुमालिन्) चन्द्रमा, सूर्य   | (अगुण) सत्व, रजस्, तमस्, गुणसे रहित, ब्रह्म, वेदुनर                          |
| (अंघ्रि) पाद, पैर, हाहूवेर   | (अगेन्द्र) पर्वतो में श्रेष्ठ, सुमेरु, हिमाचल                                |
| (अकल) कलासेहीन, परमात्मा   | (अगोचर) इन्द्रियोंसे जो न दिखाई दे, अदृश्य, गायब                             |
| (अकस्मात्) अचानक, एका एक, इत्तिफाकन                                      | (अग्निक्कीडा) आतश बाजी, आगिका खेल  |
| (अकारण) कुसमय, वेवक्त  | (अग्निचूर्ण) आगिका चूर्ण, बारूद  |
| (अकापट्य) निश्छल, ईमानदारी   | (अग्निवाण) आगिका तीर   |
| (अकाल) दुर्भिक्ष, कहत, वे समय  | (अग्निसेस्कार) मुर्दे को जलाना, दाह क्रिया                                   |
| (अकिञ्चन) निर्धन, गरीब, मुफ्लिस  | (अग्निहोत्री) आहिताग्नि, सदा होम करनेवाला                                    |
| (अकुल) नीच, कुलटुट, कमीना  | (अग्रगण्य) अगुआ, अग्रसर, मुखिया  |
| (अकूर) नम्र, कोमल स्वभाव   |  |
| (अक्षांश) लैटीच्यूड, पृथ्वीके उत्तर वा दक्षिण केन्द्रतक नब्बे अंशपर रेखा |  |
| (अक्षोभ) घेखौफ, निर्भय   |  |

|  |  |
|--|--|
| (अग्रगामिन्) आगे चलनेवाला, स-<br>रदार, मुख्य             | जिसकी जीत न हुई हो                                   |
| (अग्रिम) अगिला, पेशगी                                    | (अजर) जिसको कभी बुढ़ापा न<br>हो सदाजवान रहनेवाला     |
| (अघखानि) पापकी खानि, पापी,<br>गुनहगार                    | (अजामिल) एक बुढ़ापापी ब्राह्मण                       |
| (अघटित) असम्भाव्य, अनहोनी,<br>गैर मुमकिन                 | (अजीर्ण) अपच, बदहज्मी                                |
| (अघासुर) राक्षस, जो कंसके यहां<br>रहताथा                 | (अज्ञात) बेजाना हुआ, बे समझा<br>हुआ                  |
| (अघोर) जो दारुण नहो, शान्त                               | (अज्ञान) जिसको ज्ञान नहीं, मूर्ख,<br>बेवकूफ          |
| (अंकविद्या) गणितशास्त्र, हिसाब                           | (अज्ञानता) बेवकूफी, मूर्खता                          |
| (अंकित) चिह्न कियाहुआ, चिह्नित                           | (अज्ञानिन्) नादान, बेसमझ, अज्ञ                       |
| (अंगजनित) शरीरसे उत्पन्न                                 | (अञ्जल) आँचर, कपड़ेका किनारा                         |
| (अंगण) आँगन  | (अटन) भ्रमण करना, घूमना                              |
| (अंगन्यास) मन्त्रोच्चारण पूर्वक अं-<br>गोंको स्पर्श करना | (अटल) जो हटाये न हटे, स्थिर<br>पायदार                |
| (अंगपक्ष) सहायक, सहायता कर-<br>ने वाला                   | (अटवि) वन, जंगल                                      |
| (अंगांगिभाव) गौण, मुख्यभाव, वा<br>हमीमदद                 | (अट्टहास) बहुत जोरसे हँसना,<br>(अट्टालिका) अटारी, छत |
| (अंगिरस) बृहस्पति, देवताओं का<br>गुरु                    | (अणुमात्र) बहुत छोटा, ज़रासा                         |
| (अंगिन्) अङ्गवाला, शरीरी, प्राणी                         | (अगडकटाह) ब्रह्माण्ड, संसार                          |
| (अंगुल) आठ जौ का नाप, अंगुली                             | (अतः) इससे, लिहाज़ा                                  |
| (अंगुलित्राण) अंगुलियों का रक्षा<br>करनेवाला, दस्ताना    | (अतएव) इसीलिये, पस                                   |
| (अचञ्चल) जो चञ्चल न हो, स्थिर<br>कायम                    | (अतत्वज्ञ) सिद्धान्तको न जानने<br>वाला, बेसमझ        |
| (अचिर) शीघ्र, जल्द                                       | (अतत्वज्ञता) नासमझी                                  |
| (अजय) जिसको कोई न जीतसके                                 | (अतनु) शरीरसे रहित, बुढ़ा, दीर्घ<br>कामदेव           |
|  | (अतंद्रित) आलस्य रहित, तेज़                          |
|  | (अतल) अथाह, पृथ्वी के सात<br>लोकों में से पहिला लोक  |

- (अतिकाय) जिसका शरीर बहुत लम्बा चौड़ा हो
- (अतिक्रान्त) व्यतीत, लांघाहुआ
- (अतिथिभक्त) अतिथि पूजक, महिमान की खातिर करनेवाला
- (अतिसार) उदर रोग, संग्रहणी, पेट की बीमारी
- (अतीत) भूत, गुजरा हुआ
- (अतुल) वैतौल, वेशुमार, अप्रमाण
- (अत्याचार) अनीति, वेइन्साफी
- (अत्युक्ति) बहुत बढ़कर कहना, एक अलंकार की संज्ञा
- (अत्र) यहां, इस जगह
- (अत्रि) ब्रह्माका बेटा, एक ऋषि
- (अदन) भोजन करना, खाना
- (अदनीय) खाने की चीज, भोज्य
- (अदार) स्त्री रहित, रंडुआ
- (अदिति) देवताओं की माता, दक्ष की बेटी, कश्यप मुनि की स्त्री
- (अदूरदर्शिन) बेवकूफ, स्वरूप दृष्टि
- (अदृश्य) जो देखने में न आवै, अगोचर
- (अदेय) न देनेके योग्य
- (अद्यापि) अबभी
- (अद्यावधि) अबतक, अभीतक
- (अद्वितीय) अकेला, एकही, अनुपम
- (अद्वैत) जिसके तुल्य दूसरा नहीं, वेमिसाल
- (अधर्म) पाप, गुनाह, बुराकरम
- (अधर्मिन्) अपराधी, मुजरिम, दुष्ट
- (अधस्) नीचे, तले
- (अधर्मिक) पापी, दुष्ट, बुरा काम करनेवाला
- (अधिकरण) आधार, आसरा, सातवां कारक
- (अधिकारिन्) मालिक, स्वामी, वारिस
- (अधिपति) प्रभु, स्वामी
- (अधिमास) मलमास, लौंद का महीना
- (अधिरूढ़) आरूढ़, सवार
- (अधिवासन) रहने की जगह, सकूनत
- (अधिवेशन) सभा, इजलास, दरवार
- (अधिष्ठाता) मुखिया, अगुआ, अध्यक्ष
- (अधीत) पढ़ाहुआ, पठित
- (अधीति) अध्ययन, पढ़ना, ख्वांदगी
- (अधीनता) मातहती, ताबेदारी
- (अधीस्ता) उतावली, बेसवरी
- (अधीश) महाराज, शाहनशाह, स्वामी
- (अध्यवसाय) व्यापार, उद्यम, रोजगार
- (अध्यापक) पढ़ानेवाला, गुरु, पाठक
- (अध्यापन) पढ़ाना, पाठन
- (अध्याय) सर्ग, पर्व, परिच्छेद, प्र-

|  |   |
|--|---|
| करण, वाद्य<br>(अध्यासीन) वैठाहुआ             | किसीप्रकार वर्णन न किया जाय   |
| (अनख) नखहीन, जिसके नाखून न हों               | (अनिष्ट) दुःख, अप्रिय, बेचाहा                                       |
| (अनघ) निष्पाप, पापरहित, बेगुनाह              | (अनीह) चेष्टारहित, आलसी   |
| (अनन्य) जिसके दूसरा न हो                     | (अनुकरण) नकलकरना, अनुहार  |
| (अनपत्य) जिसके लड़का, लड़की कोई न हो, लावल्द | (अनुकूल) कृपालु, मेहरवान, मुवाफिक                                   |
| (अनभिज्ञ) अज्ञ, नादान, नावाफिक               | (अनुगामिन्) पीछे चलनेवाला, सहायक                                    |
| (अनर्थ) हानि, नुकसान                         | (अनुगृहीत) उपरुक्त, अहसानमन्द                                       |
| (अनवद्य) दोपरहित, बेगुनाह, निरपराध           | (अनुचरी) दासी, लौंडी  |
| (अनवस्थित) गाफिल, अस्वस्थ, बेखबर             | (अनुजा) छोटीबहिन, कनिष्ठभगिनी                                       |
| (अनाथ) लावारिस, अशरण, यतीम                   | (अनुज्ञा) आज्ञा, अनुमति, हुक्म                                      |
| (अनाथालय) मुहताजखाना, दीनागार                | (अनुत्तम) दुःखी, गमगीन,   |
| (अनादर) अपमान, बेइज्जती                      | (अनुदिन) प्रतिदिन, हररोज  |
| (अनायास) सुख, विनापरिश्रम, आसानी             | (अनुनय) विनय, मनाना   |
| (अनाहार) उपोषण, लंघन, फाकाकशी                | (अनुनासिक) जिन अक्षरोंका उच्चारण नाकसेहोवे अक्षर जैसे ज, म, ङ, ण, न |
| (अनित्य) नश्वर, नाशहोनेवाला, सदा न रहनेवाला  | (अनुपम) उपमारहित, अनूप, बेनज़ीर                                     |
| (अनियत) अनिश्चित, इत्तिफाकिया                | (अनुपयुक्त) अनुचित, ना मुनासिब                                      |
| (अनिर्वचनीय) अकथनीय, जो                      | (अनुयत्न) प्रतिक्षण, हरवक्त   |
|  | (अनुपात) तुल्यसम्बन्ध, अनुमान                                       |
|  | (अनुपान) औषधी के अनुकूल पथ्य  |
|  | (अनुमत) अनुज्ञात, जिसको   |

सलाह दी गई हो

(अनुमान) परामर्श जन्मज्ञान,  
अन्दाजा, तखमीना,  
अटकल

(अनुमित) अनुमान, क्रियागया,  
अटकलागया

(अनुमेय) अनुमान करनेके योग्य,  
अन्दाजके लायक

(अनुमोदन) अभिनन्दन, प्रशंसा  
करना, ताईदकरना

(अनुयायिन्) पीछे चलनेवाला,  
दास, सेवक, नौकर

(अनुयोजन) पराजित, व्यवहार  
को पुनः सभामें प्र-  
विष्ट, करना, अपील  
करना

(अनुयोक्तृ) जो व्यवहारको सभा  
में प्रविष्ट करै वह मुद्द-  
ई अपीलाराट

(अनुयोजक) जो व्यवहार को स-  
भामें प्रविष्ट करै वह  
मुद्दई अपीलाराट

(अनुयोज्य) जिसपर मुकद्दमा दा-  
यर किया जाय वह  
मुद्दाअलेह, प्रत्यभि  
योगी

(अनुरक्त) स्निग्ध, प्रेमी, आशिक,  
आसक्त

(अनुराग) प्रेम, मुहब्बत

(अनुरागिन्) मुहब्बती, स्नेही

(अनुरोधित) प्रतिवद्ध, कैदी, बंधु-  
वा, अनुवर्ती

(अनुरूप) सदृश, तुल्य, समान

(अनुलेप) उबटन लगाना, तेलल-  
गाना, सुगन्ध द्रव्यका  
अंगों में लगाना

(अनुलेपन) उबटन लगाना, तेल  
लगाना, सुगन्ध द्रव्य  
का अंगों में लगाना

(अनुलोम) सीधा, यथाक्रम

(अनुवाद) पुनः पठन, उल्था क-  
रना, तर्जुमाकरना

(अनुवृत्ति) सेवा, मार्ग, जरिया

(अनुवन्दना) सहानुभूति, हृमददी

(अनुशासक) शिक्षा देनेवाला,  
आज्ञा देनेवाला, हा-  
किम

(अनुशासन) आज्ञा, हुक्म

(अनुशीलन) अभ्यास करना

(अनुष्ठान) आरम्भ, किसी कार्य  
को करना

(अनुसन्धान) सोचना, अन्वेषण,  
तलाश करना, तह-  
कीकात

(अनुस्वार) अक्षर के ऊपर की  
चिन्दी

(अन्तरङ्गमित्र) सुहृद्, दिली दोस्त  
जिससे अपना सब  
हाल कहा जाय

(अन्तरद्दसभा) छोटीसभा जिसमें

|                                  |                                   |
|----------------------------------|-----------------------------------|
| चुने २ सभ्यहों                   | बुराई                             |
| (अन्तरित) मध्यम, बीच का          | (अपनीत) दूरीकृत, दूरकिया गया,     |
| (अन्तरितकृपक) जो असामी का-       | हाटया गया                         |
| इतकार से खेत                     | (अपरिष्कार) अशुद्धता, मैलापन      |
| लेकर जोतें शि-                   | (अपवाहन) एक जगह से दूसरी          |
| कमी काइतकार                      | जगह लेजाना, धोखा                  |
| (अन्तर्पट) तिरस्करणी परदा        | देना                              |
| (अन्तर्धृति) मानसिक भाव,दिली     | (अपशकुन) अशुभ सूचक चिह्न,         |
| हाल                              | असगुन                             |
| (अन्तर्हित) निलीन, छिपाहुआ,      | (अपहरण) हरलेना, कुर्की            |
| अलख                              | (अपादान) विभाग, व्याकरण का        |
| (अन्त्रावली) अँतड़ियों का समूह   | पाँचवां कारक                      |
| (अन्धकूप) जिसमें पानी न हो       | (अपाय) अलग होना, नाश, वि-         |
| और घास पात जम                    | गाड़, हानि                        |
| गये हों वह कुआं                  | (अपूर्ण) सवनहीं, थोड़ा, असम्पूर्ण |
| (अन्धपरम्पराग्रस्त) प्राचीन आचर- | (अपेक्षा) निश्चय, आशा, परवाह      |
| णमें फँसा हुआ,                   | आकांक्षा, जरूरत                   |
| क़दीमरस्मों में                  | (अप्रतिहित) बेरोंक टोक, नाशर-     |
| मुब्तिला                         | हित                               |
| (अन्नप्राशन) एक संस्कार जिसमें   | (अप्रीतिकर) निठुर, बेमुहब्बत      |
| पैदायश से छठे महीने              | (अभिगमन) समीप जाना                |
| शुभ मुहूर्त्तमें लड़केको         | (अभिप्रेत) अभिमत, पसंद, मुराद     |
| अन्न खीर खिलाते हैं              | (अभिमर्षण) परदाराभिगमन, दूसरे     |
| (अन्योन्याश्रित) परस्पर सम्बद्ध, | की स्त्री के पासजाना,             |
| एक दूसरे के साथ                  | स्पर्शकरना, छूना                  |
| सम्बंध रखनेवाला                  | (अभियुक्त) प्रत्यर्थी, मुद्दाअलेह |
| (अन्वय) वाक्य में क्रियाकारकका   | (अभियोग्य) प्रत्यर्थी, मुद्दाअलेह |
| सम्बन्ध, वंश, कुल                | (अभियोगिन्) अर्थी, मुद्दई         |
| (अपकर्ष)अनादर, न्यूनता, खींचना   | (अभियोजक) अर्थी, मुद्दई           |
| (अपकीर्ति,) अपयश, बदनामी,        | (अभिराम) मनोहर, सुन्दर, प्यारा    |



- (अभिलाषा) इच्छा, कामना, चाह  
 (अभिषिक्त) तिलक किया हुआ, गद्दीनशीन  
 (अभिसन्धान) सन्धि, मेल, कपट  
 (अभूतपूर्व) जो पहिले कभी न हुआ हो, अद्भुत, अजीव  
 (अभ्यस्त) मद्रक किया हुआ,  
 (अभ्यागत) अतिथि, पाहुन, मेहमान  
 (अमोघ) सफल, जो निष्फल-व्यर्थ, न हो  
 (अम्बक) नयन, आंख  
 (अम्बुद) जलद, मेघ, अब्र  
 (अम्बुधि) समुद्र, अम्भोनिधि  
 (अयुक्त) अनुचित, अयोग्य, नामुनासिव  
 (अयुत) देशों सहस्र, १० हजार  
 (अरुचि) अनभिलाष, नफरत  
 (अरुणचूड) मुर्गा, कुक्कुट  
 (अरुणशिखा) मुर्गा, कुक्कुट  
 (अरुणोदय) प्रातःकाल में ललाई का निकलना  
 (अर्चक) पूजा करनेवाला, पूजक, सेवक  
 (अर्चित) पूजागया, सेवित, पूजित  
 (अर्थकारिन्) धन पैदा करनेवाला, उपयोगी, मुफीद  
 (अर्थात्) यानी, अर्थसे  
 (अर्धचन्द्र) आधा चन्द्रमा, आधा
- विन्दु, (८) गलहस्त, गर्दनियॉ  
 (अर्पण) समर्पण, सौंपना  
 (अर्हत) बौद्ध, जैनी, बौद्धमतानुयायी, किसी एक ऋषिका नाम  
 (अलौकिक) इस लोकमें न होने वाला, अद्भुत, अजूबा  
 (अवकाश) अवसर, मौका, फुरसत  
 (अवगुण) दोष, औगुण, बुराई  
 (अवतार) प्रादुर्भाव, प्रकटहोना, सीढ़ी  
 (अवधान) समझना, ध्यानदेना, मुखातिवहोना  
 (अवधीरित) असत्कृत, अनादृत, अपमान किया गया  
 (अवनति) न्यूनता, घटती, तनज्जुली  
 (अवन्तिका) उज्जैन, मालवादेश की राजधानी  
 (अवलम्ब) सहारा, आधार, भरोसा  
 (अवलम्बन) सहारा, आधार, भरोसा  
 (अवलेह) चटनी  
 (अवलोकन) ईक्षण, दर्शन, नजर, देखना, मुलाहिजा करना  
 (अवश) अधीन, बेवश, बे इम्तिनयार  
 (अवशिष्ट) बचा, बाकी, पारिशिष्ट

- (अवसन्न) श्रान्त, थकाहुआ, उदासीन, रंजीदः
- (अवस्थित) स्थित, ठहराहुआ, टिकाहुआ
- (अवहित) निश्चित, सावधान, तहादिल
- (अविकारिन्) जिसमें, विकार खराबी न पैदाहो, अतिकृत, बेएव
- (अविवेक) अविचार, मूर्खता, वदतमीज
- (अव्यस्थित) अनिश्चित, तरल, चञ्चल
- (अशक्त) असमर्थ, दुर्बल, कमजोर
- (अशक्य) जो न होसकै, गेरमुमकिन, असम्भव
- (अशंक) निःशंक, निडर, बेखौफ
- (अशिक्षित) अविनीत, जिसने शिक्षा, तालीम न पायाहो, अनसीख
- (अशुद्ध) अपवित्र, नापाक, अशुचि, गलत
- (अशुद्धता) अशुद्धि, नापाकी, अपवित्रता, गलती
- (अशोक) शोकरहित, सुखी, खुश, अशोकवृक्ष
- (अश्वतर) खच्चर, जो घोड़ी और गधे से पैदाहुआ हो
- (अश्वपति) अश्ववार, सवार, घोड़े का मालिक
- (अश्वमेध) यज्ञ विशेष
- (अश्वशाला) अस्तबल, मन्दुरा
- (अश्वशिक्षक) घोड़ों को सिखाने वाला, चाबुकसवार
- (अश्वसेवक) अश्वकी सेवा करने वाला, साईस
- (अष्टधातु) आठ प्रकारकी धातु, सोना, चांदी, तांबा, कांसा, पीतल, रांगा, लोहा, सीसा
- (अष्टसिद्धि) आठ प्रकारकी सिद्धि, अणिमा, जिसके बल से बहुत छोटा बन जाय, महिमा, जिसके बलसे बहुत बड़ा बन जाय, गरिमा, जिसके बल से बहुत गरू, वजनी, होजाय, लघिमा, जिसके बलसे बहुत लघु, हलका बन जाय, प्राप्ति, जिसके बलसे बहुत दूरकी भी वस्तु मिलजाय, प्राकाम्य, जिसके बलसे हरएक मनुष्य के मनोरथ को पूरा करसकै, ईशित्व, जिसके बल से सब ऐश्वर्य्य उपस्थित हैं, वशित्व, जिसके बल से सब प्राणी वशीभूतरहें,

- (असमशर) पञ्चवाण, कामदेव  
 (असत्यवादिन्) असत्य, झूठबोलने वाला, अनृत भाषी  
 (असह्य) दारुण, जो न सहाजाय, कठोर, बेबरदाश्त  
 (असाध्य) जो किसी प्रकार सिद्ध न हो, लाइलाज  
 (असूयक) गुण में दोष निकालने वाला, निन्दक, बुराई करनेवाला  
 (अस्तव्यस्त) उलटा पुलटा, विपर्यस्त, इधरका उधर  
 (अहल्या) गौतममुनि की स्त्री  
 (अहिंसा) जिसकर्मसे प्राणियों का वध न हो, दया  
 (अहिफेन) अफीम  
 (आ) (आ)  
 (आकर्णित) सुनागया, श्रुत  
 (आकर्षण) र्खींचना  
 (आकांक्षा) इच्छा, चाह, स्वाहिश  
 (आकांक्षिन्) अभिलाषी, चाहनेवाला  
 (आकाशवृत्ति) अनियत जीविका जिस जीविका का निश्चय न हो, बेक्याम रोज़ी  
 (आकाशवाणी) आत्मान की आवाज, अशरीरिणीवाक  
 (आकुञ्चन) संकोचन, सिकोड़ना, समेटना  
 (आक्रमण) दवालेना, हमलाकरना  
 (आख्यान) वृत्त, इतिहास. कथा, दास्तान  
 (आगन्तृ) आनेवाला, विना जान पहिचान के जो कोई मकान पर आजावै  
 (आगन्तुक) आनेवाला, विना जान पहिचान के जो कोई मकानपर आजावै  
 (आग्रह) अच्छीतरहसे ग्रहणकरना निर्बन्ध, हठकरना, जिद्दकरना  
 (आघात) मारना, चोट  
 (आघूर्णन) अवगूरण, घूरना  
 (आचरण) चालचलन, व्यवहार, वर्त्ताव  
 (आच्छादित) ढँकाहुआ, आवृत, मूँदाहुआ  
 (आच्छन्न) ढाँकाहुआ, आवृत, मूँदाहुआ,  
 (आजीविका) जीविका, वृत्ति, रोज़ी  
 (आज्ञापन) इत्तिलादेना, विज्ञापन जताना, आज्ञादेना  
 (आज्ञापत्र) आज्ञाक पत्र, कामज लिखित आज्ञा, हुक्मनामा  
 (आतङ्क) भय, सन्ताप, रुजा, रोग  
 (आतुर) व्याधिपीडित रोगी, व्याकुल, घनराया  
 (आत्मघात) सुदमरना, आत्महत्या, अपने आप मरजाना  
 (आदर) सन्मान, इज्जत, खातिर  
 (आधान) स्थापन करना

- (आधिक्य) अधिकता, बहुताई, अधिकाई
- (आधिपत्य) प्रभुत्व, अधिकार, अस्तित्व
- (आन्दोलन) हिलाना, झूलना, हलचल
- (आप्त) हित, यथार्थवक्ता
- (आभा) दीप्ति, चमक, रोशनी कान्ति
- (आभूषण) गहना, जेवर, अलंकार
- (आय) लाभ, आमदनी, फायदा
- (आयास) परिश्रम, मिहनत
- (आरब्ध) प्रारम्भ किया हुआ, उपक्रान्त
- (आराति) वैरी, दुश्मन, शत्रु
- (आराधन) सेवन, शुश्रूषण, सेवा करना, इवादात
- (आरोपण) स्थापित करना, कायम करना
- (आलपनीय) सम्भाषणयोग्य
- (आलिङ्गन) कण्ठाडलेप, गले से लगाना, प्यारसे मिलना
- (आलेख्य) चित्र, तस्वीर
- (आलोडन) मन्थन, मथना, मार्गण तलाश करना, ढूंढना
- (आवरण) आच्छादन, ढकना
- (आवर्जन) अवरोधन, रोकना, मना करना
- (आवाहन) मन्त्रोच्चारण पूर्वक देवताओं को बुलाना
- (आविर्भाव) प्रकट होना, प्रादुर्भाव
- (आविष्कार) आविर्भूति, प्रकट होना
- (आवेदन) निवेदन, वक्रव्य, गुजारिश
- (आवेद्यसंग्रह) निवेद्यपत्र, जिसमें जर्मीदार लोग अपना स्वत्व राजसभा में दाखिल करते हैं, वाजिवुलअर्ज
- (आवेश) मान, घमण्ड, प्रवेश
- (आशुतोष) शीघ्रप्रसन्न होनेवाला महादेव
- (आश्रयस्थान) आलम्ब, सहारकी जगह
- (आश्रित) आयत्त, शरणप्राप्त, तावेदार
- (आश्वासन) तसल्ली देना, भरोसा देना, प्रबोधन
- (आसीन) स्थित, बैठा हुआ
- (आस्तिक) वेदान्तवाक्य, ईश्वर, गुरु परलोक में श्रद्धा या विश्वास करनेवाला पुरुष
- (आस्वाद) रस, स्वाद, जायका, मवाद
- (आहुति) मन्त्रपढ़कर देवताओं के नामसे आगि में हुनना
- (आह्निक) दिन में जो किया जाय, सन्ध्या, तर्पण, बलिबैश्व इत्यादि

(आहाद) खुशी, हर्ष, आनन्द

(६)

(इक्षुस) ऊखकारस

(इत्थम्) इसप्रकार, इसतरह

(इन्द्रजित्) इन्द्रको जीतनेवाला,  
मेघनाद, रावणकापुत्र

(इन्द्रप्रस्थ) दिल्ली, हस्तिनापुर

(इन्द्रवधू) इन्द्रकी रानी, इन्द्राणी,  
वीरवहूटी

(इष्टदेव) जिस देवताको स्वयं मा-  
नताहो वह देवता

(७)

(ईक्षक) दिखेया, देखनेवाला, नाज़िर

(ईक्षित) देखाहुआ, दृष्ट, अवलोकित

(ईदृश) ऐसा, इस तरह का इस  
भांति का

(ईदृक्ष) ऐसा, इस तरह का इस  
भांति का

(ईप्सा) पानेकी इच्छा, लिप्सा

(ईप्सित) जिस चीजके पानेकी इच्छा  
की गई हो, वह चीज

(ईहा,) चेष्टा, उपाय, यत्न

(८)

(अग्रस्वभाव) क्रूर, कठोरचित्त, सं-  
गदिल

(अग्रसेन) जिसकी सेना बड़ी भया-  
नकहो, मथुरा का राजा  
कंसका पिता

(अञ्जस्वर) जिसका ऊंचास्वर आ-  
वाज़ हो, वह पुरुष, ऊंची

आवाज़ शोलना

(अञ्चारण) आवाज़

(अञ्छिन्न) कटाहुआ, कृत्त, निर्मूल

(अञ्छिष्ट) भोजनके पीछे जो थाली  
में पड़ा रहजाता है, जूटा

(अञ्छेद) विनाश, काटना, बरवादी

(अञ्ज्वलन) जलना, बरना, चमकना

(अङ्गीयमान) उड़ताहुआ,

(अङ्गुण) तारोंका समूह, तरई

(अत्कण्ठित) अभिलाषी, चाहने  
वाला स्वाहिशमन्द

(अत्कर्षता) उत्तमता, श्रेष्ठता, बड़ाई

(अत्कृष्ट) श्रेष्ठ, बड़ा, उत्तम, अच्छा

(अत्स्वात) उखाड़ा गया

(अत्तीर्ण) पारङ्गत, कामयाब

(अत्तेजक) प्रेरणा करनेवाला, हौ-  
सला, बढ़ानेवाला

(अत्तेजना) तेज़करना, तीक्ष्णीक-  
रण, भड़काना

(अत्तोलन) तौलना, उन्नय, ऊपर  
को उठाना

(अत्पाटन) उखाड़ना, उन्मूलन

(अत्प्रेक्षा) भावना, मानना, एक  
अलंकारका नाम

(अत्सर्ग) त्याग, दानदेना, सम-  
र्पण करना

(अत्दग्र) ऊंचा, उच्च, तीक्ष्ण, तेज

(अत्दग्भरि) अपनाही पेटपालने  
वाला, पेटू

(अत्दाहरण) निदर्शन, मिसाल, दृष्टांत

|  |  |
|--|--|
| (उदीरण) कथन, कहना  | (उपशम) शान्ति, समता, इन्द्रियोंको अपने वश विषयों से खींचकर रखना, इन्द्रिय निग्रह |
| (उद्देश) अभिप्राय, प्रयोजन, अर्थ, मतलब                     | (उपस्थान) हाजिरी, सेवा, स्तव, स्तुति करना  |
| (उद्यानपाल) वागवान, माली, वाटिकारक्षक                      | (उपस्थित) वर्तमान, मौजूद, हाजिर  |
| (उद्योत) प्रकाश, रोशनी                                     | (उपहास) निन्दाकेसाथ हँसी करना  |
| (उन्नति) वृद्धि, बढ़ती, तरक्की                             | (उपार्जन) संग्रह करना, इकट्ठा करना, सञ्चय  |
| (उपगम) अंगीकार, कबूल करना, स्वीकारकरना, पासजाना            | (उपेक्षित) त्याग कियाहुआ, छोड़ा हुआ, परित्यक्त                                   |
| (उपचार) उपाय, सामग्री, सामान, दवा, चिकित्सा                | (उरगाद्) सपोंका खानेवाला, गरुड़, मयूर  |
| (उपजीविन्) किसीकेसहारे जोजीता हो, आश्रित, आसरागीर          | (उरगारि) सपोंका शत्रु, दुश्मन, गरुड़   |
| (उपदंश) जहरीला जानवर, सांप, वीछू का काटना, गर्मी का आर्जा  | (उल्लङ्घन) लांघना, विपरीत करना उत्कमण, फांदिजाना                                 |
| (उपदेश) शिक्षा, सिखाना, नसीहत, सीख, व्याख्यान              | (उल्लास) हर्ष, खुशी, अध्याय, परिच्छेद  |
| (उपदेशक) शिक्षक, सिखानेवाला, व्याख्यान देने वाला, ल्यक्चरर | (उल्लेख) अच्छालेख, वर्णन, बखान एक अलंकार का नाम                                  |
| (उपद्वीप) छोटे २ टापू, द्वीप                               | (ऊ) (ऊ)  |
| (उपनयन) यज्ञोपवीत, संस्कार, उपनीति, जनेऊ                   | (ऊर्ध्वबाहु) जो तपस्वी सदाहाथ को ऊंचारखै, ऊर्ध्वबाहु                             |
| (उपनेत्र) चश्मा, ऐनक                                       | (ऊहा) वितर्क दलील  |
| (उभयपक्षीय) दोनों तरफका, तर्फन                             | (ऊ) (ऊ)  |
| (उपयोग) काममें लाना, इस्तेमाल                              | (ऋणपत्र) कर्जदेनेकी तिथि मित्ती जिसमें लिखी जातीहै, तमस्तुक                      |
| (उपयोगिन्) सहायक, सहायताकरने वाला, मददगार, उपकारक          |  |

|  |   |
|--|---|
| (ऋणमुक्कपत्र) फारिगखती   | मुस्तैद   |
| (ऋणिन्) कर्जदार, अधमर्ण, देन-<br>दार   | (कठिनता) कठोरता, कठिनाई,<br>दिक्रत  |
| (ऋतुराज) वसन्त, ऋतु, मौसम,<br>वहार   | (कण्ठस्थ) कण्ठमें स्थित, वरज-<br>वान, वाचोविधेय   |
| (ऋतुस्नान) स्त्रियों का मासिक<br>स्नान   | (कंठ्य) जोवर्ण कण्ठसे निकलताहो  |
| (ऋप्यमूक) एक पर्वत जो किष्कि-<br>न्धापुरी के पासहै   | (कण्डन) कांडना, मर्दना, मीजना   |
| (ऋ) देवता, दानव, की माता<br>महादेव, भैरव, राक्षस   | (कण्डनी) कौड़ी, उखली  |
| (ए)  | (कतम) कोन २   |
| (एकचित्त) सावधान, निश्चिन्त<br>जिसका मन एक वि-<br>षय पर जमाहुआ हो                            | (कतिपय) कईएक, चन्द, थोड़ा   |
| (एकत्र) एकजगह  | (कथक) कहनेवाला, कथावांचने<br>वाला, पौराणिक  |
| (एकधा) एकप्रकारसे, एकतरहसे   | (कदाचित्) कभी, किसी वक्त  |
| (एकरस) जो सर्वकाल एकसारहै  | (कदापि) कभी, किसी वक्त  |
| (एकाक्ष) एक आंखवाला, काना  | (कनकाचल) सोनेकापहाड़  |
| (एतादृश) इसतरहका, ऐसा  | (कपटिन्) वञ्चक, छली, दगाबाज़  |
| (एतावत्) इतना, इतनी  | (कपर्दिका) काकिणी, कौड़ी  |
| (ऐ)  | (कपालिन्) महादेव  |
| (ऐरावती) एक नदीका नाम जो<br>लाहौरके पास बहती<br>है, ब्रह्मादेशमें जो नदी<br>बहती है उसका नाम | (कपिकुञ्जर) वन्दरों में श्रेष्ठ   |
| (औ)  | (कपिञ्चज) जिसकी ध्वजा में वा-<br>नरकीसी सूरतवनीहो,<br>अर्जुन  |
| (औषधालय) दवाखाना, अस्पताल  | (कमनीय) मनोहर, सुन्दर, सुथरा,<br>सुहावन, दिलचस्प  |
| (क)  | (कमलापति) लक्ष्मीका भर्ता, ना-<br>रायण  |
| (कटिवद्ध) कमरबांधे हुये, तय्यार,   | (कम्बुग्रीव) शंख के सदृश तीनि<br>रेखायुक्त, तथा सुस्नि-<br>ग्ध सुन्दर ग्रीवा, गला<br>जिसका हो, वह पुरुष |

- (करताली) हथेली वजाना  
 (करपाल) हाथकी रक्षा करनेवाला खड्ग, तरवार, दस्ताना  
 (करशाला) चुंगीघर, महसूल चुकने की जगह  
 (करालाकृति) जिसकी आकृति सूरत कराल, डरावनी हो भयानक, खौफनाक  
 (करुणायतन) करुणा दया के आयतन, स्थान, बड़ा रहम दिल, अतिकृपालु  
 (करुणार्द्र) दयासे आर्द्र, गीला, करुणा निधान  
 (कर्णवेध) संस्कार विशेष, कनछेदन  
 (कर्णवेधन) संस्कार विशेष कनछेदन  
 (कर्णाट) कर्णाटक देश  
 (कर्मेन्द्रिय) काम करनेवाली इन्द्रिय, हाथ, पैर, लिंग, गुदा, वाक्, ये पांच  
 (कलकण्ठ) जिसका मधुर स्वर, हो कोकिल, कोयल  
 (कलन) गिनना, संख्यान  
 (कला) सोलहवाँ अंश, हिस्सा, समय का हिस्सा, मिनट, चतुःषष्टि ६४ प्रकार की विद्या, जो आगे क्रम से वर्णन की जाती हैं,

१ (गान) ७ प्रकार के स्वर, तथा राग, और रागिनियोंको अच्छे प्रकार जानना और उनको अच्छी तरह अभ्यस्त याद करना.

२ (वाद्य) जै प्रकारके वाजा हैं उनको अच्छी तरह वजाना.

३ (नटन) नृत्य, नाचना.

४ (नाट्य) भूत पूर्व, पहिले के महाराजाओं के चरित को नाटक करके खेलना व दिखलाना, नकल करना.

५ (आलेख्य) चित्रकारी करना, तसवीर खींचना.

६ (बहुरूपधारित्व) विशेषक छेद्य समयानुसार, वक्र मुताविक, हरतरह का रूप धारण करना.

७ (तण्डुलप्रसूनवलि विकारक्रिया) समूचे चावल और पुष्पोंसे देवताओं के मन्दिर में चौकवगैर बनाना.

८ (पुष्पशय्यानिर्माण) फूलों की शय्या, सेज बनाना, और फूलों के अनेक प्रकार के भूषण गहना बनाना.

९ (दन्त, वस्त्राङ्गरागादिनिर्माण) दाँतोंको सुगन्धित और स्वच्छसाफ करनेवाले अनेकप्रकार के मञ्जन, मिस्सी बनाना, समय २ के नेपथ्यपौशाक को जानना, स्त्रियों के अङ्गों में अनेक प्रकार के चित्र उरे-



हना और सुगन्धादि, इत्र, फुलेल द्रव्य का लेप करना.

१० (मणिभूम्यादिनिर्माण) ऋतु समय के अनुसार मकान बनाना जिसमें ऋतु के अनुसार सब सामग्री मौजूद रहे.

११ (शय्याविधान) विस्तर का विधान.

१२ (जलवाद्य) पानीका वाजा बजानाजलतरङ्ग.

१३ (उदकक्रीडा) जलका खेल, जलविहार जानना.

१४ (विचित्रविधान) क्लीव, नपुंसक बनाना, युवा, जवानको वृद्ध, बूढ़ाबनाना.

१५ (मालाग्रन्थन) देवताओंके पूजन के लिये विविध भाँति के वस्त्र तथामाला बनाना.

१६ (शेखरापीडयोजन) पुष्पों से केशपाशको भूषित करना.

१७ (नेपथ्यरचना) देश तथा समय के अनुकूल पोशाक पहिनना.

१८ (कर्णपत्रभङ्गनिर्माण) हाथी दांतया शंख या और वस्तु से कर्ण भूषण बनाना.

१९ (सुगन्धयोजन) विविध भाँतिके सुगन्धित, खुशबूदार चीज़ बनाना व लगाना.

२० (भूषणयोजनम्) अलङ्कार

विधान, गहना पहिनना, या पहिनाना.

२१ (ऐन्द्रजाल) मायावी,वाजी गरकी तरह क्रीडा करना.

२२ (रूपनिर्माणकौशलको) कौचुमार योग बदसूरत को खूब सूरत बनाना

२३ (हस्तलाघव) काम में हाथ की सफाई

२४ (भोज्यविकार) अनेकप्रकार के भोजन रसोई, बनाने में चतुरता होशियारी.

२५ (पानक रस रागासवयोजन) हरतरहके पीने के लिये शरबत रस अर्क, आसव नशीली चीज़, भांग माजून, अङ्गूरी शराब वगैरः का बनाना

२६ (सूची वाणकर्म) सुई का काम, सीना बूटे काढ़ना, वाणकर्म, वाणका चलाना व बनाना.

२७ (सूत्रक्रीडा) तागासे चकई, व लट्टू वगैरः का नचाना या रंग विरंगा तागा दिखाना.

२८ (प्रहेलिका) जिसके शब्दों से और अर्थ हो और वास्तविक असलीमतलब कुछ औरही हो यथा जरे वरे ऐंठे लड़े याहीमें स्वहिं चैन । गली गली डोलत फिरै कहै रसीले वैन १ नाच उलटिके घोड़ाखाय २ इत्यादि वार्त्ता, कहानीको जानना.

२६ (प्रतिमाला) हर एक पशु, पक्षीकी बोली बोलना. या अन्तराक्षरी बैतवाजी जैसे शारदा शारदा म्भोजवदना वदनाम्बुजे ॥ सर्वदा सर्वदा स्माकं सन्निधिं सन्निधिं क्रियात् १ इस श्लोक के अन्तिम अक्षरी अक्षर त से कोई श्लोक पढ़ना यथा ततोरावण नीतायाः सीताया-दशत्रुकर्पणः ॥ इयेपपदमन्वेष्टं चारणा चरिते पथि १ इत्यादि जानों ॥

३० (दुर्वचक योगाः) दुष्ट, ब-च्चक, ठग दगाबाजलोगोंकी संगति सोहवत करना.

३१ (पुस्तकवाचनम्) शुद्ध सही शीघ्र जल्दी पुस्तक को वाचना.

३२ (नाटकाख्यायिका दर्शनम् नाटक) दृश्यकाव्य, थियटर क-रिके प्राचीन, पुरानी, कथा, इति-हास, कहानी, को दिखलाना, या देखना.

३३ (काव्यसमस्यापूर्तिः) जो कोई पुरुष कचित् अथवा श्लोकका चौथाचरण देवे यथा “सूच्यग्रेकूप पट्कन्तदुपरिनगरी तत्रगंगाप्रवा-हः” और कहै कि इसको तथा इसी प्रकारके और श्लोकका चौथाचरण को पूर्ण करो तब उसको पूरा करना यथा ॥ मन्त्रैःसम्यक्प्रयुक्तैः सविधि गिरिभुवागौषधीनाम्प्रयोगैस्तारन्निष्कास्यरत्नैर्निगमजलधिताश्शचयि

त्वागुरूणाम् ॥ आयासैर्नीच पुंसा म्मलिनकुलजुपांशिटतेयं यदिस्यात् “सूच्यग्रेकूपपट्कन्तदुपरि नगरी तत्रगंगाप्रवाहः” इत्यादि.

३४ (पट्टिकावेत्रवाणविकल्पाः) नेवार, और वैंत, रज्जु, रस्ती से मोढ़ा, कुर्सी, कोच, पलंग वगैरह चीनना.

३५ (तर्ककर्माणि) तर्क, युक्ति, तरकीब से कामकरना.

३६ (तक्षणम्) बढई का काम जानना या करना.

३७ (वास्तुविद्या) गृह, घर, म-कान, बनाने की विद्या, कारीगरी, जानना, थवई का काम करना.

३८ (रौप्य, रत्नपरीक्षा) रौप्य, सोना, चाँदी, रत्न, जवाहिरात को पहिचानना, परखना.

३९ (धातु वादः) सुवर्णकार सोनारका काम जानना या करना.

४० (मणिरागाकरज्ञानम्) म-णिराग मणियोंके रंगको तथा उन की खानि को जानना और पहि-चानना.

४१ (वृक्षायुर्वेदयोगः) वृक्ष पेड़ दरख्त का आयुर्वेद, वैद्यक चि-किरता, दवा, पालन, पोषणकरना, या उसका प्रकार जानना.

४२ (मेप, कुकुट, लया, युद्धविधिः) मेप भेंड़ा, कुकुट मुर्गा, लया तीतर,

की लड़ाई का प्रकार जानना व लड़ाना.

४३ ( शुक सारिकाप्रलापनम् ) सुआ सुग्गा, तोता सारिका, मैना को पढ़ाना यानी उन को बोलना सिखाना.

४४ ( उत्सादनम् ) शत्रु दुश्मनों को यत्न पूर्वक तरकीब के साथ उत्सादन उजाड़ देना, निकासिदेना.

४५ ( केशमार्जन कौशलम् ) वालोंको मलना और कंथी करना, तथा तेल फुलेल लगाना इत्यादि कामों में कुशलता.

४६ ( म्लेच्छित विकल्पाः ) म्लेच्छ यवनादि की भाषा ज़बान, को जानना तथा उनके काम में आनेवाली चीजों को बनाना.

४७ ( देश भाषा ज्ञानम् ) सबदेश मुल्कोंकी भाषा बोल चाल सीखना.

४८ ( पुष्पशकटिका ) लड़कों के खेलने के लिये फूलोंकी गाड़ी वगैरः बनाना.

४९ ( निमित्तज्ञानम् ) कुण्डली तथा प्रश्न तथा वर्त्तमान समय तथा अनेक प्रकार की अद्भुत बातों को देखकर भूत, भविष्यत्, का शुभा-शुभ अच्छा बुरा फल नतीजा जान लेना व बतलाना.

५० ( यन्त्रमात्रिका ) वशीकरण, युद्धादिक के लिये यन्त्र तानीज व-

गैरः बनाना तथा उसका प्रकार जानना.

५१ ( धारणमात्रिका ) विना पढ़ी विद्याको भी एकहीवार सुनकर अवधारण याद रखना, स्मरण शक्ति को बढ़ाना, अवधान करना.

५२ ( समवाच्यसमपाठ्यम् ) किसी दूसरे आदमीका पढ़ना या बात चीत सुनकर चाहै उस भाषा को जानता भी न हो तथापि यथाश्रुत जैसा सुनै वैसा स्मरण रखना, या दूसरीवार उसीतरह पढ़जाना.

५३ ( मानसीकाव्यक्रिया ) मन से काव्य करना अर्थात् दूसरे के आशय, मतलब को विना जनाये भी समझलेना.

५४ ( अभिधानकोशाः ) सब पदार्थों, चीजों का नाम जानना.

५५ ( छन्दोज्ञानम् ) छन्दके शास्त्र से अनेक प्रकार के छन्दों के भेद को जानना

५६ ( क्रियाविकल्पाः ) जिसतरह वनै उस तरह से कार्य्य को सिद्ध करना.

५७ ( छलितयोगाः ) छलित, छल, कपट हरतरह की चालाकी सीखना अर्थात् ऐयारी करना.

५८ ( वस्त्रगोपनानि ) कपड़ों की रक्षा, हिफाज़त करना.

५९ ( द्यूतविशेषाः ) शतरंज, चौ-

पड़, ताश वगैरः अनेक प्रकार के जुआका खेल जानना, या खेलना।

६० (आकर्षक्रीडनम्) जुआ के खेल में भी इसतरह खेलना जिससे अपनी ही वाजी चौकसरहै इसवात में निपुणहोना।

६१ (वालकक्रीडनकानि) लड़कों के खेल को जानना या लड़कों के खेलने के लिये खिलौना बनाने जानना।

६२ (वैनायिकीज्ञानम्) राजादि कों को विनय, नम्रतासेप्रसन्न, खुश करने जानना।

६३ (वैजयिकीज्ञानम्) स्पष्ट विजय करना या विजय, जीत देने वाले देवताओं को वश करने की विद्याजानना।

६४ (वैयासकीव्यायामकीविद्या ज्ञानम्) व्यासादिकनके जो पुराण हैं उनको सब को जानना और व्यायाम कसरत इत्यादि नटविद्या को जानना।

(कलाधर) कलानिधि, चन्द्रमा, चांद (कल्पतरु) इन्द्रके नन्दनवनमें एक ऐसावृक्षहै जो देवताओं के सम्पूर्ण मनोरथ को पूर्णकरताहै वह वृक्ष

(कल्पद्रुम) इन्द्र के नन्दन वन में एक ऐसा वृक्ष है जो देवताओं के सम्पूर्ण

मनोरथको पूर्णकरता है वह वृक्ष

(कल्पित) बनायाहुआ, मानागया कृत्रिम, रचित

(कश्यप) एक मुनिकानाम, जिसने अपनी सृष्टिसे देवता, दैत्य राक्षस इत्यादि को उत्पन्न किया कश्य, मदिराकी भी संज्ञाहै, उसको जो पीवै सो पुरुष, शराबी, मद्यप

(काकतालीयन्याय) अनायास बिना परिश्रम या अनवसर वे मौके या देवयोग से इत्तिफाकन, जो वस्तु मिलजाय, ऐसे समय पर कहाजाता है कि यह काकतालीय न्याय से प्राप्त हुआहै

(कांक्षा) इच्छा, अभिलाष, चाहना स्वाहिश

(कापुरूप) खराब आदमी, नीचपुरुष

(कामकेलि) कामदेवका खेल, स्त्री पुरुषका एकान्त मिलाप, सुरत, मैथुन

(कामधेनु) एकतरह की गौ, जो सम्पूर्ण मनोरथको पूराकरती है

- (कामना) मनोरथ, चाहना, स्वा-  
हिश
- (कामरूप) इच्छानुसार जैसाचाहै  
तैसा रूप सूरत धारण  
करनेवाला मायावी
- (कामातुर) कामदेवसे व्याकुल,  
मस्त, बड़ाकामीपुरुष
- (कामार्त्त) कामदेवसे पीड़ित, का-  
मुक, मस्त
- (कामारि) कामदेवका शत्रु, महा-  
देव
- (कायिक) शरीर सम्बन्धी, देहके  
मुतअल्लिक, शारीरिक
- (कारागार) जेलखाना, बन्धनालय
- (कार्पण्य) कंजूसी, कृपणता, सू-  
मपना
- (कार्याधिकारिन्) कारोवारका मा-  
लिक, कार्या-  
ध्यक्ष, मैनेजर
- (कार्यकलाप) बहुतसाकाम
- (कार्यदक्षता) काममें होशियारी,  
कार्यकौशल, कार-  
गुजारी
- (कार्यनिष्ठ) काम में लगाहुआ,  
कार्यासक्त, मशगूल
- (कालक्षेप) समयको व्यतीतकरना,  
दिनकाटना
- (कालनेमि) एक राजसका नाम,  
लंकाकी लड़ाईमें जव  
लक्ष्मणजी के शक्ति
- लगीथी उससमय स-  
जीवनमूरि लेनेको जा-  
तेहुये हनुमानजी को  
रास्ते में कपटमुनि ब-  
नकर जिसने छलना  
चाहाथा
- (कालरात्रि) काल, मौतकीरात, न-  
वरात्रकी सप्तमी तिथि
- (किष्किन्धा) वालिवानर की राज-  
धानी एक पुरी
- (कीदृश्) कैसा, किसप्रकारका,  
किसतरहका
- (कीदृक्ष) कैसा, किसप्रकारका कि-  
सतरहका
- (कीर्त्तन) तारीफकरना, सराहना,  
यशोवर्णन
- (कुकर्मन्) बुराकाम
- (कुचकुड्मल) कुचकीकली, चूंची  
की डेपुनी, चूचुक,  
कुचाग्र
- (कुटुम्बिन्) गृहस्थ, घरवारी, खान-  
दानी
- (कुण्ठित) मुड़ाहुआ, खफाहुआ,  
लज्जित, आलसी, सुस्त
- (कुतर्क) घेजह दलील
- (कुदृष्टि) बुरी निगाह, बुरी निगाह  
से देखना, बदनज़र
- (कुधर) पहाड़, अद्रि, पर्वत
- (कुध्र) पहाड़, अद्रि, पर्वत
- (कुपथ) खराबरास्ता, कुमार्ग

(कुपात्र) खराव वर्तन, दानदेने के अयोग्य ब्राह्मण

(कुपित) गुस्तावर, क्रुद्ध, नाराज

(कुमार्या) वुरीस्त्री, लड़ांका

(कुमति) वुरी समझ, दुर्वुद्धि

(कुमुदवन्धु) चन्द्रमा

(कुम्भसम्भव) अगस्त्यमुनि

(कुम्भीपाक) एक नरकका नाम, जिसमें जलतेहुये तेल की कड़ाही में पापी लोग डालेजाते हैं

(कुयोग) वुरी सोहवत, कुसंगति

(कुरु) इन्द्रप्रस्थ, दिल्ली का एकपुरानाराजा जिसकावंश कौरव कहलाताहै

(कुरुक्षेत्र) कुरु राजा का क्षेत्र, जगह जहांपर कौरव और पाण्डवोंका युद्ध हुआथा

(कुरूप) बदसूरत आदमी, खराब सूरत

(कुलघातिन्) खानदानको बरबाद करने वाला, कुलनाशक

(कुलतारण) कुलको तारने वाला लायक लड़का, जिससे कुल सुशोभित होता है

(कुलद्रोहिन्) कुलवाले खानदानी लोगों का द्रोह, नाश चाहने वाला अर्थात्

वुरे कर्मों से अपने वंश को बदनाम करनेवाला

(कुलधर्म) कुल, वंशका धर्म, आचरण वर्त्ताव, व्यवहार कुलाचार

(कुलपूज्य) वंशके सब लोग जिसकी पूजा करतेहैं कुल गुरु, पुरोहितकुलदेवता

(कुलक्षण) कुचाल, वुरेचिह्न जिसमें हों वह पुरुष

(कुशलक्षेम) खैर सल्लाह कुशल मंगल, चैनचान

(कुशाग्रबुद्धि) कुशके अग्र, फुनगी के तुल्य जिसकी बुद्धि तेजहो वह पुरुष, बड़ा बुद्धिमान

(कुप्टनाशिनी) कोठको नाश करनेवाली औषधि सोमराज बल्ली

(कुसुमशर) जिसके घाण फूलके हों वह, कामदेव

(कुसुमित) फूला हुआ, पुष्पित (कुहक) कुटिल, कपटी, छली, फरेवी

(कूलदुम) नदी के किनारे पर उगे हुये वृक्ष, तटस्थवृक्ष

(कृतकार्य) जिसने काम को पूरा किया हो, कामयाब, कृत कृत्य

- (कृतघ्न) उपकारको न माननेवाला, अहसान फरामोश
- (कृतघ्नता) उपकार को न मानना, अहसान फरामोशी
- (कृतज्ञ) नेकीको समझनेवाला, उपकारज्ञ, अहसानमन्द
- (कृतवीर्य) एक राजाकानाम, जिसका सहस्रबाहु कार्तवीर्य, नामपुत्र हुआथा
- (कृतार्थ) जिसने अपने कृत्य काम को कियाहो, जिसकी इच्छा पूरी होगई हो
- (कृत्रिमपुत्र) दत्तकपुत्र, जिस को गोद विठाया हो, वह लड़का
- (कृपिकर्म) खेतीकाकाम,कार्तकारी
- (कृपिकारक) खेती करनेवाला, कार्तकार, किसान
- (केन्द्र) पृथ्वीकी दक्षिण तथा उत्तर रेखा जिससे पृथ्वीकी नाप होतीहै
- (केरल) मालवादेश, नवीनविद्या, नयाशास्त्र
- (केशिन्) जिसके घाल सुन्दर हों, एक राक्षस का नाम जो ब्रजमें श्रीरुष्णजीको मारने गयाथा
- (कैटभ) एक राक्षसकानाम, जिस को दुर्गाजीने बध कियाथा
- (कोपित) क्रोधी, खफ़ा
- (कोमलता) मुलायमत, नरमाई, मृदुता
- (कोलाहल) कैल कल शब्द, गुल गपाड़, हल्ला
- (कोशला) कोश खजानः जिसमें बहुत हो अयोध्या
- (कोशाध्यक्ष) खजान्ची, भाण्डारिक
- (कौतुकिन्) क्रीड़ाशील, खिलाड़ी
- (कौरव) कुरु राजा के वंश के लोग कुरुवंशी
- (कौशिकी) एक नदी का नाम पहिले जो विश्वामित्र की बहिनथी, अब नदी होकर हिमाचल से बहती है
- (क्रयविक्रय) खरीद, फरोख्त, बनेई, बनिजपन
- (क्रान्ति) आकाशमें सूर्यका रास्ता
- (क्रान्तिमण्डल) खगोलमें सूर्य का मार्गवतलानेवाला वृत्त
- (क्रियादक्ष) काम में कुशल होशियार, कार्य कुशल
- (क्रोडपत्र) खर्चा, पर्चा
- (क्रोधना) कोपवती स्त्री, गुस्सावर औरत
- (क्रोश) पुकारना, रोना, कोस, दो मील
- (क्लान्त) थका हुआ, श्रान्त

|  |   |
|--|---|
| (क्लान्ति) थकावट, परिश्रान्ति                  | उत्पन्न पुत्र, जारपुत्र   |
| (क्लेशक) दुःख देनेवाला, दुखदाई                 | (क्षेपक) फेंकनेवाला   |
| (क्लाथित) पकाया हुआ, पक                        | (क्षेपणी) ढीला, छोटा पत्थर, फेंकनेवाली चमड़े वा रस्सी की ढिलवाँसी                                   |
| (क्षाणिक) थोड़ी देर तक जो रहे, थोड़ी देर का    | (क्षोभ) भयानक वस्तुके देखने से चित्त, तवीयत की घबराहट, डर, भय                                       |
| (क्षत) घाव, व्रण, जखम, अथवा, माराहुआ, हिंसित   | (क्षौर) मुण्डन, हजामत करना, मुड़ाना   |
| (क्षति) घाटा, नुकस्तान, हानि                   | (ख)   |
| (क्षरण) टपकना, चूना, स्राव                     | (खगपति) पक्षियों, चिड़ियोंका मालिक, गरुड़   |
| (क्षाम) पतला, दुबला, चीण, कृश                  | (खगान्तक) पक्षियोंका नाश करने वाला, वाजपची  |
| (क्षालन) शुद्धकरना, पवित्रकरना, धोना, खंहारना  | (खगेश) गरुड़, पद्मगारि  |
| (क्षालक) धोनेवाला, धोबी                        | (खगोल) आकाशमण्डल  |
| (क्षालित) शुद्धकिया हुआ, धोया हुआ, साफ कियाहुआ | (खगोलविद्या) आकाशके तारा, ग्रहादिकों की चाल, उदय, अस्त जानने की विद्या, ज्योतिष के सिद्धान्त ग्रन्थ |
| (क्षितिप) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा         | (खण्डन) काटना, टुकड़े करना, किसी की बात काटना मातकरना   |
| (क्षितिपति) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा       | (खनन) खोदना या जिससेखोदा जाय, कुदार वगैरः   |
| (क्षितिपाल) पृथ्वीकामालिक, राजा, महाराजा       | (खमणि) आकाश का मणि, सूर्य   |
| (क्षुण्) पीसाहुआ, चूर्णित                      | (खरधार) जिसकीधार बहनुतेजहो, तीक्ष्णधार  |
| (क्षुधातुर) भूँखसे व्याकुल, बुभुक्षित, भूँखा   |   |
| (क्षुधार्त्त) भूँखसे व्याकुल, बुभुक्षित, भूँखा |   |
| (क्षुब्ध) व्याकुल, घबरायाहुआ                   |   |
| (क्षुरभाण्ड) अस्तुरा धरनेका वर्त्तन, किस्वत    |   |
| (क्षेत्रज) अपनी स्त्री में दृत्तरे से          |   |



- (खल्लाट) चँदुला, जिसके शिर में बाल नहीं, गंजा
- (खाण्डव) एक वनका नाम
- (खाद्य) खानेके लायक चीज, भोज्य
- (खानिक) खानि में पैदाहोनेवाली चीज
- (खिन्न) उदासीन, रंजीदः
- (खेचर) आकाश में चलनेवाला, ग्रहगण, देवतादिक
- (खेद) शोक, अफसोस, पछतावा
- (ग)
- (गङ्गाद्वार) जहाँ से गङ्गा निकलती है, गंगोत्तरी
- (गजगामिनी) जिस स्त्रीकी चाल हाथीकी चालकी नाई मतवालीहो वह स्त्री
- (गजपाल) हाथीको पालनेवाला, महावत, हाथीवान्
- (गजवदन) गणेशजी
- (गणक) ज्योतिषी, गिननेवाला, नजूमि
- (गणनाथ) शिवजी के गणोंका मालिक, गणेशजी
- (गणनायक) गणेशजी
- (गणपति) गणेशजी
- (गणितज्ञ) हिसाब जाननेवाला
- (गरडकी) एक नदीका नाम
- (गताक्ष) जिसकी आंख जातीरही हो, अंधा
- (गतिपरिपाटी) सेना के चलने की रीति, फौजकी कवायद
- (गदहन्) रोगको दूर करनेवाला वैद्य, हकीम, डाक्टर
- (गदा) एक तरह का हथियार
- (गदाधर) कौमोदकी गदाको धारण करने वाले विष्णु भगवान्
- (गदिन्) रोगी, विष्णु
- (गद्द) बड़े हर्ष, खुशी या भय से पूरा न बोलसकना
- (गन्तृ) चलनेवाला, जानेवाला
- (गमनागमन) आनाजाना, आम-दरफत
- (गमिन्) जानेवाला
- (गया) एक तीर्थस्थान जहां हिन्दू लोग पितृगणों के उद्धारार्थ पिण्डदान करते हैं
- (गर) निगलना, गला, जहर, विष
- (गरिमन्) गरुआई, बोझा, गुरुत्व
- (गरीयस्) गुरु, श्रेष्ठ, बड़ा
- (गर्ग) एक ऋषिकानाम, जो यदु-वंश का गुरु था
- (गर्जन) गरजना, सिंहका शब्द, गाजना
- (गर्भवती) जिस स्त्री के सन्तान होनेवाला हो
- (गर्भस्त्राव) गर्भका गिरना गर्भपात, (गर्वित) अभिमानी, अहंकारी, घमंडी

|  |  |
|--|--|
| (गर्हित) निन्दित   | को जाननेवाला   |
| (गाथा) कथा, श्लोक  | (गुणग्राहिन) गुण का गाहक गुण को जाननेवाला                          |
| (गाधितनय) विश्वाभिन्न  | (गुणन) गुणना, ज़रब देना  |
| (गाधर्न्व) गन्धर्व विवाह, जो केवल वर कन्या की ही रजामन्दी से होता है | (गुणवत्) पण्डित, प्रवीण, चतुर                                      |
| (गायक) गानेवाला, गवैया   | (गोपित) पालाहुआ, पालित, रक्षा किया हुआ, रक्षित                     |
| (गायन) गानेवाला, गवैया   | (गोमृ) रक्षा करनेवाला, पालक, मुहाफिज                               |
| (गालव) एक ऋषिका नाम, लोध औषध   | (गोप्य) छिपानेकेलायक, अप्रकटनीय                                    |
| (गिरिजा) हिमाचल से उत्पन्न पार्वती जी, गौरी                          | (गुम्फ) गूँथना, पोहना, गुम्फन, ग्रन्थन                             |
| (गिरिधर) गोवर्धन नाम पर्वत को धारण करनेवाले, श्री कृष्ण भगवान्       | (गुरुतर) बहुतभारी, बहुतही भारी                                     |
| (गिरिधारिन्) गोवर्धन नाम पर्वत को धारण करनेवाले श्रीकृष्ण, भगवान्    | (गुरुत्तम) बहुतभारी, बहुतहीभारी                                    |
| (गिरिराज) हिमाचल गोवर्धन, सुमेरु                                     | (गुरुजन) बड़े लोग, वृद्धजन, बड़े वृद्धे                            |
| (गिरिवर) पर्वतों में श्रेष्ठ बड़ापहाड़                               | (गुस्वार) वृहस्पति का दिन, वीफै                                    |
| (गिरिसुता) गौरी, पार्वती   | (गृध्रराज) गीधों का राजा, जटायु सम्पाति, नाम के दो गीध             |
| (गिलन) निगलना, खाना, भोजन करना                                       | (गृहिणी) स्त्री, जोरू  |
| (गीतिका) एक छन्द का नाम  | (गेय) गाने के योग्य  |
| (गुञ्जन) गुँजना  | (गोत्रज) गोतिथार, एक गोत्र के लोग                                  |
| (गुटिका) गोली, गुलिका  | (गोऽतीत) अप्रत्यक्ष, इन्द्रियों से बाहर                            |
| गुणक) जिस अंक से गुना जाय, वह अंक                                    | (गोदान) गौकादान, देना, संस्कार मुण्डन, विगेष, पहिले २ दाढ़ी बनवाना |
| (गुणग्राहक) गुण का गाहक गुण  |  |

- (गोदावरी) स्वर्गको देनेवाली एक नदी का नाम जो दक्षिण में बहती है
- (गोधूलि) सायंकाल, शाम, जब कि गौँ जंगल से चरके गौँव को आती हैं वह समय
- (गोपन) छिपाना, अप्रकाशन, रक्षा करना
- (गोपनीय) छिपाने के योग्य अप्रकाश्य
- (गोपी) गोप, अहीर की स्त्री, अहीरिन, ग्वालिन
- (गोपीनाथ) श्रीकृष्ण, भगवान्
- (गोमती) एक नदीका नाम
- (गोमुखी) जिसका गौँकैसा मुखहो या जिसमें मालारखकर जप किया जाता है वह थैली, हिमाचलकी एक गुफा जिससे गंगाजी निकलती हैं
- (गोवर्धन) ब्रज में इन्द्रके कोप से जब धारा सम्पात करके जल बरसताथा उस समय श्रीकृष्णजीने जिस पर्वत को उठाया था वह पहाड़
- (गोस्वामिन्) गो, इन्द्रिय और गौँ का स्वामी, मालिक ईश्वर, महन्त, गुरु
- गुसाईं, अथवा जिसके बहुतसी गौँँ हों
- (गौँड़) ब्राह्मणोंकी एक जाति, जिसमें बंगालकी राजधानी थी वह शहर
- (गौँण) अप्रधान
- (गौँरीश) महादेव, शिव
- (ग्रन्थकर्त्तृ) पुस्तक बनानेवाला
- (ग्रन्थकार) पुस्तक बनानेवाला
- (ग्रहण) लेना, सूर्य अथवा चन्द्रमा को जब राहु ग्रसताहै वह समय
- (ग्राहक) ग्रहण करने वाला, लेने वाला, खरीददार
- (ग्राह्य), ग्रहण करनेके योग्य, लेने लायक, आदेय
- (घ)
- (घटक) मिलाने वाला, संयोजक चेष्टा करनेवाला
- (घटज) घटसे उत्पन्न, अगस्त्यमुनि जो दक्खिनतरफ़ आकाश में उदयहोताहै
- (घटयोनि) अगस्त्यमुनि
- (घटी) घड़ी, ६० पल, चौबीस मिनट, छोटा घड़ा
- (घटिका) घड़ी, ६० पल, चौबीस मिनट, छोटा घड़ा
- (घण्टाली) छोटी २ घंटियोंका समूह, जो घैलके गलेमें बांधीजाती है

- कारका कच्चा लोहा जो लोहे को खींच लेता है  
 (चुम्बन) चुम्मा, बोसा, चूमना  
 (चूडाकरण) मुण्डन संस्कार, मूँड़न  
 (चूपक) चूसनेवाला  
 (चूपण) चूसना  
 (चेष्टा) हाथ, पैरका चलाना, काम करना  
 (चैतन्य) परमात्मा, ब्रह्म  
 (च्युति) चूना, टपकना  
 (छ)   
 (छन्दोग) काव्यवचनानेवाला, कवि, सामवेदका गानेवाला  
 (छर्दन) छाँट, वमन, क्रय  
 (छर्दि) छाँट, वमन, क्रय  
 (छलविनय) रुपटपूर्वक, विनय करना  
 (छात्रवृत्ति) विद्यार्थियों की वृत्ति, बजीफा, स्कालरशिप  
 (छायापथ) पछाई का मार्ग, खाली जगह, आकाश  
 (छोटिका) कौपीन, लँगोटी  
 (जगदम्बा) जगत, संसारकी माता, देवी, दुर्गा  
 (जगदाधार) दुनियाँ जिसके सहारे पर रहै, शेपजी  
 (जगदीश) संसार का मालिक, परमात्मा  
 (जङ्गम) दो प्रकार की सृष्टि में से चलने फिरनेवाले जीव
- (जटाधारिन्) जटा, सदा बँधे रहने वाले वालों को, रखनेवाला  
 (जटित) जड़ाऊ, जड़ाहुआ  
 (जटिल) जटा रखनेवाला, जटाधारी  
 (जङ्गमति) उजड़, दुर्बुद्धि  
 (जनकतनया) जानकी जी महारानी  
 (जनकसुता) जानकीजी महारानी  
 (जनप्रवाद) लोगों की कहावत, लोक प्रवाद  
 (जनमेजय) दुष्ट लोगों को कँपाने वाला, प्रतापशाली राजा परीक्षित का पुत्र  
 (जनयितृ) पैदा करनेवाला, तात, जनक, पिता  
 (जनश्रुति) लोगों में फैला हुआ अफवाह, किंवदन्ती  
 (जन्मद) पिता, बाप  
 (जन्मदिन) पैदायश का रोज  
 (जन्मभूमि) जिस जगह पैदाहुआ हो वह जगह, वतन  
 (जन्मान्तर) दूसरा जन्म, पुनर्जन्म  
 (जम्बुद्वीप) पृथ्वी में सातद्वीप हैं, उन में से पहिलाद्वीप, जिसका एक हिस्सा भरतराजा के नामसे भारतवर्ष कहलाता है

- (जम्बूद्वीप) पृथ्वी में सातद्वीप हैं, उनमें से पहिलाद्वीप, जिसका एक हिस्सा भरतराजा के नामसे भारतवर्ष कहलाता है
- (जयपताका) जीतका झण्डा, विजयकेतु
- (जरती) बुढ़िया स्त्री
- (जरासन्ध) जरानाम राक्षसी ने जन्मके समय उसके शरीरके जो दो टुकड़े थे उनको जोड़ कर यह धरदान दियाथा कि जबतक यह जोड़ न फटैगा तब तक यह किसीके मारे न मरेगा इसीसे उसका नाम जरासन्धथा, यह मगधदेशका राजाथा, और अपने जामाता, दामाद, कंसके मरनेपर श्रीकृष्णजी का वैरी होगया अन्तमें इसकी मृत्यु भीमसेनके हाथसे हुई
- (जलकरङ्क) पानीका सेवार, काई, घोंघा
- (जलकाक) पानी में रहनेवाला पक्षी, पनडुब्बी, घतख
- (जलकुण्ड) पानी में रहनेवाला मुर्गा
- (जलक्रीडा) पानीका खेल
- (जलचर) पानी में रहनेवाले जीव, मछली, ग्राह इत्यादिक
- (जलत्र) पानीसे बचानेवाला, छतुरी, नाव
- (जलद) मेघ, बादल
- (जलधि) समुद्र
- (जलनिर्गम) पानी निकलने की रास्ता, मोरी, नाला
- (जलपति) जलका देवता, वरुण
- (जलयान) पानीकी सपारी, जहाज़, नाव
- (जलराशि) समुद्र
- (जलरुह) कमल
- (जलशायिन्) चीर समुद्रमें सोने वाले विष्णु
- (जहु) चन्द्रवंशका एक राजर्षि, जिसने गंगाजीको एकचार पी लियाथा तभीसे गङ्गाजीको जहुतनया भी कहते हैं
- (जागरण) रातको जागना, रतिजगा
- (जात) जाति, कौम, पैदाहुआ, उत्पन्न
- (जातक) जन्म का हाल बतलाने वाले ज्योतिषके ग्रन्थ
- (जातकर्मन्) संस्कार विशेष जो कि पुत्रके पैदा होने पर तुर्नही किया जाताहै, नान्दीमुख दिक ध्राद

- (जापक) मन्त्रको जपनेवाला
- (जाम्बवत्) जामवन्त नाम रीछ  
जिसकीकन्या जाम्ब-  
वती श्रीकृष्णजी को  
व्याहीथी जिसने ल-  
डाकी लड़ाई में श्री  
रामचन्द्रजी को बड़ी  
सहायता दीथी
- (जायानुजीविन्) औरतसे रोजगार  
करने वाला, नट  
वेड़िया
- (जाह्वी) गंगाजी
- (जिगमिषा) जानेकी इच्छा, इरादा,  
गमनेच्छा
- (जिगीषा) जीतनेका इरादा
- (जिघत्सा) भोजन करनेकी इच्छा
- (जिघांसा) मारनेका इरादा
- (जिघांसु) मारने की इच्छा किये  
हुये
- (जिज्ञासा) जानने की इच्छा कि-  
येहुये
- (जिज्ञासु) जानने की इच्छा किये  
हुये, बुभुसु
- (जितेन्द्रिय) इन्द्रियों को अपने  
बश, इख्तियार में  
किये हुये
- (जीर्णोद्धार) पुरानी चीज़की मर-  
म्मत करना
- (जीवित) जीताहुआ
- (जुगप्सित) निन्दित, बदनाम
- (जुष्ट) प्रसन्न, खुश, सेवित, सेवा  
किया हुआ
- (जृम्भा) जँमुहाड़े, जृम्भण
- (ज्ञात) जाना हुआ, समझा हुआ
- (ज्ञानवत्) जाननेवाला, ज्ञानी,  
परिडत
- (ज्ञानेन्द्रिय) इन्द्रियों, जिनसे वि-  
षय सम्बन्धी ज्ञान  
होता है, कान, त्वक्  
खाल, नेत्र, जीभ,  
नाक, ये पांच इन्द्रिय
- (ज्ञापक) विदित करनेवाला, ज-  
नानेवाला
- (ज्ञापन) विदित करना, बतलाना
- (ज्ञाप्य) जनाने के योग्य, जामने के  
योग्य
- (ज्ञेय) जनाने के योग्य, जानने के  
योग्य
- (ज्योतिर्विद) ग्रह, नक्षत्रका गति,  
उदय, अस्त बतलाने  
वाले शास्त्र का जा-  
ननेवाला परिडत
- (ज्वलित) प्रकाशमान, जलता हुआ
- (ज्वालामुखी) ऐसा पहाड़ जिम  
में सदा अग्नि की  
ज्वाला निकलतीरहै  
यह पर्वत पंजाब  
प्रान्त में है, जिस  
को कि आस्तिक  
हिन्दू लोग देवी का

|  |  |
|--|--|
| स्थान मानते हैं  | (तटी) कूल, बेला, किनारा, तीर   |
| (भ्र)  | (तडित्समाचार) तार के समाचार,   |
| (भ्रंभानिल) हवा, जिस में झंझ-<br>नाहट की आवाज़<br>आती हो, गर्मी या<br>वर्षा की हवा, झं-<br>झावात   | तारबर्की, सौदा-<br>मिनी सन्देश   |
| (भ्रपकेतु) कामदेव, मदन   | (तत्क्षण) उसीवक्र, तुरंत, फौरन   |
| (ट)  | (तत्र) वहाँ, उस जगह  |
| (टक्कशाला) टकसाल घर जहाँ<br>रुपया बनाया जाता है  | (तत्रभवत्) पूज्य, आदरणीय, आं-<br>जनाव  |
| (टङ्कार) टन् २ ऐसे शब्द करना   | (तत्वतस्) यथार्थ, ठीक २, सत्य २  |
| (टलन) उद्वेग, घबड़ाना  | (तथाऽपि) तिस पर भी, तौभी,<br>तत्र भी   |
| (टिट्टिभ) टिट्टिहिरी, एक तरहकी<br>चिड़िया जिसके कण्ठ<br>का छिद्र बहुत छोटा<br>होने से प्रायः तालाव<br>नदी के किनारे प्यासके<br>भारे टों २ किया करती है | (तथाऽस्तु) वैसाही हो   |
| (टिप्पणी) कठिन शब्दोंका अर्थ   | (तदनन्तर) तिसके बाद  |
| (ट)  | (तनया) कन्या, लड़की  |
| (डाकिनी) डायिन   | (तनुज) पुत्र, लड़का  |
| (डीन) पक्षी की उड़ान   | (तनूज) पुत्र, लड़का  |
| (त)  | (तन्तुकीट) रेशमबनानेवाला कीड़ा   |
| (तक्ष) काटना, पतला करना  | (तन्मय) धिलकुल वही, तद्रूप   |
| (तज्ज) तत्व, सिद्धान्त को जानने<br>वाला, पण्डित  | (तन्मात्र) उतनाही, तावन्मात्र  |
| (तेटस्थ) नदी आदिके किनारे पर<br>रहनेवाला उदासीन, स-<br>भृत्ति  | (तपस्या) व्रत नियम में शरीर को<br>केशदेना  |
|  | (तपोधन) जिसके केवल तपही<br>भनहो, तपस्वी  |
|  | (तपोवन) तपस्या करनेका वन   |
|  | (तप्त) तपाया हुआ गर्म, उष्ण  |
|  | (तमसा) एक नदीका नाम जो<br>अयोध्या से पूर्व अरुघर<br>पूर के पास बहती है जि-<br>को टोंस अथ लोग क-<br>हते हैं |

|   |   |
|---|---|
| (तमोग्न) तमस्, अंधेरा या अज्ञान को दूर करनेवाला सूर्य, गुरु | (तारतम्य) घटबढ़   |
| (तरण) तैरना, पारहोना, नाव इत्यादिक, हाथी का झूल             | (तार्किक) नैयायिक, न्यायशास्त्र जाननेवाला   |
| (तर्कविद्या) न्याय शास्त्र                                  | (तालवृन्त) पंखा, वेना   |
| (तर्जन) धमकाना, भर्त्सन, धमकी, घुड़की                       | (तालव्य) जिन अक्षरोंका उच्चारण तारुसे होताहै वे अक्षर यथा, इ, च, छ, ज, झ, ञ, य, श |
| (तर्पक) तृप्तिकरनेवाला                                      | (तितिक्षक) हरएक के अपराधको सामर्थ्य होनेपर सहन करनेवाला, सहनशील                   |
| (तर्प) प्यास, इच्छा, चाह                                    | (तितिक्षा) सामर्थ्य होनेपर दूसरे के अपराधको सहना                                  |
| (ताटङ्क) कानका गहना, कर्णभूषण                               | (तिरस्कार) अनादर करना, त्यागिदेना   |
| (ताड़क) ताड़ना करनेवाला, सजादेनेवाला                        | (तिरस्क्रिया) अनादर, घेइज्जती, त्याग  |
| (ताड़न) सजा, मारपीठ   | (तिरोधान) अन्तरध्यान, गायबहोना  |
| (ताड़ना) सजा, मारपीठ  | (तिरोहित) लुकाहुआ, छिपाहुआ, गायब  |
| (ताड़नी) कोड़ा, कशा, चाबुक                                  | (तिलोत्तमा) स्वर्गकी एक वेइया का नाम  |
| (तात्कालिक) उसीसमयका  | (तिलोदक) तिलमिला पानी, तर्पणका जल   |
| (तात्पर्य) आशय, मतलब  | (तिलौदन) तिलमिला हुआ भात अर्थात् खिचड़ी   |
| (तादर्थ्य) उस कामकेवास्ते                                   | (तीर्थराज) तीर्थोंका राजा, प्रयाग   |
| (ताप) शोक, पछितावा, दुःख, ज्वर, घुखार                       | (तुङ्गभद्रा) एक नदीका नाम जो महीसुर, मैसूर राजः                                   |
| (तामस) तमोगुणी मनुष्य, तामसी, क्रोधी                        |   |
| (ताम्रूल) पान   |   |
| (ताम्रूलिन्) तम्बोली, पानवेचने वाला                         |   |
| (ताम्रूलिक) तम्बोली, पानवेचने वाला                          |   |
| (तारण) तारना, पारलगानेवाला, उद्धार करनेवाला                 |   |



धानी के पास बहती है

(तुम्बुरु) तम्बूरा, तानपुरा, एकतरह का बाजा

(तुरीय) चौथा, चौथाई

(तुलाधार) बनिया, वणिक्

(तुष्ट) सन्तुष्ट, तृप्त, प्रसन्न

(तूली) चित्रकार, सुसुन्दरकी कुंची

(तृणवत्) तिनकाके घराघर

(तृतीय) तीसरा

(तृपार्त्त) प्याससे व्याकुल, बहुत प्यासा

(तृपित) प्यासा

(तैलङ्ग) देशविशेष, कर्णाटक

(तोयद) मेघ, बादल

(तोयनिधि) समुद्र

(तोलक) तौलनेवाला

(तोपक) सन्तोष करनेवाला, प्रसन्न करनेवाला

(त्यागशील) दानी, फ़य्याज़, दाता

(त्याजित) छुड़ायागया

(त्याग्निन्) जिसने सर्वस्व त्याग दिया हो, विरक्त, बैरागी

(त्याज्य) त्यागकरनेके योग्य, छोड़ने के लायक

(त्रपित) लज्जित, शर्मिन्दा, लजाया हुआ

(त्रयोदशी) तेरहवीं तिथि

(त्रस्त) डरा हुआ, भीत, खौफ़ज़दा

(त्रातृ) पालन करनेवाला, रक्षक, गोसा

(त्रासक) भयानक, डरानेवाला

(त्रासित) डरायागया, भययुक्त

(त्रिकालदर्शिन्) भूत, भविष्यत्

वर्तमान इनतीनों

कालमें होनेवाली

बात को जानने

वाला, सर्वज्ञ, त्रि-

काल वेत्ता

(त्रिकूट) एक पर्वत का नाम जिस पर लंका, रावणपुरी बसी थी

(त्रिकोण) जिस खेत में तीन कोन हों, त्रिभुजक्षेत्र, त्रिकोना

(त्रिजटा) एक राक्षसी का नाम जो लंका में जानकीजी के अनुकूल थी

(त्रिधा) तीन तरह से

(त्रिनयन) तीन नेत्रवाला, शिवजी, महादेव

(त्रिनेत्र) तीन नेत्रवाला, शिवजी, महादेव

(त्रिपुरङ्ग) शाकल और शैव लोगोंका तिलक, जिस में तीन रेखाहों

(त्रिपुर) एक असुर का नाम जिसकी मृत्यु संग्राम में शिवजी के हाथ से हुई थी, त्रिपुरासुर

(त्रिपुरदहन) त्रिपुर राक्षसको जलानेवाले महादेवजी

- (त्रिपुरारि) शिव, महादेवजी  
 (त्रिलोक) स्वर्ग, मृत्युलोक, पाताल ये तीनों लोक  
 (त्रिलोकी) स्वर्ग, मृत्युलोक, पाताल ये तीनों लोक  
 (त्रिविध) तीन प्रकार का  
 (त्रिवेणी) गंगा, यमुना, सरस्वती इन तीन नदियों का संगम  
 (त्रिशिरस्) तीन शिरवाला एक राक्षस  
 (त्रिशूल) एक तरह का हथियार  
 (त्रिशूलपाणि) महादेवजी  
 (त्रैराशिक) तीन राशिका हिसाब  
 (त्रैलोक्य) स्वर्ग, मृत्यु, पाताल, लोक  
 (त्रोटक) एक छन्द का नाम  
 (द) द  
 (दंष्ट्रा) दाढ़, दाँत  
 (दक) जल, पानी, अप्  
 (दक्षकन्या) दक्षनाम प्रजापतिकी बेटी सती  
 (दक्षमुता) दक्ष नाम प्रजापतिकी बेटी सती  
 (दक्षिणा) दान, भेंट, बिदाई  
 (दक्षिणायन) कर्कराशिसे धनराशितक जब सूर्य संक्रान्ति करते हैं वह समय  
 (दण्डक) दण्ड सजा देनेवाला एक राजा का नाम  
 (दण्डकाण्य) शुक्र वा भृगुमुनिके शापसे दंडक राजा का राज्य नष्ट होकर जंगल होगया था, जिस में श्री रामचन्द्रजी ने कुछ दिन वास किया है, वह वन  
 (दण्डनायक) धर्मराज, यम, फौजदारी का मुलाजिम  
 (दण्डपाशिक) फांसी देनेवाला, जह्लाद  
 (दण्डादण्डि) लठिआहुज, लाठीकी लड़ाई  
 (दण्डिन्) बांसकीछड़ी रखनेवाला संन्यासी  
 (दत्त) दियाहुआ  
 (दत्तक) गोद बैठायाहुआ लड़का  
 (दत्तात्रेय) दत्तकपुत्र एक बड़े ज्ञानी अत्रि ऋषिका पुत्र जिसके २४ गुरु थे  
 (ददन) दान देना  
 (दद्रु) दाद, एकप्रकार का रोग  
 (दधि) दही  
 (दधीचि) एक ऋषिका नाम जिसने अपने शरीरका हाड़ चूत्रासुरके मारनेके लिये इन्द्र को वज्र धनाने के वास्ते दिया था  
 (दधिमार) नयन, मक्खन, नवनीत

- (दन्तच्छद) होठ, ओष्ठ  
 (दन्तधावन) दातुन, दतून  
 (दन्त्य) जिन अक्षरों का उच्चारण दांत से होता है वे अक्षर यथा ल, त, थ, द, ध, न, ल, स  
 (दमक) इन्द्रियोंका दमन, विषयों से रोकनेवाला  
 (दमनीय) दावनेके लायक, शान्त करने के योग्य  
 (दमयन्ती) विदर्भदेशके राजाभीमकी बेटी, महाराज नलकी पत्नी  
 (दम्भिन्) कपटी, छली, दगाबाज़, पाखण्डी  
 (दयिता) प्यारी स्त्री, बल्लभा  
 (दरिद्रता) गरीबी, निःस्वता, कंगालपना  
 (दर्य) अहंकार, गर्व, घमंड  
 (दर्पित) अभिमानी, मारूर, घमंडी  
 (दर्शनप्रतिभू) दिखलानेकी जिम्मेदारी, हाजिर करने की जिम्मेदारी, हाजिर जामिनी  
 (दलन) मर्दन करनेवाला, नाशक, फूलना, विकसन, टुकड़े करना  
 (दलनी) लोहकी मुंगरी जिससे सड़कवगेरः कूटी जाती है, दुर्मुट

- (दलित) मर्जागया, मर्दित  
 (दवाग्नि) वनकी आगि, दाव  
 (दशकण्ठ) रावण, दशानन  
 (दशकन्धर) रावण  
 (दशग्रीव) रावण  
 (दशम) दशवाँ  
 (दशमहाविद्या) दशप्रकारकी देवी महासाया, यथा, काली, तारा, पोडशीच, भैरवी, भुवनेश्वरी ॥ धूमावती, छिन्नमस्ता, मातङ्गी वगला तथा १ एतादश महाविद्याः कमलाऽपि प्रकीर्त्तिताः ॥ जैसे काली १ तारा २ पोडशी ३ भुवनेश्वरी ४ भैरवी ५ छिन्नमस्ता ६ धूमावती ७ वगला ८ मातङ्गी ९ कमला १० ये दश दुर्गा  
 (दशमुख) रावण  
 (दशमुखान्तक) रावण के नाश करनेवाले श्री रामचन्द्र  
 (दाक्षिणात्य) दक्षिण दिशामें होने वाला नारियल, वा दक्षिणी मनुष्य

- (दाक्षिण्य) दातृत्व, उदारता, कुशलता, होशियारी
- (दातृ) देनेवाला, दाता, सखी, फैंयाज
- (दानपत्र) हिवानामा, दानकी हुई इस मेरी जायदाद के हरलेनेका अधिकारमेरे किसी भी दायदा को दाद मेरे न होगा इस प्रकार का लेख जिस पत्रमें किया जाता है वह पत्र
- (दानशील) दानकरनेका जिसका स्वभाव हो, दानी
- (दाय) पैतृक धन, बाप दादा की जायदाद
- (दारकर्मन्) विवाह, व्याह
- (दारिका) कन्या, लड़की
- (दारुक) श्रीकृष्णजी का सारथी
- (दारुगर्भा) कठपुतली, गुड़िया
- (दासी) टहलुई, लोड़ी
- (दाह) जलाना, भस्मकरना
- (दाहन) जलाना, भस्म करना
- (दाहक) जलानेवाला
- दिक्पति { इन्द्रोवह्निः पितृ पतिर्नै
- दिक्पाल { ऋतौवरुणोमरुत ॥ कु-  
वेरइशः पतयःपूर्वा दी-  
नादिशांक्रमात् १ पूर्व  
काइन्द्र१अग्निकोणका  
अग्नि २ दक्षिणका य-

मराज३दक्षिणपश्चिम  
के कोण का नैऋत ४  
पश्चिम का वरुण ५ प-  
श्चिम उत्तर के कौनका  
वायु६उत्तरका कुवेर ७  
उत्तर, पूर्व के कोन का  
महादेवजी८आकाशका  
ब्रह्मा ९ पातालका शेष  
भगवान् १० स्वामी हैं ॥  
और किसी के मतसे  
“ सूर्यःशुक्रःक्षमापुत्रः  
सैहिकेयः शनिःशशी ।  
सौम्यस्त्रिदशमन्त्रीच  
पूर्वादीनामधीश्वराः ॥  
ये दिशाओंके स्वामी हैं

दिक्शूल } शनौचन्द्रेत्यजेत्पूर्वा  
दिशाशूल } दक्षिणान्तुदिशाद्गु-  
रौ ॥ सूर्येशुके पश्चिमा  
न्तु बुधेभीमे तथोत्त-  
राम् १ शनैश्वर सोम-  
वारको पूर्व, बृहस्पति  
को दक्षिण, रविवार  
शुक्रवार को पश्चिम,  
बुध वा मंगल को  
उत्तरकीयात्रा वर्जित  
है इस नियेध को ही  
दिक्शूल कहते हैं

(दिगन्त) जहांतकसूर्यचन्द्रकी  
गतिहो

(दिग्गज) आठ दिशा के हाथी,

- यथा ऐरावतः पुराडरी (दुःखसागर) दुःखकासमुद्र, संसार,  
को वामनः कुमुदोऽञ्जनः दुनियां  
पुष्पदन्तः सार्वभौमः (दुःशील) बुरे स्वभाववाला, बद-  
सुप्रतीकश्च दिग्गजाः १ मिजाज  
पूर्वादि क्रमसे ये आठ (दुःखावह) दुःख उठानेवाला, दुः-  
दिग्गज हैं खित  
(दिग्विजय) सबदिशाको जीतना (दुःसह) दुःखसे सहने के योग्य,  
(दिति) दैत्योंकी माता, कश्यप असह्य  
की स्त्री (दुरन्त) जिसके अन्तमें दुःखहो,  
(दिदृक्षा) देखनेकी चाह, दर्शना- ऐसाकर्म  
भिलाप (दुरतिक्रम) अति कठिन, दुस्तर,  
(दिनकर) भानु, सूर्य, सूरज मुश्किल  
(दिनमणि) सूर्य, दिवाकर (दुराग्रह) अनुचित हठ, वेजहजिद  
(दिनमुख) प्रातःकाल, सुबह (दुराचारिन्) बदकार, पापी, अधर्मी,  
(दिनेश) सूर्य, दिनपति (दुरात्मन्) जिसकादिल बुराहो, दुष्ट  
(दिव्य) स्वर्गकीवस्तु (दुरार्धर्ष) अजेय, जिसको हर एक  
(दिव्यदृष्टि) अलौकिक ज्ञान जि- न जीतसके, ज़बरदस्त  
ससे संबमालूमहोजाय (दुरालाप) वेजह वात चीत, दुर्वच-  
(दीक्षक) मन्त्रदेनेवाला, गुरु न, दुरुक्ति  
(दीक्षा) मन्त्रलेना, मन्त्रोपदेश (दुराशा) बुरी खाहिश  
(दीपमालिका) दिवाली (दुर्ग) किलम्र, कोट  
(दीप्तिमान्) कान्तिमान्, सुन्दर, (दुर्गम) जिसमें मुश्किल से जास-  
तेजस्वी के, अप्राप्य, अगम्य  
(दीर्घजीविन्) बड़ीउमरवाला, चि- (दुर्दशा) बुरी हालत, दुर्गति  
रजीवी (दुर्भगा) जिस स्त्रीका भाग्य कि-  
(दीर्घदर्शिन्) बड़ा विचारवान्, स्मत अच्छा नहो, या  
दूरदर्शी जिसको पति न चाहता  
(दीर्घरोमन्) जिसके लम्बे रोयेंहों हो वह स्त्री  
वह भालू, रीछ (दुर्भाग्य) बद किस्मत, अभागा,  
(दीर्घायुस्) ब्रह्मतदिनतक जीनेवाला या, बदकिस्मती, दुद्वेव

- (दुर्भिक्ष) असमय, कहत, काल, झूरा  
 (दुर्मति) दुर्वुद्धि, बेसमझ  
 (दुर्लभ) जो चीज़ मुश्किल से मिल  
 सके, दुर्गम, दुष्प्राप्य  
 (दुर्वासम्) शिव के अंशसे उत्पन्न  
 अत्रिनाम ऋषिका पुत्र,  
 जिसके कपड़े बुरेहों वह  
 पुरुष  
 (दुर्विपाक) बुरापरिणाम, बदनतीजा  
 (दुर्वोध्य) जिसको हरएक न जान  
 सके, कठिन, मुश्किल  
 (दुष्कर) जो काम कठिनता से कि-  
 याजाय, दुःसाध्य  
 (दुष्कर्मन्) बुरा काम, पाप  
 (दूरदर्शिता) पाण्डित्य, बुद्धिमत्ता  
 (दूषक) दोष लगानेवाला  
 (दूषित) अंकित, दोषी  
 (दूष्य) दोष लगाने के योग्य  
 (देय) दानकरने के योग्य, दातव्य  
 (देवगृह) देवताका मन्दिर, देवालय  
 (देववाणी) संस्कृत विद्या  
 (देवस्थान) मन्दिर, ठाकुर द्वारा  
 (देवतरङ्गिणी) आकाश गङ्गा, देव-  
 ताओं की नदी  
 (देवधुनी) आकाश गङ्गा, देवताओं  
 की नदी  
 (देवोत्थानी) कार्तिकके शुक्लपक्ष की  
 एकादशी तिथि जिसमें  
 श्रीकृष्ण भगवान् शेष  
 शय्या से उठतेहैं
- (देशभाषा) देशीजबान  
 (देशाटन) देशों में घूमना  
 (देशान्तर) दूसरा मुल्क  
 (देशहितैषिन्) देशका भला चाह-  
 ने वाला  
 (देशोन्नति) देशकी भलाई  
 (देहत्याग) देशको छोड़ना, मृत्यु,  
 मौत  
 (देहिन्) शरीरी, प्राणी आत्मा  
 (दैन्य) दीनता, लाचारी  
 (दैनिक) रोज़ मर्रा, प्रति दिनका  
 (दैहिक) देह सम्बन्धी, जिस्मानी  
 (दोखन) झूलना  
 (दोष) अपराध, कसूर  
 (दोषारोपण) दोषलगाना  
 (दोहनी) दूधदुहनेका बर्तन  
 (द्योतक) प्रकाशक, प्रकटकरनेवाला  
 (द्रष्टव्य) दर्शनीय, देखनेकेयोग्य  
 (द्रष्ट) देखनेवाला, नाज़िर  
 (द्रावक) बहानेवाला  
 (द्रुमारि) वृत्तोंका शत्रु, हाथी, प्र-  
 चण्ड बात  
 (द्रुमेश्वर) पीपल, पिप्पल, वृत्त-  
 राज, चन्द्रमा  
 (द्रोह) शत्रुता, दुश्मनी  
 (द्रौपदी) पंजाबदेशके राजा द्रुपद  
 की बेटी, पाण्डवोंकी स्त्री  
 (द्वादश) बारह, बारहवाँ  
 (द्वादशी) बारहवीं  
 (द्वारावती) श्रीकृष्णजीकी बसाई

• द्वारकापुरी

- (द्विगुण) दुगुना, दोचन्द  
 (द्वितीय) दूसरा  
 (द्विधा) दोतरहसे  
 (द्विपद) दोपैरवाले जीव, मनुष्या-  
 दिक  
 (द्विपायिन्) हाथी  
 (द्विविद) एक वानरका नाम जो  
 बड़ाबलीथा  
 (द्वेष) विरोध, दुश्मनी  
 (द्वेषिन्) दुश्मन, वैरी  
 (द्वेष्ट) शत्रु, द्रोही, दुश्मन  
 (द्वैधीभाव) विगाड़, नाइत्तिफ़ाकी  
 (घ)  
 (धनतृष्णा) द्रव्य, दौलत की ल्हा-  
 लच  
 (धनपति) कुबेर, देवताओंका ख-  
 ज़ाञ्ची  
 (धनवत्) अमीर, दौलतमन्द, धनी  
 (धनहीन) गरीब, दरिद्री  
 (धनाढ्य) दौलतमन्द, धनी  
 (धनाध्यक्ष) धनकामालिक, ख-  
 ज़ाञ्ची  
 (धनार्थिन्) धनका चाहनेवाला  
 (धनेश) कुबेर  
 (धनेश्वर) कुबेर  
 (धन्यवाद) सराहना, तारीफ़, शु-  
 क्रगुज़ारी  
 (धन्यन्तरि) जो समुद्र सथने से  
 हाथमें अमृतका कलश

लियेहुये निकला था  
 और वैद्यकशास्त्रमें ब-  
 डा विद्वान्था

- (धराधिधर) पर्वत, पहाड़  
 (धराणीधर) पर्वत, पहाड़  
 (धराणिसुता) जानकीजी  
 (धरातल) पृथ्वीके नीचेकाभाग  
 (धराधर) पर्वत, अद्रि, गिरि, पहाड़  
 (धर्तु) धारण, रखना करनेवाला  
 (धर्मक्षेत्र) पुण्यकी जगह, कुरुक्षेत्र  
 (धर्मज्ञ) धर्मको जाननेवाला, धर्म  
 विद्  
 (धर्मध्वजिन्) लोकमें पुजाने के  
 लिये धर्मको करने  
 वाला, पाखण्डी  
 (धर्मपत्नी) वेद विधि पूर्वक जिस  
 स्त्रीकापाणिग्रहणकिया  
 हो वह स्त्री.  
 (धर्मपुत्र) युधिष्ठिरजी  
 (धर्मशाला) विदेशियों के ठहरने  
 कीजगह जहाँ ग़रीबों  
 को ख़ैरात दीजातीहो  
 (धर्मशील) पुण्यात्मा  
 (धर्माध्यक्ष) इन्साफ़ करनेवाला  
 मजिस्ट्रेट वगैरः  
 (धर्मनिष्ठ) धर्म, अच्छेकाममें तत्पर  
 (धर्मस्त) धर्म, अच्छेकाममें तत्पर  
 (धर्मावतार) धर्मही के वास्ते पैदा  
 हुआ  
 (धर्प) प्रगल्भता, टिठाई

|  |  |
|--|--|
| (धर्पण) प्रागल्भ्य   | जी का भाई नकुल   |
| (धातुविलेपक) कलई साज   | (नखायुध) जिसके नाखूनही हथियार हों, चानर, कुत्ता, बिल्ली वगैरः    |
| (धारण) रखना, पहिरना  | (नगपति) हिमाचल, हिमालिया पहाड़                                   |
| (धार्मिक) धर्मात्मा, पुण्यवान्   | (नगाधिराज) हिमाचल, हिमालिया पहाड़                                |
| (धार्थ्य) पहिरने या रखनेके लायक  | (नटमाया) नटका खेल, वाजीगरी                                       |
| (धावक) दौड़ने या धोनेवाला  | (नटी) नटकी स्त्री, नटिन, सूत्रधार की स्त्री                      |
| (धिकार) लानत, धिक्कारना, फटकारना   | (नताही) युवा अवस्था में जो कुल झुककर चले, कुलवती स्त्री          |
| (धूम) धुआं   | (नद) घाघरा, घर्घर, शोणभद्र, सिन्धु इत्यादिक                      |
| (धूमयन्त्र) धुआं का कल, एंजिन  | (नन्दलाल) श्रीकृष्णजी  |
| (धूर्त्ता) मकारपना, छल, कैतव   | (नन्दिनी) वशिष्ठ मुनि की कामधेनु                                 |
| (धृतिमत्) धीरज रखनेवाला, धैर्यवान्   | (नद्ध) वैधाहुआ   |
| (धेनुक) बैलका रूप धरके जो कंस का पठाया श्रीकृष्ण जी के मारने के लिये ब्रजमे आया था वह राक्षस | (नम्र) नत झुकाहुआ विनय शाली                                      |
| (धेनुमती) गोमती नदी  | (नयनामृत) एकप्रकारका काजल सुरमा जिससे नेत्र के रोग जाते रहते हैं |
| (धैर्य्य) धृति, धीरज   | (नरकेशरिन्) नृसिंह भगवान्  |
| (धौत) धुलाहुआ, पवित्र, पाक साफ   | (नरकान्तक) नरक नाम एक असुर के मारने वाले श्रीकृष्ण भगवान्        |
| (ध्यात) विचारित, शोचाहुआ   | (नरनारायण) ईश्वर के अंश दो ऋषि जो बदरिकाश्रममें वास करते थे      |
| (ध्यातव्य) स्मरणीय, ध्यान करने के लायक   |  |
| (ध्यान) चिन्तन, स्मरण, यादगारी   |  |
| (ध्येय) स्मर्त्तव्य, ध्यानकरनेके योग्य   |  |
| (ध्वंस) नीचे गिरना, नाश  |  |
| (ध्वंसन) नीचे गिरना, नाश   |  |
| (न)  |  |
| (नकुल) नेउरा. नेवला, जिन के कुल न हो या युधिष्ठिर  |  |



- (नरपति) राजा, महाराज  
 (नरपुर) मृत्युलोक, यही लोक  
 (नरमेध) जिसमें मनुष्यकी बलिहो  
 (नरसिंह) नृसिंहावतार  
 (नरहरि) नृसिंहजी श्री गोसाँई  
 तुलसीदासजीके गुरु  
 (नराधम) मनुष्योंमें नीच, कमीना  
 नरापसद  
 (नराधिप) नर मनुष्यका मालिक  
 राजा, नरदेव  
 (नरेन्द्र) मनुष्यों में श्रेष्ठ, राजा, नृ-  
 पति  
 (नरेश) राजा  
 (नरेश्वर) राजा  
 (नर्त्तनप्रिय) जिसको नाच पसन्दहो  
 (नर्मद) सुखप्रद, आरामदेनेवाला  
 (नवग्रह) सूर्यादि ९ ग्रह, जैसे, सूर्य,  
 चन्द्रमा, भौम, बुध, वृ-  
 हस्पति, शुक्र, शनैश्वर,  
 राहु, केतु ६ ये ग्रहहैं  
 (नवदुर्गा) नव ६ प्रकारकी देवी।  
 यथा “ प्रथमं शैलपुत्री  
 च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी ॥  
 तृतीयं चन्द्रघण्टेति कू-  
 प्माण्डेति चतुर्थकम् १  
 पञ्चमंस्कन्द माताच प-  
 ष्ठं कात्यायनीतिच ॥  
 सप्तम कालरात्रिश्च म-  
 हागौरीतिचाष्टमम् २ ॥  
 नवमं सिद्धिदात्रीच नव

दुर्गाः प्रकीर्त्तिताः ॥ अर्थ  
 शैलपुत्री १ ब्रह्मचारिणी २  
 चन्द्रघण्टा ३ कूप्माण्डा ४  
 स्कन्दमाता ५ कात्याय-  
 नी ६ कालरात्रि ७ महा-  
 गौरी ८ सिद्धिदात्री ९  
 ये नव दुर्गा हैं

(नवद्वार) जिसमें ९ रास्ते हों अ-  
 र्थात् शरीर जिस्म, जैसे  
 २ नेत्र, आँख २ कर्ण, कान  
 व नासिका नाकके २ छिद्र,  
 मुँह १ लिंग १ गुदा १ ये इस  
 शरीर में ९ रास्ते हैं

(नववाला) युवती स्त्री, जवान औरत

(नवम) नववाँ

(नवमी) नवई

(नवयौवना) युवती, जवान औरत

(नवरत्न) नौ प्रकारके जवाहिरात,  
 जैसे हीरक, हीरा १ पद्मराग,  
 पद्मा २ नीलमणि, नीलम ३  
 वैदूर्य लहसुनियां ४ पुष्प  
 राग, पुखराज, ५ गोमेद ६  
 मुक्ता, मोती ७ माणिक ८  
 प्रवाल, मूंगा ९ ये नौरत्न  
 हैं । या महाराज विद्ममा-  
 दित्यके यहाँ जो नौपंडित  
 रहते थे उनके नाम यह  
 हैं धन्वन्तरि १ क्षपणक २  
 अमरसिंह ३ शङ्ख ४ वे-  
 ताल भट्ट ५ घटकपर् ६

- (निक्षेप) न्यास, धरोहर  
 (निखर्व) बहुतही छोटा  
 (निखात) गड़हा, गड़हा  
 (निगड़ित) जंजीरसे बंधाहुआ, क-  
 साहुआ  
 (निगदित) कहाहुआ, उक्र  
 (निगूढ़) छिपाहुआ, अप्रकटित  
 (निचय) समूह, गरोह  
 (निजवृत्ति) अपनी जीविका, अ-  
 पनापेशा  
 (नित्यकर्मन्) प्रतिदिनकरनेकाकाम  
 सन्ध्या, तर्पण, बलि  
 वैश्वदेव, अतिथि  
 सेवा, वेदकापाठ क-  
 रना, होम  
 (निदर्शन) उदाहरण, मिसाल  
 (निद्रित) सोताहुआ, सुप्त  
 (निधान) खजाना, भण्डार  
 (निनीपा) लेनेका इरादा, लिप्सा  
 (निनीपु) लेनेकी इच्छा कियेहुये  
 (निन्दक) बुराई करनेवाला  
 (निन्दकर्मन्) बुरेकाम, दुराचार  
 (निपतन) गिरना  
 (निपात) नाश, पतन, गिरना,  
 व्याकरण में प्रादिगण  
 को भी निपात कहते हैं  
 (निपीड़न) क्लेशदेना, तकलीफ़देना  
 (निबन्ध) संग्रहीत ग्रन्थ नियत  
 (निमज्जन) नहाना, पानीमें डूबना  
 (निमन्त्रण) नेवता, निकेतन  
 (निमि) सूर्य ग्रहों उरपक्ष, राजा  
 इक्ष्वाकु का पुत्र  
 (निमीलन) आंखको बन्द करना,  
 ऊंघना  
 (नियत) मुकरर किया गया  
 (नियुक्त) व्यापृत, काममें लगाया  
 गया  
 (नियोग) आज्ञा, हुक्म प्रेरण  
 (निरङ्कुश) स्वतन्त्र, स्वैरी खुदमु-  
 ख्तियार  
 (निरञ्जन) मायासे रहित, निर्गुण  
 (निरत) आसक्त, मशगूल, किसी  
 काममें लगाहुआ, प्रसित  
 (निरति) प्रेमशून्य, रूखा  
 (निरन्तर) सर्वदा, हमेशा, अव्यवहित  
 (निरपराध) निर्दोष, वेगुनाह  
 (निरर्गल) बेरोक टोक, खुला हुआ  
 (निरवकाश) बाधरहित पूर्ण, भरा  
 हुआ, बेफुरसत  
 (निस्वघ) निष्पाप, दोष रहित  
 (निरस) स्वादहीन, सूखा, फीका  
 (निरस्त) प्रक्षिप्त, फेंका हुआ, परा-  
 जित हाराहुआ  
 (निराकार) जिसका स्वरूप न हो,  
 वे जिस्म  
 (निरादर) अपमान, बे खातिरी  
 (निरामिप) बिना मांस  
 (निरायुध) शस्त्रहीन, बे हथियार  
 (निराश्रय) निरवलम्ब, बेसहारा  
 (निराहार) भोजन रहित, भूखा-

- (निरीक्षण) देखना, अवलोकन  
 (निरीह) निश्चेष्ट जो कुछ काम न करे  
 (निरुक्त) निर्वचन, व्याख्या, वेद का अंग जिसमें वेद के मन्त्रों का अर्थ निदर्शन रूप से तथा मन्त्र गत शब्दों को साधन क्रम वर्णित है  
 (निरुत्तर) लाजवाब  
 (निरुत्साह) आलसी, सुस्त  
 (निरुप) अपूर्व, अनूठा जिसके सदृश दूसरा न हो  
 (निरुपाधि) जिसमें किसी प्रकार का झगड़ा न हो  
 (निरूपण) वर्णन, ध्यान करना  
 (निर्गन्ध) जो न महकै, गन्धहीन  
 (निर्गम) निकलना, जाना, यात्रा  
 (निर्जन) जहाँ मनुष्य न हों वि-  
 विक, विजन  
 (निर्जल) जिसमें पानी न हो, नि-  
 रुदक  
 (निर्जित) जीतागया, विजित  
 (निर्जीव) मराहुआ, जड़  
 (निर्णीत) निश्चित, दरियाफ्त कि-  
 याहुआ  
 (निर्दिष्ट) दिखायागया, आज्ञापित  
 (निर्दन्द) सुख दुःख से रहित  
 (निर्धार) निर्णय, निश्चय, अलग  
 करना  
 (निर्धारण) निर्णय, निश्चय, अलग  
 करना  
 (निर्मल) पाकसाफ़, शुद्ध पवित्र  
 (निर्म्माण) रचना, बनाना  
 (निर्म्माल्य) देवताओंका उच्छिष्ट,  
 जूठा या निर्म्मलता,  
 सफाई  
 (निर्मूल) विनाकारण, विनाजड़,  
 वेतवव  
 (निर्यास) वृक्षकीलाख, हींग, बगैरः  
 (निर्लज्ज) वैशर्म, वेहया  
 (निर्लोभ) जिसको लालच न हो  
 (निर्लोभिन्) जिसको लालच नहो  
 (निर्वंश) जिसके सन्तान, औलाद  
 नहो, लावदं  
 (निर्वाण) मोक्ष, संसारसे छूटना  
 (निर्वात) जिस स्थान में वायु न  
 जाय  
 (निर्वास) निकालना, निस्तारण,  
 मारना  
 (निर्वासक) निकालनेवाला, नि-  
 स्सारक, मारनेवाला  
 (निर्वासित) निकालाहुआ, मारागया  
 (निर्वाह) निवाह, गुज़ारा, वसर  
 (निर्विकल्प) निस्तन्देह, वेशक  
 (निर्विकार) जिसमें किसीतरहकी  
 चुराई न पैदाहो  
 (निर्विघ्न) जिसकाममें किसीतरह  
 का विघ्न, खलल न पड़े  
 (निवारण) रोकना, मनाकरना  
 (निवास) रहना, वासकरना  
 (निवासिन्) रहनेवाला

(निविड) घन, गङ्गिन, सघन  
 (निवृत्ति) रिहाई पाना, छुट्टी पाना  
 (निवेदन) विनती करना, गुज़ारि-  
 श करना  
 (निशाकर) विधु, चन्द्रमा  
 (निशाचर) रात्रि में घूमने वाला,  
 राक्षस  
 (निशाचरी) राक्षसोंकीछत्री, राक्षसी  
 (निशानन) शाम, सायंकाल, संध्या  
 (निशामुख) शाम, सायंकाल, संध्या  
 (निशानाथ) रातकामालिक, चंद्रमा  
 (निशापति) रातकामालिकचंद्रमा  
 (निशुम्भ) एक राक्षस, जिसको  
 देवीजीने माराथा, यह  
 कथा मार्कण्डेय पुराण  
 के सप्तशती स्तोत्रमें है  
 (निशेश) रात्रिका स्वामी, चन्द्रमा  
 (निश्चल) जो हिलाये न हिले, अ-  
 चल, स्थिर  
 (निश्चला) जो कभी न चलै, पृथ्वी,  
 ज़मीन  
 (निश्चित) करार पाया, ठानागया  
 (निश्चिन्त) बेफिक्र, जिसको चिन्ता  
 न हो  
 (निष्ण) बैठाहुआ, स्थित  
 (निषिद्ध) वर्जित, नाजायज  
 (निषेधक) वर्जनेवाला, रोकनेवाला  
 (निष्कण्टक) जिस में शत्रु न हो,  
 बेखटके  
 (निष्कपट) जो दगावाज़ न हो,

सीधा, साफ, निश्छल  
 (निष्कलङ्क) जिसका किसीतरह का  
 कलंक ऐव न लगाहो,  
 निर्दोष, बेदाग  
 (निष्काम) निस्पृह, बेपरवाह, इच्छा  
 रहित  
 (निष्कारण) विलावजह, बिना  
 किसी हेतुके  
 (निष्क्रमण) बाहर निकालना एक  
 संस्कार, जिस दिन  
 चौथे महीने शुभ मु-  
 हूर्त में लड़के को घर  
 से बाहर निकालते हैं  
 (निष्पक्षपात) विलातरफ़दारी  
 (निष्पत्ति) सिद्धि, पूर्ण होना  
 (निष्पन्न) पूराहुआ, सिद्धहुआ  
 (निष्पाप) निरपराध, बेगुनाह  
 (निष्फल) व्यर्थ, बेमतलब  
 (निसर्ग) आज्ञा, हुक्म, स्वभाव,  
 आदत  
 (निस्तार) उद्धार, बचाव  
 (निस्सन्देह) निश्चय, ज़रूर  
 (निहित) रक्खा हुआ, स्थापित  
 (नीत) लायागया, प्राप्त कियागया  
 (नीति) न्याय, इन्साफ, निआव  
 (नीनिज्ञ) न्यायको जाननेवाला  
 (नीरज) पानी में पैदा होनेवाला  
 कमल  
 (नीरद) मेघ, मेह, बादल  
 (नीरधर) पानी को रखनेवाला, मेघ

- (नीरनिधि) समुद्र  
 (नीस) स्वाद रहित, फीका  
 (नीलग्रीव) शिवजी, जिसका गला नीलाहो  
 (नीलमणि) कालेरंगका मणि, जवाहिर, नीलम  
 (नीलोपल) नीलम, जमुरद  
 (नृग) सूर्यवंशमें उत्पन्न एक राजा का नाम, जो बड़ा दानीथा  
 (नृत्त) नाच, नृत्य  
 (नृपघातिन्) क्षत्रिय राजाओंके वध करनेवाले, परशुराम  
 (नृपति) राजा, मनुष्योंका मालिक  
 (नृपाल) राजा, मनुष्योंका पालन करनेवाला  
 (नृसिंह) नरसिंह, भगवान्  
 (नृहरि) नरसिंह, भगवान्  
 (नेकृ) पालन करनेवाला, पोषक, पवित्र करनेवाला  
 (नेजक) पालक, धोबी  
 (नेजन) शोधन, साफकरना  
 (नेतृ) नायक, लेजानेवाला  
 (नेतव्य) लेजाने के लायक, पहुँचाने के योग्य  
 (नेत्रच्छद) पलक  
 (नैमित्तिक) जो किसीकारण से कभी२ हो  
 (नैमिष) जिस स्थानपर विष्णुभंगवान् ने एक राक्षसको लह-मैभरमें माराथा, वहस्थान
- (नैमिष्यारण्य) एक वनका नाम, पूर्व काल में जहाँ ऋषिलोग तपस्या करतेथे  
 (नैराश्य) आशासे रहितहोना, ना उम्मैदी  
 (नैवेद्य) भोजनसामग्री जो देवता को अर्पण कियाजाताहै, प्रसाद  
 (नैसर्गिक) स्वभावसिद्धस्वाभाविक  
 (नैष्ठिक) भक्त, श्रद्धायुक्त  
 (न्यायकारिन्) इन्साफ करनेवाला, मुन्सिफ  
 (न्यायालय) कचहरी, न्यायागार  
 (न्यूनता) कमी, कसर, छोटाई  
 (न्यूनाधिक) कमज्यादा; अल्पाधिक  
 (प)  
 (पक्कि) पाक करना, पकाना  
 (पक्षपात) अनुचित सहायता, तरफदारी  
 (पक्षपातिन्) तरफदार, किसी प्रकार के सम्बन्ध से सहायता करनेवाला  
 (पक्षिराज) गरुड़  
 (पक्षीय) सहायक, मददगार  
 (पङ्कज) कमल, सरोरुह  
 (पचन) पाक, पकाना  
 (पचनीय) पाक करने के योग्य  
 (पचमान) पकाताहुआ  
 (पञ्चगव्य) गौसे उत्पन्न पाँच वस्तु

गोवर १ गोमूत्र २ दूध ३  
दही ४ घी ५

(पञ्चतत्व) पाँच पदार्थ, पृथिवी १  
जल २ अग्नि ३ वायु, ह-  
वा ४ आकाश ५

(पञ्चतन्मात्रा) पाँच तत्त्वोंका विषय,  
शब्द १ स्पर्श २ रूप ३  
रस ४ गन्ध ५

(पञ्चत्व) पाँच तत्त्वों पृथिवी, जल,  
अग्नि, वायु, आकाश, में  
मिलजाना, मृत्यु, मरना

(पञ्चनद) जिस देशमें पाँच नदी  
बहती हों, वह देश पं-  
जाब पाँच नदी ये हैं, च-  
न्द्रभागा, चनाव १ ऐराव-  
ती, रावी २ शतद्रु, सत-  
लज ३ विपाशा, व्यास ४  
भेलम ५

(पञ्चपात्र) आवखोरा, जो सोना,  
चाँदी, ताँबा, लोहा, रांगा  
ये पाँच धातु मिलाकर  
बनाया जाता पृजाके  
काममें आता है

(पञ्चप्राण) हृदय का वायु प्राण,  
गुदाका वायु अपान, ना-  
भिका वायु समान, कण्ठ  
का वायु उदान, शरीर  
भरमें व्याप्त वायु व्यान

(पञ्चभूत) पृथ्वी १ जल २ अग्नि ३  
वायु ४ आकाश ५

(पञ्चभूतात्मन्) मनुष्य जो पूर्वोक्त  
पाँच तत्त्वों से ब-  
नता है

(पञ्चमुख) शिवजी, महादेव

(पञ्चवक्त्र) जिसके पाँचमुखहों, म-  
हादेवजी

(पञ्चवट्टी) जिस जगह पाँच तरह  
के पीपर १ वरगद २ अँ-  
वरा ३ घेल ४ अशोक ५  
ये वृक्ष अधिकहों, जहाँ  
वनवास समयमें श्रीरा-  
मचन्द्रजीने निवास किया  
जानकीजीका भी हरण  
राचणने वहाँ से किया था

(पञ्चवाण) कामदेव, सम्मोहनादिक  
पाँच वाण जिसके हैं स-  
म्मोहन १ उन्मादन २  
शोषण ३ तापन ४ स्त-  
म्भन ५ ये पाँच

(पञ्चमृता) जीवों के मरनेकी जगह,  
यथा कण्डनीचोदकु-  
म्भश्च चुल्ही पेपण्युप-  
स्करः ॥ गृहस्थों के यहाँ  
इन काँड़ी १ घड़ा रखने  
की जगह २ चुल्हा ३ च-  
की ४ झाड़ू ५ पाँचों से  
अवश्य जीवहत्याहोती है

(पञ्चाह) तिथिपत्र, जन्त्री जिसमें  
निधि १ वार २ नक्षत्र ३  
योग ४ करण ५ ये होने हैं

- (पञ्चानन) महादेवजी, सिंह  
(पञ्चामृत) दूध, दही २ घी ३ शकर ४ मधु, सहद ५ इन चीजों से बनाहुआ पदार्थ  
(पटकार) कोरी, जुलाहा, कपड़ा बनानेवाला  
(पटुत्व) चतुरता, होशियारी  
(पटुता) चतुरता, होशियारी  
(पठनीय) पढ़ने के योग्य  
(पाठ्य) पढ़ने के योग्य  
(पण्डा) भला, घुरा समझनेवाली बुद्धि, सन्मति  
(परिद्वेष्टम्न्य) अपनेको बड़ापरिद्वेष्ट माननेवाला मूर्ख  
(परायस्त्री) गणिका, वैश्या, रंडी  
(पतञ्जलि) एक ऋषि जिसने व्याकरणका महाभाष्य रचा है  
(पतित) पापी, धर्मच्युत  
(पतिदेवता) अपने पति, शौहरहीको देवता समझने वाली स्त्री, साध्वी, पतिव्रता  
(पत्रदातृ) डाकिया, चिट्ठी वांटनेवाला  
(पत्रालय) डाकघर  
(पदचर) पैदल  
(पदचारिन्) पैरसे चलनेवाला, पैदल पदग  
(पदत्याग) जगह छोड़ना, इस्तीफा देना  
(पदत्राण) खड़ाऊँ, जूता
- (पदाम्भोज) कमल सदृश चरण, जिसके पैरमिस्ल कमलके मुलायम और खूब सुरतहों  
(पदार्थ) शब्दके माने, मतलब चीज  
(पद्मगर्म) विष्णु भगवान् के नाभि कमलसे उत्पन्न ब्रह्माजी  
(पद्माकर) जिस तालाब में बहुत कमल पैदा होता है वह तालाब  
(पद्मगारि) सपों के शत्रु, गरुड़जी  
(पपी) सूर्य, जो लोक की रचाकरे  
(पयोनिधि) समुद्र  
(पयस्विनी) बहुतदूधदेनवाली गाय  
(पयोद) मेघ, बादल, पानी देनेवाला  
(परकीय) परकीय दूतरेकी चीज  
(परन्तप) शत्रुको दुःख देनेवाला  
(परमधाम) उत्तम स्थान वैकुण्ठ  
(परमाणु) बहुत छोटा भाग जरा जालान्तरगतेभानौ यत्सूक्ष्मन्दृश्यतेरजः । तस्यपष्ठितमोभागः परमाणुःसउच्यते ॥  
(परमार्थ) सबसे अच्छा काम, पुण्य, सुकृत  
(परमायुस्) दीर्घजीवी, बड़ी उम्रवाला  
(परम्परा) पुरानी रीति, मर्यादा  
(परवश) दूसरेके अधीन  
(परशुधर) परशुराम जी, फरसाको

धारण करनेवाला

(परशुराम) जमदग्निऋषिके पुत्र,  
जिसने इकईसवार पृ-  
थ्वीको क्षत्रियोंसे रहि-  
ताकियाहै

(परस्पर) आपसमें, मिथः

(पराक्रमिन्) समर्थ, बलवान्, जो-  
रावर

(पराभव) अनादर, तिरस्कार, हार

(परामर्श) विचार, तजवीज़

(पराशर) एक ऋषिका नाम, जि-  
सके पुत्र व्यासजी हैं

(पराश्रय) दूसरेका सहारा

(परास्त) पराभूत, हाराहुआ

(पराह्ण) दोपहरकेवाद, मध्याह्नोत्तर

(परिच्छद) विस्तर, आस्तरण

(परिच्छन्न) चारोतरफसे ढकाहुआ

(परिच्छेद) परिमाण, नाप, अ-  
ध्याय, खण्ड

(परिजन) कुटुम्ब, परिवार, दास-  
आदिक

(परिणामदर्शिन्) विचारवान्, चतुर

(परिताप) सन्ताप, पछितावा

(परितुष्टि) सन्तोष, इतमीनान

(परितोष) प्रसाद, खुशी

(परित्याग) विसर्जन, छोड़ना

(परित्राण) रक्षा या रक्षक, रक्षित  
हिफ़ाज़त कियाहुआ

(परिपक्व) पकाहुआ, पक्का

(परिपाक) परिणाम, नतीजा

(परिपाटी) रीति, क्रम, दस्तूर

(परिभ्रमण) पर्यटन, घूमना

(परिमाण) नाप, परिच्छेद, तौल

(परिमित) परिच्छिन्न, नपाहुआ

(परिवर्तन) बदलना, तब्दील करना

(परिवाद) दुर्वचन, बदनामी

(परिवृत्त) चारो ओरसे घिराहुआ

(परिवेष्टन) लपेटना, ढकना

(परिशिष्ट) बाकी, अवाशिष्ट

(परिशोधन) अच्छेप्रकार शुद्ध करना

(परिश्रम) मिहनत, श्रम, आयास

(परिश्रांत) थकाहुआ, श्रान्त

(परिहास) हंसी, निन्दापूर्वक हँसना

(परीक्षा) परखना, आजमाना इ-  
म्तिहान

(परीक्षित) आजमाया हुआ, परखा  
गया

(परीक्षोतीर्ण) इम्तिहानमें पास

(परेद्युस्) दूसरे दिन

(परोक्ष) वाद, पीछे

(परोपकार) दूसरे की भलाई

(परोकारिन्) दूसरेका हितकरनेवाला

(पर्णशाला) फूसका मकान, झोपड़ी

(पर्णिन्) पेड़, द्रुम

(पर्यन्त) सीमा, हद्द, तक

(पर्याय) वारी, अवसर

(पर्यायवाचक) एकार्थक शब्द यथा  
घट, कलश

(पर्यालोचन) अवलोकन, विचारना

(पर्वतीय) पहाड़ पर होनेवाला प-



दार्थ, पहाड़ी चीज़

(पलायन) भागना

(पल्लवित) रोमांचयुक्त, खुश जिस  
वृत्तमें नये पत्ते लगेहों

(पवनकुमार) वायुकापुत्र, हनुमान्जी

(पवनतनय) हनुमान्जी

(पवनायन) भरोखा, गवाक्ष

(पवनसुत) हनुमान्जी

(पशु) जोसबको बराबर देखे, प्राणी,  
जानवर

(पशुपाल) पशुकापालन करनेवाला,  
अहीर

(पशुपालक) पशुका पालन करने  
वाला, अहीर

(पश्यतोहर) देखतेही देखते चुरा-  
लेनेवाला सोनार, स्व-  
र्णकार

(पाकशाला) रसोई का मकान

(पाक्षिक) बैकल्पिक जो एक बार  
हो एक बार न हो

(पाचक) रसोई बनानेवाला

(पाञ्चाल) एक देशका नाम, पंजाब

(पाञ्चाली) पाञ्चाल देश के राजा  
द्रुपदकी लड़की द्रौपदी

(पाटलिपुत्र) पटना, शहर

(पाट्य) पटुता, चतुराई, होशियारी

(पाठशाला) मदर्सा, कालेज

(पाणिग्रहण) विवाह, शादी, व्याह

(पाणिनि) व्याकरणशास्त्रके आ-  
चार्य

(पाणिनीय) पाणिनिमुनिका व-  
नायाहुआ, व्याक-  
रणशास्त्र

(पाण्डव) राजापाण्डुके पुत्र युधि-  
ष्ठिर १ अर्जुन २ भीम ३  
नकुल ४ सहदेव ५

(पाण्डित्य) विद्वत्ता, पण्डिताई

(पातकिन्) अधर्मी, पापी

(पातञ्जल) पतञ्जलिमुनिका घनाया  
हुआ, योगशास्त्र

(पातृ) पीनेवाला या रक्षाकरनेवाला

(पात्रता) योग्यता, लियाकृत

(पात्रत्व) योग्यता, लियाकृत

(पाथेय) रास्तेकाखर्च

(पाथोज) कमल

(पाथोधि) समुद्र, अडिब

(पाथोन्निधि) समुद्र, वारिधि

(पादचारिन्) पैरों से चलनेवाला,  
पदाति

(पादत्राण) जूता, सड़ाऊँ

(पादधारिणी) घोड़ेकीरिकाव

(पादप्रक्षालन) पैरधोना

(पादप्रहार) लातमारना

(पादसंवाहन) पैरदाचना, चरण सेवा

(पापभाज्) दोषी, पापी, गुनहगार

(पापात्मन्) महापापी

(पारण) व्रतके अन्त का भोजन

(पारदारिक) दूतरे की स्त्री के साथ  
भोग करनेवाला

(पारमार्थिक) परलोकके वास्ते जो

|   |   |
|---|---|
| कुछ कियाजाय<br>(पारलौकिक) परलोकके हेतु जो कर्म<br>कियाजाय, धर्म, पुण्य<br>(पाराशर) पराशर ऋषिकापुत्र श्री<br>वेदव्यासजी<br>(पाराशर्य्य) श्रीवेदव्यासजी जिस<br>ने १८ पुराण तथा महा<br>भारत इत्यादि के ग्रंथ<br>बनाये हैं  | काम किया जाता है,<br>श्राद्धादिक<br>(पितृकार्य) पितरों के वास्ते जो<br>काम किया जाता है,<br>श्राद्धादिक<br>(पितृकानन) श्मशान, मसान<br>(पितृतिथि) पितरों का श्राद्ध वगैरः<br>जिसदिन कियाजाता<br>है, वह दिन   |
| (पारिणाह्य) विशालता, चौड़ाई<br>(पारितोषिक) परितोष प्रसन्नता के<br>लिये जो दियाजाय<br>इनाम<br>(पार्थ) पृथा, कुन्ती का पुत्र अर्जुन<br>(पार्वण) अमावास्य, पूर्णिमा, अष्ट-<br>मी, इत्यादिक तिथियों<br>में जो कर्म कियाजाय  | (पितृपक्ष) आश्विन, कुआर का<br>अँधेरा पाख<br>(पितृष्वसृ) पिताकी बहिन, फूफी<br>(पिधायक) ढकनेवाला, ढकना<br>(पिहित) ढकाहुआ, छिपाहुआ,<br>आच्छन्न<br>(पीडित) दुःखी जिसको किसीत-<br>रह की बाधाहो   |
| (पार्श्ववर्त्तिन्) पास रहनेवाला स-<br>मीपस्थ<br>(पालक) पालनेवाला, रक्षक<br>(पालनीय) पालन, परवरिश, करने<br>के लायक, काथिल पर-<br>वरिश, रक्षणीय<br>(पालित) पालागया, परवरिश कि-<br>यागया, गोपायित<br>(पावन) पवित्र करनेवाला<br>(पिण्डित) इकट्ठा कियाहुआ, एकत्रित<br>(पिण्डूक) एक प्रकारकी चिड़िया<br>जिसको पेंडुकी कहतेहैं | (पीडित) दुःखी जिसको किसीत-<br>रह की बाधाहो<br>(पुँल्लिङ्ग) जिसमें पुरुषका चिह्नहो<br>(पुट) दोना<br>(पुण्यकृत्) धर्मको करनेवाला, पु-<br>ण्यात्मा<br>(पुनरागमन) लौटआना, फिरआना<br>(पुनरुक्ति) एकहीघात को दो बार<br>कहना, पुनरुच्चारण<br>(पुनर्जन्मन्) दूसराजन्म, पुनर्भव<br>(पुनर्वसु) एक नक्षत्र<br>(पुरजन) पुर, ग्राम के लोग<br>(पुरट) सुवर्ण, सोना<br>(पुरारि) त्रिपुरासुरके वैरी, महादेवजी<br>(पुरवासिन्) शहरकेलोग, पौर |
| (पितृकर्मन्) पितरों के वास्ते जो  |   |

|  |  |
|--|--|
| (पुरस्कार) सन्मान, आदर, खातिर  | (पूर्वोक्त) पहिले कहाहुआ                           |
| (पुराण) जिसमें पांचवातोंका वर्णन हो यथा सर्गश्चप्रतिसर्गश्च वंशोमन्वन्तराणिच ॥ वंशानुचरितश्चैव पुराणम्पञ्चलक्षणम् ॥ अर्थ, सृष्टिका वर्णन १ संसारका प्रलय २ क्षत्रियराजोंकेवंशकावर्णन ३ मन्वन्तरोंका वृत्तान्त ४ तथा उनके वंशका आचरण व्यवहार ये ५ बातें जिसमेंहों | (पूर्वलिखित) पहिलेका लिखाहुआ                       |
| (पुराणपुरुष) विष्णुभगवान्  | (पृक्त) मिलाहुआ, शामिल, सम्मिलित                   |
| (पुरुषसिंह) पुरुषों में श्रेष्ठ, पुङ्गव  | (पृच्छक) पूछनेवाला                                 |
| (पुरुषार्थ) जो मनुष्यका कामहै, अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष  | (पृथकरण) अलग करना, विभाग करना, विभजन               |
| (पुलक) हर्ष, खुशी से रोमाञ्चहोना   | (पृथा) युधिष्ठिरादिककीमाता कुन्ती                  |
| (पुलस्ति) सात ऋषियों में से एक ऋषि, रावणकापितामह   | (पृथिवीनाथ) पृथिवी ज़मीन का मालिक, राजा            |
| (पुलस्त्य) सात ऋषियों में से एक ऋषि, रावणकापितामह  | (पृथिवीपति) राजा, भूप                              |
| (पुष्टाङ्ग) जिसका बदन बहुत मजबूतहो   | (पृथिवीपाल) राजा, भूप                              |
| (पुष्पकरण्डक) फूलरखनेका बरतन   | (पेय) पीनेकेलायक, पानीय, पानी                      |
| (पुष्पचाप) मदन, कामदेव   | (पेपक) पीसनेवाला                                   |
| (पुष्पित) फूलाहुआ  | (पेपण) पीसना                                       |
| (पुस्तक) किताब, पोथी   | (पेपणी) चक्की, जाता                                |
| (पूजन) पूजा, खातिर   | (पोतक) शिशु, बालक                                  |
| (पूजनीय) पूजा करने के योग्य  | (पोपक) पालन करनेवाला                               |
| (पूय) पीव, मवाद  | (पोपणीय) पालन करने के लायक                         |
| (पृत्ति) पूराहोना, पूरण  | (पोप्पपुत्र) वह लड़का जिसको गोद लियाहो, दत्तकपुत्र |
|  | (पोत्र) पोता, लड़के का लड़का                       |
|  | (पोराणिक) पुराण वांचनेवाला                         |
|  | (प्रकट) प्रसिद्ध, ज़ाहिर                           |
|  | (प्रकटन) प्रकाशकरना, ज़ाहिरकरना                    |
|  | (प्रकम्प) कांपना, वेपथु                            |
|  | (प्रकरण) मोका, अवसर                                |
|  | (प्रकर्ष) बढ़ाई, श्रेष्ठत्व                        |
|  | (प्रकाशक) उजेला करनेवाला                           |
|  | (प्रकाशनीय) ज़ाहिर करने के                         |

लायक, प्रकाश्य

( प्रकीर्ण ) फैला हुआ, प्रसृत

( प्रकृत ) प्रकरणप्राप्त

( प्रकीर्तित ) कहा हुआ, कथित, उक्त

( प्रकृष्ट ) उच्च, श्रेष्ठ, बड़ा

( प्रक्षालन ) धोना, पखारना

( प्रक्षेप ) फेंकना

( प्रखर ) बहुतही तीक्ष्ण, तेज

( प्रख्यात ) प्रसिद्ध, मशहूर

( प्रगल्भता ) ठिठाना, धृष्टता

( प्रचण्ड ) बड़ा क्रोधी, बहुत तेज

( प्रचार ) व्यवहार, चाल

( प्रच्छद ) उपरना, ढुपट्टा

( प्रजाधिकारिराज्य ) जहां राजा न हो

और राज्यका काम प्रजाही

करती हो वह राज्य

( प्रजेश ) दक्षप्रजापति

( प्रजेश्वर ) दक्षप्रजापति

( प्रज्ञ ) परिदत्त, बुद्धिमान्

( प्रणिधान ) सोचना, समाधिभेद

( प्रतापवत् ) जिसकी बड़ी महिमा

हो, अकालमन्द

( प्रतापिन् ) तेजस्वी

( प्रतारण ) छलना, धोखा देना, बचन

( प्रतिक्षण ) हरवक्र, अनुपल

( प्रतिग्रह ) दानलेना

( प्रतिज्ञा ) नियमकरना

( प्रतिदिन ) रोज २ हररोज

( प्रतिध्वनि ) प्रतिशब्द, गुंज

( प्रतिपक्ष ) शत्रु, दुश्मन, वैरी

( प्रतिपादक ) वक्ता, कहनेवाला

( प्रतिपालन ) पोषणकरना, पालना

( प्रतिफल ) बदला, एवज

( प्रतिबन्धक ) रोकनेवाला, बाधक

( प्रतिभा ) समझ

( प्रतिभृति ) जमानत

( प्रतिमास ) हरमहीने

( प्रतियोगिन् ) प्रतिपक्षी, शत्रु, दुश्मन

( प्रतिरूप ) समान, सदृश, बराबर

( प्रतिलोम ) उलटा, विलोम

( प्रतिवादिन् ) प्रतिपक्षी, विरोधी

( प्रतिवासिन् ) पड़ोसी, प्रतिवेशी

( प्रतिष्ठा ) इज्जत, संमान

( प्रतिष्ठित ) इज्जतवर, आदृत

( प्रतीकार ) उपाय, तदधीर, चल

( प्रतिसर्ग ) संसारका प्रलय, कयामत

( प्रतीक्षा ) इन्तिजारी, प्रत्याशा

( प्रतीति ) विश्वम्भ, विडवास, यतवार

( प्रतीप ) प्रतिकूल, खिलाफ

( प्रत्याशा ) प्रतीचा, इन्तिजारी

( प्रत्युत्तर ) जवाब, उत्तर, प्रतिवाच्य

( प्रत्येक ) हरएक

( प्रदक्षिण ) परिक्रमा, चारों तरफ

घूमना

( प्रदर्शक ) दिखलानेवाला

( प्रदर्शनी ) उत्तम २ वस्तु जिसस-

भा में दिखलाई जावे

वह सभा, नुमायश

( प्रदेश ) देश, मुल्क

( प्रध्वंस ) नाश, क्षय

|  |  |
|--|--|
| (प्रपौत्र) परपोता, पुत्रके लड़के का लड़का  | भी कहते हैं  |
| (प्रवन्ध) इन्तिजाम, वन्दोवस्त  | (प्रयाण) गमन, यात्रा   |
| (प्रवन्धक) प्रवन्ध करनेवाला, मुन्तजिम, मनेजर   | (प्रयास) प्रयत्न, उद्योग   |
| (प्रवल) बली, समर्थ, जोरावर   | (प्रयोजक) प्रेरणा करनेवाला, प्रेरक   |
| (प्रवुद्ध) जागता हुआ, फूला हुआ   | (प्रयोजन) काम, मतलब  |
| (प्रभास) एक तीर्थ का नाम जिसको प्रभासक्षेत्र कहते हैं  | (प्ररोह) अंकुर, आंखुआ  |
| (प्रभुत्व) स्वामित्व, हकूमत  | (प्रलम्ब) लम्बा, एक राक्षस का नाम जिसको बलदेवजी ने माराथा  |
| (प्रभुता) स्वामित्व, हकूमत   | (प्रलोभन) लुभाना, लालच दिखलाना   |
| (प्रभृति) पञ्चमी के अर्थ में यह शब्द लाया जाता है, "यथा भवात्प्रभृति, आरभ्य वा सेव्यो हरिः" जन्मसे लेकर हरिकी सेवा करना चाहिये लेकर-यह अर्थ प्रभृति शब्द का है | (प्रवर्त्तक) प्रवृत्त करनेवाला, प्रेरक   |
| (प्रमातामह) परनाना   | (प्रवर्त्तन) प्रेरणा करना, प्रेरण  |
| (प्रमाथ) मारना, मथना   | (प्रवर्षण) एक पहाड़ का नाम जो किष्किन्धापुरी के पास है जिसपर श्रीरामचन्द्रजी ने वर्षाकाल व्यतीत कियाथा |
| (प्रमादिन्) गाफिल, असावधान, बेहोश  | (प्रवास) विदेश में रहना  |
| (प्रमित) नपाहुआ  | (प्रवासिन्) विदेशी, मुसाफिर  |
| (प्रमेह) एक प्रकार का रोग जिससे वीर्य विगड़ जाता है  | (प्रवाह) स्रोतस्, चश्मा, सोता  |
| (प्रयत्न) उद्योग, उपाय   | (प्रविष्ट) घुसाहुआ   |
| (प्रयाग) एक तीर्थस्थान, जहां गंगा, यमुना, सरस्वती इन तीन नदियों का संगम है जिसको लोग अब इलाहाबाद   | (प्रवीणता) निपुणता, होशियारी   |
|  | (प्रवेश) पैठना, घुसना  |
|  | (प्रव्रज्या) संन्यास   |
|  | (प्रशंसनीय) तारीफ़केलायक, स्तुत्य  |
|  | (प्रशंसा) स्तुति, तारीफ़   |
|  | (प्रशस्ति) प्रशंसा, तारीफ़   |
|  | (प्रशान्त) जो शान्त होगयाहो  |
|  | (प्रष्टव्य) प्रश्न, सवाल   |

- (प्रसङ्ग) विषय  
 (प्रसाधिका) शृङ्गार करनेवाली स्त्री, कपड़ा गहना वगैरः पहिरानेवाली लौड़ी, दासी
- (प्रसारण) विस्तारकरना, फैलाना  
 (प्रसिद्धि) ख्याति, शोहरत  
 (प्रस्तावना) उपोद्घात, भूमिका  
 (प्रस्फुटित) फूलाहुआ, विकसित  
 (प्रस्फुरित) चमकताहुंआ  
 (प्रहसन) परिहास, निन्दापूर्वक हँसना
- (प्रहार) मारना, हथियार  
 (प्रहारिन्) मारनेवाला  
 (प्रदृष्ट) घहुत प्रसन्न, खुश  
 (प्रह्लाद) हिरण्यकशिपुका पुत्र, जिसकी रक्षाकेलिये भगवान् ने नृसिंहावतार लियाथा
- (प्रह्व) नम्र, विनीत  
 (प्राकृतन) पहिलेका, पुराना  
 (प्राग्ज्योतिषपुर) भौमासुरकी प्राचीनपुरी
- (प्राणनाथ) घहुतही प्यारा, प्रियतम  
 (प्राणपति) घहुतही प्यारा, प्रियतम  
 (प्राणेश) घहुतही प्यारा, प्रियतम  
 (प्रातराश) प्रातःकाल का भोजन  
 (प्रादुर्भाव) प्रकट, जाहिरहोना  
 (प्रान्त) आसपास, समीप  
 (प्रापक) पानेवाला  
 (प्रामाणिक) विश्वासपात्र, मुञ्जनाधिर
- (प्रामाण्य) प्रमाण, सबूत  
 (प्रायश्चित्त) पापको शुद्धकरनेवाला, व्रतादिक, यथा-प्रायः पापं विजानीयाश्चित्तन्तस्यास्तिशोधनम्
- (प्रारब्ध) भाग्य, किस्मत, नियति, तकदीर, आरब्ध, शुरू कियाहुआ
- (प्रारम्भ) आरम्भ, शुरू  
 (प्रार्थना) याच्ना, मांगना  
 (प्रार्थनीय) प्रार्थना करनेके लायक  
 (प्रार्थयितृ) प्रार्थना करनेवाला, मांगनेवाला
- (प्रियतम) बहुतही प्यारा  
 (प्रियभाषण) प्यारीबोल, मधुरवचन  
 (प्रियवकृ) मीठी व बातें करनेवाला, प्रियंवद  
 (प्रियवादिन्) मधुर भाषण करनेवाला, शीरीकलाम  
 (प्रियवादिनी) प्यारी बातें बोलनेवाली स्त्री, औरत
- (प्रिया) प्यारी, प्रसन्न करनेवाली औरत
- (प्रेक्षक) नाच देखनेवाला  
 (प्रेयमी) घहुतही प्यारी  
 (प्रोक्त) कहाहुआ, उक्त  
 (प्रोपिन) विदेश को गयाहुआ, विदेशस्थित
- (प्रोपिनपतिम्) जिन स्त्री रूपनिविदेशमें हो वह स्त्री

- (मनोभूत) मन्मथ, कामदेव  
 (मनोहर) सुन्दर, रम्य, खूबसूरत  
 (मन्तव्य) माननेके लायक, माननीय  
 (मन्त्रण) सलाह, राय  
 (मन्त्रज्ञ) तान्त्रिक मन्त्रों को जाननेवाला  
 (मन्त्रविद्) मन्त्र को जाननेवाला, तान्त्रिक  
 (मन्त्रित) शुद्ध कियाहुआ, संस्कृत  
 (मन्थन) मथना, विलोडन, प्रतिघात  
 (मन्दगति) धीरे चलनेवाला, सुस्त  
 (मन्दबुद्धि) कमअकल, स्वल्पबुद्धि  
 (मन्दमति) कमअकल, स्वल्पबुद्धि  
 (मन्दभाग्य) बदकिस्मत, अभागा  
 (मन्दर) एक पर्वतका नाम, मन्दराचल  
 (मन्दादर) स्वल्प सन्मान, कमकदर  
 (मन्दोदरी) जिस औरतकापेट बहुत सूक्ष्महो वह स्त्री, रुशोदरी, रावण की पटरानी का नाम  
 (मन्मथारि) कामदेवकेशत्रु शिवजी  
 (ममता) मोह, अज्ञान, वास्तव में जो अपना नहीं है उसको अज्ञानवश अपनाही समझना  
 (मयतनया) मयनाम दैत्यकी बेटी, रावणकीस्त्री, मन्दोदरी  
 (मरणप्राय) धिलकुल मरे की तरह  
 (मसाल) हंस, एक तरह का पक्षी
- जो मानसरोवरमें रहता है और मोती चुनताहै  
 (मारीचिमालिन्) सूर्य, रावि  
 (मरुस्थल) रोगिस्तान, निर्जलप्रदेश, मारवाड़  
 (मर्त्यलोक) मृत्युलोक, संसार, दुनियां  
 (मर्मज्ञ) असली मतलबको जाननेवाला, मार्मिक  
 (मर्षण) सहना, क्षान्ति  
 (मलग्राहिन्) भंगी, मेहतर  
 (मलापकर्षिन्) भंगी, मेहतर  
 (मलय) एक पर्वत का नाम  
 (मलिनचित्त) जिसका दिल बुरा हो वह पुरुष, पापी  
 (मलयुद्ध) कुश्ती, दंगल  
 (मशक) मसा, मच्छड़  
 (मसीपात्र) दावात  
 (महत्त्व) श्रेष्ठता, बड़ाई  
 (महर्षि) बड़ा ऋषि  
 (महाकाय) जिसका शरीर बहुत लम्बा चौड़ाहो वहपुरुष  
 (महाकाली) एकदेवी का नाम  
 (महाघोर) अति भयानक, जिससे बड़ा भय उत्पन्नहो  
 (महाजन) बड़ा आदमी  
 (महात्मन्) श्रेष्ठपुरुष, बहुत अच्छा आदमी  
 (महिमन्) महत्त्व, बड़ाई  
 (महीधर) अत्रि, पर्वत, पहाड़

(महीप) राजा, भूमिपाल  
 (महीपति) राजा, भूमिपाल  
 (महेन्द्र) इन्द्र, स्वर्गका मालिक  
 (महेश) महादेव  
 (महोत्सव) बड़ा जलसा  
 (मांसाद) मांसका खानेवाला, मांसाशी  
 (मांसाहारिन्) मांसभोजी, मांस खानेवाला  
 (मांसभक्षक) मांसखानेवाला, गो-इतख्वार  
 (मांसभक्षिन्) मांसखानेवाला, गो-इतख्वार  
 (मातृप्वसृ) माकीबहिन, मौसी  
 (मातृप्वस्त्रेय) मौसीका लड़का  
 (मायुर) मथुरापुरीका रहनेवाला  
 (मादक) नशेकी चीज  
 (माधुर्य) मधुरता, मिठास  
 (माध्वी) महुआकी मदिरा, दारू  
 (मानसिक) मनका, दिलका  
 (मानहानि) अप्रतिष्ठा, घेड़ज्जनी  
 (मानिन्) घमण्डी, मगरूर, अभिमानी  
 (मान्य) मानने के लायक, पूज्य  
 (मायापति) मायाका स्वामी, ईश्वर  
 (मायाविन्) जालिया. माया जिसमें दो  
 (मारक) मारनेवाला, घातुक  
 (मारीच) एक राक्षसका नाम जिसने मीताहरणमें रावण

की सहायता की थी  
 (मारुतसुत) हनुमान्जी, भीमसेन  
 (मारुतात्मज) वायुका पुत्र हनुमान्जी  
 (मार्कण्डेय) एक ऋषि का नाम, जिसने मार्कण्डेय पुराण बनाया है  
 (मार्गशिर) अगहनका महीना  
 (मार्जनी) बोहारी, झाड़ू  
 (मार्जनीय) शोधनीय, शुद्ध करने के योग्य  
 (मालिका) पांति, श्रेणी, कृतार  
 (मालव) मालवादेश  
 (मासान्त) मासकी समाप्ति  
 (माहेश्वरी) पार्वती  
 (मित) नपाहुआ  
 (मितप्रद) थोड़ा देनेवाला, कंजूस  
 (मित्रता) मैत्री. दोस्ती  
 (मित्रद्रोहिन) दोस्तकी घुराई चानेवाला  
 (मिथिला) जनकपुर  
 (मिथिलेशकुमारी) सीरघज, जनकजीकी पुत्री, श्रीरामचन्द्रकी पत्नी  
 (मिथित) मिलाहुआ, सम्पृक्त  
 (मिष्ट) मधुर, मीठा  
 (मिष्टान्न) मिठाई  
 (मीमांसक) विचार करनेवाला, मीमांसाशास्त्रको जाननेवाला  
 (मीमांसा) विचार, परामर्श



- (मीमांसित) विचाराहुआ  
 (मीलन) संकोचन, निमीलन, वन्दकरना  
 (मीलित) वन्दकियाहुआ  
 (मुकुट) एक तरहका आभूषण जो शिरमें पहिनाजाताहै  
 (मुकुन्द) मुक्तिको देनेवाले विष्णु भगवान्  
 (मुकुम्) मुक्ति, मोक्ष  
 (मुकुलित) कलीदार, कलिकासंयुक्त  
 (मुक्त) दुनियांके जालसे छूटाहुआ  
 (मुक्तहस्त) उदार, बड़ादाता, सखी  
 (मुखभूषण) मुँहको शोभित करनेवाला ताम्बूल, पान  
 (मुखलाङ्गल) सूअर, शूकर  
 (मुग्ध) सुन्दर, खूबसूरत, मूढ़, अनारी  
 (मुग्धा) एक प्रकारकी स्त्री जो खूबसूरत और कमउम्रहो  
 (मुचकुन्द) सूर्यवंशी एक राजा का नाम  
 (मुञ्ज) मूँज  
 (मुण्डक) मूँड़नेवाला नाई, हज्जाम  
 (मुण्डमाला) खोपरीकीमाला  
 (मुद्रित) प्रसन्न, खुश  
 (मुद्ग) एक प्रकारका अन्न, भूंग  
 (मुद्गा) खुशकरनेवाली चीज़ रुपया, मोहर  
 (मुद्रिका) एक तरहकी अंगूठी जिसपर नाम खुदाहो  
 (मुद्रित) मुहर कियाहुआ, छपाहुआ  
 (मुनिपुङ्गव) मुनियोंमें श्रेष्ठ  
 (मुनीन्द्र) मुनिवर्य, मुनिश्रेष्ठ  
 (मुनीश) मुनिवर्य, मुनिश्रेष्ठ  
 (मुन्यन्न) तीनी, नीवार  
 (मुमुक्षु) जो संसारको हमेशाके लिये छोड़ना चाहता है  
 (मुमूर्षु) मरणासन्न, करीबुल्मर्ग, जो करीब मरनेकेहो  
 (मुर) एक राक्षस जिसको श्रीकृष्णजीने मारा था  
 (मुरारि) श्रीकृष्ण  
 (मूर्द्धन्य) ऋ, ट, ठ, ड, ढ, ण, र, य, ये अक्षर  
 (मूलभूत) जड़, बुनियाद  
 (मृगनयनी) जिस औरतकी आँखें हरिणकेसीहों वदखी  
 (मृगपति) सिंह, शेर  
 (मृगी) हरिणी, हर्त्री  
 (मृग्य) दूँडने के लायक, अन्वेष्य  
 (मृतक) मराहुआ  
 (मृतसञ्जीविनी) एक औषधी जिससे मराआदमी जी जाता है  
 (मृदुता) मुलायमियत, कोमलत्व  
 (मेकलमुता) नर्मदानदी, यह मेकलनाम पर्वतसे निकलती है  
 (मेघध्वनि) मेहकीगर्ज  
 (मेघ) यज्ञ, इज्या

|  |   |
|--|---|
| (मेधाविन्) बड़ा ज़हीन, अतिबुद्धिमान्                     | (यदुनाथ) श्रीकृष्णजी  |
| (मेलिन्) संगी, साथी                                      | (यदुपति) श्रीकृष्णजी  |
| (मैत्री) मित्रता, स्नेह, दोस्ती                          | (यन्त्र) कल   |
| (मैथिली) जानकीजी, जनकारमजा                               | (यन्त्रणा) पीड़ा, क्लेश   |
| (मैनाक) एक पर्वतका नाम                                   | (यमक) जमाव, एक प्रकारका अलंकार                                      |
| (मोचन) छुड़ाना   | (यमज) साथ पैदाहुआ, जोड़िया  |
| (मोहन) मोहनेवाला, मनको हर लेनेवाला                       | (ययाति) एक चन्द्रवंश का राजा  |
| (मोहनी) मनको हरलेनेवाली स्त्री                           | (यवन) म्लेच्छजाति   |
| (मोहमय) अज्ञानमय, झूठा                                   | (यशस्विन्) नामी पुरुष   |
| (मौञ्जी) मूंजकी बनीहुई वस्तु मेखला                       | (याजन) यज्ञ करना  |
| (मौनिन्) चुपचाप रहनेवाला                                 | (यात) प्राप्त, पाया हुआ   |
| (म्लान) मुरझायाहुआ                                       | (यादव) यदुवशी   |
| (य)  | (यादृश) जैसा  |
| (यजन) पूजा, याग  | (युक्ति) तरकीब  |
| (यज्ञमूत्र) जनेऊ   | (युत) संयुक्त, मिलाहुआ  |
| (यज्ञोपवीत) जनेऊ   | (युद्धनिदेश) लड़ाई का पैगाम   |
| (यत्न) उपाय, तदवीर                                       | (युधिष्ठिर) पाण्डुराजा का पुत्र, संग्राम में ठहरनेवाला              |
| (यन्त्रित) बंधाहुआ, कैद, बद्ध                            | (युवक) नौजवान, तरुण   |
| (यथाकाम) यथेच्छ, भरपूर                                   | (योगनिद्रा) विष्णुभगवान्कीर्नाद                                     |
| (यथायोग्य) यथोचित, जैसा चाहिये वैसा                      | (योगरूढ़ि) शब्दकी एक शक्ति जो अर्थविशेषमें शब्दको प्रवृत्ति करती है |
| (यथाशक्ति) जहांतक होसकै, यथासामर्थ्य                     | (योगिनी) एकदेवी जिसके चोंसठि भेद हैं                                |
| (यदा) जब, जिस समय  | (योगिन्) चित्तकी वृत्तिको रोकनेवाला                                 |
| (यदु) चन्द्रवंश के एक राजा का नाम जिससे यदुवंश कहलाता है | (योग्यता) हेतियत  |
|  | (योजक) मिलानेवाला   |

|   |  |
|---|--|
| (योजना) जोड़ना  | सारथी  |
| (योधन) शस्त्र, हथियार                                   | (रदब्धद) ओष्ठ, होंठ  |
| (यौगिक) योगसे बनाहुआ                                    | (रन्तिदेव) एक चन्द्रवंशी राजा                              |
| (र)   | (रमक) क्रीड़ाकरनेवाला, कामी                                |
| (रक्तकन्द) पलाण्डु, प्याज                               | (रमण) क्रीड़ा, भोग, पति                                    |
| (रक्तचूर्ण) सिन्दुर, वन्दन                              | (रमणीय) रम्य, सुन्दर                                       |
| (रक्तप) खूनपीनेवाला जोंक, खटमल                          | (रमापति) विष्णु; भगवान्                                    |
| (रक्तपात) खून गिरना                                     | (रवितनया) यमुनानदी   |
| (रक्तबीज) एक राजस का नाम जि-<br>सको दुर्गाजीने माराथा   | (रविनन्दिनी) यमुनानदी                                      |
| (रक्षक) पालक, रक्षा करनेवाला                            | (रविपुत्र) सुग्रीवनाम वानर, राजा<br>कर्ण                   |
| (रक्षण) पालना, रक्षा                                    | (रसज्ञा) स्वादको जानने वाली<br>जिह्वा, जीभ                 |
| (रङ्गभूमि) नाट्यभवन, नाच, तमा<br>शाकी जगह               | (रसायनविद्या) कमिस्ट्री जिससे<br>पदार्थ का विवेक<br>होताहै |
| (रचयितृ) बनानेवाला                                      | (रसिक) रसज्ञ, रसीला  |
| (रजक्री) धोविन  | (रहित) त्यक्त, छूटाहुआ                                     |
| (रजनीकर) चन्द्रमा, रातकरनेवाला                          | (राकापति) पूर्णिमाका चन्द्रमा                              |
| (रजनीचर) निशाचर, राक्षस                                 | (राकेश) पूर्णिमाका चन्द्रमा                                |
| (रञ्जक) प्रीति करनेवाला, प्रसन्न<br>करनेवाला, रँगनेवाला | (राग) प्रीति, मोहव्यत                                      |
| (रञ्जिते) रँगाहुआ                                       | (राजकन्या) राजाकी लड़की                                    |
| (रटन) घोपना, रटना                                       | (राजकर) महसूल, लगान  |
| (रटित) घोपाहुआ, घुट                                     | (राजकीय) राजाका, राजसम्बन्धी<br>सरकारी                     |
| (रणभूमि) लड़ाई की जगह                                   | (राजकीयमहासभा) राजाकी बड़ी<br>कचहरी                        |
| (रंतहिण्डक) रंडीवाज                                     | (राजकुमार) राजाका लड़का, रा-<br>जसूनु                      |
| (रत्नगर्भ) समुद्र                                       | (राजकृत्य) राजकार्य  |
| (रत्नजति) जिस में जवाहिरात<br>जड़ेहैं                   |  |
| (रत्नसू) रत्नोंको पैदाकरनेवाली पृथ्वी                   |  |
| (रथमाहक) रथको हांकनेवाला,                               |  |

- (राजकोश) सरकारी खज़ाना  
 (राजद्रोहिन) राजाका शत्रु, वागी  
 (राजद्वार) राजाकी ड्योढ़ी  
 (राजधानी) जहाँ राजा रहताहो  
 वह स्थान, दास्त-  
 लूनत  
 (राजभवन) राजाका महल, राज  
 सदन  
 (राजमार्ग) सड़क  
 (राजशासन) राजाका हुक्म  
 (राजस) रजोगुणी  
 (राजसभा) राजाका दरवार  
 (राजित) शोभित  
 (रामगिरि) चित्रकूट  
 (रिपुसूदन) शत्रुका नाशकरनेवाला  
 (रुद्राक्रीड) महादेवजी के क्रीड़ा  
 करनेकी जगह, रमशान  
 (रुष्ट) नाराज, कुपित  
 (रूढ) उत्पन्न, प्रकट  
 (रूढि) प्रसिद्धि, उत्पत्ति, पैदाहोना  
 (रूपनिधान) अतिसुन्दर  
 (रूपवती) खूबसूरत औरत  
 (रेसा) लकीर  
 (रेवती) सत्ताईसवां नक्षत्र, बल-  
 देवजी की माता  
 (रैत) एक पर्वत का नाम जो  
 काठियावाड़ में जूनागढ़के  
 पासहै  
 (रोगिन्) रुजार्दित, धीमार  
 (रोचक) रुचि बढ़ानेवाला  
 (रोटिका) रोटी  
 (रोद्ध) घेरनेवाला, रोकनेवाला,  
 रोधक  
 (रोमाञ्चित) भय या हर्षसे जिसके  
 रोम खड़े हों वह पुरुष  
 (रोमावली) रोमराजि नाभिके नीचे  
 की रोएँकी पांति  
 (ल) लक्षित  
 (लक्षित) चिह्नित, निशान किया  
 हुआ, देखाहुआ  
 (लक्षणा) आरोप  
 (लक्ष्मीकान्त) विष्णु, नारायण  
 (लक्ष्मीनाथ) विष्णु, नारायण  
 (लक्ष्मीपति) विष्णु, नारायण  
 (लघिमन्) लघुता, छोटाई  
 (लघुहस्त) कार्यकुशल, काममें हो-  
 शियार  
 (लघ्वी) छोटी  
 (लङ्कापति) रावण  
 (लङ्केश) रावण  
 (लङ्केश्वर) रावण  
 (लङ्घन) लांघना  
 (लज्जारहित) वेशर्भ, बेहया  
 (लतायनस) तरघूज  
 (लब्धि) लाभ  
 (लम्ब) लम्बा  
 (लम्बोष्ठ) ऊंट, जिसके होठलम्बेहों  
 (लाक्षणिक) वह अर्थ, जिसका बोध  
 लक्षणाशक्ति से हो  
 (लाघर) छोटाई, लघुता

|  |   |
|--|---|
| (लाञ्छित) कलङ्कित, बदनाम                         | (लौकिक) सांसारिक दुनियावी   |
| (लालन) लाड़, प्यार                               | (व)   |
| (लालित) हुलारा                                   | (वंश्य) वंश में उत्पन्न   |
| (लालित्य) मनोहरता, खूबसूरती                      | (वक) वगुलापक्षी   |
| (लावण्य) सुन्दरता, खूबसूरती                      | (वकवृत्ति) दम्भी, पाखण्डी   |
| (लासक) नाचनेवाला                                 | (वक्रव्य) कहने के योग्य   |
| (लिङ्गित) चिह्नित                                | (वक्तृता) कथन, व्याख्यान, वक्तृत्व  |
| (लिप्सु) पाने की इच्छा किये हुए                  | (वक्राङ्ग) कुब्ज, कुबड़ा जिसका अंग टेढ़ा हो   |
| (लीन) झिलझ, मिला हुआ                             | (वक्रोक्ति) सीधे को उलटा कहना, एक अलंकार का नाम   |
| (लुब्धन) उखाड़ना, उन्मूलन                        | (वक्ष.स्थल) उरस, सीना, छाती   |
| (लुब्ध) लोटना                                    | (वक्षोज) स्तन, चूची   |
| (लुप्त) नष्ट, गायब                               | (वज्रदन्त) जिसके दांत बहुत मजबूत हों  |
| (लेखनी) कलम                                      | (वज्राघात) वज्र एक तरह के हथियार की चोट   |
| (लेखनीय) लिखने के योग्य, लेख्य                   | (वज्रक) ठग, धूर्त   |
| (लेख्यगृह) जहां लिखने पढ़ने का काम होता हो दफ्तर | (वटु) लड़का, बालक   |
| (लेशमात्र) स्वल्प, थोड़ा भी                      | (वटुक) बाल, लड़का   |
| (लेह्य) आस्वाद्य, चाटने के लायक                  | (वनज) जल से पैदा होनेवाला कमल   |
| (लोकप) लोक भुवन के मालिक लोकपाल                  | (वनमाला) तुलसीदल, कुन्द, मन्दार, पारिजातक, कमल, इनकीमाला यथा " तुलसी कुन्दमन्दार पारिजाताब्जपुष्पकैः ॥ निर्भिता दीर्घमाला या वनमाला प्रकीर्तिता ॥ |
| (लोकलोचन) सूर्य, रवि                             |   |
| (लोकयात्रा) ससार का व्यवहार                      |   |
| (लोकापवाद) बदनामी, अपयश, अपकीर्ति                |   |
| (लोप) न दिखाई देना, अवर्शन                       |   |
| (लोभ) लालच                                       |   |
| (लोभिन्) लालची                                   |   |
| (लोमश) जिस मनुष्य के शरीरमें बहुत रोएं हों       |   |
| (लोहिताक्ष) जिसकी आंखें लाल हों                  | (वन्दन) प्रणाम, स्तुति, तारीफ   |

(वन्दनीय) स्तुत्य, तारीफ करनेके योग्य, अभिवाद्य, प्रणाम करने के योग्य

(वन्य) वनमें होनेवाला जंगली

(वपन) घोना

(वमन) उद्धार, कय, डाकना, उलटी

(वरदान) अभीष्ट वस्तु को देना

(वरदायक) वर देनेवाला, वरदं

(वराटिका) कौड़ी

(वरासन) उत्तम आसन

(वर्जन) मना करना, निवारण

(वर्जनीय) त्याज्य, मना करने के योग्य

(वर्णन) बयान, स्तुति

(वर्णमाला) अक्षर पंक्ति ककहरा

(वर्णसङ्कर) दोगला

(वर्तमान) उपस्थित, मौजूद

(वर्द्धन) वृद्धि, बढ़ती

(वर्द्धित) बढ़ायाहुआ

(वर्षण) वृष्टि, वारिश

(वल्गु) मनोहर, सुन्दर

(वल्लभा) प्रिया, प्यारी

(वशिष्ठ) जो इन्द्रियों को अपने वशमें रखे

(वशिन्) जितेन्द्रिय

(वहित्र) जलयान, जहाज

(वागीश्वरी) सरस्वती

(वाग्दण्ड) फटकार, डाट

(वाङ्मय) शास्त्र

(वाच्य) कहनेके योग्य, वक्रव्य, अर्थ,

मतलब

(वात्सल्य) प्रेम, प्यार

(वाद) वातचीत, भगड़ा

(वादिन्) शत्रु, मुर्दई

(वानरेन्द्र) सुग्रीव, हनुमान्जी

(वायव्य) वायु का, पश्चिम उत्तर का कौन

(वायुपुत्र) हनुमान्जी

(वाराणसी) काशी, बनारस

(वारिचर) जलजन्तु, मछली इत्यादिक

(वारिज) कमल

(वार्षिक) वरसातका, वर्षाकालका, सालाना, आबिदक

(वासना) इच्छा, अभिलाष

(वास्तव) वस्तुतः, ठीक २ सत्य २

(वास्तव्य) रहनेवाला

(विकल) व्यग्र, घबरायाहुआ

(विकल्प) पसोपेश

(विक्रमिन्) पराक्रमी, बलवान्

(विक्रान्त) खिन्न, उदास

(विक्लेद) आर्द्रिभाव, गीलापन

(विक्षेप) फेंकना

(विख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर

(विख्याति) प्रसिद्धि, शोहरत

(विगतश्रम) जिसकी थकावट जातीरहीहो

(विगर्हण) बुराईकरना, निन्दाकरना

(विघात) नाश

(विचित्र) अद्भुत, अजीब

(विचित्र) दृटाहुआ

|  |  |
|--|--|
| (लाञ्छित) कलङ्कित, बदनाम                         | (लौकिक) सांसारिक दुनियावी  |
| (लालन) लाड़, प्यार                               | (व)  |
| (लालित) दुलारा                                   | (वंश्य) वंश में उत्पन्न  |
| (लालित्य) मनोहरता, खूबसूरती                      | (वक्र) वगुलापंक्षी   |
| (लावण्य) सुन्दरता, खूबसूरती                      | (वक्रवृत्ति) दम्भी, पाखण्डी  |
| (लासक) नाचनेवाला                                 | (वक्रव्य) कहने के योग्य  |
| (लिङ्गित) चिह्नित                                | (वक्तृता) कथन, व्याख्यान, वक्तृत्व   |
| (लिप्सु) पाने की इच्छा कियेहुए                   | (वक्राङ्ग) कुब्ज, कुबड़ा जिसका अंग टेढ़ा हो  |
| (लीन) श्लिष्ट, मिलाहुआ                           | (वक्रोक्ति) सीधे को उलटा कहना, एक अलंकार का नाम  |
| (लुब्धन) उखाड़ना, उन्मूलन                        | (वक्षःस्थल) उरस्, सीना, छाती   |
| (लुब्ध) लोटना                                    | (वक्षोज) स्तन, चूची  |
| (लुप्त) नष्ट, गायब                               | (वज्रदन्त) जिसके दांत बहुत मजबूत हों   |
| (लेखनी) कलम                                      | (वज्राघात) वज्र एक तरह के हथियार की चोद  |
| (लेखनीय) लिखनेके योग्य, लेख्य                    | (वज्रक) ठग, धूर्त  |
| (लेख्यगृह) जहां लिखने पढ़ने का काम होता हो दफ्तर | (वटु) लड़का, बालक  |
| (लेशमात्र) स्वल्प, थोड़ा भी                      | (वटुक) बाल, लड़का  |
| (लेह्य) आस्वाद्य, चाटनेके लायक                   | (वनज) जल से पैदा होनेवाला कमल  |
| (लोकप) लोक भुवन के मालिक लोकपाल                  | (वनमाला) तुलसीदल, कुन्द, मन्दार, पारिजातक, कमल, इनकीमाला यथा "तुलसी कुन्दमन्दार पारिजाताब्जपुष्पकेः ॥ निर्मिता दीर्घमाला या वनमाला प्रकीर्त्तिता ॥ |
| (लोकलोचन) सूर्य, रवि                             |  |
| (लोकयात्रा) सत्पथ का व्यवहार                     |  |
| (लोकपवाद) बदनामी, अपयश, अपकीर्त्ति               |  |
| (लोप) न दिखाई देना, अदर्शन                       |  |
| (लोभ) लालच                                       |  |
| (लोभिन्) लालची                                   |  |
| (लोमश) जिस मनुष्य के शरीरमें बहुत रोएं हों       |  |
| (लोहिताक्ष) जिसकी आंखें लाल हों                  | (वन्दन) प्रणाम, स्तुति, तारीफ  |

(वन्दनीय) स्तुत्य, तारीफ करनेके योग्य, अभिवाद्य, प्रणाम करने के योग्य

(वन्य) वनमें होनेवाला जंगली

(वपन) बोना

(वमन) उद्गार, कय, डाकना, उलटी

(वरदान) अभीष्ट वस्तु को देना

(वरदायक) वर देनेवाला, वरदं

(वराटिका) कौड़ी

(वरासन) उत्तम आसन

(वर्ज्जन) मना करना, निवारण

(वर्जनीय) त्याज्य, मना करने के योग्य

(वर्णन) वयान, स्तुति

(वर्णमाला) अक्षर पंक्ति ककहरा

(वर्णसङ्कर) दोगला

(वर्त्तमान) उपस्थित, मौजूद

(वर्द्धन) वृद्धि, बढ़ती

(वर्द्धित) बढ़ायाहुआ

(वर्षण) वृष्टि, बारिश

(वल्गु) मनोहर, सुन्दर

(वल्लभा) प्रिया, प्यारी

(वशिष्ठ) जो इन्द्रियों को अपने वशमें रखे

(वशिन्) जितेन्द्रिय

(वहित्र) जलयान, जहाज़

(वागीश्वरी) सरस्वती

(वाग्दण्ड) फट्कार, डाट

(वाङ्मय) शास्त्र

(वाच्य) कहनेके योग्य, वक्तव्य, अर्थ,

मतलब

(वात्सल्य) प्रेम, प्यार

(वाद) वातचीत, भगड़ा

(वादिन्) शत्रु, मुद्दई

(वानरेन्द्र) सुग्रीव, हनुमान्जी

(वायव्य) वायु का, पश्चिम उत्तर का कोन

(वायुपुत्र) हनुमान्जी

(वाराणसी) काशी, बनारस

(वारिचर) जलजन्तु, मछली इत्यादिक

(वारिज) कमल

(वार्षिक) बरसातका, वर्षाकालका, सालाना, आन्विक

(वासना) इच्छा, अभिलाष

(वास्तव) वस्तुतः, ठीक २ संत्य २

(वास्तव्य) रहनेवाला

(विकल) व्यग्र, घबरायाहुआ

(विकल्प) पसोपेश

(विक्रमिन्) पराक्रमी, बलवान्

(विक्रान्त) खिन्न, उदास

(विक्लेद) आर्द्राभाव, गीलापन

(विक्षेप) फेंकना

(विख्यात) प्रसिद्ध, मशहूर

(विख्याति) प्रसिद्धि, शोहरत

(विगतश्रम) जिसकी थकावट जा-तीरहीहो

(विगर्हण) गुराईकरना, निन्दाकरना

(विघात) नाश

(विचित्र) अद्भुत, अजीब

(विन्दित) दूटाहुआ



|   |   |
|---|---|
| (विच्छेद) विरहवियोग                             | (विभक्त) वांटाहुआ                                   |
| (विजयिन्) जीतनेवाला                             | (विभक्ति) विभाग, अलगकरना                            |
| (विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा                        | (विभाजक) वांटनेवाला                                 |
| (विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन                 | (विभावना) एक प्रकारका अलंकार,<br>जिसमें विना कारणके |
| (वितर्क) विचार, अनुमान                          | कार्यकी उत्पत्ति होती है                            |
| (वितत) विस्तृत, फैलाहुआ                         | (विभीषण) अति-भयङ्कर, बड़ा खौ-                       |
| (वितरण) दान, खैरात                              | फनाक, रावणके छोटे                                   |
| (विदर्भ) एक देशकानाम                            | भाईका नाम   |
| (विदारण) फाड़ना                                 | (विभीषिका) डराना, भयदर्शन                           |
| (विदीर्ण) फाड़ाहुआ                              | (विभु) व्यापक, समर्थ                                |
| (विद्रूपक) नाटकका एक पात्र जो<br>नकलकरता है     | (विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये                   |
| (विदुषी) जाननेवाली, परिडता                      | (विमर्श) विचार                                      |
| (विद्यार्थिन्) छात्र, तालिवड्डम                 | (विमातृ) सौतेली-मा                                  |
| (विद्यालय) पाठशाला, कालेज                       | (विमुख) मुँहफेरेहुये, नाराज, विरुद्ध                |
| (विद्वेष) शत्रु, दुश्मन, बैरी                   | (विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना                       |
| (विधायक) करनेवाला                               | (वियोग) विरह, जुदाई                                 |
| (विध्वंस) नाश, बरबादी                           | (वियोगिन्) विछुड़ाहुआ, वियुक्त                      |
| (विनता) गरुड़की माता                            | (विरक्त) संन्यासी                                   |
| (विनति) विनय, नम्रता                            | (विरचित) बनायाहुआ, निर्मित                          |
| (विनश्यत) विनाशी, नष्टहोनेवाला                  | (विरह) वियोग, विछुड़ना                              |
| (विनिमय) परिवर्तन, बदलना                        | (विराध) एक राक्षस जिसको श्री                        |
| (विनोद) आनन्द, खुशी                             | रामचन्द्रजी ने माराथा                               |
| (विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रह-<br>नेवाली देवी | (विराम) अवसान, अन्त, समाप्त                         |
| (विन्यास) स्थापनकरना                            | (विरूप) बदसूरत                                      |
| (विपरीत) उलटा                                   | (विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण                           |
| (विपाक) कर्मफल, परिणाम                          | (विलम्ब) देर, अरसा                                  |
| (विप्रलब्ध) घोखा दियागया, प्र-<br>तारित         | (विलासिन्) रसिक, भोगी                               |
|   | (विलासिनी) हावभाव के करने<br>वाली औरत               |

|  |  |
|--|--|
| ( विलुप्त ) नष्ट, गायत्र               | ( विस्मरण ) भूलजाना, विस्मृति                                  |
| ( विलोकन ) दर्शन, देखना                | ( विस्मित ) आश्चर्ययुक्त                                       |
| ( विलोचन ) ईक्षण, नेत्र, आंखि          | ( विहरण ) विहारकरना, चैनकरना                                   |
| ( विवरण ) विवृत्ति, व्याख्या, टीका     | ( विहित ) कियाहुआ, कृत   |
| ( विवाहित ) व्याहा हुआ                 | ( विहीन ) रहित, शून्य, खाली                                    |
| ( विवाहिना ) व्याही औरत                | ( वीक्षण ) देखना, दर्शन  |
| ( विवेकिन् ) विचारवान्, समझदार         | ( वीरप्रसू ) बहादुर पुत्रको पैदा करने वाली, वीरकीमाता, वीरसू   |
| ( विशिखासन ) धनुष                      | ( वीरता ) बहादुरी  |
| ( विशुद्ध ) बहुत साफ, अतिपवित्र        | ( वीरभद्र ) शिवजी के पुत्र                                     |
| ( विशेष ) आधिभ्य                       | ( वृकोदर ) भीमसेन  |
| ( विशेषण ) अप्रधान, गौण, जो मुख्य न हो | ( वृपली ) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि                               |
| ( विशेष्य ) प्रधान, मुख्य              | ( वृषोत्सर्ग ) मृतक के वास्ते सांड़ छोड़ना                     |
| ( विशोक ) प्रसन्न, जिसको शोच न हो      | ( वेत्र ) बेंत, वेतस   |
| ( विश्राम ) आराम, सुस्ताना             | ( वेदपारग ) चारोंवेदको जाननेवाला                               |
| ( विश्लेष ) विभाग, अलगहोना             | ( वेदमातृ ) गायत्रीमन्त्र                                      |
| ( विश्वनाथ ) संसारका मालिक             | ( वेदाह्न ) वेदोंके अह्न, शिक्षा कल्प, व्याकरण ज्योतिष् छन्दस् |
| ( विश्वस्त ) विश्वासपात्र, मुञ्जतमिद   | निरुक्त ६ इनको विनापढ़े मनुष्य वेदका अधिकारी नहीं होसक्ता      |
| ( विश्वासघातक ) धोखा देनेवाला, दगावाज  | ( वेद्य ) जाननेके योग्य, ज्ञेय                                 |
| ( विश्वेश ) दुनियांका मालिक            | ( वेधक ) छेदनेका औजार  |
| ( विश्वेश्वर ) दुनियांका मालिक         | ( वेलानस ) वानप्रस्थका आश्रम                                   |
| ( विपमता ) वैषम्य, असाम्य, घटवढ़       | ( वैदिक ) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद में कहाहुआ                     |
| ( विपुवतरेला ) भूमध्यरेखा, खत उस्तवा   | ( वैद्यक ) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र                              |
| ( विष्टब्ध ) स्तब्ध, निश्चेष्ट         | ( वैभ्र ) ऐश्वर्य्य, सम्पत्                                    |
| ( विसर्ग ) अक्षरके आगेकी दो बिंदी      | ( वैमनस्य ) विगाड़, रंज  |
| ( विसर्जन ) विदा, छुट्टी, रुखसत        |  |
| ( विसृचिका ) हँजाकीबीमारी              |  |
| ( विस्फोटक ) फोड़ा, चैचक               |  |

|  |   |
|--|---|
| (विच्छेद) विरहवियोग                              | (विभक्त) बांटा हुआ                                  |
| (विजयिन्) जीतनेवाला                              | (विभक्ति) विभाग, अलग करना                           |
| (विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा                         | (विभाजक) बांटनेवाला                                 |
| (विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन                  | (विभायना) एक प्रकारका अलंकार,<br>जिसमें बिना कारणके |
| (वितर्क) विचार, अनुमान                           | कार्यकी उत्पत्ति होती है                            |
| (वितत) विस्तृत, फैला हुआ                         | (विभीषण) अति भयङ्कर, बड़ा खौ-                       |
| (वितरण) दान, खैरात                               | फनाक, रावणके छोटे                                   |
| (विदर्भ) एक देशकानाम                             | भाईका नाम   |
| (विदारण) फाड़ना                                  | (विभीषिका) डराना, भयदर्शन                           |
| (विदीर्ण) फाड़ा हुआ                              | (विभु) व्यापक, समर्थ                                |
| (विद्रूपक) नाटकका एक पात्र जो<br>नकल करता है     | (विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये                   |
| (विदुषी) जाननेवाली, परिदृष्टता                   | (विमर्श) विचार                                      |
| (विद्यार्थिन्) छात्र, तालिमइलम                   | (विमातृ) सौतेली मा                                  |
| (विद्यालय) पाठशाला, कालेज                        | (विमुख) मुँहफेरेहुये, नाराज, विरुद्ध                |
| (विद्वेष) शत्रु, दुश्मन, बैरी                    | (विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना                       |
| (विधायक) करनेवाला                                | (वियोग) विरह, जुदाई                                 |
| (विध्वंस) नाश, बरबादी                            | (वियोगिन्) विलुड़ा हुआ, वियुक्त                     |
| (विनता) गरुड़की माता                             | (विरक्त) संन्यासी                                   |
| (विनति) विनय, नम्रता                             | (विरचित) बनाया हुआ, निर्मित                         |
| (विनश्यत्) विनाशी, नष्टहोनेवाला                  | (विरह) वियोग, विलुड़ना                              |
| (विनिमय) परिवर्तन, बदलना                         | (विराध) एक राक्षस जिसको श्री                        |
| (विनोद) आनन्द, खुशी                              | रामचन्द्रजी ने मारा था                              |
| (विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रहे-<br>नेवाली देवी | (विराम) अवसान, अन्त, समाप्त                         |
| (विन्यास) स्थापन करना                            | (विरूप) बदसूरत                                      |
| (विपरीत) उलटा                                    | (विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण                           |
| (चिपाक) कर्मफल, परिणाम                           | (विलम्ब) देर, अरसा                                  |
| (विप्रलब्ध) धोखा दिया गया, प्र-<br>तारित         | (विलासिन्) रसिक, भोगी                               |
|  | (विलासिनी) हावभाव के करने<br>वाली औरत               |

(विलुप्त) नष्ट, गायत्र  
 (विलोकन) दर्शन, देखना  
 (विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि  
 (विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका  
 (विवाहित) व्याहा हुआ  
 (विवाहिना) व्याही औरत  
 (विवेकिन्) विचारवान्, समझदार  
 (विशिखासन) धनुष  
 (विशुद्ध) बहुत साफ़, अतिपवित्र  
 (विशेष) आधिक्य  
 (विशेषण) अप्रधान, गौण, जो  
 मुख्य न हो  
 (विशेष्य) प्रधान, मुख्य  
 (विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो  
 (विश्राम) आराम, सुस्ताना  
 (विश्लेष) विभाग, अलगहोना  
 (विश्वनाथ) संसारका मालिक  
 (विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुअ्तमिद  
 (विश्वासघातक) धोखा देनेवाला,  
 दगाबाज  
 (विश्वेश) दुनियांका मालिक  
 (विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक  
 (विपमता) वैपम्य, असाम्य, घटवढ़  
 (विपुवतरेसा) भूमध्यरेखा, खत  
 उस्तवा  
 (विष्टब्ध) स्तब्ध, निश्चेष्ट  
 (विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो बिंदी  
 (विसर्जन) विदा, छुट्टी, रुखसत  
 (विसृचिका) हेजाकीवीमारी  
 (विस्फोटक) फोड़ा, चैचक

(विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति  
 (विस्मित) आश्चर्ययुक्त  
 (विहरण) विहारकरना, चैनकरना  
 (विहित) कियाहुआ, कृत  
 (विहीन) रहित, शून्य, खाली  
 (वीक्षण) देखना, दर्शन  
 (वीरप्रसू) घहादुर पुत्रको पैदा करने  
 वाली, वीरकीमाता, वीरसू  
 (वीरता) घहादुरी  
 (वीरभद्र) शिवजी के पुत्र  
 (वृकोदर) भीमसेन  
 (वृपली) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि  
 (वृपोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड़  
 छोड़ना  
 (वेत्र) धेंत, वेतस  
 (वेदपारग) चारोंवेदको जाननेवाला  
 (वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र  
 (वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प,  
 व्याकरण ज्योतिष् छन्दसु  
 निरुक्त ६ इनको विनापढ़े  
 मनुष्य वेदका अधिकारी  
 नहीं होसता  
 (वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय  
 (वेधक) छेदनेका औजार  
 (वैज्ञानस) वानप्रस्थका आश्रम  
 (वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद  
 में कहाहुआ  
 (वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र  
 (वैभय) ऐश्वर्य, सम्पत्  
 (वैमनस्य) विगाड़, रंज

|   |   |
|---|---|
| (विच्छेद) विरहवियोग                             | (विभक्त) बांटा हुआ                                  |
| (विजयिन्) जीतनेवाला                             | (विभक्ति) विभाग, अलग करना                           |
| (विजिगीषा) जीतनेकी इच्छा                        | (विभाजक) बांटनेवाला                                 |
| (विज्ञापन) नोटिस, जताना, निवेदन                 | (विभावना) एक प्रकारका अलंकार,<br>जिसमें विना कारणके |
| (वितर्क) विचार, अनुमान                          | कार्यकी उत्पत्ति होती है                            |
| (वितत) विस्तृत, फैला हुआ                        | (विभीषण) अति भयङ्कर, बड़ा खौ-                       |
| (वितरण) दान, खेरात                              | फनाक, रावणके छोटे                                   |
| (विदर्भ) एक देशकानाम                            | भाईका नाम   |
| (विदारण) फाड़ना                                 | (विभीषिका) डराना, भयदर्शन                           |
| (विदीर्ण) फाड़ा हुआ                             | (विभु) व्यापक, समर्थ                                |
| (विद्रूपक) नाटकका एक पात्र जो<br>नकल करता है    | (विभूषित) अलंकृत, शृङ्गारकियेहुये                   |
| (विदुषी) जाननेवाली, परिडता                      | (विमर्श) विचार                                      |
| (विद्यार्थिन्) छात्र, तालिमइलम                  | (विमातृ) सौतेली मा                                  |
| (विद्यालय) पाठशाला, कालेज                       | (विमुख) मुँहफेरेहुये, नाराज, विरुद्ध                |
| (विद्वेष) शत्रु, दुश्मन, बैरी                   | (विमोचन) छुड़ानेवाला, छुड़ाना                       |
| (विधायक) करनेवाला                               | (वियोग) विरह, जुदाई                                 |
| (विध्वंस) नाश, घरवादी                           | (वियोगिन्) विछुड़ा हुआ, वियुक्त                     |
| (विनता) गरुड़की माता                            | (विरक्त) संन्यासी                                   |
| (विनति) विनय, नम्रता                            | (विरचित) बनाया हुआ, निर्मित                         |
| (विनञ्जर) विनाशी, नष्टहोनेवाला                  | (विरह) वियोग, विछुड़ना                              |
| (विनिमय) परिवर्तन, बदलना                        | (विराध) एक राक्षस जिसको श्री                        |
| (विनोद) आनन्द, खुशी                             | रामचन्द्रजी ने मारा था                              |
| (विन्ध्यवासिनी) विन्ध्याचलपर रह-<br>नेवाली देवी | (विराम) अवसान, अन्त, समाप्त                         |
| (विन्यास) स्थापन करना                           | (विरूप) बदसूरत                                      |
| (विपरीत) उलटा                                   | (विरोधिन्) दुश्मन, द्वेषण                           |
| (वियाकृ) कर्मफल, परिणाम                         | (विलम्ब) देर, अरसा                                  |
| (विप्रलब्ध) घोखा दिया गया, प्र-<br>तारित        | (विलासिन्) रसिक, भोगी                               |
|   | (विलासिनी) हावभाव के करने<br>वाली प्रारत            |

- (विलुप्त) नष्ट, गायब  
 (विलोकन) दर्शन, देखना  
 (विलोचन) ईक्षण, नेत्र, आंखि  
 (विवरण) विवृत्ति, व्याख्या, टीका  
 (विवाहित) व्याहा हुआ  
 (विवाहिना) व्याही औरत  
 (विवेकिन्) विचारवान्, समझदार  
 (विशिखासन) धनुष  
 (विशुद्ध) बहुत साफ़, अतिपवित्र  
 (विशेष) आधिक्य  
 (विशेषण) अप्रधान, गौण, जो मुख्य न हो  
 (विशेष्य) प्रधान, मुख्य  
 (विशोक) प्रसन्न, जिसको शोच न हो  
 (विश्राम) आराम, सुस्ताना  
 (विश्लेष) विभाग, अलगहोना  
 (विश्वनाथ) संसारका मालिक  
 (विश्वस्त) विश्वासपात्र, मुअ्तमिद  
 (विश्वासघातक) धोखा देनेवाला, दगावाज़  
 (विश्वेश) दुनियांका मालिक  
 (विश्वेश्वर) दुनियांका मालिक  
 (विपमता) वैपम्य, असाम्य, घटवढ़  
 (विपुत्रतरेखा) भूमध्यरेखा, खत उस्तवा  
 (विष्टव्य) स्तव्य, निश्चेष्ट  
 (विसर्ग) अक्षरके आगेकी दो बिंदी  
 (विसर्जन) विदा, छुट्टी, रुखसत  
 (विसृचिका) हैजाकीबीमारी  
 (विस्फोटक) फोड़ा, चैचक  
 (विस्मरण) भूलजाना, विस्मृति  
 (विस्मित) आश्चर्ययुक्त  
 (विहरण) विहारकरना, चैनकरना  
 (विहित) कियाहुआ, कृत  
 (विहीन) रहित, शून्य, ख़ाली  
 (वीक्षण) देखना, दर्शन  
 (वीरप्रसू) बहादुर पुत्रको पैदा करने वाली, वीरकीमाता, वीरसू  
 (वीरता) बहादुरी  
 (वीरभद्र) शिवजी के पुत्र  
 (वृकोदर) भीमसेन  
 (वृषली) शूद्रकी स्त्री, सूदिनि  
 (वृषोत्सर्ग) मृतक के वास्ते सांड छोड़ना  
 (वेत्र) बेंत, वेतस  
 (वेदपासग) चारोंवेदको जाननेवाला  
 (वेदमातृ) गायत्रीमन्त्र  
 (वेदाङ्ग) वेदोंके अङ्ग, शिक्षा कल्प, व्याकरण ज्योतिष छन्दस् निरुक्त ६ इनको विनापढ़े मनुष्य वेदका अधिकारी नहीं होसकता  
 (वेद्य) जाननेके योग्य, ज्ञेय  
 (वेधक) छेदनेका औज़ार  
 (वेदानस) वानप्रस्थका आश्रम  
 (वैदिक) वेदपाठी ब्राह्मण, वेद में कहाहुआ  
 (वैद्यक) डाक्टरी, वैद्यकशास्त्र  
 (वैभय) ऐश्वर्य, सम्पत्  
 (वैमनस्य) घिगाड़, रंज

|   |  |
|---|--|
| (वैयाकरण) व्याकरणशास्त्रको जाननेवाला  | में उत्पन्न विद्वामित्र की कन्या जिसको कण्वऋषिनेपालाथा |
| (वैष्णव) विष्णुभगवान् के भक्त   | (शक्त) समर्थ   |
| (व्यञ्जना) एकप्रकार की शब्द की शक्ति, जो अभिधा तथा लक्षणाशक्ति के विरत होनेपर अर्थान्तरका बोध करती है | (शक्तजित्) इन्द्र को जीतनेवाला रावणकावेटा, मेघनाद      |
| (व्यतिक्रम) व्यत्यय, उत्क्रम, उलट पलट   | (शंखध्म) शंख बजानेवाला                                 |
| (व्यतिरिक्त) अतिरिक्त, सिवाय, अलावा   | (शठता) दुर्जनता, बदमाशी                                |
| (व्यतीत) गुजराहुआ, अतिक्रान्त   | (शण) सन, पेदुआ   |
| (व्यथित) दुःखित, दुःखी  | (शतक्रतु) जिसने सौ यज्ञ कियाहो, इन्द्र                 |
| (व्यपदेश) व्यवहार   | (शतघ्नी) तोप   |
| (व्यभिचार) परदारोपसेवन, जिना  | (शताब्दी) सदी  |
| (व्यभिचारिन्) कुकर्मी, बदचलन  | (शरण्य) रचक, बचानेवाला                                 |
| (व्यवकलन) धाकीनिकालना, घटाना  | (शवाधार) टिकठी   |
| (व्यवधान) आड़, परदा   | (शशाङ्क) चन्द्रमा                                      |
| (व्यवसाय) उद्यम, उद्योग   | (शशिन्) चन्द्रमा, विधु                                 |
| (व्यवस्था) निर्णय, फैसला  | (शस्त्रधारिन्) हथियारबंद                               |
| (व्यारयान) उपदेश, ल्यक्चर   | (शस्त्रमार्जन) हथियार को साफ करना                      |
| (व्यापक) सच जगह भराहुआ, सर्वव्यापी  | (शस्त्राधार) हथियारघर, शस्त्रगृह                       |
| (व्यापादन) मारना, हिंसन, कत्ल   | (शाकिनी) दुर्गा की अनुचरी                              |
| (व्यायाम) कसरत, परिश्रम   | (शाक्त) देवी की पूजा करनेवाला                          |
| (व्युत्पत्ति) बोध, समझ  | (शाणित) हथियार जिसपर तान चढ़ा हो                       |
| (व्रीडित) लज्जित, शर्मिन्दः   | (शाप) बददुआ, सराप                                      |
| (ज)   | (शाब्दिक) वैयाकरण                                      |
| (शकुन्तला) मेनका नाम अप्सरा   | (शायिन्) सोनेवाला                                      |
|   | (शासनपत्र) आज्ञापत्र, परवानः                           |
|   | (शास्त्रिन्) शास्त्र का जाननेवाला,                     |

पाण्डित

- ( शिक्षक ) सिखानेवाला  
 ( शिक्षापकरण ) विद्याविभाग, स-  
 रिश्तातालीम  
 ( शिथिल ) ढीला  
 ( शिरोमणि ) श्रेष्ठ, उत्तम  
 ( शिवि ) एक राजा का नाम  
 ( शिविर ) छावनी, सेनानिवेश  
 ( शिष्ट ) सज्जन, सभ्य  
 ( शिष्टाचार ) सज्जनों का आचरण  
 ( शीघ्रगामिन् ) जल्दी चलनेवाला  
 ( शीतकर ) चन्द्रमा  
 ( शीतकाल ) जाड़ेके दिन  
 ( शीतज्वर ) जुड़ी  
 ( शीतलता ) शैत्य, ठंडापन  
 ( शीर्ष ) मराहुआ  
 ( शुद्ध ) पवित्र, साफ, सही  
 ( शुद्धता ) सफाई, स्वच्छता  
 ( शुद्धि ) सफाई, निर्मलता  
 ( शुभग ) सुन्दर  
 ( शुभचिन्तक ) खैरखाह, शुभा-  
 भिलाषी  
 ( शुभलग्न ) अच्छासमय  
 ( शुभाकांक्षिन् ) भला चाहनेवाला  
 ( शुश्रूपक ) सेवाकरनेवाला, दास  
 ( शुष्क ) सूखा, खुश्क  
 ( शूरता ) बहादुरी, वीरता  
 ( शेषशायिन् ) विष्णुभगवान्  
 ( शैव ) शिवकेभक्त  
 ( शोकाकुल ) रंजीदः

- ( शोकात्त ) रंजीदः  
 ( शोचनीय ) शोक करनेके योग्य,  
 शोच्य  
 ( शोधक ) शुद्ध, सही करनेवाला  
 ( शोधन ) शुद्धकरना, सेहत  
 ( शोपक ) सोखनेवाला  
 ( शौच ) पवित्रता, सफाई  
 ( शौलिकक ) चुंगी का दारोगा  
 ( श्रद्धान ) श्रद्धालु, मुअतकिद,  
 श्रद्धावान्  
 ( श्रम ) मेहनत, परिश्रम  
 ( श्रान्त ) थका हुआ  
 ( श्रान्ति ) थकावट  
 ( श्रोत्र ) सुननेवाला  
 ( श्लाघा ) प्रशंसा, तारीफ़  
 ( श्लाघ्य ) प्रशंसनीय, तारीफ़ के  
 लायक  
 ( श्वान ) कुत्ता, कुकुर  
 ( श्वास ) सांस  
 ( श्वेतद्वीप ) एकद्वीप का नाम  
 ( ५ )  
 ( पद्मवर्ग ) काम १ क्रोध २ लोभ ३  
 मोह ४ मद ५ अहंकार ६  
 ( पद्मशास्त्र ) न्याय १ वैशेषिक २  
 मीमांसा ३ वेदान्त ४  
 सांख्य ५ योग पातञ्जल ६  
 ( पड़ङ्गि ) भौरा, भ्रमर  
 ( पौडशदान ) सोलह प्रकारके दान  
 यथा । पृथ्वी १ आसन  
 २ जल ३ वस्त्र ४ द्वीप ५



अन्न ६ दान ७ छत्र ८  
 लुगन्वितवस्तु ९ पुष्प-  
 साला १० फल ११ शय्या  
 १२ खड़ाऊं १३ गो १४  
 सुवर्ण १५ रजत १६  
 इन सबका दान

( स )

(संन्यासिन्) यति, परिव्राजक  
 (संयुक्त) मिलाहुआ  
 (संयुत) संमिलित  
 (संयोग) मिलाप, संगम  
 (संलग्न) लगाहुआ  
 (संवाद) वार्त्तालाप, बातचीत  
 (संशयात्मन्) शक्य, सन्दिग्ध  
 (संसर्ग) सम्बन्ध, सोहवत  
 (संहिता) सन्धि  
 (सकाम) साभिलाष  
 (सघ्न) सान्द्र, घना  
 (सङ्कलन) जोड़ना, मिलाना  
 (सङ्कीर्णता) तंगी, कोताही  
 (सङ्कीर्तन) वर्णन, कथन  
 (सङ्केत) इशारा  
 (सङ्कोचन) सिकोड़ना  
 (सङ्क्रमण) संक्रान्ति, सूर्यका एक राशि  
 से दूसरी राशि पर जाना  
 (संगम) मिलान, संयोग  
 (सङ्गीत) गानविद्या  
 (सङ्गृहीत) सङ्ग्रह, इकट्ठा कियाहुआ  
 (सङ्गृहणी) एक प्रकार का रोग  
 प्रवाहिका

(सङ्घर्ष) दूसरे का अभिभव चाहना,  
 स्पर्द्धा

(सजल) जलयुक्त  
 (सजातीय) एक जातिका  
 (सञ्चित) इकट्ठा किया हुआ  
 (सत्कार) संमान, खातिर  
 (सत्क्रिया) सत्कार  
 (सत्यवादिन्) सच बोलनेवाला  
 (सत्यसन्ध) सत्यप्रतिज्ञ, कौलकापका  
 (सत्सङ्ग) सज्जनों की सोहवत  
 (सदसत्) अच्छाधुरा  
 (सदाचार) अच्छा चालचलन १  
 प्राचीनधर्म २  
 (सधवा) सौभाग्यवती स्त्री, जिस  
 का पति मौजूदहो  
 (सध्रीची) साथ चलनेवाली  
 (सन्तुष्ट) प्रसन्न  
 (सन्तोष) सन्न, सन्तुष्टि  
 (सन्तोषिन्) सन्तोष करनेवाला  
 (सन्दर्भ) रचना, प्रबन्ध  
 (सन्नाह) कवच, वर्म्म, वस्त्र  
 (सन्निधान) समीप, सन्निधि  
 (सन्निपात) सरसाम  
 (संन्यास) त्याग, छोड़ना, चतुर्थाश्रम  
 (सप्तसागर) खारासमुद्र १ इक्षुरस २  
 दधि ३ चीर ४ मधु ५  
 ॥ मद्य ६ घृत ७ इन सात  
 चीजों का समुद्र  
 (सप्ताह) सात दिन, हफ्तः  
 (सभापति) सभा का मालिक, प्रे-

सीडेण्ट

- (समक्ष) सामने, संमुख  
 (समता) बराबरी, तुल्यता  
 (समदर्शिन्) बराबर देखनेवाला  
 (समन्वित) युक्त, सहित, साथ  
 (समवल) बराबर वाला, तुल्यवल  
 (समाधान) शंकाका उत्तरसमझाना  
 (समाप्त) पूर्ण, तमाम  
 (समाप्ति) पूर्ति, खातमा  
 (समारोह) जमाव, धूमधाम  
 (समाहित) सावधान  
 (समाह्वान) पुकारना, आह्वान  
 (समीकरण) बराबर करना  
 (समीचीन) उत्तम, उम्दः  
 (सम्पन्न) अमीर, धनवान्  
 (सम्पर्क) संसर्ग, सम्बन्ध  
 (सम्पादक) करनेवाला  
 (सम्बन्ध) ताल्लुक, रिश्ता  
 (सम्बन्धिन्) रिश्तेदार  
 (सम्भवना) उम्मेद, आशा  
 (सम्भाषण) बोलचाल  
 (सम्भोग) मैथुन, रत  
 (सम्मत) अङ्गीकृत, मंजूर  
 (सम्मति) सलाह, राय  
 (सरयू) एक नदीका नाम जो अ-  
 योध्यापुरी के पास बहती है  
 (सरस) स्वाड्युक्त, रसीला  
 (सरसिज) कमल  
 (सरोज) कमल  
 (सरोप) कुद्ध, गुस्तावर, कुपित

- (सर्वभूत) सब जीव  
 (सर्वर्ण) समान जातिका, हमजिन्स  
 (सव्यसाचिन्) अर्जुन, पाण्डुपुत्र  
 (सशङ्क) भीत, डराहुआ  
 (सहचर) साथ चलनेवाला, साथी  
 (सहदेव) पाण्डुका छोटा पुत्र  
 (सहयोगिन्) साथी  
 (सहवास) साथ रहना  
 (सहवासिन्) साथ रहनेवाला  
 (सहस्रनयन) इन्द्र, हजार नेत्रवाला  
 (सहस्रनेत्र) इन्द्र, हजार नेत्रवाला  
 (सहस्रपाद) सूर्य, सहस्रांशु  
 (सहानुभूति) सुखदुःखमें साथी होना  
 (सहायक) मददगार, सहारा करने  
 वाला  
 (सहोदर) सगाभाई  
 (सह्य) सहने के लायक  
 (सांसारिक) संसार का, दुनियावी  
 (साकार) मूर्तिमान्, युक्तियुक्त  
 (साक्षिन्) साखी, गवाह  
 (सांख्य) कपिलमुनिकावनायाशास्त्र  
 (सादृश्य) तुल्यता, बराबरी  
 (साधक) काम करनेवाला  
 (साधनीय) सिद्ध करने के योग्य  
 (साधारणधर्म) जीवको न मारना,  
 अहिंसा १ सच बो-  
 लना, सत्य २ चोरी  
 न करना, अस्तेय ३  
 पाक सांफ रहना,  
 शौच ४ इन्द्रियोंको

अपने वशमें रखना (सीमाविवाद) सरहद्दी भूगड़ा  
 इन्द्रिय निग्रह ५ (सुकण्ठ) सुग्रीवनाम वानर, जिस  
 दम ६ सामर्थ्यहोने का गला अच्छाहो  
 पर दूसरेके अपराध (सुखद) आराम देनेवाला  
 को क्षमा करना, (सुखदायक) आराम देनेवाला  
 क्षमा ७ स्वभावको (सुखधामन्) आरामकरनेका मकान  
 कोमल रखना, आ- (सुखमा) खूबसूरती, शोभा  
 र्जवटखैरात करना, (सुखावह) सुख देनेवाला, सुखद  
 दान ६ यथाअहिंसा (सुखी) खुश, प्रसन्न  
 सत्यमस्तेयंशौचमि (सुगन्ध) खुशबू, अच्छीवास  
 न्द्रियनिग्रहः ॥ दमः (सुगन्धित) खुशबूदार, सुगन्धी  
 क्षमाऽऽर्जवंदानंध- (सुगम) सरल, सहज, आसान  
 र्मसाधारणविदुः १ (सुगमता) सरलता, आसानी

(सामग्री) सामा, सामान  
 (सामयिक) समयपर का  
 (सामर्थ्य) बल, ताकत, शक्ति  
 (सामीप्य) समीपता, नजदीकी  
 (सामुद्रिक) एक प्रकार की विद्या,  
 जिससे मनुष्य के ल-  
 च्छण मालूम होतेहैं  
 (सार्थक) अर्थमहित, साथमतलबके  
 (सावधान) सचेतहोना, चौकसहोना  
 (साहसी) हिम्मतदार, पराक्रमी  
 (साहित्य) मिलान १ एक शास्त्र  
 जिससे काव्य के गुण  
 दोषादिक मालूमहोतेहैं  
 (सिंहिका) एक राजसी का नाम,  
 जिसका पुत्र राहुहै  
 (सिक्क) सींचा हुआ  
 (सीकर) जलकण, पानीकेछोटे २ धूँद  
 (सुधाकर) चन्द्रमा  
 (सुपात्र) दान देनेके योग्य, सुयोग्य  
 (सुप्त) सोयाहुआ, निद्रित  
 (सुप्ति) नींद, सोना  
 (सुभग) सुन्दर, खुशकिस्मत  
 (सुभगा) सौभाग्यवती, स्त्री  
 (सुमति) अच्छीबुद्धि  
 (सुमुखी) सुन्दरमुखवाली, स्त्री  
 (सुयोग) अच्छी सोहवत, सुसंगति  
 (सुरगुरु) बृहस्पति,  
 (सुरत) मैथुन, भोग  
 (सुरतरु) कल्पवृक्ष  
 (सुरधेनु) कामधेनु  
 (सुरनदी) आकाशगङ्गा, मन्दाकिनी  
 (सुराहना) देवताकी स्त्री  
 (सुलभ) जोआसानीसे मिलसक्ताहो  
 (सुलोचना) अच्छी आंखवाली,

|   |  |
|---|--|
| सुनेत्रा, मेघनादकी स्त्री                           | के साथ व्याहकियाथा                                 |
| (सुवेल) एक पर्वतका नाम जो दक्षिण समुद्रके किनारे है | (सौभद्र) श्रीकृष्णजी की भगिनी, वहिन, सुभद्राकावेटा |
| (सुशील) अच्छे स्वभावका आदमी                         | (सौभाग्य) अच्छाभाग्य                               |
| (सुपुसि) गहिरीनींद, गाढ़निद्रा                      | (सौमित्रि)सुमित्राजीके लक्ष्मणजी                   |
| (सुस्थ) सावधान, निश्चिन्त                           | (सौर) सूर्यका, सूर्य सम्बन्धी                      |
| (सूक्त) अच्छाकथन                                    | (सौरभ) सौगन्ध, खुशबू                               |
| (सूक्ष्मता) पतलापन, चारीकी                          | (सौहार्द) मैत्री, दोस्ती                           |
| (सूचना) निवेदन, इत्तिला                             | (स्खलित) च्युत, गिराहुआ, छद्म, धोखा                |
| (सूचित) जानागया                                     | (स्तम्भन) रोकना                                    |
| (सूचीपत्र) फेहरिस्त                                 | (स्त्वन) स्तुति, तारीफ                             |
| (सूतक) आशौच, अपवित्रता, जो जनन, मरण प्रयुक्तहोताहै  | (स्तुत्य)स्तोतव्य, तारीफके लायक                    |
| (सूत्रधार) नाटक करनेवाला, पात्र, नट                 | (स्तोत्र) स्तुतिकरनेवाले                           |
| (सूदन) मारना, मारनेवाला                             | (स्त्रीधन) यौतुक, दायज, जहेज                       |
| (सृष्टि) संसारकी उत्पत्ति                           | (स्थापन) बैठाना, ठहराना                            |
| (सेचक) सींचनेवाला                                   | (स्थापित) बैठायाहुआ                                |
| (सेतुबन्ध) पुलबान्धना                               | (स्थायिन्) रहनेवाला, ठहरनेवाला                     |
| (सेनापति) फौजका अफसर, कर्नेल                        | (स्नायिन्) स्नानकरनेवाला                           |
| (सेवित) सेवाकियागया, उपासित                         | (स्पर्द्धा) ईर्ष्या, डाह, जलन                      |
| (सेव्य) सेवाकरने के योग्य, स्वामी                   | (स्फटिक) सफेद पत्थर, विछोरीपत्थर                   |
| (सन्यप्रदर्शनी) फौजीनुमायश                          | (स्फोटक) फोड़ा, चेचक                               |
| (सोदृ) सहनेवाला, सहिष्णु                            | (स्फूर्ति) फरकना                                   |
| (सोमज) बुध, चन्द्रमाका पुत्र                        | (स्मरण) याद, स्मृति                                |
| (सोजन्य) सुजनता, शराफत                              | (स्मारक) याददिलानेवाला,                            |
| (सौनिक) अधिक, धहेलिया                               | (स्वकीय) अपना, निज                                 |
| (सौन्दर्य) सुन्दरता, सूवसूती                        | (स्वच्छ) साफ, निर्मल                               |
| (सौभरि) एक ऋषि, जिसने मा-<br>न्धाताकी पचास कन्या    | (स्वच्छता) सफाई, नेर्मल्य                          |
|   | (स्वच्छन्दता) सुदमुख्तियारी, स्वा-<br>धीनता        |

|  |  |
|--|--|
| (स्वत्वापहरण) वेदखली                             | (हारक) हरणकरनेवाला                                 |
| (स्वधर्म) अपनाधर्म                               | (हारिन्) हरण करनेवाला                              |
| (स्वरित) उदात्त, अनुदात्तसे मि-<br>लाहुआ स्वर    | (हार्य) हरणकरने के लायक                            |
| (स्वर्ग) स्वर्गकेलिये हितकारी                    | (हाहाकार) कोलाहल, हछा                              |
| (स्वल्प) बहुतथोड़ा                               | (हिंसक) मारनेवाला                                  |
| (स्वस्तिवाचन) मङ्गलके वास्ते मंत्रों<br>को पढ़ना | (हिंसन) मारना                                      |
| (स्वागत) आदर, संमान                              | (हित) भलाई, उपकार                                  |
| (स्वार्थ) स्वतन्त्र, खुदमुखितयार                 | (हितकारिन्) भलाई करनेवाला                          |
| (स्वाभाविक) स्वभाव सिद्ध, खु-<br>दादाद           | (हितैपिन्) खरैरुवाह, हित, भलाई,<br>चाहनेवाला       |
| (स्वार्थ) अपना मतलब                              | (हिमकर) चन्द्रमा                                   |
| (स्वार्थिन्) मतलबी                               | (हिमालय) हिमाचल                                    |
| (स्वास्थ्य) तन्दुरुस्ती, अनामय                   | (हिरण्यकशिपु) कश्यपमुनिका पुत्र,<br>प्रह्लादकापिता |
| (स्वीकार) अङ्गीकार, कबूल करना<br>(ह)             | (हिरण्याक्ष) हिरण्यकशिपुका छो-<br>टाभाई            |
| (हति) हनन, मारना                                 | (हीनजाति) नीचजातिका                                |
| (हत्या) वध, मारना                                | (हुङ्कार) हुँकरना                                  |
| (हन्त) मारनेवाला                                 | (हुत) हुनाहुआ                                      |
| (हरणीय) हरनेके योग्य                             | (हुताश) अग्नि, आग                                  |
| (हरिवाहन) विष्णुकी सवारी, गरुड़                  | (हुताशन) अग्नि, आग                                 |
| (हर्तव्य) हरणीय, हरने के योग्य                   | (हुत) हरायगा, ज्वत्कियागया                         |
| (हर्त) हरनेवाला                                  | (हेय) छोड़ने के काबिल, त्याज्य                     |
| (हलधर) बलदेवजी                                   | (होम) हवन  |
| (हवन) होम  | (होमकुरण्ड) हवनकाकुरण्ड, गड़हा                     |
| (हविर्भुज्) अग्नि, आग                            | (हास) घाटा, कमी                                    |
| (हस्तगत) हाथमें आया, अस्ति-<br>यारमें            | (हाद) सुख, आनन्द                                   |
| (हानि) नुकसान                                    | (हादित) प्रसन्न, खुशी                              |
|  | (हलन) चलना   |

इति शब्दसंग्रह समाप्तः ॥

## श्रीमद्भागवत भाषाटीकासंयुक्त ७) रु० पु०

इस ग्रन्थके उत्तम होने में कदापि सन्देह नहीं है—इसका भाषा तिलक ब्रजवोली में बहुतही प्याराहै आशय प्रत्येक श्लोकों का है क्यों न हो इसके तिलककार महात्मा ब्रजवासी अद्भुतजीशास्त्री हैं—यह तिलक ऐसा संस्कृत है कि इसके द्वारा अल्प संस्कृतज्ञ पुरुषों का पूरा कार्य निकल सकाहै—संस्कृत पाठकभी इससे श्लोकोंका पूरा आशय समझ सकें हैं इसवार यह ग्रन्थ टैपके अक्षरों में उम्दा कागज सफेद चिकना में छापागया है और विशेष विद्वान् शास्त्रियों के द्वारा शुद्ध कराया गयाहै जिससे बम्बईकी छपीहुई पुस्तकसे किसी काम में न्यून नहीं है उम्दातसवीर भी प्रत्येक स्कन्धमें युक्तहैं—आशा है कि इस अमूल्य रत्नके लेने में महाशयलोग विलम्ब न करेंगे ॥

## इशितहार सरित्सागर भाषा ३) रु० पु०

हिन्दी भाषा के परमहितैषी भार्गववंशावतंस मुंशीनवलकिशोर (सी. आई. ई) ने विद्वानों के मुखसे इस कथा सरित्सागर नाम ग्रन्थरत्नकी प्रशंसा तथा सदुपदेश भरी अत्यन्त मनोहर कथाओं को सुनकर अपनी मातृभाषा हिन्दी का गौरव बढ़ाने के लिये हमलोगों को यथोचित धन देकर इसका अनुवाद करवाया इस अनुवादमें हमलोगोंने यथाशक्ति यह उद्योग किया है कि श्लोक के किसी शब्दका अर्थ न रहने पावे और यथासंभव भाषा का प्रबन्ध भी न बिगड़ने पावे इसमें जहाँ २ नीतिके श्लोक आगये हैं वह भी अनुवादसहित कोष्ठक में लिख दिये गये हैं ॥

हमलोग आशा करते हैं कि जैसे इस ग्रन्थकी कथाओं के आशयोंका लेकर संस्कृतके कवियों ने नागानन्द कादंबरी हितोपदेश मुद्राराक्षस तथा वेतालपंचविंशतिका आदि अनेक ग्रन्थ बनाये हैं इसीप्रकार इस अनुवाद को देखकर हिन्दीभाषा के सुलेखकगण भी इसकी कथाओं के आशयों को लेकर अनेक नवीन ग्रन्थ बनाके अपनी मातृभाषा के गौरव को बढ़ावेंगे हम लोगों को यह भी दृढ़ विश्वास है कि यदि इस

आज्ञानुसार इस ग्रन्थकी छोटी छोटी कथाओं को लेकर दो चार छोटे छोटे ग्रन्थ बनवाकर पाठशालाओंके दशम नवम अष्टम तथा सप्तम आदि वर्गों के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिये नियत किये जायें तो उनको विना प्रयासकेही सदुपदेशका लाभ होगा और इस समय यह ग्रन्थ विशेष शुद्धता के साथ उम्दा हल्फ में छपाहुआ तैयार है ॥

मैनेजर अवध अखवार प्रेस  
लखनऊ हज़रतगंज

## इतिहास

### शिवताण्डवस्तोत्रम्

यह स्तोत्र रावणकृत जिसको कि सभी विद्वान् पुरुष जानते हैं और अतीव सत्कार करते हैं इसकी छन्द संस्कृत में बहुतही रोचकहैं परन्तु विशेष कठिन होनेके कारण सामान्य पुरुष केवल श्लोकों को पढ़ाकरते हैं उसके अर्थको नहीं समझते कि क्या इसमें अभिप्रायहै अतएव दो तिलक किये गये हैं एक (सवैया) दूसरा (वार्त्तिक भाषा) इन दोनों तिलकों में एक २ पदका अर्थ किया गया है केवल २० सफ़ेकी किताबहै मूल्य बहुत थोड़ाहै और इसी यंत्रालयमें मुद्रित हुई है अन्यत्र कहीं नहीं ऐसी प्रकाशित हुई कागज़ व अक्षर बहुतही उम्दा है ॥

### इतिहास अर्जुनगीता ।)

इस पुस्तक में अर्जुन और श्रीकृष्णचन्द्र आनन्दकन्द का प्रश्नोत्तर शंका समाधान करके युद्ध सम्पूर्ण वर्ण और धर्मों के लिये निरूपण किया गया है इससे अतिरिक्त श्रीवेदव्यासजी की उत्पत्ति व गरुड़ और अरुण उत्पत्ति व उनके दुष्कर कर्म व गजेन्द्रमोक्ष व द्रौपदी चीरहरण सविस्तर रुचिर दोहा चौपाई आदि छन्दों में वर्णन कियागया है जिसके देखनेहीसे भक्त पुरुषों को आनन्द लाभ होगा और इसके गुण को जानेंगे बहुत उ-  
। कागज़ व शुद्ध होकर बन्दई अक्षरों में छापी गई है मूल्य बहुत स्वल्प  
गया है ॥